

GAEKWAD'S ORIENTAL SERIES

Published under the Authority of
the Government of His Highness
the Maharaja Gaekwad of Baroda.

GENERAL EDITOR

B BHATTACHARYYA, M A , Ph L

Rājaratna

No LX

कल्पद्रुकोशः

VOL II

I N D E X

KALPADRUKOSA
OF
KESAVA

COMPILED BY
SHRIKANTA SHARMA,
Monghyr

IN TWO VOLUMES

VOL II

I N D E X

1932
ORIENTAL INSTITUTE
BARODA

Printed at the Government Press, Baroda and published on
behalf of the Government of His Highness the Maharaja
Gaekwad of Baroda by Benoytosh Bhattacharyya,
Director, Oriental Institute, Baroda

PRICE Rs 4-0-0

P R E F A C E

The first volume of the *Kesavakalpadru* was published in 1928 as No XLII of the *Gaekwad's Oriental Series* under the editorship of Mahāmahopādhyāya Pandit Rāmāvatāra Śaimā Sāhityācārya, Senior Professor of Sanskrit in the Patna Government College, who also gave an introduction tracing the origin, history and development of the Lexical literature of India and an elaborate bibliography of Sanskrit works on Indian Lexicography. The untimely death of the Mahāmahopādhyāya removes from the field of Indology an ardent worker and a specialist in Lexicography, and his place it will be difficult to fill up for a long time to come. The first volume is one of his last publications, and the introduction attached to the volume is the result of his life-long research in this fascinating branch of Sanskrit literature. The delay in bringing out the second volume is due to his sudden demise, which we deeply mourn, and probably, it would have been difficult to publish the second volume without the willing and generous co-operation of his brother Pandit Shūkanta Sharma who volunteered his services to bring his brother's half-finished work to a completion, for which the learned Pandit is warmly thanked.

The second volume now presented as No LX of the *Gaekwad's Oriental Series* contains an all-words-index of the *Kesavakalpadru* in alphabetical order with page and śloka references together with a few equivalents of obsolete words. The important work of indexing is very much neglected in modern times but without an index a lexicon, at least, certainly loses much of its value as a reference book.

BARODA,
The 12th February,
1932 }

GENERAL EDITOR.

केदावकृतकल्पद्रुकोशस्थशब्दानामकारादिवर्णकमेण

सूची.

अ

अ ४५९, १५।
 अंश ३७०, ८।
 अंशु ४३७, १६।
 अंशुक ५२, २१।
 अंशुकाह १७७, ४०२।
 अंशुपति ३०७, ५२०।
 अंशुमत २९६, ४२५, ४३६, २।
 अंशुमत्कला=अंशुरम्मा
 अंशुरम्मा २५५, ६३।
 अस ३८, १६७।
 अंसल ३२, १०८।
 अंहति ७२, १००।
 अंहस्=पापन
 अंहस्पति ४१२, ६३।
 अहिपिच्छ. ३३२, १३३।
 अंहिशिरस ४४, २१९।
 अक. ३६७, ३।
 अकनिष्ठा. ३६८, १।
 अकरण २४४, ८।
 अकर्ण ३७४, ४३।
 अकल्कन. २२४, ९६।
 अकसी १४०, ७१।
 अकाण्डतिक्त. २६६, १५८।
 अकिञ्चन २२४, ९०।
 अकूपार ३४४, ४।
 अकृत. ८, ३७, १६०, २५१।
 अवत ११९, २७३।
 अकान्ता २९९, ४५४।
 अक्ष ११०, ५१९, २०१, ६१८,
 २६३, ९३२, २६८, ९८९,
 ४१६, ९९, ४३४, १५७।
 अक्षकोविद ९२, ३५।
 अक्षण ११, ३०।

अक्षत १३७, ४२, ३८९, ८९।
 अक्षदर्शक. ९०, ११।
 अक्षदेविन. २१३, ९९।
 अक्षधृति २१३, १००।
 अक्षपाद ८४, १४४।
 अक्षपूर्वज. ३८७, ६५।
 अक्षमाला ८३, १३०।
 अक्षर. ४१६, १४, ४१६, ९५, ४३४,
 १५५, ४४४, ४७।
 अक्षरकोश. ५१, २७७।
 अक्षरचञ्चन्त्र ९६, ६९।
 अक्षरच्चण ९६, ६९।
 अक्षरचिन्यास ९७, ७५।
 अक्षरसंस्थान=अक्षरचिन्यास.
 अक्षरावार. ५१, २७६।
 अक्षवती २१३, १०१।
 अक्षारित. २२३, ८३।
 अक्षि ३६, १४५।
 अक्षिकूटक १०७, १६७।
 अक्षिगन २२३, ८६।
 अक्षिभेषज १७४, ३७७।
 अक्षिविकूणित ३६, १४९।
 अक्षीव १५३, १८१।
 अक्षोड (ट). २५७, ७९।
 अक्षोहिणी ११६, २५२।
 अक्ष्य १५२, १७८।
 अख ३२३, ५६।
 अखद्वि. २३६, १५।
 अखण्ड. २२७, १२२।
 अखात, ३४२, १९, ३५८ १३४।
 अखिल २२७, १२२।
 अग २५०, १३, ३४१, २।
 अगद ६०, ३६०, ६०, ३६२।
 अगदङ्कार ६०, ३६३।

अगम २५०, १५।
 अगम्य २२०, ५३।
 अगस्तारक ६५, ४०५।
 अगस्ति ४०४, २१८।
 अगस्त्य ६८, १, २७५, २४०,
 ४०४, २१८।
 अगाध ३४६, २६।
 अगार १२, ३५।
 अगुरु ६७, ४०६।
 अगोकम ३१८, ५।
 अग्रायी ३७९, २१।
 अग्नि १७२, ३५१, १८७, ४९३,
 २५६, ११, ३७६, १।
 अग्निक ३३७, १७६।
 अग्निगर्भ २००, ६०५।
 अग्निगर्भा २९६, ४१७।
 अग्निचित् ७३, ६३, ७७, ९६।
 अग्निज्ञाला १७७, ३७८, ३०४, ४९३।
 अग्नित्रय ७७, ८१।
 अग्निदीपा २५१, ४१६।
 अग्निदैवत ४००, १८५।
 अग्निवमनी ३०१, ४७२।
 अग्निप्रवारण ७९, १।
 अग्निफला २९५, ४१७।
 अग्निबीज १९२, ५३३।
 अग्निमन्य २६६, १६१।
 अग्निमास्त ४०४, २१८।
 अग्निमुखी ३०५, ५०२।
 अग्निक्षण ८९, १६।
 अग्निरजस् ३३७, १७७।
 अग्निलोचन ३१०, १२।
 अग्निवल्म ८६, ४१५, २६९, १९१।
 अग्निविकार ५५, ३१९।
 अग्निशमन् ३७७, ७।
 अग्निव्यात् ३८५, ५५।
 अग्निसहाय ३३२, १३४।
 अग्निसुत ३१५, १५३।
 अग्निहोत्र ७९, १६, ३७७, ७।
 अग्निहोत्र-गृह १०, ११।

अग्निहोत्रिन ७९, १६।
 अग्न्याधान ७९, १६।
 अग्न्युच्छिष्ट ७७, ८२।
 अग्न्युत्पात ४०४, २२४।
 अग्र १४५, ११३, २२६, १०७,
 २५१, २३।
 अग्रगम्य २२०, ५६।
 अग्रगन्धा ३०७, ५२२।
 अग्रज २९, ८७, ३७३, ३७।
 अग्रजन्मन ७९, ११।
 अग्रन सर ११५, २४१।
 अग्रनस् ४५८, १०।
 अग्रसर ११५, २४१।
 अग्रहार १०, ११।
 अग्रिम २२९, १४१।
 अग्रि(ग्री)य २२६, १०७, २९, ८७।
 अग्रेदिविषु(पू) २६, ५२।
 अग्रेसर ११५, २४१।
 अग्रघ २९, ८७, २२०, ५६, २२९, १४१
 अग्लह २१४, १०७।
 अगश्चनु ६०, ३६२।
 अघ ३६७ ३।
 अघमर्षण ७२, ३४।
 अज्ञा १८३, ४५४।
 अङ्ग ३९९, १८०, ४२३, ५४,
 ४४५, ६१।
 अङ्गपालि(ली) २३६, १७।
 अङ्ग(ङू)र २४९, १०।
 अङ्गरित २५२, ३६।
 अङ्गुश १७, ८३, ४०, २०८।
 अङ्गुश १०८, १७४, १२४, ३२३।
 अङ्गोठ(ढ) २६९, १८७।
 अङ्गोल(ङुङ) २०१, ६१८, २६९, १०७।
 अङ्गचा ४२४, ६४।
 अङ्गोट ३४, १३०, ३४, १३१।
 अङ्ग ०७, ७९, ४५८, १०।
 अङ्गज २१, १४, ४६, २४१।
 अङ्गजनुस् ४५५, ४०।
 अङ्ग-चत्वर

| | | |
|-----------------------|---------------------------------|--|
| अङ्गद. | ४९, २६४, ४५३, २१। | अङ्गोळ ५२, २८६। |
| अङ्गदा. | ३९९, १७७। | अङ्गोलन ५२, २८६। |
| अङ्गन(ण)=चत्वर | | अङ्गि (ङ्र) ४४, २१८। |
| अङ्गना | २१, ८। | अङ्गिपर्णी=पृथक्पर्णी |
| अङ्गनाश्रिय | २७० २००। | अङ्गिकली=पृथक्पर्णी |
| अङ्गप्रोज्ञन | ५२, २८६। | अङ्गिशिरस् ४४, २१९। |
| अङ्गरक्षणी | ११४, २३०। | अङ्ग ४४३, ४४। |
| अङ्गराज् | ९३, ३६। | अङ्गिंडक ३३७, ९९। |
| अङ्गल | ८४, १३८। | अचण्डी १८३, ४५८। |
| अङ्गविद्वति | ५६, ३२७। | अच(व)मान ५४, ३०८। |
| अङ्गविद्वेषप=अङ्गहार | | अचल २०८, ५३, ३४०, १। |
| अङ्गसस्कार | ६१, ३६६। | अचला २, १५। |
| अङ्गहार | ४२२, ५१। | अच्छ=भल्क, निर्मल |
| अङ्गहारि | ४२२, ५१। | अच्छिच्छ २३०, १४९। |
| अङ्गार | १४३, १००, ३७८, २१, ४०२, २००। | अच्छोदा ३४८, ४६। |
| अङ्गारक | ३०६, ५०७, ३७४, ४३। | अच्युत ४९१, ४। |
| अङ्गारकटी | १६१, २६०। | अच्युताग्रज=बलदेव। |
| अङ्गारग्रन्थि | १७८, ४१०। | अज ४३, २१०, ३८८, ७९, ३९२, १११, ४१६, १४, ४३९, ५, ४५२, १। |
| अङ्गारधानिता | १४३, ९८। | अजकण्ठक २६६, १९०। |
| अङ्गारपात्री, | १४३, ९९। | अजक(ग)प ३९१, १०३। |
| अङ्गारभक्ष | ३३३, १४५। | अजगन्धा ३०७, ५२२। |
| अङ्गारमणि | १९९, ५९७। | अजगर ३६३, १३। |
| अङ्गारमण्डक | १६१, २६०। | अजगरी ३१५, ५९०। |
| अङ्गारवल्ली | १७६, ३११। | अजगा(का)व ३९१, १०२। |
| अङ्गारवल्ली. | २६९, १८५। | अजगिल ३६५, १३। |
| अङ्गारशक्टी | १४३, ९९। | अजदण्डी ३१४, ५७३। |
| अङ्गालु | १४३, १००। | अजननि २८४, ८। |
| अङ्गिका | ५२, २९३। | अजन्य १२९, ३६१, ४०४, २२४। |
| अङ्गिरेस | ३७३, ३७, ४३९, ९। | अजप ८५, १५५। |
| अङ्गीकार | ४३४, १५३। | अजभला ३०१, ४७। |
| अङ्गीकृत. | २३३, १७८। | अजभद २८४, ३१५। |
| अङ्गुल | ३९, १७३, १०७, १६४। | अजमीठ ९३, ३८। |
| अङ्गुलि (रि) (लि) | ३९, १७३। | अजमोदा १७२, ३५९। |
| अङ्गुलिज | ४०, १७७। | अजया २९३, ३९८। |
| अङ्गुलिमुद्रा | ४९, २६५। | अजर ३६९, १। |
| अङ्गुलीयक | ४९, २६५। | अजरा २९७, ४३५, ३१०, ५४८, ३१२, ५६६। |
| अङ्गुलीया, | ३९ १७३। | अजर्य २३६, १४। |
| अङ्गुष्ठ. | ३९, १७३। | |

अजलोमा ३१७, ६०३।
 अजवरा ३९४, १२८।
 अजवृङ्गी २६७, १६६।
 अजस्र ३८१, १७।
 अजहा २९३, २९५।
 अजा १८९, ४६८ ३०२, ४७५,
 ३१६, ५९८, ३४८, ४५।
 अजाजी १५४, १९१, २६०, १११।
 अजाजीव २०४, २३।
 अजातशत्रु ९३, ३८।
 अजन्त्री २९७, ४३४।
 अजामिकून् १४५, ११३।
 अजित ४५२, ९।
 अजिन ४७, २६०, ७०, १७।
 अजिनपत्रा=जिनपत्रा।
 अजिनाकर ३२२, ८८।
 अजिर ३८०, २।
 अजिद्वा २२०, ५६, २२८, १३०।
 अजिद्वग ११८, २६७।
 अजीर्ण ५५, ३१२।
 अजीलाका ३२५, ७०।
 अजीवनि २४४, ४४।
 अजैकपाद ३७२, २२।
 अजैकपाददेवत्य ४०३, १९७।
 अजुका ४२६, ८।
 अज्ञाटा=भूम्यामली।
 अज्ञ ३३, १२०।
 अज्ञान ४३४, १५२।
 अज्ञति ३७६, १।
 अज्ञल ५३, २९७।
 अञ्चित=अर्चित।
 अज्ञन ६०, ४३०, १९६, ५७३, ३७५, ५७
 ३१०, १६।
 अज्ञन(के)कोशी ३०३, ४८२।
 अज्ञना=हनूमन्माता, अज्ञनावती।
 अज्ञनान्वय १०९, १८८।
 अज्ञनावती ३७५, ५३।
 अज्ञनिका ३२४, ६४।
 अज्ञनी ३०८, ५२५।

अज्ञलि ४०, १८०।
 अज्ञलिक ११९, २७५
 अज्ञलिकारिका १८, ९२, २०८, ६१,
 ३१३, ५७२।
 अज्ञसा ४५८, ३, ४५९, १६।
 अटनि(नी) ११६, २६३।
 अटरष (स). ३०१, ४६६।
 अटवट ४२५, ७८।
 अटवी २४८, १।
 अटा ८१, ११७।
 अट(ड)हास २७८, २६९, ३८८, ७९।
 अद्याहास ४२७, ९६।
 अद्वाल १६, ७०।
 अद्या ८१, ११७।
 अडिनी ५०, २७०।
 अडुताल ४२१, ३८।
 अणक २२५, १०४।
 अणि(णी) १०४, १३५, २२७, १०।
 अणिमन ३९१, १०६।
 अणीयस २२७, ११८।
 अणु ५२, २८६, २२७, ११७।
 अणुप्रभा ३९७, १५५।
 अण्ड ४३, २११, ३३९, ११७।
 अण्डकोश(ष) ४३, १११।
 अण्डगज ३०८, ५३१।
 अण्डज २२५, १८, ३२६, ८२।
 ३५६, ७२।
 अण्डीर २०, २, ३८२, २०।
 अण्डैक्लोचन ३९०, ९३।
 अतट ३४२, १७।
 अतनु ४१६, १४।
 अतर्कितस्=सहसा।
 अतल २७०, ११२, ३६१, ३।
 अतलस्पर्श ३४६, २५।
 अतसी १४०, ७०।
 अति ४५८, ५, ४५८, ०।
 अतिकन्द १७९, ४१५।
 अतिकुस्तित २१९, ४९।
 अतिकृति ७८, ०९।

| | | | |
|----------------------|---------------------|-----------------------|-------------------------|
| अतिकेसर | २७८, २६४। | अतिवेल | ३८१, १८। |
| अतिक्रम | २३७, २८। | अतिशक्तिता=विक्रम। | |
| अतिगन्ध | २७६, २४४, २७७, २५४। | अतिशक्ती | ७८, ९०। |
| | २८४, ३१०। | अतिशाय | २३९, ४४। |
| अतिगन्धक | २८९, ३५९। | अतिशस्त=ज्येष्ठ। | |
| अतिचरा | ३१२, ५६२। | अतिशोभन | २२६, १०९। |
| अतिच्छत्र | २८९, ३५९। | अतिसंकृत=अभिनीत। | |
| अतिच्छत्रक | ३१६, ५९४। | अतिसर्जन | ७९, १०१, २४२, ७२। |
| अतिच्छत्रा=शतपुष्णा। | | अति (ती) सार. | ५४, ३११। |
| अतिजगती | ७८, ९०। | अतिसारकिन्=सानिसारे। | |
| अतिजव=अनिवेगिन्। | | अतिसौरभ | २५३, ४८ |
| अतिजागर | ३२९, १०९। | अतिहास | ४२७, ९६। |
| अतियि | ८१, ११३। | अतीश्वर=मृदु। | |
| अतिथ्यर्चा | ७९, ९७। | अतीत=गत। | |
| अतिदीर्घक | १७२, ३५१। | अतीतनो | ३५१, ६९। |
| अतिदूर्वा | २८८, ३५४। | अतीनिद्रिय | २२९, १३८। |
| अतिश्रुति | ७८, ९०। | अतीव=अतिमात्रम्। | |
| अतिनिद्रा | ५८, ३४६। | अहुलप्रभा | ३९५, १३७। |
| अतिनिर्वाहिनि=आमोद। | | अतिका=ज्येष्ठा भगिनी। | |
| अतिनु | ३५१, ६९। | अत्यन्तकोपन | २२१, ६२। |
| अतिपङ्किल | ५, १४। | अत्यन्तगमिन् | ११५, २४३। |
| अतिपत्र | १७९, ११५। | अत्यन्तबल | ११६, २४६। |
| अतिपत्रक | २७२, २१२। | अत्यन्तीन | ११६, २४४। |
| अतिपत्री | २८६, ३३१। | अत्यपविपा | १७७, ४०३। |
| अतिपथिनि=सत्पथ। | | अत्यप्लपर्णी | २९८, ४४१। |
| अतिपात | ७१, २८, २४३, ७६। | अत्यय | १३०, ३५८। |
| अतिप्रसिद्ध=प्रकाश। | | अत्यर्क | २७४, २३३। |
| अतिबल=अतिजव। | | अत्यर्थ=अतिमात्र। | |
| अतिभासा. | ३२१, ३०। | अत्यतप | २२७, ११७। |
| अतिमात्र. | ३८१, १८। | अत्यष्टि | ७८, ९०। |
| अतिमानव | ३३२, १३२। | अत्यावन. | २३७, २८। |
| अतिमित्र | ३७१, १४। | अत्यामर्द | १२७, ३४७। |
| अतिमुक्त=पुण्ड्रक। | | अत्याहित=महाभीति। | |
| अतिमुक्तक | २५७, ७८। | अत्यूह | ३३५, १६२। |
| अतिरिक्त. | २२९, १३४। | अत्र=इह। | |
| अतिवक्तृ | २२२, ७१। | अत्रभवत् | ४२२, ८९। |
| अतिवाद=पारब्ध। | | अत्रि | ६८, १, ४०३, २१३, ४३९ ९। |
| अतिवाहिक | ३६७, ६। | अत्रिका. | १२३, ३०७। |
| अतिविषा. | १७५, ३४४। | अत्रिनेत्रभू. | ३९८, १७१। |

| | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| अथ ४५९, १९। | अधि ४६०, २१। |
| अयर्वन् ४४२, ३३। | अविकरण ४४६, ६३। |
| अथो=अथ। | अधिकर्द्धि २१६, १९। |
| अहन् १६६, ३०३। | अधिकाङ्ग=सारसन। |
| अहन्त ३२०, २१। | अधिव(वी)कार १०३, १२६, २३५, १०। |
| अदग्र २२७, ११९। | अधिकृ २४५, ९६। |
| अर्द्धन २४२, ६९, ३६१, ६। | अविकृत ९०, १२। |
| अद्स् २३१, १५६। | अधिकम २४२, ६३। |
| अदिति ३, १८, ४४०, ११, ३७०, ७, | अविक्षिप २२३, ८०। |
| ३९३, १२७। | अविगम्य १०२, १२१। |
| अदितिदेवत्य, ४०० १००। | अधित्यका ३४३, २१। |
| अदितिनन्दन ३७०, ४। | अधिप २१६, १९। |
| अद्वै=अन्व। | अधिपाङ्ग=सारसन। |
| अद्वया ३७३, ३१। | अधिमू २१६, १८। |
| अद्वष्ट १००, १०५। | अविमास ४१२, ६३। |
| अद्विष्ट=अन्ध। | अधिरोहणी १८, ८५। |
| अद्वा ४५९, १६। | अविवास १२, ३८। |
| अद्वृत ४२७, ९०, ४२८, १०६। | अधिवासन १२, २५, ६७, ४२०। |
| अद्वय २१७, ३२। | अविविचा. २५, ५१, ८७, १६१। |
| अद्य ४६०, २५। | अविवेदिका ८७, १६१। |
| अद्रि २५०, १३, ३४१, ३, ४२६, २। | अविवेदिनी २५, ५१। |
| अद्रिकर्णी २९५, ४१। | अविश्वयणी १४३, ९८। |
| अद्रिका २३, ३१। | अधिष्ठर १६२, २६७। |
| अद्रिघन्वन् ३८९, ४४। | अधिष्ठान=पुर। |
| अद्रिभिद ३८२, २०। | अधिष्ठित २४६, १०१। |
| अद्रिरम्मा २५५, ६३। | अधीतिन् २२२, ७६। |
| अद्वयवादिन् ८४, १४४। | अधीन २१७, २५। |
| अद्वैतवादिन् ८४, १३९। | अधीर १२९, ३६७। |
| अध विस् २३३, १७५। | अधीश्वर ८९, ४। |
| अध शल्य ३०३, ४८५। | अधुना. ४६०, २८। |
| अधम २१५, १०३। | अधृष्ट २१६, २३, २१९, ४९। |
| अधमद्विज २०४८, २४। | अधोशुक ५२, २९०। |
| अधर्मण १३३, ५। | अधोक्षज ४५१, ५। |
| अधर ३७, १५४, ४३, २०६, २२२, ७४। | अधोग्रान्त १२२, ३०६। |
| अधरीण २३१, १५९। | अधोभुवन २६१, १। |
| अधरेश्वर ४६०, २६। | अधोमर्मन ४३, २१२। |
| अधरोष्टकला १४९, १४९। | अधोमुख २१९, ४५। |
| अधस् ४३, २०७, ३६१, २। | अधोमुखपुष्पी ३०३, ४८३। |
| अधामार्गव=अपामार्ग। | अधोमुखी ३२८, १०१। |

| | |
|---|-----------------------------|
| अवोरण=हस्तिपक | |
| अध्यक्ष १०, १२, २३८, ३४, २५६, ७४। | अनन्यवृत्ति २२९, १३९। |
| अध्यवसाय ४२८, १००, ४२९, ११३। | अनभिलाष ५५, ३१९। |
| अध्यवसायित्व ४२९, ११४। | अनय=अनीति। |
| अन्यशन १६७, ३११। | अनर्थके=व्यर्थ। |
| अन्यस् २४६, १०८। | अनल ३७०, १०। |
| अन्यात्म=सूक्ष्म। | अनलग्रामा २९५, ४१३। |
| अन्यापक ७३, ४३। | अनवधानता ४३०, १२२। |
| अन्यापन ७३, ४२। | अनवरत ३८१, १७। |
| अन्याय ४४५, ६१। | अनवस्कर २२६, १०६। |
| अन्याहरण ४३३, १४७। | अनवस्थ २२०, ५३। |
| अन्याहार ४३३, १४८। | अनवरार्थ २२६, १०८। |
| अन्युद २४५, १०९। | अनशन (ना) ७१ २९। |
| अन्यूदांकुतसापत्तिनाम। | अनस् १०३, १२०। |
| अन्यूहन ४३३, १४८। | अनस्यापति ४०३, २१३। |
| अन्येषणा ८१, १११। | अनाकुल २२८, १३१। |
| अन्यग ९७, ७८, १८४, ४६६। | अनागतार्त्त्वा २२, १७। |
| अन्यन् १८, ९३। | अनातङ्क ६०, ३६२। |
| अन्यनान ९७, ७८। | अनातप=छाया। |
| अन्यन्य ९७, ७८। | अनादर ४३१, १३२। |
| अन्यर ७५, ५८। | अनाधृत्य ३७१, १६। |
| अन्यरथ १०३, १३१। | अनामय ६०, ३२२। |
| अन्यर्यु ७५, ६१। | अनामिका ३९, १७४। |
| अनंशा ३९३, १२६। | अनायासकृत २३१, १५९। |
| अनक्षर ४४७, ७५। | अनारतम् ४५९, १५, ३८१, १७। |
| अनङ्ग=कामदेव। | अनार्यिक ६५, ४५७। |
| अनच्छ ३४६, २७। | अनार्यतिक्त २६६, १५८। |
| अनड्हू १८१, ४३७। | अनार्यदेश ५, ८। |
| अनड्हूही १८३, ४५३। | अनाहत ५२, २८७, १९२, ५४०। |
| अनड्हाही १८३, ४५३। | अनिमिष ३५१, ७३। |
| अद्वापुरुष ३३, १२१। | अनिरुद्ध ४५६, ४४, ४४५, ६०। |
| अनव्यक्ष २२९, १३८। | अनिल ३७०, ७ ३७१, १६, ३८० ४। |
| अननुग्रह २४०, ५२। | अनिलान्तर २८४, ३१९। |
| अनन्त ३, २२, ३०१, ४६४, ३६४, ७, ३७७, ६। | अनिश ३८१, १७। |
| अनन्तर २३१, १५८, ४५२, ८। | अनिष्टबुद्धि २१८, ४। |
| अनन्ता २, १५, २६६, १६२, २८८, ३५३, ३९४, १२८, ४४२, २७। | अनीक ११६, २४९। |
| अनन्यज=कामदेव। | अनीमस्थ १०, १२। |
| | अनीकिनी ११६, २५१। |
| | अनुपश्चात् |
| | अनुक २१८, ३७। |

| | | | |
|-------------------|--------------------|---------------------|-------------------|
| अनुकूला | ४२८, १०५। | अनुयोग | ४४६, ७९। |
| अनुकृति | १०४, १३८। | अनुयोजन | ४४६, ७९। |
| अनुस्तुप् | ७२, ३६। | अनुराति | ४२७, ९४। |
| अनुकमीन | ११६, २४४। | अनुराग | ४२७, ९४। |
| अनुकार | २३५, १०, २४१, ५६। | अनुराता | ४०१, ११३। |
| अनुकूल=दक्षिण | | अनुरोध=अनुवर्त्तन | |
| अनुकूलता | २३७, २३। | अनुलाप | ४४८, ८७। |
| अनुकूला | १७६, ३९४। | अनुलेप (न)=अन्यज्ञ। | |
| अनुकृति | २४५, ९५। | अनुलोमज | २०२, २। |
| अनुक्रम | ७१, २७, २४२, ६८। | अनुवत्सर | ४१३, ७३। |
| अनुक्रोश | ४२८, १०५। | अनुवर्त्तन=अनुरोध। | |
| अनुगा | २२९, १३८। | अनुव्राक्त=वेदावयव। | |
| अनुगमिन् | ११५, २४३। | अनुवाद | ९९, ९२, ४४२, ९९। |
| अनुग्र | २२४, ९३। | अनुवृत्त | २३९, ४३। |
| अनुग्रवन्वन् | ३८२, ९४। | अनुशय=अनुताप। | |
| अनुचर | २४६, १०५। | अनुशासन | ४४३, २९। |
| अनुचर=सहाय। | | अनुत्राद्ध | ८०, १०। |
| अनुज | २९, ८७। | अनुष्टुभ | ७८, ८९। |
| अनुजीविन्=सेवक। | | अनुष्टुप् | २४७, ११०। |
| अनुतर्प (ण) | २१३, ९८, ४३२, १३८। | अनुरुण | ३३, १२१, २०९, ३३। |
| अनुताप | २३७, २४। | अनुहार | २३५, १०, २४१, ५६। |
| अनुताप्यक | २३७, २५। | अनुहृ | २४५, ९७। |
| अनुत्तम=त्रेष्ठ। | | अनुहाद | ३६३, १६। |
| अनुत्तमा | ३७२, २९। | अनुचान | ७३, ४७। |
| अनुत्तर | २२२, ७४। | अनून | २२७, १२२। |
| अनुशत् | ४४३, ४२। | अनूप | ४, ४। |
| अनुदारा | ३७३, ३२। | अनूपाल्लु | १७९, ८१४। |
| अनुनय | २३६, १२, २३७, २४। | अनूपोत्य | १५३, १८६। |
| अनुपद | २२९, १३८। | अनूरु | ४३७, १३। |
| अनुपदिन् | २१८, ४१। | अनूञ्जु | २२३, ८७। |
| अनुपदीना=उपानदेद। | | अनृत | ७३, ४४, ४४७, ७३। |
| अनुपमा | ३७९, ५२। | अनेकन | १०४, १४३। |
| अनुपत्ति | ११५, २४०। | अनेड | ३३, १२१, २२२, ७४। |
| अनुबन्ध | २३१, ३१। | अनेडक | ३३, १२३। |
| अनुबोध | ६१, ३६७। | अनेडमूक | ३३, ११८, २२२, ७७। |
| अनुभव | २४२, ७१। | अनेहस् | ४०५, १। |
| अनुभवि | ४१०, ४३। | अनोक्तह | २५०, १२। |
| अनुमा (न). | २३८, ३४। | अन्त | ९, ७, २२९, १४०। |
| अनुमिति | २३८, ३४। | अन्त पुर | १६, ६७। |

| | | | |
|------------------|-------------------|-------------------|--------------------------|
| अन्त पुत्रारिणी। | २२, २४। | अन्त्य | १८८, ४९६, २२९, १४०। |
| अन्तक | ३८७, ४७। | अन्त्रवल्किका | २९७, ४२८। |
| अन्तर=भेद। | | अन्त्रबृद्धि | ५७, ३३४। |
| अन्तरा | ४५८, १३। | अन्दिका=चुल्लि। | |
| अन्तरादण्ड | ३५०, ६१। | अन्दुक | १०८, १७२। |
| अन्तराय | २४१, ६२। | अन्दू=गृह्णल | |
| अन्तराल | ३७५, ५५। | अन्ध | ३३, ११५, ३४६, २८। |
| अन्तरि (री) क्ष | ३, २३। | अन्धकरिषु | ३८९, ९९। |
| अन्तरिन्द्रिय | ४१७, १०२ | अन्धकार | ३६१, ५। |
| अन्तरीप | ३४६, २१। | अन्धकूप | ३५८, १३०। |
| अन्तरीय | ५२, २९०। | अन्धतमस | ३६२, ८। |
| अन्तरे | ४५९, १३। | अन्धम् | १५९, २३७। |
| अन्तरेण | ४५९, १३। | अन्वातमसम् | ३६२, ८। |
| अन्तर्गड्डु | २३३, १७७। | अन्धु | ३५८, १२९। |
| अन्तर्गत | २३०, १८६। | अनीश | ९, ९। |
| अन्तर्दृढ़ि | ५६, ३२४। | अञ्ज | १५९, २३७, २३४, १८२, ३९६, |
| अन्तर्दृढ़ी | ३९८, १६५। | | १५०। |
| अन्तर्धान | ३९८, १६५। | अञ्जगन्धि | ५४, ३१। |
| अन्तर्धि | ३९८, १६५। | अञ्जग्राशन | ६९, ८। |
| अन्तर्द्वारि | १६, ७२। | अञ्जविकार | ४६, २३३। |
| अन्तर्मनस् | २१५, १८। | अञ्जाय | १७३, ३६७। |
| अन्तर्यामिन् | ४१६, ३०। | अन्य | २२९, १४०। |
| अन्तर्यम् | ३५७, १२६। | अन्यतर | २२९, १४२, २३१, १५७। |
| अन्तर्वंती | २५, ४१। | अयतरेयुस् | ४६०, २६। |
| अन्तवर्णि | २१७, १२। | अन्तपुष्टा | ३३३, ११९। |
| अन्तर्विंगाहन | २४१, ५७। | अन्यादश | ३७१, १५। |
| अन्तर्वेदि | ५, १०। | अन्येयुस् | ४६०, २६। |
| अन्तर्वेशि | ९०, १८, १०१, १०९। | अन्योक्ति | ४४८, ८८। |
| अन्तर्हित | २३३, १७०। | अन्यकृ | २२९, १३८। |
| अन्तशश्या | १३१, ३८२। | अन्यक्ष | २२९, १३८। |
| अन्ता | ४२६, ८५। | अन्यय | ६९, ४। |
| अन्तावसायिन् | २०४, २०। | अन्यवाय | ६९, ४। |
| अन्ति | ४२६, ८५। | अन्वासन | ७१, २५। |
| अन्तिक=आसन। | | अन्वासना | ८१, ११६। |
| अन्तिक्तम | २२८, १२५। | अन्याहर्य | ८०, ११०। |
| अन्तिम | १४३ ९८, ४२६, ८४। | अन्वित | २३३, १७६। |
| अन्तिक्षय | २४१, ६२। | अन्विष्ट=गवेषित | |
| अन्तिम | २२९, १४०। | अन्वी (क्षण) क्षा | २४७, ११८। |

| | | | |
|---------------|---------------------|-----------------|--|
| अन्वीर्या | ४३२, १२५। | अपर | २५, ४६, १०७, १६९ |
| अन्वेत (ण) पा | ८१, १११। | अपरात्र | ४१०, ४०। |
| अन्वेषित | २३३, १७१। | अपरस्पर | २३५, २। |
| अप् | ३४४, ७। | अपरा | ३७६, ५६। |
| अपकृ | २४५, ९५। | अपराजित | ३३४, १५२, ४५१, ३, ३७२, २२, ३७१, १४, ३८९, ९०। |
| अपकृष्ट | २२२, ७८, ३२८, ९६। | अपराजिता | २८४, ३१३, २९६, ४१९, ३०४, ४९६, ३०५, ५०३, ३०६, ५१३, ३१२, ५६४, ३७५, ५०, ३९४, १२९, ४१७, ६। |
| अपक्रम | १२९, ३६३। | अपराद्धपृष्ठत्क | ११५, २३७। |
| अपगा | ३४७, ३२। | अपराव | ९९, ९४। |
| अपधन | ३४, १३१। | अपरान्त | १०६, १५०। |
| अपचय | १०१, १०८। | अपराळ | ४०७, १७, ४०८, २८। |
| अपचर | २४६, १०५। | अपरद्युस् | ४६०, २६। |
| अपचर्या | २४०, ५४। | अपर्गा | ३९३, १२६। |
| अपचायित | २३२, १६६। | अपर्वदण्ड | २८६, ३३७। |
| अपचि | २४७, ११६। | अपलाप | ४४८, ८९। |
| अपचित=अर्चित | । | अपवर्गी | १४, ५७, ८८, १८०, ४३४, १५४ |
| अपचिति | ८१, ११५। | अपवर्जन | ७१, १००। |
| अपजन | ११२, २१३। | अपवाद=निन्दा | । |
| अपज्ञान | २३७, २६। | अपवारण | ३९८, १६४। |
| अपटी | ६३, ३००। | अपवाहित | २३३, १७०। |
| अपटु | ६०, ३५७। | अपविद्ध | २२३, ८०। |
| अपत्य | २९, ८४। | अपशब्द | ४४३, ४०। |
| अपत्यपथ | ४३, २०६। | अपष्टु | २३०, १४४, ४०५, १। |
| अपत्रपा | ४३२, १३४। | अपष्टुल | २३०, १४४। |
| अपत्रपिण्डु | २२०, ६०। | अपसद | २०५, ३१। |
| अपथ | १९, ९५। | अपसर्प | ९६, ६४। |
| अपथकल्पना | ८५, १५२। | अपसव्य | ७०, २०, २३०, १४४, २३०, १४९। |
| अपथिन=अपथ | । | अपस्कार | १०८, १७९। |
| अप (पा) द | ३६५, १८। | अपस्नात | २१७, ३१। |
| अपदान=अवदान | । | अपस्मार | ५६, ३२७। |
| अपदान्तर | २८७, १२८, २३१, १५८। | अपस्त्र | ३२९, १०७। |
| अपदिक्षाम | ३७५, ५४। | अपहार | २४०, ५४। |
| अपदिक्षा | ३७५, ५५। | ८.पहार | ४२७, ९७। |
| अपदश | ४३१, १२५। | -अपहुति | ४४९, ९०। |
| अपद्वार | १७, ८६। | | |
| अपघ्यै | २४७, ११७। | | |
| अपघस्त | २२२, ७८। | | |
| अपभ्रंश | ४२३, ५५, ४४३, ४०। | | |
| अपमण्डक | २८५, ३२५। | | |
| अपयान | १२९, ३६३। | | |

अपापमन् ३७५, १७ ।
 अपान ३८६, ११ ।
 अपाप्यति ३७७, ६८ ।
 अपाङ्ग=कटाक्ष ।
 अपाचित २२१, ६५ ।
 अपाची ३७७, ४९ ।
 अपाचीतरा ३७७, ५० ।
 अपाटव ५४ ३०४, ५६, ३२७,
 २३८, ३५ ।
 अपात्यय २३७, २६ ।
 अपादा ३२८, १०१ ।
 अपान ४४, २१३ ।
 अपासार्ग ३०३, ४८८ ।
 अपाश्चित्त ३७७, ६ ।
 अपारे ३, २६ ।
 अपार्थक ४२२, ४७ ।
 अपाप्रृत २१६, २४ ।
 अपावृत्त ११२, २११ ।
 अपाश्रय १६, ६८ ।
 अपासन १३०, ३७१ ।
 अपि ४५८ ६, ४६०, २३ ।
 अपिच ४५८, ६ ।
 अपिच्छा ३२९ १०३ ।
 अपिवान ३९८, १६६ ।
 अपिनद ११४, २२१, ४२३, ५८ ।
 अपुनर्भव ४३४, १५३ ।
 अपूर्य १६२, २६१ ।
 अपोगण्ड=धूकलाङ्ग ।
 अपोड २४५, १०० ।
 आभति ३८७, ६० ।
 अपित्त ३७७, ६ ।
 अप्रकाण्ड २५०, ११ ।
 अप्रसाशक ९८, ८८ ।
 अप्रजातारि ३९२, ११५ ।
 अप्रतिरथ ८९, ५ ।
 अप्रवह ३४७, २९ ।
 अप्रसञ्च ३४६, २७ ।
 अप्रस्वेद १०५, ४४६ ।
 अप्रहत ८, ३८ ।

आभरस् ३७२, २४, ३७२, २७ ।
 आसात २१७, ३१ ।
 अफल २५०, १७ ।
 अबद्ध २३६, १५९, ४४७, ७६ ।
 अबद्धमुख २२२, ७२ ।
 अबन्ध्य २५०, १६ ।
 अबला २०, ६ ।
 अबाध २३०, १४८ ।
 अब्ज १८८ ४९६, ३९८, १७१ ।
 अब्जयोनि ४३९, २ ।
 अब्जनसार ६३, ३८८ ।
 अडिजनीपति ४३७, १० ।
 अहिनीबन्धु ४३७, ११ ।
 अब्द ३९६, १५७ ।
 अब्दमातृ ३०७, ५१६ ।
 अब्दयोनि १९९ ५९५ ।
 अब्दवाहन ३८९, ८७ ।
 अऽविमुद्र ।
 अऽविमक ३४६, २३ ।
 अऽविजा २११, ८५ ।
 अऽविमलम् १९९ ५९६ ।
 अऽविवस्त्र ३, १८ ।
 अऽविसम्भू ३८७, ६४ ।
 अऽविसेतुकृत ४५२, १५ ।
 अब्रह्मण्यम्=अव्योक्ति ।
 अभय ६५, ४०२ ।
 अभयद २१७, १० ।
 अभया २०१, ६१८, २६५, १५० ।
 अभवनि २४४, ८४ ।
 अभाव २४३, ८० ।
 अभाग्न ७१, २६ ।
 अभिक २१८, ३८ ।
 अभिकम १२५, ३२९ ।
 अभिह्या ३९९, १८०, ४४८,
 ४४६, ६५ ।
 अभिग्रह २४५, ९३ ।
 अभिग्रहण २४०, ५५ ।
 अभिघातिन् ९१, २२ ।
 अभिघारण १५७, २२४ ।
 अभिचर २४६, १०८ ।

अभिचर. ११५, २४०।
 अभिचार. ८०, १०६, २४१, ५१।
 अभिजन=कुलम्।
 अभिज्ञात=कुलीन।
 अभिज्ञ=प्रवृण।
 अभिज्ञानम्=चिह्नम्।
 अभितस्. २२७, १२२।
 अभितस=परितस।
 अभिताप ५४, ३०२।
 अभिधा (न) ४४६, ६७।
 अभिथा=परकीय वनस्पति।
 अभिनय. ४२२, ५१।
 अभिनव=नवन।
 अभिनिर्मुक्त ८६, १६४।
 अभिनिर्याण १२५, ३२८।
 अभिनिवेश. २४१, ५७।
 अभिनिस्तन् २४६, १०२।
 अभिपत्र २२१, ६४।
 अभिप्राय ४४६, ६४।
 अभिभव ४३२, १३४।
 अभिभूत १२१, ३६५, २२३, ७९।
 अभिभूति ४३२, १३४।
 अभिमति. ११, २२।
 अभिमन्यु १४, ५०।
 अभिमन्त्रण ४४६, ६८।
 अभिर्मद=संग्राम।
 अभिमाति १०, २०।
 अभिमान. ४३१, १२०।
 अभियाति १०, २०।
 अभियातिन्=शब्द।
 अभियोग. २४०, ५२।
 अभिराम. २२६, १००।
 अभिरूप ११ १।
 अभिलाष ४३२, १३८।
 अभिलाषुक. २१८, ३६।
 अभिवाद ७२, ३६।
 अभिवादक २२०, ५९।
 अभिवादनम्=नमस्कारविशेष।
 अभिव्याप्ति २३६, १३, २४३, ८१।

अभिशस्त २२३, ८४।
 अभिशाप=सिद्धाभिशंसनम्।
 अभि (भी) षड् २३६, १३।
 अभिष २४६, १०४।
 अभिषब ७५, ८८, ७९, ६५, २१२, ९५।
 अभिषह २४० ५२।
 अभिषुत १५५, २००।
 अभिषेक ६१, ३६६, ६१, ३६८।
 अभिषेणन १२५, ३२६।
 अभिषुत २३४, १८१।
 अभिष्यन्दिवमन १, १।
 अभिसधिन २९, ८५।
 अभिसंपात १२७, ३४७।
 अभिसा (स) र १२५, ३२६।
 अभिसारिका १२, ३०।
 अभिहर २४०, ५५।
 अभिहित २३३, १७७।
 अभिहृ २४५, ९८।
 अभीक २१८, ३८।
 अभीक्षाम् ४५७, २, ४५९, १५।
 अभीमित २२५, १०२, २३४, १४४।
 अभीषज्ज २३६, १३, ४४८, ८३।
 अभीषु (शु) ४३७, १५।
 अभीष २२५, १०२।
 अभीषा ३०४, ४९२।
 अभेद्य ११९, ५९९।
 अभ्यग्र २२७, १२४।
 अभ्यन्तर ३७३, ५५।
 अभ्यग्रित्र ११६, २४५, १२५, ३२९।
 अभ्यग्रित्रीण (य) ११६, २४५, १२५, ३२९।
 अभ्यग्रित्र्य १२५, ३२९।
 अभ्यग्रि २२७, १२४।
 अभ्यवचा २३७, २१।
 अभ्यर्हत=पूजिन।
 अभ्यवर्कषण २४०, ५५।
 अभ्यवस्कन्दन १२५, ३६१।
 अभ्यवहार १६६, ३०३।
 अभ्यवहृत २३४, १८२।
 अभ्यस् २४६, १०८।

| | | | |
|-------------------|--------------------------|----------------|--------------------------|
| अभ्याख्यान | ४४७, ७६। | अर्पि | ४२८, ९९। |
| अभ्यागम | १२७, ३५०। | अर्पण | २२१, ६२। |
| अभ्यागारिक | २६६, २०। | असल | ४३४, १६०। |
| अभ्यान्त | ६०, ३५८। | अमला | २६६, १००। |
| अभ्यापन | २१८, ४८। | अमा | ४१०, १८। |
| अभ्या(त्या) मर्द, | १२७, ३४७। | अमास | ३२, १०७। |
| अभ्यास (स) | ७४, ५०, २२७, १२६। | अमात्य | ८९, ८, ९७, ७९। |
| अभ्यासादन | १२९, ३६२। | अमामासी | ४१०, ४८। |
| अभ्युच्छय | ४४०, १३। | अमाव (वा) सी | ४१०, ८८। |
| अभ्युत्थानम्=रवम | । | अमाव (वा) स्या | ४१०, ८८। |
| अभ्युदित | ८६, १६४। | अभि (मं) क्षा | ७८, ८६। |
| अभ्युपगम | ४३४, १७३, ४४९, ९२। | अभित | ६०, ३५७, ३७१, १३। |
| अभ्युपक्षि | २३९, ४६। | अभित्र | २६, २१। |
| अभ्युपाय | ४४९, ९२। | अभिल | ४३६, २९। |
| अभ्यूष =पौलि | । | अभिलातक | २७९, २७६। |
| अभ्येषणा | २३७, २०। | अभिलित | २३३, १३२। |
| अन्न | १९२, ५३५। | असुत्र | ४५९, १३। |
| अन्रंश | ९९, ९०। | असुध्युत्र | ६९, ५। |
| अन्रक | १९७, ५४५। | अमृते | ३८५, ५३। |
| अन्रपिशाच | ४०३, २१। | अमृत | ७३, ४०, ७९, ९५, ८८, १८९, |
| अन्रपुष्प =वेतस | । | | १३८, १७, १७८, २२५, १९७, |
| अन्रमात्तज | ३८३, ३६। | | ५८-, ३४४, ९, ४३४, १५४। |
| अन्रमु | ३७५, ५२। | अमृतफल | २९१, ३८२। |
| अन्रमुवल्लभ | ३८३, ३७। | अमृतफला | २५८, ९३। |
| अन्रलोह | १९९, ६०२। | अमृतहस्त | ३७२, २६। |
| अन्नि (ओ) | ३५०, ६३। | अमृतलता | २९१, ३७५। |
| अन्निय | ३९७, १६१। | अमृतविष्णी | ३८, १६१। |
| अन्नेष | ९९, ९०। | अमृतसंभवा | २९१, ३७६। |
| अन्नोत्य | ३८४, ५०। | अमृतसारज | १५७, २९७। |
| अमण्ड | २८५, ३०८। | अमृतस्त्रवा | २९८, ४४५, ३११, ५५३। |
| अमत्र | १४४, १०७। | अमृता | १२४, ३१७, १७७, ३९९, २६१, |
| अमर | २७, ४६। | | ११९, २६५, १४९, २८८, ३५२, |
| अमरकण्ठक | ३४२, १४। | | २९४, ४०८, ३९९, १७७। |
| अमरा | २५९, ९४, २६०, १०३, २९१, | अमृतान्वस्=देव | । |
| | ३७५, २९१, ३७८, २९४, ४०७, | अमृताह | १५७, २२३। |
| | ३१०, ५८८, ३८३, ३४। | अमृतोत्य | १९७, ५८८। |
| अमरावती | ३८३, ३४। | अमृत्यु | ३६९, ३। |
| अमरी | २९१, ३७८। | अमोघफल | २५०, १६। |
| अमर्त्य | ३६९, १। | अमोघा | २७५, २४२, ३९४, १३२। |

अमोघातन्य ३४८, ४४ ।
 अम्बक. ३६६, ३४५ ।
 अम्बर ३, २२ ।
 अम्बरीष. १४३, १००, ४३६, ६, ३८९,
 ९० ।
 अम्बध २०२, ५ ।
 अम्बष्टा १७९, ३८०, २७८, २६२, ३०२,
 ४७९ ।
 अम्बा. ३१, १००, ३०२, ८७९, ४२६,
 ५५ ।
 अम्बालिका ३०२, ४७९ ।
 अम्बालिकेय ९२, ३३ ।
 अम्बिका २६, ६०, ३१, १०२, ३०२,
 ४७९, ३११, ५५३, ३१३, १२६ ।
 अम्बिकासुत ९२ ३२ ।
 अम्बु २६७, १७०, ३४४, १० ।
 अम्बुकण्ठरु ३५६, ११७ ।
 अम्बुकिराट ३५६, ११६ ।
 अम्बुघन ३९७, १५९ ।
 अम्बुज ३४८ २० ।
 अम्बुदेन्त्य ४०१, ११४ ।
 अम्बुधिस्त्रा ३१०, ५८९ ।
 अम्बुप्रसादन २६३, १३८ ।
 अम्बुभट. ३५६, ११७ ।
 अम्बुहा ३१२, ५६३ ।
 अम्बुवली. १४९, १४७ ।
 अम्बुवार्ता २७५, २४१ ।
 अम्बुस्पृहा १६७, २१० ।
 अम्बूकृत ४४७, ४५ ।
 अम्म सार १९८, ५१४ ।
 अम्म सू ३७८, १७ ।
 अम्मस् ३४४, १० ।
 अम्मोजारि २८३, ३०९ ।
 अम्मोजी २९७, ४३४ ।
 अम्मोवाज ३१७, १५८ ।
 अम्मोखम्=कमलम् ।
 अम्मय ३४५, १७ ।
 अम्ल १५५, २०५, १६७, ३१२, १७०,
 ३३५ ।
 अम्लकुञ्जेका २८६, ३३६ ।

अम्लजम्बीर २६२, १२५ ।
 अम्लनायक १७५, २०६ ।
 अम्लनामिशा १४७, १३४ ।
 अम्लनिशा १७७, ४०४ ।
 अम्लपत्रिका ३१३, ५७० ।
 अम्लपत्री २९९, ४४८ ।
 अम्लपित्त ५८, ३४८ ।
 अम्लफल २५४, ५२ ।
 अम्ललोणिका=चुक्रिका ।
 अम्लबली १८०, ४२७ ।
 अम्लबाटी १७०, ३३८ ।
 अम्लवेतस १५५, २०५ ।
 अम्लसार, १५५, २००, १५५, २०६,
 २६२, १२६, २७०, १९७ ।
 अम्लसारा १७०, ३३५ ।
 अम्ला २६२, १२२, २८६, ३३६ ।
 अम्लात २७९, २७७ ।
 अम्लातकी २९९, ४४७ ।
 अम्ली (मिलका) १४७, १३४, २६२, १२१
 अम्लिशाक्तंद १४७, १३४ ।
 अव ३७९, १, ४१५, ९२ ।
 अयत्नज २१, १४ ।
 अयन १९, १५, १८, ४४, ४१३, ७२ ।
 अयस्=लोहम् ।
 अयस्कान्त १९४, ५५५ ।
 अयस्तस्मिन्ने २९३, २९२ ।
 अय प्रतिमा २१०, ७९ ।
 अयाचित ७३, ४४, ८४, १३३ ।
 अयाचित ८४, १३९ ।
 अयि=भोस् ।
 अयुत १८७, ४१५ ।
 अयोग्र १४२, ९० ।
 अयोधन =लोहघन
 अयोध्या १०, १५ ।
 अरघट २०८, ५६, ३५८, १२१ ।
 अरणि (णी) ७७, ७७ ।
 अरण्य २४८, १ ।
 अूरण्यकार्पासी ३०८, ५२७ ।
 अरण्यकुलत्थिका ३११, ५५७ ।

| | | | |
|---------------|---|---------------------|--|
| अरण्यकेतु | २६६, १६९। | अहगावरज | ४१६, ४७। |
| अरण्यवटक | ३४४, १५५। | अहणी | २७८, २६६। |
| अरण्यवायस | ३२८, ९८। | अहन्तुद=मर्मस्पृश् | |
| अरण्यवासिनी | २९८, ४१। | अहन्यती | ८३, १३०। |
| अरण्यवास्तुक | ३१२, ५६५। | अहन्धतीनाथ | ८३, १३०। |
| अरण्यानी | २४८, ३। | अहूः (स) | ११०, १३२। |
| अरतन्रप | २०६, ३९। | अहकर | २५६, ७१। |
| अरति | ४१, १८६। | अरोक्त=निष्ठम्। | |
| अरम् | ३८१, १६। | अरोचक | ५५, ३१९। |
| अरम | २२५, १०३। | अर्क | २५६, ७१, ४३६, २। |
| अरर | १७, ८१। - | अर्कचन्दन | ६२, ३७६। |
| अररि | १७, ८१, २९१, ३८२। | अर्कपर्ण=मन्दार | |
| अरल्ल=स्वोनाक | | अर्कपुत्र | ३८६, ४९। |
| अरविन्द | ३५९, १४२। | अर्कबन्धु | ३६९, ७। |
| अराति | ९१, २१। | अर्कभक्ता | ३०७, ५२२। |
| अरापी | ३६७, ३। | अर्कमार्ग | ३, २३। |
| अराल | १०६, १६१, २२८, १२८। | अर्कवल्लम् | २७९, २७१। |
| अरि. | ९१, ९१, ९९, ९८, १०४, १३५, २८३, ३०९, ४७४, ३१। | अर्कवेव | १७३, ३६७। |
| अरित्र | ३५०, ६२। | अर्कसंज्ञक | २७४, २३१। |
| अरिमद्द | ३०७, ५१९। | अर्कसुत | ९३, २६। |
| अरिमित्र | ९९, ९८। | अर्कसुता | ३४७, ३७। |
| अरिमित्रमित्र | १००, ९९। | अर्कहिता | ३०७, ५२३। |
| अरिमेद(क). | २८४, ३१६। | अर्किन् | ३८२, २०। |
| अरिष्ट | १४, ५४, १५९, २३५, २१२, ८९, २६९, १५३, २७९, २३९, ३२८, ९४, ४०४, २२४, ४१५, ९०। | अर्गल | १७, ८२, ११६, २४९, ३४५, ९१। |
| अरिष्टाति | २१४, २। | अर्गला=कृष्णाचिकम्भ | |
| अरिष्टफल | २६५, १९३। | अर्गलिका | १७, ८२। |
| अरिष्टमद्दन | ४१४, २५। | अर्घ | १३३, ६। |
| अरिष्टा | १७३, ३८३, २८१, २९४। | अर्घा | ३३८, १८५। |
| अरस्ति | ५५, ३१९। | अर्घीर्ह | - २७८, २६५। |
| अरजा | १८५, ४७२। | अर्घ्य | ८०, ११२। |
| अरण | ६२, ३८८, १५६, २१२, २७२, २१४, ४३६, १, ४३७, १३, ४०२, २०३, ४३५, १६५। | अर्चा | २११, ८०। |
| अरणा | १७४, ३७१, १७७, ३८५, २९४, ४०६, २९७, ४३३। | अर्चि (ची) | ३७९, २३। |
| | | अर्चित | २२१, ६५, २३२, १६३, २३३, १७६। |
| | | अर्चिस् | ४३८, १९। |
| | | अर्जक | २८१, २०९। |
| | | अर्जुन | ९२, २८, ९३, ४१, १९२, ५३२, ४३५, १६९। |

अर्जुनभज. १५, ६१।
 अर्जुनसरव. ४७४, २५।
 अर्जुनसारयि ४५४, २५।
 अर्जुनाद. २७१, २०९।
 अर्जुनी १८३, ४५३।
 अर्ण ४४४, ४७।
 अर्णव ३४३, १।
 अर्णम् ३४५, १३।
 अणी ३४७, ३२।
 अर्ति ५४, ३०८, ३६७, ४।
 अर्य १९२, ५३७।
 अर्थना ८१, १११, २३७, २१।
 अर्थप्रयोग १३३, ४।
 अर्थबर्तन २४१, ५६।
 अर्थविज्ञान ४३३, १४६।
 अर्थशास्त्र ४४३, ३७।
 अर्थानुजोविन् ११, १९।
 अर्दना २३७, २०।
 अर्दनि (नी) २३७, २१।
 अर्दित २३२, १०२।
 अर्द्ध ३१९, १७८।
 अर्द्धक ७७, ६०।
 अर्द्धकाल ३१०, १००।
 अर्द्धकुञ्चक १२, ३३।
 अर्द्धगङ्गा ३४८, ३१।
 अर्द्धगुच्छ ४२, २६।
 अर्द्धचन्द्रा १७७, ३९८।
 अर्द्धचन्द्रिका. २१८, ४४३।
 अर्द्धजरती ३२८, १०९।
 अर्द्धतिक्तक २६६, १५९।
 अर्द्धनाव ३११, ६९।
 अर्द्धमोजन ७२, ३१।
 अर्द्धमुष्टिक ४०, १५९।
 अर्द्धरात्र ४१०, ४०।
 अर्द्धच=ऋचोर्ध्म्।
 अर्द्धवीक्षण. ३६, १४९।
 अर्द्धशन ७२, ३१।
 अर्द्धसम ७८, ८२।
 अर्द्धहार ४२, २६२।

अर्द्धशन ७२, ३१।
 अर्द्धन्दु ११९, २७५।
 अर्वोहक ७२, २९१।
 अर्पित २३३, १७५।
 अरुद ५७, ३३८, १८७, ४९५, ३०।
 ५७७।
 अर्मक ३०, ९०।
 अर्मस्=अक्षिरोगभेद।
 अर्य १३१, १, २१६, १०।
 अर्यमन ३७०, ८, ४३६ १।
 अर्या २६, ५४।
 अर्याणी २६, ५४।
 अर्यी २६, ५५।
 अर्यनी १११, १११।
 अर्यन् ११०, ११०, २२५, १०३।
 अर्यक् ४५९, २०।
 अर्शस् ५५, ३१३।
 अर्शम ६० ८५९।
 अशोक १५९, २३५।
 अशोहिता १४७, १३४।
 अहंगा ८१, ११५।
 अहैन ८४, १४४।
 अहैन् ३६९, ७।
 अहित=पूजिन।
 अङ ३२५, ७३।
 अलक ३५, १३५।
 अलमा ३८८, ७६।
 अलक्त (क) १७४, ३७।
 अलक्ष्मी ३६७, ३।
 अलगद ३६५, १४।
 अलंकरिण्य २२०, ६०।
 अलकर्मीग. २१७, २९।
 अलंकार २१, २३।
 अलकृत=मूषित।
 अलंक्रिया=मण्डनम्।
 अलज्जर=मणि।
 अलम् २०६, ४३, ४५९, १५।
 अल्लुषा ३०९, ५३९।
 अलक=उन्मत्तकुर।

| | | | |
|------------|-----------------------------|----------------|---------------------------|
| अलस | ३३, १२१, ५८, ३३९, २०५, ३३, | अवग्र (ग्रा) ह | १०७, १६६, ३९७, १५३ |
| | २५२, ३७। | अवग्रहणी | १६६, ७१। |
| अलमक. | ५४, ३०७। | अवघट | ३५८, १३३। |
| अलात | १४३, ९९, ३७९ २३। | अवचय | २४७, ११६। |
| अलातु (बू) | १४८, १४०, २०१, ६९९। | अवचूड | १२६, ३३९। |
| अलार | ६५, ४०७। | अवचूर्णित | २३१, १५९। |
| अलि | २११, ८८, ३२५, ७१, ३३७, १७८। | अगजा | ४३१, १३१। |
| अलिक | ३६, १४२। | अवज्ञात | २३३, १७४। |
| अलिङ्ग | १४३, १४। | अवज्ञान | ४३२, १३४। |
| अलिङ्गर | १४३, १०१, १४४, १०४। | अवट | ३८, १६४, ३१८, १३३, ३६२, ९ |
| अलिन् | ३२५, ७१, ३३७, १७९। | अवटि | ३६२, १। |
| अलिन्द | १३, ४४। | अवटीट | ३२, १०९। |
| अलिपत्री | ३१४, ५७७। | अवटु | ३८, १६४, ३६२, ९। |
| अलिपणी | २६८, १७४। | अवतंस=उत्तंस | । |
| अलिपक | ३३७, १८०। | अवतंसक | ४८, २५०। |
| अलिमोदा | २७८, २६०। | अपतमस | ३६२, ८। |
| अलैक | ३६, १४२, ९९, १४, ४४७, १७३। | अपतोका=सपदभारी | । |
| अलैकिर | ६१, ३६८। | अवदश | २१२, ९८। |
| अल्प | २२७, ११६। | अवदात | ४३५, १६१। |
| अल्पक | ३०१, ४६५। | अवदान | २३५, ६। |
| अल्पक्षुपा | ३१३, ५७३। | अवदारण | १३३, ११। |
| अल्पतनु | ३२, ११३। | अवदालक | ३५२, ७५। |
| अल्पयुस् | १८५, ४६३। | अपशीर्ण=दुत | । |
| अल्पिष्ठ | २२७, ११८। | अवद्य | २२३, १०४। |
| अल्पीयस् | २२७, ११८। | अवदारणा | १९, १३। |
| अवकर | १८, ८९। | अववि | ९, ६। |
| अवकाश | ९८, ८८। | अववृत | १२८, ३५२। |
| अवकाशक | ४, १। | अवय=अनर्थक | । |
| अवकीर्ण | २३३, १७५। | अवव्यस्त | २३३, १५९। |
| अवकीर्णिन् | ८५, १५२। | अवन | २३५, ७, २३९, ४३। |
| अवकेशिन् | २५०, १७। | अवनत | १९, १६, २२८, १२७। |
| अवक्य | १३३, ७, १८६, ४७८। | अवनद्व | ४२३, ५८। |
| अवक्षेपणी | ११३, २१९। | अवनयन | २४२, ७। |
| अवगणित | २३३, १७३। | अवनाट=नतनासिक | । |
| अवगत | २३३, १७८। | अवनाय | २४२, ७०, २४७, ११३। |
| अवगर्हण | २३१, १५४। | अवनि (नी). | २, १४। |
| अवगालिका | २४, ३८। | अवन्तिका | ११, २२। |
| अवगाह (न) | ६१, ३६७। | अवन्तिसोम | १५७, २००। |
| अवगीत | २३१, १५४। | अवन्ति | ३४९, ४८। |

| | | | |
|--------------------|-------------------|------------------|---------------------|
| अवपात. | २४१, ५८। | अवसर्गक | ४४६, ६५। |
| अवलुत. | २१३, ९९। | अवसर्प. | ९६, ६५। |
| अवबहित. | २३०, १४९। | अवसान. | ९, ७, २४४, ८३। |
| अवभूथ | ७५, ६५। | अवसित | २३२, १६४। |
| अवश्रद्धा | ३२, १०९। | अवसेकिम | १६२, २६३, १६४, २८६। |
| अवम. | २२५, १०३। | अवस्कर | ४७, २४७। |
| अवमत. | २३३, १७४। | अवस्था=दशा। | |
| अवमर्द. | १२८, ३५५। | अवहृ | २४५, ९६। |
| अवमष्टा. | २३८, ३१। | अवहार | २४४, ९०। |
| अवमान (ना) | ४३१, १३१। | अवहारक | १८, ८९। |
| अवमानित. | २३३, १७४। | अवहारण. | २४४, ९०। |
| अवयव. | ३४, १३१। | अवहावक | ३२७, ९९। |
| अवर | १०७, १६९। | अवहित्या. | ४३२, १३९। |
| अवरज=अनुज। | | अवहेल (न) (ला) | ४३१, १३२। |
| अवरति | २४३, ८०। | अवाक्=अधोमुख। | |
| अवरवर्ण. | २०२, १। | अवाक्षयुषा | २९९, ४५१। |
| अवरोध (न) | १६, ६७। | अवाक्षयुति. | ३३, ४८। |
| अवरोधिक | ९०, ९८। | अवागम | २२८, १२७। |
| अवरोह=शाखाशिका। | | अवाच् | २२२, ७५। |
| अवरोहनु | २६० १०४। | अवाची | ३६७, २, ३७७, ४९। |
| अवरोहा. | २५९, १०१। | अवाचीन. | २२१, ६८, ३७७, ५७। |
| अवर्ण. | ४४८, ८२। | अगच्य | ४४७, ७५। |
| अवलम्ब. | ३९, १६८। | अवाच्यविषय | ४३३, २०६। |
| अवलम्ब | ११७, २५९। | अवात | २५३, ४२। |
| अवलीर | ३८०, २। | अवार | ३४६, २०। |
| अवलोकन. | २३७, २६, २४२ ७३। | अवासस् | २२२, ७७। |
| अवलुज | ३६, १४८। | अवि (वी). | २४, ४०, १८५, ४११, |
| अवलुजा | ३०२, ४७३। | | ३८४, ३९। |
| अववाद | ४४८, ८२। | अविघ | २६४, १४४। |
| अवशम् | २४५, १४। | अवित. | २३३, १७३। |
| अवश्य | ४००, १८। | अविदित | २३४, १७९। |
| अवश्यम् | ४५९, १७, ४५९, २०। | अविद्वकर्णी=पाठ। | |
| अवश्याय | ४००, १८। | अविद्या | ४३४, १५२। |
| अवक्षोण. | १६६, ३०३। | अविनीत. | २१८, ३७। |
| अवष्टव्य=अवलम्बित। | | अविप्रिय. | १३६, ३५। |
| अवष्टम्म | १८ २६६। | अविप्रिया | ३१४, ५७९। |
| अवसक्षितिका | ६७, ४२४। | अविमुक्तक. | ११, २१। |
| अवसन्नता. | २३७, २८। | अविरत | ३८१, १७। |
| अवमर | २४२, ६६। | अविरि (री) श. | १५८, २२६। |

| | |
|---|--------------------------|
| अविलम्बिनम्=अशु । | अश्मसार १२४, ५५७। |
| अविला १८७, ४५२। | अश्र (स्त्र) १२५, ३२५। |
| अविनलित २३०, १८३। | अश्रद्वा ५५, ३१९। |
| अविसोढ १७८, २२६। | अश्र (स्त्र) प ३८६, ६०। |
| अवीचि २३, २७, ३६७, ९। | अथात ३८१, १७। |
| अवीरा=निष्पत्तिसुता । | अश्रि (श्री)=कोटि । |
| अवेशा २४२, ७२। | अश्तु ३७, १५८, ४२९, ११२। |
| अव्यक्त ४१६, ९५। | अल्लील ४४७, ७९। |
| अव्यक्तराग ४३५, १६५। | अश्व ११०, १८९। |
| अव्यण्डा=कापकचूँ । | अश्वरूपक २७०, ११२। |
| अव्ययि. ११०, ११४। | अश्वगन्धा ३०४, ४९४। |
| अव्यव ११८, २६२। | अश्वज ९२, २७। |
| अव्यय ४७१, ७, ३७०, १२, ३८९, ८३। | अश्वतर. ३६५, १२। |
| अव्यवहित २२८, १२५। | अश्वत्य. २५९, ९९। |
| अव्रन ३६२, ९३। | अश्वत्थामन् ९५, ५५। |
| अशन १५९, २३८, १६६, ३०२, २७२, २१४, ३८४, ४१। | अश्वत्थी २५९, १००। |
| अशनाया १६६, ३००। | अश्वब्रह्मचर्यक ८५, १५३। |
| अशनायित २१७, ३२। | अश्वमातृ ४७७, ५५। |
| अशनि (नी) ३८४, ३९, ३९६, १५४। | अश्वयुज् ४००, १८३। |
| अशास्त्रा २१०, ३७२। | अश्वलाला ३६५, ९६। |
| अशित १६७, ३०७। | अश्वर्वर ३५८, ७९। |
| अशिश्वी=शिशुहीना । | अश्ववाह ११३, २२५। |
| अशीति (ती) १८७, ४८९। | अश्ववृन्द ११२, २११। |
| अशुभम्=अमङ्गलम् । | अश्वशास्त्रविद्. ९३, ४४। |
| अशूक १३७, ४३। | अश्वा १११, १९९। |
| अशेष २२७, १२१। | अश्वरोह. ११३, २२५। |
| अशोक. २७५, २४२। | अश्वाल २८६, ३४२। |
| अशोकरोहिणी. १७५, ३८४। | अश्वाल्ल २८९, ३६१। |
| अशोकवर्त्तिका. १६३, २७०। | अश्वावरोहिका ३०४, ४९४। |
| अशौच २४०, ५०। | अश्रिन ३८४, ४४। |
| अश्मगर्भ १९९, ५१७। | अश्रिनिकिनी ४००, १८३। |
| अश्मज १९४, ५५६। १९६, ५६८। | अश्रिनी. ४००, १८३। |
| अश्मन ३४३, २२। | अश्रिनीसुत. ३८४, ४४। |
| अश्मन्त (क) १४३, ९७। | अश्रीयम्=आश्रम् |
| अश्मपुष्पम्=शैलेयम् । | अषड्क्षीण. ९८, ८७। |
| अश्मरमण ४३७, १४। | अषाढाभू ४०२, २००। |
| अश्मरी. ७७, ३३३। | अष्टनाग २१४, १०७। |
| अश्मलोह. १९४, ५५७। | अष्टपाद ३१८, ३। |

| | | | |
|--------------------------|--|-----------------|----------------------------|
| अष्टमज्जल | १११, २०१। | असिधेनु (का) | १२३, ३१२। |
| अष्टमूर्ति | ३११, १०१। | असिपत्र. | ३१४, ५८४। |
| अष्टरग्नि | १०१, १०८। | असिपुत्री | १२३, ३१२। |
| अष्टश्वस | ४३९, ३। | असिमेद | २८३, ३१०। |
| अष्टादशन् | १८७, ४८६। | असिशिष्टी | १४९, १४६। |
| अष्टादशमुज्जा | ३१४, १३६। | असिहेति | ११५, २३३। |
| अष्टागद | १११, ५३१, २१३, १०५, ३२५, ६९, ३४१, १०। | असु | १३१, ३८५। |
| अष्टारचक्रत | ३१९, ११९। | असुधारण | १३२, ३८७। |
| अष्टि | ७८, ९०। | असुर | १९४, ५५०, ३६२, १०। |
| अष्टील | ४६, २३१। | असृक्षणम्=अनादर | |
| अष्टीवत | ४४, २१५। | असूचिन् | १३३, ८। |
| असंयुक्त | २३३, १७२। | असूया | ४३२, १३५। |
| असकृत=सुहु | | असृपर्वरा | ४५, २२२, ४६, २३९। |
| असक्रुत | २२३, ८२। | असृग्योनि | ४४, २२१। |
| असक्रुत | ४१२, ६४। | असृपिकदुच्छदा | १८०, ४२८। |
| असती | २४, ३६। | असृज् | ४४, २२१, ४५, २२४, ६२, ३८० |
| असतीज (सुत) | २८, ४३। | असैवय | ५९, ३५२। |
| असदयेत् | ८७, १५५। | असौम्यस्वर | २२२, ७५। |
| असद्ग्राह | २४०, १९। | अस्त | ९९, ९८, २३०, १८७। |
| असन=सर्जकः | | अस्तम् | ४६०, २२। |
| असनपर्णी=शणपर्णी | | अस्ति. | ४६०, २२। |
| असनपुष्पक | १३५, २२। | अस्तिमत् | २१६, १८, २१९, ४९। |
| असमज्जस | २३६, १९। | अस्तु | ४५९, १८। |
| असमीक्ष्यकास्त्रिन् | २१७, २६। | अस्त्र. | ११७, २५८, ११८, २७०। |
| असंबद्ध | २३१, १६०। | अस्त्रफट | ११८, २६८। |
| असमत | २२५ ९७। | अस्थाघ | ३४६, २६। |
| असह | ४१, १९९। | अस्थिय | ४४, २२१, ४५, २३०। |
| असहन | ९१, २१। | अस्थिज | ४६, २३१। |
| असार=पत्न्य | | अस्थिधन्वन् | ३९०, ९९। |
| असि. | १२०, २८०। | अस्थिपञ्चर. | ४६, २३६। |
| असिक. | ३७, १५६। | अस्थिभुज् | २०६, ३८। |
| असिक्षी=अन्तःपुरग्रेष्या | | अस्थियोनि | ४४, २२१। |
| असित | ४३५, १६२। | अस्थिर | २१८, ४१। |
| असिता | ३७३, ३१। | अस्थिसार | ४६, २३१। |
| असिद्ध | ३५६, ११८। | अस्फुट (वाच्) | ४४७, ७०। |
| असिधारात्रतम्=वत्तविहेष | | अस्मद् | २३१, १५६। |
| असिधारात्रतिन् | २१५, ११। | अस्त्र | ३७, १५०, ४५, २२४, ४२९, ११२ |
| असिधवक. | २०३, १५। | अस्वजनम् | ४५, २२६। |
| | | अस्वप | ३८६, ६१। |

असमात् ४५, २२२।
 अस्मोधिनी ३१३, ५७२।
 असु ४२९, ११२।
 अस्वच्छन्द २१७, २५।
 अस्वप्न ३६९, १।
 अस्वर २२२, ७५।
 अहंयु २२४, ९२।
 अहश्रेष्ठिका १२६, ३४०।
 अहकार ४३१, १३०, ४३४, १५९।
 अहकारित् २२४, ९२।
 अहत ५२, २०७।
 अहत् ४०५, २।
 अहमहसिका १२६, ३४३।
 अहपुष्पिका १२६, ३४१।
 अहैर्पर्विका १२६, ३४०।
 अहप्रवसिका १२६, ३४०।
 अहमति ४३४, १५२।
 अहंसुनि ३६८, ३।
 अहदिवम् ४११, ५०।
 अहन्त ४३६, ४।
 अहर्पति=सूर्य।
 अहर्सुखम्=प्रभातम्।
 अहस्कर=सूर्य।
 अहह=अद्युते खेदेच।
 अहार्य ३४१, २।
 अहि ३६४, ६, ४०३, २११।
 अहिकोष ३६६, २।
 अहिच्छन्ना १५७, २१८, २९९, ४४८।
 अहित ५१, २०।
 अहिण्ड, ३६६, २।
 अहितुष्ठिक =याल्पाही।
 अहिपर्यङ्क ३९०, ९४।
 अहिबृध ३९०, ३६।
 अहिभय १००, १०५।
 अहिभयदा, ३१२, ५६६।
 अहिसारक २८४, ३१६।
 अहिर्बुद्ध्य, ३७२, २२, ३९०, ९६।
 अहिर्बुद्ध्यदेवत्य, ४०१, ११७।
 अहिलोचन, ३१२, ११४।

अहीरणी (पि) ३६५, १५।
 अहेरु=शब्दरी।
 अहो=विसमये।
 अहोरात्र ४४०, १७, ४११, ५०।
 अहाय ४७८, ३।
 अही (ही) क ८७, १४८।
 आ
 आ (म)=स्मृतौ व.क्ये च।
 आ=कोंपे पंडिया च।
 आकम्यत=आधृत।
 आमर ३४०, २०१, ३४३, २३।
 आकर्णम् ३४१, ४।
 आकर्प, ३५०, ६०।
 आकल्प ४७, २४९।
 आकाङ्क्षा ४३२, १३८।
 आकार २४०, ५३।
 आमारगुप्ति=अवद्वित्या।
 आकारण (पी) ४४६, ६८।
 आकालिकी ३१७, १५६।
 आकाश ३, २१।
 आकाशवली २१४, ४०९।
 आकर्ण २३०, १४६।
 आकुल २२८, १३०।
 आकृत २४६, १०८।
 आकृ २४५, ९५।
 आकृति ७८, ९९।
 आकृती ३७२, २६।
 आकृद ९९, ९६, १२७, ३५०, १३१,
 ३७७।
 आक्रम २४२, ६८।
 आक्रिड २४९, ५।
 आक्रोश २३८, ३२, ४४८, ८३।
 आक्रोशन, २३६, १३, २३८, ३२।
 आक्ष. २१२, ९९।
 आक्षपाद, ८४, १४४।
 आक्षरण (जा) ४४८, ८३।
 आक्षिक ५४, ३०७।
 आक्षेप ४४८, ८३, ४४४, ५१।
 आक्षेपण, ५८, ३४५।

| | | | |
|-----------------|------------------------|--------------------------|-------------------------|
| आख | ३२३, ५६। | आङ्गिरेय | १०६, १५४। |
| आखण्डल=इन्द्र। | | आचमन | ६१, ३६६, ७१, २६। |
| आखनि | ३२०, २८। | आचमनि | १५९, २८०। |
| आखनि F | २०७, ४८, ३२३, ५४। | आचर | २४६, १०५। |
| आखात | ३५८, १४४। | आचाम | ६१, ३६६, ७१, २६। |
| आखु | ३२३, ५१। | आचार | १९, ९५। |
| आखुकर्णा | २९४, १०५। | आचारवेदी | ५, १०। |
| आखुनखी | १४९, १४८। | आचार्य | १५, ७८, २३८, ३६। |
| आखुपर्णा | ३१४, ५८०। | आचार्या (नी) | २६, ५५। |
| आखुपापाण | १९८, ५८९। | आचिन | १९०, ५२२, २२१, ६५, २३२, |
| आखुमुज्ज=विडाल। | | | १६७, २३३, १७०। |
| आवेट | २०७, ४६। | आच्छाद (न) | ५०, २७१, ६७, ४२२, |
| आखार | २५७, ८०। | | ३९८, १६५। |
| आख्या | ४४६, ६७। | आच्छुरित (क) | २३८, ३०। |
| आख्यात | २३३, १७६। | आच्छोटन | २०७, ४६। |
| आख्यान | ४४४, ५३। | आच्छोटनम्=आच्छेदन=सृगया। | |
| आन्यायिका | ४४५, ५३। | आजक | १८५, ४७३। |
| आगन्तुक | ८१, ११४। | आजान | ३७०, ६। |
| आगम | २३८, ३६, २५०, १४, ४३३, | आजानेय | ११०, १९५। |
| | १५०। | आजि (जी) | १२७, ३४८, १२८, ३५८। |
| आग्स | ९९, ९४। | आजीव | ७३, ४३। |
| आगार | १२, ३५। | आजीविका | ७३, ४२। |
| आगू | ४३४, १५३, ४४९, ९२। | आजू | ३६७, ५। |
| आमीघ.=ऋत्विक। | | आज्ञा | ९९, ९८, ४४९, ९९। |
| आमनेय | ४७, २१३, ७२, ३३। | आज्यम्=वृतम्। | |
| आमनेयी | ३७५, ५९, ४०६, ४, ४१४, | आज्यगन्व. | २९६, ४२५। |
| | ७९। | आज्यग. | ३८५, ५५। |
| आग्रह | २४५, ९२। | आज्ञानेय | ९५, ६१। |
| आग्रहायण | ४११, ५६। | आटविक | १०१, १११। |
| आग्रहायणिक | ४११, ५६। | आटि (ठी) | ३३०, ११२। |
| आग्रहायणी | ४१०, ४७। | आटिका | ३२५, ७२। |
| आग्रह | २२६, १०७। | आटीकन | १८२, ४४२। |
| आधुक | ३०३, ४८६। | आटोप | ४३०, १२०। |
| आधाट | ९, ६, १८, ८९। | आडम्बर | १२६, ३३६। |
| आधात | १३१, ३७८, २३६, १२। | आडि (ठी)=आटि। | |
| आधरे | १५७, २२४। | आड. | ८५, १४८। |
| आधोष | २३७, २७। | आडक | १९१, ५२५। |
| आङ्गिक | ४२२, ५२। | आङ्गिक | ८, ३६। |
| आङ्गिरस | ४०२, २०४। | आङ्गिकी | १३९, ६९। |

आढकीफल १४६, १२२।
 आज्ञा २१६, १८
 आणक २२५, १०४।
 आणव ७, ३२, ४९, २६१।
 आणवीन ७, ३२।
 आण (णी) १०४, १३५।
 आतङ्क ३८२ २७, ४२८, १०२।
 आतङ्क ५४, ३०५।
 आतञ्चनम्=प्राणवाप ।
 आतायिन् २२३, ८८।
 आतप ४३७, १७।
 आतपत्र १०३, १२७।
 आत (ता) र ३५१, ६७।
 आतायिन्=आतायिन्=चिल ।
 आतायिन् ३२७, ८५।
 आति ३३०, ९९२।
 आतिथेय (क) ८१, ११२।
 अतिथ्य ७५, ६५, ८१, ११२।
 आतुर ६०, ३५८।
 आतोद्य ४२३, ५७।
 आत्तगन्व २२३, ७९।
 आत्तगर्व=आत्तगन्व=असिभूत ।
 आत्मगुप्ता २९३, ३९७।
 आत्मघोष ३२८, ९५।
 आत्मचिन्तन ८२, १२१।
 आत्मज २९, ७९।
 आत्मदर्श ६७, ४२६।
 आत्मन् ३४, १३१, ३७१, १८, ३७२,
 १, ४१६, १४, ४३३, १४३।
 आत्मनीन २९, ४०, ६०, ३६१।
 आत्मू ४३९, ८, ४५५, ३९।
 आत्मभरि २१८, ३४।
 आत्मयोनि ४५२, १०।
 आत्माशिन् ३५१ ७३।
 आत्मिका १३९, ६०।
 आत्मोद्भवा २९२, ३८६।
 आत्मूप १९३, ५४६।
 आत्रेय ४४०, १३।
 आत्रेयी २४, ४०, ४५, २२२।

आर्थण १४, ५२, २४४, ८९।
 आदण्ड २८५, ३२८।
 आदर्श ६७, ४२६।
 आद्वक्षण १६६, ३०३।
 आदाप १३३, ४।
 आदि २२९, १३९।
 आदितेय ३७०, ४।
 आदित्य ३७०, ४, ४५२, ११।
 आदित्यपत्रा ३०७, ५२०।
 आदित्यपर्णिनी ३१६, ६००।
 आदिदैत्य ३६२, १३।
 आदि (दी) नव २४३, ०३।
 आदिम २२९, १३९।
 आदिराज ७५, २४।
 आदृत=अर्चित=पूजित ।
 आदेश ९९, ९३, ४४९, ९१।
 आदेष्ट ७३, ६२।
 आद्य=प्रथम ।
 आद्या २, १४।
 आद्यून २१७, ३३।
 आधार १६, ७४; ३५८, १३६।
 आधि (धी) १८६, ४४४, ४३२, १३९।
 आधु (धू) न २३०, १४७।
 अयोरेण =निषादिन् ।
 आच्या ४२९, ११३।
 आच्यै २४७, ११७।
 आनक ४२४, ६६।
 आनकडुन्डुमि ४५४, २६।
 आनत २२८, १२७।
 आनद्ध ४२३, ५८।
 आनन ३५, १४०।
 अनन १३, ४७।
 आनन्द १३, ४३, ४१५, ८७।
 अनन्दज ४६, २३२।
 आनन्दथु ४१५, ८७।
 आनन्दन २३७ २२।
 अनन्दपट २२, २०, ७३, ४०।
 आनन्दवन ११, २१।

- आनन्दा ३०५, ५०६।
 आनन्दि ४१५, ८७।
 आनर्त=देवविशेष ।
 आनाय ३११, ७०।
 आनास्य ७७, ७९।
 आनाह ५६, २२९।
 आनील १११, २०३।
 आनुपूर्वी (व्य) ७१, २७, २४१, ५६।
 आन्वरसिक=औरनिक=सद् ।
 आन्वीक्षिकी ४४३, ३७।
 आपकम्=अभ्यूष ।
 आपगा ३४७, ३१।
 आपच ४३९, ५
 आपण =निषया ।
 आपणिक १८५, ४३६।
 आपत्त्रास २२३, ८१।
 आपद ११७, २५७।
 आपच २२३, ८५।
 आपचसत्ता २५, ५।
 आपमित्यम्=निमय दासम् ।
 आपान २१२, ९७।
 आपीड ४८, २५१।
 आपीत १९६, ५७२।
 आपीन १८४, ४६३।
 आपूप १४१, ८३।
 आपूपिक १४३, ९७, २४४, ८६।
 आपृच्छा ४४८, ८७।
 आप २३८, ३५।
 आसि २४०, ४८।
 आसोक्ति ४३३, १५०।
 आसुदती ३७२, २६।
 आप्य ३४५, १७।
 आप्यायनम्=प्रीणनम् ।
 आप्रच्छन २३७, २२।
 आप्रपदम्=आप्रपदीनम् ।
 आप्रपदीन ५३, २९८।
 आप्लन ६१, ३६६, २३६, १६।
 आप्लवत्रित्यन्=स्नात (क)
 आप्लाव=स्नानम्=आप्लव ।
- आलुत ७२, २७।
 आलुति ६१, ३६६।
 आवन्ध १३४, १३।
 आहुत्त=भगिनीपति ।
 आभरणम्=अभूषणम् ।
 आभाषणम्=संभाषणम्=आलाप ।
 आभास्वर =णदेवताविशेष ।
 आभीर १८०, ४०९।
 आभरपल्लि (ल्ली) ९, ९।
 आभीरी २६, ५४।
 आभील ३६७, ६, ४२८, १०३।
 आभोग ४८, २५५।
 आम् ४६०, २१।
 आम ५७ ३३१।
 आमगन्धिन् २५३, ४१।
 आमघी १७१, ३८३।
 आमण्ड २८५ २८।
 आमति ४०५, १।
 आमनस्य ३६७, ५।
 आमन्त्रण ४४०, ६८।
 आमय ५४, ३०४।
 आमयाचिन्=सामय=व्याखित ।
 अमर्नकम्=वात्रीफलम्
 आमलकी २६१ १२०।
 आमवात ५६, ३२८।
 आमाशय ४२, १९९।
 आमिक्षा=शूतोष्णक्षारे दधियोगत ।
 आमिष ४५, २२५, ८८, ८४, १९४
 ५५८।
 आमिषप्रिय ३२८, ९३।
 आमिषाशिन् २१७, ३१।
 आमुक्त ११४, २३०।
 आमुष्यायग ६९, ५।
 आमोज ४५५, ३८।
 आमोद २५३, ४०, ४१५, ८७।
 आमोदमोदिनी २५४, ५५।
 आमोदिन १७०, ३३७; २५३, ४०।
 आम दिनी ६२, १८३।
 अमाय २३९, ३९, ४४२, ३१।

आम्रायिन् ८६, १४७ ।
 आम्र २५३, ४७ ।
 आम्रातके २६२, १२३ ।
 आम्बेडित ४७७, ७६ ।
 आम्लपत्र ३०६, ५१४ ।
 आय शूलिक २१७, २८ ।
 आयत २२४, १३, २२८, १२५ ।
 आयतन १३, ४६ ।
 आयति ४१५, ९९ ।
 आयत्त २१७, २६ ।
 आयम् २४६, १०२ ।
 आयहक ५१, २७९, ४२९, ११५ ।
 आयस १९९, ५५९ ।
 आयस १९४, ५५८ ।
 आयान =दैर्घ्यम् ।
 आयु (स) ९१, २६, १३२, ३८७,
 ११७, २२३, १५९, २३८ ।
 आयुव ११७, २५७ ।
 आयुष्मिक ११९, २३५ ।
 आयुर्वीय (क) ११९, २३५ ।
 आयुर्वेदी ६०, ३६३ ।
 आयुष्मन् २१५, १२ ।
 आयुष्य ६०, ३६१ ।
 आयोग ४२८, १०० ।
 आयोगम २०३, ८ ।
 आयोवन १२८, ३५९ ।
 आर १९४, ५५२, ४०२, ११९ ।
 आरकूट १९४, ५५२ ।
 आरक्ष १०७, १६७ ।
 आरव (गव) व २६७, १७२ ।
 आरनाल (क) १५५, २०० ।
 आरति २४३, ८० ।
 आरभट ११४, २२६ ।
 आरभटी ४२३, ५६ ४३०, १२० ।
 आरभ २३८, ३७, २४२, ६८ ।
 आर (रा) व ४५०, १०२ ।
 आरा २०९, ६५ ।
 आराक्षर १२४, ३१७ ।
 आरात=दूरसमीपयो ।

आरावनम् (ना)=सेवा ।
 आराति ९१ २१ ।
 आराम २४८, ३ ।
 आरामिक २०३, १२ ।
 आरासुखी ३३०, ११९ ।
 आराल १०७, १६९ ।
 आरालिक १४३ ९३ ।
 आराव ४५०, १०२ ।
 आरि (री) ३३०, ११२ ।
 आरिका २०९, ६९, ३४९, ४९ ।
 आरुडगन्व १५४, ११७ ।
 आरेचन २६७, १७२ ।
 आरपत २५७, ८२ ।
 आरोग्य ६०, ३६१ ।
 आरोह=उच्छ्राय ।
 आरोहक २४९, १२ ।
 आरोहण १८, ८५, २४२ ६९ ।
 आर्क ५०, २७३ ।
 आर्कि ४०६, ७, ४१४, ७९ ।
 आर्जुनि ९४, ५० ।
 आर्तिगल २८०, २८० ।
 आर्तिन २८३, ७५ ।
 आर्तिव २४, ४३ ।
 आर्तिमोत्य ५९, ३५३ ।
 आर्ति ५४, ३०४, ३६७, ४ ।
 आर्तिका ४२६, ८५ ।
 आर्यिक १२५, ३३१ ।
 आद्विव ३७०, १० ।
 आद्वि २३३, १७२ ।
 आद्रिक १५३, १८५ ।
 आद्रिमाणा (या) २९२, ३८५ ।
 आद्री ४००, १८७ ।
 आर्य ६९, ६, २१६, १६, ४२६, ८३ ।
 आर्यपुत्र ४२६, ८८ ।
 आर्यमिश्र ४२७, ८९ ।
 आर्यमण ४०१, १२० ।
 आर्या=पार्वती ।
 आर्यविर्त ५, ९ ।
 आर्योदुम्बर २६०, ११० ।

| | | |
|--------------------|----------------------------------|---------------------------------------|
| आर्षभी. | २९३, ३९८। | आवाह (न), २४६, १०१। |
| आर्षन्य | १८२, ४४२। | आविक ५१, २७९, २३०, १४८। |
| आलम्=हरितालम्। | | आविम्=अविम्=(म)=कर्मद । |
| आलम् | २४७, ११५। | आविङ् २२८, १२९। |
| आलम्म. | १३०, ३७१। | आविव २४३, ७९। |
| आलय. | १२, ३७। | आविल ३४६, २८। |
| आलवाल | ३५९, १३७। | आविष्ट २१९, ४६। |
| आलस्य | ५७, ३३, २०५, ३३, २३७, २५। | आविस ४५९, १६। |
| आलात | ३९२, ११०। | आवुक=जनक । |
| आलान | १०८, १७४। | आवुत्त=भगिनीपति |
| आलानित | २२३, ८२। | आवृत २३७ २६। |
| आलप | ४४८, ८७। | आवृत्ता ७१, २७। |
| आलवर्त्त | ६८, ४३२। | अ वृत्त २३९ ४३। |
| आलि (ली) | २२, २४, २४९, ७। | आवेगी २१७, ४३४। |
| आलिङ्गन | २३६, १७। | आवेशा. ५६, १२६, २३८, ३७, ४३०, १२०। |
| आलिङ्गी | ४२४, ६४। | आवेशन ३, ४८। |
| आलिङ्ग्य (हङ्गा) | ४२४, ६४। | आवेशिक=भ्रतियि |
| आलीढ | ११९, २७६। | आवेष्टक ११, ३०। |
| आलु (ल) | १४४, १०२, १४४, ११०, १४७, १३७। | आशंसन २३७, २७। |
| आङ्क | ३६४, ८। | आशंसितु २२०, ५८। |
| आलोक (न) | ४३७, १६। | आशंसु २२०, ५८। |
| आवपन | ५०, २७५। | आशङ्का ४२८, १०१। |
| आवसृ | १३३, ५। | आशय २३७, २६, २३९, ४४। |
| आवर्त्त. | २००, ६०६, ३३६, १७१, ३७८, १३१। | आश (श्र) याश ३७७, ८। |
| आवर्त्तक | १७७, ३९६। | आशर=राक्षस । |
| आवर्त्तकी | २९८, ४४३। | आशा=दार्थतृष्णा, दिश् । |
| आवर्त्तनी | २०९ ६७। | आशापुरोद्धव ६६, ४१८। |
| आवर्त्तमणि | २००, ६०६। | आशावन्न. ३२५, ६९। |
| आवलि (ली) | ४९, २५९, २४९, ७। | आशार ३८६, ६०। |
| आवसथ | ९, ५, १२, ३७। | आशि (स) ३६६, २०। |
| आवस्थ्य | १२ ३८, ७३, ३९, ७७, ८० | आशित २१७, ३२, २३४, १८१। |
| आवसित | १४२, ८९। | आशितज्ज्ञीन ८, ८९। |
| आवाप | ३५९, १३७। | आशितज्ज्ञव्य १८१, ४३६। |
| आवापक. | ४९, २६४। | आशिर. ३७७, ८, ३८६, ६०। |
| आवाल | ३५९, १३७। | आशिरस् ३८६, ६०। |
| आवास | १२, ३८। | आशिम् ४४८, ८३। |

आशुग ११८, २६७, ३८०, ४।
 आशुन्य २४०, ५०।
 आशुवीहि=पाटल वान्यविशेष
 आशुरुक्षणि ३७७, ५।
 आशोचम्=अशुद्धि
 आश्रय ४२८, १०६।
 आ/मान्तक २६७, १००।
 आश्रम =तपोवनम्, व्रह्मचर्यादि ।
 आश्रय १२, ३८, ९७, ८०, २४१, ६३।
 आश्रयफला ३०८, ५३२।
 आश्रयाशि ३७७, ४।
 आश्रव २१९, ४६, ४४४, १६२,
 ४४२, ९२।
 आश्रुत २३३ १७८।
 आश्रेष्ठ २३६ १८।
 आश्रेष्ठा ४००, १८९।
 आश्रेष्ठाभू ४०३, २१।
 आश्र ११२, २१।
 आश्रत्य २५३, ४५।
 आश्रयुज् (ज) ४१२, ६२।
 आश्राम ४४५, ६०।
 आश्चिन ३८४, ४४, ४१२, ६२।
 आश्चेय ३८४, ४४।
 आश्चीनम्=आशीयम्।
 आशीय ११२, २१।
 आषाढ ५०, १८, ३४२, १०, ४१२, ६०
 आषाढपूर्वज. ४१२, ६०।
 आसक्त २१६, १६।
 आसङ्ग १०४, १३८।
 आसद् २४६, १०३।
 आसन् ४४, २१३, ८७, १७०, ९७, ८०,
 १०७, १६४, २७२, २१४।
 आसनक ६७, ४२७।
 आसना २४१, ६४।
 आसन्दी ६७, ४२४।
 आसन्न २२७, १२३।
 आसन्निवासिन २२४, ९५।
 आसन्नास्तमय ३०, ९५।
 आसर ३८६, ५८।

आसव २११, ८८, २१२, ९५।
 आसवद २७०, १९।
 आसादित २३३, १७।
 आसार ९९, ९६, १२७, ३२८, ३९७,
 ०६३।
 आसन २१९, १५।
 आसुति २१२, ९५।
 आसुतिकृत २११, ८८।
 आसुतीवल ७७, ६३।
 आसुर ४७, २२२, १०७, १८७, १५२,
 १८०, ४४०, १४।
 आसुरी १४०, ७१।
 आसेचनक २२५, १०२।
 आस्कन्दन १२७, ३४६।
 आस्कन्दित ११३, २२३।
 आस्कन्दिन् २०७, ४९।
 आस्तर ६७, ४२२।
 आस्तरण ६७, ४२२, १०८ १७३।
 आस्ती (स्ति) क ८३ १३३।
 आस्था २३५, ४, २४६, १०९, ४४९,
 ९२।
 आस्थान १४, ५१, ७६ ७०, १७०,
 ३४०।
 आस्थानी ७६, ७१।
 आस्थाली १४३, १०१।
 आस्पदम्=प्रतिष्ठा
 आस्फुजित् ४०२, २०७।
 आस्फोट=मन्दर=अर्कपर्ण।
 आस्फोटक २७४, २३२।
 आस्फोटनी २०९, ६८।
 आस्यम्=सुखम्।
 आस्यलोमन् ३७, १५७।
 आस्या २४१, ६४।
 आस्व २४२, ७३।
 आहत १९२, ५४०।
 आहरण १२७, ३४८।
 आहव ७७, ५८, १२७, ३४९, ४४६,
 ६८।
 आहवनीय ७७, ८०।

आहार १६६, ३०२।
 आहर्य ४२२, ५२।
 आहव ३५८, १३१।
 आहिक ८३, १३४।
 आहितनक्षण २१६, १७।
 आहिताभि ७९, ९६।
 आहितुष्ठिक ३६६, २९।
 आहुल्य ३०७, ४७।
 आहूति ४४६, ६९।
 आहृ. २४७, ९७।
 आहेय ३६५, ११।
 आहो. ४५८, ६।
 आहोपुरुषिका=दर्पादात्मसंभावना।
 आहिक ४४५, ६२।
 आहाद २७८, २७०।
 आहय=नामन्।
 आहा (न) ४४६, ६९।

इ

इ ३४४, ७।
 इक्षु ३०८, ५२८, ३१४, ५८४।
 इक्षुकाण्ड. २८७, ३४१।
 इक्षुगन्व. ३००, ४६३।
 इक्षुगन्वा १८०, ४२३, ३०८, ५२८।
 इक्षुदर्भा २८९, ३६९।
 इक्षुपत्र १३७, ४७।
 इक्षुपर्विका २८८, ३५३।
 इक्षुमती ३४९, ४७।
 इक्षुमुस्ता २९०, ३७०।
 इक्षुर. २८७, ३४१।
 इक्षुरक ३०८, ५२८।
 इक्षुरि २८६, ३३८।
 इक्षुलोचन ३१५, ५८८।
 इक्षुवल्लरी १८०, ४२३।
 इक्षुवार्धि. ३१५, ५८६।
 इक्षुवाहिन् ३१५, ५८६।
 इक्षुरी २८७, ३४१।
 इक्षुरु. १४८, १४।
 इङ्ग. २४०, ५३।

इज्जाल ३७९, २२।
 इज्जित २४०, ५३।
 इज्जदपत्र २८४, ३१९।
 इज्जदी (द) २०१, ६१८, २८४, ३१९।
 इच्छा. ४३२, १३८।
 इच्छामरण ९२, ३२।
 इच्छावती=कामुका।
 इच्छावसु ३८७, ७८।
 इज्जल=निचुल।
 इज्या ७७, ५९।
 इज्याशील ७७, ६३।
 इज्याका ३५४, ९२।
 इट्टचर १८१, ४३८।
 इडा २, १४, ४६, २३८, १८३, ४५३।
 इडि १८५, ४७३।
 इतर २०५, ३०, २३०, १४३।
 इतरेयुस् ४६०, २६।
 इति=एतद् समाप्तौ च,।
 इतिह ७६ ६८।
 इतिहास ४४४, ५३।
 इत्वर=गत्वर, षण्ड।
 इत्वरी २३, ३४।
 इदम् २३१, १५५।
 इदानीम् ४६०, २८।
 इद्वत्सर ४१३, ७३।
 इध्म २५१, २५।
 इध्मवाह ४०४, २२२।
 इन २१६, १८, ४३६, १, ४०३, २ ८।
 इन्दिन्दिर ३३७, १७८।
 इन्द्रा ४७७, ५२।
 इन्दीवर ३५९, १४३।
 इन्दीवरा २९६, ४२१।
 इन्दीवरी=शतावरी।
 इन्दु ३९८, १७१।
 इन्दुक. १६७, ३०८।
 इन्दुकलिका २७६, २५०।
 इन्दुकान्त २००, ६०६।
 इन्दुखण्डा १७६, ३१३।
 इन्दु (न्द) ११, २५।

| | |
|------------------------------------|------------------------------------|
| इन्द्र. २१६, १८, ३६६, २५, ३८१, १९, | इन्द्रियार्थ ४३४, १५६। |
| ४४१, २२। | इन्वका ४००, १८७। |
| इन्द्रक. २६७, १३०। | इन्धन २५१, २६। |
| इन्द्रकील ३४२ १५। | इन्वक=इत्वला। |
| इन्द्रकोश १६, ७३, १८, ९१। | इम १०५, १५१, १८७, ४९६। |
| इन्द्रचर ६२, ३७७। | इमनिमीलिका ४२८, १८। |
| इन्द्रचिर्भिटा २५४, ४०६। | इन्य (क) २१६, १८। |
| इन्द्रच्छन्दस ४२, २६०। | इरण=गूण्य, ऊषण। |
| इन्द्रज ९५, ५३। | इरमद ३९७, १६१। |
| इन्द्रजाल ९८, ८७। | इग २, ४, २११, ८४, ३४५, १४। |
| इन्द्रजित ३१७, ६५। | इरावती, ३१०, ५४६, ३५७, ३३, ३४८, ४६ |
| इन्द्रतूल २८२, ३००। | इरिण २२६, १०६, २८३, ३३०। |
| इन्द्रहु =ककुभ । | इरिमेद २८४, ३१६। |
| इन्द्रवनुस ३९७, १६२। | इर्वुक २८५, ३२६। |
| इन्द्रपुष्कली १७०, ३३५। | इर्याह १५०, १६१। |
| इन्द्रफल २६८, १७९। | इला ३, २०। |
| इन्द्रभगिनी ३२४, १३३। | इला (ली) लि १२२, ३०४। |
| इन्द्रमद ५४, ३०८। | इली १२२, ३०४। |
| इन्द्रयव २६८, १७८। | इल्वका (ला) ४००, १०६। |
| इन्द्रछुस. ५८, ३४२। | इल्वलारि ४०४, २२०। |
| इन्द्रछुसक ५९, ३५१। | इव ४५८, ५। |
| इन्द्रछुसिक २८, ७८। | इष ४१२ ६२। |
| इन्द्रवल्लरी २९४, ४०७। | इषक ५९, ३५२। |
| इन्द्रवास्त्री २९४, ४०६। | इषत ४७९, १२। |
| इन्द्रवैरिन् ३६२, ११। | इषि (र्षि) का १०७, १६६। |
| इन्द्रसारथि ३८३, ३२। | इषु ११८, २७०, २८६, ३३०। |
| इन्द्रसुत ९४, ४६। | इषुधि ११९, २७९। |
| इन्द्रसुरस =सिन्दुवार | इषुमार्ग ३, २३। |
| इन्द्राभिदेवत्य. ४०१, १९२। | इष्ट ७७, ५८, ७८, ८७। |
| इन्द्राणिका=सिन्दुवार। | इष्टकपय=उशीर |
| इन्द्राणी ३८३, २९। | इष्टगन्व=सुगन्वि। |
| इन्द्रागीमह ४३०, १९८। | इष्टगन्धि. २५९, ३९। |
| इन्द्रायुव ३८४, ४०, ३९७, १६२। | इष्टार्प्ति ७८, ८८। |
| इन्द्रारि=दानव। | इष्टायेयुक्त, २१६, १६। |
| इन्द्रावरज ४५२, ११। | इष्टि ७५, ६०। |
| इन्द्राह २६८, १७९। | इष्वास ११८, २६२। |
| इन्द्रिय ४६, २३३, १८७, ४९४, ४१६, | इह=अज्र। |
| ९८, ४३४, १५७। | ई. |
| इन्द्रियस्वाप ५६, ३२५। | ईक्षण ३६ १४६, २४३, ७४। |

ईश्वरिणी=देवज्ञा ।
 ईडा ४४७, ८० ।
 ईटित २३४, ९८० ।
 ईति १०२, ११९, ४०४, २२३ ।
 ईद्वज्ञा ३७१, १५ ।
 ईरण=ईरिण ।
 ईरिण २२६, १०६ ।
 ईरित २३०, १८८ ।
 ईम्मू=त्रण ।
 ईय्यी ८१, १७ ।
 ईर्वाह (ल) २०१, ६१९ ।
 ईर्या ४३२, १३५ ।
 ईर्यालु २१८, ४१, २२१, ६३ ।
 ईलिन=सरवालिका ।
 ईलिन=प्रस्त ।
 ईश २१६, १८, ३८८, १९ ।
 ईशान=शिव ।
 ईशा (ना) २८३, ३११ ।
 ईशिता ३११, १०६ ।
 ईशितृ २१६, १८,
 ईश्वर २१६, १८, ३८८, ८१, ४१६,
 ९४ ।
 ईश्वरा ३१३, १२८ ।
 ईश्वरी १७९, ४१९, २९३, ३९२, २९४,
 ४०३, ३१३, १२३ ।
 ईष्ट ४५९, १२ ।
 ईष्टकर २३८, ३१ ।
 ईष्टपाण्ड ४३५, १६२ ।
 ईषा १३४, १५ ।
 ईषादण्ड १०७, १६२ ।
 ईषी (षि) वा १०७, १६५, २०२, ७० ।
 ईहो ३१५, १२९, ४३२, १३८ ।
 ईहामग ३१९, १७, ४२३, ५४ ।

उ

उ ४६०, २३, ३८८, ८२, ४३९, ८ ।
 उ ४६०, २३ ।
 उक्षुण ३२६, ७९ ।
 उक्णी ३३९, ११२ ।
 उक्नाहे १११, २०६ ।

उक्त २३३, १७७ ।
 उक्ति ४४२, ३० ।
 उक्य ४४२, ३३ ।
 उक्ततर १८१, ४८९ ।
 उक्तन् १८१, ८३७ ।
 उखा १४३, १०१ ।
 उख्यम=पैठरम् ।
 उगङ्ग ४२४, ६९ ।
 उग्र ७४, ५३, १७७, ४०८, ३८९, ८८,
 ४२८, १०४ ।
 उग्रगन्व १४६, १२८, २८१, २९० ।
 उग्रगन्वा १५५, ११८, १७१, ३८९,
 १७२, ३५४, ३६६, १६१ ।
 उग्रदन्त १०७, १६२ ।
 उग्रनासिक ३२, ११० ।
 उग्रपुत्र २०२, ६ ।
 उग्रारिणी ३९४, १३६ ।
 उग्रवीरी १५५, ११८ ।
 उग्रसेन ३७३, ३७ ।
 उग्रसेनमुत ९५, ५८ ।
 उग्रा १७२, ३५३ ।
 उचित ९९, ९२ ।
 उच्च २२८, १२६ ।
 उच्चकैस् २२८, १२७ ।
 उच्चटा १७६, ३८९, २९७, ८३८, ३१२,
 ५६६ ।
 उच्चण्ड २३०, १४३ ।
 उच्चताल ४२२, ५० ।
 उच्चन्द्र ४१०, ४० ।
 उच्चमाला २४, ४३ ।
 उच्चय ५२, २९१, २३८, ३६ ।
 उच्चार ४३, २१३, ४७, २८७ ।
 उच्चावच=बहुविव ।
 उच्चाड १२६, ३३९ ।
 उच्च अवस् (स) ३८३, ३२ ।
 उच्चैर्वृष्ट ४४७, ७९ ।
 उच्चैस् २२८, १२७, ४६०, ९१, ४४३,
 ४३ ।
 उच्छम् २४५, ९४ ।

| | | | |
|---------------------|---------------------------------|--------------------------------------|---------------------|
| उचित्तभोजन | ८६, १५६। | उत्त | २२७, ११६, २३३, १०३। |
| उच्छीर्पक | ६७, ८२३। | उत्तम=कर्णपूर, | शेखरम्। |
| उच्छृङ्खल | २३१, १०९। | उत्तमस्=गुणकमासम्। | |
| उच्छ्र (च्छ्रा) य | २५०, २१। | उत्तम | २२०, ९७, ४४१, २०। |
| उच्छ्रूत=उच्चत। | | उत्तमर्ण | १३३, १। |
| उच्छ्वसित | २५२, ८६। | उत्तमा | २१, ९। |
| उच्छ्वास | ४४५, ६०। | उत्तमाज्ञ | ३५, १२२। |
| उज्जय (यि) नी | ११ २२। | उत्तमारणी | २९६, ४२१। |
| उज्जयन्त | ३४२, १५। | उत्तर | ४४६, ७०। |
| उज्जामनम्=हिसा। | | उत्तरकोहला | १०, ५। |
| उज्जवल | १९२, ५३७, ४२७, ९९, ४३५, ९५१। | उत्तरज्ञ | १८, ९।। |
| उज्ज्वल | ७३, ८६। | उत्तरच्छद | ५२, २१७। |
| उटज | १३, ४६। | उत्तरफगुनी | ४०१, १९०। |
| उडु (हु) | ३४५, १४, ४००, १८। | उत्तरभाद्रपदा | ४०१, १२८। |
| उडुप | ३५०, ६०। | उत्तराऽउदीच दिश्। | |
| उड्डमर | २२२, ७६। | उत्तरात्मय | ९४, ५०। |
| उड्डीन | ३३९, १९९। | उत्तरादि | ३४१, ५। |
| उड्डीश | ३८९, ८६। | उत्तरापाठा | ४०१, १९४। |
| उड्डी | १९१, ५२७। | उत्तरात्मज | ५२, २८९। |
| उत | २३२, १६६, ४५८, ६। | उत्तरीय (क) | ५२, २८८। |
| उत्तमानुज्ञ | ४०२, २०५। | उत्तरतरा | ३७३, ५७। |
| उताहो | ४५८, ६। | उत्तरेष्टुस् | ४६०, ८६। |
| उत्क | २१५, १४। | उत्तान | ३४६, २६। |
| उत्कट | १७७, ४००, २१८, ३९, २८६, ३३८। | उत्तानचरणत्मज | ४०३, २१६। |
| उत्कटा | १७१, ३४५, ३१९, ५८८। | उत्तानणीक | २८०, ३२७। |
| उत्कण्ठा | ४२९, ११५। | उत्तानशय | ३०, ९०। |
| उत्कण्ठित | २१५, १५। | उत्ताल | २३०, १४३, ३२२, ४६। |
| उत्कर | २२०, ५८, ३४०, २ ३। | उत्तुज्ञ | ३९२, ११६। |
| उत्कर्ष | २३९, ४८। | उत्तेजित | ११३, २२२। |
| उत्कर्तिका | २५१, ३०, ४२९, ११५। | उत्तेरित | ११३, २१९। |
| उ कार | २४३, ७९। | उत्त्वास | ४२८, १०२। |
| उत्कृट | १०३, १२७। | उत्था | २४७, ११०। |
| उत्कृति | ७८, ९।। | उत्थान | ६९, ८। |
| उत्क्रोच | ९८, ८। | उत्थित=बृद्धिमत्, प्रोत्यत, उत्पन्न। | |
| उत्क्रोश | ३२९, १०९, ३३०, ११४। | उत्थनि (त्रु) ष्णु | २२०, ६०। |
| उत्क्रितिका | ४८, २५७। | उत्थत्ति=नन्मन्। | |
| उत्क्षेप | ६८, १३।। | उत्थञ्च=जात। | |
| | | उत्पच्चवयस् | ३१, ९६। |

| | | | |
|-------------------------|---------------------|---------------------|----------------------------|
| उत्पल | ३५९, १४२। | उदन्त | ४४६, ६६। |
| उत्पलशारिवा=सारिवा। | | उदन्या | ५५, ३२०, १६७, ११०। |
| उत्पला | ३४८, ३९। | उदन्वत् | ३४४, २। |
| उत्पलाकर्ती | ३४९, ५३। | उदपान | ३५८, १२९। |
| उत्पश्य | २१८ ४५। | उदभूमि | ५, १२। |
| उत्पाटित | २३०, १५०। | उदय | १०१, १०९। |
| उत्पात् | १२९, ३६१, ४०४, २२४। | उदर | ४२, १९६, ५७, २३०। |
| उत्पादक | ३१७ १। | उदरपिशाच | २१८, ३५। |
| उत्पिङ्गल | १२८, ३५६, २२३, ८२। | उदरपीडन | ४२७, ९७। |
| उत्प्रास | ४२६, ८३। | उदरम्भरि | २१७, ३४। |
| उत्कुळ=प्रफुल्ल। | | उदरामय | ५४, ३११, ५७, ३२०। |
| उत्स=प्रस्तवणम्। | | उदरा॒र्त्ति | ४२, १९६। |
| उत्सर् | ४१२, ५९। | उदरिणी | २५, ४५। |
| उत्सर्ग | ७९, १०१। | उदरिल | ३२, १०८। |
| उत्सर्जन | ७९, ९९। | उदर्क | ४१५, ९२। |
| उत्सव | ४३२, १४१। | उदर्चिंस् | ३७७, ७। |
| उत्सादनम्=उद्वर्तनम्। | | उदर्द | ५८, ३४८। |
| उत्साह | ९८, ८१, ४२८, १००, | उदर्वसित | १२, ३५। |
| | ४२९, ११३। | उदश्वित् (त) | १५९, २३४, १६४, २५६। |
| उत्साहनम्=प्रोत्साहनम्। | | उदात् | २१४, ३, ४४३, ४२। |
| उत्साहवर्धन=वीर। | | उदान | ३८१, १२। |
| उत्साहिका | ४२६, ८३। | उदार | २१५, ९, २१५, १५। |
| उत्सित्त | २४१, ५९। | उदावर्त्ति | ५६, ३२९। |
| उत्सुक | २१५, १५, २१६, १६। | उदासीन | ९९, ९५। |
| उत्सूर | ४०७, १७। | उदस्थित | ९०, १०। |
| उत्सृष्ट | २३३, १७४। | उदाहार | ४४६, ७०। |
| उत्सेव | २५०, २१। | उदित | २३३, १७७। |
| उदक् | ४६०, २८। | उदीची | ३७५, ५०। |
| उदक | ३४४, ८। | उदीचीन | ३७५, ५७। |
| उदक्या | २४, ४०। | उदीच्य | ५, ७, २८१, २९५। |
| उदगयन | ४१३, ७२। | उदीर्ण | २१४, ३, २३०, १५१, २५२, ३४। |
| उदगेही | ३२५, ७४। | उदुम्बर | १६, ७३, १९०, ५१९, १९३, |
| उदग्र | २२८, १२६। | | ५४३, २६०, १०६। |
| उदग्रदन्त | ३३, ११७। | उदुम्बरदला | १७६, ३३५। |
| उदहा | ३२६, ७३। | उदुम्बरपर्णी=दन्ती। | |
| उदज | २४४, ८। | उद्खलम्=उलूखलम्। | |
| उदञ्जन | १४४, १०४। | उद्कुण | ३२६, ७९। |
| उदञ्जित | २३३, १७। | उद्रत=उद्रान्त। | |
| उदधि=प्रसुद। | | उद्रमनीय | ५२, २८७। |

| | | |
|-------------------|--|----------------------------|
| उद्गाढ | २२०, ५४, ३८१, १०। | उद्युक्त=उद्यत। |
| उद्गातु | ७९, ६२। | उद्योग ४२८, १००। |
| उद्गार | ५६, ३२९, २४३, ८०। | उद्योत ४३७, १५। |
| उद्गीय=सामरेद। | | उद्र=जलजन्तुभेद। |
| उद्गीण | २३०, १५१। | उद्र (द्रा) व १२९, ३६३। |
| उद्गृण=उद्यत। | | उद्रिक्षचित्तता ५६, ३२२। |
| उद्ग्रह | २४५, ९३। | उद्वर ३८६, ५६। |
| उद्ग्राह | २४३, ८०। | उद्वर्तन ६०, ३६५। |
| उद्घ | २२६, ११२। | उद्वह ३७१, १७, ३८१, १४। |
| उद्घन | २४३, ७८। | उद्घात २९, ८०। |
| उद्घाटक | ३१८, १३१। | उद्घान्त १०६, १५९। |
| उद्घाटन | २०८, ५६। | उद्घासन १३०, ३७१। |
| उद्घात | २४२, ६८। | उद्घाह ६९, ९, ७२, ३८। |
| उद्घशक | ३२६, ७९। | उद्घेग १६९, ३३१, २३९, ४६। |
| उद्घान | १००, १०४। | उद्घुर ३२३, ५५। |
| उद्घाम | २३१, १६०, ३८७, ६९। | उच्चत २२८, १२६। |
| उद्घाल | १३६, ३९, २६४, १८१। | उच्चतानत २२८, १२६। |
| उद्घालक | २६८, १८१। | उच्चति ४५७, ५२। |
| उद्घूप | १४२, ८६। | उच्चद्व=दृम्। |
| उद्ग्राव=पलायनम्। | | उच्चय २३६, ८५। |
| उच्छत. | २२०, ५४, २३०, १४९, २३२, १६३, २४१, ५९। | उच्चस ३२, ११०। |
| उच्छर्ष. | ४२९, ११०। | उच्चाय २३९, ४५। |
| उच्छव | ४३२, १४१, ४५४, २९। | उच्चाह १५५, २०१। |
| उच्छ(द्वया) न. | १४३, ९७। | उच्चत्त २७३, २२६। |
| उच्छार | १३२, २। | उत्तमत्वेश ३९०, ९२। |
| उच्छृ. | २४५, ९९। | उच्चमद २१८, ३७। |
| उच्छृत=समुदक्त। | | उच्चमदिष्णु २१८, ३७। |
| उच्छथ | ३४७, २९। | उच्चमनम् २१५, १४। |
| उच्छट | २१४, ३। | उच्चमनायित ५६, २२६। |
| उच्छव | ४१६, ९७। | उच्चमाय २०८, ५४। |
| उच्छिज्ज | २२५, ९०। | उच्चमाद ५६, ३२६। |
| उच्छिद् (द) | २२५, ९९। | उच्चमादन ४५६, ४६। |
| उच्छिद्दुर | २५२, ३४। | उच्चमिष ३७, १५२। |
| उच्छ्रम | २२५, ४६। | उच्चमिषित २५२, ३६। |
| उच्छ्रान्त. | २३२, १६२। | उच्चमिख २१९, ४५। |
| उच्यत | २३०, १५१। | उच्चमुद्रि २५२, ३४। |
| उच्यम | २३९, ४५, ४२८, १००। | उच्चमेष ३७, १५३। |
| उच्यान. | २४२, ५। | उप२ण्ठ ११३, २२३, २२७, १२४। |

| | | |
|----------------------|----------------------------------|----------------------------|
| उपकारिक | १५, ६२। | उपदेश =शिक्षा। |
| उपकार्या | १५, ६३, १३१, ३८८। | उपदेशक १०१, ११०। |
| उपकुञ्जिका | १५४, १९३, १७२, ३५७। | उपद्रव ४०४, २२३। |
| उपकुर्वाण | ७०, १८, ७२, ३७। | उपवा=परीक्षाविशेषः। |
| उपकुल्या | १७१, ३४२। | उपथातीत १०२, १२१। |
| उपकम | ७६, ६९, २४२, ६७, ४२२, ५०। | उपधान ६७, ४२३। |
| उपकोश | ४४८, ८२। | उपवि ४३०, १२१। |
| उपगत | २३४, १७९। | उपवृष्टि ९९, ९५, १३१, ३७९। |
| उपगूहन | २३६, १७। | उपनयन ६९, ८, ७०, १५। |
| उपग्रह | १३१, ३८५। | उपनाय (न) ७०, १५। |
| उपग्राह्य | ९८, ८५। | उपनाह ९१, २३, ४२४, ६२। |
| उपग्र | २४१, ६२। | उपनिधि १८६, ४८१। |
| उपचक | ३२८, ९४। | उपनिषद् ४४३, ३६। |
| उपचय | २४८, ११९। | उपनिष्कर १०, १००। |
| उपचर | २४६, १०४। | उपनिष्करण १९, १०९। |
| उपचरित. | २३२, १६७। | उपनी १४, ५१, २०९, ६४। |
| उपचर्या | ६०, २६१। | उपनीत. ७०, १३। |
| उपचाय | ७७, ७८। | उपन्यास ४४६, ७०। |
| उपचार | ६०, २६०। | उपपति ३४, १२५। |
| उपचि | २४७, ११६। | उपपद २३८, ३१। |
| उपचित | ३२, १०९, २३०, १५०, २३२, १६७। | उपपादी ३२५, ७४। |
| उपचित्रा=मूषिकपर्णी। | | उपपुर. ९, ४। |
| उपच्छन्दन | २४६, १०८। | उपपूव ४०४, २२३। |
| उपजाप. | ९८, ८६। | उपपुत २१२, ९९। |
| उपजिह्विका | ३८, १६३, ३२५, ७३। | उपबर्ह ६७, ४२३। |
| उपजोषकम् | ४५९, १४। | उपभूत. ७८, ८५। |
| उपजोषम् | ४१५, ८८। | उपभोग २४६, ६२। |
| उपज्ञा | ७६, ६९। | उपमन्त्रण २४६, १०७। |
| उपतस्त=उपताप। | | उपमा (न) २११, ८०। |
| उपताप | ५४, ३०३। | उपमातृ २५, ४९। |
| उपत्यका | ४४३, २१। | उपयम् २४६, १०२। |
| उपदंश | २१२, ९४। | उपयम=विवाह। |
| उपदशक | १४५, ११८, १७०, ३४९, २९९, ४५२। | उपयाचित २३८, ३५। |
| उपदा | ९८, ८५। | उपरक्त २२३, ८४, ४०४, २२३। |
| उपदिश् | ३७५, ५५। | उपरक्षण १०३, १२८। |
| उपदी, | ३२५, ७४। | उपरत्न २००, ६१०। |
| | | उपरम=विरामः। |
| | | उपराग ४०४, २२३। |

उपरि ४६०, २१ ।
 उपरिकथा ४४५, ५९ ।
 उपल ३४३, २२ ।
 उपलब्धार्थी ४४५, ५९ ।
 उपलिंग =खुद्दि ।
 उपलम्भ २४२, ७१ ।
 उपलभ् २४७, ११८ ।
 उपलाका १५७, २१८ ।
 उपलेपन १८४, ४६३, २३८, ३० ।
 उपवट २५६, ७१ ।
 उपवन २४८, ३ ।
 उपवर्त्तन ४, २ ।
 उपवर्ष ८४, १३९ ।
 उपवसय. ९, ५ ।
 उपवस्त (स्त्री) ७६, २८ ।
 उपवासक ७१, २९ ।
 उपवाह्य १०६, १६१ ।
 उपविन्य ३४२, १४ ।
 उपविश्. २४६, १०६ ।
 उपविषा १७७, ३८५ ।
 उपविष्ट २२९, ४५ ।
 उपवीतक ७०, १५ ।
 उपवीर ३७४, ४३ ।
 उपव्याग्र ३१८, १० ।
 उपशम ६०, ३६०, २३५, ५, ४२९, १०७।
 उपशय २४७, ११८ ।
 उपशत्य ९, ७ ।
 उपशान्ति २३५, ५ ।
 उपशाय २४३, ७५, २४७, ११८ ।
 उपशुन २०७, ४५ ।
 उपशुत २३४, १७९ ।
 उपशुति ९६, ६७, ४४६, ७१ ।
 उपसंव्यान ५२, २९० ।
 उपसंग्रह ८१, ११५ ।
 उपसंग्राह्य ८१, ११४ ।
 उपसद् २४६, १०३ ।
 उपसंच ७६, ६७, १४२, १० ।
 उपसर १८३, ४५६ ।
 उपसर्ग. १२९, ३६१, ४०४, २२३ ।

उपमर्जन २२६, ११३ ।
 उपसर्वा १८३, ४५७ ।
 उपमूर्यग ३३७, १५५ ।
 उपस्कर १०४, १३३ ।
 उपस्थ ४३, २०८, ४३४, १५८ ।
 उपस्थक ४३, २१० ।
 उपस्थित ९०, ११ ।
 उपस्पर्श ७१, २६ ।
 उपहार ९८, ८५ ।
 उपहासगिर् ४२६, ८२ ।
 उपहृत ३५५, ५५ ।
 उपहृ २४५, ९८ ।
 उपहृर ९८, ८९ ।
 उपहु ९८, ८९ ।
 उपाक्रण ७२, ३४ ।
 उपाक्षमन् ७२, ३८ ।
 उपाकृत ७६, ६६ ।
 उपाकृति ७२, ३४ ।
 उपाक्ष २३८, ३४ ।
 उपाग्र २२०, ५७ ।
 उपाङ् ४२०, २६ ।
 उपाङ्गदर्शन ३६, १४१ ।
 उपाचार ९८, ४४ ।
 उपात्यय ७१, २७, २४३, ७६ ।
 उपादान ९८, ८८, २३८, २९, २४०,
 ५५ ।
 उपाधि २१६, २१, ४३०, १२१ ।
 उपान्याय ७३, ४१ ।
 उपान्याया (नी) २६, ५५ ।
 उपान्यायी २६, ५५ ।
 उपानह् २०९, ६२ ।
 उपाय ९८, ८२ ।
 उपायन ९८, ८५ ।
 उपार्क ४३८, २१ ।
 उपालम्भ ४४८, २७ ।
 उपावृत्त=लुठित ।
 उपासङ्ग १२०, २८० ।
 उपासन ७१, २५, ७३, ३९, ११८
 २६५ ।

| | | |
|------------------|---|--------------------------------|
| उपासना। | ८१, ९९६। | उरस्य =ओरस । |
| उपाखित | २३२, १६७। | उरस्वत ११६, १८४। |
| उपास्ति | ८१, ९९६। | उराह ११६, २०४। |
| उपाहित | २३१, १५३, ४०४, २२३। | उरीकृत २३३, १७८। |
| उपेक्षा | ९८, ८७। | उरु २२७, ११५, २४९, १२। |
| उपेन्द्र | ४५२, १२। | उरद्धीप २४९, १२। |
| उपोड़ | २४७, १००। | उरवाशिनी ३७२, २८। |
| उपोदकी | १५१, १७२। | उरुवु (क) २८५, ३२७। |
| उपोदिका=शाकमेदे। | | उरुसार १९२, ५३६। |
| उपाद्धान | ४४६, ७०। | उरुतम्भा २५५, ६१। |
| उपाधण | ७१, २८। | उरुवरु १५३, १८९। |
| उपोषित. | ७१, २९। | उरोग (म) ३६४, ५। |
| उसकृष्ट | ८, ३८। | उर प्रह ५६, ३२९। |
| उभ १८६, ४५। | | उरोज ४१, ११४। |
| उभय (ये) वुस् | ४६०, २६। | उर्वा ३ १०। |
| उभ=प्रथे। | | उर्व (स्व) वी ३७२, २७। |
| उमक | ५६, २२३। | उर्वशीरमण ९१, २५। |
| उमा | १४०, ७०, १७३, ३६२, ३२६, १६७, ३९३, १२२। | उर्वा २, १४। |
| उमापति | ३८९, ९०। | उर्वाह १५०, १६१। |
| उमावन | ११, २३। | उलन्दक ३९०, ९५। |
| उम्बर | १६, ७७। | उल्प २५०, २०, २५३, ४३। |
| उम्य | ८, ३३। | उल्प ३५०, ६०। |
| उर कट | ८५, १५१। | उल्क ३२८, ९९। |
| उर सूचिका | ४९, २५८। | उल्क (दू) खल १४२, ९९, ३७४, ४३। |
| उरक | १३८, ५४। | उलखलकम्भ=गुग्गुल। |
| उरग | ३६४, ५। | उल्ती २५७, ८३, ४५७, ५२। |
| उरङ्ग (म) | ३६४, ५। | उल्लिश ४५६, ५०। |
| उरण | १८५, ४७१, ३२२, ४१। | उल्पिन=मत्स्यविजेष। |
| उरणाक्ष=चकमद | | उल्ल (छ) वी ३५४, ९४। |
| उरभ्र (क) | १८५, ४७१। | उल्लुल ४३०, ११८। |
| उररीकृत | २३३, १७८। | उल्का ३७२, २५। |
| उरव्य | १३२, १। | उल्कामालिन् ३९२, १११। |
| उरश्छद=कवच। | | उल्कामुखी ३१९, १६। |
| उरश्छ | १८५, ४७१। | उल्मुक १४३, ९९, ३७९, २३। |
| उरस् | ४१, १९९। | उत्त्वम्=जरायु २५, ४६। |
| उरसिज | ४१, १९४। | उत्त्वण २२०, ५४, २२९, १४१। |
| उरसिल | ११६, २४४। | उत्त्वाघ ६०, ३६२। |
| उरस्ताण. | ११४, २२१। | उत्त्वाप ४४८, ८८। |
| | | उत्त्वास, ४४५, ६९। |

| | | | |
|----------------|-----------------------------|----------------|----------------------------|
| उ (अ) ली | १४७, १३०। | ऊवस्य | १५८, २२५। |
| उत्तुकसन | ४२९, १९०। | ऊन=हीन | । |
| उल्लोच | ५३, ३००। | ऊनविगति | १८७, १०७। |
| उल्लोल | ३४५, १९। | ऊम=प्रथ्ये | । |
| उत्त्व | २५, ४६। | ऊरव्य | =वृद्य। |
| उशनस्=शुक | । | ऊरी=अङ्गीकृता। | |
| उशीर | ६४, ४०१। | ऊरीकृत | २३३, १७८। |
| उप | ३, २१, ६, १६। | ऊरु | ४४, २१८। |
| उप रुल | ३३२, १३१। | ऊहज | १३२, १। |
| उषगा | १७०, ३४१। | ऊहयवेन | ४४, २१७। |
| उपती | ४४८, ८६। | ऊहसंवि | ४४, २१४। |
| उषर | ६, १६, १५३, १८२। | ऊज | ४१२, ६२, ४२८, १०१ |
| उषरुद्य (व) | ३७७, ९। | ऊजस्व | ११६, २४६। |
| उषवत् | ६, १६। | ऊजस्विन् | ११६, २४६। |
| उषस्=प्रभातम् | । | ऊजित | ४६, २३३। |
| उ (अ) षा | ३, २१, ४६०, २३, ४५६, ४४। | ऊर्जी | ३७२, २६। |
| उषापति | =अनिरुद्ध | ऊर्ण | २५०, १४। |
| उषित | २३२, १६४। | ऊर्णनाभ (मि) | ३२७, ६८। |
| उषेश | ४५६, ८४। | ऊर्णा | ५१, २७८। |
| उष्ट्र | १८४, ४६५, ३२०, २२। | ऊर्णायु | ५१, २७९, १८७, ४७१, ३७८, ३७ |
| उष्ट्रभक्षा | ३०१, ४७१। | ऊर्णासन्त्री | ७०, १६। |
| उष्ट्रभाण्डी | २८०, २८१। | ऊर्व (क) | ४२४, ६५। |
| उष्ण | २०५, ३४, ४१३, ६८। | ऊर्वकण्टका | ३०५, ४९९। |
| उष्णकृ (मृ) त् | ४३६, ९। | ऊर्वक्षिप्त | २३३, १७५। |
| उष्णरस्मि | =सूर्य। | ऊर्वगति | ३७७, १०। |
| उष्णवल्ली | २८८, ३५१। | ऊर्वजानुक | ३३, ११६। |
| उष्णवारण | १०३, १२७। | ऊर्वनेत्र (तु) | ३३, १६। |
| उष्णिका | =यवागू। | ऊर्वेदम | २२९, ४५। |
| उष्णिज् | ७८, ८९। | ऊर्वदैहिक | ८०, १०६। |
| उष्णोष | ४८, २५०। | ऊर्वनयन | ३१७, २। |
| उष्णोपगम | ४१३, ६९। | ऊर्वरतस् | ३१०, ९६। |
| उष्मक | =ग्रीष्म। | ऊर्वस्य | २१९, ४५। |
| उस् | ४३७, १५। | ऊर्मि (मा) | १०२, ११८, ३४५, १८। |
| उस्ता | १८३, ४५२। | ऊर्मिका | ४९, २६९, ५३, २९९। |
| उह | ४५८, ७। | ऊर्मिमत् | २२८, १२८। |
| ऊ | | ऊर्मिमालिन् | ३४४, २। |
| ऊत | २३२, १६६। | ऊष | ६, ११६। |
| ऊधस | १८४, ४६३। | ऊषण | १५३, १०७। |
| | | ऊषणा | १७१, ३८२। |

| | | | |
|---------------------|---------------------------|------------------------------------|--------------------------|
| ऋषर | ६, ९६, ५४, ३१०, २८९, ३६०। | ऋडामन् | ३७०, ७। |
| ऋषवत् | ६, ९६। | ऋमु | ३६९, २। |
| ऋया | १०८, १७६, ४५६, ४४। | ऋषुधिन् | २८२, २७। |
| ऋप्त | ३७९, २६। | ऋद्य (च्य) =र्शं प्रगामी मृगविशेष। | |
| ऋषक | ४१३, ६८। | ऋद्य (च्य) केरु =कासदेव। | |
| ऋमा | ३७८, २०, ४१३, ६९। | ऋद्य (च्य) मूक | ३४२, १६। |
| ऋमागम | ४१३, ६९। | ऋद्यम | १८१, ४३८, २२६, ११०, ४१७, |
| ऋमायण | ४१३, ६८। | | १। |
| ऋह | ४३३, १४७। | ऋषभन्वज | ३८२, २२। |
| ऋहनी | १८, ८६। | ऋषि | ८२, १२१, १८७, ४९४, २३८, |
| ऋहापोह | ४३३, १६६। | | ३६, ४०३, ३१५, ४४२, ३१। |
| ऋ | | ऋषिकुल्या | ३४७, ३१। |
| ऋ | ४३९, ६। | ऋ (रि) षि | १२०, २८। |
| ऋ (रि) वथ | १९२, ५३४। | ऋष्याङ्क | ४५६, ४४। |
| ऋषवय | ४०२, २०। | ए | |
| ऋश्च | ३०९, ५३७, ३१९, १२, ४००, | एक | १८६, ४८५, २२९, १४२, २३०, |
| | १०२। | | १४३। |
| ऋष्टान्वया=वृद्धारक | | एकक | २२९, १४२। |
| ऋष्टनेति | ३९८, १६९। | एककाल | ४२४, ६३। |
| ऋषिद् | ७७, ६१। | एककुण्डल | ३८७, ५३, ४५५, ३५। |
| ऋग्वेद | ४४२, ३२। | एकगुरु | ७४, ५६। |
| ऋच् | ७८, ८९। | एकचक | १०, १५। |
| ऋची (जी) व | १४४, १०६। | एकचर | ४५५, ३६। |
| ऋज्ञ | ४८, २५४, २२०, ५५। | एकचारिन | ८५, १५०। |
| ऋजुरोहित | ३९७, १६३। | एकचित्तता | ७२, ३१। |
| ऋण | १३२, ३। | एकजन्मन् | ८९, ५। |
| ऋत | ७३, ४४, ३४५, १२, ३७१, १३, | एकतर =अन्यतर। | |
| | ४४७, ७२। | एकतान | २२९, १३९। |
| ऋतजित | ३७१, १३। | एकताल | ४२४, ६३। |
| ऋतयामन् | ४५२, ९, ३७१, १४। | एकताली | ४२१, ३९। |
| ऋतीया | २४३, ७५। | एकदंष्ट्र | ५४, ३०५। |
| ऋतु | ४४०, १७, १८७, ४९८, ४१२, | एकदन्त =गणेश। | |
| | ६६। | एकदा | ४६०, २७। |
| ऋतुम् (व) ती | २४, ४०। | एकदेह | ४०२, २०२। |
| ऋतुवृत्ति | ४१३, ७३। | एकद्वा | १८७, ८९३। |
| ऋते=विना। | | एकधार | १२२, ३०४। |
| ऋतिज्ञ=याजक। | | एकधुर =एकधुरावह। | |
| ऋ (रि) द्व | १४२, ८९। | एकधुरावह | १८३, ४५०। |
| ऋद्धि =ओषधिविशेष। | | एकधुरीण | १८३, ४५०। |

एकनष्ट ४२५, ७६।
 एकनयन ४०२, २०७।
 एकनेत्र ३२, ११२।
 एकपली २१, १५, २५, ५०।
 एकपदी=मार्ग ।
 एकपाटला ३९४, १३१।
 एकपिंड ३८७, ७१।
 एकभू ३९९, १७१।
 एकमोग १०, १२।
 एकचाषिका ४२, २६३।
 एकरद २, १०।
 एकलिङ्ग ३९१, १०१।
 एकवीर २८२, ३०३।
 एकवाक ११०, ११२, १८१, ४५५।
 एकसर्ग=एकाग्र ।
 एकहन्त्य ८, २५।
 एकहायनी १८३, ४१७।
 एका ३९३, १२६।
 एकाकिन् २२९, १४२।
 एकाग्र २२९, १३९।
 एकानशा ४७४, ३२।
 एकान्त १८, ८९, ३८१, १८।
 एकाच (द्व) विशति १८७, ४९०।
 एकाच (द्व) त्रिशत् १८७, ४९०।
 एकाढा १८३, ४५७।
 एकायन २२९, १३९।
 एकावली ४९, २६३।
 एकाष्ठी २१०, ७४।
 एकाष्ठीला १७५, ३८१।
 एकोनविशति १८७, ४८६।
 एड २२२, ७५।
 एडक ३३, ११४, १८५, ४७१।
 एडकमुख ३७४, ४१।
 एड (ल) गज ३०८, ५३२।
 एडमूरु ३३, ११५, २२२, ७७।
 एड (झ) क. १२, ३४।
 एण ३२१, ३२।
 एणभृत् ३९८, १७१।
 एत ४३५, १६८।

एतद् २३१, १५५।
 एतहिं ४६०, २८।
 एतश ११०, १९२।
 एतादृश् (श) ३७१, १५।
 एव २५१, २५।
 एवतु २०, ३, ३७७, ११।
 एवस् २५१, २५।
 एवित २२९, १३५।
 एनसू=पापम् ।
 एमला २६१, १२०।
 एरण्ड २०१, ६१८, २८५, ३२८।
 एरण्डपत्रा १७६, ३९५।
 एरण्डफला १७६, ३९५।
 एलमोचिका ३०२, १८।
 ए (ऐ) लघिल ३८७, ५०।
 एला १७२, ३५६।
 एलापर्णी=राज्ञा ।
 एलागन्व ३०७, ५०१।
 एला (ल) वाल्क ३०५, ४९९।
 एलाह ३०५, ५००।
 एलवाल्क ३०५, ५००।
 एव ४५९, २०।
 एवम् ४५९, १३, ४६०, २१।
 एषणिका २१०, ७८।

ऐ

ऐकागारिक २०७, ४८।
 ऐक्षव २१२, ९०।
 ऐङ्गर २५३, ८५।
 ऐण=एणस्य मृगचमार्यम् ।
 ऐण्ये. ७०, १७।
 ऐतिह ७६, ६८, ४४६, ६५।
 ऐन्द्रा २९४, ४०६।
 ऐन्द्रि १३, ४३।
 ऐद्रियक २२२, १३९।
 ऐन्द्री १७२, ३१९, ३६७, ३, ३७१,
 ५१, ३९१, १०५।
 ऐरावण ३८३, ३५।
 ऐरावत २६२, १५, ३४१, २, ३७५,
 ५१, ३८२, २०, ३८३, ३५,

३९७, १६२ ।
 ऐरावतान्वय १०९, १८२ ।
 ऐरावती ३९७, १५५ ।
 ऐरिण १५३, १८३ ।
 ऐल ९१, २५ ।
 ऐलविल=एलविल ।
 ऐशानी ३७९, ५१ ।
 ऐश्वर ५४, ३०७ ।
 ऐश्वर्य ३९१, १०६ ।
 ऐषमस् ४६०, २५ ।
 ओ
 ओकम् १२, २६ ।
 ओकोदनी (रणी) ३३९, १९२ ।
 ओघ ३३९, २०१ ।
 ओघनाश ३४८, ८५ ।
 ओड़ार =प्रणव ।
 ओड़ारा ४४१, २६ ।
 ओज १२७, -८५ ।
 ओजम् १२७, ३८५ ।
 ओजस् १९२, ५३३ ।
 ओड़वा २७९, २७४ ।
 ओड्रपुष्पम्=जपापुष्पम् ।
 ओतु ३१९, ०९ ।
 ओदन १५९, २३९ ।
 ओदनिश ३०३, ४८७ ।
 ओम्=प्रणव, एवम् ।
 ओवलि ४४९, ९५ ।
 ओष २३९, ४२ ।
 ओषधि (धी)-फलपाकान्ना ।
 ओषधीपति ३९८, १७० ।
 ओषधीश ३९८, १७० ।
 ओष्ठ ३७, १५४ ।
 ओष्ठज ५९, ३४८ ।
 ओष्ठपुष्प २७९, २७२ ।
 ओष्ठप्रान्त ३७ १५५ ।
 ओ
 ओक्षक १८२, ४४१ ।
 ओख्य (ध्य) १६५ २९ ।
 ओचिती (त्यम्=उचितस्य भाव ।

औत्कण्ठ ४३०, ११६ ।
 औत्तानपादि=तुव ।
 औत्सुक्य ४३०, ११६ ।
 औदनिक १४३, ९६ ।
 औदरिक २१७, ३३ ।
 औद्यक्षित्क १६४, २८६ ।
 औदार्य २१, १४ ।
 औदुम्बर ५७, ३३८, ७०, १८, १९३,
 ५४४, ३८५, ५० ।
 ओड्डिद ३४५, १७ ।
 ओपगव (क) २४४, ८५ ।
 ओपथिक ९९, ९९ ।
 ओपवस्त ७१, २३ ।
 ओम ८, ३३ ।
 ओमीन ८, ३३ ।
 ओरस्क ५१, २७९ ।
 ओरस (स्य) २९, ८४ ।
 ओर्ण ५०, २७८, १११, २७८ ।
 ओर्ध्वदैहिकम्=प्रेतकार्यम् ।
 ओर्वि ३७८ १३ ।
 और्वशेय ४०४, २२ ।
 और्वसह, १५३, १८३ ।
 ओलुक्य ८४, १४३ ।
 औशीर ६७, ४२५ ।
 औषव ६०, २०० ।
 औष्टक १८५, ४७३ ।
 क.
 क ३५, १४५, ३४४, ९, ३७७, ११,
 ३७९, १, ४१६, १५, ४१५, ८८,
 ४३९, ७ ।
 कंस ९७, ५८, १४४, १०६, १९४, ५५२।
 कसमर्दन ४५४, २५ ।
 क (क) सर १६०, २४७ ।
 कंमाराति=कंसमर्दन ।
 कसीय १९४, ५५० ।
 ककुद (ह) १२६, ३३८, १८२, ४४५ ।
 ककुदात १८१, ४३७ ।
 ककुदाता ४२, २०२ ।
 ककुन्दर ४३, २०४ ।

ककुम् ३७४, ४८।
 ककुम २७१, २०९, ३३५, १६०,
 ४९४, ६२।
 ककुमा ३७४, ४८।
 कक्षास्ति=कर्कश ।
 कक्ष =नृणम्, बाहुमूलम्।
 कक्षा ३९, १६८, ५३, २९७।
 कक्षास्तर्वा १२९, ३६४।
 कक्षा ५०, २६७, १०८, १७६, ११२,
 २९६।
 कखासुत ३८६, ५६।
 कड़ २५४, ५४, ३२८, ९४, ३२९, ११०,
 ३८५, ४७।
 कक्षटक =केवच
 कक्षटक ३८९, ८७।
 कक्षण ४९, २६५।
 कक्षणप्रिय ३९१, १०९।
 कक्षणी ५०, २६२, १६३, २७६।
 कक्षत ६८, ४३२।
 कक्षतिका=प्रसावनी ।
 कक्षत्रोट ३५३, ९०।
 कक्षपृष्ठा ३५३, ८९।
 कक्षमुख २०९, ६६।
 कक्षराल ४६, २३६।
 कक्षकर्जनी ६४, २९९।
 कक्षष १९८, ५९०।
 कक्षेर ३३०, १११।
 कक्षेलि (ली) २७६, २४४।
 कक्षोलक ६४, ३९६।
 कक्ष (कु) १३६, ३६।
 कक्षणी २००, ३६८, २९५, ४९५।
 कक्षनी १३६, ३८।
 कच ४०३, २१२।
 कचध ३५४, ९२।
 कचरहा १७६, २८९।
 कचूटिका १६३, २७२।
 कचर ३४६, २७।
 कचल २२५, १०५।
 कच्चित् ४५९, ९८।

कच्छ ४, ४।
 कच्छजा १७६, ३८७।
 कच्छप ३५७, ११९, ३७४, ४४।
 कच्छपट ५३, २९६।
 कच्छपी ४२३, ६०।
 कच्छाटिका ५३, २९६।
 कच्छालकारक २८७, ३४२।
 कच्छु (छ) =पासा ।
 कच्छुर=पासन ।
 कच्छुरा २९३, ३९८।
 कच्छु (छ) ५८, ३४०।
 कच्छुवी ३०४, ८९७।
 कज १०९, ९८५।
 कजल ६८, ४२।
 कजगलन्वज ६७, ४२६।
 कजचुक ५२, २९३, ५३, २९६, ११४,
 २२७, ३६६, २१।
 कजचुका १५४, १३५, ३०४, ४९४।
 कजचुकिन् १०, १८, १३७, ४१, १३८, ५६
 ३६४, ४।
 कजचुली ५२, २९३।
 कज ४३९, २।
 कजसू ४५५, ४८।
 कजार ४३९, ८।
 कजिनी २४, ३७।
 कजुल ३३६, १६९।
 कट ४२, २०२, १४३, ९४, ३६०, १४७।
 पटक ९, ४, ४९, २६४, ५३, ३०१,
 १०७, १६६, ११६, २४९,
 ३४२, १८।
 कटझटेरी १५६, २१०।
 कटघू ३८९, ८६।
 कटभी २७२, २१८, २९५, ४१८।
 कटमद ३८८, ८२।
 कटम्ब (म्भ) र २६६, १६२।
 कटम्ब (म्भ) रा ३०३, ४३०।
 कटरथ ३५५, १०८।
 कटवीर २७३, २२३।
 कटस्याल १३१, ३८४।

| | | | |
|-------------|--|--------------|---|
| कयाथ | ३६, १४९। | कड़फला | १५९, १५२, १५१, १६५, २८७, १६७, २९९, ४५४, ३०५, ५०४। |
| कटाटङ्क | ३८९, ८४। | कद्वज | २६६, १६३। |
| कटालु | १४२, १५२। | कद्वजनी | १७७, ३८३। |
| कटाह | ४८४, २०४, १४३, १०१, १४४, १०५, १८१, ४३५। | कद्वर | १५८, २२८, २१९, ५०। |
| कटि (टी) | ४२, २०२। | कद्वी | २९८, ४४४। |
| कटिकणा | १७१, ३१। | कठ | ९, ७, ६९, १०, १०७, १६५। |
| कटिका | ४०, १४४। | कठि (डि) जरे | २८१, २९०। |
| कटिनाटिङ्गा | ४९, २६६। | कठिन=कर्कश। | |
| कटिप्रान्त | ४२, २००। | कठिनलि | २६२, १२९। |
| कटिप्राय | ४४४ २१३। | कठिना | १६१, ३३२। |
| कटिवन्व | ५२, २९। | कठिनी | ३४३, २४। |
| कटिप्रसला | ४९, २६६। | कठिनेशु | ३१९, ५८५। |
| कटिनल | १२२, ३०४। | कठिलि (क) | ३१३, ५७४। |
| कटीर | ४२, २०४। | कठिला | १४९, १५६। |
| कटीरक | ४२, २०५। | कठार=कर्कश। | |
| कटु | १५२, १५०, १६८, ३१६, २८४, ३१२, २९८, १५। | कठ | २२२, ५५। |
| कटुक | १५३, १८०, १७५, ३७६, ३०१, ८६५। | कठुङ्क (ह) र | १४१ ८१। |
| कटुकवलिङ्गा | २९८, ४४। | कठच्छक | १४४, १०७। |
| कटुका | १७९, ३८२ १४२, १४६। | कठम्ब | =क म। |
| कटुयन्य | १५३, १८८, १७१, ३४७। | कडार | २०९, ८३, ४३६, १६७। |
| कटुतिक्त | ३०२, ८७। | कठि (ठि) जर. | २८१ २९०। |
| कटुतुष्पी | २९३, ४००, १४८, १४१। | कण | २२७, ११७, ३७५, २९। |
| कटुतैल | १४०, ७३। | कणक | १७८, ४०८। |
| कटुदला | १५०, १५९। | कणकर्णिका | २९४, ४०६। |
| कटुदम | २८२, २९। | कणजीर | १५४, १९२। |
| कटुपर्ण | २८६, ३३। | कणप | १२४, ३२३। |
| कटुरुल | ६४, ३९६, २९१, ३०१। | कणप्रिय | ३३५, १५६। |
| कटुरुला | २८६, ३३६ २९३, ४००। | कणमक्षक | ३३६, १५६। |
| कटुबीजा | १७०, ८४। | कणा | १५४, १११, १७१, ३४२, २२७, ११७। |
| कटुमज्ज | १५३, १५५। | कणाटीन (र) | ३३४, १५०। |
| कटुमूल | १७१ ३८६। | कणाद | ८३, १३६। |
| कटुमोद | ६४, ३९०। | कणि (णी) | ११९, २७९, २२७, ११७। |
| कटुरोहिणी | १७१, ३८३। | कणिका | १४२, ८८, २२७, ११८। |
| कटुवात्तकी | ३००, ४५५। | कणित | ४५०, १०७। |
| कटूषण | १५३, १८४, १७१, ३८३। | कणिश | १३६, ३७, १३८ ५१, १४१, ७५। |
| कटूफल | ६४, ३९६, २६६, १५१। | | |

| | |
|--|---------------------------|
| कणी (गि) २२७, ११८। | कण्ठला ६८८, ४२६। |
| कणीक २२७, ११८। | कण्ठविभूषण ४८, ३५७। |
| कणीयस् २२७, ११८। | कण्ठामि ३२६, ८०। |
| कणेर १०६, १४८। | कण्ठाव ३३२, १३३। |
| कण्ठ २८०, २८०। | कण्ठिका ४९, २६३। |
| कण्ठक १२८, ३५२, ४८९, १०९। | कण्ठिन् १३९, ६०। |
| कण्ठकगृह ३२४, ६३। | कण्ठं रथ ३१८, । |
| कण्ठकदल २७६, २०९। | कण्ठनी १४२, ९९। |
| कण्ठकप्रावृता ३१०, ७४९। | कण्डानक ३९२, ११६। |
| कण्ठकम्ल=पनस । | कण्डाल २८६, ३३३। |
| कण्ठकाळ्य २७८, २६८। | कण्डु (ड) ७८, ३३९। |
| कण्ठकार ३५४, ९९। | कण्डुर=कण्डुरा । |
| कण्ठकारिका २७३, २२२, ३००, ४५६। | कण्डूति ७८, ३४०, ३७४, ६६। |
| कण्ठकारी २८६, ३३१। | कण्ड्यन (या) ७८, ३४०। |
| कण्ठका गन १८४, ८६५। | काङ्क्षर १४७, १३२। |
| कण्ठकाष्ठोल ३५३, ८६। | काङ्क्षरा २९८, ८०१। |
| कण्ठकिन् १९१, ५२९, २८३, ३०५, २८५, ३३० ३००, ४६४, ३०३, ८८४, ३५१, ७३। | कण्डल ६०, ३०९। |
| कण्ठकिनी १४९, ११३, २८०, २८१, ३००, ४५७। | कण्डोल (उणा) १४३, ९५। |
| कण्ठकिं (की) फठ २५५, ५९। | कण्डेली ४२३, ६१। |
| कण्ठकुरण्ट २८०, २८। | कण्वम्=किण्वम्। |
| कण्ठतनु २९९, ४५४। | कत् ४७९, १२। |
| कण्ठपत्रिका १४९, १५१। | कतक २६३, १३८। |
| कण्ठपाद २७३, २२। | कतकल २६४, १३९। |
| कण्ठपुङ्का ३०२ ४७०। | कतम् (र) २३१, १०७। |
| कण्ठफल २८५, ३३०, ३००, ४६३। | कत्तण २८७, ३५६। |
| कण्ठफला १४९, १४७, ३०८, ५३२। | कत्तोय २११ ८६। |
| कण्ठलता १४९, १८८। | कवक ४२५, ७६। |
| कण्ठवल्ली २८६, ३३५। | कवङ्गयिकता ४४६, ७।। |
| कण्ठारिका ३०१, ४७२। | कथा ६०, ३६४, ४४५, ५७। |
| कण्ठाली २९९, ४५४। | कथाप्रसङ्ग ३६६, २९। |
| कण्ठालु २८३, ३१४, २९९, ४५४, ३०२, ४७७। | कदध्वन् १९, ९६। |
| कण्ठ ३८, १६५। | कदन १३०, ३६९। |
| कण्ठक ९, ७। | कदम्ब ११८, २७०, २७०, ११९। |
| कण्ठकूणिका ४२३, ५९। | कदम्बक ३४०, २०२। |
| कण्ठदग्ध (द्वयस) ४१, १८८। | कदम्बपुष्पा ३०९, ५३८। |
| कण्ठभूषा=कण्ठविभूषण । | कदम्बा २९४, ४८२। |
| | कदम्बिका ३८, १६५। |
| | कदग २८३, ३०७। |
| | कदर्थ २२४, ८९। |

| | |
|--------------------------------------|---|
| कदल=कदली । | कन्दराकर ३४१, ३ । |
| कदला=कदली । | कन्दरालफल २५७, ७९ । |
| कदलिन=मृगविशेष । | कन्दरी ३१३, ५७२ । |
| कद (न्ह) ली १२६, १८, २५५, ६० । | कन्दरोद्धवा ३१०, ५४७ । |
| कदाचित ४५८, ५ । | कन्दरोहिणी २९१, ३७७ । |
| कदुण ४३८, २१ । | कन्दर्प ४३, २०९, ४५५, ३८ । |
| कदु ४२५, १६७ । | कन्दर्पन्धज ४२३, ५६ । |
| कदुज ३६४, ६ । | कन्दर्पसातृ ४५७ ५४ । |
| कद्र ४४०, १२ । | कन्दलता १५१, १६८, १७५, ४२९ । |
| कद्यञ्ज, २२२, ७० । | कन्दलान्त ३६५, १६ । |
| कद्यद २२२, ७४ । | कन्दलिन=मृगविशेष । |
| कतक १९१, ५३०, ३०७, ५१९, ४५५, ४२ । | कन्दली=कदली । |
| कनकद्रव १९६, ५६८ । | कदवत् २९६, ४२५ । |
| कनकपुष्टा, २७६, २५१ । | कन्दवल्लरी २९४, ४०३ । |
| कनकप्रसा २९१, १६ । | कन्दसारक ३८३, ३५ । |
| कनकप्रसवा २७६, २५० । | कन्दाळव, १७९, ४१९ । |
| कनकलोद्धव ६६, ६१५ । | कन्दालु १५०, १६०, १७९, ४१८, १८०, ४२७ । |
| कनकांयद=भौरूरि । | कन्दिल १४७, १३७ । |
| कनकान्तक २७४, २३० । | कन्दु ६६, ८१५, १४३, १०० । |
| कनकालुका १०३, १२८ । | कन्दुक ६८, ४३३ । |
| कनकालुय १७७, ४०२ । | कन्दुर २८९, २५७ । |
| कनेष्ठ २९, ८७ । | कन्दुरी २९३, ३९८ । |
| कनिष्ठा २६, ६०, ३९, १७८ । | कन्दूरक ६६, ४१७ । |
| कनिष्ठिक २९०, ३६७ । | कन्दाङ ३५९, १४० । |
| कनीनिका ३६, १४७, ३९, १७४ । | कन्देत्या २९१, ३७७ । |
| कर्णीयस् २९, ८७ । | कन्वरा ३८, १६३ । |
| कर्णीयस १९३, ५४३ । | कन्यकाजात=कानीन |
| कर्तार ३५, १३४ । | कन्यकुड्ज, ६, २२, १०, १६ । |
| कन्तु ४५५, ४० । | कन्या २२, १३, ३१६, ५१६, ४०४, २२५ । |
| कन्यका, २८५, ३२४ । | कन्याका २२, १७ । |
| कथ (न्या) री, २८५, ३२४ । | कन्याकुड्ज ६, २२, १०, १६ । |
| कथा=प्रावरणान्तरम । | कन्याज २६, ५० । |
| कद १४५, ११२, १४७, १३२, ३६०, १५४ । | कन्यिका, २२, १७ । |
| कन्दफला १८०, ४२३ । | कपट ४३०, १२१ । |
| कन्दबहुला १८०, ४२७ । | कपटेश्वरी ३००, ४५८ । |
| कन्दमूलक १४५, ११३ । | कपणि ३९, १५० । |
| कन्दर ३४२, १९ । | कपर्द २१३, १०२, ३५८, १२८, ३९१, १०१ । |

- कपर्दिका ३३०, ११८ ।
 कपदिन् ३७२, २३ ३८९, ८८ ।
 कपाट १७, ८९ ।
 कथाल ३५, १३२, ३६, १४१, ४६,
 २३४।
 कपालभृत ३८९, ८६ ।
 कपाललमिका २१०, ७२ ।
 कपालिन ३९०, ९६, ३९२, ११२ ।
 कपालिनी ३९५, १४१ ।
 कपाली १७२, ३५२ ।
 कपालोत्थ ५९, २५१ ।
 कपि ६५, ४०९, १०५, १४७, ३२२,
 ४६, ४३६ ६ ।
 कपिकच्छू=मर्कटी ।
 कपिचूड २६२, २३ ।
 कपिज ६५, ४०९ ।
 कपिजङ्घाका ३२६, ७७ ।
 कपिजङ्गल ३३४, १४७, ३३६, १६९ ।
 कपित्थ २६२, १२९, ३०५, ५० ।
 कपिधवज, ९३, ४२ ।
 कपिनाशन २११, ८८ ।
 कपिप्रिय २६२, १२३
 कपिरोमलता २९३, ३९८ ।
 कपिल २०६, ८१, ३७७ ५, ४३५,
 १६७, ४५५, ३ ।
 कपिला ६३, ३८४, १७३, ३६१, १९४,
 ५५४, २७२, ११३, ३१०, ५४९,
 ३७८, २० ।
 कपिलाक्षी १५१, १६६, २७२, २१४ ।
 कपिवक्त्र ८२, १२३ ।
 कपिवङ्गी=गजपिपली ।
 कपिश ३९०, ९६, ४३५, १६६ ।
 कपिशा २११, ८५ ।
 कपिश्यस १२, ३१ ।
 कपिस्था १७२, ३५८ ।
 कपीतन २६०, १०३, २६८, १८० ।
 कपीष, २६३, १३० ।
 कपूय=कुत्सित ।
 कपोणि ३९, १७० ।
- कपोन ४३५, १६३ ।
 कपोतपर्ण १७२, ३५७ ।
 कपोतपा (लिका) ली १७, ७६ ।
 कपोतसार १९७, ५७९ ।
 कपे ताङ्गि=नली ।
 कपोताभ ४३५, १६३ ।
 कपोतक, ३७, १५६ ।
 कपोली ४४, २१६ ।
 कायास ३२३, ४९ ।
 कफ=क्षेष्मा ।
 कफज ५८, ३४६ ।
 कफणि णा) ३९, १७० ।
 कफवैरिन् १५३, १०० ।
 कफाणि ३९, १७० ।
 कफालक २८४, ३१५ ।
 कफारि १५३, १८४ ।
 कफ्न=लामल ।
 कफोणि ३९, १७० ।
 कवन्य १३१, ३११, ३४४, ४ ।
 कबरी ३५, १३६ ।
 कबर्दि ४२४, ६७ ।
 कम् ४१५, ८८ ।
 कमठ ३५७, ११९, ४५८, १० ।
 कमठी=कच्छी ।
 कमण्डल ८८, ११७, २६०, १०४ ।
 कमन ४३५, ४, ४५५, ३९ ।
 कमल ३४४, ८, ३५९, १४१ ।
 कमला ३७३, ३३, ४५७, ५२ ।
 कमलासन ४३५, २ ।
 कमलिनी ३५९, १४५ ।
 कमलोचरम=कुसुमभूमि ।
 कमितृ २१८, ३७ ।
 कमुक २१८, ३८ ।
 कम्प ४२९, १११, ४३२, १४१ ।
 कम्पन, २२८, १३३, ४३२, १८१ ।
 कम्पल ४५५, ५९ ।
 कम्पाकार १२, ३१ ।
 करिपत ४३२, १४१ ।
 कम्पिलापति. ९४, ५२ ।

- कमिल ७, २६, १९७, ५७९।
 कम्प २२८, ९३२।
 कम्बल ५१, २०९, ३४४, ९, ३६४, ११।
 कम्बलांकुका १५६, १५३।
 कम्बलाशिनी ३२५, ७४।
 कम्बलिगाहाकम्=गन्त्री ।
 कम्बिव (स्वी) १४४, १०६।
 कम्बिव ३२७, ९१।
 कम्बु ३५७, १२५।
 कम्बुयावा ३८, १६।
 कम्बुमालिनी २९८, ५४२।
 कम्मरी २६७, १६७।
 कम्प २१८, ३८।
 कथाध ३६८, १५।
 कर ३९, १७२, १००, १०८, ४३७,
 १८, ३२७, १५८।
 करक ८८, १७७, १४४, १०२, २५६,
 ८८ २५७, ०६, २७४, २३०,
 २७६, २०७, ३५७, १०८, ३२७,
 १७८।
 करकटक =कक्टे ।
 करकण्ट ४०, १७७।
 करको=वृपोपल
 करधर्षण १५५, २३६।
 करड १४४, १०५।
 करडेक्षु ३१५, ५८७।
 करज (म)=नख, व्याघ्रनखम्, करज ।
 करज (क) २०१, ६१८, २६८, १०२।
 करट ३२८, १७।
 करटा १८४, ४६०।
 करडिज् १०५, १८५।
 कठ १०७, १६५।
 करठ ३३६, १७२।
 करण ३४, १२८, ८७, १७०, २०२, ६,
 २०४, १७, २३६, १४, ३२७,
 ९२, ४०६, १३, ४१६, १३, ४३०,
 ११९, ४३४, १५७।
 करणी २०८, ५७।
 करण्टक २०८, ५३।
- करण्ड =वशपात्रवि ष ।
 करतालिका ४२४, ६७।
 करतोदा ३४८, ४०।
 करन्वम ३९२, ३७३।
 करपत्र (क) १२७, ३२४, २१०, ७८।
 करपत्रिका २०९, ७६९।
 करपणी २८७, ३२७, ३०६, ५१४।
 करपात्री १४४, ११०।
 करपाल (१), १२०, १८२।
 करपालि १२२, ३०४।
 करपालि॒=करवालिका ।
 करम ३९, १७२, १२, ३२, १८४,
 ४६७।
 करभाष्य २६३, १२०।
 करभा ६४, २९९।
 करभी २६८, १७५।
 करभूषणम्=कङ्गणम् ।
 करभृङ्गलिक ३०३, ४८४।
 करमरी १३१, ३८९।
 करमर्द (क) २६४, १४३।
 करमाल ३७८, १८।
 करम्ब =दधिसक्तव ।
 करम्बत २२७, १२०।
 करम्भ १४२, ८८।
 करम्भा २९६, ४२१।
 करर २८४, ३२०।
 करसह ४०, १७७।
 करवला २९८, ०३८।
 करवाल १२०, २८।
 करवालिका=खड़विशेष ।
 करवाली १२२, ३०५।
 करवीर ३९, १७३।
 करवारक १३१, ३८२।
 करवीरकट्ट १८०, ४२६।
 करवीरा १९५, ५६१।
 करव्रण ९३, ३९।
 करजाखा ३९, १७३।
 करशी (सी) कर १०७, १६३।
 करझूक ४०, १७८।

| | | | |
|-------------------|-----------------------------|----------------------|----------------------------|
| करहाट | २७२, २१६, ३६०, ९८८। | कर्किटाह | २६३, १३४। |
| करहाटक | २८६, ३३२। | कर्कटि (टी) | १५०, १६१, २९४, १०२ |
| कराग्रज | ४०, १७८। | कर्कितु (-व्र) | २६१, ११२। |
| कगळ | २६४, १६४। | कर्केर | ४६, २३१, २५८, ८७। |
| करार्गल | १५, ६२। | कर्किराडु=कर्केरेडु। | |
| कराल=भीषण। | | दक्किराडु | ३५८, १३०। |
| कराला | १३९, ६०। | कर्किराल | ३५, १३५। |
| कराल्का | ३१५, १३७। | कर्किराहा | १७६, ३९३। |
| करालिन् | १२०, २८४, २९०, १४। | कर्किरी=गलन्तिका। | |
| करारोह | ४९, २६५। | कर्किरेडु=क्षविशेष। | |
| करि | ३९, १७२, १४४, १०५। | कर्किंग | १६४, २८८। |
| करिगंजित | १२८, ३५। | कर्किंशन्छद | २९१, ८८। |
| करिणी | १०३, १४७, ३७३, ५२। | कर्किंशच्छदा | १४८, १८८, २७२, २ |
| करेन् | १०३, १४८, ३००, ८६३। | कर्किंशा | २६८ १७५। |
| करिनामा | १०७, १६३। | कर्किटो | १४८, ११४। |
| करिपत्र | १७३, १६७। | कर्किटिका | १४८, १३८। |
| करिपिपली=गजपिपली। | | कर्किन्व | २६१ ११०। |
| करिमाचल | ३१८, ७। | कर्किरु | २०१, ६१९। |
| करिशावरु=फ्लम। | | कर्किहा | २६४, १३९। |
| करिहस्त | ४० १०४। | कर्कोटकी | १४९, ११५। |
| करी | १४४, १३, १४३, ११२, १४६, | कचे | ३२३, ५६। |
| | १२५, २८४, ३२०। | कर्चरी | १६६, ३००। |
| करीरका | १०८, १७। | कर्चु | ३२६, १७२। |
| करीप | १४४, १६८। | कर्चूर | १७३, ३६५। |
| करीपिणी | ४५७, ५५। | कर्ण | ३६, १४४, १३, ३६, ३९२, ११२। |
| करण | ४२७, ९०। | कर्णजलू (लो) का | ३२९, ७२। |
| करणा | ४२८, १०५। | कर्णजलोक्य | ३२५, ७२। |
| करणाकूचे | ३६८, १। | कर्णजित् | १३, ४२। |
| करणी | २७८, २६६। | कर्णवार | ३५१, ६६। |
| करेदु=कर्किरेदु। | | कर्णपुरी | ११ २७। |
| करेणु (थू) | १०३, १४६, ३१६, ५९६। | कर्णपुरुष | २९६ ३२०। |
| करेणुका | १०३, १४८। | कर्णपूर्ण | ४८, २५५। |
| करेणुभु | ८३, १३६। | कर्णपूरक | २७०, १९९, २७३, २५३। |
| करेर | २२९, १३७। | कर्णप्रान्त | ३६, १४८। |
| करेवर | ६५, ४१०। | कर्णभूषण | ४८, ११६। |
| करेण्ठि (हि) | ४६, २३४। | कर्णमूल | ३६, १४४। |
| कर्क | २८, ७०, १११, २०२, ३१७, १२७, | कर्णमूलोङ्गव | ५५, २५०। |
| | ३७७, ११। | कर्णमोटी | ३१३, १६०। |
| कर्कट | २३४, १३९, ३५७, १२१। | कर्णन्तिका | ३६, १४५। |

| | | | |
|--------------------|-----------------------|-----------------|-------------------------|
| कर्णवालिका | ४८, २५७। | कर्वुदासुक | २६४, १४९। |
| कर्णवेश | ३५३, ८२। | कर्वुर | १४, ६६, १९२, ५३२। |
| कर्णवेष्ट | ४८, २५६। | कर्वुर | १९५, ५६३, ३४५, ११, ३८६, |
| कर्णवेष्टन | ३६, १४४। | | ५७, ४३५, १६७। |
| कर्णशकुरी | ३६, १४४। | कर्वुरा | १८३, १५२। |
| कर्णशत्य | ३३, १५१। | कर्वुराज्ञ | ३३४, १४९। |
| कर्णसख | ११, ५९। | कर्वुरी | ३९४, १०८। |
| कर्णस्कोटा | २९८, ४५३। | कर्वुरू | १९२, ५३२ २८४, ३१४, ३८६, |
| कर्णदीर्घा | ४८, २५६। | | ५८। |
| कर्णनुज | १३ ३८। | कर्वुरू=कर्वुर। | |
| कर्णनिंदु (हृ) | ४८, २५७। | कर्मकर | २०३, २२, २१७, ३०, ३८९, |
| कर्णिका | ४८, २५६, २६६, १६९। | | ५०। |
| कर्णिकाचल | ३४१, ४। | कर्मकरा | २२ २४। |
| कर्णिकार | २६७, १६९। | कर्मकार | २१७, २९। |
| कर्णिकिरा | ३३६ १६७। | कर्मकील | २०४, २३। |
| कर्णिन | ११५, २७२। | कर्मदम | २१७, २३। |
| कर्णीरथ | १०३, १३१। | कर्मेन | ३७०, ६। |
| कर्णीसुत | २०७, ७२। | कर्मठ | २१७, २९। |
| कर्णजन | २२४, ८८। | कर्मण्यभुन | २१७, ३०। |
| कर्णात्य | ५९, ३४९। | कर्मण्या | २११, ८२। |
| कर्तन | १३०, ३६९। | कर्मन् | २३४, १, ४४०, ७४। |
| कर्त्तरी | १२४, ३२२, २०९, १०। | कर्मन्दिन् | ८८, १७४। |
| कर्दन | ४५०, १०४। | कर्मयुग | ४१४, ८०। |
| कर्दम | ६३, १०, १३४, १९, ३४६, | कर्म (मा) रक | २५९ ९६। |
| | २४। | कर्मगाटी | ४०५, २। |
| कर्दमिन् | २७७, २५४। | कर्मशील | २१७, २९। |
| कर्दमिल | २५९ १३७। | कर्मशू | २१७, २९। |
| कर्पट | ५३, २९७। | कर्मचित्र | ८९, ८। |
| कर्पटि | ८५, १०३। | कर्मपाक्षिन | ४३६, ३। |
| कर्पर | ४६, २३८। | कर्महस्त | २१५, ७। |
| कर्पराश=शर्परा। | | कर्मान्तिक | १०१, ११०। |
| कर्पराल=भ्रक्षोट। | | कर्मार | १४६, ९२२। |
| कर्परी=हुत्याजनम्। | | कर्मा (मे) रक | २५९, ९६। |
| कर्पाणी | ३०८, ५२६। | कर्मीर=किर्मीर। | |
| कर्पूर | ६३, ३४५, २०१, ६१९। | कर्मन्दिय | ४३४, १५९। |
| कर्पूरमणि | १९८, ५६८। | कर्वट | ८, १। |
| कर्वर | ३८६, ६१। | कर्मटिक | ३४६, २४। |
| कर्वरी | ३९४, १३४। | कर्वे | ११०, ५१६। |
| | | स्थक. | १३३, ८। |

| | | | |
|------------------|---------------------------|-------------------|--------------------------|
| कर्षणी | १११, २७८। | कर्गप | ४९, २५९, १३९, ५९, ३२९, |
| कर्षक र | २६५, १५३। | | १०६। |
| कर्पिणी | ३१०, ५५०। | कर्मपक | ६०८, १७७। |
| कर्षु | ३७०, ६०। | कलापिन | ३२९, १०४। |
| कर्षु | ३४७, ३३। | कलापिनी | १७६, ३८८, ३९४, १३५। |
| कल | २६९, १५९। | कलावद्य | ४२२, ४९। |
| कलक | ६९, ४०३। | कलभृत् | ३९८, १७०। |
| कलक्षणा | ३३२, १३७। | कलय | १३९, ५९। |
| कलकर =कोलाहल, | । | कलया | २८९, ३५६। |
| कलङ्क | ३९९, १७९। | कलालाप | ३३७, १७८। |
| कलञ्ज | २३७, २०। | कलावती | ४२३, ६९। |
| कलण्डु | १५१, १७३। | कलविद् | ३७२, २५। |
| कलन्त्र | ४२, २०२, ४३, २०५ | कलि | १२७, ३४७, २५१, ३०, ३७३, |
| कल्योन | १९२, ५३८, १९३, ५४२। | | ३७, ४१४, ८०। |
| कल्न. | २७१, २०५। | कलिका | २५१, ३०, २६८ १७४, ४२४, |
| कलम | १०५, १५३, २७४, २२८। | | ६०। |
| कल्यो | ३०६, ५०९। | कलिकाशिस्ती | १४९, १५०। |
| कलम | ९६, ७०, १३४, १८, १३५, २५, | कलिकारक | ८२, १२८। |
| | ३२१, ३२। | कलिकाली | ३०९, ५०९। |
| कलमस्थान | १७, ७२। | कलिकृत् | २६९, १८३। |
| कलम्ब | ११८, २६७। | कलिङ्ग | १०६, १५७, २६८, १७६, २६८, |
| कलम्बी | १५१, १७२। | | १८१, ३३४, १२९। |
| कलरव | ३३२, १३३, ४५०, १०८। | कलिङ्गा | १७६, ३९३। |
| कलरल | २५, ८६। | कलिङ्गी | १४८, १४३। |
| कलरज | ६६, ४१४। | कलिज | २५१, ३९। |
| कलविङ्क | ३३४, १५३। | कलिंग | २६९, १५२। |
| कलन्याघ | ३१८, १। | कलिदिका | ४४४, ५२। |
| कलश (स) | १४४, १०२, १७७, ४००। | कलिनी | १४२, १५०। |
| कलश (शी) | १९१, ५२६, ३००, ४६०। | कलिमारक =कलिकारक। | |
| कलहस | ३३१, १२३। | कलिल | २३०, १४५, ३४६, २३। |
| कलह | १२७, ३४६, १२८, ३५८। | कलिन्दिस | २२४, ९६। |
| कलहप्रिया | ३३३, १४३। | कलिशासन | ३६८, ६। |
| कला | १३३, ७, १८८, ५००, ३७८, | कली | २५१, ३०। |
| | ११, ३९९, १७६, ४११, ५१। | कलीर | ३५७, १२७। |
| कलाङ्कर | २०७, ५२। | कलुप | ३४६, २८। |
| कलाण्डी | २६९, १५६। | कलुपा | १८१, ४३४। |
| कलाद | २०४, १७। | कलेवर | ३४, १२७। |
| कलानक | ३९२, ११६। | कल्क. | १६५, १८८, ४१५, ८५, ४२०, |
| कलानिधि =चन्द्र। | | | १२२। |

- कल्प ६०, २६३, ७८, ३७ २११, ८८,
 २३७, २५, ४१४, ८३ ४३३,
 ९८७, ४४२, ३४ ।
 कलिष्ठ ६७, ८२२, १६७, ३०६ ।
 कलेस्ट-कमस्ट=अस्थिविशेष ।
 कलेस्कां=पृष्ठाभिय ।
 कलेसरी (वं) २६७, ९६८ ।
 कलेसल १२९ ३६९ ।
 कल्य १११, २००, ११२, २०८, २१२,
 ८९, २२३, ८४ ।
 कल्यप ४४०, १०, ६८, १, ४०३, २१३
 कल्यापन्त्य ३६२, ११, ४५६, ५० ।
 कल्प २०९, ७० ।
 कल्पाय १६८, ११९, २६९, १९०, २७१,
 २०५ ।
 कल्पायक १७०, ३३७ ।
 कल्प ३४९, ४८ ।
 कल्प ३६७, ३
 कल्पभागिनेय २७, ६१ ।
 कल्पिषु ६७, १०३ ।
 कल्प (श) रु ४६, २३४, १७०, ३८६,
 २१०, ३६९ ।
 कल्पतूरिकामृग ३२१, ३८ ।
 कल्पतूरी ६२, ३८२ ।
 कल्पतूरीमलिका २७७, २६० ।
 कल्पव ३५५, १०४ ।
 कल्हरम्=योगन्विकम ।
 कल्ह=यक ।
 कल्पव ३२८, ९४ ।
 कल्पय १९४, ५५० ।
 कल्पताल ४२३, ५७ ।
 कल्प ३२८, ९७ ।
 कल्पकहुनी १३६, १९ ।
 कल्पद्री २६९, ९८५ ।
 काकचिद्वा=युज्ञा ।
 काकचिद्वि (वं)=युज्ञा ।
 काकच्छद ३३४, १५० ।
 काकजडा ३०६, ५०८ ।
 काकज्वू २१५, ५८ ।
 काकणि (णी) १९१, ५२७ ।
 काकतिन्दुक २५७, ७९ ।
 काकतुरडी २१७, ४३१ ।
 काकन ५८, ३४३ ।
 काकनामिका १७७, २१९, २१७, ४३० ।
 काकनि (नी) १९१, ५२७ ।
 काकपञ्च ३५, १३९ ।
 काकपीलु (क) २१७, ४३२ ।
 कककशा २१७, ४३१ ।
 काकफल २६५, १५४ ।
 काकर्वाज २५७, ७९ ।
 काकमाची ३०५, ५०४ ।
 काकमातृ ३०५, ५०४ ।
 काकमुदा २५२, २८७ ।
 काकमेवी ३०२, ४७४ ।
 काकरज्जी २१७, ४३२ ।
 काकरुक २६, ५९ ।
 काकल ३८, १६६ ।
 काकलि (ले)=कलसूक्तमयनि ।
 काकवत्र ३३०, १११ ।
 काकशिम्बिका २१७, ४३२ ।
 काका १९४, ५५४ ।
 काकाक्षा (खे) २१७, ४३१ ।
 काकाङ्गी=काकनामिका ।
 काकाण्ड १४०, ६७, २५७, ७९, २६६,
 १५६ ।
 काकाण्डी १४९, १४१, २९५, ८१८ ।
 काकादनी २१७, ४३१ ।
 काकारि ३२८, १०० ।
 काकाह्या ३०६, ५०८ ।
 काकिणि (णी) १९१, ५२६ ।
 काकिनि (नी) १९१, ५२६ ।
 काका' २१२, ३८३ ।
 काकु ४४८, ८८ ।
 काकुत्स्य ४५२, १४ ।
 काकुद (द) ३८, १६१ ।
 काकुवाच् ३३१, १२४ ।
 काकन्दु=काकपीलुक ।
 काकेष्टकला २५४, ५७ ।

| | | | |
|----------------------|--------------------------|--------------------|---------------------------|
| काकोदर | ३६४, ५। | काण्डचील | १७४, २३५। |
| काकोदुम्बरी (रिका) | २६०, १११। | काण्डपट | ५३, ३००। |
| काकोल | ३२८, ९८, ३६६, २३। | काण्डपट | २९८, ४३७। |
| काकोली | २९२, ३८३। | काण्डग्रन्तक | ३१५, ५८५। |
| काक्षी | १९५, ५६६। | काण्डपृष्ठ | ८६, १६२, ११५, २३९। |
| कागल | ५१, २७६। | काण्डफल | २६०, १०७। |
| काङ्‌ | ३६, १४९। | काण्डसहा | १७५, ३८३। |
| काङ्‌=हङ्घा। | | काण्डर्षि | ८२, १२३। |
| काङ्गुभ (क) | १३५, २३। | काण्डवत् | ११५, २३८। |
| काच | २१०, ७७। | काण्डशाखा | २९७, ८२८। |
| काचकौचोद्धव | १५२, १७९। | काण्डमंवि | १४६, १२५। |
| काचमाची | २११, ८४। | काण्डा | ३१३, ५७१। |
| काचमाप | १३८, ५५। | काण्डिका | १३९, ६०। |
| काचस्थान | ९६, ७२। | काण्डीर | ११५, २३८, २९८, ४३७। |
| काचस्थाली=पाटला। | | काण्डेश्वर | २८७, ३४९। |
| काचाक्ष | ३३०, ११०। | कातरा | १२९, ३६६। |
| काचित | २३०, १५१। | बात्यायन | ८६, १३५। |
| काच्चन | १९२, ५३०, २६०, १०७। | बात्यायनी | २२, २२, ३९३, १२२। |
| काच्च (च) नक | १३४, १, १९६, ७६८। | कादम्ब | ११८, २७०, ३३१, १२३। |
| काच्चनक्षीरी। | ३१०, ५५०। | कादम्बरी | २१२, ९२। |
| काच्चनक्षी | ३४८, ४२। | कादम्बर्य | २७०, २००। |
| काच्चनार | २७४, २३१। | कादम्बिनी | ३९७, १६०। |
| काच्चनाह्य =नागकेसर। | | काद्रा=के द्र | । |
| काच्चनी | ६३, ३१०, २७८ ८६७। | काद्रवेय | ३६५, १८। |
| काच्चि (ची) | ५०, २६७। | कानन | ३२, १११, २४८, २। |
| काच्चिकम्=भजिकम् | | कानीन | २६, १७, ८२, १२७। |
| काच्चिपद | ४२, २०१। | कान्त | १३, ५०, ३४, १२४, ६२, ३७९, |
| काज्जि | ३१४, ५०३। | | ६४, ३९४, २२५, १००, ३३१, |
| काज्जिक (का) | १५५, १११। | | १२०, ३१५, १४४। |
| काज्जिका | २९२, ३८८, २९९, ४४७। | कान्तकूण | १९४, ५५५। |
| काण | ३२, १११, ३२८, १६। | कान्तपुष्प | २७४, २३०। |
| काणीपुत्र. | २८, ७६। | कान्तलक=नन्दिगृह | । |
| काणेय | २८, ७६। | कान्ता | २१, ८, १७२, ३५८, १७३, |
| काण्ड | ११८, २६६, १२३, ३१८, १४५, | | ३६१। |
| | ११२, २५०, २१, २८६, ३३८, | कान्तायम | १९४, ५५५। |
| | ३४०, २०२, ३४५, १३, ४४५, | बान्तार | १९ ९९, २४८, १, ३१५, |
| | ६१। | | ५८५। |
| काण्डकण्ठ | ३०३, ४८८। | कान्तारक=इक्षुभेद। | |
| काण्डगुण्ड | २९, ३६८। | कान्ति (नती) | २१, १४, २३९, ४०, ३९९, |

| | | | |
|-----------------|---|-------------------|--|
| कान्तिस्वर | १९२, ५३८। | कामलेखा | २४, ३८। |
| कान्दविक | १४३, ९७। | कामवती | १५६, २१०। |
| कान्दिगि (गी) क | १२९, २६६, २२४, ९४। | कामवलम् | २५४, ५१। |
| वान्दकुञ्ज | ६, २२, १०, १६। | कामवृत्त | ३११, ५५७। |
| कापय | १९, ९६। | कामद्विषि | ३०८, ५२९। |
| कापालिक | ७७, २८, ८४, १४६। | कामगर | २५४, ५१। |
| कापित | ८४, ८५, ४३५, १६७, ४४३, ३९। | कामसू | ४५४, ३३। |
| कापिश | २११, ८६। | कामा | ३७३, ३३। |
| कापिशायन | २११, ८६। | क माङ्कुश | ४०, १७७। |
| कापिशेषण | ३०८, ५२८। | कामाङ्ग | २५३, ४८। |
| कापिशय | ३८६, ६१। | कामाङ्गा | ४१८, १०। |
| कापोत | १९६, ५७, ३४०, २०५। | कामाधिवासक | २७५, २४३। |
| कोवरी | ३४८, ३९। | कामान्द | ३२७, ८८, ३३३, १३८। |
| काम | १३८, ७४, २४०, ४९, ४५२, ५, ३७१, १०, ४३२, १३८, ४५७, ३८। | कामायुम् | ४७६, ४८। |
| कामकाकुरव | ३३२, १३१। | कामायुव. | २५४, ५४। |
| कामकेलि | २१९, ५०। | कामिन् | २१८, २८, ३०८, ५२०, ३०९, ५३६, ३३१, १२०, ३३१, १२४। |
| कामगाा | ३३३, १३८। | कामिनी | २१, ८, ३११, ५५५। |
| काम (म) गामिन् | ११६, २४३। | कामिमह | ४१०, ४६। |
| कामगामीन | ११६, २४४। | कामिवलम् | ३३१, १२४। |
| कामजित् | ३१५, १४४। | कामुक | २१८, ३७, २९१, ३७४, ३३२, १३३, ३३४, १५३। |
| कामताल | ३३२, १३७। | कामुका | २२, २२। |
| कामद. | ३१५, १४४। | कामुकी | २२, २१। |
| कामन | २१८, ३८। | काम्पित्य | ७, २५। |
| कामपाल | ४७६, ३४। | काम्पिह | ७, २५। |
| कामफल | २५४, ५४। | काम्पल | १०३, १३८। |
| कामम् | १८०, ८२८, ४५९, १८। | काम्पलिक | १६०, २५१। |
| कामयितु | २१८, ३८। | काम्पविक | २०४, १८। |
| कामह | ७, २५। | काम्बोज =अश्विवेष | । |
| कामरूप | ७, ८५, ३७२ २५। | काम्बो (भा) जी | २९२, ३८५, ३०२, ४७४। |
| कामरूपिन् | ३२४, ६५, ३७०, ५। | काम्य | २४०, ४९। |
| कामरूपिणी | ३०४, ४९५। | काम्यदान | २३५, ६। |
| कामल | २०४, २८। | काय | ३४, १३०, ८३, १३५। |
| कामलच्छद | १४०, ११८। | कायमान | १५, ५९। |
| कामलता | ४३, २०९। | कायस्य | २०४, १७। |
| कामला | ५५, ३१६। | कायस्था | १७२, ३५७, २६१, १२०, २६४, १४५, २८०, २८७। |

- | | |
|-----------------------------|--------------------------------|
| कायावव ३६२, १५। | कासुक ११७, २६०, २६५, १५५, २८३, |
| कार १००, १४। | ३०९। |
| कारडी १७१, ३४२। | कार्यप्रदेष ५७, ३३१, |
| कारट ८०, १०७। | कार्या २८६, ३०१। |
| कारण ४१६, ९३। | कार्य्य=सार् । |
| कारणा ३६७, ५। | कार्यक=कृपीवल । |
| कारणिक=परं क्षक । | कार्यपण १५१, ५२३। |
| कारणिन् २१५, १३। | कार्यिक १९१, ५२८। |
| कारण्डव ३३०, ११५। | बाल ६६, ४०८, ६७, ५२०, १३४, १३, |
| करम्भा=प्रियहु । | ३०७, ५१९, ३८३, १३८, ३७०, |
| कारवल्ली १४९, १४६। | ९, ३८७, ४६, ४०९ १, ४२५, |
| कारवर्व १५१, १६८, २९९, ४४९। | १६३। |
| कारवेल=कठिल । | कालक ३४, १२७, १३५, २२। |
| कारस्कर २४९, १२, २७२ २१७। | शालकण्टक=दात्यूह । |
| कारस्करा ३२५, ७२। | काल (ले) णठ ३८८, ८१। |
| कारा १४, ५६। | कालकण्ठ ३३५, १६२। |
| कारावी १५, ५८, २०४, २५। | कालकर्ण ३६७, ३। |
| कारिका ४४४, ५३, ४४१, २५। | काल्कूट २७२ २१८, ३६६, २२, ३८५ |
| कारी २८६, ३३१। | ५१। |
| कारीर २८४, ३२०। | शालकूचिका ४७, २४५। |
| कारीष २४४, ८९। | कालकूची २४ २८। |
| कारु (क) २०३, १०। | कालकृत ४६६, ९। |
| कार्हणक २१६, २४। | कालखज्जदन् ९३, ४३। |
| कारुण्य ४२८, १०५। | कालखण्डम्=यकृत्। |
| कारोत्तम २१२, ९६। | कालयन्य ४१३, ७३। |
| कारोत्तर ३५८, १३०। | गालझमी ३९५, १३९। |
| कार्गल ५१, २७६। | कालज्ञ ३३२, १३०। |
| कार्त्तवीर्य ५२ २८। | कालज्ञर ३८९, १०। |
| कार्त्तस्वर १९२, ५३३। | कालज्ञगी ३९३, १२३। |
| कार्त्तान्तिक ९६, ६६। | कालदमनी ३९५, ३। |
| कात्तिक (किक) ४१२, ६२। | कालवस=पवत्वम्। |
| कात्तिकेय=स्कन्द । | कालनिर्यम ६६, ४१। |
| कात्तिकोत्सव २३८, ३७। | कालनेमि (न्) ३६३, १०। |
| कात्तिवीर्य ५२, २८। | कालपिण्ड १९४, ५५७। |
| कात्त्यम्=साकल्यम्। | कालपुच्छ ३२१, ३६। |
| कार्पटि ८५, १५३। | कालपृष्ठ ९३, ३७। |
| कार्पसि ५६, २७८। | कालप्रियकरी ३०४, ४९६। |
| कार्म २१७, २९। | कालमृत् ४३६, ९। |
| कार्मण २३५, ७। | कालमूल १७२, ३५१। |

| | | | |
|---------------------------|--------------------------|-----------------------------|---------------------------|
| कालमेचिका | १७४, ३६९। | काल्पा | ४४८, ८६। |
| कालमेपी (शो) | १७४, १९२, १७७, | कात्य | ४०७, १५। |
| | ३९८, ३०२, ४७। | कात्यक=कर्चुर । | |
| कालमेचिका | ३०२, ७४। | कात्या | १८३, ८५। |
| कालरात्रि | ३९४, १३१। | कवचिक | ११४, १३२। |
| कालवहर | १२२, ३०१। | कावाक | ३७४, १००। |
| कालवा | २११, ८५। | कावार | ३५९, १४३। |
| कालविगोद्धेन् | ४२२, ८७। | कावेरी | ३४८, ३९। |
| कालज्ञ (सं) य | १५९ २३४। | काव्य | ४०२, १०६। |
| कालसूत्र | ३६७, २। | काव्यचोर | २०७, ५०। |
| कालसन्व | २५७, १८, २६०, १०७, | काव्या | ४३३, १४३। |
| | २७०, ११८, २८३, ३०९। | काश | ५७, ३१७, १७३, ३६५, २८७, |
| कालटा | २७४, २२८। | | ३६०। |
| काला | ४४०, ११। | काणि | ७, २८, ११, २१। |
| कालाक्षरि | ७४, ४९। | काणिकारि | ३२८, ९५। |
| कालागुरु=अगुरु । | | काणिराज | ८४, १३८। |
| कालात्मक (वं) क | २८०, २८३। | काणिला | २९२, ३६८। |
| कालायमम्=लोह । | | काशी | ११, २१। |
| कालिका=दुर्गा, मेघजालम् । | | काशीस | १९६, ५७। |
| कालिङ्गी | १७७, ३९। | काश्मरी | २६७, १६६। |
| कालिदास | ८४ १४०। | काश्मर्य=गम्भारी । | |
| कालिन्दी | १७७, ३९९, २७३, २१९, | काश्मीर | ६२, ३७८। |
| | ३४७, ३७, ४५३, २४। | काश्मीरजन्मन्=काश्मीरसंभव । | |
| कालिन्दीभेदन | =वलदेव । | काश्मीरसंभव | १५४ १९२। |
| कालिन्दोसोदर | ३८५, ५०। | काश्मीरसंभव | ६२, ३७९। |
| कालिमन् | ४२९, ११। | काश्मीरी, | ५१, २८१, २५९, १५। |
| कालि (ली) य | ३६४, १। | काश्यप | ४५, २२६, ८३, १३६, ३६२, |
| काली | ५७, ८०, १५४, १२३, १७७, | | ११, ४३६, ५, ४५२, १०, ४०३, |
| | २९८, ३०२, ४८०, ३०८, ५२५, | | २१३। |
| | ३९३, १२३। | काश्यपि | ३६२, ११, ४३६, ५, ४३७, |
| कालीची | ३८५, ५२। | | १३। |
| कालीयक | १०६, १५५। | काश्यपी | २, १५। |
| कालीयपतक | १५६, २१। | काश्यपेय | ४३६, ५। |
| कालुमाल | २८१, २९। | काषायवसना | २२, २३। |
| कलेय | ३६२, ९। | काषायी | २५८, ८५, २७३, २२०। |
| कालेयक | ६२, ३७९, १५६, २१। | काष्ठम्=दारु । | |
| कालेयवर्धर | ६२, ३७५। | काष्ठक | १३७, ४५। |
| कालेयवैरिन् | ३७०, ५। | काष्ठकदली | २५५, ६२। |
| काल्पक=कर्चुर । | | काष्ठकुदल | ३५०, ६३। |

| | | |
|--------------------|-------------------------------|-------------------------------------|
| काष्ठकुड़ | ३३४, १६९। | किंडिणि (गी) ५०, २६९। |
| काष्ठतक्ष | २०४, १९। | किंडिणीरव २७३, २२३। |
| काष्ठनक्षक | २०९, ६८। | किंडिणातक २७९, २७८। |
| काष्ठलोही | १४४, १०८। | किंचित् ४५२, १२। |
| काष्ठवली | २९८, ४४। | किंचित्=फिंचुलक |
| काष्ठा | ३७७, ५५, ३७४ ४८, ४११, ५१। | किंचुल (छ) क=गण्डपद। |
| काष्ठागुरु | ६७, ४०७। | किङ्गलक १७७, ४०२। |
| काष्ठास्त्रुवाहिनी | ३११, ६८। | किटि ३२०, २५। |
| काष्ठिका | २५७, ६२। | किटि ४८, २३३, ४७, २६०, १९५, ५५९। |
| काष्ठील | २७४, २३४। | किटि (हि) म ३४६, २७। |
| काष्ठील=कदली। | | किण=ब्राणादिज चिह्नम्। |
| काष्ठेश्वर | ३१७, ५८९। | किणालात ३८२, २८। |
| काष्ठोदुम्बरिका | २६०, १०९। | किणि (ण) ही २७३, २१९, ३०३, ४८५। |
| कास=क्षवथु। | | किण्व २१२, ९५, ४१५, ८५। |
| कासकन्द | १४७, १३७। | किण्विन ११०, १०९। |
| कासमदे | ३०७, ५१९। | कितय. २१३, ९९ २१३, १०३ २७३, २२६। |
| कासमर्दन | २९१, ३८७। | किन्नर ३७२, २४, ३८८, ७७। |
| कासर | १८१, ४३२। | किन्नरेश =कुवेर। |
| कासार | ३५८, १३६। | किम् २३१, १५७, ४७८, ५। |
| कासालु | १४७, १३७। | किमु (त) ४५८, ६। |
| कासिका | ४१८, ८। | किम्पचान २२४, ८९। |
| कासु | १२४, ३१५। | किम्पाक २७२, १३७। |
| कासेन्दु | २८७, ३८१। | किम्पुरुष ३७४, ४९। |
| कास्तीर | १९३, ५४७। | कियदेतिका ४२८, ९९। |
| काहल | ३३, ११८, १२८, ३५६। | कियाह १११, २०३। |
| काहला | २११, ८५, ४२४, ६७, ४२५, ७१। | किंतु =सक। |
| बाहली | ३८७, ७०। | किरण ४३६, २, ४३७, १५। |
| काहि | ४०, १७९। | किरात २०६, ३६, २६६, १५७। |
| किवदन्ति (न्ती) | ४४६, ६५। | किरातिक्त =चिरतिक्त |
| किवि | ४१, १८९। | किरातवल्लभ ६१, ३७४। |
| किशाह | १३८, ५१। | किराती ३९४, १३१। |
| किशुर. | २७५, २३५। | किरि ३२०, २५। |
| किशुलका. | २७५, २३७। | किरिका ९६, ६९। |
| किकीदिव (वि) | ३३४, १५२। | किरीट ४८, २५०। |
| किखि | ३१९, १६, ३२२, ४६। | किरीठि ९३, ४१। |
| किकीविक | ३३४, १५१। | किर्मीर ४३५, १६८। |
| किङ्गर. | २०५, ३२, २१६, १९ | किर्मीरमूदन ९३, ४०। |

| | |
|--------------------------------------|---------------------------------------|
| किल्न=मध्यवार्त्तये । | कुक =चकवार । |
| किल्किल्ति २६, १२ । | कुकर ३२, ११३, ३८१, १३ । |
| किलामम्=सि मम् । | कुकील ३४०, १ । |
| किलामिन=सि मल । | कुकुद =कूकुद । |
| किलिङ्क =ट । | कुकुन्दर ४३, २०४ । |
| किल्वप ४१५, ८५ । | कुकुर =कुकुर । |
| कि (म) शत्र्य २५१, २८ । | कुकुराच ३२, ३७ । |
| किशोर १११, १९९, ४४६, ६ । | कुकूल ३७८, १५ । |
| किधिन्द्व (च) ३४२, १२ । | कुकुट २०६, ३८, ३३२, १३०, ३६५, १७ । |
| किकु ४०, १८३ । | कुकुटाण्ड १३५, २४ । |
| किमल २५१ २८ । | कुकुम =नकुकुट । |
| निसर्वयम्=क्षेत्रयम् । | कुकु (कु) र २०६, ३९ । |
| कौकसम्=अस्थि । | कुकु (कु) री २०७, ४४ । |
| कीकमुख ३२६, ८२ । | कुक्षि (क्षा) ४२, १९५ । |
| कीचक १४६, १२४, २८८, ३८८ । | कुक्षिम्भरि २१८, ३४ । |
| कीचम्मुदन २३, ८० । | कुक्षिरसन्त्र २८८, ३४८ । |
| कीट ३३७, १८८ । | कुड्डम ६२, ३७९ । |
| कीटमातृ ३३७, १८१ । | कुच ४१, १९३ । |
| कीटयानि ३३७, १८१ । | कुचन्दन ६२, ३७६ । |
| कीटमंभवा ३३७, १८१ । | कुचकर २५७, ७६, २६२, १२९ । |
| कीटारि १९६, ५० । | कुचर =कुच । |
| कीन ४३, २९७ । | कुचाग्रम्=चुचुकम् । |
| कीनाग २२४, ८९, ३८५, ८९, ३८६, ५९ । | कुचेली १७९, ३८१ । |
| वीर (क) ४५, २२६, ३८६, १३९ । | कुर =मङ्गल । |
| कीरष २६१, १५३ । | कुजम्भल २०७, ५० । |
| कीर्त्तना, ४४८, ८९ । | कुजम्बटि ३४१, ९ । |
| कीर्त्ति ४४८, ४४ । | कुञ्जि ४१, १८३ । |
| कील ५७, ३१३, १२८, ३५४, १८५, ४६४ । | कुञ्जिका १७, ८२, २४, ३९ । |
| कीलर =शिवक । | कुञ्जित २८०, २८२ । |
| कीलपादिमा ३१३, ५९३ । | कुञ्ज २४९, ११ । |
| कीलाल ४५, २२४, १५९, ३२८, ३४४, ५ । | कुञ्जक २७८ २६४ । |
| कीलित २२३, ८१ । | कुञ्जन १५५, २०२ । |
| कीश (ष) २०६, ८८, ३२२, ४६ । | कुञ्जर १०४, १५३, २२६, ११० । |
| कीशपर्णि=अपामार्ग । | कुञ्जरा १७९, ३७८ । |
| कु २, १५ । | कुञ्जराशन =गजाशन । |
| कुच ७६, ७८ । | कुञ्ज (ल) नम्=कुञ्जनम् । |

| | |
|-------------------------------|--|
| कुउस्म्=कूटकम् । | कुणप् १३६, ३८४ । |
| कुउज २६८, ९७६ । | कुणय ५९, ३५४ । |
| कुउचट् २६६, ९६२ । | कुणि ३२, ११३ । |
| कुउर=कुठर । | कुण्ठ २६७, २८ । |
| कुटिका १०, १२ । | कुण्ड २९, ८१; १४३, १०१ । |
| कुटिनारी ४४९, १४ । | कुण्डोलिक १५५, २०१ । |
| कुटिल २२८, १२९ । | कुण्डल ४८, २०६ । |
| कुटी १२, ३७, २११, ८३ । | कुण्डलिन् ३६३, १, ३६४, ४, ३८७, ६८ । |
| कुटीचक २१९, ४३ । | कुण्डलिनी २९१, ३७६ । |
| कुटीर १२, ३७ । | कुण्डली १६३, २७६, २९३, ३३९ । |
| कुटुम्बक २८९, ३५८ । | कुण्डा ३५५, १३७ । |
| कुटुम्बव्यापृत २१६, २० । | कुण्डिक ८८, १७७ । |
| कुटुम्बिन् १३३, १ । | कुण्डिन (पुर) ११, २९ । |
| कुटुम्बिनी २४, ४३, ३१२, ५६० । | कुण्टि=कुण्डिकम् । |
| कुटनी २४, ३८ । | कुतप ६७, ६९, ८०, ११०, ४३६, ६, ३७६, २ । |
| कुटनी=कुटकी । | कुताली ३११, ५५७ । |
| कुटन्ती १२३, ३१३ । | कुतित्तिर ३३६, १७० । |
| कुट्रमित २१, १३ । | कुतुक ४३०, १२२ । |
| कुद्वार ३४१, २ । | कुतुप १४४, १०९ । |
| कुष्ठिम १४, ५३ । | कुतू १४४, १०९ । |
| कुठ १२४, २२० । | कुतूहल ४३०, ११९ । |
| कुठबीज २७२, २१६ । | कुत्सा ४४८, ८२ । |
| कुठर १४४, १०५, १४५, १११ । | कुत्सित २२५, १०४, २८८, ३४७ । |
| कुठार १२४, ३१९ । | कुग १०८, १७६ । |
| कुठारिन् ४१२, १२ । | कुहाल १३३, ११, २०१, ६१५, २६७, १७०, २७४, २३१ । |
| कुगर २५०, १५ । | कुधि ३२८, १०० । |
| कुठि २५०, १५ । | कुनट २६६, १६४ । |
| कुठेर (क) ६४, ३९३, २८१, २९० । | कुनटी १२५, ५६० । |
| कुड़जक =वृक्षलतागहनम् । | कुनामि ३८८, ७८ । |
| कुड़ज १५२, १७१ । | कुनालिक ३३२, १३७ । |
| कुडप =कुडव । | कुनाशक =वाच्यास । |
| कुडव १२१, ५२४ । | कुनीली, ३०५, ५०२ । |
| कुड्हल २५२, ३१, ३५९, १३० । | कुन्त १२४, ३१८ । |
| कुञ्ज १२, ३३ । | कुन्तल ३५, १३४ । |
| कुञ्जमत्स्या ३२५, ६७ । | कुन्तलिका १४४, १०८ । |
| कुण ४७, २२४ । | कुन्ता ९२, ३३ । |
| कुण्डर ३१२, ५६५ । | |
| कुण्डीव ३१२, ५६५ । | |
| कुण्डय ३१२, ५६५ । | |

| | | | |
|--------------------|---|---------------------------|---|
| कुन्ति | १२७, ३२८। | कुमुद | ६३, ३८७, ११०, १८९, १३२, ३, १३५, २२, ३५५, १४१, ३७५, ५१, ३७१, १९। |
| कुन्ती | ९२, ३३, ३४९, १८। | कुमुदप्राय | ५, १३। |
| कुन्तीसुत | ९४, ४६। | कुमुदबन्धु | ३९९, १७४। |
| कुन्तन | ३४६, १०२। | कुमुदा | १७९, ३७९, २६६, १६०, २६७, १६७, २९९, ४५२। |
| कुन्द | २०९, ६६, २७८, २६८, ४५१, १, ३७४, ४५। | कुमुदिनी=कुमुदनी। | |
| कुन्दपुष्प | ३७३, २२४। | कुमुदेनीपति | ३९८, १७०। |
| कुन्दम | ३१९, १९। | कुमुदत् | ५, १३। |
| कुन्दर=कुन्दुर। | | कुमुदती | ३४९, ४७। |
| कुन्दु | =कुन्दुर। | कुम्बा=मुगहना वृत्ति। | |
| कुन्दुर | २८९, ३५६। | कुम्भ | १०७, १६७, १४४, १०३, ४०५, २२६। |
| कुन्दुस्की=मङ्गी। | | कुम्भण्णिज | ३८६, ६४। |
| कुपथ=कापय। | | कुम्भकार | २०३, १२। |
| कुपाक | २७२, २१७। | कुम्भदायो | २४, १९। |
| कुपिनी | ३७१, ७१। | कुम्भफल | १४८, १३८। |
| कुपिन्द=कुविन्द। | | कुम्भमात्रक | ३७४, ४२। |
| कुपूय | २२६, १०८। | कुम्भयोनि | ३१४, ५८१। |
| कुर्य | १९२, ५८०। | कुम्भसंभव | =अगस्त्य। |
| कुर्यशालिका | १४, ५५। | कुम्मा | ३१४, ५१८। |
| कुवेर | ३८७, ११। | कुम्माण्डी | १४८, १३८। |
| कुवेंक=नन्दिवृत्त। | | कुम्मिका | ३६०, १४९। |
| कुवेरगिरि | ३४१, ६। | कुम्मिन् | १०४, १४३। |
| कुवेराक्ष | २८९, ३३०। | कुम्मिनी | २, १६। |
| कुवेराक्षी=पाटला। | | कुम्मिल | २०७, ४८। |
| कुबन | ३२, ११३, १० १८, ३०३, ४८५, ३३४, १५५। | कुम्मी | १७६, ३९५, १७७, ३९७, २६६, १६०। |
| कुब्जकण्टक | २८३, ३०८। | कुम्मीक | ५९, ३५२। |
| कुमार | ३२३, ११९, ४२६, ८४। | कुम्मिका | २७३, २८२। |
| कुमारक | २७२ ११५। | कुम्मीनस | ३६४, ४। |
| कुमारस्थिया | २५, ४८। | कुम्मीर | २७१, २०३, ३५६, ११७। |
| कुमारसू | ३४७, ३६। | कुम्भोल्लखलक्ष्म=गुग्गुळ। | |
| कुमारिका | १७२, १५९ २५५, ६४, २७७, २७७, २९४, ४०४, ३९३, १६७। | कुरक | २१८, ३६। |
| कुमारी | २२, १७, २५३, ४६, २७५, २७५, ३१०, ५४८, ३३६, १६६। | कुरङ्ग=हरिण | |
| कुमुख | ३२०, २७। | कुरङ्गिका | २९२, ३८८। |
| कुमुद | ३७९, १८१। | कुरट | ११०, १९०, २०३, १६। |

- कुरण्ड १७८, ४०९ ।
 कुरर ३२९, १०९, ३३०, ११६ ।
 कुररात्रि २६८, १८२ ।
 कुररी १८५, ४७२ ।
 कुरव २२४, ८८ ।
 कुरवक १३५, २२, २७९, २७७ ।
 कुरवी १७१, ३४५ ।
 कुस्कुर ३३६, १५७ ।
 कुस्केत्र ५, ११ ।
 कुरुजाङ्गल ५, १२ ।
 कुरुडवक=पीतकुरवक ।
 कुरुण्डबृद्धा ४७, २८६ ।
 कुरुबाह ३३५, १५७ ।
 कुरुम्बिका ३१४, ५८१ ।
 कुरुराज् ९२, ३४ ।
 कुरुल ३७, १३६ ।
 कुरुव =कुरवक ।
 कुरुविन्द १३५, २४, १३८, ५५, १५२,
 १७०, १९८, ५९२ ।
 कुरुविन्दी १७७, ५८६ ।
 कुरुवित्त १९०, ५२१ ।
 कुरुय १९३, ५८६ ।
 कुरुट ३०१, ४६९ ।
 कुदन ४३१, १२५ ।
 कुषुक १३३, ८ ।
 कुल १२, ३५, ३४, १२८, ५९, ४ ।
 कुलक ४३, २४३, २०३, ५१ ।
 कुलक्षण २३, ३४ ।
 कुलन १५५, २०२ ।
 कुलञ्ज (न) १७२, ३१५ ।
 कुलठा २३, ३४ ।
 कुलटासमज २८, ७५ ।
 कुलत्य १३९, ६३ ।
 कुलत्था १९६, ५७५, ३११, ५५७ ।
 कुलत्थिका ६३, ३८५, १३९, ६२ ।
 कुलदेवता ३९५, १३९ ।
 कुलालिका २१, १६ ।
 कुलबीज २०३, ११ ।
 कुलभातुका १२३, ३१३ ।
 कुलमालिका २१, १६ ।
 कुलमित्र २०३, १२ ।
 कुरद्धिक ३४, १२६ ।
 कुन्चिरिन् ३३०, ११७ ।
 कुन्येष्ठिन् २०३, ११ ।
 कुलमध्य वर्ज्य ।
 कुन्यसमत ६६, ६ ।
 कुलची २१, १६ ।
 कुलाशका १२४, ३१६ ।
 कुलामती ३४९, ५० ।
 कुलाय ३३१, १९६ ।
 कुलाल २०३, १३ ।
 कुलाली १७६, ५०५ ।
 कुलाह १११, २०५ ।
 कुलिक ३६४, ११, ३६६, २८ ।
 कुलिङ्ग ३३४, ९५४ ।
 कुलिश ३७३, ८६, ३८४, ४१ ।
 कुली २७, ६६, १३७, ४०, २९९, ४५४
 कुलीन ६१, ६, १३८, १४ ।
 कुलीस ३४४, ९ ।
 कुलीर ३५७, १३१ ।
 कुलीरशूङ्गी १७६, ३२३ ।
 कुलेन्छा ४२८, १०६ ।
 कुले घून ६१, ६, २०३, ११ ।
 कुल्फ ४४, २१६ ।
 कुल्माप (श) १३९, ६३, १४१, ७९,
 १५५, २०१ ।
 कुल्मागमिपव १५५, २०१ ।
 कुल्मापामिषुतम्=कलिकम् ।
 कुल्मास=कुल्माप ।
 कुल्य ४५, २३०, ६६, ६ ।
 कुल्या ३४९, ५४ ।
 कुव ३५९, १४३ ।
 कुवङ्ग १९३, ५४८ ।
 कुवच २२२, ७३ ।
 कुवर =म्षाय ।
 कुवरी ३५३, ८९ ।
 कुवल (य) ३५९, १४२ ।
 कुवराश्व ९१, २५ ।

| | | | |
|------------------|--|-------------------------|---|
| कुवली | २६१, ९९२। | कुमेद (द) क | १३३, ६। |
| कुवाट | १७, ८३, २२८, ७३। | कुमीदिन | १३३, ५। |
| कुविणा | ३७१, ७२। | कुमुप | २५२, ३२। |
| कुवि (पि) न्द | २०३, १३। | कुमुनारु | २३६, १५, ३१४, ५८। |
| कुवे (णि) पी | ३७१, ७२। | कुमुनजन | १९६, ५७५। |
| कुवल | ३७१, १४२। | कुमुमेषु=काम। | |
| कुश | २८७, ३८३, ३४५, १६, ४५३, १९। | कुमुम | १५२, १७३, २०१, ६१७, ३०७, ५१७। |
| कुगेतु | ४३९, ७। | कुमुम्भराग | २१९, ४३। |
| कुशल | २१६, ७, ४१६, ९०। | कुसृति | ४३०, १२९। |
| कुशलप्रभ | ८१, ११७। | कुस्तुम्बरी=वान्याकम्। | |
| कुशवाक | १३६, ३६। | कुस्तुम्बुरु=वान्याकम्। | |
| कुशस्थल | ६, २२। | कुस्तित | ४७, २८८। |
| कुशस्थली | ६०, १७। | कुह | ३८७ ७०। |
| कुशा | ११३, ११९। | कुटककारिका | २४, ३९, २६, ५७। |
| कुशांग्रीयमति | ७४, ५१, २१९, ४८। | कुटकुहायते | २४८, १२०। |
| कुमार्डिन् | ३९१, १०९। | कुहन | २१८, ४१, २२१, ६२। |
| कुशारणि | ८२, १२८। | कुहना | ८५, १५२। |
| कुशाला | १४, ५०। | कुहर | ४३, २०७। |
| कुशाल्मली | २८२, ३०२। | कुहु (ह्र) | ४११, ४९। |
| कुशिशपा | २७२, ११८। | कुहू | ३४९, ४८। |
| कुशिन् | ८२, १२५। | कुह्रव | ३३२, १३६। |
| कुशी | १३४, १६, १९५, ५५९। | कुहेलिका | ३४१, ९। |
| कुशीदम्=कुसीदम्। | | कूकल | ३७८, १५। |
| कुशीलत्र. | २०३, २७, ४२५, ७८, ४५३, २०। | कूकुद | २१६, २२२। |
| कुशेशय | ३५९, १३८। | कूच | ४१, १९३। |
| कुषाकु | ३२२, ४७। | कूचिका | १७, ८२, १५८, २२१, १८२, ४४७, ३५४, ९३। |
| कुषीदम्=कुमीदम्। | | कूजित | ४५०, १०६। |
| कुष्कर | ३७८, १६। | कूट | १०८, १७३, १८२, ४४२, ३४०, २०३, ३४२, १७। |
| कुष्ट | ५७, ३३७। | कूटक | १३४, १३। |
| कुष्टबन्द | २९१, ३८२। | कूटकृत | २०४, १७, ३८९, ८७। |
| कुष्टका | ३०७, ५१९। | कूटजवर | १०८, १७८। |
| कुष्टघ | १७८, ४०९। | कूटयन्त्र | २०८, ५४। |
| कुष्टग्नी | ३०७, ५०५। | कूटशाल्मली | २८२, ३०२। |
| कुष्टीडित | २१७, २७। | कूटसाक्षिन् | १३३, ७। |
| कुष्टारि | १९६, ५७०, २७९, २७५, २८३, ३०७, ३०७, ५२९। | कूटस्थ. | ६६, ४१९, २२८, १३२। |
| कुसीद | १३२, ३। | कूणत. | २४७, ११५। |

| | | | |
|--------------------|---|----------------------------|--------------------|
| कूणि | ३२, ११३, ३३६ १७२। | कृतकृत्य | २१४, ४। |
| कूणिका | ४२४, ६२। | कृतकोटि | ८४, १३३। |
| कूप | ३५८, १२९। | कृतज्ञ | २०६, ४१। |
| कूपक | ४२, २०३, ३५६, २४, ३५०, ६३। | कृतव्रणा | ३११, ५५२। |
| कूणिका. | ३५८, १३०। | कृतवी | ७४, ५२। |
| कूबा | १०४, १२६। | कृतपुङ्क | ११५, २३७। |
| कूर | १५९, २४। | कृतफल | ६४, ३९६। |
| कूर्च | ३७, १५१, ३७, १५७, ४४, २१९, ४३०, ५२२। | कृतमाल | २६७, १७१। |
| कूर्चशीर्षिक | ३०९, ५३५। | कृतमालक | ३२२, ४३। |
| कूर्चिका=थीरविहृति | | कृतमाला | ३४९, ५३। |
| कूर्दन | ४३१, १२५। | कृतमुख | ७४, ५१। |
| कूर्दना | ४१०, ४६। | कृतरक्षण | २१६, १७। |
| कूर्पक | ३७, १५१। | कृतवेवना | २६३, ३९३। |
| कूर्पर | ३९, १७१, २५६, ६९। | कृतसापत्त (तिं) का=अ यूढा। | |
| कूर्पास | ५२, २९२। | कृनहस्त | ११५, २३७। |
| कूर्पासकः=चोल। | | कृनान्न | २१५, ७। |
| कूर्म | ३५७, ११३, ३८१ १३। | कृतान्त | ३८५, ४७, ४३३, १४९। |
| कूर्म=तारम्। | | कृनाभियका | ४२६, ८६। |
| कूर्लङ्गा | ३४७, ३। | कृतार्थ | २१४, ३। |
| कूष्माण्डक | २०९, ६१९, ३९२, ११८। | कृतांक | ३९१, १०९। |
| कूष्माण्डी | १४८, १३८, ३९४, १३५। | कृति | ७८९०, २३४, १। |
| कृक | ३८, १६४। | कृतिन् | ७४, ४८। |
| कृकण=ककर। | | कृत्त | २३२, १-९। |
| कृकर | १७१, २५०, २८४, ३२०, ३२८, ९३। | कृत्ति | ४६, २३९। |
| कृक्तलास (श) | ३२४, ६२। | कृतिका | ४००, १४। |
| कृक्तवाकु | ३३२, १३०। | कृतिकासंभव | ३९९, १७५। |
| कृक्ताटिका | ३८, १६४। | कृतिकासुत | ३९५, १४३। |
| कृच्छ्र | ५७, २२३, ३६७, ३। | कृतिकावासस | ३८९, ८३। |
| कृच्छ्रारि | २८६, ३३४। | कृत्या | २३४, १। |
| कृष्ण | २०३, १४। | कृत्रिम | १००, १०२। |
| कृत | १६०, २५१, २१३, १०६, ४१४, ७९। | कृत्रिमक | ६५, ४१०। |
| कृतक | १५२, १८०, १२७, ५७७। | कृत्रिमधूपक=वृक्धधूप। | |
| कृतकर | ३८९, ८९। | कृत्स्न | २२७, १२२। |
| कृतकर्मन् | ७४, ५०, २१४, ५। | कृपणः=कदर्य। | |
| कृतकिन् | ३९२, ११२। | कृषा | ४२८, १०५। |
| | | कृपाचर्य | १६, ५५। |
| | | कृपाण | १२०, २१। |
| | | कृपाणी | १२३, ३१२, २०९, ६८। |

कृपाल २१६, २४।
 कृपीः ३४४, ८।
 कृपीदयानि ३७६, २।
 कृपीति ९०, ५।
 कृपीपुत्र ९०, ५।
 कृष्ण ५०, ३३, ३२५, ६८, ३२७,
 ७३।
 कृषिक गज ५१, २८।
 कृषिकाश व्यम्=कृषिकशजम् ।
 कृषित्र १७५, ११७, २८३, २०६।
 कृषित्री १७२, ३५२ १७४, ३७३।
 कृषिजम्=अगुरु ।
 कृषिजव ६५, ४०७।
 कृषिला २३, २।
 कृषिलोहक १९४, ५६७।
 कृषिगड़ ३७७, १२७।
 कृषिमध्य ५०, ७२।
 कृषिसू ३७७, १२।
 कृषिहर १४७, १३०, २५६, ८२।
 कृषिलक १३८, ५७।
 कृश ३२, १०३, २२७, ११७।
 कृशचञ्चु ३२८, ९४।
 कृशवन ३६८, ४।
 कृशर १५९, २४२।
 कृशाख ३०९, ५३४।
 कृशानु ३७७, ९।
 कृशानुसू ३८९, ८।
 कृशाश्विन् २०५, २६, ४२५, ७८।
 कृशिंग २९४, ४०५।
 कृष १३४, १३।
 कृषक १३३, ९।
 कृषाण १३३, ८।
 कृषि ७३, ४४, १३२, २।
 कृषि (घी) क १३३, ९, १३४, १४।
 कृषिद्विष्ट ३३७, १५६।
 कृषीबल १३३, ९।
 कृष्ट २३३, १५६।
 कृष्टि ७४, ४४।

कृष्ण ८२, १२१, १५३, १८८, १९४,
 ५०८, १९६, ५७३, २६४, १४६,
 ३२१, ३२, ४३५, १६२, ४७१,
 ३, ४५३, २२।
 कृष्णकञ्जुक १३८, ५६।
 कृष्णकन्द ३५९, १४०।
 कृष्णसंसू ८५, १५८, २२३, ८७।
 कृष्णकापोति ३१५, ५९३।
 कृष्णसाप्तक ६५, ४०५।
 कृष्णकोहल २१३, ३२।
 कृष्णगङ्गा ३४९, ५१।
 कृष्णगर्भ २६६, १५९।
 कृष्णचतुर्दशी ४१०, ४३।
 कृष्णचूडिका २९७, ४३३।
 कृष्णजनुम् ४५५, ४०।
 कृष्णनाल २७०, १९९।
 कृष्णदनता २९२, ३८५।
 कृष्णद्वैपायन ८२, १२६।
 कृष्णपत ४११, ५३।
 कृष्णपारफल =१८मद् ।
 कृष्णपिङ्गला ३९४, १३३।
 कृष्णपुष्प २७३, ३२६, २७४, २२७।
 कृष्णफला ३०२, ४३५।
 कृष्णभगिनी ३९४, १३३।
 कृष्णभूम ५, १२।
 कृष्णभूमिजा २८९, ३६९।
 कृष्णभेदा (दी)=कट्टोरोहिणी।
 कृष्णमालुक २८१, २९१।
 कृष्णमुख ३२३, ४८।
 कृष्णरुदा २९८, ४४०।
 कृष्णलवण १५२, १७८।
 कृष्णल २९७, ४३३, ३०२, ४८९।
 कृष्णलोहित ४३५, १६६।
 कृष्णवर्णा ३४९, ५३।
 कृष्णवर्तमन ३७७, ८।
 कृष्णवर्मसू ३३०, ११५।
 कृष्णवर्वरक २८२, २९६।
 कृष्णवल्ली २९८, ४८०।
 कृष्णवृन्ता १३९, ६३, २६७, १६६।

| | |
|--|-----------------------------------|
| कृष्णवेणा ३४९, ५९। | केयूर ४८, २६।। |
| कृष्णशति-न् ३५२, १३। | केती ४७६, ५३। |
| कृष्णशार=कृष्णसार। | केलि ४३०, ११६। |
| कृष्णशृङ्ख १८१, १३२। | केलिक २७३, २४२। |
| कृष्णसुद्धवा ३४९, ५१। | केलिका ४७६, ४३। |
| कृष्णमार २७७, ०८, ३२१, ३२। | केलिकिल ३९२, ११०, ४२९, ७९। |
| कृष्णसारा २७२, २१३। | केलिकूचिक २७, ६६। |
| कृष्णा ६६, ३४४, ४४, ४७, १३६, ३८, १७१, ३४२, २१८, ९३, ३४९, ५१, ३९४, १३१। | केलिमुख ४३०, ११६। |
| कृष्णागह ६५, ४०५। | केनठ ३५८, १३२। |
| कृष्णाग्रज ४५७, ३४। | केवल १८, ८९, ४२५, ७८। |
| कृष्णाभा ३०८, ५०५। | केवलिन् ३६९, ५। |
| कृष्णायस १९४, ५५६। | कव २७९, ०७९। |
| कृष्णार्जक २८१, २९१। | कविका २७२, ०३। |
| कृष्णिका १४०, ७२। | कवेलक १२१, २९७। |
| कृष्णोक्तु ३१६, ५८७। | कश ३७, १३१, २४२, ७३, २८१, २९४। |
| कृष्णोदुम्बरिका २६०, १११। | केशकंप ३५, १३५। |
| कृसर १६०, २४१। | केशव, १८, ३४२। |
| कृकर ३२८, ९३। | केनठ ४३१, ३। |
| कृलृपकीला १०, १३। | केशदीका ३३९, १९३। |
| केकयो ४७३, १८। | केशदम्हनी २८३, ३९९। |
| केकर ३२, ११२। | केनपद ३५, १३४। |
| केका ३२९, १००। | केशपर्णी=अपासार्ग। |
| केक ह, १११, २०२। | केशपशी ३५, १२८। |
| केकिन ३२९, १०३। | केशभार ३५, १२५। |
| केणिक ५३, ३०२। | केशभू ३५, १२३। |
| केतकी २५३, ४३, २७६, २४९, २७७, २५३। | केशभूयस्त्र ३५, १२५। |
| केतन ८१, ११८, १२६, ३३७। | केशनार्जिन ६८, ४३२। |
| केतु १२६, ३३७, ४३७, १५, ४०३, २११। | केशमुष्टि २६६, १०६, ३०७, ५२४। |
| केतुमत् ३७३, ३५। | केनगर ६२, ३७९, १९६, ५७९। |
| केतुरत्न. १९९, ६०२। | केश झन ३०५, ५०६। |
| केदर ३२, ११०। | केशरिन् ३१८, ४। |
| केदार ८, ३७, १३४, २२, ३५९, १३७, ३८९, ८५। | केशसहा १७६, ३९५, ३०३, ४९०। |
| केदारकट् १७५, ३८३। | केशरूपा ३११, ५५६। |
| केनिपात (र) न ३५०, ६२। | केशरोमा २९३, ३९९। |

केशववल्लभ ३४२, १३।
 केशहस्त. ३५, १३५।
 केशा ३४९, ४७।
 केशाकेशि १२७, ३४२।
 केशास्वनामन्=हीविरम्।
 केशाणि १४०, ७४।
 केशाही ३०३, ८८३।
 केशिन् २४, ४२।
 केशिमर्दन ४५४, २५।
 केशी ३५, १३८।
 केशोच्चय ३५, १३५।
 केश्य ६५, ४०६।
 कंस (श) र २७६, २४७, ३६०, १५२।
 केमरान्त २६१, ११७।
 केसरिन् ११०, १११, १४६, १२१,
 ३३८, ३, ३४२, १३, ४५२,
 १०।
 केसरिसुत १५, ६०।
 कैकसेय ३८६, ६३।
 कैटभजित=विष्णु।
 कैटभा (भो) ३२३, १२७।
 कैडर्य २६६, १५७।
 कैतव ४३०, १२१।
 कैदारम्=कैदारिकम्।
 कैदारक=कैदारिकम्।
 कैदारिक. ८, ३७।
 कैदार्यम्=कैदारिकम्।
 कैरव ३५९, १४१।
 कैरनी १७२, ३०२।
 कैरात. ६१, ३७६, २६६, १५८।
 कैलात २१२, ९२।
 कैलास ३४१, १०, ३८८, ७६।
 कैवर्ति ३५१, ६९।
 कैवर्त्तिसुस्तनकम्=सुस्ताविजेष।
 कैवर्त्तिका २९७, ४३६।
 कैवर्ति (ती) सुःतम्=सुस्ताविजेष।
 कैवल्य ८८, १८१, ४३४, १५५।
 कैशिक ४२७, ११।
 कैशिकी ४२३, ५६।

कैशोरे ३९, ९४।
 कैश्यम्=कैशिकम्।
 कोक ३१९, १७, ३३०, ११९, ३५७,
 १२०, ४५२, ८।
 कोकयु ३३२, ११४।
 कोकनद ३५९, १८२।
 कोकनदच्छवि ४३५, १६५।
 कोकबन्धु ४३७, ११।
 कोकिल १४३, १००, ३३२, १३६,
 ३६५, १६, ३७८, २२।
 कोकिला ३३३, १३८।
 कोकिलक्ष (क) ३०८, ५२७।
 कोकिलेष्टु ३१५, ५८७।
 कोकोवच ३२३, ७३।
 कोङ्कण ७, २४।
 कोङ्ग्रि १२२, ३०२।
 कोजागर ४१०, ४५।
 कोट ११, ३०, ११६, २४९।
 कोटर २५१, २६।
 कोटरपुष्प २९७, ४३५।
 कोटवी २५, ४९, ३९३, १२७।
 कोटशिरस् १२, ३९।
 कोटि (टी) ११८, २६२, १२४, ३१६,
 १८८, ४९८, ३९४, १३५।
 कोटिका ३५१, ७०।
 कोटिकृत् ८४, १४०।
 कोटिपात्र ३५०, ६३।
 कोटिवर्षा=स्पृका।
 कोटिश =लंष्मेदन।
 कोटी २६८, १७६।
 कोटीर ४८, २५०।
 कोटीर्ष ११, २३।
 कोटीश =काटिश।
 कोट्टु=दुर्गपुरम्।
 कोट्टप ९०, १२।
 कोट्ट्वि=नग्निका।
 कोट्टार =कोट्ट।
 कोठ ५७, ३३७, ५८, ३३९, ११६,
 २४९।

- | | |
|--|---|
| कोण १२५, ३२५। | काविदार २७४, २३१। |
| कोणप ३८६, ५५। | कोप (स) १४, ५३, ९७, ७९, १२३, १०९, १९२, ५३७, ३३९, ११७, ३९६, १५०। |
| कोणाघात. ४५०, १००। | कोशक ४३, १११। |
| के दण्ड ११७, २६०। | कोशकारिका ३३७, १८०। |
| कोद्रव १३६, ३९। | कोशकल २९९, ४५३। |
| कोद्रविक १५२, १७८। | कोशकला १५०, १६१, २५४, ४०१। |
| कोद्रवीणक ८, ३४। | कोशल ६, २२। |
| कोनील ३३२, १२९। | कोशला १०, १६। |
| कोप ४२८, १९। | कोशलेश ४१२, १५। |
| कोपना. २१, ८। | कोशवत १२०, २८८। |
| कोपनी=कोपना। | कोशवर्षीयनी ३०३, ४९०। |
| कोपवादि८ ३८९, १०। | कोशशायिका १२३, ३१२। |
| कोपिन=कोवन। | कोशाण्ड ४३, २१। |
| क पिर्न=कोपना। | कोशातकी १४८, १८४, २९३, ३९४। |
| कोमल ५०, २७४, २२९, १३७, ३४४, १०। | कोशाम्र २०१, ६१८, २५४, ८९, २९९, ४५३। |
| कोयष्टि (क) ३३०, ११४। | कोशार्य ३४४, ३। |
| कोरक ३६०, १५४। | कोगिन् ३५७, १२३। |
| कोरझी=त्रिपुटा। | कोशी १३४, १६, २५१, २९। |
| कोरद्वष १३६, ३९। | कोशीहन्त ६६, ४१८। |
| कोल १७१, ३४९, १९०, ४१६, २६१, ११३, ३२०, २५, ४७२, १०, ३९०, १४। | कोष १४, ५३, १९२, ५३९। |
| कोलक ६४, ३१५, १५३, १८६, २६९ १८८। | कोष्ठ=कुसूर, अर्लीहम्, अन्तर्जठरम्। |
| कोलकन्द १७९, ४७६। | कोष्ठज ५३, ३१३। |
| कोलकर्कटी २५८, ८६। | कोष्ठनाम ५६, ३२४। |
| कोलत्य ३५५, १०६। | कोष्ठमेद ५७, ३३७। |
| कोलप लिका १४९, १४५। | कोण ४३८, २१। |
| कोलमूल १७१, ३४७। | कोमल ६, २२। |
| कोलम्ब ४२३, ६१। | कोकृष्टिक =अमिक। |
| फोलम्बक =बीणा काय। | कोक्षेय र १२०, ३८१। |
| कोलम्बी ४२३, ६०। | कोङ्कड ३२३, ५२। |
| कोलवल्ली=गजपिपली। | कोङ्कण ७, २४। |
| कोला १७०, ३४९, २६१, ११२। | कोङ्करण =कार्तिकय। |
| कोलाहल १२८, ३५६, ४५०, १०४। | कौटज २६८, १७६। |
| कोलि (ली) २६१, ११३। | कौटक्ष २०४, २०। |
| कोवाक ३५५, १०८। | कौटिक =मासिक। |
| कोविद ७३, ४७। | कौटिर ३८२, २१। |
| | कौटिल्य ८३, १३७, १४५, ११५। |

| | |
|-------------------------------|--------------------------------|
| कोटीर ४८, २५०। | कौपीनकी ४०४, २२१। |
| कोणप=गदम । | कौमत्यापति ४५३, १६। |
| कोतुक ४३०, १२२। | कौसुम्म १९६, ५७५। |
| कोत्तूल ४३०, १२२। | कौसुभ ४५४, ३। |
| कौद्रवीणम=कुद्रक्षेत्रम् । | कौस्तुमोरस् ४३२, ७। |
| कोनित=हरण । | क्रकच २१०, ७८। |
| कोनिक ११०, २३९। | क्रकचपाद ३२४, ६२। |
| कौन्ती १७४ ३७२। | क्रकच २७६, २२०। |
| कोप ३४० ७६। | क्रका=कुरार, कुकण । |
| कोपिल्य (ङ) ७, २५। | क्रतु ४४०, १४, ७९, ५७, ३७०, ९, |
| कौपीन ५३, २२६। | ४३९, ९। |
| कोरोडकी=कामोदकी । | क्रतु गमिन्=शिव । |
| कोवेर ७ १०, २०९, १०२। | क्रतुभुज्=दव । |
| कौवरी ३७३, ५१। | क्रतुयष्टि ३३९, १६३। |
| कौमारी ३७१, १०५। | क्रतुस्थला ३७२, ३०। |
| कोमुद ४१२, ६२। | क्रवमम्=रव । |
| कोमुदी २३८, ३७। | क्रद्वन १२८, ३५९। |
| कोमुदीचार ४१०, १५। | क्रन्ति ४३१, १२६, ४१०, १०३। |
| कोमुदीजीवन ३३३, १०५। | क्रम ४४, २१८, ५४, ३०३, ७९, ३५, |
| कोमुदीतह ६८, ८२९। | २३७, २८, २४२, ६८। |
| कोमुदीपति ३९८, १७०। | क्रमण ४४, २१८। |
| कोमोदकी ४१४, ३१। | क्रमपूरक २७८, २७०। |
| कोरवी १५४ ११५। | क्रमशिरस् ११, ३१। |
| कोल १६६, २९६। | क्रमु ३२३, ५६। |
| कौलिनिय २८, ७५। | क्रमुक १६९, ३३१, २४३, ४३। |
| कौलंय (ङ) २८, ७५। | क्रमुकपुष्पक २७१, २०१। |
| कोलीन ४४८ ८। | क्रमेलक १८४, ४६७। |
| कोलेयक २०६, ३७। | क्रमोत्क्रम २४२, ६९। |
| कोश १०, १६। | क्रय १३३ ६। |
| कोशलिक ९८, ८३। | क्रयविक्षिक=वगिक् । |
| कोगली ८१, ११७। | क्रयिक १८५, ४७९। |
| कोशले (ल्य) य ४१२, १४। | क्रयिन् १८३, ४७५। |
| कोशाम्बी १०, १९। | क्रय १८६, ४८२। |
| कोशिक ६६, ४१९, ८३, १३१, २७०, | क्रन्य ४५, २२५। |
| १९३, ३२८, १९, ३८२, २३, | क्रव्यात् ३८६, ६९। |
| ४०३, २१६। | क्रव्याद् ३७८, १६, ३८६, ५८। |
| कौशिकी ४६, २३२, ३४९, ४७, ३९४, | क्रव्यात् ३२७, ८८, ३८६, ६९। |
| १३१। | क्राथन १३०, ३७१। |
| कौशेय ५०, २७४ ५१, २८३। | क्रान्त ११०, १८९, २४२, ६८। |

- काम ५४, ३०३।
 कायिक १८७, ८७९।
 प्रिभि=छुमि ।
 क्रिया ८०, १०७, २३४, १।
 क्रियाज्ञ ४२०, २६।
 क्रियावत् २१७, २८।
 क्रियामूचक ४२२, ५१।
 क्रितन ३७१, १५।
 कीडा २२६, १९, २३८, २९, ४३१,
 १२५।
 कुर्जच (ब) ३२९, १०७।
 कुव् (ग) ४२८, ९९।
 कुन्दन २६४, १४०।
 कुष ४३१, १२६, ४५०, १०३।
 कुष्ठोमा ३९९, १७५।
 कूर १३, ६१, २२४, ८८, २२९, १३५
 २७३, २१९, २७३, २२५, ३२७, ८८,
 ३२८, ९३।
 कूरगन्य १९६, ५६९।
 कूरद्वय ४०३, २०८।
 कूरवाच् ३२८, ९८।
 कूरा ३३८, १८३।
 क्षेत्रव्य १८६, ४८३।
 क्रेय १८६, ४८३।
 क्रोच ३४२, ११।
 क्रोड ३२०, २६, ४०३, २०९।
 क्रोडकन्ता २, १७।
 क्रोडघोरा ३०९, ५२८।
 क्रोडवल्लभा १७७, ३८६।
 क्रोडाङ्गि ३५७, ११९।
 क्रोडिन् ३२०, २२।
 क्रोव ४५६, ४७, ४२८, ११।
 क्रोबन २२१, ६३।
 क्रोधा ४४०, ११।
 क्रोश ११, १०२।
 क्रोशताल ४२६, ८०।
 क्रोश वनि ४२६, ८०।
 क्रोशयुगम्=गव्यूति ।
 क्रोष्ट ३१९, १३।
- क्रोष्टपुर्ण्डी ३१३, ७६८।
 क्रोष्टफल २८४, २१८।
 क्रोष्टविश्वा=निहपुर्ण्डी ।
 क्रोष्टी=जुङ्खविदारी ।
 क्रोच ३२९, १०५, ३४२, ११।
 क्रोचदारण ३१७, १८८।
 क्रोचवैरिन ३१७, १८८।
 क्रोचा ३६०, १८६।
 क्रोच-दनी ३६० १८६।
 क्लपुप ४७, २२८।
 क्लम=बलानि ।
 क्लस्तु २३७, २८।
 क्लितनीय १७६, ३९८।
 क्लिच २३३, १०२।
 क्लिचाल ६०, ३६४।
 क्लिशित=क्लिष्ट ।
 क्लिष्ट २३२, १६३, २६८, ६, ४४७, ७३।
 क्लीनकम्=यष्टिमधुकम् ।
 क्लीनकिका=तीली ।
 क्लीतन १७६, ३९०।
 क्लीतनी ३०३, ४८२।
 क्लीब=नपुसक ।
 क्लेदु ३९८, १६७, ४०, २०२।
 क्लेश =आदीनव ।
 क्लेशित २३२, १६३।
 क्लोम (न्) ४७, २२८।
 क्लण, २३९, ४०, ४५०, १०१।
 क्लणन ४५०, १०२।
 क्लथित २३१, १६०।
 क्लाथ १७०, ३३८।
 क्लाण ४५०, १०१।
 क्ल ओ८६, ८८।
 क्लण ४११, ५२, ४३२, १४१।
 क्लणकुन्य ३१२, ११५।
 क्लणद ३४४, ३८।
 क्लणदा ४०९, ३४।
 क्लणन १३०, ३७०।
 क्लणप्रभा ३१७, १५५।
 क्लणिका २१०, ३७०; ३१७, १०६।

- क्षीरशरा १५८, २३०।
 क्षीरशीपिक ६४, ४०९।
 क्षीरशुक्र २५६, ७३।
 क्ष रशुक्रा २५२ ३८८।
 क्षीशूज्ज्वी २६८, १७६।
 क्षीरसमव १५८, २२८।
 क्षीरा २१२, २८३।
 क्षीराव=हुगिवा।
 क्षीरिका २५६ ७२।
 क्षीरिणी २६७, १६९, २६०, ५५०,
 ३१२, ५५९।
 क्षीरिन् १३७, ४४, १५८, ५८७, २५६,
 ७४ २५९, १०२, २६०, १०५,
 २६०, १०७, २७४, २३२,
 २८४, ३२१।
 क्षीरी १७३, १६८।
 क्षीरियी ७८, ८८, १६०, २८८।
 क्षीरोद=क्षीरसमुद्र ।
 क्षीरोदत्तनया, ४५७, ५३।
 क्षीव=मत्त ।
 क्षुड १३८, ५०, ३३६, १७३।
 क्षण, २१६, १३, २१६, ४२।
 क्षुत् (त) ५५, ३१७, १४०, ७१।
 क्षुतामिजनन १४०, ७२।
 क्षुद २२४, ८९, २३४, १६८।
 क्षुदकण्टा. ३००, ४५७।
 क्षुदकारवी. १५६, १६८।
 क्षुदक्षुप ३०९, ५३३।
 क्षुदगन्ध ३००, ४६३।
 क्षुदगुड १५६, २१३।
 क्षुदघण्टिका ५०, २६९।
 क्षुदघण्टी. ५०, २६९।
 क्षुदघोली ३११, ५५८।
 क्षुदचब्बु ३०६, ५१०।
 क्षुदचन्दन ६२, ३७६।
 क्षुदचम्पक २७६, २४५।
 क्षुदजाती २६२, १२१।
 क्षुदजीवा २१२, २९०।
 क्षुददुरालभा ३०१, ४७२।
 क्षुदध्यात्री २६२, १२१, २६४, १३९।
 क्षुद्रनासिक ३२, १०२।
 क्षुद्रपर्ण २८१, २९०।
 क्षुद्रपिपली १७६, ३४३।
 क्षुद्रपुष्पी ३०२, ४५६।
 क्षुद्रफला ३०१, ८७२, २९४, ४०८,
 ३००, ८५७।
 क्षुद्रवज्र २००, ६०५।
 क्षुद्रवर्ग ३३८, ०८३।
 क्षुद्रवली १५१, १५३।
 क्षुद्रशस्त्र ३७७, १२७।
 क्षुद्रशिरा १५६, २१३, १५७, २२१।
 क्षुद्रसुक्ति ३७७, १२४।
 क्षुद्रलेघातक २६४, १६१।
 क्षुद्रसहा. २९२, ३८७।
 क्षुद्रसरस ३३१, १२७।
 क्षुद्रस्फट ५८, ३८१।
 क्षुद्रा १५७, २२९, ३००, ४५७, ३३८,
 १८३।
 क्षुद्रजिना २४, ३८।
 क्षुद्रपासार्ग ३०३, ४८६।
 क्षुद्रापित्र २७८, ९१।
 क्षुद्राम २५४, ५०।
 क्षुद्राम २४९, १।
 क्षुद्रेहुदी ३०६, १६५।
 क्षुद्रेर्वास २९७, ४३०।
 क्षुद्रेदुम्बरिका २६०, १०९।
 क्षुध् (वा) १६६, ३००।
 क्षुवाकुशल २८६, ३३८।
 क्षुवानाशन १६६, ३०२।
 क्षुवामिजन १३९, ६४, १५०, ७२।
 क्षुवित. ११७, ३२।
 क्षुप २५०, १८, २९९, ४८८।
 क्षुपमुष्ठि ३०७, ५२८।
 क्षुव्य १४५, १११।
 क्षुमा १४०, ७०, २०१, ६१७।
 क्षुर २७२, २१६, २८६, ३३८।
 क्षुरक ३००, ४६२।
 क्षुरगन्ध ३००, ४६३।

| | | | |
|---------------------|-------------------------|-----------------------|---------------------------|
| क्षुपत्री | १५६, १७१। | क्षौद्र (क) | २००, ६९२। |
| क्षुप्र | ११९, २७५। | लोम | ६६, ७०, ५०, २७५, ५१, २८३। |
| क्षुगमर्दिन् | २०४, २१। | क्षुत=निशित। | |
| क्षुगङ्क | ३००, ८६२। | क्षा | २, १४। |
| क्षुरि=नापित। | | क्षमासुज्ज्ञराजा। | |
| क्षुरिकापत्र | २८६, ३३८। | क्षमाभृत=राजा, पर्वत। | |
| क्षुरित. | २३३, १७५। | क्षेत्र | ३६६, २१। |
| क्षुरित् | २०४, २१। | क्षेत्रा | १२८, ३५५, २९३, ३९३, ३१८, |
| क्षुरी | १२३, ३३२। | | ८। |
| क्षुरीमूल | १२४, ३२२। | क्षेडित | १२८, ३५५। |
| क्षुश्क | २०५, ३१, २२७, ११६। | | ख |
| क्षेत्र | ३४, १०७, २८०, २८२, ४१६, | ख | ३, २२, ४३७, १०, ४१६, ९८, |
| | १६। | | ४१५, ८८, ४३४, १५१। |
| क्षेत्रकंठिका | १५०, १६३। | खमखट=कर्कश। | |
| क्षेत्रचिर्मिटी | १५०, १६३। | खमखम | २०१, ६९७, ३०७, ५१६। |
| क्षेत्रजा | २८९, ३६१, २९०, ३३०। | खग | ४४०, १३, १६८, २६७, ३२६, |
| क्षेत्रज्ञ | ४१६, १६। | | ८०, ४३६, २, ४५६, ५०। |
| क्षेत्रद्वारा | २८९, ३६२। | खगराज | ३२७, ८६। |
| क्षेत्रहडी | ३००, ४५६। | खगान्तक | ३२७, ८८। |
| क्षेत्रसंभव | ३०६, ५०९। | खगेश्वर=गहड। | |
| क्षेत्रसभूता | २८९, ३६७। | खह्लण | ३५, १३५। |
| क्षेत्राजीव=कृपीवल। | | खझ | ८५, १५०। |
| क्षेत्रिन् | १३३, ८। | खचमम | ४०२, २०२। |
| क्षेत्रेशु | १३७, ८७। | खचित | २२७, १२०। |
| क्षेप | ४३१, १३३, ४४८, ८२। | खज | १५९, २३६। |
| क्षेपक | ३५१, ६६। | खजाका=दर्वि। | |
| क्षेपण | २३९, ४५। | खज्ज | ३३, ११६। |
| क्षेपणि (जी) | ३५०, ६२। | खज्जन | ३३४, १४९। |
| क्षेपिष्ठ | २३४, १८२। | खज्जरीट. | ३३४, १५०। |
| क्षेम | ४१५, ९०। | खज्जरीटरत. | ८५, १५८। |
| क्षेमक. | ३१२, ११३। | खट=तृणम्। | |
| क्षेमझर | २१४, २। | खटक | ४०, १७९। |
| क्षेमझी | ३२७, ८९। | खटिका | ११७, ५८६। |
| क्षेमा | ३७३, २१। | खटिनी | ३४३, २८। |
| क्षोण (जी) | २, १६। | खटी | |
| क्षोद | १२६, ३३७, १७०, ३३६। | खट्ट | २५६, ६९। |
| क्षोदस् | १२६, ३३४। | खट्टन | ३३, ११४, १६७, ३१३। |
| क्षोदिष्ठ | २३४, १८३। | खट्टश | ३२०, २१। |
| क्षोमम्=अष्ट। | | खट्टर | १६७, ३१३। |

- खद्वा ६७, ४२९, १४९, १८५।
 खद्वाज्ञ ४६ २३५, २२, ३०, १२४,
 ३२२, ३९१, १०१।
 खद्वाज्ञा ३१०, ५८६।
 खद्वाज्ञी १४९, १४२।
 खद्वारुढ २२०, ५६।
 खद्विका ६७, ४२८।
 खड़ १२०, २८१, १९४, ५५८, ३२०,
 २२।
 खड़सद्वन् १२३, ३०९।
 खड़पिवान् १२३, ३०९।
 खड़िन् ३२०, २०, ३९३, १२०।
 खण्ड (क) १५२, १८०, १५६, २१२,
 २४०, १७, ३९५, १७८।
 खण्डकवा ४४९, ५७।
 खण्डज १५६, २१५।
 खण्डपरशु ३८८, ८२, ३९०, ९७।
 खण्डमोदक १५६, २१५।
 खण्डलिय ३१९, १०५।
 खण्डलेखक ३३४, १५१।
 खण्डविकार=शर्करा।
 खण्डशर्करा १५६, २१६।
 खण्डशीला २४, १५।
 खण्डसार १५६, २१५।
 खण्डा ३३६, १६५।
 खण्डता २३, ३२।
 खण्डीर १३८, ५३।
 खतमाल ३७८, १७, ३९६, १४९।
 खत्तवच् ३६१, ६।
 खदिका १४२, ८७।
 खदिर २८३, ३०५।
 खदिरच्छदा २८३, ३१०।
 खदिरपुष्टी ३१३, ५१०।
 खदिरस १७०, ३३७।
 खदिरसार १७०, ३३६।
 खदिरा=कजाल।
 खदिरिका १७४, ३७२।
 खद्योत ३३७, १७४, ४३६, ४।
 खनक, ३३२, ५५।
- खनि (नी) ३४३, २३।
 खनिक २०७, १८।
 खनित्र १३३, ११।
 खनित्रिम ३४७, १६।
 खपराग ३६२, ७।
 खररिका १५, ५८।
 खपुर २५६, ६९।
 खर ६६, ४१०, १८७, ४७४, ३२८, ९३,
 ३९२, ११३, ४३८, २१।
 खरकुटी १४, ५०।
 खरकोमल ४१२, ५९।
 खरक्षय ५५, ३२०।
 खरगन्वा ३०४, ८९।
 खरगृह ५३, ३०२।
 खरच्छद २८९, ३८७।
 खरच्छदा ३०३, ४८३, ३११, ५५८।
 खरणम् (स) ३२, ११०।
 खरतर ८९, १५०।
 खरपत्र २७२, १११, २८१, २८८,
 २८६ ३३७।
 खरपत्रा २६०, ११०, २७६, २४८।
 खरपणी २९९, ४४७।
 खरपुष्पा=बर्नरी।
 खरपुषिका ३०७, ५२२।
 खरमची ३०३, ४८५।
 खरशब्द ३२९, १०९।
 खरसाद ५५, ३२०।
 खरस्कन्व २५६, ६९।
 खरस्कंधा २५८, ८५।
 खरा=देवताल।
 खराणुक ३९२, १११।
 खरागरा=देवताल।
 खराश्वा=मयूरशिखा।
 खरिका ६३, ३८४।
 खरीका १७२, ३५९।
 खर २१, १६, ३८, १५९, ८६, १६३,
 ११८, २६९, ३८९, ९९।
 खर्जुर २५८, ८५।
 खर्जू ५८, ३४०।

- खर्च २७४, २२८, ३०८, ५३१।
 खर्जूर =नृणदुमभेद ।
 खजुरी २५३, ४४, २९८, ८६।
 खर्पी (तुथ) १९७, ५८१, २०४, २१।
 खर्वा २८६, ३३५।
 खवे १८८, ४२६, २२८, १२७, २७८,
 २६५, ३७४, ४५।
 खर्वट ८, १।
 खर्वा ३०४, ४९।
 खल १३४, १६, १६०, २५१, २२३,
 ६७।
 खलति ५९, ३५०।
 खलतिक ४३७, १२।
 खल्गू २१७, २६।
 खलि १४१, ७५।
 खलिनी २४४, ८८।
 खलिश ३१२, ८२।
 खलाकार २४७, ११३।
 खली (लि) न. ११२, २१४।
 खलु=निषेवार्य ।
 खल्लरिका ११८, २६६।
 खल्ली. ११८, २६५।
 खलेदास=मेयि ।
 खलेशय ३१२, ८२।
 खलेह ३७२, ८२।
 खला २४४, ८८।
 खल १४४, ११०।
 खलय ३६८, २।
 खशेर ३१३, ९९।
 खश्वास ३८०, २।
 खसातमज ३८५, ५६।
 खसखसरम १७८, ८०६।
 खाज्जाह १११, २०२।
 खाटि (टी) १३१, ३८१, २३६, ४५।
 खाटब १६५, २९०।
 खाण्डब १६६, २९०।
 खादित २३४, १८१।
 खादिर १७०, ३३६।
 खाद्य २८३, ३०५।
- खायक १६२, २६९।
 खानि (नी) २०७, ५१, ३४३, २३।
 खानिका ३५८, १३५।
 खानिक्क १६५, २९१।
 खार=परिमाणविशेष ।
 खारि (री) १९१, ५२५।
 खारिक २५७, ८४।
 खारीक ८, ३६।
 खारीवाप ८, २६।
 खिच्छा (ची) १५९, ४४२।
 खिरिडि ३५४, १००।
 खिल ८, ३७।
 खुज्जाह १११, २०३।
 खुर ११२, २०८, १८२, ४४६।
 खुरणस् (स) ३२, ११०।
 खुरत्राण ११३, २१७।
 खुरप ११९, २७५, १३३, १२।
 खुरली ११८, २६५।
 खुरोत्तम १२४, ३१५।
 खुक्क २२७, ११६।
 खेचर १९७, ५८।
 खेचरी १६९, ३३२।
 खेट ९, २, १२३, ३११, २२५, १०४।
 खेद २३८, २९, ४२८, ९८।
 खेय ३५८, १३६।
 खेलं ४३१, १२५।
 खोड (र) ३३, ११६।
 खोर (ल) ३३, ११६।
 खोतका ३१९, १६।
 खोत्सुक ४०२, २००।
 ख्यात २१६, १७, २३१, १५४।
 ख्यातगहण =निन्दित ।
 ख्याति २३९, ४३।
- ग
- गगन ३, २२।
 गङ्गपत्री २८१, २९३।
 गङ्गा ३४७, ३५।
 गङ्गाटय ३५४, ९२।
 गङ्गावर ३४४, २, ३८९, ९१।

- गङ्गापुत्र ९२, ३१, ३९५, १८३ ।
 गङ्गी ३९४, १२५ ।
 गन्छ २५०, १५ ।
 गज १०५, १४४, १९३, ५४८ ।
 गजता=हस्तिकम् ।
 गजदन्तफला १५०, १५८ ।
 गजदैत्यभिद् ३८९, ८५ ।
 गजनामन ३०८, ५२१ ।
 गजपिपली १७१, ३४३ ।
 गजबन्धने=गारी ।
 गजभक्ष २७० ११४ ।
 गजभक्षां २६३, १३७ ।
 गजभस्या=सल्लको ।
 गजाण्ड १४७, ११६ ।
 गजानन =गणेश ।
 गजाशन २५९, ९८ ।
 गजष्टा १७२, ४२२ ।
 गजा १४, ५८ ।
 गड. ३५२, ८१ ।
 गडक=मत्स्यविशेष ।
 गड्ढ ३२, ११३, ५७, ३३२ ।
 गड्डर=कुञ्ज ।
 गड्डल ३२, ११३ ।
 गडेर ३९६, १५१ ।
 गण ११६, २५१, ३४०, २०१, ३११,
 १०४, ४४१, २५ ।
 गणक =ज्योतिषिक ।
 गणचक्र १६७, ३०९ ।
 गणदेवता ३७०, ८ ।
 गणनायिका ३९३, १२५ ।
 गणर्णय २२७, १२३ ।
 गणकद्व ७८, ९२ ।
 गणरात्र ४०२, ३८ ।
 गणरूप=अर्कपर्ण ।
 गणहासक =दुष्पत्र ।
 गणाविष ३३६, १७२ ।
 गणिका २७८, २६२ ।
 गणिकारिका २६६, १६२ ।
 गणिकारी २७८, २६७ ।
- गणित ८२७, १२१ ।
 गणेय. १८६, ४८५, २२७, १२१ ।
 गणेह. १०५, १४८, २६४, १४० ।
 गणेश २, १० ।
 गणेशभूपण १९७, ५६२ ।
 गणेश्वर ३१८, ६ ।
 गणोत्साह ३२०, २१ ।
 गण्ड=कपोल ।
 गण्डक २४६, १०५, ३२०, २१ ।
 गण्डकाली (री)=अजाणु ।
 गण्डकी ३४८, ४६ ।
 गण्डदूर्वा २८८, ३५५ ।
 गण्डमाला ५७, ३३४, ३१३, ५७३ ।
 गण्डरि (सी) १५०, १५७ ।
 गण्डलवण १७३, १८१ ।
 गण्डशैल =मथूल्याशण ।
 गण्डाली २८८, ३५५ ।
 गण्डि ३१९, १६ ।
 गण्डिनी ३९४ ।
 गण्डीर २८५, ३२२, २९९, ४५३ ।
 गण्डपद =किञ्चुलक ।
 गण्डवदी=भेदी ।
 गण्डवा=जलादिना मुखपूरणम् ।
 गण्टोल (क) १६६, ३०५ ।
 गण्य १८६, ४८५ ।
 गण्या २४४, ८९ ।
 गत १२९, ३६५ ।
 गतकम ४२२, ४७ ।
 गतनम्. ३२, १११ ।
 गतनासिक =विग्र ।
 गतार्तश २३, २७ ।
 गद ५४, ३०२, ४४४, ३० ।
 गदयित्व ३९६, १५१ ।
 गदा १२४, ३२२ ।
 गदाग्रज ४५३, २२ ।
 गदान्तक ३८४, ८६ ।
 गदादम्बर १८१, ४३३ ।
 गद्यम्=पदसमूह ।
 गन्तु ९७, ७८ ।

- गन्त्री-शक्तिविशेष ।
 गन्दुक ६८, ४३३ ।
 गव ४३४, १५६ ।
 गन्वक १९६, ५६९ ।
 गन्वदला २९०, ३०० ।
 गन्वकाली ८२, १२८ ।
 गन्वकाष्ठ ६६, ३७४ ।
 गन्वकुटी-सुरा ।
 गन्वज्ञा ३७, १५३ ।
 गन्वदला १७३, ३६० ।
 गन्ववूलि ६२, २८३ ।
 गन्वधूमव ६५, ४०५ ।
 गन्वन २३९, ३८ ।
 गन्वनाकुली १७१, ३४९, १७२, ४२० ।
 गन्वनाटी ३७, १५५ ।
 गन्वनलिका ३७, १५३
 गन्वपत्र २६२, १२८, २६३, १३४,
 २८१, २८८, २८२, २२६ ।
 गन्वपत्रा १७३, २६०, ३०४, १९४ ।
 गवण्ण २८२, २९७ ।
 गन्वपाण १९६, ५६९ ।
 गन्वपुष्प २६४, १४१, २६९, १८८,
 २७१, २०८, २७३, २२५ ।
 गन्वपुष्पा ३०३, ४८२ ।
 गन्वपुष्पिका २७६, २५० ।
 गवपुष्पी २७८ २६७, ३०३, ४८२ ।
 गन्वफल २६२, १२९, २६३, १३४ ।
 गन्वफला १७४, १९५, २६३, १३८,
 ३०२, ४७९ ।
 गन्वफली २७६, २४५ ।
 गन्वसात् ३, १९ ।
 ग-वमादन १९६, ५६९, ३४२, १६ ।
 गन्वमादनी २११, ८८ ।
 गन्वमादिनो १७४, ३७३, ३११, ५५६ ।
 गन्वमार्जर ३२०, २१ ।
 गन्वसुखी-चुक्षुन्दरी ।
 गन्वमूल १७२, ३५६, १७३, ३६५ ।
 गन्वमूला (ली)-चूचूर ।
 गन्वमण्डजा ६२, ३८१ ।
- गन्वमैथुन १८१, ४३७ ।
 गन्वमोदिनी २७६, २४५ ।
 गन्वरस १७३, ३६४, १९६, ५७० ।
 गन्वरसा १७३, ३६१,
 गन्वराज ६१, ३७२, ६३, ३९२, ६६,
 ४१३, २७७, २५४ ।
 गन्वव ११०, ११०, ३३३, १३८, ३७२,
 ७८, ३७३, ३६, ३७४, ४० ।
 गन्ववहस्तर २८५, ३२५ ।
 गन्वववृं १७८, ४०५ ।
 गन्ववक १७७, ४०१ ।
 गन्ववल्लरी ३०३, ४८९ ।
 गन्ववह ३८०, ४ ।
 गन्ववहा ३७, १५३ ।
 गन्ववाह ३८०, ४ ।
 गन्ववक्ष २७९, १९० ।
 गन्ववेलिका ६२, ३८२ ।
 गन्वशाक १५२, १७५ ।
 गन्वशालि १३६, ३१ ।
 गन्वसार ६१, ३७१, १७३, ३६५,
 २७७, ४४ ।
 गन्वसोम ३७९, १३८ ।
 गन्वहस्तिन १०५, १५१ ।
 गन्वाळ ६१, ३७१, ६४, ३९३, २६२,
 १२४, २७९, २७५ ।
 गन्वाळा २७८, २६३, २८२, २९७,
 ३२४, ५९ ।
 गन्वाविका ३१३, ५६८ ।
 गन्वारी १७८, ४०५ ।
 गन्वाली ३३१, १२६ ।
 गन्वाल २९९ ४४६ ।
 गन्वाइस-गन्विक ।
 गन्वाहि ३५४, ९३ ।
 गन्विक=गन्वक ।
 गन्वनी-सुरा ।
 गन्वनील १९८ ५९२ ।
 गन्वोत्कठ २८०, २८४ ।
 गन्वोत्तमा २११, ८८ ।
 * गन्वोलि (ली) ३३१, १२६ ।

- गन्योली ३३८, १०६, ३८३, २९।
 गन्योधीप ३१८ २।
 गमस्ति (स्त्री) ४३६ १, ४३७, १८।
 गमस्तिमन् ४३६, ५।
 गमीर ३४६, २५।
 गम (न) १२५, ३८।
 गमावत्ता २६८, १०।
 गम्भारी २६७, २६८।
 गम्भीर २६२, १२७, ३४६, २५।
 गम्भीरवेदिन् १०५, १४५, १०६, १६०।
 गम्य २३१, १५८।
 गय ३७१, १५।
 गया ११, २६।
 गर ३६६, २१।
 गरम्म २८२, २९६।
 गरण २३६, १५।
 गरभ. २५, ४८, ३०, ११।
 गरल ३६६, २०।
 गरलवत ३२९, १०३।
 गरा. २९४, ४०९।
 गरागरी=देवताल।
 गराशति १९९, ५९८।
 गरिका २५६, ६६।
 गरिमन् ३९१, १०६।
 गरिष्ठ २३४, १८३।
 गरी २९४, ४०१।
 गरड ४५६, ४८, ४५४, ३२।
 गरुडवज =विष्णु।
 गरुडाघर ४३७, १३।
 गरुडोद्भीर्ज १९९, ५९८।
 गस्त् ३३९, ११९।
 गस्तमत् ३३७, ८६, ४५६, ४८।
 गर्गर ३५२, ७६।
 गर्गरी=कल्षी।
 गर्ज ४५०, १०५।
 गर्जद्रम्भ ३५६, ११२।
 गर्जर १४५, ११७।
 गर्जित १०६, १५९, ३९७, १६१।
 गर्जितासह ३१८, ७।
 गर्त् १०४, १३८, ३९८, १३२।
 गर्त्तकी १४, ५०।
 गर्त्ता ३६२, ९।
 गत्ताट ३२३, ५६।
 गर्भ १८५, ४७५।
 गर्दमवदी १७६, ३२१।
 गर्दमण्ड २६०, १०८।
 गर्दभी २९७, ११८, ३००, ८५९, ३३९,
 ११८।
 गर्द्धन २१८, ३१।
 गर्भ २५, १८, ३०, ९१।
 गर्भक ४८, २५३, ४०९, ३९।
 गर्भगृह १४, ७७।
 गर्भज ५९, ३५५।
 गर्भड ४२ १९०।
 गर्भद २७२ २१६।
 गर्भदात्री ३०६, ५१५।
 गर्भपातनी ३०५, ५ १।
 गर्भरक्षण ६९, ३।
 गर्भशादिन् २७०, १९६।
 गर्भस्थान ४२, २०९।
 गर्भगाम=वामगृहम्।
 गर्भीवान ६९, ०।
 गर्भीशय २९, ०६।
 गर्भिणी=गर्भेता।
 गर्भिण्यवेक्षण २७, ४८।
 गर्भोटिका २८९, ८६८।
 गर्भोपघातिनी १८३, ४५०।
 गर्भुत्=तृणवान्यविवेष
 गर्व ४३१, १३०।
 गर्वं ४३१, १२०।
 गर्वाट ९०, १३।
 गर्वित =हस्त।
 गर्हण ला) ४४८ ८०।
 गर्ह्य २२५, १०४।
 गर्ह्यव च २२२, ७४।
 गर्ह्यवादिन्=कद्वङ्।
 गल ३८, १६६, ११६, २०९, ३५२,
 ८१।

- गरकम्बल =सास्ना ।
 गलज. ५९, ३४८ ।
 गलन्तका १४४, १०२ ।
 गलमणि ३८, १६६ ।
 गलगुणिडका ३८, १६७ ।
 गलस्तनी १८९, १६८ ।
 गलि १८३, ५११ ।
 गलिन २३३, १०० ।
 गलोदेश ११२, २१८ ।
 गल्या=वहन्काशसमूह ।
 गल्ल ३७, १५६ ।
 गङ्गावाय ४४९, ९५ ।
 गंगक २१२, ९५ ।
 गवय ३२२, ४० ।
 गवल १८१, ४३८ ।
 गवाक्ष १५, ६० ।
 गवाक्षी २९४, ८०८ ।
 गवादनी २९६, ८९९ ।
 गविष्ट ३७१, ९८ ।
 गवी १८३, ८५२ ।
 गवेन. १८१, ४३६ ।
 गवी(व)श्र १८१, ४३५ ।
 गवेडु (धु)=मुन्यचविशेष ।
 गवेतुरु १९५, ५६५ ।
 गवेतुका ३०४, ४९९ ।
 गवेषण (णा) ८१, १११ ।
 गवेषित २३३, १७३ ।
 गव्य ७०, १७, १८४, ८८८ ।
 गव्या २०, १०३, ६३, १९०, ११८,
 २६२, १८१, ४४०, २४४, ५९ ।
 गव्यूत (ति) २०, १०२ ।
 गस्तिधातु २, १० ।
 गहन २३०, १४५, २४८, १ ।
 गहर ४५०, १०३ ।
 गहरा १७२, ३५० ।
 गहरी ३, १९, ३४२, १९ ।
 गाज. १२, ३१, ३४७, १६ ।
 गाज्जायनि १२, ३१ ।
 गाज्जेर १२, ३१, १९२, ५२५, ३५३,
 ९० ।
- गाज्जेया १७६, ३८७ ।
 गाज्जेस्की=नागवला ।
 गाजि (ज्व) ९३, ८८ ।
 गाजीजाय ३३४, १५५ ।
 गाढ २२७, ११९, ३८१, १८ ।
 गाटमुष्टि १२०, २८४ ।
 गाढवर्चस ३७७, १२० ।
 गाणिक्य २५, ५० ।
 गाणिड (णड) व ९३, ४४, ११७, २६१ ।
 गाण्डीन् ९३, ४३ ।
 गातु ३, २०, ३७४, ४० ।
 गात्र ३४, १३०, १०७, १६८ ।
 गात्रानुलेपनी ६४, ३९७ ।
 गाय ८१, ११३ ।
 गाया ४४१, २५ ।
 गाथिज ४०३, २१८ ।
 गाविपुर १०, १६ ।
 गावेय, ८३, १३१ ।
 गान ४२१, ४१ ।
 गान्दिना ३४७, ३५ ।
 गान्धर्व ३७४, ४०, ४२१, ४१ ।
 गान्धार ९२, ३५, ४१७, १ ।
 गान्धारी ३३१, १८३ ।
 गान्धारेय ९२, ३४ ।
 गायत्र २९६, ४२७ ।
 गायत्री ७१, २४, ७८, ८९, २८३,
 ३०६ ।
 गारुड १३५, २५, १९२, ५३३ ।
 गारुडिक ३६६, २९ ।
 गारुटमत १९९, १९८ ।
 गार्भिणम्=गर्भिणी गण ।
 गार्भिण्य २५, ५० ।
 गाहपत्य ७७, ८० ।
 गालबद्यज १५२, १७९ ।
 गालव=लोध्र ।
 गालि (ली) २३८, ३१, ४४८, ८३ ।
 गालोच्छ ३५९, १४५ ।
 गाहिर ४४, २१८ ।
 गिटि १६६, ३०५ ।

| | | |
|-------------------------|--|--|
| गिर् | ४४१, २८। | गुग्गुल (ल) =गुग्गुचूल । |
| गिरण | १६६, ३०५। | गुग्गुल थ २८४, ३१८। |
| गिग | ४३३, ९५०, ४४१, २८। | गुग्गुल ६३, ११२। |
| गिरि | ६८, ४३३, १६६, ३०५, २३९, ४५, ३४०, १। | गुड (झ) ४११, ८६। |
| गिरिकृष्णक | ३८४, ८। | गुच्छ ४९, ०६०, १४६, ८९, २५२, ३१। |
| गिरिजनिका | २७२, २१८। | गुच्छक २५२, ३१, ४४३, ५०। |
| गिरिकर्ण=विष्णुकान्ता । | | गुच्छकरज २६९, ९८६। |
| गिरिका | ३२४, ५८। | गुच्छदनिति २७६, ६१। |
| गिरिगुड. | ६८, ४३३। | गुच्छपत्र २७०, १९६। |
| गिरिज | १६६, ५६८। | गुच्छपुष्प २६९, ९८६। |
| गिरिजा | २८६, ३३१, ४०६, ५। | गुच्छपुरा १७५, ३७९। |
| गिरिजामलम्=अभ्रकम् । | | गुच्छपुरी ३०७, ५१६। |
| गिरिण (न) द्व | ३४३, २५। | गुच्छफग १४९, १५१, २५५, ६१, ३०५, ५०४। |
| गिरिनिम्ब. | २६६, ११७। | गुच्छल २८९, ३५८। |
| गिरिपीछ | २५९, ९७। | गुच्छाफल २६४, १३९। |
| गिरिपेढ़ | २९०, ०७३। | गुच्छार्व=चतुर्विशतियष्टिको हार । |
| गिरिप्रिया | ३२०, २४। | गुच्छी २६९, १८६। |
| गिरिमलिका | २६८, १७६, २७७, २५७। | गुच्छमूलिका २९०, ३७। |
| गिरियक | ६८, ४३३। | गुज़का २९७, ८३८। |
| गिरिराज् | ३४१, ५। | गुज़ा १४, ५४, १९०, ५१५, २५७, १३३। |
| गिरिश | ३७२ २३, ३८८, १०, ३९०, ९८। | गुड ४२, ११९, ६८ ८२३, १५६, २१३, १५७, २१९, १६६, ३०५, ३०८, ५२६। |
| गिरिशा | ३३५ १६३। | गुडनुड ३१४, ५८। |
| गिरिशाविका | ३३५, १६३। | गुडपर्ट १६४, २८। |
| गिरिसंबद्ध | ३४३, २५। | गुडपुष्प २५८, ९०। |
| गिरीश=शिव । | | गुडफल २५७, ८। |
| गिलित | २३४, १८२। | गुडवीज १३९, ५८। |
| गीत | ४२१, ४१। | गुडसभवा १५६, २१८। |
| गीतगुण. | ४२१, ४३। | गुडा २८५, ३२३। |
| गीतदृष्टा | ४२२, ४८। | गुडकेश २८, ७७, ९३, ४२, ३८९, ८५। |
| गीति. | ४२१, ४१। | गुडाशय २५७, ८०। |
| गीथ. | ४०२, २०५। | गुडी=सीहुण्ड । |
| गीर्ण. | २३४, १८१। | गुड (झ) ची २११, ३७५। |
| गीर्णि (जी) | १६६, ३०५, २३९, ८५। | गुडेरक १६६, ३०५। |
| गीर्लता. | २९५, ११७। | |
| गीर्वाण | ३७०, ४। | |
| गीपति | ४०२, २०५। | |
| गुङ्कण | ३३६, १२२। | |

| | | |
|---------------------------------|---|---|
| गुण | ५७, ८० ११८, २६३, १४३, ९६, १८७, ४९३, २०८, ५८, ३५०, ६४। | गुप्तिकलि २४७, १११। गुप्तिम्=प्रत्येतम्। |
| गुणाक | ९३, ३९। | गुप्त २३७, २२। |
| गुणन | ७४, ५८। | गुप्तिम्=प्रत्येतम्। |
| गुणनिका | ११८, २६३। | गुण २३९ ४५। |
| गुणलयनिया | ५३, ३०२। | गुरु ७३, ४, ९५, ५८, २३४, १०५, ३८८, ८२, ४०२, २०३। |
| गुणलोचन | ३३८, १३१। | गुरुकण्ठ ३२९, १०३। |
| गुणवती | ८३, १३७। | गुरुकुल्वासिन ७०, १३। |
| गुणवृक्ष | ३५०, ६३। | गुरुदबत्य ४००, १८८। |
| गुणा | ११८, २६४। | गुरुपत्र १९३, ५४६। |
| गुणाकर | ३६८, २। | गुरुवासन १७०, १३८। |
| गुणाळ | ८४, ९१, १७२, ३५२, २६९, १८८। | गुरुहन ८६, १६२। |
| गुणाधिग्रान | ४१, १९१। | गुरुहुका ३३५, १५९। |
| गुणित | २२७, १२०। | गुरुविणी २५, ४५। |
| गुणोत्कर्ष | २६३, १६। | गुला २८५, ३२३। |
| गुणित | २३०, १५१। | गुलुच्छ २५२, ३१। |
| गुण्ड | २९०, ३६९। | गुफ ४४, २१६। |
| गुण्डकन्द | २९०, ३६९। | गुर्म ५७, ३३२, ११६, २५१, २५०, १९। |
| गुण्डा | २८७, ३४३। | गुरुमकेतु १५६, २०७। |
| गुण्डाला | २९०, ३७१। | गुरुमूल १५३, १८५। |
| गुण्डामिनी | २९०, ३७१। | गुरुमिनी ११६, २४८, २५०, २०। |
| गुणित =गुणित । | | गुल्य १६७, ३१२। |
| गुत्स=द्वात्रिशाद्यष्टिको दार । | | गुवाक =पूर्ववक्ष । |
| गुत्सार्थ =गुच्छार्थ । | | गुह ३९६, १४२। |
| गुद | ४४, २१३। | गुहप्रिया ३८३, ३१। |
| गुदाङ्कुर | ५५, ३१२। | गुहहत ३४२, ११। |
| गुन्दल | ४५०, १०७। | गुहा २०९, ४५२, ३४२, १९। |
| गुन्द्र | =सर । | गुहागर १६२, ३३२। |
| गुन्द्रा | १७५, ३८६। | गुहागरी १७०, ३३४। |
| गुप्त | २३०, १५१, २३३, १७३। | गुहागय ३१८, ९। |
| गुप्तेकलि | २४७, १११। | गुहा ४३, २०५, ४३, २१०, ३२७, ८९, ३८८, ८१। |
| गुप्तगृह | १५, ५८। | गुह्यक १६२, २७३, ३७२, २४, ३७४, ४४, ३८८, ७७। |
| गुप्तमणि | २४७, १११। | गुह्येकश्वर ३८७, ७०। |
| गुप्तवाद | =मन्त्र । | भृहगुरु ३१०, १००। |
| गुप्तवेद | २६९, १८७। | गुह्यपत्रक २५९, ९९। |
| गुप्ता | २९३, ३९८। | |
| गुप्ति=भूविवरं रक्षण च । | | |

गुहावीज २८९, ३५२ ।
 गूढ २३०, १५१ ।
 गूढपत्र २६९, १८७, २८४, ३२० ।
 गूढपाठ ३६४, ६ ।
 गृहगाद ३६४, ३ ।
 गृहधुर्ष =चार ।
 गृहुपतक २७६, २४७ ।
 गृहमल्लिका २६९, १८७ ।
 गृहमार्ग १९, ९३ ।
 गृहमैथुन ३२८, ९८ ।
 गृहा ४१८, १० ।
 गृह २३२, १६१ ।
 गृय ४७, २४८ ।
 गून २३२, १६१ ।
 गूण २३६, १५ ।
 ग्राम =प्रग ।
 गृजन १४५, ११५, १४७, १२९ ।
 गृजनक १२३, २०७ ।
 गृध्र =गर्वन ।
 गृध्रु २१८, ३६ ।
 गृध्रता ४३१, १३० ।
 गृव ३२७, ८५ ।
 गृवपत्रका ३१०, ५४५ ।
 गृभसी=वातरोगभेद ।
 गृष्ट १४४, ४५९, २६७, १६९ ।
 गृह १२, ३७ ।
 गृहकन्या ३१०, ५८८ ।
 गृहकपोत ३३२, १३३ ।
 गृहगोवा ३२९, ६७ ।
 गृहगोविका ३२५, ६६ ।
 गृहगोलिका=पल्ली ।
 गृहदुम २७२, २११ ।
 गृहनाशन ३३२, १३४ ।
 गृहपति ९६, ६७ ।
 गृहपोतक १७, ५९ ।
 गृहभद्रक १४, ५१ ।
 गृहमणि ६७, ४२७ ।
 गृहमेविन ७३, ४० ।
 गृहमोनिका ३२९, १०२ ।

गृहसंसुख ७०, १४ ।
 गृहस्थित ७३, ४० ।
 गृहस्थापन=गोहस्तम ।
 गृहाक्ष १९, ६१ ।
 गृहागत ८१, ११३ ।
 गृहानितिका ३२५, ६७ ।
 गृहाम्ल १५५, २०१ ।
 गृहराम २४८, ४ ।
 गृहावग्रहणी=देहली ।
 गृहाश्रमिन् ७३, ४० ।
 गृहिन् ७०, १२ ।
 गृहीतदिव् । १२९, ३६६ ।
 गृहशर २१८, ४० ।
 गृहोली ३२५, ६७ ।
 गृद्य २१९, ४५ ।
 गृह्यक २१७, २५, ३४०, २०८ ।
 गण्डक =सन्दुक ।
 गन्दुक =कन्दुक ।
 गेय ४२१, ४१ ।
 गेयप्रिय २७७, २५५ ।
 गेह १२, ३५ ।
 गेही ३२५, ७३ ।
 गेहेनदिन् २१८, ८० ।
 गैरिक १९२, ५३०, १९५, ७६४, ३४३,
 २५ ।
 गैरेयम्=शिलाजतु ।
 गो २, १८, ३६, १४६, १८१, ४३७
 १८३, ५२६, ३२०, २२, ३४४, ७,
 ४४५, १३, ३४४, ३८, ४३६, २,
 ४३८, १९, ४४०, १३, ४४१, २४,
 गोकण्ठ (क) ३००, ४६२ ।
 गोकर्ण ४०, १८२ ।
 गोकर्णी २९१, ३७९ ।
 गोकराटिका ३३३, १४३ ।
 गोकुलम्=गोव्रज ।
 गोकुलेश ४५३, २३ ।
 गोकुलोद्धवा ३१४, १३६ ।
 गोक्षुर (क) २६२, १२३, ३००, ८६१ ।
 गोक्षेड ३२५, १६३ ।

- | | |
|---|---------------------------------------|
| गोन्हन ३०७, १६०। | गोपमदा २६७, १६८। |
| गोचर ४३४, १५६। | गोपरम =गन्वरम । |
| गोजापर्णी ३१३, ५६९। | गोपवल्किका २९१, ३८०। |
| गोजारि ६०, ५८। | गोयानसी १६, ७४। |
| गाजिरु २०३ १६। | गोपायित २३३, १७३। |
| गाजिहा ३०३, ८०२। | गोपाल १८०, ८२९, ३९०, ९७, ३९२, ११२। |
| गाडम्बा=गवाली। | गोपालकंकटी २९७, ४१०। |
| गोणी ५१, २७६। | गोपालिका ३३९, १९३। |
| गोण्ठ=तामि । | गोपाले ४३०, ११७। |
| गातम ३६८, २५, ४०३, २१४। | गोपी=मारिवा । |
| गोत्र ६९, ४, ३३०, १ ४४६, ६७। | गोपुच्छ ४९, २६२। |
| गोत्रकारक ६८, १। | गोपुट २९०, २७२। |
| गोत्रभिद्द=इन्त । | गोपुटिक १६, ६९। |
| गोत्रा २, १६, १८१, ४४०। | गोपुर १७, ७७। |
| गादम्=पस्तिरम् । | गोपुरा १७२, ३५८। |
| गोदक ४१, २२३। | गोपुरग ६६ ४१७। |
| गोदा ३४८, ३२। | गोप्यक=दास । |
| गोदारणम्=हन्तम् | गोप्रेरक ३३४, १४८। |
| गादावरी ३४८, ०९। | गोपण १२४, ३२३। |
| गाटुद् (ह) १८०, ८२०। | गोभृत १८१, ४३८। |
| गोदाह=गोप । | गोमत् १८१, ४३५। |
| गोवन १८१, ४३८, ३५७, १०२। | गोमती ३४८, ३९। |
| गोवा ११८, २६४, ३१०, ५४६, ३२२, ४२, ३२४, ६०। | गोमय १८४, ८६२। |
| गोवापर्णी ३१३, ५३८। | गोमायु ३१९, १३। |
| ग.वागती ३१०, ५८६। | गोमिन् १८१, ४३५। |
| गोवास्तव २८४, ३१६। | गोमुख २०७, ५९, २३८, ३०। |
| गोवि ३६, १४०। | गामूत्रिका २८९, ३६९। |
| गोविष्ण ३२४, ६०। | गोमुनेन्द्र ३२२, ४०। |
| गोवूम १३७, ४३। | गोमेह १९९, ६०७, ३५३, ८३। |
| गोनर्व २१०, ३७३, ३३१, १२०। | गोरक्ष ३०९, ५३६। |
| गोनर्वी ८३, १३८। | गोरक्षतुम्बी १४८, १२९। |
| गोन (ना) म २००, ६०५, ३६५, १४। | गोरक्षदुग्धा ३१४, ५८३। |
| गोनर्वी ३१६, ५९२। | गोरक्षी १४८, १३९, ३१३, ५६७। |
| गोप ९०, १३, १८०, ८२९। | गोङ्गी १७२, ३५७। |
| गोपधण्ट २७३, २२२। | गोट २८३, ३०९। |
| गोपति १८१, ४२९, ३०९, ५२६, ३८९, ८३। | गोरस १५८, १३३। |
| गोपन १७७, ८०१। | गौराटी ३३३, १४३। |
| गोपुत्र ३३५, १६२। | |

| | | | |
|------------------------------|--------------------------|--------------------------|---------------------------|
| गोस्त | १९, १०२। | गौतम | ४५, २२९, ६८, १, ८३, १२३, |
| गोरोचना | ६३, ३७। | | ९५, ५७, ४०३, २१४। |
| गोर्दम्=मस्तिष्ठम्। | | गौतमी | ६३, ३९०, ३४८, ४०, ३९३, |
| गोल | २९, ८५। | | १२५। |
| गोलक | १६३, २७६। | गौवार | ३२४, ६२। |
| गोला | ३४८, ८०, ३९३, १२३। | गौघेश =गोवायिण्य। | |
| गोल्फ़ूल | ३२३, ४८। | गौधेर | ३२४, ६२। |
| गोल्फ़मन | ११९, २७६। | गौर | ६२, ३७९, ९५, ५५, १३४, २०, |
| गालिक | २६४, १५३। | | १४०, ७३, १६२, १७५, १९५, |
| ग लिङ्ग | २८५, ३०९। | | ५६; ३६४, ८, ३९८, १६७ |
| गोलीड =शाखल। | | | ४१४, ७३, ४३५, १६९। |
| गोलेमी | १७२, ३५८, २८८, २५२, ३१७, | गौख | ५८, ३४५, २८४, ३१८। |
| | ६०३। | गौखली | ६४, ३९९। |
| गोले मीजा | ३१३, ५६८। | गौरा | २८८, ३५३, ३९३, १२३। |
| गोवत्सा | ३३६, १६७। | गौरी | २२, १७, ६३, ३९१, ६४, ३९९, |
| गोविद् | ९४, ४१। | | १५५, २०९, १७४, ३६९, २५५, |
| गाविन्द | १८०, ४३३, ४०२, २०४, | | ६३, २७७, ३५६, ३८७, ७०, |
| | ४५३, २३। | | ३९३, १२२। |
| गोविन्दनी | ६४, २९९। | गौरीज | १९७, ५८५। |
| गोवृप | १८१, ४२६। | गौरीपुष्प | २७३, २२४। |
| गोआल | १३, ४८। | गौरीललित | १९६, ५६८। |
| गोशीषि | ६१, २७०, ६३, ३८७। | गौरोवराढक | १०२, १२४। |
| गोशङ्ग | २८३, ३१४। | गौरीसुत | ३९५, १४३। |
| गोष्ठ | ८ ३८। | गौल्या | २१०, ३७०। |
| गोष्ठचरा | ३२७, ८९। | गौल्य | १६६, ३३२। |
| गोष्ठपति=गोष्ठा यक्ष। | | गौष्ठीन | ८, ३८। |
| गोष्ठश्व | २२५, ९७। | ग्ना | २, १७। |
| गोष्ठी | ७६, ७०। | ग्रथन | २३७, २२। |
| गोष्ठदम्=गोष्ठु खुरप्रमाण च। | | ग्रन्थ | ४४४, ४७। |
| गोसस्य | १८०, ४२२। | ग्रायकुटी | १४, ५६। |
| गोसर्गी | ४०७, १६। | ग्रन्थन | ४८, २५४, २३७, २२। |
| गोसहस्र | ८०, १०२। | ग्रन्थ्य | ३१, १७५। |
| गोस्तन | ४९, २६२। | ग्रन्थिक | ५४, ३०९, ९४, ४५, १७१, |
| गोस्तना=द्राक्षा। | | | ३४६। |
| गोस्तनी | २५९, ९४। | ग्रन्थितम्=गुम्फितम्। | |
| गोस्थानक | ८ ३८। | ग्रन्थिदूर्वा॑ | २८८, ३५४। |
| गोस्थायिनी | ४२६, ८७। | ग्रन्थिवारा | २८६, ३३२। |
| गौडवङ्गाल | १०६, १५४। | ग्रन्थिनिका | ३०९, ५३९। |
| गौडी | २१२, ९०। | ग्रन्थिपर्गम्=आपविविशेष। | |

| | | | |
|---------------|--|-----------------------|---------------------------------|
| ग्रन्थिपर्णा | १७२, ४२९। | ग्रामसूक्त | ३२०, २८। |
| ग्रन्थपर्णिका | २८९, २५६। | ग्रामान्त-उपगलयम्। | |
| ग्रन्थिफल | १७८, ८९, २६२, १२९। | ग्रामण | २२०, ५, ३२०, २८। |
| ग्रन्थिमूल | १४५, ११६। | ग्रामण=जीली। | |
| ग्रन्थिमूलिका | २८८, ३५८। | ग्रामेयक | २२०, ५२। |
| ग्रन्थिल | ५९, ३५८, १७१, ३४७, १७८, ११०, २७३, २२१, ३११, ५६८। | ग्राम्य | २२०, ५२, ३४७, ७२। |
| ग्रन्थिला | १७१, ३८५, २८८, ३५५, २८९, ३५६। | ग्राम्यस्वेशानकी | १४८, १८५। |
| ग्रन्थिवली | २९८, ४४०। | ग्राम्य गर्म=मैतुनम्। | |
| ग्रन्थिहर | ८९, ८। | ग्राम्यगुलमा | १५१, १७३। |
| ग्रन्थि | २३४, १६९, ४४७, ७५। | ग्राम्याश्च | १८९, १७५। |
| ग्रह | १८७, ८९४, २३९, ४०, २४०, ८९, ३७०, ५१, ४०४ २२३। | ग्रावन | ३४३, २८। |
| ग्रहकद्रोल | ४०३, २१०। | ग्राम | १६६, ३०५। |
| ग्रहण | ४०४, २२३ ४३३, ११०। | ग्राह | १२२, ३०५, १३१, ३८५, २३९, ४०। |
| ग्रहणी | ५४, ११। | ग्राहक | ३०१, ८६९। |
| ग्रहनेसि | ३९८, १६८, ४०४, २१०। | ग्राहिन्=कपित्य। | |
| ग्रहपति | ४३७, १०, ३९८, १७०। | ग्राहिन्ल | २६२, १२९। |
| ग्रहय छु | २२०, ५९। | ग्राह्य | ९८, ८१। |
| ग्रहागम | ५६, ३२६। | ग्राह्या | ११८, २६६। |
| ग्रहावार | ४०३, २१६। | ग्रीवा | ३८, १६३। |
| ग्रहीतृ | १३३, ५, २२०, ५९। | ग्रीष्म | ४१३, ६९। |
| ग्राम | ९७, ४१७, ४। | ग्रीष्म | २७८, २५६। |
| ग्रामक | ३९२, ११४। | ग्रीष्महास | २८२, ३०९। |
| ग्रामकूट | २०२, १। | ग्रैवेयक | ४९, २५८। |
| ग्रामगृहक | २०४, १। | ग्लपन | २४०, ४९। |
| ग्रामचर | २२०, ५२। | ग्लस्तम=मुक्तम्। | |
| ग्रामटिका | १० १। | ग्लह=ङण। | |
| ग्रामणी | २०४, २१, ३९२, ११२। | ग्ला | ५६, ३२२। |
| ग्रामव्य | २२०, ५६। | ग्लानि | ५४, ३०४, ५६, ३२२, २३७, २१। |
| ग्रामतक्ष | २०४, २०। | ग्लापन | २४०, ४९। |
| ग्रमता | २४४, ८८। | ग्लात्नु | ६०, ३५८। |
| ग्रामपविका | १४५, १५०। | ग्लुच्छक | २५२, ३१। |
| ग्रामसुख | ९, ६। | ग्ली | ३९८, १७। |
| ग्रामसृग | २०६, ४१। | घ | |
| ग्रामसदिग्ध | ४२२, ४७। | घट | ९, ६, १४४, १०२। |
| ग्रामसीमा | ९, ७। | घटमात्र | ४१ १८९। |

| | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| घटना १०७, १६ । | घर्वर ३२८, ९९, ३४९, ५४, ४२७, |
| घटप्रचल १३६, ३४ । | ९४ । |
| घटा १०७, १६७ । | घर्वरी ५०, २६९ । |
| घटिका ४०७, २१ । | घस ४७, २४६, ४२९, १०९ । |
| घटी ४४०, १६, ४०६, ६, ४०७, २१ । | घर्मासि ७९, ९७ । |
| घटीमालक ४०९, ३३ । | घर्पिणी २३, ३८ । |
| घट्टयत्र २०८, ७६, ३५८, १३१ । | घस ४७, २२६ । |
| घटोड्हर ४०४, २०८ । | घसि १६६, ३०२ । |
| घड ३१०, ५६ । | घस्त १६७, ३०७ । |
| घड्गा ३४९, ५२ । | घस्तर २१७, ३२ । |
| घण्टार्योर्जी । | घस्त्र ३८८, ८०, ४०५, २ । |
| घण्टकर्ण ३९२, १२ । | घाप्र ३५६, ९९९ । |
| घण्टप्रय १९, १०० । | घाघर ३५७, १०२ । |
| घटाप्रदल =गोलीढ । | घटा ३८, १६१, ३०८, ११२ । |
| घटारवाशणपुष्पिका । | घाण्टक १२५, ३२८, १२५, ३३१ । |
| घण्टशब्द १९४, ७०२ । | घान १०८, १७५, १३१, ३७८, २३६, |
| घण्टिक १२५, ३२५ । | १२ । |
| घण्टिका ३८, ९६२ । | घानकुम १०७, १६७ । |
| घण्टिकार्य =वन्दिप्रिय । | घातुर २२१, ६२, २२४, ८० । |
| घन ३४, १२९, १२४, ३१८, १५६, | घाम =यग्नम् । |
| २२७ २२७, १२२, ३१६, १५०, | घान्छटिन् १३३, १० । |
| ४२३, ७७ । | घामि ३७६, १ । |
| घनगोलक १९२, ५८० । | घुट ४४, २१७ । |
| घनजीवन १९३, ५८७ । | घुटिक =गुलफ । |
| घनपुष्प ३४५, ११ । | घुण =कृष्णमि । |
| घनरस ३४५ १३ । | घुण्टक ४४, २१३ । |
| घनवली २९८, ८४५ । | घुरिका ४४९, ९६ । |
| घनवाच ३२८, ९८ । | घुरुरी ३५७, १२२ । |
| घनसार ६३, ३८६ । | घुसृण ६२, ३७८ । |
| घनसिक्षा १६०, २८९ । | घूक ३२८, ९९ । |
| घनस्मन्व. २५४, ८९ । | घृणित २२१, ६६ । |
| घनस्वन ३११, ५५८ । | घृणा २४३, ७५, ४२८, १०५ । |
| घ । १५८, २२६, १७६, ३८७, २९२, | घृणाचित्रवर्ण १४८, १४३ । |
| ३८६ । | घृणे ४३६, ४, ४३७, १६, ४०५, २ । |
| घनाघन ३८२, २१, ३१६, १७३ । | घृणीया २४३, ७५ । |
| घनात्यय ४१३, ६९ । | घृत १५७, २२२, ३४४, ८ । |
| घनारव ३३३, १८ । | घृतमरुक २६९, १८३ । |
| घनेश्वरी २९५, १११ । | घृतपर्ण २६९, १८३ । |
| घनोत्तर ३५, १४० । | घृतमङ्गी ३२६, ७७ । |

| | | | |
|------------------|-------------------------|-------------------------|--------------------------|
| घृतवर्त्यो | ३, ०६। | चक्र | १०४, १३५, ११८, २४९, १२४, |
| घृताची | ३७२, १०। | | ३१७, ३३०, ११९, ३४५, १९। |
| घृतावनि | ७७, ७६। | चक्रकारकम्=व्याघ्रनखम्। | |
| घृतण्डी | ३२६, ७६। | चक्रखण्ड | ३७४, ४३। |
| घृष्णि | ३२०, २६। | चक्रगज | ३०८, ५३। |
| घोट | ३७, १००, ११०, १८९। | चक्रजीव | २०३, १३। |
| घोटक | =अब्ब। | चक्रनलाश्र | २५४, ५। |
| घोटपुत्र | १३६, २४। | चक्रन द्व | ६७, ४२०। |
| घोटा | २८५, ३२९। | चक्रनामन् | ३०८, ५२। |
| घोटा | २८७, ३२९। | चक्रनायरु | ६६, ४१९। |
| घोगम | ३६९, ११। | चक्रपाणि | =विषु। |
| घ.जा | ३७, १५०। | चक्रमेदिनी | ४०९, ३५। |
| घोणिन् | ३२०, २७। | चक्रमदि (क) | ३०८, ५३। |
| घोण्टा | १६६, १३२। | चक्रयानम्=स्थ। | |
| घोर | ६२, ३८१, ४१६, ९९, ४२८, | चक्रा=सुस्ताविशेष। | |
| | १००। | चक्रतिन् | ८९, ६, १५१, १६९। |
| घोरदर्गन | ३१९, १०, ३२८, ९९। | चक्रतिनी | १७४, ३७५, २९८, ४२८। |
| घोरमुष्य | १९४, ५५। | चक्राक | ३३०, ११९। |
| घारवाशन | ३१९, १३। | चक्राड | ३७५, ५६, ३७८, १२। |
| घोरवार्जनी | ३१९, १५। | चक्राल | ३४२, १७, ३७५, ५६। |
| घोर | २९४, ८०१, ४०९, ३५। | चक्राङ्ग (ङ्ग). | १०३, १२८, ३३१, १२१। |
| घोरिका | ४४७, ७६। | चक्राङ्गा | १७६, ३८८। |
| घोल | १७८, २३३। | चक्राङ्गी (ङ्गी) | १७७, ३८२, १७६, ३९३, |
| घोली | १७१, १७३। | | ३३१, १२६। |
| घोप | ९, ९, ७४, ५८, १६४, ५५०, | चक्रिक | =वान्दिविशेष। |
| | ४५०, १०१, ४४१, २५। | चक्रिन् | ६७, ४२०, २७१, २०८, ३६३, |
| घोपक | =घोपदी। | | ५, ३६५, १३, ३६९, ८, ४५१, |
| घोपणा | ४४७, ७९। | | ५। |
| घापथिलु | ३३२, १३७। | चक्रीवन् | १८५, ४७४। |
| घ.पवती | ४२३, ५१। | चक्रौष्ठिका | ४२७, ९५। |
| घोषा | १७६, ३१३। | चक्षण | २१२, ९३, २२४, ९६। |
| ग्रम | ४०५, २। | चक्षस् | ४०२, २०४। |
| ग्राण. | ३७, १५३। | चक्षु कर्ण | ३६३, २। |
| ग्राणतर्पण. | २५२, १९। | चक्षु श्रवस्=सर्प। | |
| ग्राणदुर्गन्धि | ३२, ११९। | चक्षुस | ३६, १४५, ३४८, ४२, ४३४, |
| ग्रातम्=ग्राणम्। | | | १५७। |
| | च. | चक्षुष्य | १९६, ५७३, २२५, ९७। |
| चकित (ल) | १२९, ३६७। | चक्षुञ्चा | १९६, ५७४। |
| चकोर (क) | ३३३, १४४। | चंचरीक | ३३७, १७१। |

| | | | |
|-----------------------|---|---------------|---|
| चञ्चल | ५२, ८८, २२८, १३३, ३२६, ७९, ३८०, ३। | चण्डिक | २९, ७९। |
| चञ्चला | ३४७, ३० ३९६, १५४, ४५७, ५२। | चण्डिल | २८, ७८, ३२, १०५, २०४, ३१। |
| चञ्चिका | ५८, ३८१। | चण्डो | २९३, ३९९, ३९१, १५। |
| चञ्चु (च्च) | २८५, २२७, ३०६, ५०८, ३३९, १९८। | चुंपत्री | ३१०, ५८७। |
| चञ्चुपत्र | ३०६, ५०९। | चुंपला | ३०४, ४९१। |
| चञ्चुर | ३०६, ५०९। | चतु शाल | १३, ८५। |
| चञ्चुरी | २१३, १०६। | चतुर | ११७, २४०, २०५, ३८, २१४, ४, ३२१, ३७, ३७४, ४६। |
| चञ्चुल | ३२६, ७९। | चतुरङ्ग | २१४, १००। |
| चटक | ३३४, १५३। | चतुरहुल | २६७, १७३। |
| चटका | ३३४, १५४। | चतुरात्मन | ४३९, १। |
| चटकाशिरस्=पिपलीमूलम्। | | चतुर्दीप्ति | ३२२, ३९। |
| चतुष्प्रतिनी | ३३५, १२१। | चतुर्दन्त | ३८३, ८६। |
| चटहा | ३३५, १६१। | चतुर्दशमसु | ४४१, २०। |
| चटि | ३२५, ७४। | चतुर्दशेन्द्र | ४४१, २०। |
| चटिका | ३३६, १६६। | चतुर्मद | ८८, १७९। |
| चटिकाशिरस् | १७१, ३४६। | चतुर्मुज | २, १, ४५६, २। |
| चड | २३८, ३७, ४४७, ७२। | चतुर्युगी | ४४०, १८, ४१४, ८९। |
| चडुल | २२८, १३३। | चतुर्वर्ग | ८८, ७८। |
| चण (क) | १३८, ५६। | चहुहृष्ट | १०, ६२। |
| चणाकात्मज | ८३, १३८। | चहुद्युयणी | १८३, ४५८। |
| चणवदरी | २६१, ११६। | चतुर्क | १९, ९७, ७७, ७५। |
| चण्ड | २६, ७९, २२१, ६३, ३८५, ५२, ३९१, १०९, ३९६, १४६। | चहुकिका | ७७, ७५। |
| चण्डका | ३१३, १२३। | चतुर्मय | १९, ९७। |
| चण्डा | १७६, ३९३, २८८, ३५२, २९३, ३९२, २९४, ४०५, ३१४, ५८०, ३९३, १२३, ४१८, ८। | चतुर्षत्र | ३०६, ५१०। |
| चण्डाशु=सूर्य। | | चतुर्पद =ाशु। | |
| चण्डाका | ३१३, १२३। | चत्वर | ७७, ७६। |
| चण्डात =करवीर। | | चन | ४५८, ३। |
| चण्डतक | ७२, २९१। | चन्दन | ६६, ३७१। |
| चण्डल | २०३, ९, २०५, ३४। | चन्द्र | ३८२, २२, ३९८, १६७, ४०२ २०१। |
| चण्डालकी=कण्डोलवीणा। | | चन्द्रिल | ३८९, ८४। |
| चण्डालिका=कण्डोलवीणा। | | चन्द्र | ६३, ३८६, १८७, ४३३, १९१, ५३१, ३९८, १७१। |
| चण्डाली | २१३, ११३। | चन्द्रक | १५३, १०८। |
| चण्डि | ३१३, १२४। | चन्द्रिन् | ३२९, १०३। |
| | | चन्द्रगिरि | ३४२, १३। |

| | | |
|---------------------|--|--|
| चन्द्रजनक | ३४४, १। | चमरिक =सोविदार । |
| चन्द्रदग्ध | ४००, १८९। | चमरी २९८, ८८०, ३२०, २४, ३३३, १६०। |
| चन्द्रपुत्र | ४०२, २०। | चमस =चात्रभद्र । |
| चन्द्रमाणा | ३४८, ६३। | चमणी १६२, २६१। |
| चन्द्रमधी | ३४८, ६३। | चमू (सु) ११६, २६८, २४९, २५१। |
| चन्द्रमन् | २९६, १२६, ३९८, १६०। | चमूर ३२२, १। |
| चन्द्रमार्ग | ३, २। | चम्पक २७६, २४८। |
| चन्द्ररस्त | १९८, ५९। | चम्पकगाढ़ ३५४, १३। |
| चन्द्रगरा | ३०२ ८७३। | चम्पकमा ३५७, ६३। |
| चन्द्रगु | २०७, ५०। | चमा ११, २७। |
| चन्द्रगती | २७८, २६६। | चम्पाविपति ९३, ३६। |
| चन्द्रगिह्नम | ३३०, ११। | चम्पालु २५३, ६०। |
| चन्द्रशाला | १४, ५३, १५, ६३। | चम्पू ४४५, ७७। |
| चन्द्रशालिका | १५, ६३। | चय (न) २३७, २५। |
| चन्द्रशेखर | ३८८, ८। | च (चा) र १६, ६। १०१, ११८, २२८, १३२। |
| चन्द्रमद =कर्पूरम । | | |
| चन्द्रमचित्र | ४५०, १। | चरक ३०२, ५३३, ४४३, ३९। |
| चन्द्रहास | १२०, २८०, ३८७, ६७। | चरण ४४, १७, २५१, २३, ४४२, २७। |
| चन्द्रानना | ४१८, ३०। | चरणायुत ३३२, १३०। |
| चन्द्रारि | ४०२, २५०। | चरन २२८, १३३। |
| चन्द्रात्मा | ३०२, ८७५। | चरम २२९, १८। |
| चन्द्रिका | १७४, ११६, १६६, २५८, १७२, ३५५, २७७, २५७, २९८, ८४, ३००, ४५९, ३२९, १०६, ३४८, ८३, ३५३, ८५, ३९९, १७७। | चरमकमायन्त्र=अस्ताचल । |
| चन्द्रिकान्वित | २८, ७। | चराचर २२८, १३३। |
| चन्द्रिकाशन | ३३३, १५५। | चरित (त्र) ७३, ३५, ४३२, १३६। |
| चन्द्रादय | ५३, २०। | चरिणु २२८, १३२। |
| चरड | १३९, ६४, १९७, ५८३, २२८, १३३, ३८०, ३, ३८१, १६। | चरी २१, ८। |
| चपला | १७१, ३४२, ३९७, १५५। | चह ७८, ८८, १४४, १०२। |
| चपट | ४०, १८५। | चर्ची ४४८, ८६। |
| चमत्कार | ३०३, ८८। | चर्चा ६१, ३६७, ४३३, १४७ |
| चह त्कारपुर | ११, २। | चर्चिका ५७, ३३८, ३१५, १०। |
| चमन | ३०२, ४७। | चर्पिया १६२, २६०। |
| चमर | १०३, १२६, ३२०, २३। | चर्मकदा (पा)=सप्तला । |
| चमरपुन्छ | ३२३, ५२। | चर्मभार २०३, १५। |
| चमरि | २५१, २७। | चर्मशीव ३९२, ११६। |

| | | | |
|----------------------|--|----------------------|---------------------|
| चर्मदल | ५२, ८४२। | चाक्षुप | ४४६, २१। |
| चर्मन् | ४७, २००। | चाङ्गेर | १७२, १७१, ३१३, ५७०। |
| चर्मप्रभेदिका=आरा। | | चाटौर | ३३४ १५४। |
| चर्मप्रसंगक=मस्ता। | | चाड | २३८, २७। |
| चर्मप्रसारिका=मस्ता। | | चंगवयमृतक | १४५, ११४। |
| चर्मसुण्ड | ३९३, १००। | चाणूरमर्दन | ४५४, २०। |
| चर्मरदा | २२८, ८४३। | चाणडाल | १८१, ४२। |
| चर्मवेचिका | २०९, ६५। | चाणडालकन्द | १८१, ४२। |
| चर्मनसुद्धन | ४३, २०८। | चाणडालिका= णडालवीणा। | |
| चर्मास्मस् | ४३, २२३। | चानक | ३३३, १४५। |
| चर्मन् | ११६, २४०। | चार्द्वयी | ६९, ५। |
| चर्या | ८१, ०१७, ३९३, १२०। | चाद्र | ४१४, ७८। |
| चर्य (ट) द | १३४, १२। | चान्दभागा | ३४८, ०३। |
| चर्येण | ३७, १५८, १६६ ३०३। | चान्दभागो | ३४८, ४३। |
| चर्वित | २३४, १८१। | चाप | १६७, २०१। |
| चर्विणि (जो) | २०, २, २४, ३६। | चापल | २४०, ५०। |
| चठ | २२९, १३४, २७१, ०९, ३४६, २७, ३८०, ६। | चापल्य | २४०, ५०। |
| चलत्यणिमा | ३९४, ५२। | चासक | २८८, ३४७। |
| चळदल=पापल। | | चामर | ६८, ४२१, १०३, १२६। |
| चलत्यम्=कम्पम्। | | चामरा=चमरम्। | |
| चलनक | ५२ २९।। | चामिन् | ११०, १, १। |
| चलनी | ५२ ११।। | चामीकर | ११२, ५३२। |
| चलपत्र | २५९, १८। | चामुण्डा | ३९१, १०५, ३९९, १११। |
| चलचल | २२८, १२३, ३८८, १७। | चाम्पय | १७७, ४०३, ११२, ५३२। |
| चलितम्=कम्पितम्। | | चाम्प | २८८, १८७। |
| चलोद | ३४३, १४। | चार | ९६, ६५, २४०, ५३। |
| चवल | १३९, ६२। | चारटी | ३०३, ४८२, ३१३, ५६७। |
| चविक=चव्यम्। | | चारण | २०७, २७, ४२७, ७८। |
| चविता | १७१, ३४९। | चारतूल | १०३, १२६। |
| चयक | १७१, ३४८। | चारपय | १९, ९७। |
| चव्य=चव्यम्। | | चारवायु | ३८०, ८। |
| चपक | १४४, १०६, २११, ८६, २१२, ९७। | चारिटी | ३१२, ५६०। |
| चषाल | ७७, ७६। | चारित्र | ४१२, १३६। |
| चसफला | २६३, १३८। | चारु | २२५, ०००। |
| चाकचिकय | ३९७, १५७। | चास्केसरा | २७२, २७५। |
| चाकिक | १२५, ३३०, १४२, ८५, २०४, १८। | चासुच्छ | २५८, १३। |
| | | चासननु | ३२१, ४२। |
| | | चासनेत्र | ३२१, ३१। |
| | | चासरोवा | ३८३, ३०। |

- | | | | |
|-----------------------|---|-----------------|--|
| चास्त्रता | ७९, १५। | चित्रतण्डुला | १७२, १५२। |
| चार्चिकय | ६१, ३६७। | चित्रदण्ड | २८५, ३२९। |
| चार्वाक | ८४, १४५। | चित्रपत्रिका | ३१४, ५८२। |
| चालनी | १४२, ९२। | चित्रपत्री | ३०४, ४९३। |
| चावन | ६१, ३००। | चित्रपर्णी | २९८, ४४४, ३००, ४६९। |
| चाष (स) = पक्षिमेद। | | चित्रपादा | ३३३, १४३। |
| चिकित्सक | ६०, ३६१। | चित्रपिछ्ठा | ३२९, १०४। |
| चिकित्सा | ६०, ३६०। | चित्रपुङ्ग | ११८, २६९। |
| चिकु (कू) र | ३५, १३३। | चित्रपुत्री | ३०६, ७०९। |
| चिक्क | ३२३, ५५। | चित्रपुत्री | ३०२, ४८०। |
| चिक्कण | १४२, ८८, १६४, २८८, २०१, ६९६। | चित्रमल | ३५३, ८९। |
| चिक्कणी | १६९, ३३१। | चित्रमला | १४२, १५३, १५०, १६३, २९३, ३९२। |
| चिक्कस = पात्रनेद। | | चित्रमातु | ४३६, ५। |
| चिक्का | १६९, ३३। | चित्रमेषज | २६०, १। |
| चिज्ञा | २६२ १२१। | चित्रमेषवल | ३२९, १०५। |
| चित् | ४५८, ३, ४३२, १७। | चित्रयोविन् | ९३, ४३। |
| चिना | १३१, ३८। | चित्रय | ७३, ३७। |
| चिति | १३१, ३८३, ४३२, १८२। | चित्रल | ४३५, १६८, २७१, २०७, ३२१, २६। |
| चित्त | ४१६, १०१। | चित्रलता | १७४, ३७०। |
| चित्तफलिनी | १४८, १४२। | चित्रवर्ण | ३३०, १९७। |
| चित्तविक्रम = उन्माद। | | चित्रवर्णी | ३४२, ४९। |
| चित्तमुच्चति | = मान। | चित्रवली | १५१, १६५, २९४, १०९। |
| चित्तामोग | ४३३, १४६। | चित्रवाज | ३३४, ११२। |
| चित्तेचति | ४३१, १३१। | चित्रशाला | १४, ४९। |
| चित्य (त्वा) | १३१, ३८०। | चित्रशिल्पिङ्गज | ४०२, २०४। |
| चित्र | २७९, २४, २८५, ३०५, ४२८, १०८, ४३५, ०६७। | चित्रशखापिन् | ४०३ २१५। |
| चित्रक | ६१, ३६९, १७२, ३५१, ३१८, १०। | चित्रसेन | ३७३, ३७। |
| चित्रक (का) र | २०३, १४। | चित्रा | १७४, ३७०, २९४, ४०५, ३०५, ५०५, ३१४, ५८०, ४०१, १९९। |
| चित्रकाय | ३१८, १०। | चित्राङ्ग | १९५, ५६४, १९५, ५६७। |
| चित्रकूट | ३४२, १७। | चित्राङ्गद | ३३०, ११७, ३७३, ३७। |
| चित्रकेतु | ४५३, ३१। | चित्राङ्गी | १७४, ३७०, ३२५, ७३, ३३३, १४३। |
| चित्रकल | ३२४, ६३। | चित्राटीर | ३९८, १६९। |
| चित्रक्षुप | ३१४, ५८२। | चित्रार्चिस् | ४३६, ७। |
| चित्रगन्ध | १९५, ५६३। | चित्रिका | २०१, ६१८। |
| चित्रगुप्त | ३८५, ४९, ३८५, ५२। | चित्रोपला | ३४९, ४९। |
| चित्रचंचु | २८५, ३२८। | | |

| | | | |
|---------------------|--------------------------------|---------------|--|
| चिदा | ४३२, १४२। | चित्री | १५१, १७०, ३३८, १८९। |
| चिन्ता | ४२९, ११२। | चिह्न | ३२९, १५९। |
| चिनिया | ४२९, ११२। | चीकन | २६४, १४३। |
| चिपिट (क) | १४१, ७८। | चीन | १२६, ३३८, १३५, २३, १९३, ५४५, ३२२, ४४। |
| चिपिटा | १४९, १५१, २९०, ३७१। | चीनक | ६३, ३८९, १३६, ३८। |
| चिपट | १९३, ५४५। | चीनकपूर | ६३, ३८९। |
| चितु (क) | ३७, १५६। | चीन (ना) की | १४८, १८३। |
| चिरक्रिय | २१७, २६। | चीना | १४८, १४३। |
| चिरजीविन | २८२, २९८, ३०२, ५३५, | चीरमा | २८२, २९७। |
| चिरण्ठिका | ३३५, १६१। | चीरिका | ३३८, १८९। |
| चिरण्ठी=मुगासिनी। | | चीरी | ३३८, १८९। |
| चिरन्तन | २२९, १३६, ४२९, ११२, ४३९, ३। | चीरीपत्रा | १४९, १४६। |
| चिरपत्रा | १५१, १७०। | चीरु (के) | ३३८, १८९। |
| चिरपत्री | १७९, ४१८। | चीर्ण | २४१, ५८। |
| चिरपत्रिन् | २६२, १२९। | चीर्णमर्कटी | १५१, १६७। |
| चिरप्रसूता=बङ्कयणी। | | चीलिका=झीरका। | |
| चिरवित्व | २६८, १८२। | चीवर | ५०, २७१, ५३, २९९। |
| चिरम् | ४७७, १। | चीवरिन | ८९, १४९। |
| चिरमेहिन् | १८९, ४७५। | चुक | १५५, २०४, २६२, १२२। |
| चिररात्रम् | ४७७, १। | चुकगास्त्रम् | १५१, १६९। |
| चिररात्रस्य | ४७७, १। | चुका | २६२, १२२। |
| चिररात्रात् (य) | ४७७, १। | चुकाम्ला | २६२, १२१। |
| चिररत्रेण | ४७७, १। | चुकाम्लिका | ३१३, ५७०। |
| चिरस्य (रात) | ४२७, १। | चुकिला | २६१, १२१, ३१३, १६९। |
| चिराय | ४२७, १। | चुम्बक | १२४, ५६। |
| चिरायुक | २७०, १९४। | चुरा | २०७, ५२। |
| चिरायुस् | ३२८, १७, ३६९, २। | चुलका | ४०, १७३। |
| चिरिका | १२४, ३१६। | चुलकी | ३५६, १३६। |
| चिरी | ३३८, १८३। | चुरपी | ३५४, ९४। |
| चिरीटी | ३३५, १६१। | चुलि | ४४, २१३। |
| चिरेण | ४७७, १। | चुल (क) | ४१, १९०। |
| चिर्मिटिका | १५०, १६४। | चुलकी | ३५४, ९४। |
| चिर्मिटी | १५०, १६३। | चुलम्पा | १८५, ४६८। |
| चिलिचिम | १५२, ८१। | चुलम्पी | ३५४, ९४। |
| चिलिचिमि | ३९७, १५५। | चुलू | ६०, ३६४। |
| चिलू | ६०, ३६४, ३२७, ५५। | चुलि (ढी) | १४३, ९७। |
| चिल्लम | २०७, ५०। | चूचो | २०८, ६०। |
| चिल्लिका | ३७, १५१, ३३८, १८९। | चूचुक | ४२, १९५। |

चूडक १३१, ३८९।
 चूडा ३२९, ९०७।
 चूडाकर्मन्. ६९, ८।
 चूडामणि ४८, २५१, २९७, ४३३।
 चूडाला १७६, ३८८।
 चूडिका १०७, ९६५।
 चृत. २५३, ४७।
 चूल्वार ३१८, ८।
 चूरीमोदक. १६४, १८१।
 चूणि ६४, ३९८, १४२, ८५, १७०,
 ३३५।
 चूणिकुलतल ३५, ९३५।
 चूणिकृत् ४४, १४०।
 चूणिपारद १९५, ५६३।
 चूर्ण (र्ण) २१३, १०३, ४४४, ५०।
 चूला १७, ६४।
 चूलिका=हस्तिकर्ममूलम्।
 चूषा १७५, ३८१।
 चृष्टा १०८, १७६।
 चेटक. २०५, ३१।
 चेटी २४, ३९।
 चेडक=दास।
 चेत् ४५९, ९६।
 चेतकी=हरीतकी।
 चेतन. २०, ३, ४१६, १००।
 चेतना ४३२, १४२।
 चेतनीया ३१०, ५४३।
 चेतस् ४१७, १०२।
 चेदि ६, २३।
 चेदिकारूपक १०६, १५३।
 चेदिनगरी १०, ११।
 चेदिपति ९५, ५७।
 चेदिराज् ९५, ५७।
 चेल ५०, २७।
 चेल्क. ८५, १४९।
 चेलक. २४८, १।
 चेष्टनश ५६, ३२५।
 चैत्य १३, ४६, १६६, ६८, ८५, १४९,
 १३१, ३८०।

चैत्यसुख ८८, १७७।
 चैत्यवृत्त २१९, ९६।
 चैत्र ४१२, ५८।
 चैत्ररथ ३८८, ७६।
 चैत्रावरज ४१२, ५८।
 चैत्रिक ४१२, ५८।
 चैद्य ६, २३।
 चैत्यम्=वस्त्रम्।
 चोक्त २२९, १०१।
 चोच २५१, २५।
 चोटा २४, ३९।
 चाटी ५२, २९२।
 चोड ६, २१।
 चोदनी=वन्वयाम।
 चाद्य ४२८, १०६।
 चाद्यगिर् ४३३, १५०।
 चोर २०७, ४७।
 चोरपुणी=चोरवडी।
 चोरिका=चौरिम्।
 चोल ६, २१, १७४, ३७२।
 चालक २५१, २४।
 चोध्य १६६, ३०४।
 चौर २०७, ४७।
 चौरिका २०७, ५१।
 चौरिकाक्ष २५८, ९१।
 चारी २०७, ५२।
 चौर्य २०७, ५२।
 च्यवन १०६, १५३।
 च्युतम्=भ्रष्टम्।
 च्युति. ४३, २०७, ४३, २१२, ४४,
 २१३।

छ

छइल २१४, ५।
 छगण ३७८, १५।
 छगल (क) १८५, ४६९, ३५२, ७९।
 छगला=बृद्धदारक।
 छगलाङ्गि=बृद्धदारक।
 छगलाण्डी=बृद्धदारक।
 छगलान्त्री=बृद्धदारक।

| | | | |
|-----------------|---------------------------------|--------------------|---------------------------|
| छटाफल | २५५, ६६। | छादित | २३२, १६३। |
| छत्र | १०३, १२६, ३१६, ५९४। | छादिनी | ४६, २३। |
| छत्रगुच्छ | २९०, ३६८। | छादम | ७३, ४१। |
| छत्रवान्य. | १५३, १८९। | छाला | ४३८, २३। |
| छत्रस्था | २७६, २५१। | छायानाय | ४३७, १२। |
| छत्रा | १७४, ३७१, २९९, ६८९। | छायापिंडि (ण) | ३९९, १७३। |
| छत्राक | १५२, १७६, २८४, ३१५। | छायासूत् | ३९८, १७७। |
| छत्राकी=राज्ञा। | | छाल | ३५२, ८। |
| छद | २५१, २६, २८०, २८२, ३३९, १९८। | छिङ्कार | ३२१, ३६। |
| छदन | २५१, २७, ३९८, १६५। | छिन | २३२, १६९। |
| छदिस् | १६, ७४। | छिदिर | ३७८, १२। |
| छद्वानापस | ८७, १६५। | छिदुर | २१९, ५। |
| छद्वान् | ४३०, १२१। | छिद्र | ३६१, २। |
| छन्द | २४१, ६३, २४६, १०७। | छिद्राश | २८८, ३४। |
| छन्दस् | ७८, ९९, २४६, १०७, ४४२, ३२। | छिद्राफल | १७८, ४१३। |
| छन्न | ९८, ८८, २३२, १६३। | छिद्रितम्=विद्धम्। | |
| छर्दन | ५५, ३१५, २६५, १५५। | छिच्च | २३२, १६९। |
| छर्दिल्लिकर्कटी | १५०, १५९। | छिच्चयिनिका | १८०, ८२६। |
| छर्दि (दी) | ५५, ३१४। | छिच्चपत्री | ३०२, ४८०। |
| छर्च | १२९, ३६०, ४२८, ९८, ४३०, १२१। | छिच्चभवा | २९१, ३७। |
| छलित | १२९, ३६०। | छिच्चस्त्रह | २७९, २३९। |
| छलि (ली) | २५१, २८। | छिच्चस्था | २८३, १३८। |
| छवि (वी) | ४४, २२१, ४३७, १६, ३९९, १८०। | छुंज्ञा | ३०९, ५३९। |
| छाग | १८५, ४६८, ३७४, ४९, ३९२, ११०। | छुंकुलारव | ३३२, १३३। |
| छागक, | १८५, ४७३। | छुंकू | ३२४, ५९। |
| छागनाशन. | ३१२, १७। | छुंलुन्दरी | ३२४, ५९। |
| छागरथ | ३७७, १०। | छुंरिका=शस्त्री। | |
| छागल | १८५, ४६९, ३७८, १५। | छुंरितक | ४२७, ९७। |
| छागवाहन | ३७७, ३। | छेक | ७४, ५२, २१४, ५, ३४०, २०४। |
| छागी | १८५, ४६८। | छेकाल | २१४, ५। |
| छात. | ३२, १०७, २३२, १६९। | छेद | २४०, ४७। |
| छात्र | ७४, ५३, २०१, ६१३। | छेदन | १३०, ३६९, २३९, ३९। |
| छाद | २५१, २७। | छेदनी | २०९, ६९। |
| छादक | २८०, २८०। | छेदनीय. | २६४, १३९। |
| | | छेदित | २३२, १६४। |
| | | छेषुण्डा. | २४, ४। |
| | | छोटिका | ४०, १८४, ४४९, ९७। |
| | | ज | |
| | | जक्षण. | १६६, ३०१। |

जक्षम् ५५, ३१८ ।
 जगत् २०, २, ३८०, ६ ।
 जगनी ७८, ९० ।
 जगत्प्राण् ३८०, ८ ।
 जगद्विषय ४३६, ८ ।
 जगद्वित ३७६, २१ ।
 जगद्वल् ३८०, २ ।
 जगद्योगि ३८९, ८६ ।
 जगज्ञाय ४७१, ८ ।
 जगज्ञेत्र ४३६, ९ ।
 जगर १३४, २२७ ।
 जगल २१२, ९५ ।
 जग्य २३४, १८२ ।
 जग्यि १६६, ३०१ ।
 जघन ४२, २०३ ।
 जघनेकला २६०, १११ ।
 जघन्य २२९, १४० ।
 जघन्यज २९, ८७, २०२, १ ।
 जङ्गम २२८, १३२, ३६६, २६ ।
 जङ्गमकुठी १७, ५८, २०४, २५ ।
 जङ्गमेतर =स्थावर ।
 जङ्गल ४७, १२६ ।
 जङ्ग=प्रमृता ।
 जङ्गाकरिक ११५, २४२ ।
 जङ्गात्राण ११४, २७९ ।
 जङ्गादम्ब ४१, १८८ ।
 जङ्गाद्वयस ४१, १८८ ।
 जङ्गापिण्डी ४४, २१६ ।
 जङ्गल ११५, २४२, ३२१, ३५ ।
 जङ्गिल ११५, २४३ ।
 जङ्गपूक २२२, ७२ ।
 जटा ३५, १३९, २७१, २२, २९५,
 ४११ ।
 जटाजूट ३२१, १०१ ।
 जटाटीन ३८९, ८४ ।
 जटामासी=ओषधिविशेष ।
 जटायुसू ४३७, १४ ।
 जटाल ६६, ४११, ८५, १५३, १७३,
 ३६५, २६४, १४३, २५९, १०१ ।

जटावन् ३९०, ९४ ।
 जटावत्री २९५, ४१२ ।
 जटि=गर्ही ।
 जटिन् १०५, १४६, २६०, १०५ ।
 जटिल ८७, १५३, २८०, २८४ ।
 जटिला १७२, २५४ ।
 जटुक ३४, १२७ ।
 जटुल=कालर ।
 जठर ४२, ११५, २२९, १३५ ।
 जठरी २८९, ३६४ ।
 जड ३३, ११९, ३४१, ८, ३४५, १४ ।
 जडकाण्ड ३३, ११८ ।
 जडता ५६, ३२७ ।
 जडा २९३, ३९५ ।
 जडुल=कालक ।
 जतु १७४, ३६३, २६२, १२७ ।
 जतुकम्=हिणु ।
 जतु (तू) का, १७४, ३७३, ३३४, १४७,
 ३३८, १९० ।
 जतुकी ३२९, १०२ ।
 जतुकृत्=वक्रवर्त्तनी ।
 जतुपुत्रक २१४, १०७ ।
 जतुरस १७४, ३७४ ।
 जत्तु ३८, १६७ ।
 जन २०, २ ।
 जनक=पिता ।
 जनकारी १७४, ३७४ ।
 जनङ्गम =चाण्डाल ।
 जनता २४४, ८८ ।
 जनन ६९, ४, ४१६, ९७ ।
 जननि ४१६, ९७ ।
 जननी ३१, १०२, १७४, ३७०, १७४,
 ३७४, १७५, ३८५, २९८, ४३८ ।
 जनपद् २०, ३, ४, १ ।
 जनप्रवाद् ४४८, ८१ ।
 जनप्रिय १४५, ११९, १५४, ११० ।
 जनप्रियफला १४५, १५३ ।
 जनमेजय ९४, ५१ ।
 जनयितृ ३१, १०० ।
 जनयित्री ३१, १०३ ।

| | | | |
|---------------------------|--|-----------------|--|
| जनयुति | ४४६, ६६। | जम्बु (ग्व) क | ३१९, १४, २८७, ६९। |
| जनसत्रय | ६३, ६१। | जम्ब | ३७, १५। २६२, १२७, ३८४, |
| जनान्तिक | ९८, ८९। | | ४०। |
| जनार्दन | ४५१, ४। | जाभेदिन् | ३८२, २४। |
| जना प्रय=मण्डप | । | जम्भल | २६२, १२७। |
| जनि (नी) | ४१६, १८। | जम्भारि | ३८२, २४। |
| जनित्री | ३१, १०२। | जम्भिका | ५७, ३३०। |
| जन्मस=जन्मन्। | | जम्भी | २६२, १२७। |
| जनेष्ट | २७७, २५४। | जम्भर | ३७, ४० २६२, १२७। |
| जनेष्टा | १५६, २०६, २७७, २५२, २९८, २२९, ३१०, ५४३। | जय | ९३, ३५, १२९, ३६२, १३८, ५३, २३९, ४५, ३८३, ३१। |
| जन्मु | २४९, १३, ४१६, १००। | जयत | ३८३, ३०। |
| जन्मुका | १५५, ११९, २९८, ४३८। | जयन | २३९, ४५। |
| जन्मुकारी | २९८, ४३८। | जयन्त | ३८३, ३१, ३८८, ८०, ३९०, ९४, ३९५, १४३, ३९८, १६८। |
| जन्मुक्त्र | २६१, ११८। | जयन्ती | १२६, २३७, १५६, २०९, ३०५, ५०३, ३८३, ३१, ३९४, १२८। |
| जन्मुनाशन. | १५४, ११७। | जयपाल | १७७, ३९६। |
| जन्मुपादप | २५४, ४२। | जयवाहिनी | ३८३, २९। |
| जन्मुफल | २६०, १०८। | जयश्चेत्ररा | ४१७, ७। |
| जन्मुमारी | २६२, १२६। | जथा | २६६, १६१, २८८, ३५१, ३०५, ५०६, ३९५, १४०, ४०५, ३। |
| जन्मकारक | ३१, १००। | जयावहा | १७७, ३९६। |
| जन्मन् | ४१६, ९६। | जस्य | ११६, २४५। |
| जन्मपथ | ४३, २०६। | जरठ | २२९, १३५। |
| जन्मिन् | ९, ६, ४१६, १००। | जरण | १५२, १७८, १५४, १९१, १५४, १९७, २६९, १९१, ३९९, १७४। |
| जन्मेजय | ९४, ५१। | जरत् | ३१, ९६। |
| जन्य | २७, ६८, ३१, १००, १२७, ३४६, ४१६, १००। | जरत्कास | ८३, १३२। |
| जन्यु | ४१६, ९७, ४३९, ५। | जरद्व | १८१, ४३९। |
| जप | ७१, २३, ७४, ५५, ८८, १७७। | जरूत | १८१, ४३२। |
| जपा | २७१, २७२। | जरन्तक. | २७, ६५। |
| जपापुष्पम्=ओण्ड्रपुष्पम्। | | जरा=बृद्धत्वम्। | |
| जपित. | २३३, १७६। | जरभीत | ४५५, ४०। |
| जाय | ८८, १७७। | जरायु (स्) | २५, ४६। |
| जमदग्नि | ६८, १, ४०३, २१४। | जरायुज | २२७, १८। |
| जमनम्=मोजनम्। | | जरासंव | १९, ५८। |
| जम्पती | ३२, १०६। | जरासवुर | ११, २६। |
| जम्बाल | ३४६, २३। | जरि | १३७, ४८। |
| जम्बालिनी | ३४७, ३३। | | |
| जम्बि (म्बी) र | २६२, १२७, २८१, २८९। | | |
| जम्बु (ग्व) | २५३, ४८, २७४, ५५, ३१२, ५६२, ३४२, ५३। | | |

जन्तिल १४०, ६८ ।
 जर्नी ३३८, १९० ।
 जल २८१, २९१, ३४३, ५ ।
 जलकार ३३०, १११ ।
 जलकान्न ३०४, १८३ ।
 जलकान्नार ३८०, ७, ३८७, ६७ ।
 जलकासुका ३१२, ५५९ ।
 जलकुमुटी ३३०, ११४ ।
 जलद्वारा =चाणडाल ।
 जलवत्रल ३५३, ९१ ।
 जलवौर ४३७, १२ ।
 जलन १७८, ८९०, १९७, ५०३, २९१,
 ३७८, ३५९, १३९ ।
 जलजन्तु =याद ।
 जलजन्तुका ३५६, ११६ ।
 जलजा ३११, ५५० ।
 जलताल ३५३, ९१ ।
 जलनिक्षिका २६३, १०७ ।
 जलठ ३४४, ५, ३५६, १६८ ।
 जलवर २७६, २०९, ३९६, १८८ ।
 जलगरण ३५८, १३६ ।
 जलवि ३४४, ४ ।
 जलमकुल ३५६, ११८ ।
 जलनिधि ३४४, ४ ।
 जलनिर्गम ३४७, ११ ।
 जलनीली=जैवालम् ।
 जलपदवी ३४९, ५५ ।
 जलपिपली ३०३, ८९३ ।
 जलपीन ३५३, ८७ ।
 जलपुष्पम्=कमलादिकम् ।
 जलप्रसरण २०१, ६९६ ।
 जलप्रायम्=अनुपम् ।
 जलप्रिय ३२०, २६ ।
 जलहृव ३५६, ११८ ।
 जलभूत ३५६, १४८ ।
 जलमक्षिका ३५७, ११२ ।
 जलमंडट ३५६, ११३ ।
 जलमुच ३५६, १४८ ।
 जलयन्त्रगृह २३६, १० ।

जलयन्त्रनिकेतन १६, ६९ ।
 जलराशि ३४३, ४ ।
 जलहृपक ३५६, ११८ ।
 जलवृत्तिका ३३२, १०९ ।
 जलयायर ४२४, ६९ ।
 जलवालिका ३९७, १५६ ।
 जलवालुर ३४२, १३ ।
 ज वास ६४, ४०१ ।
 जलवासन १७९, ४१८ ।
 जलवाह ३९६, १४८ ।
 जलविडाल ३५६, ११८ ।
 जलविधिक ३५४, ९२ ।
 जलवेतस २७१, २०३ ।
 जलव्यव ३५३, ९० ।
 जलव्याल =अलगार्द ।
 जलगायिन् ४५२, ७ ।
 जलशुक्ति ३५७, १०१ ।
 जलशुनक ३५६, ११० ।
 जलसर्प ३६५, १५ ।
 जलमूकर ३५६, ११३ ।
 जलसर्पा २९०, ३७२ ।
 जलाकाङ्क्षी १०५, १४६ ।
 जलाखु ३५६, ११८ ।
 जलाटनी ३५६, ११४ ।
 जलावार =जलाशय ।
 जलानिल ३५४, ९२ ।
 जलाम्बिका ३५८, १३० ।
 जलायुका ३५६, ११५ ।
 जलालूक ३६०, १४८ ।
 जलालोका ३५६, ११४ ।
 जलावासा २९०, ३७१ ।
 जलाशय =जलावार ।
 जलात्रया ३०३, ११३ ।
 जलाष्ट्रवी ३५८, १३० ।
 जल्दूका ३५६, ११५ ।
 जलेचर ३५३, ९१ ।
 जलेवन ३७८, १३ ।
 जलैहहा ३१२, ५६० ।

| | | |
|------------------------|---|---------------------------|
| जलेशय. | ३७२, ७८। | जात्य ५६, ३२७, ४२९, १०९। |
| जलोका | ३७६, ११६। | जात्यारि. २६२, १२८। |
| जलोच्छाम | ३४६, २५। | जात ४१६, १००। |
| जलोदर | ५७, ३३०। | जातकमेन् ६९, ०। |
| जलोन्माद | ३९२, ११६। | जाततोका. २३, २९। |
| जलोरसी | ३७६, ११२। | जातरूप १९२, ५३२। |
| जलीकम् (का) | ३७६, ११८। | जातवेदम् ३७७, ३। |
| जत्पाक | २२२, ७२। | जाता २९९, ४४६। |
| जत्पित | २३३, १७६। | जातापत्या=प्रजाता। |
| जब | ३८१, १६। | जाति ४१६, १००। |
| जबन. | ६, २१, ११०, ११८, ११५, २४३, २४४, ८६, ३२१, ३६। | जातिकोराम्=जातीफलम्। |
| जबनिका | ५३, ३००। | जातिशशी ६४, ३९८। |
| जबा | २७९, २७३। | जातिता ३१, ९९। |
| जबादि | ६३, ३९९। | जातिपत्री ६४, ३९४। |
| नवापुष्पम्=जपापुष्पम्। | | जातिफलम्=जातिकोशम्। |
| जविका | ३००, ४५६। | जातिमात्रनीविन् ८७, १५५। |
| जवित | ३२३, ५२। | जातिमस्य ६४, ३९५। |
| जविन् | ११५, २४२। | जातिसर ६४, ३९५। |
| जइ | ४०५, १। | जाती २५३, ४६, २७७, २५८। |
| जहा=कपिकच्चू। | | जातीफल ६४, ३९५। |
| जहानक | ४१५, ८४। | जातु (चित्) ४९८, ५। |
| जहन् | ४५१, ३। | जातुवान ३८६, ६९। |
| जहनुतनगा=गङ्गा। | | जातुपम्=जतुविकार। |
| जागर=कवच। | | जातोक्ष १८१, ४४०। |
| जागरा | २४१, ६१। | जात्या १५७, २२०। |
| जागरित् | २२१, ६३। | जानकी ४५३, १६। |
| जागरूक | २२१, ६३। | जानपद २०, ३, ४, १। |
| जागर्या | २४१, ६१। | जानु=जन्मपर्व। |
| जागुड | ६२, ३७९। | जानुदम्ब ४१, १८८। |
| जागृति | ३७७, ९। | जानुद्रव्यस ४१, १८८। |
| जाधनी. | ४४, २१४। | जाप ८८, १७७। |
| जाझल | ४, ५, ४१, २२६, २१८, १५। | जाय ८८, १७७। |
| जाझलिक=विषवैद्य। | | ज बाल १८५, ४७०, २०४, २३। |
| जाझलिन्. | ६०, ३६८, ३६६, ०९। | जामदग्न्य ४५२, १२। |
| जाझली | ३२४, १३३। | जामातृ २७, ६९, ३४, १२८। |
| जाझू. | ११५, २४३। | जामि २०, ७, २६, ५९। |
| जाझिक | ११५, २४२, ३२१, ३५। | जामिक २१०, ७३। |
| | | जामेय २७, ६९। |
| | | जाम्बव १९२, ५३८, २५३, ४५। |

जाम्बवती ३१२, ५६२, ४४३, २४।
 जाम्बूनद १९१, ५३१, १९२, ५३६।
 जाया २४, ४३।
 जायाजीव २०५, २६।
 जायापती ३२, १०६।
 जायु ६०, ३६०।
 जार ३४, १२४।
 जारि (जी) १३७, ४०।
 जाल १३३, २४, ३४०, २०२, ३५१,
 ७०।
 जालक २५१, ३०।
 जालकिनी १८९, ४७२।
 जालगोणी १८२, ४४६।
 जालवर्वुर २८४, ३१५।
 जालि २५१, ३०।
 जालिक २०३, २८, २१८, ३६।
 जालिका ३५६, ११६।
 जालिनी १४८, १४४, २९३, ३९३।
 जाली ३२५, ६३।
 जात्म ३३, १२०, २०५, ३१, २१७,
 २६।
 जाहक ३१९, १९, ३२४, ६५।
 जाहृवी ३४७, ३६।
 जिघतसु २१७, २२।
 जिघासु ९१, २१।
 जिज्ञे=मज्जिष्ठा।
 जितकाशिन् १२९, ३६८।
 जितारि ३६९, ७।
 जिताहव १२९, ३०८।
 जितेन्द्रिय ८८, १०६, ३०८, ५३०।
 जित्यर ११६, २४६।
 जित्यरी १०, २०।
 जिन ३६८, १।
 जिनपत्रा ३३८, १९०।
 जिनपत्रिका ३३४, १४७।
 जिनस्थान १६, ६८।
 जिनश्वर ३६९, ८।
 जिणु (क) ९३, ४३, ११६, २४६,
 ३८१, ११।

जिह्वा २२८, १२८, २८०, २८३।
 जिह्वग ३६४, ५।
 जिह्वा ३८, १६१, ४३४, १५७, ४४१,
 २५।
 जिह्वाभव ५९, ३४८।
 जीन ३१, ९६।
 जीमूत ३४०, १, ३९६, १५१।
 जीमूतवाहन ३७२, २५।
 जीमूतवाहिन् ३७८, १८।
 जीरक १५४, १११।
 जीरण १५४, १११।
 जीरिया २९०, ३६५।
 जीरियी १५४, ११३।
 जीर्ण ३१, ९६, ११४, १११।
 जीर्णशरुक २९७, ४२५।
 जीर्णपत्री २९०, ३६६।
 जीर्णफली २९७, ४३५।
 जीर्णबुध १७४, ३७७, २९०, ३७३।
 जीर्णवस्त्र ५२, २८८।
 जर्णि (जी) २३९, ४२।
 जीव १३२, ३८७, ३०८, ५३०, ४०२,
 २०५, ४१६, १४।
 जीवक २४३, ८९, ३०९, ५५३।
 जीवजी (जी) व ३३३, १४४।
 जीवजीपक ८५, १४८, ३३३, १४५।
 जीवतेका २३, २८।
 जीवत्यति २३, ३३।
 जीवद ६०, ३६३, ३०९, ५३६।
 जीवदात्री २९२, ३८९, ३१०, ५४२।
 जीवन ७३, ४३, १५७, २२४, १५९,
 २३७, १९२, ५३३, २९२, ३८४,
 ३०९, ५२५, ३४४, १०।
 जीवना २९२, ३८८।
 जीवनी १५२, १७५, २६४, १४५, २९२,
 ३८८, ३०७, ५२४, ३०९,
 ५३९, ३१२, ५६२।
 जीवनीय १५७, २२२, ३४४, १४।
 जीवनीया २९२, ३८८।
 जीवनोषषि १३२, ३८७।

| | |
|--|--|
| जीवन्तिक =शाकुनिक । | जेय ११६, २४४ । |
| जीवन्तिक=वन्दा गुडची च । | जैत्र १९७, ७८३ । |
| जीवन्ती १५२, १७४, २६५, १८७, २९१, ३७६, २९२, ३८८, ३०८, ५२५ । | जैमिनीय ८४, १८३ । |
| जीवपुष्टा २९२, ३८९ । | जैवातुर २१५, १५, ३९८, १७३ । |
| जीवभद्रा २९२, ३८९ । | जोड़कम्=अगुरु । |
| जीवला १७१, ३४५ । | जोटिङ्ग ८५, १५१ । |
| जीवशाक १५२, १६४ । | जोषम् ४१५, ८८ । |
| जीवथेष्ठा ३१०, ५४२ । | जोषा २०, ७ । |
| जीवमू २३, २८ । | जोषिन्. २०, ७ । |
| जीवा ११८, २६३, २९२, ३०० । | जोपिता=नारी । |
| जीवातु १३२, ३८७ । | ज्ञ ७४, ४८, ४०२, २०२ । |
| जीवान्तर २०९, २८ । | ज्ञपित =ज्ञस । |
| जीविका=वृत्ति । | ज्ञस २३२, १६३ । |
| जीवितकाल १३२, ३८७ । | ज्ञसि ४३३, १६३ । |
| जीवितज्ञा ४६, २३७ । | ज्ञातसिद्धान्त ९६, ६७ । |
| जीव्य ३०९, ५३५ । | ज्ञाति ३१, ९८ । |
| जुगुप्सा ४२८, १०६ । | ज्ञातिभाव. ३१, ९९ । |
| जुगुसन ४४८, ८२ । | ज्ञातु २२१, ६८ । |
| जुङ्ग=बृहदारक । | ज्ञातेय ३१, १०० । |
| जुष ३७१, १८ । | ज्ञान २४१, ५८, ४३२, १४२, ४३३, १४५ । |
| जुष्ट ४४१, २४ । | ज्ञानदर्पण ३९२, ११८ । |
| जुहु ७८, ८५ । | ज्ञानिन् ९६, ६६ । |
| जुहुराण ३७६, १ । | ज्ञानेन्द्रिय ४३४, १५८ । |
| जुहू. ७८, ८५ । | ज्ञापित २३२, १६३ । |
| जूटिका ६३, ३८८ । | ज्या २, १४, ७०, १६, ११८, २६३ । |
| जूति. २४४, ८३ । | ज्यायातवारणम्=गोवा । |
| जूर्णा १३७, ४७ । | ज्यानि २३९, ४२ । |
| जूर्णि १३७, ४७ । | ज्यायस्. २९, ८७ । |
| जर्ति=ज्वर । | ज्येष्ठ २७, ६८ । |
| जृ+स. ४२९, ११४ । | ज्येष्ठबला. ३०३, ४८९ । |
| जृस्मण. ५७, ३३०, २७४, २३२, ४२९, ११४ । | ज्येष्ठा २६, ६०, २८, ७७, ३९, १७४, ३२५, ६७ । |
| जृ+भवत्. २५२, ३५ । | ज्येष्ठामल २६५, १५५ । |
| जृस्मा ५७, ३३० । | ज्येष्ठामूलीय ४१२, ६० । |
| जृस्मि (म्ही) ४२९, ११३ । | ज्यैष्ठिनेयक. २८, ७७ । |
| जैतू. ११६, २४६ । | ज्योतिरिङ्गण. ३३७, १७५ । |
| जेमन १६६, ३०१ । | ज्योतिर्लिता २९७, ४१४ । |

| | |
|---|---------------------------------------|
| ज्योतिषिक =दैवज्ञ । | झलका ३७८, २४ । |
| ज्योतिष्क १७१, ३५० । | झङ्गरि (सी) ४२७, ७२ । |
| ज्योतिष्मत् ४३६, ५ । | झङ्गीशा ३५३, ९० । |
| ज्योतिष्मनी २०१, ६२०, २९५, ४१२ । | झष २४८, २, ३५१, ७३ । |
| ज्योतिष्म् ३६, १४६, ५४, ३०९, ४३६ ५, ४३७, १८, ३७७, ६ ४००, १८२, ४४२, ३४ । | झषकेतु =अनेहृदः । |
| ज्योतीरय ४०३, २१६ । | झपां=नागबला । |
| ज्योत्स्ना ३९९, १७७ ४०९, ३८ । | झपाशना ३५६, ११७, ३५३, ९० । |
| ज्यौतिषिक ९६, ६६ । | झाटलि =उक्तविशेष । |
| ज्यौत्स्ना २९२, २८३ । | झातुक =पित्रुल । |
| ज्यौत्स्नी=ज्योतिष्मनी रात्रि । | झिण्ठी २८०, ०५०, २८९, ३५७ । |
| ज्वर ५४, ३०५, २४४, ४४ । | झिंझरी ३०८, ५३२ । |
| ज्वरहन्त्री १७४, ३७१ । | झिरिका=झिरमा । |
| ज्वराज्ञी १७७, ३३६ । | झिरी ३३८, १८९ । |
| ज्वरान्त २६६, १५९ । | झिरका ३३८, १८९ । |
| ज्वरान्तक २६७, १७१ । | झिल्ली=झिरका । |
| ज्वरारि २९१, ३७५ । | झिल्ली ३३८, १८९ । |
| ज्वरित ६०, ३५९ । | झिल्लीण्ठ ३३८, १३१ । |
| ज्वलन २९१, ३८१, ३७६, १, ३७४, ४२ । | झीरी ३३८, १९० । |
| ज्वलित २९१, ३८१ । | झीरका ३३८, १९० । |
| ज्वाला ३७९, २४ । | झोटिङ्ग ३८८, ८२ । |
| ज्वालागर्दम् ५८, ३४४ । | ट |
| ज्वालावक्त्र ३९२, ११६ । | टङ्क १२४, २२०, १९०, ५१६, २१०, ७७ । |
| ज्वालिनी ३७८, २० । | टङ्कण १७८, ४०६ । |
| झ | टङ्कणलार १७८, ४०७ । |
| झङ्गारिन् ३३७, १७८ । | टङ्कप ९०, १० । |
| झञ्जावात् ३८०, ८ । | टङ्कशाला १४, ५३ । |
| झटा=भूस्यामलकी । | टङ्गशिल्ल ९०, १४ । |
| झटामला=भूस्यामलकी । | टङ्गार ४३०, १२० । |
| झटिति ४५८, ३ । | टरट ४४९, ९६ । |
| झण्ट ३०३, ४८४ । | टिट्हिम (क) ५८, ३१९, ३३०, ११४ । |
| झम्प =उत्तनम् । | टिष्टि ३३०, ११४ । |
| झर ३४३, २२ । | टीका ४४४, ४९ । |
| झरि(सी) ३४३, २१ । | टुण्डुक =स्थोनाक । |
| झर्जर ३१, ९५, ४२५, ७२ । | टेका ३९३, १२७ । |
| झर्जरक ४१४, ८० । | टेर ३२, ११२ । |
| झर्झरा २४, ३७ । | टोकक ४२४, ६५ । |

| | | | |
|----------------|--------------------|-------------|---------------------|
| ਟੋਪ | ੪੩੦, ੧੨੦। | ਟਕਮਲਕਾ | ੩੦੬, ੫੧੬। |
| | ਡ. | ਟਕਾਟ | ੧੫੯, ੨੩੬। |
| ਡੜਾਰਿ | ੧੫੦, ੧੫੭। | ਟਕਾਹਾ | ੩੦੬, ੫੧੫। |
| ਡਮਸ | ੧੨੯, ੩੨੪। | ਟਕੇਤਗ | ੧੫੮, ੧੨੯। |
| ਡਸਰ | ੨੨੨, ੭੬, ੪੨੮, ੧੦੩। | ਟਥਕ | ੩੬੪, ੯, ੪੫੩, ੨੦। |
| ਡਸਰ | ੪੨੪, ੬੭। | ਟਥਣੀ | ੨੧੦, ੭੮। |
| ਡਸਰ | ੧੨੯, ੩੬੮। | ਟਥਨ | ੨੦੪, ੧੯। |
| ਡਿਨ | ੧੦੩, ੦੩੧। | ਟਥੁ | ੨੩੨, ੧੬੫। |
| ਡਹਾਲ | ੬, ੨੩। | ਟਗਰ | ੨੮੦, ੨੦੨, ੨੮੬, ੩੩੨। |
| ਡਹੁ (ਹ) | ੨੭੩, ੨੨੧। | ਟਬਲ | ੩੩੪, ੧੮੭। |
| ਡਾਕ | ੧੩੦, ੩੭੫। | ਟਟ | ੩੪੬, ੨੦। |
| ਡਾਲਿਮ=ਸ਼ਡਿਮ। | | ਟਟਖੂਮਿ | ੩੪੬, ੨੨। |
| ਡਾਹ | ੧੨੭, ੩੨੬। | ਟਟਾਕ | ੩੫੮, ੧੩੫। |
| ਡਾਹ (ਹ) ਲ | ੬, ੨੦। | ਟਾਠਨੀ | ੩੪੭, ੩੦। |
| ਡਿੜਰ | ੨੧੬, ੧੧। | ਤਡਾਗ | ੩੫੮, ੧੩੬। |
| ਡਿਣਿਡਮ | ੩੩੫, ੧੬੮। | ਤਡਿਤ | ੩੯੬, ੧੫੩। |
| ਡਿਣਿਡਮਾਣ | ੩੩੫, ੧੬੮। | ਤਡਿਖਨ੍ | ੩੯੬, ੧੫੦। |
| ਡਿਣਡੀਰ | ੩੪੬, ੨੩। | ਤਣਡਕ=ਖੜਕਾਨ। | |
| ਡਿਸ | ੪੨੩, ੫੩। | ਤਣਿਵਾਹ | ੨੦੪, ੨੧। |
| ਡਿੱਬ | ੧੨੯, ੩੬੮, ੨੪੦, ੫੨। | ਤਣੁ | ੩੨੨, ੧੧੮। |
| ਡਿੱਬਰ | ੨੪੦, ੫੨। | ਤਣੁਲ | ੧੪੬, ੭੭। |
| ਵਿਸਮ | ੩੦, ੧੦। | ਤਣੁਲੀ। | ੧੭੨, ੩੫੩। |
| ਡਿਸਮਾ=ਸ਼ਨਨਵਧੀ। | | ਤਣੁਲੀਅ | ੩੧੧, ੫੫੮। |
| ਡੁਣਡੁਮ | ੩੬੬, ੧੭। | ਤਣੁਲੀਅਕ | ੧੧੭, ੧੭੪। |
| ਡੁਣਡੁਲ | ੩੩੭, ੧੭। | ਤਤਰ | ੨੩੦, ੧੪੬, ੨੫੮, ੫। |
| ਡੁਲਿ (ਲੀ) | ੩੫੭, ੧੨੧। | ਤਤ | ੪੨੩, ੫੭। |
| ਡੁਹ | ੨੭੩, ੨੨੧। | ਤਤਸ੍ | ੪੫੮, ੫। |
| ਡੇਡੀ | ੩੦੭, ੫੨੩। | ਤਤਾਮਿਲਿ | ੩੭੧, ੧੩। |
| ਡੋਡਿ | ੩੦੭, ੫੨੩। | ਤਕਾਲ | =ਤਦਾਤਨਸ੍। |
| ਡੋਲਰੀ | ੩੦੦, ੪੫੫। | ਤਕਾਲਵੀ | ੨੧੯, ੪੮। |
| | ਫ | ਤਤਪਰ. | ੨੧੬, ੧੬। |
| ਫਕਾ | ੪੨੪, ੬੫। | ਤਤਰਮ | ੪੨੭, ੮੯। |
| ਫੁਣਿਵਾਰ | ੩੨੨, ੩੯। | ਤਤਵ. | ੨੩੯, ੩੯। |
| ਫੌਕਨ. | ੯੮, ੮। | ਤਤਵਿਆਨ | ੪੩੩, ੧੩੬। |
| | ਤ | ਤਯਾ=ਤਾਢ੍ਹੂ। | |
| ਤਕਾਰ. | ੩੧੮, ੮। | ਤਯਾ | ੩੬੮, ੪। |
| ਤਕ | ੧੫੯, ੨੩੪। | ਤਥਾ | ੪੪੭, ੭੨। |
| ਤਕਕਾ. | ੩੧੬, ੫੯। | ਤਦ | ੨੩੧, ੧੫੬। |
| ਤਕਪਿਣਡ | ੧੫੮, ੨੩੧। | | |

| | | | |
|--------------------|---|--------------------------|---|
| तदा | ४६०, २७। | तप सुत | ९३, ३८। |
| नदात्व | २४१, ५९, ४३५, ९२। | तपस्.स्वली | १०, २०। |
| तदानीम | ४६०, २७। | तपन | २६६, १६२, ३१९, २०, ३६७, १, ४३६, ३, ४०४, २१९। |
| तनय | २९, ७९। | तपनी | ३४७, ३७। |
| तनीयम | ४३, २०७। | तपनीय | १३४, २०, १९१, ५२१, १९२, ५३५। |
| ततु | ३२, १०५, ३४, १२९, ३९९, १७४, ४१६, ९९। | तपनोपल | २००, ६०८। |
| तहुकीर | २६२, १२३। | तपम् | ८७, १६९, ८८, १७७, ३८२, २७, ४११, ५७। |
| तनुच्छय | २८४, ३१६। | तपस् (स्य) | ४११, ७७। |
| ततुत्र | ११४, ०२८। | तपस्या | ८७, १६८, ८८, १७७। |
| ततुत्व | २६६, १६३। | तपस्विन् | २६९ १८४। |
| ततुपत्र | २८४, ३१९। | तपस्विनी=जटामासी। | |
| ततुम् | ३४, १३०। | तपस्वीष्टा | २८३, ३१२। |
| तन | ३४, १२९। | तपोवैरिन् | ३६२, १३। |
| तनुकृत | २३२, १६५। | तम=गाहु | । |
| तनूतपाद | ३७६, २। | तमङ्गक | १६, ७३। |
| तनूरह | ४७, ४०, ३३९, १९९। | तमस् | ३६१, ४, ४०३, २१०, ४१६, ९६। |
| तन्ति | ४२९, ११३। | तमस्विनी | ४०९, ३६। |
| तन्ति | ९४, ४५। | तमा | ४०९, ३७। |
| ततु | २०८, ५७, ३५६, १११। | तमाल | १४६, १२६, २७०, ११८। |
| तनुकी | ४६, २१७। | तमालपत्र | ६१, ३६९, १७७, ४०२। |
| तन्तुभ=सर्षप | । | तमालिनी | ११, २८। |
| तन्तुल=विडङ्गम्। | | तमाली | २९८, ४३७। |
| तन्तुवाय | २०३, १३, ३८५ ६८। | तमाह्य | १७३, ३६७। |
| तन्तुवायशाला | १४, ५०। | तमि (मा) | ४०९, ३६। |
| तन्त्रम्=सिद्धांत | । | तमित्र | ३६१, ५। |
| तन्त्रक | ५२, २८७। | तमित्वा | ४०९, ३८। |
| तन्त्रकाष्ठ | २०८, ५८। | तमोनुद्=चन्द्र सूर्यश्च। | |
| तन्त्रवाय | =तन्तुवाय। | तमोपह=सूर्यश्चन्द्रश्च। | |
| तन्त्रवाय | =तन्तुवाय। | तमोमणि | ३३७, १७४। |
| तन्त्रिका=गुड्ढची। | | तमोवैरिन् | ३३७, ५। |
| तन्त्री | २०८, ५६, ३५८, १३२। | तमोहन् | ४७१, ६, ३७७, ११, ३८९, ८४। |
| तन्द्रा | ५६, ३२९, ४३१, १२८। | तर | ३५१, ६७। |
| तन्द्रि (नंद्री) | ४३१, १२८, ५६, ३२१। | तरक्ष (क्षु) | ३१९, १२। |
| तन्द्रिका | ४३१, १२८। | | |
| तच्च | ४१८, ९। | | |
| तप | ३८२, ०२, ३९९, १७४, ४१३, ६८, ४११, ५७। | | |
| तप क्लेशसह. | ८८, १७६। | | |

| | | | |
|-------------|---------------------------------------|--------------------|--|
| तरक्षक | ३२७, ८६। | तर्कु | २१०, ७२। |
| तर (स) क्षु | ३१९, १०। | तर्कुक | २२४, ९१। |
| तरङ्ग | ३४७, १८। | तर्कुशाण | २१०, ७३। |
| तरद्विणी | ३४७, ३०। | तर्जनी | ३९, १७८। |
| तरटा | २८६, ३३५। | तरिंग | १८८, ८४९। |
| तरण | ३५०, ५९, ३५१, ६९। | तरदन | २८६, ३२१। |
| तरणि | ११७, २५९, ३४३, १, ३५०, ५८, ४३६, १। | तर्हु | १४४, १०८। |
| तरणी | २७९, २७५, ३१०, ५८। | तर्पण | १६७, ३०७, २३५, ७, २३९, ४२। |
| तरण्डा | ३५०, ५८। | तर्मन् | ७७, ७७। |
| तरतम्म | ३७८, १६। | तर्पि | १६७, ३१९, ४३२, १३८। |
| तरपण्य | ३५१, ६७। | तर्पित | २१८, ३५। |
| तरल | ४८, २५२, २८९, १३८, ४३६, ६। | तर्पुल | २१८, ३५। |
| तरल्लोचना | २१, ११। | तल | ३९, १०६, ४४, २००, ११८, २६४, २४८, १, ३१८, १३५। |
| तरला | २११, ८३। | तलन्त्र | ११३, २१८। |
| तरलिन | २२८, १२८। | तलहृदय | ४४, २२०। |
| तरवट | ३०७, ५१८, ३०८, ५३१। | तलातल | ३६१, ३। |
| तरवारि | १२०, २८२। | तलिका | ११२, २१५। |
| तरस् = रय | पराकमथ्र। | तलिन | ३२, १०७, ६७, ४२१। |
| तरस. | ४९, २२६। | तछु | २८५, ३२७। |
| तरसा | ४५८, ३। | तछुनी | २२, २१। |
| तरसी | ३८१, १।। | तलोदा | ३४७, ०। |
| तरस्विन् | ११७, २८२, ३२७, ८७। | तत्प | ६७, ४२१। |
| तरान्धु | ३५०, ५९। | तत्पन | १०७, १७०। |
| तरि | ३५०, ५८। | तल्ल | ३५८, १५३। |
| तरिष | ३४३, १। | तल्लज | २२६, ११२। |
| तरी | ३५०, ५९। | तल्ली | ३८७, ७०। |
| तरीष | ३४४, २। | तत्राज | १५६, २१५। |
| तरु | २४९, १२। | तविषो | ३८३, ३०। |
| तरुण | ३१, १६, २८५, ३२५। | तष्ट = तनूकृत। | |
| तरुणी | २२, २१, १७६, ३९५, ३१०, ५४९। | तसर = सूत्रवष्टम्। | |
| तरुगीरत्ने | १९८, ५९०। | तस्कर | २०७, ४८। |
| तरुराज. | २७०, १९४। | तस्करन्नायु | २९७, ४३१। |
| तरुवल्ली | २९८, ४४९। | ताटङ्क | ४८, २५६। |
| तर्क | १८७, ४९८, २४१, ५९। | ताड़क | ३५५, १०४। |
| तर्कविद्या | ४४३, ३७। | ताडपत्र | ४८, २५७, ५१, २७७। |
| तर्करी | १५२, १७४, २६६, १६१, २९४, ४०२। | ताडिका | १२३, ३०८। |
| | | ताड्य | ४५, २२८। |

| | | | |
|--------------------------|--|------------|--|
| ताण्डव | ४२२, ८८। | ताम्रभुव | ४, ३। |
| ताण्डपनालिक | ३९२, ११८। | ताम्रमृग | ३२१, ३१। |
| तान | ३१, १०। | ताम्रमूला | ३०१, १७। |
| तानल | ३३४, १५०। | ताम्रवर्णक | २९०, ३२६। |
| तान्कलिक | ४१६, ९२। | ताम्रा | २९८, ४३७। |
| तान | ४१८, ९। | ताम्राक्ष | ३३२, १३। |
| तान्त | २५२, ३७। | ताम्राव | १९४, ५५२। |
| तान्त्रिक | ९६, ५७। | ताम्रिका | ४०८, २२। |
| ताप | ५६, ३०। | तार | १३७, १८, १९२, ५८०, १९३ ७८१ १९८, ५९२, ३७१, ६८, ४१७, ४। |
| तापन | २००, ६०१, ४३६, ३। | तारकवेरिन् | ३९५, ५४। |
| तापम | ८८, १०८, ९४, ८७, १७७, ८०१, ३२९, ११०, ३९९ १७५। | तारका | ३६, १८८, ४००, १८१। |
| तापमद्रुम | २८४, ३१८। | तारटी | २८६, ३३। |
| तापमप्रिय | २५६, ७०। | तारपटक | १२२, २९८। |
| तापसप्रिया | २९८, ९३। | तारपुष | २७८, २६९। |
| तापिन्छ | २७०, ११८। | तारसालिक | १९६, ५०३। |
| तापिज्ज =तापिन्छ | । | ताग | ३६, १८३, ४००, १८ ४१८, १०, ४४६, २६। |
| तापिन् | ३६८, २। | तारापीड | ३९९, १७६। |
| तापी | ३४७ २७। | ताराश्र | ६३, ३८७। |
| ताव | १९६, ५७३। | तारिका | २९४, ४०८। |
| तामरस | ३५९, १३८। | तारिणी | ४४२, २७। |
| तामलकी=भूम्यालकी | । | तारिप | ३४३, १। |
| तामलिस्त | ११, २८। | त हण्य | ३०, ८८। |
| तामस | ३२८, ९९, ३६२, १३, ३९२, ११५, ४४१, २०। | तार्ली | २९७ ४२९। |
| तामसी | ३९४, ११९, ४०२, ३८। | तार्ली | ११०, १९२, ३२७, ८५, ४३७, १८। |
| ताम्बूलपत्रक | १४७, १३६। | तार्यनायक | ३२७, ८८। |
| ताम्बूलमालिका | ४३०, ११७। | तार्यप्रसव | २७०, ११२। |
| ताम्बूला | १७०, ३३३। | तार्यशैल | १९६, ५७६। |
| ताम्र | १९३, ५८३। | तार्यहेत | २९६, ४२७। |
| ताम्रक | ३७३, ३९। | ताल | १७, ८८, ४०, १८१, १७३, ३६८, १९५, ५६७, २०३, १६, २५३, ४३, २७०, १९३। |
| ताम्रकर्णी=दिक्षिणीविशेष | । | तालमाख | ४३५, १६८। |
| ताम्रुद्रुक | २०४, १७। | तालज | १७३, ३६५। |
| ताम्रचूड | ३३२, १३०। | तालपत्री | ३०२, ४८०। |
| ताम्रदुधा | ३१४, ५८३। | तालपर्णी | २९९, ४८०। |
| ताम्रपत्र | १५२, १७८। | | |
| ताम्रपर्णी | ३४९, ५३, ३७३, ५३। | | |
| ताम्रपुषी | १७७, ३१९। | | |
| ताम्रफल | २६९, १८८ | | |

- ताल्मूलिका=मुमली ।
 तालवनक ६८, २३० ।
 तालवन्ती २७५, २१९ ।
 ताल्वङ्ग ४७६, ३५ ।
 तालाज्ञ ३७२, ७६ ।
 तालावचक ४२७, ७६ ।
 तालिका ४० ९८५ ।
 ताली १७, ८४, २९८, ४३७, ३१७,
 ५६६, ३१४, ५७८ ।
 तालीम (पत्र) १७३, ३६७ ।
 तालु ३८, १६१ ।
 तालुगद ५०, ३१८ ।
 तालुद्धृ ३६६, २८ ।
 तलुनाश १८४, ८६६ ।
 तावत=म फल्ये ।
 तानिपी ३८३, ३० ।
 तिक्क १६८, ३१८, २८१, २९५ ।
 तिक्कक २६६, १५८ ।
 तिक्कण्डी २९४, ४०४ ।
 तिक्कफल २६४, १५९ ।
 तिक्कबीजा, २९३, ४०० ।
 तिक्कशाक २७२, २१५ ।
 तिक्कमार २८८, ३८७ ।
 तिक्का १७१, ३८०, २९१, ३७८, २९४,
 ४०४, २९५, ४११ ।
 तिम्म ४३८, २१ ।
 तितड १४३, ९३ ।
 नितिक्षा=क्षमा ।
 तितिक्षु २२२, ७० ।
 तितिर ३३६, १६९ ।
 तितिवल्ल १२२, ३०१ ।
 तितिरि ३३६, १६८ ।
 निय ४०५, १ ।
 तिथि (वी) ४०५, २ ।
 तिथिप्रणी ३९८, १६८ ।
 निनिश २७१, २०८ ।
 तितिडी २१३, १०६, २६२, १२१ ।
 तिनिझीकल १७७, ३९७ ।
 तिनितम ३३७, १७६ ।
- तिनिली २६२, १२२ ।
 तिनिदी १४८, १४३ ।
 तिन्दु २५७, ७८ ।
 तिन्दुक १५२ १७५, १९०, ५१८ ।
 तिन्दुकिनी २९८, ४८३ ।
 तिन्दुकी १४८, १४३ ।
 तिनि ३५३, ८८ ।
 तिमिलिल (गिल) ३५३, ८५ ।
 तिमित २३३, १७२ ।
 तिमिलिल् ३४४ ३ ।
 तिमिर ३६१, ५ ।
 तिरम्=तिर्यक् ।
 निरस्करण ५३, ३०० ।
 तिरस्कार ४३१, १-३ ।
 निरस्कारणी ५३ ३०० ।
 तिरस्किया ४३१, १३३ ।
 निरीट १७४, ३७६ ।
 निरोधान ३९८ १६५ ।
 तिरोहित १२९, ३६५ ।
 तिर्यक्कला २९८, ४३९ ।
 तिर्यग्धानिन् १०६, १६० ।
 तिर्यञ्च २२१, ६९ ।
 तिल ३४, १२७, १४०, ६७, २०१,
 ६१७ ।
 निलक ६१, ३६९, १५२, १७८, १७३,
 ३७५, १७४, ३७६ ।
 तिलकलक १४०, ७४ ।
 तिलका ६३, ३८४ ।
 तिलकालक=तिलक ।
 निलकाह २७३, २३८ ।
 तिलकिण्ड १४०, ७४ ।
 तिलखित्रक १८०, ४२६ ।
 तिलचूर्ण १४० ७४ ।
 तिलतुद २०४, १८ ।
 तिलदल १८०, ४२६ ।
 तिलपर्ण ६१, ३७० ।
 तिलपर्णिक ६४, ४०० ।
 तिलपर्णी=रक्तचन्दनम् ।
 तिलपिञ्ज १४०, ६८ ।

- तिलमुष्य १४०, ६९ ।
 तिलपेज, १४०, ६८ ।
 तिलमाविनी ३७६, २५३ ।
 तिलशिखिन्. ३२९, १०५ ।
 तिलिसक ३८५, १४ ।
 तिलित्स=अजग्गर ।
 तिलोत्तमा ३७५, ३१ ।
 तिल्य ८, ३३ ।
 तिल्व=ल्लोग्र ।
 तिल्य. ४००, १८८, ४१४, ८०, ४११,
 ५७ ।
 तिल्यफला. २६१, १२० ।
 तीक्ष्ण ६६, १३७, १४६, १२०, १७१,
 ३५०, १९४, ५५७, २२०, ५८,
 २७३, २२०, ४३८, २१ ।
 तीक्ष्णस्टक २८४, ३१४ ।
 तीक्ष्णस्टका. २८७, ३२८ ।
 तीक्ष्णस्टद १४७, १२९ ।
 तीक्ष्णान्वयक १४९, ११९ ।
 तीक्ष्णान्वया. १४०, ७१, १७२, ३५५,
 २८५ ३२४ ।
 तीक्ष्णांश्च. ३१८, १ ।
 तीक्ष्णवार(र) १२०, २८३, १२४, ३०७,
 तीक्ष्णवत्र २६३, १३१ ।
 तीक्ष्णपुनी २७६, २४९ ।
 तीक्ष्णमूल १४९, ११९, १७२, २५६ ।
 तीक्ष्णवल्क्ल २६३, १३१ ।
 तीक्ष्णशूक. १३७, ४१ ।
 तीक्ष्णसारा २७२, २१२ ।
 तीक्ष्णसुवेगा २२५, ४१५ ।
 तीक्ष्णा २८८ ४४१ ।
 तीक्ष्णी २८३, ३१९ ।
 तीरे ३४८, १० ।
 तीर्सुक्ति ६, -३ ।
 तीर्सित्. ११९, २७२ ।
 तीर्थ ७२, ३३; १०१, ११२, ३७०, ५६ ।
 तीर्थ(ची) कर ३६९, १ ।
 तीर्थकृ ३६८, ५ ।
 तीर्थजह्न ३१९, ११० ।
- तीर्थराजी १०, २० ।
 तीर्थसेविन्. ३३०, १११ ।
 तीर्थी ८२, १२० ।
 तीव्र १९४, ५५८, ३८१, १० ।
 तीव्रस्तुद १४७, १३३ ।
 तीव्रता ११९, २७४ ।
 तीव्रनेत्रा. १७१, ३४५ ।
 तीव्रमार्ग १२०, २८४ ।
 तीव्रसताप ३२७, ८८ ।
 तीव्रा २८०, २८६, २८८, ३३५, २९५,
 ४१७ ।
 तु ४५८, ६, ४५९, १६ ।
 तुक्. २९, ८८ ।
 तुङ्ग २२८, १२६, २७९, २३८ ।
 तुङ्गभद्रा ३४९, ५२ ।
 तुङ्गा १७३, २६८, २८३, ३११, ४०९,
 ३६ ।
 तुङ्गी ३२४, १२८, ४०९, ३५ ।
 तुञ्च २२६, १०६ ।
 तुञ्छिका ३३६, १६५ ।
 तुण्ड ३५, १४० ।
 तुण्डकेरिका ३०८, ५२६ ।
 तुण्डिकेशी=तुण्डिकेरी ।
 तुण्डिन (ल, भ) ३२, १०८ ।
 तुण्डी. १४९, १४९, १९४, ५१९ ।
 तुस्य १९७, ५८०, ३७७, ११ ।
 तुस्था ३०३, ४८३ ।
 तुवा १८३, ४५५ ।
 तुन्तुम=मर्पिप ।
 तुन्तोदि ४०, १९७ ।
 तुन्द ३२, १०७, ४२, १९६, २०५, ३३ ।
 तुन्दपरिमार्ज ३३, ११९ ।
 तुन्दपरिमृज=अलम ।
 तुन्द (निद) ४२, १९५ ।
 तुन्दिक ३२, १०८ ।
 तुन्दित=तुन्दिल ।
 तुन्दिन ३२, १०७ ।
 तुन्दिम (ल) २, १० ।
 तुञ्च=नन्दिवृक्ष ।

- | | |
|-------------------------------|------------------------------|
| तुच्छ. ४१८, ९। | तुहिन ३४१, ७। |
| तुच्छाय २०३, १०। | तूण (गा) १२०, २८०। |
| तुवरिका=तुवरी। | तूणी (र) १२०, २८०। |
| तुम=थाग। | तूद २६३, १३५। |
| तुमुल १२८, ३५४। | तूर ४२४, ६७, ४२३, ५७। |
| तुम्बर ३५६, १०८। | तूषि (क) १३४, १९, १३५, २३। |
| तुम्बा १४४, १०४। | तूम्सू ४७८, ३, ३८१, १६। |
| तुम्बिं (म्बी) २९३, ४००। | तूर्व ४२४, ६७, ४२३, ५७। |
| तुम्बुरिकपत्री ३१४, ५७९। | तूर्या १९१, ५०७। |
| तुम्बुर २६३, १३०। | तूल २१०, ७१, २६३, १३५, २८२, |
| तुरग (ज्ञ) ११०, ०८९। | ३००। |
| तुरगी ३०४, ४९४। | तूलपीठी २१०, ७३। |
| तुरज (म) ११०, ११०। | तूलफल २७४, २३२। |
| तुरझसुख ३८८, ७८। | तूललासिमा २१०, ७२। |
| तुरझवदन ३८८, ७८। | तूलवल २८२, २९२। |
| तुरझी २९४, ४०२। | तूर्ज्यारा २१०, ७४। |
| तुगयण २३५, ३। | तूलशोबनी २१०, ७१। |
| तुरापाह् (साह) ३८२, २७। | तूलि (ली) २०८, ५८। |
| तुरि (री) २०८, १८। | तूलिका २०९, ७०। |
| तुरुक ६५, ८०५। | तूवर १३९, ४९, १६८, ३१९, १८२, |
| तुल ३८२, २०। | ४४३। |
| तुलसी २८०, २८७, २८१, २९०। | तूवरि (री) २०१, ६१७। |
| तुला ८०, १०२, ११०, ५२९, ३०८, | तूणीशेल २२२, ७७। |
| ५२६, ४०४, २२५। | तूणीक २२२, ७७। |
| तुलाकोटि (टी) ५०, २६८। | तूणी (क) म ४७८, ८। |
| तुलादण्ड १११, ५२९। | तूस्त १२६, ३३५। |
| तुलावट ३५०, ६१। | तृणम्=अर्जुनम्। |
| तुलामानम्=मानविशेष। | तृणकुड्हम ६२, ३८१। |
| तुङ्का १४१, ७९। | तृणकूचिका १८, ८०। |
| तुल्य २११, ८०। | तृणकेतु १४६, १२२। |
| तुवर १६८, ३१९, १८२, ४४३, ३५६, | तृणग्रन्थि २९२, ३९१। |
| १११। | तृ (त्रि) णता ११७, २६१। |
| तुवरि १५१, १७३। | तृणत्वच २८७, ३४९। |
| तुवरी १३९, ६१। | तृणदुम्=खंजूरतालप्रसृति। |
| तुप १४१, ८२। | तृणवन्य १३७, ४१। |
| तुषार ३४१, ७। | तृणध्वज =पंश। |
| तुषित ३७०, ७। | तृणनिष्व २६६, १५९। |
| तुषोदक १५५, २०३। | तृणपत्रिका २८९, ३६१। |
| तुष्टि ३९९, १७७। | तृणपर्णी २९०, ३७१। |

| | | | |
|-----------------|---|------------------------|----------------------------------|
| तिलपुष्य | १४०, ६९। | तीर्थराजी | १० २०। |
| तिलपेज | १४०, ६८। | तीर्थसविन् | ३३०, १११। |
| निलभाविनी | २७६, २५०। | तीर्थ | ८२, १२०। |
| निलशिखिन् | ३२९, १०५। | तीव्र | १९४, ५५८, ३८१, १८। |
| तिलिमक | ३६५, १४। | तीव्रस्त्रद | १४७, १३३। |
| तिलित्सम =अजगर। | | तीव्रता | ११९, २७४। |
| तिलोत्तमा。 | ३७३, ३१। | तीव्रत्रा | १७१, ३४५। |
| तित्य | ८, ३०। | तीव्रमार्ग | १२०, २८४। |
| तित्व =लोब्र। | | तीव्रसताप | ३२७, ८८। |
| तित्य | ४००, १८८, ४१४, ८०, ४११, ५७। | तीव्रा. | २८०, २८६, २८८, ३३५, २९५, ४१७। |
| तित्यफला | २६१, १२०। | तु | ४१८, ६, ४५९, १६। |
| तीर्थग | ६६, ११७, १४६, १२०, १७१, ३७०, १९४, ५५७, २२०, ५८, २७३, २२० ४३८, २१। | तुक् | २९, ८८। |
| तीर्थणकृष्टक | २८४, ३१४। | तुहङ्क | २२८, १२६, २७३, २३८। |
| तीर्थणकृष्टका | २८५, ३२४। | तुहमदा | ३४९, ५२। |
| तीर्थणकृष्टन्द | १४७, १२९। | तुङ्गा | १७३, -६८, २८३, ३१३, ४०९, ३६। |
| तीर्थणगन्धक | १४७, ११९। | तुङ्गी | ३९४, १२८, ४०९, ३५। |
| तीर्थणगन्धा | १४०, ७१, १७२, २५५, २८५, ३२४। | तुच्छ | २२६, १०६। |
| तीर्थणदृष्ट | ३१८, १। | तुच्छका | ३३६, १६५। |
| तीर्थणवार (क) | १२०, २८३, १२४, ३०७, | तुण्ड | ३५, १६०। |
| तीर्थणपत्र | २६३, १३१। | तुण्डकेरिका | ३०८, ५२६। |
| तीर्थणपुष्पी | २७६, २८९। | तुण्डिकेशी=तुण्डिकेरी। | |
| तीर्थणमूल | १४५, ११९, १७२, २५६। | तुण्डिन (ल, भ) | ३२, १०८। |
| तीर्थणरक्तल | २६३, १३१। | तुण्डी | १४९, १४९, १९४, ५१९। |
| तीर्थणशूक | १३७, ४१। | तुत्य | ११७, ५८०, ३७७, ११। |
| तीर्थणसारा | २७२, २१३। | तुथा | ३०३, ४८३। |
| तीर्थणसुवेगा | २९५, ४१५। | तुव्रा | १८३, ४५५। |
| तीर्थणा | २९८ ४८। | तुन्तुभ =मर्पय | । |
| तीर्थणी | २९३, ३९९। | तुन्तोदि | ४०, १९७। |
| तीर | ३४६, २०। | तुन्द | ३२, १०७, ४२, ११६, २०५, ३२। |
| तीर्थस्त्रिका | ६, १३। | तुन्दपरिमार्ज | ३३, ११९। |
| तीरिन् | ११९, २७२। | तुन्दपरिमूज =अलस। | |
| तीर्थ | ७२, ३३, १०१, ११२, ३५०, ५६। | तुन्द (गिद) | ४२, ११५। |
| तीर्थ (थं) कर | ३६९, ९। | तुन्दिक | ३२, १०८। |
| तीर्थकृत् | ३६८, ५। | तुन्दित =तुन्दिल। | |
| तीर्थज्ञ | ३२९, ११०। | तुन्दिल | ३२, १०७। |
| | | तुन्दिम (ल) | २, १०। |
| | | तुञ्च =नन्दिवृक्ष। | |

- तुचक ४१८, ९।
 तुचवाय २०३, १४।
 तुवरिका=तुवरी ।
 तुम=आग ।
 तुमुल १२८, ३५४।
 तुम्बर ३५९, १०६।
 तुम्बा १४४, १०८।
 तुम्बि (स्वी) २९३, ४००।
 तुम्बुरिकपत्री ३१४, ५७९।
 तुम्बुर २६३, १३०।
 तुरा (ज्ञ) ११०, ०८९।
 तुरगी ३०४, ४९४।
 तुरज (म) ११०, १२०।
 तुरङ्गमुख ३८८, ७८।
 तुरङ्गवदन ३८८, ७८।
 तुरङ्गी २९४, ४०२।
 तुगयण २३५, ३।
 तुराशाह (साह) ३८२, २७।
 तुरि (री) २०८, १८।
 तुरुषक ६९, ४०५।
 तुल ३८२, २०।
 तुलसी २८०, २८७, २८१, २९०।
 तुला ८०, १०२, ११०, ५२१, ३०८,
 ५२६, ४०४, २२५।
 तुलाकोटि (टी) ५०, २६८।
 तुलादण्ड १११, ५२९।
 तुलावट ३५०, ६९।
 तुलमानम्=मानविशेष ।
 तुलगा १४१, ७९।
 तुल्य २११, ८०।
 तुवर १६८, ३१९, १८२, ४४३, ३५६,
 १११।
 तुवरि १५१, १७३।
 तुवरी १३९, ६१।
 तुष १४१, ८२।
 तुषार ३४१, ७।
 तुषित ३७०, ७।
 तुषोदक १५५, २०३।
 तुष्टि ३१९, १७७।
- तुहिन ३४१, ७।
 तूण (गा) १२०, २८०।
 तूणी (र) १२०, २८०।
 तूद २६३, १३५।
 तूर ४२४, ६७, ४२३, ५७।
 तूर्ण (क) १३४, १९, १३५, २३।
 तूर्णम् ४७८, ३, ३८१, १६।
 तूर्य ४२४, ६७, ४२३, ५७।
 तूर्या १११, ५२७।
 तूल २१०, ७१, २६३, १३५, २८२,
 ३००।
 तूलपीठी २१०, ७३।
 तूलफल २७४, २३२।
 तूललाभिमा २१०, ७२।
 तूल्यवत २८२, ११२।
 तूल्यशंकरा २१०, ७४।
 तूलशोधनी २१०, ७१।
 तूलि (ली) २०८, ५८।
 तूलिका २०९, ७०।
 तूवर १३९, ४१, १६८, ३१९, १८२,
 ४४३।
 तूवरि (री) २०१, ६१७।
 तूणीशील २२२, ७७।
 तूणंक २२२, ७७।
 तूणी (क) म् ४५८, ८।
 तूस्त १२६, ३३५।
 तृणम्=अर्जुनम्।
 तृणकुड्हम ६२, ३८१।
 तृणकूचिका १८, ८७।
 तृणकेतु १४६, १२२।
 तृणग्रन्थि २९२, ३९१।
 तृ (त्रि) णता ११७, २६१।
 तृणत्वच २८७, ३४५।
 तृणद्रुम=खर्जरतालप्रसृति ।
 तृणवान्य १३७, ४१।
 तृण-पञ्ज =वंश ।
 तृणनिष्व २६६, १५९।
 तृणपत्रिका २८९, ३६१।
 तृणपर्णी २९०, ३७१।

- तृणपुष्प. ६२, ३८१।
 तृणबीजोत्तम १३६, ३६।
 तृणमस्कुण २१३, १०९।
 तृणराज २५६, ६७, २७०, १९३।
 तृणवक्ष २५३, ४८।
 तृणसमुद्रा १७८, ४०५।
 तृणसम्भव ५०, २७२।
 तृणाङ्गन ३२४, ६२।
 तृणाटवी २४८, ३।
 तृणामल. २९०, ३६७।
 तृणक्षु २८७, ३४३।
 तृणोनम २८९, ३६०।
 तृणोत्तर ६२, ३८१।
 तृणया २८९, ३६३।
 तृतीयाकृतम्=त्रिहल्यम्।
 तृतीयाप्रकृति २०, ५।
 तृषिका ३४९, ५१।
 तृस. १६७, ३०७, २३२, १६८।
 तृसि १६७, ३०७, ३४४, ५, २७३, ३९।
 तृष् (षा). ५५, ३१९, १६७, ३०९, ४३२,
 १३७।
 तृष ४२२, १२८।
 तृषित २१८, ३५।
 तृष्टुम् ७८, ९१।
 तृष्णक् २१८, ३५।
 तृष्णा. ५५, ३२०, १३२, २, १६७, ३१०,
 ४३६, ४६, ४३२, १३७।
 तृष्णारि ३०९, ५३३।
 तृसर १६०, १४५।
 तेजन. १४६, १२३, २८७, ३३९।
 तेजनी=मूर्वी।
 तेजस ४६, २३२, ४३७, १८।
 तेजस्त्विनी २९१, ३८०, २९५, ४१६।
 तेजित. ११३, २१९, २३७, २७।
 तेजोजन्मन् ४५, २२५।
 तेजोवती २९५, ४१५।
 तेजोवक्ष २६६, १६३।
 तेजक ४१८, ९।
 तेम (न्). २४२, ७३।
- तेर (ण) ३०५, ५०२।
 तेलिन् २०४, १८।
 तैजम १५७, २२३।
 तैजसावर्तनी २०९, ६६।
 तैजसी १७१, ३४३।
 तैतिर ३३६, १६९, ३४०, २०५।
 तैमित्य ५६, २२७।
 तैल २०१, ६१६, २०१, ६२०।
 तैलकन्द १८०, ४२५।
 तैलकोट ३३७, १७६।
 तैलपर्ण ६३, ३८७।
 तैलगायिश ३३८, १९१।
 तैलपायी ३३४, १४७।
 तैलपिपीलिश ३२६, ७७।
 तैलफल २६५ १५२।
 तैलबीज २५६, ७२।
 तैलम्पाता=स्पवाक्रियाविशेष।
 तैलयोनि २०१, ६१७।
 तैलासिन् १३९, २८।
 तैलिक १३५, २८, १६५, २९८।
 तैलिनी ३३७, १७६।
 तैलीन ८, ३२।
 तैलवल. १६९, ३३२।
 तैष ४११, १७।
 तोक २९, ८४, १३७, ४३।
 तोकम १३७, ४३।
 तोकम्=वृत्तमेदो रूपकमेदश्च।
 तोत्र १०८, १७४, १३३, १०।
 तोदन. १३३, १०, २६४, १४०।
 तोमक ३५५, १०३।
 तोमर १२४, ३२१।
 तोय ३४४, १०।
 तोयडिम्भ ३९७, १५९।
 तोयपिपली=जाकमेद।
 तोयफला १५०, १६२।
 तोयवल्ली ३०४, ४९३।
 तोयवली २९८, ४३८, २९८, ४४५।
 तोरण १७, ७७।
 तौर्यित्रिक. ४२१, ४०।

| | | | |
|-----------------------|----------------------------|---------------------------|--------------------------|
| तौल | ५०, २७३। | त्रिणाचिकेत | ८७, १६६। |
| त्यक्त | ७६, ६८, २३३, १७४। | त्रितत्त्वम्=त्रितत्त्वी। | |
| त्यक्तु | १३७, ८२। | त्रिदश | ३६९, ८। |
| त्यद् | २३१, १५६। | त्रिदशसज्जरी | २८०, २८९। |
| त्याग | ७२, ९९। | त्रिदिव | ३, २५। |
| त्यागिन् | २१५, ९। | त्रिदिवेश | ३७०, ५। |
| त्रपा | ४३२, १३५। | त्रिदिवोऽहं॥ | १७२, ३५८। |
| त्रपु (प.) | १९३, ५८५, ३३५, १६४। | त्रिवार | २९०, ३२९। |
| त्रपुषी | १५०, १६०। | त्रिवारा | २८५, २२८। |
| त्रपुस | २०१, ६१९। | त्रिनंत्रफल | २७६, ६७। |
| त्रपुमा (सी) | २९४, ८०३। | त्रिनेत्रा | १७९, ८१७। |
| त्रपुस्या | १५०, १५९। | त्रिपञ्च | १८७, ४३३। |
| त्रय | ३४०, २०७। | त्रिपञ्चक | २६३, १३४। |
| त्रयी | ७७, ८१, ३४०, २०७, ४४२, ३१। | त्रिपथ | १९, ९७। |
| त्रयीत्तु | ६९, १०, ४३६, ९। | त्रिपथगा | ३४७, ३५। |
| त्रस | ४१, १५३, २२८, १३३। | त्रिपदा | ७१, २८। |
| त्रसर | २०८, ६०। | त्रिपदे | १०८, १७६। |
| त्रसरेणु | १८९, ५१३। | त्रिपणिका | १८०, ४२६। |
| त्रमित (स्त्र.) | १३९, ३६७। | त्रिगर्णी | २९१, ३७८, ३१३, ५७२। |
| त्राण | २३३, १७३, २३९, ४०। | त्रिपाद् | ५४, ३०५। |
| त्रात | २३३, १७३। | त्रिपुटा | १५२, १७५, १७२, ३५९, १७७, |
| त्राप | ३६६, २७। | | ३९९, २७७, २५९। |
| त्रापुष (स.) | १२३, ५८७। | त्रिपुटी=त्रिवृता। | |
| त्रायन्ती (माणा) | ३११, ५५२। | त्रिपुण्ड्रक | ७७, ८२। |
| त्राम | ४२८, १०२। | त्रिपुर | २८५, ३२८। |
| त्रि | १८७, ४८६। | त्रिपुरा | १३९, ६०, २९८, ४४४। |
| त्रिशत् | १८७, ४८६। | त्रिपुरान्तक | ३८९, ९०। |
| त्रिक | ४२, २००, १०१, १०९। | त्रिपुरी | १०, १९। |
| त्रिकुट् (द.) | ३४२, १४। | त्रिफला=फलत्रिकम्। | |
| त्रिकट्टु=च्यूषणम्। | | त्रिमण्डी=त्रिवृता। | |
| त्रिकण्ठक | ३००, ४६२, ३०१, ४६४, | त्रिमतु | ८७, १६६। |
| | ३५४, ९३। | त्रिमार्गगा | ३४७, ३३। |
| त्रिका | ३५८, १३२। | त्रिसुकुट् | ३४२, १५। |
| त्रिकूट | ३४२, १४। | त्रिमूर्ति | ३६८, २। |
| त्रिकूटलवण | १५३, १८२। | त्रियमा | ४०२, ३५। |
| त्रिकोणक | २९०, ३६६। | त्रिलोके=त्रिसुवनम्। | |
| त्रिलङ्घी=त्रिलङ्घम्। | | त्रिलोकीराज | ३८२, २६। |
| त्रिगुणाकृत | ८, ३५। | त्रिलोचन=शिव। | |
| त्रिचतुरा | १८७, ४९२। | त्रिलोचना | ४४२, २८। |

त्रिवर्ग. ८८, १०८, ९८, ८९, १०१,
 १०९।
 त्रिविक्रम ४०२, १२।
 त्रिविष्टप ३, २५।
 त्रितृत् (ना) १७७, ३९७।
 त्रिवेल १७७, ३८।
 त्रिवड्कुर ३३४, १९०।
 त्रिशङ्कुज २७, २५।
 त्रिशुद्याजिन् ८३, १३१।
 त्रिशंख ३३३, १८६।
 त्रिशिख २६३, १३८, ३९१, १०२।
 त्रिशिखा १७७, ४२।
 त्रिशिरस ३८६, ५७।
 त्रिशीर्प(क) ५४, ३०५, १२४, ३२१।
 त्रिशल १८४, २२१, ३११, १०२।
 त्रिष्टुम् ७८, ८०।
 त्रिसवि ८७७, २७१, ४०७, १९।
 त्रिसंव्य (गी) ४०७, १९।
 त्रिमरा. १६२, २६६।
 त्रिवीन्य ८, ३५।
 त्रिसुपर्णक ८७, १६७।
 त्रिसोन्त्. ३४७, ३८।
 त्रिहत्य. ८, ३५।
 त्रिहायणी १८३, ४५८।
 त्रुटि (टी) १७२, ३५६, २२७, ११७।
 त्रैता ७७, ८१, ४१४, ७९।
 त्रैद्वयभ. २९६, ४२७।
 त्रोटि (टी) ३३९, १९८।
 त्यक्ष ४४०, १०।
 त्यग्र १२४, ३२१।
 त्यम्बक १५३, ५४४, ३८८, ८९।
 त्यम्बकोऽङ्गवा ३४८, ३९।
 त्यरणि २६६, १६२।
 त्यायुष १३१, ३८६।
 त्यु (त्यू) षण्मूल्त्रिकदु।
 त्व २३०, १४३।
 त्वक्षीर्व=वरारेचना।
 त्वक्तरङ्ग ३०, ८०।
 त्वक्पत्रम्=त्वचम्।

त्वक्पलिक ५७, ३३८।
 त्वक्सार १४६, १२३, ३०२, ४७८।
 त्वक्सारभेदिनी ३०६, ५१०।
 त्वगूर्मि ३०, ८९।
 त्वरज ४७, २४१।
 त्वरजन्मत् ४७, २०५।
 त्वरजल ४७, २४६।
 त्वर्ष्म ४७, २४१।
 त्वच ४६, २३९, १४५, ११२, २५१, २४
 १७७, २९९।
 त्वचा ४६, २३९, २५१, २८, ४३४,
 १०७।
 त्वचिसार १४६, १२३।
 त्वत् २३०, १४३।
 त्वश ४५, २२२, २४२, ६८।
 त्वरित. ११५, २४२, ३८१, १६।
 त्वरितक १३५, २३।
 त्वरितोदित ४४७, ७५।
 त्वष्टम्=त्वष्टम्।
 त्वष्ट २०४, १९, ३७०, ०, ४३६, २,
 ३८४, ४६।
 त्वष्टैवत्य ४०१, १११।
 त्वाश्री ४३८, २२।
 त्विष् ४३७, १६।
 त्विषापति. ४३७, १०।
 त्विषि (घी) ४०७, १६
 त्सर १२२, ३०५।
 थूत्कृन २१७, २७।

द

दंश ३३८, १८७।
 दंशक ३८, १५९।
 दशन ११४, २२८।
 दंशभीर १८०, ४३१।
 दंशित ११४, २३१।
 दशी. ३३८, १८७।
 दष्टावक्त्रक ३२२, ३९।
 दष्टिका ३७, १५८।
 दंष्टिन् ३२०, २५।
 दक. ३४४, १०।

| | | | |
|-----------------|--|-------------------|---------------------|
| दक्ष | ७४, ५१, २०५, ३३, २०७, ४७, २१४, ५, ३७०, ९, ३७१, १८, ३९१, १०८, ४३९, ९। | दण्डभूत | २०३, १३। |
| दक्षजाति | ३९८, १०। | दण्डयास | ३८५, १०, ४०४, २१८। |
| दक्षुनी | ४००, १८३। | दण्डरथ | ३७३, ३। |
| दक्षसुत | ४४१, २। | दण्डग्रन्थ | २८५, ३२२। |
| दक्षसुता | ३९३, १२४। | दण्डहर्प | २८०, २८२। |
| दक्षिण | २१६, १६। | दण्डाजिन | २१८, ३७। |
| दक्षिणपि | ४०४ २१९। | दण्डादण्ड | १२७, ३४०। |
| दक्षिणा | ३७५, ४९। | दण्डा (ण) र | १०६, ११। |
| दक्षिणामि | ७७, ८०। | दण्डारि | ३५४, ९५। |
| दक्षिणाचल | ३४२, १२। | दण्डित | २२३, ७९। |
| दक्षिणायन | ४१३, ७२। | दण्डिन् | २८०, २८८, ३९३, १२०। |
| दक्षिणारु | २०७, ८७। | दण्डेश | १०१, ११। |
| दक्षिणार्ह | २१५, ८। | दत् | ३८, १५९। |
| दक्षिणावर्त्त | ४५४, ३०। | दत्त | ४४०, १३, २३३, १७३। |
| दक्षिणावर्त्तकी | २६८, १७५। | दत्तक | २९, ८५। |
| दक्षिणीय | २१५, ८। | दत्रिम | २९, ८५। |
| दक्षिणेमन् | २०७, ८७। | दद्वु | ५८, ३३९। |
| दक्षिणेश | ३८५, ४८। | दद्वुम् | ३०८, ५३०। |
| दक्षिणे (ण) स्व | १०४, १६०। | दद्वुण | ६०, ३५९। |
| दक्षिण्य | २१५, ८। | दद्वुणित् =दद्वुण | । |
| दग्ध | २३२, १६४। | दद्वु | ५८, ३३९। |
| दग्धवह | २७०, २३९। | दद्विं | १५८, २२८, ३२२, ४६। |
| दग्धवहा | २७२, २१। | दद्विका | ११०, ११०। |
| दग्धवा | २७२, २१०। | दद्विकान् | ११०, ११३। |
| दग्धिका | १५९, २३९, २७२, २१०। | दद्विचार | १५९, २३६। |
| दक्षम | १९०, ५७६। | दद्वित्य | २६२, १२९। |
| दण्ड | ९८, ८३, ११७, २५४, १२३, ३१४, १३३, ११, ४३७, १३। | दद्विनिरा | १५९, २४३। |
| दण्डक | ४४८, ८९। | दद्विपिण्ड | १५८, २३१। |
| दण्डकन्द | १७९, ४९। | दद्विपुष्टा | २९५, ४१८। |
| दण्डव (धा) र | ३८५, ४९। | दद्विपुष्टी | १४९, १४५। |
| दण्डधारिन् | ९०, १३। | दद्विफल | =कापित्य। |
| दण्डनायक | ९०, १७। | दद्विमत्त्व | =करम्भ। |
| दण्डनीति | =अर्यवास्म। | दद्विस्नेह | १५८, २२९। |
| दण्डपति | ९०, १५। | दद्वीच (चि) | ८३, १३२। |
| दण्डपाद | ४२४ ६९। | दद्वग्र | १५८, २२९। |
| दण्डपाशि | ९०, १५। | दद्वुत्तर | १५८, २२९। |
| | | दनाद्युषा | ४४०, १। |
| | | दद्वु | ४४०, १। |
| | | दद्वुज | ३६२, ९। |

| | | | |
|-----------------------|---------------------------------------|-----------------|---|
| दन्त | १६७, ३५६, ९८८, १०७, १६४। | दमिन् | २२२, ७०। |
| दन्तक | २४३, २०। | दमुनम् | ३७६ १। |
| दन्तकाष्ठ | ३०७, ११८। | दमती | ३२ १०६। |
| दन्तघत | २६२, १२६। | दम्स | ४७६, ८६ ४३०, १२१। |
| दन्तच्छद(न) | ३७, १५४। | दम्सालि | ३८४, ८१। |
| दन्तवावन | २६६, १८६, २८३, ३२५। | दम्य | १८२, ४४२। |
| दन्तनटल | ३१३, १०१। | दया | ३६९, ४९, ४२८, १०५। |
| दन्तपालि | १२२, ३०६। | दयालु | २१६, २३। |
| दन्तफला | १६०, ९६०, १७०, ३४१। | दयित | २२३, १०२। |
| दन्तवीज | २७७, ७६। | दर | ४२, ९९, ३६१, ३, ४२८, १०२। |
| दन्तवीजा | १४८, १८०। | दरकर | १३३, ११। |
| दन्तभाग=गजस्थ ग्रभाग। | | दरत् | ६, २२। |
| दन्तभेद | ६०, ३५७। | दरह | १९६, ५६८। |
| दन्तमूलराग | ५९, ३८८। | दरदा | ६, २२। |
| दन्तदस्त्र | ३७, ३५६। | दरि | ३४२, ११। |
| दन्तशठ | १६७, ११३, २६२, १२७, २८३ १३०। | दरित | १२९, २६७। |
| दन्तशठ=अम्रलोणिका। | | दरित्रि | २२४, ९०। |
| दन्तशान | ६८, ४३४। | दरी | ३४२, १०। |
| दन्तसद्ग्रन् | ३६, १११। | दर्दुर | ११६, २७८, १३७, २६, ३४१, २, ३५७, ११९, ३९६, १४३। |
| दन्ताशुब्र | ३२०, २६। | दर्दुरी | ३९६, १३३। |
| दन्तावल | १०४, १४३। | दर्दू | ५८, ३२२। |
| दन्तिका=दन्ती। | | दर्पक | ४७५, ३७। |
| दन्तिजा=दंती। | | दर्पण | ६७, ४२६। |
| दन्तिन् | १०४, १४२, ३४१, २। | दर्म=कुरा। | |
| दन्ती | १७७, ३९५। | दर्पण | २८७, ३४१। |
| दन्तिवीज | १७७, ३९७। | दर्वि (वी) | १४४, १०७, ३६५, २०। |
| दन्तुर | ३३, ११७। | दर्विकर | ३६३, २। |
| दन्तुरच्छद | २६१, ११७। | दर्विकं=गोजिहा। | |
| दन्ताङ्घव | ५८, ३४७। | दर्विभृत् | ३६३, २। |
| दन्दशक | ३६४, ५। | दर्वी=वजाका। | |
| दश | २२७, ११७। | दर्वीकर | ३६३, १। |
| दस | ९८, ८३, १०१, १०९, २३५, ५, ३४६, २४। | दर्वीवृत् | ३६३, २। |
| दसघोष | ९५, ५७। | दर्श | ७६, ६९, ४१०, ८८। |
| दसथ | २३५, १। | दर्शक | ९०, १०। |
| दसन | २८०, २८४। | दर्शन | ३६, १४३, २४३, ७४। |
| दस्यन्ती | ९२, २७, २७७, २५७। | दल | २५१, २६। |
| दमित | २३२, १६२। | दलज | १६४, २७९। |
| दमित् | २२२, ७०। | दलनि (नी) | १३३, ३। |

| | | | |
|--------------------------|-------------------|---------------------|---------------------------|
| दलमोहक | १६४, २७९। | दहनारि | ३४५, ११। |
| दआमन | १५१, १६९। | दहरी | ३०३, १८३। |
| दलि | १३३, ९। | दाक | २१९, ४६। |
| दलित | २५२, ३६। | दाक्षायण | १९२, ५३। |
| दलिन् | ३८२, २०। | दाक्षायणी | ४४०, १२। |
| दव | २४८, २, ३७८, १४। | दाक्षाय | ३२७, ८७। |
| दवथु | ५६, १२४, २३७, २३। | दालिणात्य | २५६, ६७, ३८०, ९। |
| दपिष्ठम्=सुहरम् | दूरतमस्। | दालिण्य | २३७, २३। |
| दवीयम्=सुहरम् | दूरतमस्। | दाक्षेय | ८३, १३८। |
| दगफण्ठ | ३८६, ६३। | दाडिम | २५६, ७५। |
| दशादान. | ८०, ००७। | दाडिमपुष्पक | २८२, ३०२। |
| दशन | १८७ ४९५। | दाटिम्ब | २५६, ७५। |
| दशन | ३८, -५९। | दाटा | ३७, १५८। |
| दरावासम्=आष्ट | । | दाढिका | ३७, १५८। |
| दशपु(प्र)रम्=मुन्ताविशेष | । | दाण्डपाता=माल्युनी। | |
| दशबल | ३६८, ५। | दत | २३२, १६९। |
| दभूमीश | ३६८, २। | दति | १३३, १२। |
| दशमानिका | १९१, ५२७। | दातु | २१९, ४६, ३६३, १७। |
| दगमिन | ३१, ९७। | दात्यु (त्यो) ह | ३३३, १६२। |
| दशमीस्य | ३१८, ७। | दात्र | १३३, १२। |
| दगमुख | ३८६, ६। | दाविक | १६५, २९४। |
| दगमूल | १४३, ११८। | दान | ७३, ४२, ७६, १९, १०७, १६३, |
| दसारथ | ४५३, ७। | | २३६, १९। |
| दशगिरस | ३८६, ६३। | दानव | ३६२, ११, ४५१, २। |
| दश रत्क्या | ८१, ११९। | दानवगृह | ३४४, ३। |
| दशा | ५१, २०४। | दानवारि | ३७०, ५। |
| दशार्णा | ३४९, ५०। | दानशील | २१५, १। |
| दसार्ह | ३६८, २। | दानशोण्ड | २१५, ८। |
| दशाश्व | ३९८, १५९। | दाना | २८३, ३१०। |
| देन्वन | ६७, ४२७। | दानत | ८८, १७२, २१९, ४६, २३२, |
| दशोत्तम | ३९०, ९३। | | १६२, २८०, २८४ ३७४, ४७ |
| दस्म | ३७७, ११। | दान्ति | २३५, ५। |
| दस्यु | ९१, २०। | दापित | २२३, ७९। |
| दस्त | ३८४, ४५। | दाम | १८४, ४६५। |
| दस्तदैवत्य | ४००, १०४। | दामन् | ४८, २५२, १८४, ८६५। |
| दहने | ३३२, १३४। | दामना | १८४, ४६५। |
| दहना | २९१, २८। | दामलिस | ११, २८। |
| दहनागुरु | ६५ ४०७। | दामाज(ज)न | ११२, २१६। |

| | | |
|------------------------|---------------------------------|--------------------------------|
| दामोदर | ४७३, २२। | दामीसम्म=दामीना संहनि । |
| दाम्भिक | =मायाव । | दाम्सुत २८, ७१। |
| दाय | ६८, ८६, २३६, १९। | दायथ २८, ७५, २०५, ३१। |
| दायाद | २९, ८, ३६, १९। | दमर २०५ ३१। |
| दार | २७, १४, ४२८, १०२। | दमरे ३५१, ७०। |
| दारक | ३०, १२, २६४, १४२, ३६६, २८। | दाइ ५६, ३२३। |
| दारकम्न् | ७३, ३९। | दाहकाष्ठ ६५, ५०६। |
| दारड | ३४४, २। | दाहमरम्. १३१, ३८३। |
| दारा | २७, ४४। | दाहगुर ६५ ४०८। |
| दारित | २३२, १६५। | दहार ९८, ८८। |
| दारु | २१९, ४६, २५१, २७। | दिका ३२५, ७३। |
| दारुक | ३२०, २८, ४१४, ३२। | दिक्क १०५, १४९। |
| दारण | १७१, ३५०, ३३४, १८९। | दिक्षिण्टक ३६१, ६। |
| दारपनी | १५४, १९६। | दिक्षिण् २२, १९। |
| दारमुरा | ३२४, ६०। | दिक्षिति ३७५, ५७। |
| दारहरिढा | १७६, २१०। | दिग्घवर ८७, १८८, २२२, १७, ३६२, |
| दारहिन्तक | १४४, १००। | ७, ३८९ ८७। |
| दार्गांधार | ३३४, १८९। | दिग्घवस्थान ३, २४। |
| दार्विक | =योजिदा । | दिग्घैव्य ३७५, ५६। |
| दार्वी | १५६, २१०। | दिग्घज ३७५, ५२। |
| दार्वीपत्नी | १५४, १९६। | दिग्घ ११९, २७२, २४१, ५८। |
| दालव | ३६६, २५। | दित २३२, १६९। |
| दाला | ३३८, १८६। | दिति ४४०, ११। |
| दालि (ल) | १४१, ८२, १५९, २४१, २९४, २०२। | दितिसुत ३६२, १०। |
| दालिम | २५७, ५६। | दिय ६६, ६९। |
| दाप | २४८, २, ३७८, १४। | दिविपु (प्र) २६, ५२। |
| दाचिक | ३५०, ५७। | दिवीषु (प्र) २६, ५२। |
| दाश | ३५१ ६९। | दिन ४०५, २। |
| दाशपुरम्=मुस्ताविशेष । | | दिनकर ४३६, ८। |
| दाशगथि | ४५२, १८। | दिनकेसर ३६१, ६। |
| दार्णक | १०६, १५६। | दिनदण्ड ३६२, ७। |
| दाशा (सा) हि | ४५४, २९, ४५३ २३। | दिनदद्य ४०२, २०७। |
| दाशेयी | ८३, १, ९। | दिनपति ४३७, १०। |
| दास | २०२, १, २०५ ३१, २१६, १९। | दिनप्रणी ४३६, १। |
| दासपुट | २१०, ३७३। | दिनमणि ४३६, ८। |
| दामी | २४, ३९, २७९, २७९, ३०६, ५०८। | दिनमत्य ४०७, १६। |
| दासीर | २८, ७५। | दिनमाल ४११, ५४। |
| | | दिनवसु ४३६, ८। |
| | | दिनहासिन् ३५९, १४०। |

- दिनान =संया ।
 दिनीप ९२, ३० ।
 दिव् ३, २१, ४०३, २ ।
 दिव् ३, २२ ।
 दिवम् ४००, २ ।
 दिवम्बुव ४०७ १५ ।
 दिवम् वनान ४०७, १७ ।
 दिवन्पति. ३८३, २३ ।
 दिन-वृयिव्या ४४, २० ।
 दिवा ४५८, ८, ४०५, ३ ।
 दिवाकर =मृग्य ।
 दिवाकर्णि २०३, २०, २०६, ३६ ।
 दिवान्य ३२८, १०० ।
 दिवान्या ३२८, १०१ ।
 दिवान्यस्त्रा=उच्छुदरी ।
 दिवामीत ३२८, १९, ४००, १०२ ।
 दिवास्त्रापी ३२८, १०० ।
 दिवि ३२३, ८४ ।
 दिविर २७, ६१ ।
 दिविपद् ३६९, २ ।
 दिवोदाम ८४, १३८ ।
 दिवौक्ष्म=दवधानकथ ।
 दिव्य ६२, २७, ६३, ४०३, १३७,
 ४२, ३४५, १६ ।
 दिव्यगम्बा १७२, २०८, ३०६, ११० ।
 दिव्यगायत ३७४, ८० ।
 दिव्यतुम्बी १४८, १४२ ।
 दिग्गुपुष्पी ३१४, ५४३ ।
 दिव्यरोपक २७३, २२४ ।
 दिव्यलना २९१, ३५८ ।
 दिव्यमार २६९, १११ ।
 दिव्या २६४, ०४०, २८८, २५३, २९४,
 ४०३, ३०४, ४९८, ३०९, ५४१,
 ३१६, ५०५ ।
 दिव्योपपादुक २२७, १८ ।
 दिग् १८७, ४९८, ३७४, ४८ ।
 दिशा ३७४, ४८ ।
 दिशाप्रियतम ३१०, १५ ।
 दिश्य ३७६, ५८ ।
 दिष्ट ६१, ३६८, ४०५, १ ।
- दिशन, १३०, ३७५, १३१, १७७ ।
 दिष्टव्य ४७९, १४ ।
 दीक्षा ३२७, ५३ ।
 दीक्षा ७७, ६१ ।
 दीक्षामि ४०४, ३१८ ।
 दीक्षन्त=अग्रसृय ।
 दीक्षित =यजम नपिशेय ।
 दीक्षिति ४२, १९० ।
 दीक्षिति १५९, २६-, ३३३, १५९,
 ४०२, २०८ ।
 दीक्षिति ४३७, १७ ।
 दीन २२४, ९०, २८०, २८३ ।
 दीनार =निह ।
 दीप =प्रदीप ।
 दीपा १७१, २८८, ३३०, २०० ।
 दीपस्त्रूज ६३, ३९० ।
 दीपन ६२, ३८०, १४७, १२२ ।
 दीपमत्ती ६७ ४२८ ।
 दीपवृक्ष ६८, ८२९ ।
 दीपव्यान ६७, ४२८ ।
 दीपादी ४११, १९ ।
 दीपहार २०१, ६१० ।
 देपिका ६७, ४२८ ।
 दीपेच्छिष्ट ६८, ८३० ।
 दीप १९२, ५३३, ३२६, ०९६ ।
 देसि हा ३१९, १५ ।
 दीसलोचन ३१९, १८ ।
 दीसा १५७, ११८, २९६, ४१४, ३०३,
 ५०२, ३०८, ५२८ ।
 दीसि २१, १४, १७४, ३७२, ४३७, १५ ।
 दीसिक १९८, ५८७ ।
 दीसेपल २००, ६०८ ।
 दीथ १५४, १११, १७१, ३४८ ।
 दीया १५४, ११३, २५८, ८७ ।
 दीघि २२४, ९२, २२८, १२५, ४४३,
 ४२ ।
 दर्ढकणा १५४, ११२ ।
 दर्ढकण्ठक २८४, २१४ ।
 दीर्घकुन्द १४७, १३५ ।

दीर्घका १७४, १९५ ।
 दीर्घाणडा २१८, २२९ ।
 दीर्घमल २६९, १८८ ।
 दीर्घकण ३१८, ११ ।
 दीर्घकण(ची)जा ३५४, ९४ ।
 दीर्घग्रन्ति १७१, ३४४ ।
 दीर्घभीष ३८९, ११३ ।
 दीर्घतात १३४, २०, १३६, ३३, २८८,
 २१० ।
 दीर्घतुर्ति=तुकुन्दरा ।
 दीर्घुग २१०, ३६६ ।
 दीर्घणडी ३१३, ५८८ ।
 दीर्घदशिन् ७४, ५० ।
 दीर्घउला ३१४, ५८१ ।
 दीर्घनाद २०६, १० ।
 दीर्घशाल १३७, १६ ।
 दीर्घटरेल १४८, १६६ ।
 दीर्घवत्र १४७ १२९, १७२, ८१५,
 २१८, ११, २७०, ११८, २११,
 ३७४ ।
 दीर्घवत्रा १७२, ३०५, २७६, २५०,
 ३०७, ५२८, ३१०, ४४,
 ३१३, ५०५ ।
 दीर्घवत्रिका ३०८, ५०९ ।
 दीर्घपत्री २१९, ४५८ ।
 दीर्घपर्ण २७०, १९२ ।
 दीर्घपर्णी ३००, ०६१ ।
 दीर्घपलव ३०२, २७८ ।
 दीर्घगदप २७०, १९३ ।
 दीर्घपुष्प २७४, २३४ ।
 दीर्घपृष्ठ ३६४, ६ ।
 दीर्घफल २६७, १७ ।
 दीर्घफला १४८, ११९, १४८, १४४,
 २१८, ४४० ।
 दीर्घवाला ३२०, २४ ।
 दीर्घवंजा १४८, १४१ ।
 दीर्घभास्तु १०४, ११ ।
 दीर्घमूल २८६, ३३८, २८६, ३३९,
 २९६, ४२१ ।

दीर्घमूल २९९, ४५१ ।
 दीर्घत ३२०, २७ ।
 दीर्घसन ३६४, ६ ।
 दीर्घरागा १७६, २०८, २१७, ४३० ।
 दीर्घर्जु ३१७, १६२ ।
 दीर्घपत्री २१४, ४०९, २१२, ४४७ ।
 दीर्घवालुक २१७, ४२४ ।
 दीर्घवृत्ता २१६, ४२१ ।
 दीर्घयर १३७, ४७ ।
 दीर्घशाख ३०२, ४७८ ।
 दीर्घशाखिका ३०७, ५२१ ।
 दीर्घगिर्मी १३९, ६४ ।
 दीर्घशुक १३४, ११ ।
 दीर्घसस्य २७५, २८१ ।
 दीर्घसस्या २७९, ९५ ।
 दीर्घमुख २०६ २९ ।
 दीर्घमृत २१७, २६ ।
 दीर्घसक्त्व २७०, १९३ ।
 दीर्घाह्नि ३३०, ११५ ।
 दीर्घयुव १२४, ३१९ ।
 दीर्घयुम् ३६३, १७ ।
 दीर्घिजाऽगामी ।
 दीर्घी ३५८, १३३ ।
 दीर्घवास १५०, १५७ ।
 दीर्घवी ३०४, ४९७ ।
 दुख ११७, २५७, ३६७, ३ ।
 दुखदोहा १८४, ४६० ।
 दु प्रवृत्त्य २२०, ५३ ।
 दु प्रवृशा २८५, ३२४ ।
 दु शासन ९२, ३५ ।
 दु शृङ्खी २४, ३६ ।
 दु पमम ४५९, १८ ।
 दु समम् २३६, ११ ।
 दु सहा ३१२, ५६२ ।
 दु स्पर्श २८५, ३३० ।
 दु स्पर्शी २६१, ११६, २९३, ३१८,
 २९४, ४०९, ३००, ४५७ ।
 दु स्फोट १२४, ३१७ ।
 दुर्क्ष (ग) ल ५१, २८३ ।

| | |
|-----------------------------------|-----------------------------------|
| दुर्ग १५८, २०५। | दुर्गावल्लभ ६६, ४९४। |
| दुर्गवचर १६०, २८८। | दुर्गाहार ६६, ८८। |
| दुर्गवदा २९०, ३७०। | दुर्ग्रह ३०३, ८८५। |
| दुर्गवपाण १९८, ५८८। | दुर्घटा १४८, १३९। |
| दुर्गवेजी ३१३, ५६९। | दुर्घोष ३१८, ११। |
| दुर्गवर्जा १४८, १४०। | दुर्जन २२४, ८८। |
| दुर्गवा ३१३, ५५९। | दुर्जन २३६, ११। |
| दुर्गिवक्ता=दुर्गवी। | दुर्दर १८७, ८७। |
| दुर्गिवत् १९८, ५८८। | दुर्दिन ३९८, १५६। |
| दुर्गिविनिका ३०३, ८८७। | दुर्दोषा १८४, ४६०। |
| दुर्दु ५८, ३३९। | दुर्द्वेर १९७, ८८३, ३०९, १५६। |
| दुर्दुम=पलाण्डु। | दुर्द्वीपी २९८, ८८ २८९, ३११, ३१२, |
| दुर्दु ४७४, ८६। | ५६३। |
| दुन्दुभि (भी) २१३, १०४, ३३५, १६१, | दुर्योन्वेदिन् ९३, ३६। |
| ३८७, ६९, ४८४, ६६। | दुनोमकम=अशी। |
| दुन्दुभिदर्पित्तन् ९५, ५९। | दुनीसन् ५५, ३१२, ३१४, ९१। |
| दुरन्त १९, ९६। | दुनीमार १४७, १३२। |
| दुरभिग्रह २९३, ३९७। | दुर्वल ३२, १०७। |
| दुरवग्रहा ३०९, ४७०। | दुर्मगा २३, २६। |
| दुराधर्षा ३१२, ५६०। | दुर्मनम २१५, १४। |
| दुराधि ३७२, ३९। | दुर्मरा २८८, ३५२। |
| दुराधा २५८, ८५, २८८, ३३५। | दुर्मुख ८२२, ७२। |
| दुरारोह २६३, १०४, ३२४, ६४। | दुर्मोहा २९७, ८३२। |
| दुरालभा (भा) ३०६, ४७०। | दुर्योवन ९२, ३८। |
| दुरासह १२०, ८८३। | दुर्लभ १७३, ३६। |
| दुरितम=पापम्। | दुर्वरा २९५, ८१६। |
| दुरितपावनी २८३, ३१२। | दुर्वर्ण १६३, ५४९, ३०५, ५, ०। |
| दुरोदर २१३, १००। | दुर्वाच २२२, ७४। |
| दुर्ग ११, ३०, ६६, ४७२, ९७, ७९ | दुर्वारा ३१४, १२८। |
| ११६, २४६। | दुर्वासस् ४४०, १३, ८२, १२४। |
| दुर्गत २२४, ९०। | दुर्विगाहा २२०, ५३। |
| दुर्गति ३६७, १। | दुर्विव २२४, ९०। |
| दुर्गन्ध २५३, ४०। | दुर्वृद् ११, २०। |
| दुर्गपाल १०६, १११। | दुश्चड्म ३००, ४६२। |
| दुर्गम १९, ९८। | दुश्चमेर ५७, ३३७। |
| दुर्गमार्ग १९, ९८। | दुश्च्यवन ३८२, २२। |
| दुर्गलङ्घन १८४, ४६६। | दुष्कृतम=पापम्। |
| दुर्गसचर २४२, ६७। | दुष्टवी २१८, ८०। |
| दुर्गा ३८६, १६७, ३९३, १२६। | दुष्मुख ३३८, १०७। |

| | | | |
|---------------------|---------------------|----------------------|-------------------------|
| दुष्ट | ४६०, २८। | दृढतर | ३७१, २०३। |
| दुष्टत्रै=प्रवर्ही। | | दृटनृण | २८७, ३४६। |
| दुमुका | १७३, ३६२। | दृटन्वच् | २८८, ३०८। |
| दुमूळग | ३७५, ४२। | दृढनिष्ठुर | २२९, १२५। |
| दुन्त (न्त.) | ३५६, ६८। | दृटशादा | २६७, ४१०। |
| दुम्य | २८८, ९०। | दृटपाणी | ३१३, ५६७। |
| दुन्तिन | २८८, ९०। | दृटप्रोह | २६०, १०५। |
| दुन्तिन् | २९, ८३। | दृढफल | २७६, ६७। |
| दुहितृमुत | २७, ६८। | दृटवीज | २८४, ३१२, ३०८, ५२१। |
| दून | ९७, ७७, ३७५, ८। | दृटसुष्ट | २२४, ८०। |
| दृति (नी) | २३, २६, ३३३, १४२। | दृउम्प | २८७, ३४१, २९०, ३६६। |
| दृत्यम्=दृत्यम्। | | दृटरत्न | १९९, ६०८। |
| दून | २३२, १६८। | दृढरता | २९७, ८३०। |
| दूरम्=दिग्कृष्टम्। | | दृटवत्कल | २७३, २०७। |
| दूरदशिन् | ७४, ५०, ३२७, ८५। | दृटवत्ता | ३०२, ८०९। |
| दृंद्वा | ७४, ५०। | दृटमध्ये | २२९, ९८। |
| दृ-सूर | २८७, ३८०। | दृट्यकन्व | २७६, ८३। |
| दूरवेदिन् | ११६, २१। | दृति | १४४, ११०। |
| दूर-नानिन् | ११६, २३। | दृभू | ३६९, १। |
| दृवी=गतपर्वी। | | दृवम्=ग्रन्थितम्। | |
| दूपक | १३४, २१। | दृश् | ३६६, १४०। |
| दृष्टि (पी) का | ४७, २४३। | दृशद् | ३४४, २२। |
| दृश्यिति | ३६६, २८। | दृशान | ४२७, १०। |
| दृ॒ष्ट्य | ५३, ३०१। | दृशि (शी) | ३६, १४७। |
| दृ॒ष्या | १०८, १७६। | दृपत्ती | ३०७, ५१७। |
| दृ॒क्प्रद | १९६, ५७। | दृपद | ३४४, २३। |
| दृ॒क्प्रसादनी | ३११, ६१७। | दृपद्वती | ३९३, १२२। |
| दृ॒क्प्रसादा | १९६, ५७४। | दृष्टि | १००, १०५। |
| दृ॒गीपत्र | १९३, ५४७। | दृष्टुष्णा | २२, १९। |
| दृ॒ग्मू (न्मू) | ४३६, ७, ३८४, ४२। | दृष्टरजस्=मव्यमा। | |
| दृ॒ग्वित | ३३, १५५। | दृष्टि | ३६, १००। |
| दृ॒ग्यिष | ३७०, ६। | दृष्टिसूष्. | ३६२, ९३। |
| दृ॒ड | ३०५, ५००, ३८१, १८। | दैव | ४४०, १२, १२०, २८३, ११७, |
| दृ॒क्काण्ड | २८८, ३४७। | | ५८४, ३६९, २, ३९६, १५८, |
| दृ॒क्षुरा | २८७, ३४६। | | ४२६, ४। |
| दृ॒टगन्वा | २७७, २५८। | दैवकी | ४४४, २६। |
| दृ॒ढप्राण्यि. | १४६, १२०। | दैवकीनन्दन्=कृष्ण। | |
| दृ॒ष्टच्छद | २७०, ११३, २८८, ३४७। | दैवकुरुमम्=द्वज्ञम्। | |
| दृ॒ढच्युत् | ४०४, २२२। | | |

| | | | |
|-----------------------|---------------------|--------------------|--------------------------|
| दवन्वान | ३४२, १२, ३५८, १५४। | दवयद | ७९, ९८। |
| दवगंग | ३०२, ५४। | द-यु | ३६६, १। |
| दवगुम | ४०२, २०८। | दव्यानि | ३७२, २८। |
| दवगृह | ६३, ६६। | दवर | ८७, ६७। |
| दवच्छन्द | ४८, २६०। | दव च | ३८२ ८८। |
| दवजयकम्=गाहिपम्। | | दवयि | ८८, १२२। |
| दवजनर्ता | ३७०, ७। | दवल | २०४ २३, ८८, १८। |
| दवन्तु | ३८५, १४। | दवन्तन्त् | ७०, १६। |
| दवता | ३७०, ६। | दवन्द्वाली | २६८, १४। |
| दवताट | ३७८, १२। | दवन्द्वक | ६३, ८६। |
| दवताप्रणिगत | ८७, -००। | दवन्द्वार्य | ८२३ ७१। |
| दवत्व | ८८, १८९। | दवन्द्वन | ३८८, १०। |
| दवठण्डा | ३०४, १९९। | दवन्द्वेर | ३८६, ६८। |
| दवटास=प्रतिष्ठाप्तम्। | | दवन्द्वन | ६८, ३।। |
| दवदाली | २९४, ५०८। | दवन्द्वना | ३४८, ८६। |
| दवदीप | ३६, १४०। | दवन्द्वेष | २८०, २८।। |
| दवदुरुभि | ३८२, ८८। | दवन्द्वी | २९१, ३०९। |
| दवदृती | २६१, ११८। | दवन्द्वेष | ३८८, २२। |
| दवद्रोणी | ७६, ७५। | दवन्द्वम् | ३, २०, १५, ६२। |
| दवद्वाज्ञ | २२१, ६८। | दवन्द्वम्=सुवर्मा। | |
| दवन्वान्य | १३७, ८।। | दवन्द्वम् | २६३, १००। |
| दवन | ४३० ११०। | दवन्द्वप्रिप | २६८, १८।। |
| दवनदी | ३४७, ३।। | दवन्द्वायुज्य | ८८, १७३। |
| दवनन्दन्. | ३८३, ३।। | दवन्द्वष्टा | २११, ८।। |
| दवनल | २८८, ३।। | दवन्द्वना | ३८३, ३१, ३२८, ३८७। |
| दवपर्णक | २८२, २९६। | दवन्द्वन्ति | ३१५, १८।। |
| दवपिशुन | ८८, १२४। | दवन्द्वै | ४३६, ९। |
| दवपुष्प | ६५, ४०४। | दवस्मृति | ३४९, ४८। |
| दवपूज्य | ३८५, ५४। | दवाज्ञ | २०४, २३। |
| दवप्रिय | १८५, ४६९। | दवार्जित्=देवल। | |
| दवबला | ३०३, ४८९, ३११, ५५२। | दवाविदेव | ३६९, ८। |
| दवब्रव्यन् | ८८, १२४। | दवानाप्रिय | ३३, १२०। |
| दवभूष | ८८, १७९। | दवार्ह | २८२, २९७। |
| दवमणि | ३०९, ५४१, ३८९, ८।। | दवार्हा | ३०३, ४८९। |
| दवमातृ | ३४९, ४७। | दविका | ३४९, ८।। |
| दवमातृ | ३४९, ४७। | दवी | १६०, ७०, १४८, १४२, १४९, |
| दवमातृक | ६, १५। | | १४८, २४१, ३७९, ३१४, ५८३, |
| दवमार्ग | ३, २३, ४०४, २७।। | | ३१३, १२७ ४२६, ८।। |
| दवमास | २५, ४७। | दवीकोष्ट | ११, २३। |

दंड २७, ६७।
 दंबष्ट ६८, ८१० ८८, १, ३।
 दंबेया ३०९, ५।।।
 दंद्या ७२, ३४।
 दंग ४, २।
 दंशक २१७, ३१।
 दंशस्तपम्=समज्ञम्।
 दंशिक ८१, ११३, २२२, ३५।
 दंह ३४, १०३।
 दंहक ३२३, १२१।
 दंहकन् ३१, १००।
 दंहकुल्य ४१३, २३०।
 दंहली १६, ७।।
 दंहर्वमन् ४७, २००।
 दंहत्तन ४८, १२०।
 दंहासव ४७, २६६।
 दंहिन् ४१६, १०।
 दंहेतय ३६२, ।।।
 दंत्य ४४०, १२, ३६८, १।
 दंत्यगुरु ४०२, २०७।
 दंत्यगृह ३४४, ३।
 दंत्यग्रह ४०३, २१०।
 दंत्या २११, ४५।
 दंत्यारि ३७०, ५, ४५१, ५।
 दंत्यन्द ३६८, १४।
 दंनन्दिन ४५७, ८५।
 दंन्यम्=दुख दारिया च।
 दंध्यम्=आचाम।
 दंलीय ९५, ६२।
 दंव ७२, ३२, ४०६, ७।
 दंवकेय ४५३, २३।
 दंवज्ञ ९६, ६६।
 दंवत ३७०, ६।
 दंवतत्पर २२०, ५५।
 दंवपर २२४, ९१।
 दंवप्रश्न ९६, ६७, ४४६, ७१।
 दंव्य ३४७, १२।
 दंष्टिक २२०, ५८।
 दो साविक. ९०, १२।

दोग्नि १८८, ८१३।
 दारम २०८, ५७।
 दार्गड़ ३३, ११।।।
 दाला १०४, १४९।
 दालिन १८२, ८८०।
 दोप १०१, ११६।
 दापक्षेशिन् २८१, २९२।
 दोपन ७३, ८७।
 दोपमेड १६९, ३३१।
 दोपा ३६, १०१, ४१८, ९, ४०३, ३५।
 दोपानि क ६७, ८२७।
 दोपैकड़ग २१६, १६, २२३, ८७।
 दोपु ३६, १६९।
 दोहद २५, ८५ ४३८, १३७।
 दोहदती २५, ८६।
 दोहदिन् २७३, २८३।
 दोहन २३८, ३५।
 दोहने १४४, १०३।
 दोहल ३४६, २८।
 दोत्य ९७, ०७।
 दोन्हमी ४३०, ११७।
 दोवारिक ८९, ९।
 दोध्यन्ति ९२, २९।
 दोहित्र २७, ०९।
 दोहद २५, ४५।
 दोवापृथिवा (वौ) ४, २७।
 दु ३७७, ११।
 दुत ४३७, १६।
 दुति (ती) ४३७, १६, ३७१, १६, ३९९,
 १८०।
 दुमणि =सूर्य।
 दुमयी ४३८, २२।
 दुम्न १९२, ५३७।
 दुष्ट ३७९, ३।
 दूत २१३, १०१।
 दूतकार २१३, १००।
 दूतकृत २१३, ११।
 दूतपूर्णिमा ४१०, ४८।
 दूतबीज २१३, १०२।

| | | | |
|----------------------|-------------------------|-----------------------|---------------------------|
| यो | ३, २०, ३, २५, ४३६, २। | द्रुसामय | १७४, ३७३। |
| योन | ३३७, १७। ४३७, १०, ४३९। | द्रुसमहा | २९७ ४३६। |
| | ६१। | द्रुमाश्रय | ३२४, ६३। |
| योनन | ३६, १८९, २३७, २६। | द्रुम त्वल=सीणिरार। | |
| द्रव | २२८, १३३। | द्रुवय | १८६, ५१। |
| द्रामम्=स्थ ढवि। | | द्रुपण=व्रद्वा। | |
| द्रव | ४३०, १२। | द्रुहिण | ४३९, १। |
| द्रवक | २०१, ६२। | द्रोग | १७७ ८०, १९१, ७२२, ३२९ ३१, |
| द्रास्ती | २९४, ६०५, ३२४, ५८०। | | ३२८, ९८। |
| द्रसरमा | १७४, ३७। | द्रोणक | ३२७, ९१। |
| द्रविण | १९२, ५३६, | द्रोणकाळ | ३२८, ९०। |
| द्रव्य | १९२, ५३६, ४३९, ८९। | द्रोणकीता | १८४, ०६। |
| द्रव्याद्रव्यवन | ९७, ७। | द्रोणदुर्गा=द्रोणक ४। | |
| द्रह | ३४७, २९। | द्रोणमुदा | ३१४, ५८। |
| द्राक | ४३८, ३। | द्रोणमुख | ८, १। |
| द्रक्षा | २९८, ९३। | द्रोणपितु | १४, ३२। |
| द्राचिष्ठ | २३४, १४३, २८८, ३८। | द्रोण(णी) | ३११, ६८, २२६, ४२१, |
| द्राचिष्ठसु | ३१८, १। | | ३०६, ५१०, ३४२, १८। |
| द्राढा | ३७, १५। | द्रोहचिन्तन | ४३३, १५। |
| द्रावकन्द | १८०, ४२८। | द्रोणायनि(न) | ९५, ५५। |
| द्रावकर | १७८, ४०। | द्रोणि | ९५, ५५। |
| द्राविड | १५२, १८०, १७३, २६५। | द्रोणेक | ८, ३६। |
| द्राविडी | १७२, ३५६। | द्रोणेय | १५३, १८२, |
| द्राविणी | ३००, ४५७। | द्रोपड | १४, ५३। |
| द्राविता | ४१७, ७। | द्रोपदी | १४, १०। |
| द्राविल | ८४, १३। | द्रवद | १२७, ३४९, ३४०, २०६। |
| दु | २५०, १२, ३९९, १७। | द्रावचारिन् | ३३१, १२०। |
| दुक्तिलिम्म=द्रवदार। | | द्रवी | ३४०, २०६। |
| दुष्पण(न) | १२४ ३१८, ४३९, ८। | द्रा स्य | ९०, १०, १०१, १०९। |
| दुण | ३२३, ७। | द्राम्यन | ८९, ९। |
| दुणास | ११८, २६२। | द्रावशबाहु | ३९६, १०२। |
| दुणि(णी) | ३११, ६८। | द्रादगाल | ३६८, ३, ३१५, १४३। |
| दुत | २२४, ९५, २३०, १५१, ३२०, | द्रादगाङ्ग | ४३६, ९। |
| | २९, ३८१, १६। | द्रादगात्मन्-सूर्य। | |
| दुतम् | ४५८, ३। | द्रा शार्विम् | ४०८, २०८। |
| दुपद | १४, ५२। | द्रापर | २१३, १०६, ४१४, ८०, ४३३, |
| दुपदी | ३११, ५५। | | १४९। |
| दुम | २५०, १३, ३२७, ७। | द्रार्(र) | १७, ७। |
| दुमनाशिनी | ३३७, १७। | द्रारका | १०, १७, ४५४, ३३। |

| | | | |
|---------------------------|-------------------|------------------------|------------------------|
| द्वारपालक | ८९, ९। | द्विपर्णी | ३१६, ५९७। |
| द्वारपिण्डि | १६, ०२। | द्विपाद्य | १००, १०३। |
| द्वारयन्त्र | १७, ८। | द्विपुण्ड्राग्र | ३३४, १८८। |
| द्वारमती | २०, १६। | द्विसंगम | १९, ९७। |
| द्वारयण | २१०, ७३। | दितुख | ३६३, १५। |
| द्वागवनी | १०, १२। | द्विरड=गज | । |
| द्वारिका | १०, १७। | दिम्बन | ३६४, ६। |
| द्वा (द्वि) रीढिनि | १८७, १९। | द्विग्नम | २४६, ०९। |
| द्वा (द्वि) पष्ठि | १८७, १९। | द्विरूप | ३३७, १७८। |
| द्वा (द्वि) इस्ति | १८७, १९। | द्विवासा | ५३, २९। |
| द्वि | १८६, ११। | द्विवेदहन्तु | ४५९, ८। |
| द्विस्तुद | १८४, १६। | द्विविव | २४६, ६०। |
| द्विशुणाङ्गन | ८, ३५। | द्विषु | ९१, २०। |
| द्विन | ३७, १०८, ३२६, ८। | द्विप (त) | ९१, २२। |
| द्विजसूपित | २६४, १०। | द्विग्न | ०१, ११। |
| द्विजमन् | ६०, १। | द्विषु | ९१, २२। |
| द्विजप्रिया | २६६, १०, ३२९, १३। | द्विटम्बन्तम् | । |
| द्विजवृत्त | ८०, १०५। | द्विमक्रान्त | ४२२, ६। |
| द्विजरात्र | ३९८, १०। | द्विपत्यम्=द्विहत्यम्। | |
| द्विजा | १७३, ३६। | द्वित्त्व | ८, ३। |
| द्विजानि=त्रायण | । | द्वित्यनी | १८३, ४९। |
| द्विजायम | ८०, १५। | द्वीप | ३४६, २। |
| द्विजायन | ७०, १५। | द्वीपचर्चरी | २३७, ८। |
| द्विजिह | २२३, ८। | द्वीज | २१७, ८। |
| द्विजिहिका | ३२३, ६। | द्वीजती | ३४७, २०। |
| द्वितय, | ३४०, २०। | द्वादिका | ३०४, ८९। |
| द्वितीय=द्विसहय | । | द्वापिन (ल) | ३१८, ९। |
| द्वितीयकुलगरुक | २७, ६। | द्वादिशत्र | ३०४, ४८। |
| द्वितीया | २०, ४। | द्वेषग | ९१, १९। |
| द्वितीयाङ्गनम्=द्वित्यम्। | | द्वेषिन् | ९१, २१। |
| द्वित्रा | १८७, १९। | द्वेष्ट | २१८, ८। |
| द्विदत् | १८३, ५। | द्वेष्य | ८४, ३९५, २२३, ८। |
| द्विधाद्वि | २७०, १९। | द्वैगुणिक | १३३, ६। |
| द्विधासेत्य | २७०, १९। | द्वैत | ३४०, २०। |
| द्विनम् | २९, ७। | द्वैव | ९७, ८। |
| द्विप. | १०४, १८३, ३१८, ८। | द्वैय | १०३, १३४। |
| द्विपटी | ५३, २९। | द्वैयन | ८२, १०। |
| द्विपथ | १९, १७। | द्वैमातुर | २, १०, २८, ७०, ९५, ५९। |
| द्विपद | २०, २। | द्वैमातृक | ६, १५। |

| | | | |
|---------------|-------------------------------------|---------------------|--|
| द्वैवित्र्य | २४१, ६०। | वन्य | १२, ३३। |
| वन्युप | १३२, ३८६। | वन्यारम्भ=गान्याकम् | |
| | ४०। | वन्य (न.) | ८३८, ११७, २६०। |
| वट | १९१, ५२९। | वन्यन्वरि. | ८४, १३८। |
| वत्तूरा | २७३, २२६। | वन्यवास | ३०१, १००। |
| वन | १८१, १०७, १९२, ५३४। | वन्यिन् | ९३, १०, ११०, २३८, २७४, २४७, ३०१, १५१। |
| वनकेलि | ३८८, ५४। | वन्यन् | ८८८, ३८८, ३७८, १२। |
| वनजय | १३, ४०, ९३, ८०, ३७६, १, ३८१, १४। | वन्यने | ३८, १०२, ४६, २२७। |
| वाद | ३८७, ७।। | वन्यनी | ३०१, १०३। |
| वनचुन | ३८६ ६२। | वन्यिङ्ग | ३०, ३३। |
| वनन्तृ | ८९, ३। | वर | १२०, २८३, ३८०, ८, ३५०, १२। |
| वनन (ति) | ८०,, । | वरण | ४१, १११, ११०, ११०। |
| वनपाल | ८२, ३। | वर्णि (र्ण) | २, १, ८६, २३०। |
| वनपाश | ३४२, ५७। | वरा | २, १, १४६, २१। |
| वनपिण्डी | १३२, २। | वरावर | ४७२, ७। |
| वनप्रदा | ४४१, २६। | वरित्री | २, १।। |
| वनमूल | २९६, ४२०। | वरुन | ४३९, ४। |
| वनहरी=गंगा | ३। | वरुण | ३४४, १८, ४३६, ४। |
| वनाजनी | ३९४, १३। | वरेय | ३६९, ८। |
| वनाधिप =कुरेव | । | वर्म | ७१, -९, २३९, ३९, ३८९, ८०, ४१५, ८६। |
| वनिक | १७३, १०९। | वर्मकाळ | ३६८, ५। |
| वनित | २१८, १८, २१९, १९। | वर्महील | ३४, १२३। |
| वीष्णा | ४०६, ९५। | वर्मअत्र | ५, १२। |
| विनाशभू | ४०२, २००। | वर्मचक | ३६८, ४। |
| वनु (न.) | ११७, २६१, २५६, ७०। | वर्मद्रवी | ३४७, ३५। |
| वनु पट | २५६, १०। | वर्मधर | ३९२, ११८। |
| वनुर्णिट | १९, १०२। | वर्मवातु | ३६९, ७। |
| वनुर्द्वृम | १४६, १२३। | धर्मधर्जिन् | ८०, १५१। |
| वनुर्गर | ११५, २३८। | वर्मवत्तन | १५३, १५७। |
| वनुर्वरी | ३२६, १६६। | वर्मवाल | १२०, २८२। |
| वनुर्लता | २९६ ४२२। | वर्मभाण्ड | ७१, २८, ७३, ८४। |
| वनुर्ग्रेष्ठ | २५६, ७२, २७१, २ ६। | धर्मरात् | ९३, ३८, ३६८, ४, ३८७, ८८। |
| वनुर्मत् | ११९, २८। | वर्मजैरन् | ३६२, १३। |
| वनुस्. | ११७, २६१, २५६, ७०, ४०५, २२०। | वर्मशास्त्र | ४३२, ३६। |
| वनेश | ८९, ३। | वर्मसुत | ४४, ४६, ४४१, २१। |
| वनेश्वर | ३८७, ७२। | वर्मामि | ७१, १७। |
| वन्य. | २३८, ३५। | वर्माधिकरणिन् | ९०, १६। |

- वर्मीथल १०, १६।
 वर्मिक २८२, ७८।
 वर्निया १७३, ३६२।
 वर्णिज(नी) २४, ३५।
 वर्ष ३३, १२८, २७१, २०५।
 वर्ग ४३४, १८०।
 वर्लच्चुड १९८, ८८७।
 वर्गार्ग=विशेष।
 वर्षा ६०३, ३६२।
 वर्षित्रज्ञ=सावधान्यज्ञम्।
 वर्षी ९५०, ३४५।
 वातक ९३०, ३७५।
 वात्तां १७४, ३७७।
 वर्तु ४४, २२१।
 वातुक ३४३, २४।
 वातुकारीद १९६, ५७।
 वाटैन शन ११९, २०२।
 वातुलिन=वातशी।
 वातुसत ३४०, १।
 वातुसाधक १९६, ५७२।
 वातुर ३७१, ५५।
 वातुचक्रम ९७८, १०७।
 वातृ ३७०, ८ ३७१, १४, ४३९, १।
 वातपृष्ठा=गातकी।
 वात्री २, १४, २५, ४९, २६१, १२०।
 वात्रीपत्र १७३, ३६७।
 वाना १६१, ७८।
 वंसुर = गना।
 वान्य २३८, २५।
 वान्य १३४, १७, १५३, १८९।
 वान्यकोरा १४०, ७०, १४१, ८०।
 वान्यत्त्व १४१, ८२।
 वान्यमत ३२३, ५५।
 वान्यमातृ १४१, ८०।
 वान्यराज १३७, ४१।
 वान्यवीर १३८, ५५।
 वान्या (न्य) क १५३, १८९।
 वान्याश = कण।
 वान्यास्त्र १५५, २००, १५६, २०५।
- वान्येय १५३, १८९।
 वामन १२, ३५, ४३७, १८।
 वामपति ४३७, १०।
 वामा ४३२, १८२।
 वामर्गीय १४८, १४५ ३०३, ८८६।
 वामि (सी) २६, ५९।
 वाम्या ७८, ८९।
 वार ३४५, १६, ३८०, २।
 वारक ४६, २३१।
 वारण २३६, ११, ४३३, १४५।
 वारणा ८७, १७।
 वारणी २, १५, १७२, ४१८।
 वारणीया १७२, ४१८।
 वारफला १४८, १४४।
 वारा ३६, १८८, १०४, १३५, ११३,
 २३०।
 वाराकदर्शक २७०, २००।
 वाराङ्ग ३८२, २२।
 वाराङ्ग १२०, ३८५।
 वाराघर १२०, २८५, ३९६, १५०।
 वाराफल २७९, ९७।
 वाराविष १२०, २८५।
 वारासंपात ३९७, १६३।
 वारास्तुही २८५, ३२३।
 वारिन् १५७, २२५।
 वार्तराष्ट्र ३३१, १२४।
 वामिक ९०, १६, २२२, ७८।
 वावनि (नी) ३००, ४६०।
 घाविनी १७५, ३७८।
 विक्=निर्मत्स्वेने निन्दने च।
 विकृत २२२, ७८, २३१, १५९।
 विक्किया ४४८, ४२।
 वियापति ३९३, १२०।
 विषण ४०२, २०३।
 विषणा ४३८, १४२, ४४१, २४।
 विष्ण्य ३७७, ११, ४०२, २०७।
 वी ४३३, १४३।
 धीगुण ४३३, १४६।
 वीन १२४, ५६८।

| | |
|-------------------------------|---|
| वीनिक्रयम्=ज्ञानेन्द्रियम् । | व्रसा ३४९, ५९ । |
| वीमन् ७४, १८ । | व्रमाह ३७८ १९ । |
| वीमनी २२, २२, २६, ५८ । | व्रमिका ३२३, ५६८ ३४१, १० । |
| वीर ६२, ३८० ७४, ४८ ३०६, ५३६ । | व्रमोङ्गार ७८ २४६ । |
| वीरत्व २१, १८ । | व्रमोन्य ६७८, ८१२ । |
| वीरस्कन्द १८१, ८३२ । | व्रमोर्णा ३८२, ५१ । |
| वीरा २९२, ३८३ २९३, ४१८ । | व्रस्या २४४, ८० । |
| वीलण्ड ३९२, ११४ । | वृस्याट ३३४, ११९ । |
| वीवर, १९४, ५८, ३११, ६९ । | वृष ६०, ८०९, ३७८, १७, ८३३, १६६। |
| वीवरा ३०४, ४३५ । | वृश्चक ३२३, ५२ । |
| वीशक्ति २४२, ६७ । | वृश्वपत्रा ३१० ८०५ । |
| वीसचिव ८९, ७ । | वृश्वमूलिका २९०, ३७२ । |
| वुतम्=आकम्पिनम् । | वृश्वलोचन ३३२ १२१ । |
| वृत्तरू २७३, २२६ । | वृद्धा ७७, ८३ । |
| धुनि (नी) ३४७, ५० । | वृश्वाचिस् ३७८, २० । |
| वुन्दुमार ९१, २५ । | वृश्वाहा ३१०, ५६५ । |
| वुर् १०४, १३७ । | वृश्विका २७२, २१३ । |
| वुरन्वर १८२, ४४९ । | वृजंटि ३८९, ८६ । |
| वुर्ण १८२, ४४९ । | वृत्त १५२, १८०, ११५, ५५९ २१३, १९, २१९, ५१, ८२४, ८०, २७४, २२७, ३२८, ९७ । |
| धुर्य १८२, ४४९, २२६, ११ । | पृत्तिकृट ३९०, ९३ । |
| वुवन २४०, ४७, २७१, २०६ । | वृवर १८२, ८८९ । |
| वुवित्रम्=मुगवर्मव्यजनम् । | वृवह १८२, ४४३ । |
| वुस्तूर २७३, २२६ । | वृवी १०४, १३७ । |
| वूत २३३, १७४ । | वृलि (ली) १२६, ३२८ । |
| धूमन् २०९, ७० । | पृलिगुच्छक ६८, ४३४ । |
| धूप ३७८, १८ । | पृलिवज ३८०, ३ । |
| धूपाङ्ग ६४, ४०० । | पूलिपुष्पिका २७६, २४९ । |
| धूपाङ्गद ६५, ४०८ । | वूलिष्वत्त ४३०, १२० । |
| धूपायित २३२, १६८ । | पूलीकदम्बक २७३, २०९ । |
| धूपाह ६५, ४०६ । | वूसर १३८, ५३, १८७, ५७४, २०४, १८, ३३२, १३४, ४३५, १६० । |
| धूपित १६४, २८५, २३२, १६० । | वूमरच्छड ३३०, १२२, ३३४, १५५ । |
| घूम ३७८, १७, ३९०, ९५ । | वूसरा ४, ४, ३१४, ५७८ । |
| धूमकेतु ४०३, २१२ । | वूमरी ३१२, ५५९ । |
| धूमवारा ३७८, १९ । | वूत्तर २७३, २२६ । |
| धूमवज ३७७, १० । | वृत्तराष्ट्र ९२, ३० । |
| धूमसहिषी ३४१, ९ । | वृत्तराष्ट्रसुज ९२, ३३ । |
| वृमयोनि ३९६, १५० । | |
| धूमल ३३८, १८८, ४३५, १६६ । | |
| धूमलता ३७८, १९ । | |

| | | | |
|-------------|--|-------------------|---------------------|
| वृति | ७०, ५९, ७८, ९०, ३९९, १७७, ४२१, १०६। | धर्जिनी | ११६, २३८ |
| वृत्तिमत् | ३७०, ९। | जोनेन | ४१०, १५। |
| वृग (प) द् | ३४३, २३। | वनि | ४५०, १०२। |
| वृपन्तुग | २८७, ३४०। | वनिग्रह | ३६, १४३। |
| वृष्ट | २१९, ८। | वनितम्=स्वनितम्। | |
| वृष्ट्युम्न | ९४, ५२। | वनिनाल | ४२४, ६०। |
| वृण (ज) | २१९, ८। | वस्त | २३३, १३०। |
| वृणिण | ४२७, १७। | वाङ्ग | ३२८, ९७। |
| वृणु=वृष्ट | । | वङ्गनगिनी | ३०४, ८९। |
| वन | ३४३, ९। | वाङ्गी | १७६, १८९। |
| वना | ३४७, २१, ४४१, २५। | वङ्गला | २९२, ८०। |
| वन् | ८०, १०१, १८३, ४५२। | व्यान | ४५०, १०१। |
| वनुमा | २२, १९, १०५, १८७। | वन्त | ३६१, ८। |
| वनुम्या | १८४, ८६। | व्यान्तचित्र | ३३७, १६५। |
| वैसुक | १८७, ८४, २४४, ९०। | | ८०। |
| वैये | ४३१, १०६। | न=न। | |
| वैयन | ४१७, १। | नशुद्ध | ३२, १०९। |
| वोरण | ११३, २००, ११३, २००। | नकुर | ९३, ११, ३२३, ५४। |
| वोरणि | ७७, ७७। | नकुराज्ञा | १७९, ८२। |
| वोरित (क) | ११३, २०९। | नकुर्ल | ३९४, १००। |
| वोतकुष्ठ | ५८, ३२। | नकुर्लेष्टा=न्का। | |
| वोतय | १७२, १७७। | नक्का | ३७, १५६। |
| वोत्र. | ५२, २८। | नक्कर | ५३, २९९। |
| वौवितक | ११३, २२०। | नक्कज्ञर | ३२८, १००। |
| वौरय | १८२, ४४९, २२६, १११। | नक्कनिदवम् | ४११, ५०। |
| वौर्य | ११३, २२०। | नक्कम् | ४३८, ९, ४०९, ३६। |
| व्यान | ८७, १७७, ४२९, ११५। | नक्कमल | २६८, १८०। |
| व्यन्योगामन | ७२, ८५। | नक्केन्दुषुषिका | ३०५, ५०२। |
| घ्रज. | ९, ९। | नक्क | ३५६, ११६। |
| घुव | १२, ३९, २२८, १३१, २५०, १८, ३१४, ५७८, ३७०, १०, ३७१, १५, ३९०, १९, ४०३, २१६, ४२०, २८। | नक्त्र | १९९, ५१५, ४००, १०१। |
| टुन्यांड | ४२०, ३२। | नक्त्रन्द्रू | १३७, ४८। |
| ध्रुवा | ७७, ८२, ७८, ८६, २९९, ४५२। | नक्त्रनेमि | ४०३, २१६। |
| व्यज | ४३, २०८, १००, १४७, १२६, ३३८, ३२१, ३०। | नक्त्रमार्य | ३, २३। |
| ध्रजुम | २७०, ११३। | नक्त्रमाला | ४९, २६३। |
| धर्जिन् | ३२९, १०४। | नक्त्रेश=चन्द्र। | |

| | | | |
|---------------|-----------------------------|---------------|------------------------------|
| नववश्यि | १२८, ३०३। | नत | २२८, १०८, १८०, १८२। |
| नयर | ४०, १ - । | नतनालि | उ२, १०९। |
| नयसायुव | ३१८, १ ३३२, १००। | नड | ३४९, ७६। |
| नयविय | ३६६, २०। | नडनु | १२७, ३०६। |
| नखबृङ्ग | २६९, १८९। | नडने | ३४४, ८। |
| नखाडी | ३२८, १००। | नदी | २६९, १०६, ३४७, ३०। |
| नखानखि | १२७, २८०। | नडनेवज | ३०९, ५०८। |
| नखारि | ३१२, ११८। | नडीन | २९१, ३७४। |
| नखालु | २६९, १८९। | नडीना | ३०६, ५०८। |
| नखित | ३१८, १, ३२३, १५। | नडीचित्र | ३७३, ८३। |
| नखिनी | ३१९, १६। | नडीनि | ३४४, १। |
| नग | २१० १०, ३४१, ८। | नर्दमतुक | ६, १३। |
| नगर | ९, ३। | नदून | २६०, १००। |
| नगर=पुरो | । | नदमर्ज | २७१, २०९। |
| नगरावक | ३२८, १०। | नदू | २२३, -। |
| नगरात्या | १७६, ३८८। | नद्याम | २२९, ५२। |
| नगाटन | ३२२, ४५। | नद्री | २०९, ६४। |
| नगोकम | ३१८, १, ३२६, ८०। | नतान्द | २७, ६३। |
| नगोकम | ३२६, ८०। | नतु | ४५९ १३। |
| नम | ८०, १८८, १२७, ३०२, २२८, ७०। | नन्द | १३, १०, १८७, ८९४। |
| नमहु (ह्र) | २१२, १३। | नन्दक | ४५८, ८१। |
| नमिका | २२, १७, २७, ८२। | नन्दा | ३५७, ८५, ३८२, ३५। |
| नठ | २०७, २७, २७०, २११, ४२७, ७१। | नन्दना | ३५२, ८३। |
| नठन | ४२२, ८८। | नन्दु | १२७, २५०। |
| नठमण्डन | १९९, ५६७। | नन्दनोद्धृत | ६२, ३७७। |
| नठगज् | ३९०, ९८। | नन्दशन्ती | ३१६, १३८। |
| नटी=नली | । | नन्दसुना | ३१३, १२८। |
| नटीसुत | २८, ७६। | न ठ | १४४, १०८, ३१५, १३८, ४०५, ३। |
| नड | २८८, ३८। | नन्दावत्ति | १५, ६५। |
| नडकीय | ५, १०। | नन्दिं (न्दो) | १४४, १०८, ३१२, ११७, ४१५, ८७। |
| नडज | ३५२, ८१। | नन्दिक | =नन्दी। |
| नडप्राथ | ५, १३। | नन्दिकश्वर | =नन्दी। |
| नरमीन=चिलिचिस | । | नन्दिघोष | १३, ८८, ४०२, २०६। |
| नडसहति | २८९, ३६३। | नन्दिज | १४०, ६६। |
| नडनी=नलेनी। | । | नन्दिनु | ११२, ११६। |
| नच्चा | २८५, ३६३। | नन्दिनी | १७३, ३६१, ३१४, १३१। |
| नडूत् (ल) | ५, १३। | नन्दिनीपुत्र | ८३, १३६। |

| | | | | |
|-----------------------|------|----------------|-----------------|--------------------------|
| नन्दिमुख | १३५ | ४। | नय | १००, १०६, २१४, १०७, २३९, |
| नन्दिसुग्मी | ४४९ | ७६। | | ८२, ३७१, २१। |
| नन्दिश्वेन | ३३४ | ११२, ३८९, ८४। | नदन | ३६, १३५। |
| नन्दिश्वेन=वृष्टिशेन। | | | नयव | २१४, १०३। |
| नन्दी | २६९, | ८८, ३५३, ८८। | नयवटी | २१४, १०७। |
| नन्दीक प | ६४, | ११। | नर | २०, ३, ९३, ४१, ३४५, १३, |
| नन्दीसुखा | ४४९ | ९६। | | ३७४, ४०, ३७१, २१। |
| नन्दीश्वर | ३२२ | ११८। | नरह | ३६७, १। |
| नन्दीमरम | ३८३ | ३०। | नरचारि | ४५०, १। |
| नन्द्यामनि | १६, | ८५, २३०, १२। | नरकूनक | ८६, १६७। |
| नपुमक=झीब। | | | नरचिह्न | ४७, २४०। |
| नपू | २७, | ६८, २७, ६९। | नरमाली | २६, ५६। |
| नप्रीचात्री। | | | नरथन | ७९, ९८। |
| नभ | ३७९ | १। | नरन्धरमन् | ४३, २१०। |
| नभ कुही | ३४१ | १०। | नरवाहन | ३८७, ७१। |
| नभ कान्त | ३१८ | ६। | नरवार | ३९०, ९४। |
| नभ पेर | ३४८ | ८। | नरवण | ४५८, १। |
| नभ मठ | ३६९ | -। | नराग्निमार्गिन् | ३८९, ९०। |
| नभ मरिन | ६०८ | २१। | नरह | २६९, १८९। |
| नभवसन | ३९८ | १७२। | नर्क | ३७, १५३। |
| नभन् | ३७ | १०, ४१२, ४१। | नर्कुट | ३७, १५३। |
| नभम | ४१२ | ३। | नर्तक | =चापक। |
| नभमंगम | ३२६ | १। | नर्तकी | ४२५, ७५। |
| नभस्य | ४१२ | ६१। | नर्तन | ४२२, ४८। |
| नभमत | ३८० | ५। | नर्मदा | ३४८, ३८। |
| नभोन्ज | ३९६ | १५१। | नर्मन् | ४३०, १०६। |
| नभोमार्ग | ४०४ | २१। | नल | ९१, २६, २८८, ३४८, ३५९, |
| नभोगणु | ३४१ | ०। | | १३८, ३६०, १५२। |
| नभोहस्तिन् | ३९६ | १४९। | नलकुबर | ३८८, ७। |
| नभ्राज | ३९६ | १५२। | नलदम्=उशीरम्। | |
| नभू | ३, | २२, ४६०, २३। | नलनाथक | ३६०, १४८। |
| नभूमिन | २२१ | ६५, २३२, १६६। | नलमीन | ३५२, ८२। |
| नभूकार | ७२ | ६। | नलिका | २९६, ४२२। |
| नभूकारी | ३१३ | १५३। | नलिन | ३५९, १४३, ३६० १५२। |
| नभस्या | ८१ | ११। | नलिनी | ३५९, १४५। |
| नभस्थित | २२१ | ६५, २३२, १६६। | नलिनी | ३५९, १४४। |
| नसुचिमू (निषु) वन | ३८८ | २३। | नलिनेश्वर | ४५२ ८। |
| नमेह | २६३ | १३२, २७९, २३५। | नली=कपोताद्वि। | |
| नम | २२८ | १२९। | नलोत्तम | २८८, ३५०। |

नव्व =हम्नचतु शम् ।
 नव ४२०, १३५, ४४७, ८० ।
 नवति (न) १८७, १८८ ।
 नवदलम्=नवनिका ।
 नवर्नात १५७, २२२ ।
 नवर्नातज १५७, २२३ ।
 नवमन्त्री ३६६, १७८ ।
 नवमिय १७७, ८०९ ।
 नवपलंगी २८, ८ ।
 नवमहिका=नवमालिगा ।
 नवमालिका=नसला ।
 नवयवन २२, १९ ।
 नवपिष्ठग २५०, २७१ ।
 नवतक्ति ३५०, १०० ।
 नवमूतिका=वेसु ।
 नवाम्रम=उषाहनम् ।
 नवाचिम् ४०२, २०० ।
 नवन २२०, १३७ ।
 नवीनशाय ७४, ७४ ।
 नवोटावस्थ ७४, ४० ।
 नव्य २२९, १३७ ।
 नवप्रत्यमनिका २३३, २० ।
 नवरी, ४४२, ९१ ।
 नष्ट १२५, २०७ ।
 नष्टचेतान ६२९, ११२ ।
 नष्टिनि ८७, १५५ ।
 नस्(सा) ३७, १५३ ।
 नसोतिनी १८२, ४४८ ।
 नस्ना १८२, ४४८ ।
 • नस्तित १८२, ४४८ ।
 नस्या ३७, १५२ ।
 नस्यित १८२, ४४९ ।
 नस्योत १८२, ४४९ ।
 नहि ४५९, १५ ।
 नहुष २८०, २८२ ।
 ना ४१९, १५ ।
 नाक ३, २४ ।
 नाकलम्बि १३५, २५ ।
 नाकुलि ३९, १६९ ।

नाकुली १७७, ११९, २१९, ४१०,
 ३००, ४८८ ।
 नाम ४४०, १२, १०१, १०४, २५७,
 ८० । १९३, ५४६, २५०, १३,
 ३५६, १११, ३६५, १८, ३८१, १२ ।
 नामकन्यका ३६७, ३० ।
 न गकुमारी १७४, २११ ।
 नामकदर १७७, १३ ।
 नामगमि १६७, ६०२ ।
 नामचब्दक ३७६, २८६ ।
 न गच्छत्रा ३१२, ०६१ ।
 नामनिका १९७, ७६० ।
 नामन्तर्वि ११८, ११२ ।
 न गदनी ३१२, १६१ ।
 न गदमनी ३१२, ०६२ ।
 नामनामक १७७, ४०३ ।
 न गपातस्या १११, १७२ ।
 नामपुत्री २८६, ३०० ।
 नामपुणिगा २७८, ५०३ ।
 न गक २६१, ३८२ ।
 नामवर ९३, ११ ।
 नामवला ३०४, ४९२ ।
 न गमू ३१०, ५४८ ।
 न गर ११३ । १८१, १८६, ८९७ ।
 न गङ्ग २६२, १२८ ।
 न गरसुना १७६, ३८७ ।
 न ग ज ३६४, १ ।
 नामलंक ३६१, १ ।
 नामवन्नी १७०, ३३३ ।
 नामशत्रु ३५६, ५१ ।
 नामशुद्धी ११०, १७८ ।
 न गस्तोना १७६, ३१ । ३१२ ५६३ ।
 नामहनु ६६, ४१८ ।
 नामजन ४४६, ५१ ।
 नामाहा १८०, ४२८ ।
 नामिनी ३१२, ५६३ ।
 नामोदर ११४, २१ ।
 नामिकेत ३७७, ५ ।
 नाट ४२२, ४९ ।

- नाटक ४२३, ५३, ४४७, ५७।
 नाईय २८, ७६।
 नाथ ४२२, ४८।
 नाथ्यप्रिय ३१०, ९९।
 नाडि ४६, २०७।
 नाडिना ४०७ ८१।
 नाडि (डी) केर २५०, ६०।
 नाटिकल २५५, ६५।
 नाटिनेर २१० ०१।
 नाटिन्वस २०४, १७।
 नार्ढी ४६, २२०, ४०७, २९।
 नाटकरण ३२६, ८२।
 नार्तजङ्घ ३२८, ९५।
 नार्तनिक्त २६६, १७९।
 नार्तवण ७७ ००।
 नार्तस्थिविश्व ३११, १०८।
 नाथ २१६, १८।
 नाथवत् २१७, २५।
 नाद ४१०, १०९।
 नादा ४१८, ८।
 नादानू ४१८, ८।
 नादान्ता ४१८, ००।
 नादय १५२, १७६, १९६, ५७३, २८७,
 ३४२।
 नादर्य १७६, ३८८, २५७ ५८, २६६,
 १६२।
 नावला १४८, १३९।
 नाना=अनेक वेचने च।
 नानाकन्द १४७, १३६।
 नानारप २३१ १६८।
 नान्दी ४२५, ७५।
 नान्दीपर २२२, ७५।
 नन्दीपुष्ट ३१८, १३२।
 नान्दीमुख १३२, ६२, ३३०, ११६,
 ३५८, १३२।
 नान्दीमुखी १३७ ४५, ४३१, १२८।
 नान्दीलालिन् २२२, ७५।
 नामिका ६३, ३८८।
 नामित २०४, २०।
- नामितगृह १४, ५१।
 नामि ४२, ११७, १०४, १३६, ४३९, ७।
 नामिकूपिका ४२, ११८।
 नामिगुडक ४२, ११८।
 नामी ४२, ११८, १०४, १३६।
 नाम-प्राक्त ये सभाव्ये च।
 नामकरण ६९, ८।
 नामवेय ४४६, ६६।
 नम् ४८६, ६६।
 नामियजिन ३३, ११९।
 नामनग्रह ४४३, ५२।
 नाय २३९, ४२।
 नायक ११७, २११, २१६, १८।
 नार १५२, ५०८, ३४७, १३।
 नारक ३६७, १।
 नारकष २२३, ८५।
 नारङ्ग १४७, ११७, २६२, १२४।
 नारद ८२, १२३, ३७४ ४०, ४३९, ०।
 नारच ११८, २७०।
 नराची २१०, ७४।
 नारायण ४३१, १, ३७१, २१।
 नारा-णी ३०४, ४९८, ३५४, १२९,
 ४७७, ५२।
 नारि (री) केर २५७, ६५।
 नारिकेर २५३ ४४।
 नारि (री) केठ २०१, ६१९, २५७, ६६।
 नारी २०, ८।
 नरीषा २७७, २५७।
 नरूपर्णी ३१०, ५४४।
 नाल २८८, ३८८, ३६०, १३६, ३६०,
 १३२।
 नालक ११३, २१८, १३९, ६०।
 नालवंशक २८८, ३४९।
 नाला ३६०, १५२।
 नालिक ३६०, १५२।
 नालिका १०८, १७४, ११४, २३०, १०४,
 ५५, २७२, २१८।
 नाली ५०, २००, १०८, १७९, ३६०,
 १५२।

- | | |
|-----------------------------------|-------------------------------|
| नालीक ११९, २७२, ३६०, १५२। | नि साण ४५०, ९९। |
| नालीकिनी ३१९, १४५। | नि सार २६७, १६५। |
| नालीकेल २५५ ६६। | नि मारक ४२६, ३७। |
| नालोत ३७, ११०। | नि साग २५५, ६२। |
| नाविक ३५१, ६६। | नि खेहफला ३००, ४५८। |
| नाव्य ३५०, ५८। | नि स्व २२४ ९०। |
| नाश १३०, २७४, २४३, ८०। | नि न्वन ४५०, १००। |
| नामन्य ३८४, ४८। | निकट २२७, १२३। |
| नामन्यदस्त ३८४, ४५। | निकर ३३९, २००। |
| नासत्यसुत ९४, ४६। | निकर्ण १८, १०। |
| नासा ३७, १५४, ४३४, १५७। | निकप २०९, ७०। |
| नासान्छिन्दी ३३८, १९१। | निकपा ४१८, ९, ४६० २४, ३८६, |
| नामामवेदन २९८, ८३। | ६२। |
| नासिना ३७, १५२। | निकपात्मा ३८६, ५७। |
| नामिकोद्धव ५९, ३५०। | निकामम १८०, ८२८। |
| नासिक्य ३७, १५४। | निकाय=राशि । |
| नासीर १२८, ३५५। | निकाय=गृहम् । |
| नास्तिक ८४, १४५। | निकार १३०, ३१२, २४३, ७९, ४३१, |
| नास्तिक्य ४३३, १५१। | १३३। |
| नाहड २०६, ३६। | निकारणम्=वव, । |
| नाहुल ११४, २३०। | निकुञ्ज १७, ८३। |
| नाहुप ९२, २७। | निकुञ्जकम्=मानविशेष । |
| नि पतिसुता २३, २७। | निकुञ्जका २८६, ३३६। |
| नि पाव ३८०, ४। | निकुञ्ज २४९, १। |
| नि प्रण ५२, २८८। | निकुञ्जम्=इन्ती । |
| नि प्रवाणि ५२, २८८। | निकुञ्जन् ३९३, १२१। |
| नि शलाक ९८, ८८। | निकुञ्जी १७६, ३९४। |
| नि शेष २२७, १२२। | निकुञ्ज ३४०, २०२। |
| नि शोध्य २२६, १०६। | निकृ २४५, ९६। |
| नि श्रेणि (जी) २५८, ८६। | निकृत २२३, ८७। |
| नि श्रेणिकापुष्ट २७४, २२९। | निकृति ४३०, १२१, ४३१, १३३। |
| नि;श्रेयम् ८८, १८१, ४१७, ९०, ४३४, | निकृष्ट २२५, १०३। |
| १५४। | निकृत १२, ३७। |
| नि श्रेया २९९, ४५०। | निकेतनम्=गृहम् १२, ३५। |
| नि षमम् ४७९, ९८। | निकोचक २६९, १८७। |
| नि सङ्घा ४४९, ९३। | निकोटक=निशेचक । |
| नि संधि, २२९, १३५। | निक (क्वा) ण ४५०, १०१। |
| नि सपात ४१०, ४०। | निकाय १६४, २८६। |
| नि सरण १८, ८९। | निक्षाव २४३, ८०। |

- निक्षेप १८६, ४८१।
 निर्खर्व १८८, ४९६।
 निखिल २२७, १२१।
 निगड १०८, १७२।
 निगडित २२३, ८१।
 निगण ७७, ८३।
 निगद २३९, ४६।
 निगम ९, ३, १८७, ४७६, ४४२, ३२।
 निगरण ३८, १६६।
 निगाद २३९, ४६।
 निगार २४३, ४०।
 निगाल ११२, २१२।
 निगढक १३८, ५४।
 निग्रह २४७, ९३।
 निग्रह ६०, ३६०, २४०, ५२।
 निघ २४३, ७९, २४८, १२०।
 निघण्डु ४४४, ५२।
 निघस =आहार।
 निघात ४४३, ४३।
 निघास =आहार।
 निघ २१७, ८५।
 निचय ३४०, २०१।
 निविक १८४, ६६०।
 निविकी=उत्तमा गौ।
 निवित २३३, ९७०।
 निचुल २७१, २०४, २९१, ३७४।
 निचुलक ५३, २९५।
 निचुल्य ५३, २९५।
 निचोल ५३, २९५।
 निज =आत्मीय।
 निडियोगिन् ३३०, ११९।
 निष्मुख ४०७, १८।
 नितम्ब ४२, २०३, २५१, १२, ३४२,
 १८।
 नितम्बनी २१, १।
 नितान २२६, १०७।
 नितान्त, ३८१, १८।
 नित्य २२८, १३१, ३८१, १७।
 नित्यक, १३३, ४।
 नित्यघौवना ९४, ४७।
 नित्या १३४, १३।
 निदाघ ४१३, ६८, ४२९, १०९।
 निदान ४१६, ९३।
 निदिग्ध ३२, ००९।
 निदिपिका=झटकारिका।
 निदिपी ३००, ४५७।
 निदियासन ८२, १२१।
 निदियासा ८२, १२०।
 निदेश ९९, १२, ४४९, ९९।
 निद्रा ७५ ३२०, ४३१, १२७।
 निद्राण २२१, ६६, २५२, ३६।
 निद्रारि २६६, १५९।
 निद्रालु १४९, ११२, २२१, ६६, २८१,
 २९२।
 निद्रित =निद्राण।
 निदुव ३५७, १०२।
 निवत १३०, ३७४।
 निधि ३८८, ७८।
 निधुवनम्=मैथुनम्।
 नियान २४३, ७४।
 निन (ना) द ४५०, १००।
 निन्दक २६२, १२५।
 निन्दा ४४८, ८२।
 निप १४४, १०३।
 निप (पा) ठ २४२, ७२।
 निपानन २४२, ७०।
 निपान १४४, १०४, ३५८, १३१।
 निपाव १३९, ६५।
 निपुण ७४, ५२, २१४, ४।
 निफेन (क) १७८, ४०६।
 निबन्ध ४४४, ४९।
 निबन्धन ४२४, ६२।
 निबहणम्=वध।
 निम २११, ८२।
 निभालन २३७, २६।
 निमृत २१९, ४७।
 निमय =परिवर्तनम्।
 निमित्तम्=हेतु।

- निमित्तकृत् ३२८, ९६ ।
 निमिष ४११, ५१ ।
 निमीलिका ४३१, १२५ ।
 निमेय. ३७, १५१, ४११, ५१ ।
 निमेपरस्व ३३७, १५१ ।
 निम्र ३४६, २५ ।
 निम्रग ३४५, ११ ।
 निम्रगा ३४७, ३१ ।
 निम्ब २९१, ६१८, २६५, १५३ ।
 निम्बतह २८३, ३०४ ।
 निम्बवीज २५६, ७३ ।
 नियत ४१६, ११ ।
 नियति =भाग्यम् ।
 नियन्त् १०४, १३२ ।
 नियम ७१, ८८, ८७, १६९, ४३४,
 १५२ ।
 नियमस्थिति ८७, १६८ ।
 नियातनम्=निपातनम् ।
 नियामक ३५१, ६५ ।
 नियुत १८८, ४९८ ।
 नियुद्ध १२८, ३५१ ।
 नियोग ८१, ११८, २४३, ८३, ४४९,
 ९१ ।
 नियोज्य २०५, ३२, २१६, २० ।
 नियोद्ध ३३२, १३० ।
 निर् ४५०, २० ।
 निरङ्गुश. २१६, २४ ।
 निरङ्गना ३२५, १२८ ।
 निरन्तर २२७, १२२ ।
 निरय ३६७, १ ।
 निर्गाल २३०, १४८ ।
 निर्थक २२९, १६०, २३३, १७२,
 ४४७, ७६ ।
 निरवग्रह २१६, २४ ।
 निरवह. १२१, २९३ ।
 निरष्टीला २५५, ६० ।
 निरसन २४३, ७४ ।
 निरस्त ११९, २७२, २२३, ८०, ४४७,
 ७५ ।
- | निराकारिण्य २२१, ६१ ।
 निराकृत २२३, ७९ ।
 निराकृति ८५, १५५, २४३, ७४ ।
 निरामय ६०, २६२ ।
 निरो (रो) प १३४, १३ ।
 निरीश १३४, १५ ।
 निरीपम्=माल ।
 निरक्त ४४२, ३४ ।
 निरुल ३५३, ८३ ।
 निरुड्ड २४६, १०९ ।
 निरुक्ति २, १६, ३६७, ३, ३८६, ५९ ।
 निरोव =निश्रह ।
 निर्गन्धनम्=वय ।
 निर्गुणिड (णडी) २०१, ६१८, ३०६, ५१२ ।
 निर्गन्ध ८५, १४८ ।
 निर्ग्रन्थ १३०, ३६९ ।
 निर्घोष. ४५०, १०० ।
 निर्जर ३६९, १ ।
 निर्जित १२९, ३६८ ।
 निर्जर ३४३, २२ ।
 निर्जिरिणी ३४७, ३२ ।
 निर्णय ४३३, १४९ ।
 निर्णिक २२५, १०५ ।
 निर्णजक २०४, २२ ।
 निर्दिष्ट ७४, ५०, २३०, १५० ।
 निर्दश ९२, ९२ ।
 निर्वार्य =सत्त्वसप्त्र कर्यकर्ता ।
 निर्वच २४१, ५७ ।
 निर्वहणम्=वय ।
 निर्मर २२९, १३५, ३८१, १० ।
 निर्मत्स्वेन १७४, ३७४ ।
 निर्मद १०६, १५९ ।
 निर्मन्यन ६७, ४२८ ।
 निर्मल. ३४६, २८ ।
 निर्मलमणि. २००, ६०४ ।
 निर्मुक्त ३६५, १७ ।
 निर्मुट १५, ६१ ।
 निर्मोक =कञ्चुक ।
 निर्याण. १०७, १६५ ।

- निर्यातन १३०, ३७० ।
 निर्यामक ३५१, ६६ ।
 निर्यास=वायरस ।
 निर्यूह १११ २०२ ।
 निर्लक्षण २१८, ३९ ।
 निर्लुट २५०, १६ ।
 निर्लून १०५, ११८ ।
 निर्लोह १७३, ३६४ ।
 निर्वपण ७९, १०० ।
 निर्वर्णन ३६, ११९, २४३, ७८ ।
 निर्वहगम्=निष्ठा ।
 निर्वाण ८८, १८१, १०८, १७४, २३१,
 १६०, ४२४, १५५ ।
 निर्वात २३२, १६१ ।
 निर्वाद ४४८, ८२ ।
 निर्वाप ८०, १०८ ।
 निर्वापण १३०, ३७२ ।
 निर्वार्य २१६, २१ ।
 निर्वासनम्=व्रव ।
 निर्विनया ३४९, ५१ ।
 निर्विदा २४६, १०६ ।
 निर्विजा १७७, ४०३ ।
 निर्वृत्त २३२, १६५ ।
 निर्वद २३८, २९ ।
 निर्वश २११, ८२, २४१, ६२ ।
 निर्वेष्टन २१०, ७४ ।
 निर्व्यवसम्=छिद्रम् ।
 निर्वृद्ध २४५, १०० ।
 निर्वृह २२६, १०९ ।
 निर्हार २४०, ५५ ।
 निर्हीसि=समाकर्णी ।
 निर्हि २४५, ९८ ।
 निर्हि (ह) द ४५०, १०० ।
 निलय १२, २७ ।
 निलायन २४७, १११ ।
 निलाव २४२, ६६ ।
 निलिप. ३७०, ४ ।
 निलिपा १४४, १०४ ।
 निलिपिका १८३, ४५४ ।
- निवसय ९, ५ ।
 निवह १३०, ३७२, ३३९, २०० ।
 निवाक २४२, ७० ।
 निवान २२९, ११५ ।
 निवानकवच ३६३, ११ ।
 निवाप ८०, १०८, १३०, ३७३ ।
 निवापन १३०, ३६९ ।
 निवास १२, ४८ ।
 निवाह १३०, ३७३ ।
 निविड २२७, १८९ ।
 निविराग २२७, १२० ।
 निविग् २४६, १०६ ।
 निवीतम्=प्रावृत कण्ठलम्बित च ।
 निवृत २३०, १४८ ।
 निवृत्ति ४३४, १५४ ।
 निवश १०३, १२८, २४१, ६२ ।
 निवशन ९, ३, १२, ३४ ।
 निश्च ४०९, ३७ ।
 निशमन २३७, २२ ।
 निशा ४०९, ३८ ।
 निशाकर ३९८, १७२ ।
 निशागृह १५, ५८ ।
 निशाचर ३०२, ४७८ ।
 निशाचरी ३२८, १०० ।
 निशाचर्मन् ३६१, ५ ।
 निशाटक ६६, ४११ ।
 निशाटन ३२८, ९९ ।
 निशात्=तेजितम् ।
 निशान्त १२, १५ ।
 निशान्तक ३२९, ११० ।
 निशान्या २९८, ४३९ ।
 निशापति ३९८, १०० ।
 निशामणि ३९८, १७२ ।
 निशामन ३६, १४८, २३७, २७ ।
 निशारणम्=व्रव ।
 निशाराग ३६१, ६ ।
 निशार्थी १५६, २०९ ।
 निशित १९४, ५५८, २३७, २७ ।
 निशीथ ४१०, ४० ।

| | | | |
|------------------------|------------------------------|----------------------|----------------------------|
| निशीयिनी | ४०९, ३७। | निष्कृत. | २३०, १४७। |
| निशीथ्या | ४०९, ३७। | निष्कृति | २४४, ८३। |
| निश्चम | १३०, ३७। | निष्णात | ७४, ५२, २१४, ४। |
| निश्चमयनी | ३९४, १३०। | निष्पक्ष | २३१, १६०। |
| निश्चय | ४३३, १४८। | निष्पत्तिसुता=अवीरा। | |
| निश्चला | ३, १८। | निष्पत्र | २८४, ३२०। |
| निश्चलाङ्ग. | ३३०, ११९। | निष्पत्र | २३८, १६५। |
| निश्चि | २४७, ११७। | निष्पाव | २४२, ६०। |
| निश्चक्षत | ६८, ४३४। | निष्पावी | १४९, १६५। |
| निश्चेणि (पा) | २८९, ३६२। | निष्प्रभ. | २३२, १६५। |
| निष्पक्ष (क) | १२०, २८०। | निष्प्रवणि=अनाहतम्। | |
| निष्पत्रिन् | ११३, २२५, ११५, २३८। | निसर्ज | ४३२, १४०। |
| निष्पद् | २०६, ३५, २४६, १०३। | निसूदनम्=निष्पदनम्। | |
| निष्पद्या | ६७, ४२४। | निसृष्ट | २३०, १५०। |
| निष्पद्वर. | ३४६, २३। | निस्तन | २४६, १०२। |
| निष्पद्वरी | ४०९, ३५। | निस्तल | २२८, १२५। |
| निष्पद्य=पर्वतविशेष। | | निस्तर्ण | १३०, ३७२, १३०, ३६९। |
| निष्पधा | ११, २६। | निस्तुष्ट | १३७, ४४। |
| निष्पवत्ती | ३४९, ५२। | निस्तिशा | १२०, २८२। |
| निषाद | २०३, १०, २०६, ३५, ४१७, १। | निष्पिण्यपत्रक | २८४, ३२१। |
| निषादिन् | १०९, १८१। | निस्त्राव=भक्तमण्ड। | |
| निषुदन | १३०, २७०। | निस्व (स्वा) न | ४५०, १०९। |
| निष्क | १९१, ५३०। | निहननम्=वव। | |
| निष्कला | ४१८, १०। | निहाका | ३२४, ६०। |
| निष्कली=विगतार्त्त्वा। | | निहिसनम्=वव | |
| निष्काण | १६६, ३०३। | निहीन | २०५, ३। |
| निष्कासित | २२२, ७८। | निहनव | ४४८, ८। |
| निष्कुट | २४८, ४। | निहुति (ती) | ४४९, ९०। |
| निष्कुटि (टी). | १७२, ३५६। | निहाण. | ३३, १२२। |
| निष्कुह | २५१, २६। | नीकार | ४३२, १३४। |
| निष्कम | २४७, ११३। | नीकाश | २११, ८२। |
| निष्ठा | २४६, १०९। | नीच | २०५, ३०, २२४, ८८, ४४३, ४३। |
| निष्ठानम्=तेमनम्। | | नीचक | २२८, १२७। |
| निष्ठीवन | २४४, ८३। | नीचैकैस् | २२८, १२७। |
| निष्ठुर | ४४७, ७८। | नीचवज्रक | २००, ६०५। |
| निष्ठेव | २४४, ८३। | नीचिका=गोषु उत्तमा। | |
| निष्ठेवन | २४३, ८२। | नीची भी=गोषु उत्तमा। | |
| निष्ठ्य | २०६, ३६। | नीचैस् | २२८, १२७, ४६०, २१। |
| | | नीड | ३३९, १९७। |

- नीडोङ्गव ३२६, ८०।
 नीद्रक १६, ७३।
 नीत्र १६, ७३।
 नीप २७०, २००।
 नीत्र १६, ७३।
 नीर १९३, ५१९, ३४५, ११।
 नीरज १९८, ८०४, २८७, ३४२।
 नीरसा २८९, ३६२।
 नीराजन ६७, ४०८।
 नीरुज् ६०, ३६२।
 नील ३८, १६५, १६८, १६९, १७३,
 ३६८, १९७, ५८०, १९९, ६००,
 २५९, १०२, ३७४, ८५, ४०३,
 २०९, ४३५, १६२।
 नीलक २७२, २१५।
 नीलकाठ १४५, ११२, ३२९, १०३,
 ३३१, ०२५, ३८८, ८१,
 ३३४, १५३।
 नीलकपित्य २५४, ५४।
 नीलक्रान्ता ३१२, ५६५।
 नीलक्रौञ्च ३२९, १०९।
 नीलगिरिकर्णी २९६, ४१९।
 नीलग्रीव ३३५, १५७।
 नीलहु ३२५, ७३।
 नीलचटक ३२६, १६४।
 नीलच्छद ३२७, ९२।
 नीलझिणटी-बाणा।
 नीलनाल २७०, १९६।
 नीलदूर्वा, २८८, ३५०।
 नीलदु २६३, १२६।
 नीलवज २७०, १९९।
 नीलपङ्क ३६२, ७।
 नीलपत्र २५७, ७७, २१०, ३६९।
 नीलपिच्छेलिका ३०७, ५२१।
 नीलपुष्प ३०६, ५०७।
 नीलपुष्पा ३१२, ५६५।
 नीलपुष्पी १४०, ७०, २७९, २७९, २९६,
 ४१०, ३०२, ४८१।
 नीलपेर ३१५, ५८६।
- नीलफल २५२, ९८।
 नीलफला १४९, १५३।
 नीलमधिका ३३७, १८१।
 नीलमधिका २६३, १३।
 नीलरत्न १९९, ६०१।
 नीललोह १९४, ५५५।
 नीललोहित ३८९, ८८।
 नीलवस्त्रा ३९४, १३६।
 नीलशिशु १४५, ११९।
 नालसंयका, २९६, ४१९।
 नीलसरस्वती ४४१, २६।
 नीलसिताजनी ३०८, ५२५।
 नीलसिन्दुका ३०६, ५११।
 नीला ३०२, ४८०।
 नीलाङ्ग ३३४, १५३।
 नीलाङ्गु ३२५, ७३, ३२९, ११०।
 नीलाञ्जन १९६, ७७, १९७, ५८०।
 नीलाङ्ग ३५९, १४३।
 नीलाष्वर १७३, ३६८, ४५५, ३५।
 नीलाम्लान २८०, २८०।
 नीलाम्ली ३०७, ५२१।
 नीलाङ्गु १७९, ४१४।
 नीलाशम (न) १९७, ५८९, १९९, ६०१।
 नीलिका ३०६, ५१२।
 नीलिनी ३०२, ४८१।
 नीली, ५४, ३१०, ३०२, ४८०।
 नीर्लंगराग २१८, ४२।
 नीलोपलिन् ३९३, ११९।
 नीवाक २४२, ६९, २४७, ११२।
 नीवार, १३७, ४०।
 नीवि (वी) ५२, २९१, १८६, ४७७,
 २३८, ३७।
 नीवीतिन् ७१, २१।
 नीवृत् ४, १।
 नीशा (सा) र, ५३, २९५।
 नीहार ३४१, ७, ४००, १८१।
 नु-पृच्छाया विकल्पे च।
 नुति, ४४७, ८०।
 नुंत (च) २३०, १४७।

- नूतन २२९, १३७।
 नूननश्राद्ध ८०, १०७।
 नूल २२९, १३७।
 नूम् ४१९, २०।
 नूपुर ५०, १६८।
 नृ २०, ४।
 नृचक्षस् ३८६, ५९।
 नृत्त ४२२, ४८।
 नृता १७३, ३६२।
 नृत्य ४२२, ४८।
 नृवर्मन् ३८७, ७०।
 नृप=राजा।
 नृपचिह्न १०३, १२७।
 नृपदम् २५६, ७२।
 नृपप्रिय २७४, ५२, २८६, ३३६, ३३३,
 १४०।
 नृपप्रिया २९८, ८८, २७६, २८९।
 नृपमाझन्यक ३०७, ५१८।
 नृपलक्ष्मन्=नृपचिह्नम्।
 नृपवल्लरी २७९, २७।
 नृपसभम्=राजसभा।
 नृपाभील ४२४, ६०।
 नृपष्ठा २५५, ६२।
 नृशंस २२४, ८८।
 नृसेनम्=नृसेना।
 नेतृ २१६, १९, २६५, १५४, ३०६,
 ५१।
 नेत्र १४५, १११, १५९, २३७ १८७,
 ४९२, २५१, २३, ३२९, १०६।
 नेत्रपट ११२, २१५।
 नेत्रपुक्करा २९५, ४१२।
 नेत्रमल ४७, २४३।
 नेत्रमीना, २९५, ४१०।
 नेत्ररोमन् ३७, १५१।
 नेत्रसमुद्घव ५९, ३१।
 नेत्राम्बु. ३७, १५०, ४२९, १११।
 नेत्रारि. २८७, ३२२।
 नेदिष्ट. २२८, १२५।
 नेपथ्य ४९, २४९।
 नेपालनिष्व २६६, १५८।
 नेपालिक १९३, ५४८।
 नेपाली १९५, ५६०।
 नेमि (मी) १०४, १३५, २७८, २०८,
 ३५८, १३२, ३१९ १७६,
 ४०२, २०३, १२, ३२।
 नेमिनिधि ४३८, १३।
 नेमिवृक्ष २८३, ३०८।
 नैकटिक २०४, १९।
 नैकपेय ३७३, ३६।
 नैक्षण्यी ३८६, ६२।
 नैगम १८६, ४७७।
 नैचिक १८४, ४५९।
 नैचिक=बोधु उत्तमा।
 नैपाली=मन शिलाविशेष।
 नैपुण (ण्य) २४०, ५०।
 नैमेय १८६, ४७९।
 नैयग्राध ७०, १७, २५३, ४५।
 नैयाचिक ८४, १४४।
 नैऋत्त ३८६, ५८।
 नैषव ९२, २७।
 नैचिक ९०, १४।
 नैक्षिकी १४, १५।
 नैष्ठिक ७०, १४।
 नैखिक ११५, २३९।
 नो ४५९, १५।
 नौ (स). ३५०, ५९।
 नौकाश्छ ३५०, ६२।
 नौकार्य ३५१, ६९।
 नौतर्य ३५०, ५८।
 न्यक् २२८, १२७।
 न्यक्तार ४३१, १३३।
 न्यकृत. २२२, ७७।
 न्यक्ष ४५२, १२।
 न्यमावन २३९, ३८।
 न्यग्राध २५९ १०१।
 न्यग्रोविका २९४, ४०५।
 न्यग्रोधी ३०५, ५०५, ३१४, ५८०।
 न्यङ्गु ३२१, ३०।
 न्यचित २३३, १७५।

न्यस् २४६, १०८।
 न्यस्त २३०, १५०।
 न्यस्तशस्त्र ३८५, ५४।
 न्याद=मोजनम्।
 न्याय ४४३, ३७।
 न्याय्य ९९, ११।
 न्यास १८६, ४८।
 न्यु (न्यू) हु=आङ्कारविशेष।
 न्युज २१०, ४५।
 न्युजस्त्र १२८, ३०४।
 न्यूत=हीत।

प

पक (क) ण ९, १०।
 पक्षम्=विनाशोन्मुखं परिणत च।
 पक्षाशय ४२, २०१।
 पक्ष ११९, २७०, ३३९, १९२, ४११,
 ५२।
 पक्षक ६८, ८३०।
 पक्षज ३९८, १६३।
 पक्षनि (ती) ३३९, १९८, ४०६, ४।
 पक्षद्वार १६, ७२।
 पक्षनखरा ३२८, १०१।
 पक्षभाग १०७, १७०।
 पक्षमूल ३२९ १९८।
 पक्षाघा ४०६, ४।
 पक्षान्त=अमा पूर्णिमा च।
 पक्षिणी ४०२, ३९।
 पक्षिन् ३२६, ८०।
 पक्षिमत्स्य ३५४, ९६।
 पक्षिमार्ग ३, २३।
 पक्षिराज् ४५६, ५९।
 पक्षिल ८४, १३८।
 पक्षिशक ३२७, ८९।
 पक्षमजा ३३९, १९३।
 पक्षमन् ३७, १५१।
 पक्षमष्टपदी ३३९, १९३।
 पक्ष्य १९३, ५४९, २१९, ४५।
 पगुण २२८, १३०।
 पङ्क ३४६, २४, ४१५, ८५।

पङ्किल=सजम्बाल ।
 पङ्केश्वर ३५९, १३९।
 पङ्कि ७८, ८९, १८७, ४९४, २४९, ९।
 पङ्किकण्ठक ३०३, ४८५।
 पङ्किकन्द १७९, ४२९।
 पङ्किचर ३२९, १०७।
 पङ्किवीज २८४, ३१४।
 पङ्कि=श्रोण ।
 पङ्कल्प्यहारिणी ३०७, ५१६।
 पचन २३९, ४७।
 पचमचा १५६, २१०।
 पचा १५२, १७३, २३९, ८७।
 पञ्जटि १८, ८८।
 पञ्चक २८४, ३१८।
 पञ्चगुप्तक ३५७, ११०।
 पञ्चचूडा ३७२, ३०।
 पञ्चजन २०, २।
 पञ्चजनीन २२४, ९३।
 पञ्चज्ञान ३६८, ४।
 पञ्चता १३०, ३७४।
 पञ्चत्वम्=मृत्यु ।
 पञ्चदशी=अमा पूर्णिमा च।
 पञ्चनख २८५, ३२७, ३१८, ९।
 पञ्चनदोङ्कवा ५१, २८०।
 पञ्चपर्णी ३१३, ५६७।
 पञ्चभद्र १११, २०१, २१३, ९०, २१८,
 ३९।
 पञ्चमुज २, १३।
 पञ्चभूत ४२४, १५५।
 पञ्चम २९, ८०, ४१७, १।
 पञ्चमी १४, ४८, २१३, १०६।
 पञ्चमुख ३९०, ९९।
 पञ्चरक्षक २८४, ३१७।
 पञ्चराजीफल २११, ३८२।
 पञ्चरात्रिक ८४, १४७।
 पञ्चलक्ष्मन् ३८०, २।
 पञ्चलाङ्गूल ८०, १०३।

- | | | | |
|-------------|-----------------------------|---------------------|-------------------------|
| पञ्चवट | ८३, १५९। | पञ्चन | ९, ४। |
| पञ्चवर्षन. | २८४, ३१७। | पञ्चमय | ५३, ३०६। |
| पञ्चवर्षा. | ९४, ४८। | पञ्चिका=लोहि-लोधि। | |
| पञ्चराण | ४५५, ३८। | पञ्चिकारोत्र | १७४, ३७६। |
| पञ्चवीर | ३९३, १२०। | पञ्चित् | १७४, ३७६। |
| पञ्चशाख | ३९, १७२। | पञ्चिश (टिम) | १२४, ३१५। |
| पञ्चशिख | ३१८, १। | पञ्चलिका | १०, १३। |
| पञ्चपा | १८७, ४९३। | पञ्चिमान | ३१९, १०३। |
| पञ्चमार (क) | १६६, २९९। | पण | १९१, ५२८, २११, ८३, २१३, |
| पञ्चसू | ९४, ४८। | | १०३। |
| पञ्चहारफल | ४९, २६। | पणद्युत | २१३, १०९। |
| पञ्चाङ्गी | ११२, २१८। | पणयोपित | २४, ३७। |
| पञ्चाङ्गुल | २८१, ३२६। | प (प्र) पा | ४२४, ६६। |
| पञ्चार्चिम | ४०२, २०। | पणायित | २३४, १८०। |
| पञ्चावस्थ | १३१, ३८। | पणि | १८६, ४७७। |
| पञ्चास्त्र | ३१८, ३। | पणित | २३४, १८०। |
| पञ्चिक | ६३, ३८। | पणितव्य | १८६, ४८३। |
| पञ्चिमा | ३८५, ५३। | पण्ड | २०, ४। |
| पञ्चाखट | ३५१, ७२। | पण्डा | ४३३, १४४। |
| पञ्चिमा. | ४४४, ४९। | पण्डित | ७४, ४८। |
| पञ्चीकर | २०४, १७। | पण्डितमन्य=सुचद्वा। | |
| पठ | ५०, २७१, ५३ २१, २५६, ७०। | पण्य | १८६, ४८३। |
| पठकुटी | ५३, ३०२। | पण्यगन्व | २९०, ३६०। |
| पठचर | १६, ७८, ५२, २०५, २०७, ४७। | पण्यदा | २९०, ३६८। |
| पठल | ४४५, ६१। | पण्ययोधित् | २४, ३७। |
| पठलप्रान्त | १६, ७३। | पण्यवीरी | १०, १२। |
| पठलान्त | १६, ७३। | पण्या=ज्योतिष्मतो। | |
| पठली | ३४०, २०२। | पण्याजीव | १८५, ४७६। |
| पठवास | ५३, ३०२। | पतग | ३२६, ८। |
| पठह | १२६, ३३६, ४२४, ६६। | पतङ्ग | ११०, ११३, २५८, ९३, ३२६, |
| पठु | ६०, ३६२, १६७, ३१४, २०५, ३४, | | ८१, ३३७, १७५, ४३६, ९। |
| | २१४, ४, २९८, ०२७। | पतङ्गक | १३४, ८। |
| पठुण. | २१०, ३६७। | पतञ्जिका=पुत्तिका। | |
| पठुपर्णी | ३१०, ५५०। | पतञ्जलि | ८३, १३४। |
| पठत्तर | १५२, १७१। | पतञ्जिका | ११८, २६। |
| पठोल | १४८, १४६, २९१, ३८। | पतत् | ३२७, ८। |
| पठोली | १४८, १६६। | पतत्र | ३३९, १०९। |
| पठु | ५०, २७४, २१९, ५०। | पतत्रिन् | ३२६, ८०। |

| | | | |
|----------------------|-------------------------|-----------------------|------------------------------|
| पतद्यग्रह | ६७, ४२४। | पत्रवाह | ११८, २६९। |
| पतयाल्लु | २२०, ५८। | पत्रवाहन | ३२६, ८०। |
| पताका | १२६, ३३७। | पत्रविवेक | २८०, २८५। |
| पताकिन् | ११७, २४०। | पत्रशाक | १५१, १६८, १७२, १७५। |
| पति | ३४, १२३, २१६, १०। | पत्रेष्ठ | २६३, १३८। |
| पतिबरा | २१, १६। | पत्रमी | १७०, ३३८। |
| पतित | १२९, ३६८। | पत्रा | २९०, ३६८। |
| पतित्यक्ता | २३, ३८। | पत्राङ्गम्-रक्तवदनम्। | |
| पतिवती | २३ ३४। | पत्राङ्गिन् | ३२७, ८४। |
| पतिवल्ली | २३, ३३। | पत्राङ्गलि | =पत्रलेखा। |
| पतिव्रता | २१, १५। | पत्राञ्जन | ९६, ७०। |
| पत्तन | ९, २। | पत्राटी | ३३०, ११६। |
| पत्ति. | ११४, २३२, ११६, २५०। | पत्र अ | १७१, ३४३, २९०, ३६५, ३२९, |
| पत्तिसहनि | ११४, २३४। | | १०४। |
| पत्ती | २५, ४४। | पत्राह | १७७, ४०२। |
| पत्र | ५१, २१७, ११३, २०८, १४५, | पत्रि | ३२६, ८३। |
| | ११२, २२७, ११६, २५१, २६२ | पत्रिका | ६४, ३९४, ३१३, ५७५। |
| | ३३९, १९९। | पत्रिन् | ११८, २६७, २७०, ११३, २८० |
| पत्रक | १७७, ३०३, २८०, २८५। | | २८०, २८३, ३०५, ३२६, ८०। |
| पत्रकाहला | ४२५, ७१। | पत्री | २८१, १९३। |
| पत्रघना | ३०८, ५२९। | पत्रोण (म्) | =स्थोनाको धौतकशेयं च। |
| पत्रण | १२४, ३२३। | पथिक | २७, ७८, २२०, ५५। |
| पत्रतण्डुली | २५६, ४१०। | पथिका | १७५, ३८०, २५९, ९५। |
| पत्रनरु | २८३, ३०९। | पथिदुम | २८३, ३०७। |
| पत्रदात्री | २९४, ४०३। | पथिन् | १८, ९३। |
| पत्रदारक | २१०, ७८। | पथ्य | ६०, ३६१, ६०, ३६५। |
| पत्रधनुका | १२३, २१३। | पथ्या | १५०, १६४। |
| पत्रपरग्नि | =ब्रथन। | पद् | ४४, २१८। |
| पत्रपाल | १२३, २१३। | पद | ४, ३, ४४, २१७, ४४, २२०, ४१६, |
| पत्रपाश्या=ललिटिका। | | | ९८, ४३१, १२५। |
| पत्रपिशाचिका | २०४, २५। | पदग (म) | ११४, २३२। |
| पत्रफला | १५०, १६७। | पदच्छेद | ४४४, १। |
| पत्ररथ | ३२६, ८०। | पदभजिका | ४४४, ४९। |
| पत्रलता | १२३, ३१४। | पदवि (वी) | १८, ९३। |
| पत्रलताभज्जि | ४८, २५५। | पदाज्य. | ११४, २३३। |
| पत्रलेखा=पत्राङ्गलि। | | पदाजि | ११४, २३४। |
| पत्रवल्ली | २५५, ४१२, २१७, ४२८, | पदात | ११४, २३४। |
| | २१९, ४४७। | पूदाति (क) | ११४, २३२। |
| पत्रवाल | ३५०, ६१। | पदायता | २०९, ६४। |

| | |
|---|--|
| पदार्थोक्ति ४४४, ५१। | पचम्=पनितम् । |
| पदिक ११४, २३२। | पचग ३६४, ५। |
| पदिरा ३२३, ५७३। | पचग गत =मयूर । |
| पद्म ११४, २३२। | पचवी २०९, ६२। |
| पद्मति (नी) ४४४, ५०। | पपी ४३६, ७। |
| पद्म १०७, १७०, १८८, ४२९ ३७९, १४४, ३७४, ४४। | पद फर्ना ३६३, १६९। |
| पद्मकम्=विनुजालकम् । | पदम् १५८, २३५। |
| पद्मकन्दाद. ३३१, १२८। | पदम्ब्रा ७८, ८७, ३१२, ५५९। |
| पद्मकफटी ३६०, १४६। | पदस्वल १८५, ४७०। |
| पद्मचन्द्र ३७३, ३८। | पदस्त्रिनी १४८, १४०, १८०, ४२८, १८३, १३८, २९२, ३८४, ३१३, ७६९। |
| पद्मचारिणी ३१२, ५६९। | पयोवर ४१, १९४। |
| पद्मनाम (भि) ४५१, ३। | पयोव्र ४१, १९६। |
| पद्मनेत्र ३३१, १६८। | पथेष्णी ३४८, ४५। |
| पद्मपत्र १७६, ३९२। | पर=रात्रु । |
| पद्मभू. ४३९, ८। | परक. १४१, ८३। |
| पद्ममालिनी ४५७, ५५। | पर शता=शतात्परा । |
| पद्ममूल ३६०, १४७। | परगि ३५५, १०८। |
| पद्मराग १९८, ५३९। | परजात २०९, ३२। |
| पद्मलाघ्न ४३६, ४, ३८७, ७३, ४३९, ३। | परतन्त्र २१७, २५। |
| पद्मलाघ्ना ४५७, ५८, ४४१, २४। | परपिण्डाद २१७, ३२। |
| पद्मवती ३१२, ५६९। | परभाग २३६, १६। |
| पद्मशायिनी ३३२, १२९। | परभृत=काक । |
| पद्मा १५२, १७८, १७३, -६९। | परभृत ३३२, १३६। |
| पद्माकरे ३५८, १३५। | परमम्. ४५९, १७। |
| पद्माक्ष ३५९, १४५। | परमाणु १८९, ५१३। |
| पद्मल्या ४५७, ५२। | परमाच ७८, ८८, १६०, २४८। |
| पद्मिन् १०७, १४४। | परमृत्यु ३२८, ९६। |
| पद्मिनी ३५९, १४५। | परमेष्ठिन् ३६९, ९। |
| पद्मिनीह. ३६०, १४७। | परम्पर २७, ६३, २९, ८०। |
| पद्मम्=श्लोक । | परम्पराक ७६, ६६। |
| पद्मा १९, ९४। | परम्परीण २९, ८२। |
| पनस २५५, ५९। | परवत. २१७, २५। |
| पनसिका ५८, ३४३। | परशु (रु) ४६, २३५, १२४, ३१९। |
| पनायित. २३४, १८०। | परशु (रु) राम ४५२, १३। |
| पनित २३४, १८०। | परश्व (स्व) व १२४, ३१९। |
| पन्था २३४, ४०३। | परश्वस् ४६०, २७। |
| पन्थाल्क ३३५, १५८। | परस्परम्=अन्योन्यम्। |

| | |
|-------------------------------------|---------------------------------|
| परा ४४२, २८। | परिवात १३९, ३७८। |
| पराक्रम =शौर्यमुद्योगश्च । | परिचय २४२, ६५। |
| पराग २५२, ३८। | परिचर २४६, १०४। |
| परागमुष्टि २७१, २०२। | परिचर =परिविष्ट । |
| पराइख सु २२३, ६७। | परिच्छया ७१, २५, ८१, ११६। |
| पराचित २०५, ३२, २१६, १९। | परिचय ७७, ७८। |
| पराचीन २२६, ६६। | परिचारक २०९, २३, २१६, १०। |
| पराजय १२९, ३६४। | परिचि २४७, ११७। |
| पराजित १२९, ३६५। | परिच्छद २४६, १०६। |
| पराधीन २१७, २५। | परिच्छु ४४५, ६९। |
| परान्त ४१५, ८५। | परिज्ञ ३९८, १६७। |
| परान्त्र २१७, ३२। | परिज्ञा ४०२, २०२। |
| परापत ३३२, ९३२। | परिणत १०६, १६०। |
| पराभव ४३१, ९३१। | परिणय ७३, ३९। |
| पराभूत १२९, ३६५। | परिणाम २४०, ५४, |
| परामृत ३९७, ९६०। | परिणामक ५६, ३२८। |
| परायण ७१, २३, २३३, २। | परिणाय ७३, ३९, २१३, १३। |
| परायि ४६०, २५। | परिणाट =विशालता । |
| परावे १८८, ४९६। | परितम् ४७९, १७। |
| पराव्य २२६, ९०८। | परिताप २३७, २०। |
| परावन २५९, ९७, ३३८, १०२। | परित्याग २३८, २९। |
| परावत्ति १८६, ४८१। | परित्राण ४७, २४१, २३५, ७। |
| परावसु ९२, ३०। | परिदान १८६, ८१०। |
| परावह ३७८, ९७, ३८१, १४। | परिदेवन (ना) ४४८, ८८। |
| परावृत्त ११२, २१। | परिवान ५२, २९०। |
| पराष्ठ १३१, ३८०। | परिवि ११४, २२६, ४३८, २०। |
| परिकर ५२, २९३। | परिपण १८६, ८७७। |
| परिकूर ३५३, ९९। | परिपत्यक ९१, २०। |
| परिकर्मन् ६१, ३६६। | परिपथिन् ९१, २०। |
| परिकर्मिक ९०, ९५। | परिपटी ७१, २०, २४१, १६। |
| परिकर्मिन् २१६, २०। | परिपालन १२४, ३२९। |
| परिकाह्निन् ८८, १७८। | परिपिष्ट १९३, ५४८। |
| परिक्रम २४०, ५५। | परिपूर्णव ४८, २५५। |
| परिक्रमसह १८५, ४७०। | परिपेलवम=कैवल्यासुस्तरम्। |
| परिक्रिया २४१, ६२, २४६, १०७। | परिष्ठ २२९, १३४। |
| परिक्षिप् २३०, १४८। | परिष्कृत २१८, ३९। |
| परिखा ३५८, १३६। | परिवह =राजार्हवस्तु परिच्छदश्च। |
| परिग्रह २४५, ९२। | परि (री) भव ४३१, १३२। |
| परिग्रह ७२, ३८। | परिभाषण ४४८, ८७। |
| परिव १७, ८३, १२४, ३२१, १३१, ३७७। | |

- परिभाषा. ४४६, ६७।
 परिभ्रत. १२९, ३६५; २३३, १७४।
 परिमल. २३९, ४६; २४४, ९९; २५३,
 ४०।
 परिमुज. २०३, ३३।
 परिवृष्ट. ८६, १५९।
 परिरम्म (ण.) २३६, १८।
 परिरुढ. १४२, ८९।
 परिवत्सर. ४१३, ७३।
 परिवर्जन. १३०, ३७।
 परि (री) वर्त. १८६, ४७५; ४१४, ८३;
 ४४५, ६१।
 परिवसथ. ९, ५।
 परिवह. ३७१, १७; ३८१, १४।
 परिवाढिका. १४२, ८६।
 परिवाद. ४४८, ८२।
 परिवादिनी. ४२३, ५९।
 परि (री) वाप. २३५, ९।
 परिवापितम्=मुण्डतम्।
 परि (री) वार. १२, ३२; १२३, ३०९;
 २३५, ९।
 परि (री) वाह. ३४६, २५।
 परिविति. ८६, १६०।
 परिवितृ. ८६, १६१।
 परिविष्ट. २३०, १४८।
 परिवृढ. २१६, ११।
 परिवेतृ. ८६, १६०।
 परिवेदिनी. ८६, १६१।
 परिवेश (ष). ४३८, २०।
 परिव्याघ. २६७, १७।
 परिवज्या. ८७, १६८।
 परिवाज्. ८८, १७४।
 परिवाजक. ८८, १७५।
 परिवाम्. २४५, ४५।
 परिविष्ट. ४४४, ५०।
 परिश्लेष. २४१, ६१।
 परिषद्. ७६, ७०।
 परिषद. ७६, ७२।
 परिषद्य. ७६, ७३।
 परिषद्वेल. ७६, ७२।
 परिष्कन्दः=परसंवर्धितः।
 परिष्कब्रः=परसंवर्धितः।
 परिष्कारः=विभूषणम्।
 परिष्कृतः=विभूषितः।
 परिष्वङ्गः=परिरम्मः।
 परिसर. ९, ८।
 परिसर्व. २४१, ६३।
 परिसर्या. २४१, ६४; २४७, ११०।
 परिसारः=परिसर्या।
 परिसृष्टक. २२०, ५४।
 परिस्कन्द. २१६, २०।
 परिस्कब्र. २०५, ३२।
 परिस्तोम. १०८, ३७७।
 परिस्पन्दः=रचना।
 परिस्थित्यन्दः=रचना।
 परिस्तुत. २११, ८३।
 परिस्तुत. १५९, २३८।
 परिस्तुता. २११, ८४।
 परि (री) हार. २३५, १०।
 परिहास. ४२६, ८२; ४३०, ११६।
 परिहृ. २४५, ९७।
 परीक्षक. २१५, १३।
 परीक्षित (त). ९४, ५०।
 परीधान. ७२, २९०।
 परीपवन. १४३, १३।
 परीभा (रिभ) व. ४३१, १३१।
 परीमाण. १९६, ५२६।
 परीरम्म (ण.). २३६, १८।
 परीवर्त्तः=परिवानम्।
 परीदृच्छफला. १४८, १३९।
 परीवेश (ष). ४३८, २०।
 परीवेशन. ४३८, २०।
 परीष. ८६, १५९; २३०, १४८।
 परीष्टि. ८१, १११।
 परीसर्प. २४६, १०७।
 परीसार. २४१, ६४; २४७, ११०।
 परु. १४६, १२५।
 परुत्. ४६०, २५।

| | |
|--------------------------------|---------------------------------|
| पहल्कालोऽद्वा ५१, २८७। | पर्यवस्थात् ९१, २१। |
| पर (ह) प २५९, १७, ४४७, ७४। | पर्यस्तिका ६७, ४२२। |
| परम् ३९, १७५, १८६, १०५ २५९, | पर्याण ११२, २१६। |
| ९८। | पर्यावान् ८६, १५८। |
| परंत १३१, ३८०, ३६७, ६। | पर्याप्त १८०, ८२८। |
| परंतरा ३७७, ७६। | पर्याप्ति २३५ ८ २५०, ८०। |
| परंतराज् ३८५, ८८। | पर्याय ७१, ७। |
| परंद्युवि ४६०, २६। | पर्यायानिकम् २४३, ५६। |
| परेषुभा १८४, ८६०। | पर्याहार २१०, ७६। |
| परैवित २०७, ३२। | पर्याहित ८६, १५८। |
| परोवरीण, २९, ८२। | पर्युदञ्चनम्=ऋणम्। |
| परोणी ३३४, १८०, ३३८, १९१। | परयुधासन ७१, २५। |
| पर्कटि (की) २६०, १०६। | पर्येषणा ८६, १११। |
| पर्जन्य ३७३, ३९, ३८८, २८, ३९६, | पर्वत ५४, ३०९, ३५१, ३, ३७४, ८०। |
| १५२। | पर्वतकीला ३, २०। |
| पर्जन्या १५६, २१०। | पर्वतसज्जात् ५१, २८०। |
| पर्णम्=पत्रम्। | पर्नीय २५७, ८०। |
| पर्णभेदिनी ६४, ३९९। | पर्वन् ३६, १७७ १४६, १२५, ४४५, |
| पर्णभोजन १८५, ८६९। | ६२। |
| पर्णसूत्र ३२२, ४५, ३२३, ५०। | पर्वमूल ४१०, ४३। |
| पर्णलता ६७०, ३३४। | पर्वमूला ३१४, ५७९। |
| पर्णविलासिनी, ६६, ८१८। | पर्णवली २८८, ३५५। |
| पर्णशाला=उष्टजः। | पर्वविपद् ३९८, १७। |
| पर्णशा. ३७२, २९। | पर्वसंविधि ४१०, ४२। |
| पर्णासः=कठिङ्गर। | पर्णुका=पादर्वास्त्रि। |
| पर्णिका, ३६०, १५०। | पर्शू ४६, २३५। |
| पर्णोपज्ञक २७५, २३६। | पर्षद् ७६, ७०। |
| पर्थेज ३८२, १। | पर्षद् ७६, ७३। |
| पर्दन ४७, २४८, ४५०, १०४। | पर्षद्य ७६, ७२। |
| पर्पट १६६, ३००, ३०९, ५३३। | पल ४४०, १६, ४५, २२६, १४१, ८१, |
| पर्पटदुम् २७१, २०३। | ११०, ५१७। |
| पर्परीक ३७७, ९। | पलगण्ड=लेपक। |
| पर्यङ्क ६७, ४२२। | पलङ्कट १२९, ३६६। |
| पर्यङ्कपालिका, १४९, ४५। | पलङ्घष ६६, ४१३, ३००, ४६३, ३०९, |
| पर्यटन, ८१, ११७। | ५३८, ३१८, ५, ३४४, ३। |
| पर्यटिका ३३६, १६७। | पलङ्घषा १४०, ६६, १७४, ३७२। |
| पर्यन्तम् ९, ८। | पलङ्घिय ३२८, ९७, ३८६, ५६। |
| पर्यन्य ३९६, १५२। | पलल ४५, १२६, १४०, ७४। |
| पर्यवस्था, २४६, १०९। | पलाक्या १५१, १७१। |

| | | |
|------------|--|------------------------------|
| पलाङ्क | ४६३, ६८। | ४६३ २५९, ९९, २८७, ३८९, |
| पलांडु | १४७, १२९, २८४, ३१७। | ३४४, ९, ३७१, ७०, ३९५, १४५। |
| पलाद (न) | ३८६, ६०। | पवित्रक २२५, १०५, २६०, ००७। |
| पलायन | १२९, ३६३। | पवित्रा १५६, २०८, १७६, ३९४। |
| पचायित | १२९, ३६५। | पशु १८७, ४६८। |
| पलाल | १४१, ८१। | पशुपति ३७८, १३, ३८८, ७९। |
| पचाव | ३५१, ७०। | पशुमेहनी २९८, ८४। |
| पचाश | २०१, २६, २७३, २३५, ३८६, ५९। | पशुयूका ३३९, १९३। |
| पलागपर्णी | ३०४, ४९५। | पथान्=प्रतीच्य चरसे च। |
| पलाशा | १५३, १९९। | पथात्ताप=अनुगाम। |
| पलशिन् | २५०, १३। | पथादूडा २१, ५१। |
| पलशिनी | ३४९, ८९। | पथिम २२९, १४०। |
| पलाशी | १७४, ३७३, २९९, ४४७। | पथिमदिव्यपति ३८७, ६०। |
| पलिक्षी | २२, २३, १८३, ८०७। | पथिमदरात्र ४१०, ४१। |
| पलिन | ३०, ८८, ७०, ३५१, १५३ १८७। | पथिमा ३७३, ४९। |
| पलिता | २२, २३। | पथिमोत्तर=उदीच्य। |
| पल्यङ्क | ६७, ४२२। | पश्यन्तिमा ४४२, २८। |
| पल्ययन | २९, ८१, १२९, ३६३। | पष्क २३१, १५२। |
| पल्याण | ११२, २१६। | पष्ठवाह=युगपार्श्वग। |
| पल्यव | ५१, २८४, २५१, २८। | पष्ठौही=बालगर्भिणी। |
| पल्लवक | २१३, ९८। | पस्त्य १२, ३६। |
| पल्लविक | ४२७, ७९। | पाशव १५३, १८३। |
| पल्लवित | २५२, ३६। | पाशु (सु) १२६, ३३१, ३०९ ५३४। |
| पल्लाक | ३५५, १०३। | पाशुकार्शीस १९६, ५७१। |
| पल्लि (ली) | ९, ९, ३२५ ६६। | पाशुनन्दन ३८१, ८५। |
| पल्लिका | १४४, १०८। | पाशुमन्दन ३५९, १३७। |
| पल्लीवाह | २९०, ३६६। | पाशुरागिणी ३०९, ५४९। |
| पल्ल्यल | ३५८, १२४। | पाशुलक. ९१, २३। |
| पव | २४२, ६२। | पाशुला २४, ३६, २४, ४०। |
| पवन | १४२, ११, १७३, ३६६, २०४, २२, २४२, ६६, ३८०, ५। | पापु ६३, ३८८, ३७४, ४३। |
| पवनव्यावि | ४५४, २९। | पासुकीला १०, १३। |
| पवनि | २०४, ३२। | पासुला २३, ३४। |
| पवमान | ३८०, ५। | पाक ३०, ९०, २३९, ४१। |
| पवि | ३८४, ३९। | पाककारक ९३, ४०, |
| पवित्र | ५०, २७५, ७०, १५, १३७, ४३, १४०, ६७, १५७, २२३, १८४, | पाकनिषूदन. ३८२, २३। |

| | | | |
|-----------------|--------------------------|-----------------|---------------------------|
| पाकशाला | १४, ५६, १४३, ९५। | पाणिघ | २०५, २७। |
| पाकशासन | ३८२, २३। | पाणिज | ४०, १७७। |
| पाकशुक्ला | ३४३, २४। | पाणितल | १९०, ५१८। |
| पाकायक्ष | १०, १७। | पाणिन | ८३, १३४। |
| पाकिक | १०, १७। | पाणिनि | ८३, १३३। |
| पाक्य | १७८, ४१। | पाणिर्गीडन (डा) | ७२, ३८। |
| पाखण्ड | ८३, १५। | पाणिमानिन् | १९०, ५१८। |
| पाखण्डकर्तृ | ४०२, २०। | पाणिवाद (क) | २०५, २७। |
| पाङ् | २९७, ४२८। | पाण्ड | २०, ४। |
| पाचक=सूद। | | पाण्डर | ४३५, १६२। |
| पाचन | ३७७, ६। | पाण्डवायन | ४५३, १३। |
| पाची | २८१, २९। | पाण्डवी | ३३६, १६६। |
| पाञ्चजन्य | ४७४, ३०। | पाण्डु | ५५, ३१५, १२, ३३, १३४, २०, |
| पाञ्चनद | १०६, १५। | | २९१, ३८१, ३१४, ५७८, ३९२, |
| पाञ्चालिका | १८, ९२, २०८, ६१। | | १११, ४३५, १६२। |
| पाञ्चाली | १४, ४७। | पाण्डुकम्बलिन् | १०३, १३३। |
| पाट् | ४५८, १०। | पाण्डुकम्बलीय | १०३, १३३। |
| पाटके | १, ६। | पाण्डुपत्र | १४, ४७। |
| पाटचर=चोर | | पाण्डुफल | २९१, ३८। |
| पाटल | २७३, २३८, २५३, ८७, ३५७, | पाण्डुभूम | १५०, १६४। |
| | १०१, ४३५, १६६। | पाण्डुर | ४३४, १६०, ४३५, १६२। |
| पाटला | १८३, ४५४, २१३ ४७, २७१ | पाण्डुरदुम | २६८, १७७। |
| | २४। | पाण्डुरघुष्ठ | २१८, २९। |
| पाटलि | २७५, २४। | पाण्डुरक्ती | ३१४, ५१८। |
| पाटलिपुत्रक | १०, १८। | पाण्डुरा | २९२, ३८। |
| पाटली | २६४, १४३, २७२, २१८, ३१४, | पाण्डुराग | २८०, २८। |
| | ५८। | पाण्डुशर्मिला | १४, ४८। |
| पाटव. | ६०, ३६। | पातक | ३३८, १८४। |
| पाटी | ३०३, ४८। | पातञ्जल | ८४, १४५। |
| पाटीर | ६१, ३७। | पानाल | ३४४, ९, ३६१, १। |
| पाठ. | ७१, २३, ७३, ८२, ७४, ५५, | पातालगाहडी | २९७, ४२९। |
| | २४२, ७२। | पातालगृह | ३६२, १। |
| पाठभूमि | ७१, २२। | पातुरु | २२०, ५८। |
| पाठविक. | २१९, ५०। | पात्र | १४४, १०७, २५१, २६, ३४६, |
| पाठा | १७७, २८। | | २१, ४२५, ७७। |
| पाठी | १७१, ३५। | पात्रपाणि | ३७४, ४३। |
| पाठीन | ३५३, ७५, ३५४, १००। | पात्री=अमत्रम्। | |
| पाणि | ३९, १७२। | पावस् | ३४४, ८। |
| पाणिगृहीता (ती) | २५, ४४। | | |
| पाणिग्रहण | ७२, ३८। | | |

| | | | |
|----------------|------------------------|----------------|----------------------|
| पाद् (द) | ४४, २१७, ३४३, २०, ४३७, | पानपत्र | २१३, ९८ । |
| | १४ । | पानभाजन | १४४, १०६ । |
| पाइकटक | ५०, २६६ । | पानविश्रम | ५६, ३२३ । |
| पादकीलिका | ५०, २७० । | पानाजीर्णक | ५६, ३२२ । |
| पाइग्डिर. | ५७, ३३५ । | पानीय | ३४४, ९ । |
| पादग्रहण | ७२, ३६, ८१, ११५ । | पानीयाल्या | २८७, ३४६ । |
| पादतलमध्य | ४४, २२० । | पानीयालु | १७९, ४१४ । |
| पादन्यास. | ४४, २२० । | पान्थ | ९७, ७८ । |
| पादप | २४९, ९२ । | पाप | २२४, ८९ । |
| पादपलटा. | ३११, ५५६ । | पापन्न | १४०, ६७ । |
| पादपशायक. | ३२३, ५० । | पापचेली | १७७, ३८० । |
| पादपाश | १०८, १७२ ११२, २१६ । | पापनाशनी | २८३, ३११ |
| पादपीठ | २०९, ६३ । | पापपति | ३४, १२५ । |
| पादवन्व | १२८, ३५४ । | पापरोग | ५७, ३१३ । |
| पा (प) दवन्वन. | १८०, ४३० । | पापर्द्धि | २०७, ८६ । |
| पादमूल | ४४, २१८, २५१, २३ । | पाप्तन्. | ४१५, ८६ । |
| पादरोहण. | २५९, १०१ । | पामन्. | ५८, ३४० । |
| पादउत्तीक | ५७, ३३५ । | पामन=कच्छुर | |
| पादरयी | २०९, ६२ । | पामनेमि | ३८८, २५ । |
| पादवीयी | २०९, ६२ । | पामर | २०५, ३० । |
| पादशा (शी) | ली ५०, २६९ । | पामरी | ५१, २८१ । |
| पादस्फोट. | ५७, ३३८ । | पामा | ५८, ३४० । |
| पादहिता | २०९, ६२ । | पायला. | ३३७, १८२ । |
| पादाग्र | ४४, २१८ । | पायस | ७८, ८८, १६०, २४८ । |
| पादात् (त) | ११४, २३३ । | पायु | ४३, २१२, ४३४, १५८ । |
| पादातिक (ग) | ११४, २२३ । | पाय्य. | ९, ५१२ । |
| पादावार. | ११३, २१७ । | पार | ३४६, २० । |
| पादालक. | ३५०, ६१ । | पारगत | ३६९, ९ । |
| पादाहार | ६०, ३६५ । | पारण | २३५, ४ । |
| पादिका | ११३, २१९ । | पारत (द) | १९७, ५८२ । |
| पादिकि | ११४, २३८ । | पारम्पर्योपदेश | ७६, ६८ । |
| पादिन् | ३५७, १२३ । | पारशब्द | २०२, ५, २०३, १० । |
| पाडु (का) | २०९, ६२ । | पारश्वविक. | ११५, २३९ । |
| पाढु (डु) | २०९, ६२ । | पारसि (सी) क | ६, २१ । |
| पाढुकृत. | २०३, १५ । | पारस्पैषण्य | २६, ५८ । |
| पाय | ८०, ११२ । | पारापत. | ३३२, १३२ । |
| पानक | १६६, २१९ । | पारायण | २३५, २ । |
| पानगोष्ठी | २१२, ९७ । | पारा (प) वत. | १३५, २४, ३३२, १३२ । |
| पानघात | ५६, ३२३ । | पारापतपदी. | २९५, ४१७, ३०६, ५०८ । |

पारावती. १८०, ४२९।
 पारावार. ३४३, १, ३४४, ४।
 पाराशर ८२, १२७।
 पाराश्रित् ८२, १२६, ८८, १७४।
 पाराशर्य ८२, १२७।
 पारिकाङ्क्षिन्=तपस्वी।
 पारिजातक. २८३, ३०४, ३८४, ४३।
 पारितथ्य. ४८, २५६।
 पारिपार्श्वक. ४२५, ७५।
 पारिपाश्या ४८, २५६।
 पारिहृत. २२९, १३४।
 पारिसद २६५, १५४, २७५, २३७,
 २८३, ३०४।
 पारियात्रक. ३४२, १५।
 पारियानिक. १०३, १३१।
 पारिषद (क). ७६, ७२, ३९१, १०४।
 पारिषद (घ) क ७६, ७२।
 पारिहर्य ४९, २६४।
 पारी १४४, १०३।
 पारीक्षित ९४, ५१।
 पारीन्द्र ३१८, ५, ३६५, १३।
 पारह्य. ३८३, ३५, ४०२, २०४।
 पारुख. ३१९, १४।
 पारेपत ३३२, १३२।
 पारेवत. २५७, ८३, ३३२, १३२।
 पार्णवा. ३४९, ४४।
 पर्थ ८९, १, ९३, ४१।
 पर्थि (पिं) व ८९, १, २८०, २८३,
 ३४५, १६।
 पर्पर ३८५, ४९।
 पर्वती. ८४, ४७, १७१, ३४४, १७५,
 ३७८, ३१०, ५४७, ३४७, ३२।
 पर्शि ३९, १६८, २४४, ८७।
 पर्श्वक २१७, २७।
 पर्श्वस्थ २३१, १५८, ४२५, ७५।
 पर्श्वस्थि. ४६, २३६।
 पर्श्विका ४६, २३६।
 पर्षत. ९४, ५३।
 पर्षद (य). ७६, ७३, ३९१, १०४।

पार्षिण (ष्णी) ४४, २१८, ११७, २५५।
 पार्षिग्राह ९९, ९६।
 पालक ६७, ४२५, ३५२, ७८।
 पालका १७१, ३५२।
 पालकाय ८३, १३६।
 पालकी ८३, १३७।
 पालक्या १७१, १७१।
 पान्छी=शाकविशेष।
 पालग ७०, ११, ४३५ १६४।
 पालि (ली) ३६, १४५, १२४, ३१६,
 १६३, १४, २४९, ८।
 पालिनी ३११, ५५।
 पालीन्द ६६, ४१६।
 पालीसमुद्घव ५९, ३८९।
 पावक १३९, ६२, ३७७, ७।
 पावन ६६७, १३, २६३, १३२, ३४४,
 १०, ३७६, २।
 पावनायनि ३५७, १२५।
 पावनी २८०, ८२।
 पावी (टा) र १४३ १३।
 पाश १२४, ३२२।
 पाशक २१३, १०४।
 पाशिका ३०२ ४७९।
 पाशिन् ३८७, ६८।
 पाशुपत ८४, १४६, २७८, २७०, ३१४,
 ५७७।
 पाश्चात्य २२९, १८०।
 पाश्चार्यिक ८४, १६६।
 पाश्या ४८, २५५, २४४, ८९।
 पाषाण ३४३, २२।
 पाषाणमेद ३१०, ५४७।
 पिक ३३२, १३५।
 पिक्प्रिया २५४, ५७।
 पिकबान्धव ४१३, ६७।
 पिकभद्रा २५५, ५८।
 पिकराग २५४, ५२।
 पिकबलम २५२, ४४।
 पिङ्ग २१९, ५०, ३२२, ४७, ४३५,
 १६७।

| | | | |
|---------------------------------------|---|------------------|---------------------|
| पिङ्गटग् | ३८९, १६, ४५३, ५३। | पिंडर | १७०, ४१६, १२५, ५६७। |
| पिङ्गल | २६७, १०, ३३७, ६०१, ३६६ २५, ४३६, - ३६८, १२। | पिंडल | १२६, ३३६, २२३, ८३। |
| पिंगल | ४६६, २८, ६३, ३८/ १९४, ५७/, ३५०, १२, ४२७, ५६। | पिंडूप | ३६, १८२, ४७, २४३। |
| पिंगल | ३२२, १३, ३७८, १६। | पिंडक | ५८, ३८१, १४३, ९५। |
| पिंगला | १५३, १९। | पिंडा | १४३, १०१। |
| पिंच | १९९, ६२। | पिंडक | ३४, १०७, १६६, ३०५। |
| पिंचण्डक | ४२, २०। | पिंडकन्द | १४७, १३६। |
| पिंचण्डिल | ३८, १०८। | पिंडका | ६३, ३८५। |
| पिंचण्ठी | ४८, २१६। | पिंडखंजूरी | २५८, ८७। |
| पिंचिण्ड | ४२, २५। | पिंडगुडचिका | २९१, ३७७। |
| पिंचिल | १०३, ११। | पिंडतैलक | ६६, ४१०। |
| पिंचु | १०६, १५०, १५०, ५१८, २१०, ७९, ३०८, १०६। | पिंडद | २९, ८०। |
| पिंचुमन्द | २६५, १५। | पिंडपार | १०७, १८५। |
| पिंचुमदि | २६५, १५। | पिंडपुष्प | २७३, २४३। |
| पिंचुटम्=रङ्गम्। | | पिंडमुस्ता. | १७६, ३८८। |
| पिंचुठ | ११२, २१०, ३८९, १०६, ३३९, ११९। | पिंडमूल | १४५, ११६। |
| पिंचुक | ११६, २७७, ३५३, १०१। | पिंडोहण | २७३, २२३। |
| पिंचुउग | ३२७, १२। | पिंडगंकरा | १५६, २१४। |
| पिंचुल | २८२, २९८। | पिंडायस | १९४, ५५७। |
| पिंचुलक | २७१, १६। | पिंडालु | १४७, १२६, २९१, ३७७। |
| पिंचुलसार | २८२, ३८०। | पिंडक | १७३, ३६२। |
| पिंचुलाज्ज | ३५२, १७। | पिंडका | ३०७, ५२०। |
| पिंच्छा=शाल्मलिनियादि भक्तादिमण्डश्च। | | पिंडित | ६६, ४१०, २२७, १२०। |
| पिंच्छरा | २९९, ८५२। | पिंडोका=पिंडिका। | |
| पिंच्छिल | १६४/ २४४, २६४, १४०। | पिंडीतक | २८६, ३३२। |
| पिंच्छिलच्छरा | १५१, १७२। | पिंडीतगशक | २८०, २८३। |
| पिंच्छिलवीज | २५८, १२। | पिंडीश्वर | २१८, ४०। |
| पिंच्छि (च्छ) ला | १४०, ७०, १५१, १७२, २६०, ३७०, ३१४, १७६। | पिंडोलिका | १६७, ३०७। |
| पिंछोला | ४२५, ७०। | पिंयाक | ६६, ४०९, १४१, ७५। |
| पिंछोलि | ३०७, ५२०। | पिंरौ | ३१, १०४। |
| पिंग | ६३, ३८८, १३६, २७७। | पिंतामह. | ३१, १७, ३१, १०१। |
| पिंगन | २०९, ७०। | पिंतिका | २१०, ७२। |
| पिंगनी | २१०, ७१। | पिंतु पिंतु | ३१, १०१। |

- पितृपक्षविवाह. ८०, १०८।
 पितृपति ३८५, ४८।
 पितृप्रसू ४०७, २८।
 पितृप्रिय. ३०६, ५०७।
 पितृमार्ग. ४०४, २९७।
 पितृयज्ञ ७९, ९८।
 पितृवन १३१, ३८२।
 पितृव्य २८, ७०।
 पितृसंनिभ =मनोजवम् ।
 पितृहीन २१८, ४०।
 पितृक १४७, १३६।
 पितृकृष्ण ५८, ३४३।
 पितृगन्व ६२, ३७५।
 पितृज्ञी १७४, ३७४।
 पितृज ५८, ३४१।
 पितृद्वाविन् २६२, १२८।
 पितृरक्त ५५, ३१६।
 पितृल १९४, ५५२।
 पितृरि ३०९, ५३४।
 पितृय. ७२, ३३, १३८, ५५,
 पितृसत ३२६, ८१।
 पितृयान ३९८, १६६।
 पिनङ्क ११४, २३१, ४२३, ५८।
 पिनाक. ३९१, १०२।
 पिनाकिन् ३७२, २२, ३८९, ८४।
 पिपतिष्ठत् ३२७, ८४।
 पिपासा. ५५, ३१९, १६७, ३१०।
 पिपासित २१६, ३५।
 पिपासु २१८, ३५।
 पिपीलिका ३२६, ७५।
 पिप्पल ४१, ११४, २०८, ६०, ३४४, ९।
 पिप्पल (ली) १७१, ३४२, ३४९, ५०।
 पिप्पलमूल १७१ ३४६।
 पिप्पुल ३४, १२७।
 पियाल. २५६, ७०।
 पिलिप्ला. ४५७, ५५।
 पिल्लक. ६०, ३६४।
 पिल्लक. ४३५, १६७।
 पिशाच ३७२, २४, ३७४, ४२, ३८६,
 ६१।
- पिशाचकिन् ३८७, ७२।
 पिशाचिका. ३४९, ५०।
 पिशित ४५, २२५।
 पिशिताशन ३८६, ६०।
 पिशिताशिन् ३९२, ११४।
 पिशुन ६२, ३७८, २२४, ८८।
 पिष्ट. १४२, ८५।
 पिष्टक १४०, ७४, १६२, २६१।
 पिष्टप ४, २८।
 पिष्टवर्ति. १६२, २६१।
 पिष्टात =पटवासन ।
 पिष्टात ६८, ४३४।
 पिष्टाचपाक. १६१, २५८।
 पिष्टिका १४२, ८५, १६३, २७०।
 पिष्टी १६३, २७०।
 पिष्टित २३३, ०७०।
 पीठ ६७, ४२५।
 पीठकेलि २१९, ५१।
 पीठमद्द. ४२५, ७४।
 पीडन. ३६७, ४, ४३०, ११९।
 पीडा. ३६७, ४।
 पीडि (वी) ३६७, ४।
 पीत. ६२, ३७९, १३३, २२, १९९,
 ५९८, ४३५, १६३।
 पीतक. ६२, ३७५, ६४, ३९४, ६५,
 ४०६, २७२, २१०।
 पीतकन्दक १४५ ११७।
 पीतचन्दन ६२, ३७५, ६२, ३८०।
 पीतचम्पक. ६७, ४२६।
 पीतण्डुल १३६, ३७।
 पीततण्डुल. ३००, ४५६।
 पीततैला २९५, ४१८।
 पीतदार १५६, २०१, २७२, २१०।
 पीतदुधा १८४, ४६२।
 पीतद्रुम २७५, २३६।
 पीतन (क). २६२, १२३, २७९, २७९।
 पीतपादा ३३३, १४०।
 पीतपुष्प. २७४, २३०।

| | | | |
|-------------|-------------------------|------------------|-------------------------|
| पीतपुष्पा | १३९, ६९, १४८, १४४, २९८, | पीनन्तर | २८६, ३७४। |
| | ४४२, ३०८, ५३२। | पीन् | २२७, ११६। |
| पीतपुष्पी | १५०, १६०, २९४, ६०७, | पीनर | २२०, ५३, २२७, ११५, २३४, |
| | ३०२, १७६, ३०३, ८८९। | | ९८४। |
| पीतप्रसव | २७३, २२५। | प.वरस्तनी | १८४, १६१। |
| पीतफल | २५९, ९६। | पीवरा | ३०४, ४९७। |
| पीतर्वाज | १५४, १९५। | पुंडक | ४२८, १०६। |
| पीतमादिक. | १९६, ५७२। | पुश्चली | २४, ३६। |
| पीतमूल | १४५, ११७। | पुम् | २०, ४, ४१६, ९६। |
| पीतयूथी | २७८, २६८। | पुमग्रन | ६९, १४। |
| पीतरक्त | ७५, ३१६। | पुम्फटी | ५०, २६८। |
| पीतरत्न | १९९, ५९८। | पुम्फःकिल | ३३२, १३५। |
| पीतराग | २०२, ६२२। | पुम्फव | ४६, २३२। |
| पीतल | ४३५, १६३। | पुम्फवदेप | ५९, ३५२। |
| पीतलोहित | १९४, ५५३, ४३७, १६७। | पुम्फविग्रह | २८९, ३५९। |
| पीतवृक्ष | २६७, १६५। | पुक | (रु) स २०६, ३५। |
| पीतर्शार्षि | ३३६, १६५। | पुग | ३२६, ८२। |
| पीतसार | ६५, ४१०, २६९, १५८, २६९, | पुङ्क | (क) ११९, २७६। |
| | ५८७। | पुदार्जिक | २८१, ०९०। |
| पीतस्फोट | ५८, ३४०। | पुद्गल | १११, २०७। |
| पीता | ६४, ४००, १५५, २०८, २९५, | पुद्गव | १८१, ४३६, २२६, ११०। |
| | ४१८, ३४९, ४८। | पुच्छ | ११२, २०९। |
| पीताङ्ग | २६६, १६६। | पुच्छमास | १८७, १०२। |
| पीताम्बर | ४५१, १। | पुच्छलोमा | ३२४, ७९। |
| पीताम्लान | २७९, ७९। | पुच्छाटिका | १६३, २१०। |
| पीताश्मन् | १९९, ५९८। | पुज्ज | (क) ३४०, २०३। |
| पीति | ११०, १९९। | पुज्जिकम्यला | ३७२, २९। |
| पीय | ३४४, ९, ४३६, ४, ४०५, १। | पुज्जी | ३४०, २०३। |
| पीन | २२७, ११५। | पुट | ६४, ३९५, ३४७, १९। |
| पीनस | ५५, ३१८। | पुटकिनी | ३५९, १४४। |
| पीनसा | १५०, १५९। | पुटबट | २१०, ३७३। |
| पीनमिन् | ३२, १११। | पुटपत्र | २८१, २१। |
| पीनोभ्री | १८४, ४६१। | पुटमेदनम्=नगरम्। | |
| पीयु | ३२८, ९९, ४०५, १। | पुटिका | ३५७, १२८। |
| पीयूष | १५८, २२७। | पुटी=पुटिका। | |
| पीछ | १०४, १४३, २५७, ८१। | पुण्डरीक | ५८, ३४२, १०९, १४३, १३४, |
| पीछपत्र | २९६, ४२०। | | २०, २२६, १११, २५४ ५५, |
| पीछपर्णी | १४२, १४९, २९१, ३८०। | | २८०, २८५, ३१५, ९, ३५९, |
| पीछवास | ३२५, ६६। | | १४१, ३७५, ५१। |

| | | | |
|------------------------|-------------------------------|--------------------|---------------------------|
| पुण्डरीकनयन | ३२९, १०८। | पुरजन | ३८७, ६७। |
| पुण्डरीका | ३७३, ३२। | पुरट | १९१, ५३०। |
| पुण्डरीकाक्ष =विष्णु। | | पुर सर =अग्रेसर। | |
| पुण्डरीम् =स्थलपद्मम्। | | पुरतस् | ४७८, ११। |
| पुण्ड्र | १३४, २०, २६०, १०५। | पुरद्वार | १७, ०७। |
| पुण्ड्रक | ३१५, ५८६। | पुरन्दर | ३८८, २१। |
| पुण्ड्रोदुम्बर | २६०, ११०। | पुरन्धि (न्द्री) | २५, ४४। |
| पुण्य | ४१५, ८६। | पुरम् | ४७८, १०। |
| पुण्यक | ७१, २८। | पुरम्भृत =पूजित। | |
| पुण्यजन | ३८६, ५८, ३८८, ७७। | पुरस्तात् | ४७८, १०। |
| पुण्यतृण | २८७, ३५४। | पुरा=ग्राह। | |
| पुण्यदर्शन | ३३४, १५३। | पुराण | २२९, १३६, ४४३, ३७। |
| पुण्यवत् | २१४, २। | पुराणगिर् | ४३९, ४। |
| पुण्यलोक | ९२, २७। | पुराणगीत | ४३९, ७। |
| पुण्या | ३२५, १३८। | पुण्यपुरुष | ४७१, ५। |
| पुत्तिका | ३२८, १८४। | पुराणा (जो) | २२९, ८६। |
| पुच्छ | २९, ७९। | पुराणान्त | ३८५, ५७। |
| पुत्रकल्पा | १८०, ४२७। | पुण्यतन | २२९, १२६। |
| पुत्रदा | १८०, ४२७, ३०६, ५१४। | पुराव्यक्ष | ९०, १५। |
| पुत्रदात्री | २९९, ४४६। | पुरावृत्त | ४४४, -२। |
| पुत्रप्रदा | ३००, ४५५। | पुरि (री) | ९, ३, ३४, १२९। |
| पुत्रभद्रा | २९२, ३१०। | पुरीतत्-अन्त्रम्। | |
| पुत्रश्रेणी | ३१४, ५८०। | पुरीश्च | १०, २०। |
| पुत्राचाद | २१९, ४३। | पुरीष | ४७, २४८। |
| पुत्रिका | २०८, ६१, ३३६, १६६। | पुरीषण | ४३, २१२, १३८ ५४। |
| पुत्रौ | ३२, १०५। | पुरु (रु) | ९१, २६, २२७, ११९। |
| पुद्गल | ३४, १२८। | पुरुकाल | २५४, ४०। |
| पुन पुनर् | ४५७, २। | पुरुजित् | ३७१, १३। |
| पुनर् | ४५७, २, ४५८, ५। | पुरुष | ३०१, ४६९। |
| पुनरुक्त | ४२२, ४७। | पुरुष | २०, ३, २९६, ४७०, ४१६, ९४। |
| पुनर्नव | ४०, १७७। | पुरुषायुव | १३२, ३८६। |
| पुनर्नवा | ३१३, ५७४। | पुरुषाह | २७५, २३८। |
| पुनर्भव =नव। | | पुरुषोत्तम | ३६९, ९, ४७१, ६। |
| पुनर्भू =दिघिषु। | | पुरुष | २२७, ११९। |
| पुनर्वसु | ८३, १३५, ४५२, ९, ४००, १८८। | पुरुहूत | ३८८, २१। |
| पुच्छाग | २७५, २३८। | पुरुरेवस् | ९१, २५, ३७०, १०। |
| पुच्छाट | ३०८, ५३०। | पुरोग (म) | ११५, २८१। |
| पुर् (र) | ९, ३, ६५, ४०८, ६६, ४११। | पुरोगमिन् | ११५, २४१, २०६, ४१। |
| | | पुरोडाश =हविर्भेद। | |

| | | | |
|-----------------------------------|---|-------------------------|--------------------------------|
| पुरोवस्. | ८९, ०, २०१, १०९। | पुष्पकाल | ४६३, ६८। |
| पुरेसगिन् | २६६, १६, २२३, ८७। | पुष्पकेतु | १९६, ५७६, ४९५, २९। |
| पुराहित | ८९, ९। | पुष्पदन्त | १०९, १८४, ३७१, ५३। |
| पुल (क) | ४२९, ११०। | पुष्पवन्वन् = रामदव। | |
| पुर्फिन् | २७०, २००। | पुष्पन्वय | ३३७, १७८। |
| पुलगण्ड | २०३, १०। | पुष्पपथ | ४३, २०६। |
| पुलस्त्य. | ४३९, ९। | पुष्पपुर | १०, १८। |
| पुलह | ४३९, ९। | पुष्पफलद | २९०, १४। |
| पुला | ११२, २१३। | पुष्पफला | १४८, १३८। |
| पुलाक = तुच्छवान्य मत्तमिक्यकं च। | | पुष्पबाण | ४५५, ४९। |
| पुलाकिन् | २७०, १८। | पुष्पमञ्जरी | २९६, ८२१। |
| पुलायिना | ११२, २०। | पुष्परजस् | २५२, ३८। |
| पुलह | २०६, ३६। | पुष्परथ = असमराय यानम्। | |
| पुलिन | ३४६, २२। | पुष्परस = मकरन्द। | |
| पुलिन्द = मन्त्रच्छजा निमेद। | | पुष्पराग | १९९, ५२८। |
| पुलोमजा | ३८४, २९। | पुष्पलाव | २०३, १२। |
| पुलमतनया | ३८४, २९। | पुष्पलिह् | ३३७, १७९। |
| पुलोमनिष्ठन | ३८२, २३। | पुष्पवनी | २४, ४०। |
| पुषित | २३२, ६२। | पुष्पवन्तो | ४०४, २२२। |
| पुष्कर | ३, २२, १०७, ६८, ३४४, ८, ३५९, १३८, ३६४, ६, ४३६, ६, ४५६, ८९, ४५३, २०। | पुष्पवर्पिणी | २७६, २४८। |
| पुकरमूल | १७६, ३९०। | पुष्पवाटिका | २४९, ५। |
| पुकरगायिका | ३३२, ११९। | पुष्पशकटी | ९६, ६७। |
| पुकरा | ३१२, ५६। | पुष्पाण्डक | १३४, २१। |
| पुकराहय | ३३१, १२५। | पुष्पाजन | १९६, ५७५। |
| पुक्करिन् | १०५, १४६, १२०, २८। | पुष्पास | २५२, ३८। |
| पुक्करिणी | ३५८, १३३। | पुष्पासव | २००, ६११। |
| पुक्कल | ४१, १९०, २२६, ११०। | पुष्पिका | ४७, २४३। |
| पुक्क (घ) लक | १८४, ४६। | पुष्पित | ३४६, २७। |
| पुक्कस | १४१, ८२। | पुष्य | ३८८, ७५, ४००, १८८, ४११, ५७। |
| पुष्ट | २२७, ११६, २३२, १६२, ४३६, ८। | पुष्यभद्रा | ३४२, ५३। |
| पुष्टा | ३०४, ४९५। | पुष्यरथ | १०३, १३०। |
| पुष्टि | ३९९, १०७। | पुस्त (क) | ९७, ७६। |
| पुष्टिदा | ३०४, ४९५। | पुस्तकप्रकृति | ५१, २७६। |
| पुष्प | २४, ४३, २५२, ३२, २७३, २२८। | पूग | १६९, ३३। |
| पुष्पक | ३८७, ७५। | पूर्णीकल | १७०, ३३३। |
| पुष्पकर्णिङ्गनी | ११, २२। | पूजा | ८१, ११५। |

- पूज्य २१६, ७।
 पूत २२५, १०५, २७३, २२३।
 पूतकतु ३८२, २५।
 पूतकतात्री ३८३, २९।
 पूतगन्व २८२, २९६।
 पूतवान्य १४०, ६८।
 पूतना २६९, १४९, ३९७, १४८।
 पूतफल २५६, ५८।
 पूता २८८, ३५२।
 पूतिक २६८, १०२।
 पूतिकरज २६९, १०३।
 पूतिकाष्टम्=देवदार।
 पूतिकेशी ३१९, १६।
 प्रतिगन्व १९३, ५४१, १९६, ५६९,
 २०३, ४०, २८४, ३१९।
 पूतिगन्वका ३०२, ४७४।
 पूतिगन्वि=दुर्गन्व।
 प्रतिघम ३२३, ५०।
 पूतिपत्रक २६७, १६५।
 पूतिफली=याकुची।
 पतिमयूरिका ३०७ ५२१।
 पूतिमेद २८४, ११६।
 पूतिहन्ती २८८, ३५१।
 पूतीक २६८, १०२, २८७, ३४६, ३१९,
 २०।
 पूतीकरज (ज) २६९, १०३।
 पूप १६२, २६२।
 पूपलिङ्गा १६१, २५।
 पूपली १६२, २६२।
 पूपिङ्गा १६२, २६१।
 पूयाभ ५९, ३५३।
 पूर ३५०, ५७।
 पूरक १६२, २६१, २२६, १०८, २६१,
 ११७।
 पूरण २२६, १०८।
 पूरणी २८२, २९८, ४१७, ६।
 पूरमयन ६९, ४०८।
 पूरित २३२, १६३।
 पूरी १६२, २६८।
- पूर्ख=पुर्ख।
 पूर्ण २३२, १६३, ४२१, ४३।
 पूर्णक ५४, ३१०, १४१, ८३।
 पूर्णकलश ४३०, ११८।
 पूर्णपत्र ५३, २९८, २३८, ३०।
 पूर्णपत्रक ४१, ९३०।
 पूर्णमा (सी) ४१०, ८३।
 पूर्णा ३९९, १७८, ४०७, ३।
 पूर्णावान ७७, ८०।
 पूर्णानक ५३, २९८, २३८, २०।
 पूर्णामृता ३९९, १७८।
 पूर्णिका ३३८, १९०।
 पूर्णिमा ४१०, ८३।
 पूर्णिमाम् ३७१, २०।
 पूर्णिक ७८, ८७।
 पूर्व ३१, ९८, २२९, १३९।
 पूर्वगङ्गा ३४८, ३८।
 पूर्वज २९, ८६, ३१, ९८, ३८५, ५३।
 पूर्वदेव ३६२, ११, ३६२, १४।
 पूर्वपल ४३३, १५१।
 पूर्वफलगुनी ४०१, १९०।
 पूर्वभद्रपदा ४०१, १०७।
 पूर्वज्ञ ४२२, ५०।
 पूर्ववित्तिका ३७२, ३०।
 पूर्वा ३७३, ४९।
 पूर्वांषाडा ४०१, १९४।
 पूर्वाङ्ग ४०८, २८।
 पूर्वतरा ३७५, ५६।
 पूर्वद्युम् ४६०, २६।
 पूर्वोदा २५, ५१, ८६, १६१।
 पूलिका १६२, २६१।
 पूषन् ३७०, ८, ४३६, १।
 पूषा २, १७।
 पूषे ६८ ४२९।
 पृका ४५, २२७, ३०३, ८८।
 पृक्ति २३९, ४३।
 पृच्छा ४४६, ७१।
 पृतन २०, १।
 पृतना ११६, २४८, ११६, २५१, १२७,
 ३५०।

| | |
|--|---|
| पृथक्-वर्जने । | पृष्ठ ४१, १९२ । |
| पृथक्कर्णी २५१, ३७९, ३००, ०६० । | पृष्ठग्रन्थि ४२, १९९, ५७, ३३२ । |
| पृथगात्मत्व ४१६, ३०३ । | पृष्ठदृष्टिक ३१८, ११ । |
| पृथगजन २०५, ३१ । | पृष्ठमासादन ४४७, ७८ । |
| पृथग्वाज २५६, ७२ । | पृष्ठवंशावर ४२, ००० । |
| पृथग्विव २३१, १८८ । | पृष्ठवामिन् ९९, ९६ । |
| पृथा ९२, ३४ । | पृष्ठ (प्र) प्रवाह १८२, ४४८, १८३, ४५१ । |
| पृथिवी २, १७, ३६, १९ । | पृष्ठामिथ ४६, २३४ । |
| पृथिवीस्त्र ३४४, २ । | पृष्ठि (ष्टी) ४१, १९२ । |
| पृथिवीशक ८९, ३ । | पृष्ठिन् १८३, ४५१ । |
| पृथु ९१, २८, १५४, १९४, २२६, ११४, २२७, ११५, २३४, १८४ । | पृष्ठय १११, १९९, २५४, ८८ । |
| पृथुक ३०, ९९, १४१, ७८ । | पृष्ठण ३२, ११३ । |
| पृथुकोला २६१, ११५ । | पैचक १०७, १६९, ३२८, ९९ । |
| पृथुच्छद २८७, ३१८ । | पैचकिन् १०५, १६६ । |
| पृथुपर्णी १७८, ४०५ । | पैट (टि) क २१०, ७५, ३४०, २०२ । |
| पृथुवीज १३९, ५८ । | पैटकन्द १७९, ४७६ । |
| पृथुरोमन ३५१, ७३ । | पैटा (डा) २१०, ७५ । |
| पृथुल =विशाल । | पैटाल १७९ ४७६ । |
| पृथुल २९०, ३७१ । | पैटिका २१० ७५ । |
| पृथुशेखर ३४०, १ । | पैटी=मञ्जूषा । |
| पृथ्वी २, १६, १५४, १९४, १७२, ३५९ | पैडका १४६, १२७ । |
| पृथ्वीक २७४, २३४, ३१३, ५७४ । | पैडि २१०, ७५ । |
| पृथ्वीका १५४, १९६ । | पैण्ड १९, १४ । |
| पृथ्वीज १५३, १८३ । | पैय १६६, ३०४ । |
| पृदाकु ३६४, ४, ३८४, ३९ । | पैयूष (स) १५८, २२७ । |
| पृथ्वि ३२, ११३, ४३८, १९ । | पैरव ३१९, १४ । |
| पृथ्विक ३६०, १५० । | पैह ३१९, १४ । |
| पृथ्विपर्णी ३००, ४५९ । | पैरोज २००, ६०६ । |
| पृथ्विशृङ् २, १० । | पैल ४३, १११ । |
| पृथ्व्याकुल ३८०, ७ । | पैलव २०५, ३३, २२५ १०१ । |
| पृष्ठन् २२४, ९४, ३५०, ५६ । | पैश (स) ल २०५, ३४, २२५, १०० । |
| पृष्ठत ९४, ५२, २२४, ९४, ३२२, ४४, ३४९, ५६ । | पैशास्करी ३३७, १८९ । |
| पृष्ठता॑श ३८०, ६ । | पैशि (शी) ३३९, १९७, ४५, २२७ । |
| पृष्ठत्क ११८, ०६७ । | पैठर १६५, २९३ । |
| पृष्ठदश ३८०, ४ । | पैतिक २०१, ६१३ । |
| पृष्ठदाज्य ७२, ९३ । | पैतृष्वसे (स्त्र) य २८, ७२ । |
| पृष्ठन्तक ७२, ९३ । | पैतृष्वस्त्रीय =पैतृष्वसेय । |

पैल. ३९२, १९९।
 पैशाच ३८६, ६०।
 पैशाची ४०९, ३६।
 पैशुन (न्य). २४०, ५०।
 पोगण्ड ३३, १५६।
 पोटगल २८८, ३४९।
 पोटा २६, ५७।
 पोटियक ३३६, १६८।
 पोढा २६, ५७।
 पोत ३०, ९१, १०५, १८९, ३५०,
 ५९, ३५१, ६५।
 पोतकी ३३६, १६६।
 पोतध (वा) २. ३५१, ६६।
 पोतवणिज्. ३५१, ६५।
 पोतवाह ३५१, ६५।
 पोतावानम्-क्षुद्राण्डमत्स्यसंधान।
 पोताभ. ६३, ३८७।
 पोतिकाशिका २९९, ४४८।
 पोत्र ५२, २८६।
 पोत्रिन्-सूकर।
 पोत्री ३९४, १३६।
 पोलिका. १६३, २६०।
 पोलिंद. ३५०, ६१।
 पोली १६२, २६२।
 पे घानक १४८, १४५।
 पौत्र. १८९, ५१।
 पौस्त. २५, ५०।
 पौगण्ड. ३०, ९४।
 पौण्डर्यम्-प्रपौण्डरीकम्।
 पौत्रिक २०१, ६१।
 पौत्र २७, ६२।
 पौत्री-सुतात्मजा।
 पौर ९७, ७९।
 पौरक २४८, ४।
 पौरनायक १०१, ११।
 पौरब्यावहारिक १०१, ११।
 पौरस्त्य २२९, १४०।
 पौरिक. ९०, ९५।
 पौरुष. ४१, १८७, ४६, २३२।

पौरोगव १४३, ९५।
 पौर्णमास ७६, ६९, ३७१, २०।
 पौर्णमासी ४१०, ४३।
 पौलत्य ४४०, १४, ३८६, ६३, ३८७,
 ७१।
 पौलि=अभ्युष ।
 पौष ४११, ५७।
 पौषी. ४१०, ४७।
 पौष्ट्र १७६, ३९२, १९६, ५७५।
 पौष्ण ४०१, १९८।
 पाष्पकम्-रीतिपुष्पम्।
 प्याद् ४५८, १०।
 प्रकट २३४, १७९।
 प्रकम्पन ३८०, ७।
 प्रकम्पित २३०, १४७।
 प्रकर ५२, २९३, ३४०, २०१।
 प्रकरण ४२३, ५३, ४४५, ६२।
 प्रकर्ष=अतिशय ।
 प्रकाण्ड २२६, ११२ २५०, २१।
 प्रकामम् १८०, ४२८।
 प्रकार =भेद सादृश्य च ।
 प्रकाश ९८, ८८, २३४, १७९, ४३७,
 १६।
 प्रकाशक. १०४, ५५।
 प्रकीर्ण ११०, १२०, ४४५, ६०।
 प्रकीर्णक. ६८, ४३।
 प्रकृ २४५, ९५।
 प्रकृति ७८, ९१, ९७, ८०, २०३, ११,
 ४१६, ९५, ४२३, ५४।
 प्रकोष्ठ=कूर्परस्यावोभाग ।
 प्रकोष्ठक ३८, १७।
 प्रकम २४२, ६७।
 प्रक्रिया १०३, १२६।
 प्रक (का)ण ४५०, १०६।
 प्रक्षर ११२, २१३।
 प्रक्षु २३२, १६५।
 प्रक्षेत्र ११८, २७०।
 प्रखर ११२, २१३।
 -प्रख्यातनप्तुक ६९, ६।

प्रख्याताच्. ४०२, २०६।
 प्रगण्ड ३९, १७१।
 प्रगल्भ २१९, ४७।
 प्रगल्भता. २३७, २२, ४२८, १००।
 प्रगल्भवचन. २२२, ७३।
 प्रगल्भा ३९४, १३३।
 प्रगाटम्=मृशकच्छयोः।
 प्रगात ४२७, ७६।
 प्रगुण. २२०, ५५, २२८, १३०।
 प्रगे. ४६०, २४, ४०७, १५।
 प्रग्रह् २४४, ९९।
 प्रग्रह १३१, ३८४, २६७, १७१, ४३७,
 १४।
 प्रग्रीव १६, ७५।
 प्रघटाविद् २१९, ५१।
 प्रघण (न) १३, ४५।
 प्रघस ३२३, ५१।
 प्रघाण (न) १३, ४५।
 प्रघात १२७, ३५०।
 प्रचक (क). १२९, ३२८।
 प्रचल्या ४०२, २०३।
 प्रचण्डा २८८, ३५८।
 प्रचय. ३४०, २०१।
 प्रचर्. २४६, १०४।
 प्रचलाक. ३२९, १०७।
 प्रचलाकिन् ३२९, १०५।
 प्रचलायित २२१, ६६।
 प्रचुर २२७, ११९।
 प्रचेतस् ३८७, ६८, ४३९, ९।
 प्रचेतु १०४, १४०।
 प्रचोदनी=कण्ठकारिका।
 प्रच्छदपट ५३, २५५।
 प्रच्छच. १६, ७२।
 प्रच्छदि. ५५, ३१४।
 प्रच्छादन ५२, २८९।
 प्रच्छादनी. ५३, २९४।
 प्रजन १८३, ४५६।
 प्रजनन. ४३, २१०, ४१६, ९७।
 प्रजव ११५, २४३।
 प्रजा. २०, ३, २९, ८३।

प्रजाकर १२०, २८२।
 प्रजाता २३, २९।
 प्रजानेतृ ८९, ३।
 प्रजाप (ति) ८९, ३, ४३६, ६, ४३९,
 २।
 प्रजापतिवेष्य ४००, १८५।
 प्रजापाल ८९, ३।
 प्रजावती. २३, २२, २७, ६३।
 प्रजंश ८९, ३।
 प्रज्ञ ३३, ११७, ७४, ५३।
 प्रज्ञसि ४४६, ६३।
 प्रज्ञा २२, २२, २६, ५३, ४३२, १४२,
 ४३३, १४८।
 प्रज्ञाकाय ३९३, ११९।
 प्रज्ञानेत्र ९२, ३२।
 प्रज्ञापारमिता ४४२, २७।
 प्रज्ञा (झि) ल ७४, ५०।
 प्रज्ञु ३३, ११७।
 प्रडौन ३३९, १९९।
 प्रणति २३७, २४।
 प्रणय २३६, ११, २४२, ६६, ४३२,
 १३६।
 प्रणव =ओङ्कार।
 प्रणाद ४५०, १०३।
 प्रणाथ २२७, ९७।
 प्रणाली ३४९, ५५।
 प्रणिवि ९६, ६४।
 प्रणिपात. २३७, २४।
 प्रणिहित २३०, १४६, २३८, ३५।
 प्रणीत ७७, ७८, १४२, ९०।
 प्रणेय २१९, ४७।
 प्रतन २२९, १३६।
 प्रतस. १०२, १२१।
 प्रतदीन. ३९२, ११३।
 प्रतल ४०, १८५।
 प्रतानकी ३१०, ५४४।
 प्रतानिनी २५०, ११।
 प्रताप ९८, ८२, २७४, २३२।
 प्रतापवत् १०२, १२१।
 प्रताप=अभाव।

| | |
|-------------------------------|--|
| प्रति=वीष्मालक्षणादौ । | प्रतिभय ४२८, १०९ । |
| प्रति (ती) क २२१, ६७ । | प्रतिभा ४३३, १४४ । |
| प्रतिकर्मन् ४८, २४९ । | प्रतिभान्वित २१९, ४७ । |
| प्रतिक्राय ११८, २६२ । | प्रतिभू २१३, १०९ । |
| प्रतिकूल २२१, ६७, २३०, १४४ । | प्रतिभूक् १८६, ४८४ । |
| प्रतिकृति २११, ८० । | प्रतिभोग १०२, १२३ । |
| प्रतिकृष्ट २२५, १०३ । | प्रतिभा २१०, ७९ । |
| प्रतिक्रम २४२, ६९ । | प्रतिमान १०७, १६८, २११, ८० । |
| प्रतिक्षिप्त २२३, ८० । | प्रतिमाला ७७, ५७ । |
| प्रतिल्यानि २४२, ७२ । | प्रतिमुक् ११४, २३० । |
| प्रतिग्रह. २४५, ९२ । | प्रतिमुखिका ३२४, ५९ । |
| प्रतिग्रह. ७३, ४२, ११७, २५५ । | प्रतियत्न =लिप्साप्रहश्च । |
| प्रतिग्राह ६७, ४२४ । | प्रतियातन ४४९, ९९ । |
| प्रतिघ. १३१, ३७७, ४२८, ९९ । | प्रतियातना २१०, ७९ । |
| प्रतिघातन १३०, ३७३ । | प्रतिरूप २३९, ३८ । |
| प्रतिच्छन्द ४५१, १०८ । | प्रतिरूपक ४४६, ६४ । |
| प्रतिच्छाया. २१०, ७९ । | प्रतिराधिन् २०७, ४९ । |
| प्रतिच्छेद २३९, ३८ । | प्रतिवचन ४४६, ६४ । |
| प्रतिजागर. २४२, ७२ । | प्रतिवाक्य ४४६, ७० । |
| प्रतिजिह्विका. ३८, १६३ । | प्रतिवाणि ४४६, ६४ । |
| प्रतिज्ञा. ४४२, ९३ । | प्रतिविषा १७७, ३८५ । |
| प्रतिज्ञात २२३, १७८ । | प्रति (ती) वेशिन् २२४, ९५ । |
| प्रतिज्ञान ४४४, १५३ । | प्रतिशासन २४३, ७७ । |
| प्रति (ती) दान १८६, ४८० । | प्रतिशिष्ट २२३, ८५ । |
| प्रतिदिवा. ४२६, ४ । | प्रतिश्य (श्या) य ५५, ३१७ । |
| प्रतिध्वनि ४५१, १०८ । | प्रतिश्रेय १३, ४८ । |
| प्रतिध्वान =प्रतिशब्द । | प्रतिश्रव ४३४, १५३, ४४९, ९२ । |
| प्रतिनम् २७, ६२ । | प्रतिश्रुत (त)=प्रतिशब्द । |
| प्रतिनिवि २११, ८० । | प्रतिष्कश (ष) ९६, ६५, ११५, २३५, २०९, ६५, ४५१, १०८ । |
| प्रतिवक्ष ९१, २१ । | प्रतिष्ठम् २४२, ७० । |
| प्रतिवत्ति २३७, २२ । | प्रतिसङ्कृत् ३७१, १३ । |
| प्रतिष्ठूर्य ४२४, ६९ । | प्रतिसंचर् २४६, १०५ । |
| प्रतिष्ठद् ४०६, ४ । | प्रतिसर ४९, ३५९ । |
| प्रतिष्ठन् २३३, १७७ । | प्रतिसरा ५०, २६९ । |
| प्रतिषादन ७९, १०८ । | प्रतिसीरा. ५३, ३०० । |
| प्रतिबद्ध २२३, ८१ । | प्रतिसूर्य ३२४, ६३ । |
| प्रतिबन्ध २४२, ७० । | प्रतिभोमा २९७, ४२८ । |
| प्रतिबिम्ब. २११, ८० । | प्रतिस्थेय १८६, ४८५ । |
| प्रतिबिम्बन २४७, ११५ । | |

| | | | |
|-----------------------|---|-------------------|--------------------|
| प्रतिसंघी | १२९, ३६०। | प्रत्यन्तपर्वत | ३४३, २०। |
| प्रतिहत | २२३, ८९। | प्रत्यय | २३८, ३३। |
| प्रतिहर | १८, ९०, ९०, ९०, १८६, ८९। | प्रत्यक्षिन्=गनु। | |
| प्रतिरक | २०४, २०। | प्रत्यवसान | १८६, ३०२। |
| प्रतिहारी | ९०, ९१। | प्रत्यवसित | २३४, १८२। |
| प्रतिहास | २७३, २२८। | प्रत्यवस्था | २४६, १०९। |
| प्रतीक्ष | ३४, १३१। | प्रत्याक्षार | १२२, ३०५। |
| प्रती (ति) कार | १००, १०३ १२९, ३६२ | प्रत्याख्यात | २१३, ८०। |
| प्रत काश | २११, ८२। | प्रत्याख्यान | २४३, ७४। |
| प्रतीक्ष्य | २१५, ७। | प्रत्यादान | २४२, ६८। |
| प्रतीची | ३७३, ४९। | प्रत्यादिष्ट | २२३, ८०। |
| प्रतीचीन | ३७६, ५८। | प्रत्यादश | २४३, ९४। |
| प्रतीष् | २४१, ९३। | प्रत्यानाह | ५६, ३२९। |
| प्रतीत | २१६, १७। | प्रत्यालीढ | ११९, २७६। |
| प्रतीप | ९२, ३०, २२१, ६८। | प्रत्यास (मा) र | ११७, २५५। |
| प्रतीपदर्शिनी | २०, ५। | प्रत्याहार | ८७, ७१, २४०, ५५। |
| प्रतीर | ३४६, २०। | प्रत्याहृ | २४५, ९६। |
| प्रतीवाप =आत्मनम्। | | प्रत्युत्क्रम | २४२, ६७। |
| प्रतीहार | १७, ७६, १८, ९०, ८९, ९, २०४, २६, ३८५, ५२। | प्रत्युत्क्रमति | २१९, ४८। |
| प्रतीहारी | ९०, ९१। | प्रत्युप (स.) | ४०७, ९६। |
| प्रतीहास =प्रतिहास। | | प्रत्यूप | ३७०, ११, ४०७, १६। |
| प्रतुण्ड | ३७४, ४३। | प्रत्यूह | २४३, ६२। |
| प्रतुद | ३२७, ८४। | प्रयम | २२९, १८०। |
| प्रतोद | १३३, १०। | प्रया | २३९, ४३। |
| प्रतोली | ११, २९। | प्रथित | २१६, १७। |
| प्रत्न. | २२९, १३६। | प्रदर | ५९, ३५४, ११८, २६८। |
| प्रत्यक् | ४६०, २८। | प्रदान | ९८, ८८। |
| प्रत्यक्षणी=अपासार्ग। | | प्रदिव्यक | १६५, २९१। |
| प्रत्यक्षुष | ३०३, ८४५। | प्रदीप | ६७, ४२६। |
| प्रत्यक्षेणी | ३०५, ५०६, ३१४, ५८०। | प्रदीपन | ३६६, २३। |
| प्रत्यक्ष | २२९, १३९, २३८, ३४। | प्रदेश | ४, १, ४०, १०१। |
| प्रत्यक्षन | ३७६, ५८। | प्रदेशन | ७९, १०१, ९८, ८५। |
| प्रत्यग्र | ४४, २१५, १२९, १३७। | प्रदेजिनी | ३९, १७८, |
| प्रत्यग्रकोश | १२३, ३१०। | प्रदोष | ४०७, १८। |
| प्रत्यन्तर | २३६, १५८। | प्रद्युम | ३७१, १९, ४५५, ३७। |
| प्रत्यनीक | ९१, २१। | प्रद्योत | ३७३, ३५। |
| प्रत्यन्त | ५, ८। | प्रद्योतन | ४३६, ८। |
| | | प्रद्रा (द्र) व | १२९, ३६३। |
| | | प्रवन. | १२८, ३१९। |

- प्रधान ८९, ८, २२०, ५७, २२६, ११३,
 ४१६, ९५।
 प्रधि १०४, १३५।
 प्रपञ्च =विस्तरो माया च ।
 प्रपञ्चल २१९, ५१।
 प्रपद ४४, २१८।
 प्रपा १३, ४५।
 प्रपाणि ३९, १७६।
 प्रपात ३४२, १७।
 प्रपितामह ३१, १०१, ४५१, ८, ४३९,
 १।
 प्रपुच्छ (ड) ३०८, -३०।
 प्रपुज्ञाट (ड) ३०८, ५३०।
 प्रपूज्य. ४३९, ७।
 प्रपौत्र २७, ६२।
 प्रफुल्ल २५२, ३८।
 प्रबन्ध ४४४, १७।
 प्रबन्धकल्पना ४४७, ५८।
 प्रबहू (ण) २२६, १०८।
 प्रबहिका=प्रबहिका ।
 प्रबोध. ६१, ३६७।
 प्रबोधिनी ३०१, ४७।
 प्रभक्षक १६६, २००।
 प्रभज्जन ३८०, ५।
 प्रभद्र २६५, १५२।
 प्रभव=जन्महेतु ।
 प्रभवन्ती २३७, २३।
 प्रभा ४३७, १६।
 प्रभाकर ४३६, ८, ३८५, ५४।
 प्रभाकर्ट ३३७, १७४।
 प्रभातम्=श्रात काल ।
 प्रभात ९८, ८२।
 प्रभावती. ४२३, ६०।
 प्रभास. ३७०, ११।
 प्रभिक्र १०६, १५९।
 प्रभु १९७, ५८३, २१६, १८।
 प्रभुता २३७, २३।
 प्रभूत २२७, ११।
 प्रभूष्ण. २२१, ६१।
- प्रभष्टक. ४८, २०३।
 प्रभय ३९१, १०४।
 प्रभयन १३०, ३७०।
 प्रभयाधिप ३८८, ८२।
 प्रभद=आनन्द ।
 प्रभदवन २४९, ६।
 प्रभदा २१, ९।
 प्रभदावन २४९ ६।
 प्रभन्म् २१७, ९४।
 प्रभन्यक ७७, ७७।
 प्रभा (ण) २३८, १४।
 प्रभाणम् ४५९, १७।
 प्रभात्य (स) १३२, ३।
 प्रभायन १३०, ३६९।
 प्रभाद ४३०, १२२।
 प्रभापण (न) १३०, ३७०।
 प्रभिति २३८, ३४।
 प्रभिला ५६, ३२१।
 प्रभीत ७६, ६७, १३१, ३८०।
 प्रभीलन ४३१, १२९।
 प्रभीला ४३१, १०९।
 प्रभीचिका ५६, ३२१।
 प्रभुख २२०, ७७, २४१, ५९।
 प्रभुदित २३२, १६८।
 प्रभेह ५७, ३३३।
 प्रभेहपिटक. ५७, ३३३।
 प्रभोद १३४, २०, १६६, २९९, ४१५,
 ८७।
 प्रभोदाक्ष्या १७३, ३६०।
 प्रभोदित ३८८, ७४।
 प्रथत =पवित्र ।
 प्रयस्तम्=सुसंस्कृतम्।
 प्रयाग ३८२, २१।
 प्रयाण १०, १९, ७५, ५८, १२५, ३२८।
 प्रयामक. २४७, ११२।
 प्रयास २४३, ८१।
 प्रयुत १८७, ४९५।
 प्रयोक्तृ १३३, ५।
 प्रयोगार्थ २४२, ६९।

| | | | |
|-----------------|--|--------------------------|---|
| प्रयोजक | ७७, ७९। | प्रदृढ़ | २२६, १३६, २३०, १५०। |
| प्रोह | २४२, १०। | प्रवेक | २२०, ५७। |
| प्रलम्बहन्तु | ४७०, ३८। | प्रवेगि (णी) | १०८, ११६। |
| प्रलम्बबीजा | १७१, ३४७। | प्रवेल | १३८, ५३। |
| प्रलम्बाषड | ३३, १२२। | प्रवेश | २४१, ५७। |
| प्रलय | ५६, २२१, १३०, ३७८, १३१, २७७, ४१४, ८३, ४२९, ११२। | प्रवेशन | १५, ६६। |
| प्रलाप | ४४८, ८८। | प्रवेष्ट | ३९, १६९। |
| प्रलीनता | ५६, ३२५। | प्रवेष्टक | १०८, १७१। |
| प्रलेप | ५४, ३०८। | प्रव्यक्त | २२६, १४१। |
| प्रलभ्य | ३५, १३७। | प्रव्रजित | ८५, १५९। |
| प्रवज्जम | ३७७, १२०। | प्रशासा | ४४७, ८०। |
| प्रवपण | ११३, २१८। | प्रशम | २३५, ५। |
| प्रवयण | १३३, १०। | प्रशमन | १३०, ३७०। |
| प्रवयम् | ३६, ९६। | प्रशस्त | १४२, ९०, २२६, ११३, ४१५, ९०। |
| प्रवग्वत् | ७९, ९७। | प्रशान्ति | २३५, ५। |
| प्रवृहि=प्रवान। | | प्रशास्त्र | १०१, ११०। |
| प्रवह | २४१, ५७, २४५, ९९, ३४७, २०, ३७१, ९७, ३८०, ३, ३८१, ९४। | प्रश्न | ४४६, ७१। |
| प्रवहण | १०३, १३१। | प्रश्नदूती | ४४५, ५८। |
| प्रवहिका | ४४५, ५८। | प्रश्नार्थवादिन् | ९६, ६६। |
| प्रवाक | २४२, ७०। | प्रश्नय | २४२, ६०। |
| प्रवाण (णी) | २०८, ५९। | प्रश्नित | २१९, ४७। |
| प्रवारण | २३५, ६। | प्रष्ठ | =अप्रेसर। |
| प्रवाल | १२०, २८०, १९९, ५९६, २५१, २९, ४२४, ६२। | प्रष्ठावाह=युगपार्श्विग। | |
| प्रवालित | २५२, ३६। | प्रष्ठौही | १८३, ८५५। |
| प्रवासन | १३०, ३७०। | प्रमङ्ग | ६०, ३६४। |
| प्रवाह | २४१, ५७, २४५, ९९, ३४७, २९। | प्रमङ्गिन् | १२०, २८३। |
| प्रवाहिक | ३८६, ५७। | प्रसद | ४४६, १०३। |
| प्रवाहिका | ५५, ३१२। | प्रसञ्च | ४२१, ४३। |
| प्रविकाश | ९६, ६५। | प्रसञ्चा | २११, ८४, २१२, ९७। |
| प्रविदार (ण) | १२८, ३५७। | प्रसम | १२५, ३६०। |
| प्रविणा | १७५, ३८५। | प्रसमम् | ४५५, १५। |
| प्रवीण | २१४, ४। | प्रसर | ११९, २७१, २४२, ६५, २४७, ११३, ३०५, ५००। |
| प्रवीतिन् | ७१, २१। | प्रसरण | १२५, ३२८। |
| प्रवृत्ति | ९६, ६५, १०७, १६३, २४१, ५७, ४४६, ६६। | प्रसरा | ३१०, ५४४। |
| | | प्रसर्पण | २४७, ११०। |
| | | प्रसव | २५, ४९, २५२, ३३। |
| | | प्रसव्य | २३०, ४४। |

| | | | |
|---------------------------------------|----------------------------------|---------------|-------------------------------|
| प्रसद्य | ३१७, १, ४५९, १३। | प्रसन्नण | १५८, २२५। |
| प्रसादिका. | २४९, ५। | प्रसाप | ४७, २४७ २६९, १०। |
| प्रसाद =अनुग्रह प्रमत्ति काव्यगुणश्च। | | प्रस्वेद | ४७, २८६। |
| प्रसाधन | ४८, २४९, ६८, ४३३, १५९, २३७। | प्रहत | २१५, १०, २१८, ४२। |
| प्रसावनी=रुक्षितिका। | | प्रहर | ४०९, ३३। |
| प्रसाधिन =परिष्कृत। | | प्रहरण | ११७, २५८। |
| प्रसार. | १२५, ३३०। | प्रहरुल | ४०२, २००। |
| प्रसारिणी | ३१०, ७४३, ३१३, ५६८, ३१३, ५७१। | प्रहस | ३८८, ७९। |
| प्रसारिन | २२१, ६६। | प्रहसन | ४२३, ५३। |
| प्रसित | २१६, १६। | प्रहसन्ती | २७८, २६०। |
| प्रसिति | २४०, ५३। | प्रहस्त | ४०, १८५, ३८७, ६६। |
| प्रसिद्ध =ख्यातो भू पितॄश। | | प्रहार =आघात। | |
| प्रसुत. | ३७०, १२। | प्रहारसेन् | ४२५, ७९। |
| प्रसू | ३१, १०२। | प्रहि (ही) | ३५८, १२९। |
| प्रसूता=प्रजाता। | | प्रहित | १५९, २४०, २२०, ५४। |
| प्रसूति | २५, ४९। | प्रहूति | ४४६, ६९। |
| प्रसूतिका | २३, २९। | प्रहृ | २४५, ९७। |
| प्रसूतिज. | ३६७, ५। | प्रहृत्य | ३७३, ३५। |
| प्रसून | २५२, २२, ४१६, ९६। | प्रहेलि (का) | ४४९, ५८। |
| प्रसूत. | २३०, १५०। | प्रहच | २३२, १६८। |
| प्रसृति | ४०, १७९। | प्रहाइ. | १३५, ३०, ३६२, १५। |
| प्रसष्टा | १२८, ३५१। | प्रहादी. | ३१३, ५७३। |
| प्रसेप | १४३, ९४। | प्राशु | २२८, १२६। |
| प्रसेवक. | २०८, ६०, ४२४, ६२। | प्राक् | ४६०, २८। |
| प्रसेवमाज | ३३०, १५। | प्राकास्य | ३९१, १०६, ४४६, ६५। |
| प्रसेविका | २०९, ६७। | प्राकार. | ११, ३०। |
| प्रस्कन्ध | १२९, ३६८। | प्राकाशग्र | १२, ३१। |
| प्रस्तर | ३४३, २२। | प्राकृत | २०५, ३१, ४१६, ८५, ४२३, ५५। |
| प्रस्तार | २४८, २। | प्राकफल्युनेय | ४०२, २०६। |
| प्रस्ताव | २४२, ६६। | प्रागल्य | २१, १४। |
| प्रस्थ. | १४३, १४, १९१, ५२५, ३४२, १८। | प्राग्मव | ३७६, ५८। |
| प्रस्थक्षुम. | २८१, २८९। | प्राग्र | २२६, १०७। |
| प्रस्थमात्र. | ४१, १८९। | प्राग्रहर | २२६, १०७। |
| प्रस्थवत् | ३४१, ३। | प्राग्रय | २२६, ११३। |
| प्रस्थान | १२५, ३२८, २४६, १०९। | प्राग्वंश | ७६, ७४। |
| प्रस्थव | १५९, २४०। | प्राघार | २४४, ००। |
| प्रस्कोटन | १४२ ९९। | प्राघुण (क) | ८१, ११३। |
| प्रस्व | ४७, २४७। | प्राघुणक | ८१, ११३। |
| | | प्राङ्गाव्यक | ४२२, ५९। |

| | | | |
|-----------------------------|----------------------------|-------------------------------|--------------------------|
| प्राची | १०८, १७३, ३७५, ४९। | प्राचम् | ४७८, ४। |
| प्राचीन | १२, ३०, ३७६, ५८। | प्रान्तर | १९, ९८। |
| प्राचीनवर्हिम् | ३८२, २६। | प्राप्त | १९, १०२, २३०, १४६, २३३, |
| प्राचीना | १७३, ३८०। | | १०१, २३८, ३५। |
| प्राचीनावीत | ७०, २०। | प्राप्तपञ्चव | १३१, ३८०। |
| प्राचीपति | ३८२, २३। | प्राप्तस्तुप =वुद्धो मनोङ्गथ। | |
| प्राचीरम्=प्रान्ततो वृत्ति। | | प्राप्ति | २४०, ४८, ३९१, १०६। |
| प्राचेतस | ८२, १०९। | प्राप्त्य | २३१, १५४। |
| प्राच्य | ५, ७। | प्राप्त्यन् | ९८, ८५। |
| प्राजन. | १३३, १०। | प्राप्त्य | ८८, १८१। |
| प्राजापत्य | १०, १९। | प्राप्त्यम् | ४६०, २२। |
| प्राजिनृ | १०४, १३९। | प्रारब्धि | १०८, १७३। |
| प्राह्ण | ७४, ४८, ७४, ५३। | प्रारम्भ | ४८, २५४। |
| प्राक्षा | २६, ५३। | प्रार्थना | २३७, २। |
| प्राक्षी | २२, २२, २६, ५३। | प्रार्थित | २३२, १६२। |
| प्राज्य | २२७, ११९। | प्रार्थ्य | ५२, २८५। |
| प्राज्ञल | २२०, ५३, २२८, १३०। | प्रालम्ब | ४८, २५४ ४९, २५९। |
| प्राज्ञिक | ३२७, ९०। | प्रालम्बिका | ४९, २५८। |
| प्राङ्गिवाक | ९०, ११। | प्रालेप | ३४१, ७, ४१३, ६७। |
| प्राण. | १३१, ३८५, २२९, १३६, ३७१, | प्रावरण | ५२, २८९। |
| | १८, ३८०, ३, ३८१, ११, ४३९, | प्रावार | ५२, २८९। |
| | ६। | प्रावारी | ५१, २८१। |
| प्राणकेतुग्री | ३१३, ५६९। | प्रावृत्त | ५१, २८३। |
| प्राणद | ३०९, ५३५, ३४४, ७। | प्रावृप् | ४१३, ७०। |
| प्राणदरक्त | ४५, २२३। | प्रावृष्टय | २७१, २०१। |
| प्राणदा | ३०४, ४९३। | प्रावृष्ट्या | २९३, ३९८। |
| प्राणनाय | ३४, १२३। | प्रावृत्य | १९९, ६०२, २६८, १७७, २७१, |
| प्राणहिता | २०९, ६२। | | २०१। |
| प्राणायाम | ८७, १७०। | प्राक्षिक. | १३३, ७। |
| प्राणिन्. | ४१६, १००। | प्राक्षिका | ७६, ७२। |
| प्राणिमातृ | ३०६, ५१८। | प्राप्त (श) | १२४, ३१८। |
| प्रातर् | ४६०, २८, ४०७, १५, ४०८, २७। | प्रामङ्गय | १८८, ४४८। |
| प्रातर्गम्य | १२५, ३३१। | प्रासाद | १३, ४७, १५, ६३। |
| प्रातिका | २७९, २७४। | प्रासादमण्डप | १६, ७५। |
| प्रातिदारक =मायाकार। | | प्रासिक | ११५, २३९। |
| प्रायमकलिपक | ७४, ५३। | प्राह्ण=पूर्वाङ्ग। | |
| प्रादुस्. | ४५९, १६। | प्राह्णादि | ३६३, १६। |
| प्रादश | ४०, १८१। | प्रिय. | ३४, १२३, २२५, १०२, ३०९, |
| प्रादेशन | ७९, १००। | | ५३५। |

- प्रियंवद २२२, ७३ ।
 प्रियक २७२, २१५, ३२१, ३१ ।
 प्रियङ्करी २९२, ३१०, ३००, ४५८ ।
 प्रियङ्कु ६४, ३१८, १३६, ३७ ।
 प्रियजीव २६६, १६४ ।
 प्रियत्व ४३२, १३७ ।
 प्रियदर्शन ३२३, १३९ ।
 प्रियवल्ली ६४, ३१८ ।
 प्रियवाच् २३८, ३७ ।
 प्रियवदिनी ३२३, १४४ ।
 प्रियवाहिका ४२४, ७० ।
 प्रियसत्य ४४७, ७२ ।
 प्रियसाल् २७२, २१५ ।
 प्रियास्तु २५४, ५३ ।
 प्रियाल २५६, ७१ ।
 प्रियाला २५८, ९३ ।
 प्रीणन. २३५, ७, २३९, ४३ ।
 प्रीत २३२, १६९ ।
 प्रीति ३९९, १७७, ४५६, ४६ ।
 प्रीतिद ४२७, ७९ ।
 प्रुष २३२, १६४ ।
 प्रेक्षा=वीरीक्षणं च ।
 प्रेक्षाकारिन् ७४, ४९ ।
 प्रेक्षावत् ७४, ५३ ।
 प्रेहा १०४, ९४१ ।
 प्रेहित २२८, १२८, २३०, १४७ ।
 प्रेहोलित २२८, १२८ ।
 प्रेत. १३१, ३८०, ३६७, ६ ।
 प्रेतपटह ४२४, ६८ ।
 प्रेतमञ्जरी. ३२१, १०३ ।
 प्रेतवाहित. २१९, ४६ ।
 प्रेत्य ४५५, १३ ।
 प्रेमन्. ४३२, १३७ ।
 प्रेषण २३६, ११ ।
 प्रेषित २२०, ५८ ।
 प्रेष्ट २३४, १०३ ।
 प्रेषा. ३१२, ५६ ।
 प्रेष्य. २०५, ३१, २१६, १९ ।
 प्रेष्या. २२, २४ ।
 प्रोक्षण ७६, ६६ ।
 प्रोक्षित ७६, ६७ ।
 प्रोत २३२, १६६ ।
 प्रोथ. ९७, ७५, ११२, २०८, १८२,
 ४४६ ।
 प्रोथित्. ११०, ११० ।
 प्रोयत =तत्पर ।
 प्रोषितभर्तृका २३, ३१ ।
 प्रोष्टपदा ४०१, १२७ ।
 प्रोष्टी ३५३, ९० ।
 प्रोष्य २२०, ५५ ।
 प्रोष्यत्पतिका २३, ३१ ।
 प्रोह १०८, १७९ ।
 प्रौष्टपद ४१२, ६१ ।
 प्रौढ ७४, ५३, २१६, ४८, २२९, १३५
 प्रौढि ४२८, १०० ।
 प्रह २६०, १०४ ।
 प्रक्षजाता ३४८, १३ ।
 प्रह २०६, ३५, २३६, १६, १३७, २८,
 २९०, ३७३, ३२२, ४५, ३२६,
 ७९, ३३०, ११५, ३५०, ५७,
 ३५१, ७२, ३५७, ११९ ।
 प्रहक ४२५, ७८ ।
 प्रहग (झ) २६०, १०४, ३२२, ०५ ।
 प्रहवङ्गम ३२२, ४५, ३५७, १२० ।
 प्रहवन २३७, २८ ।
 प्राक्ष २५३, ४५ ।
 प्राहन्=गुरुम ।
 प्राहनिवहण २८२, ३०१ ।
 प्रुत २४१, ५८, ४४३, ४२ ।
 प्रुति ११३, २१९ ।
 प्रुष २३२, १६४ ।
 प्रोष ५६, २२३, २३९, ४२ ।
 प्रा २३८, ३२ ।
 प्रात २३४, १८२ ।
 फ
 फजिका. १५२, १७४, १७६, ३९९ ।
 फटा ३६५, २० ।

| | | | |
|--------------------|-------------------------|---------------------------|-------------------------|
| फटिन् | ३६३, २। | फलित | २५०, १७। |
| फणवर | ३६४, ३। | फलिन् (न) | २९०, १७, २९७, ५९। |
| फणन | ४१०, १०२। | फलिनी | ६४, ३९८, १४८, १५१, १८०, |
| फणवत् | ३६४, ३। | | १०८। |
| फणा | ३६५, २०। | फलेग्रहि | २५०, १६। |
| फणावर | ३६४, ३। | फलहहा=गटला। | |
| फणावत् | ३६४, ३। | फार्फार | ३३५, १६१। |
| फणिजक | १६२, २६१, २८१, २८८। | फलगु | २२६, १०७, २६०, १११। |
| फणिज्जिका | ३०९, ४९९। | फलगुन | ४१३, ५८। |
| फणिन् | ३६४, ५। | फलगुनी | २६०, १११। |
| फणिमुज | १७९, ८२०। | फलगुवृताक | २६७, १६१। |
| फल | १२३, ३११, १३४, ११, १४३, | फाणित | १५६, २१२। |
| | ११२, २३७, ३९, ४१५, ९२। | फाण्ट | १२३, २११, २३१, १५९। |
| फलक | ४२, २०२, १२३, ३११, २७९, | फाल | ५०, २०४, २१२, ९१। |
| | २७९। | फालि (ली) | २४०, ६७। |
| फलकिन् | ३५३, ८१। | फाल्गुण (न) | १३, ८१, ४१२, ५८। |
| फलन्द | १४७, १३३, २१३, १०५। | फाल्गुनाड | ४१२, ५८। |
| फलकपाणि | ११५, २६०। | फाल्गुनिक | ४१२, ५८। |
| फलखाडव. | २५७, ५६। | फाल्गुनी=फाल्गुनपूर्णिमा। | |
| फलेग्रहिन् | २५०, १६। | फुड | ४३, २०१, २५२, ३३। |
| फलत्रिकम्-त्रिपला। | | फुलफाल | १४२, ९२। |
| फलन | २४७, ११६। | फब | ३३६, १६८। |
| फलपुष्पा | २५८, ८०। | फडा | १५०, १७५। |
| फलपूर =बोजपूर। | | फणिक | १६२, २६९। |
| फलप्रिया | ६४, ३१८। | फेन | १७८, ४०६, ३४६, २३। |
| फलसुख्या | १७३, ३६। | फेनदुगवा | ३१३, ५६९। |
| फलवत् | २५०, १७। | फेना | ३०८, ५२८। |
| फलवृक्षक | २५५, ५९। | फेनिला. | २६१, ११३। |
| फलवैशिरा. | २६१ ११३। | फेरण्ड. | ३१९, १९। |
| फलस =पनस। | | फेरव | ३१९, १३। |
| फलसंभव | ५०, २७२। | फेरवा. | ३१९, १५। |
| फलस्नेह | २५७, ७९। | फरु | ३१९, १४। |
| फला | २५५, ६३। | फेला | १६७, ३०८। |
| फलाध्यक्ष | २५६, ७४। | फेली | १६७, ३०८। |
| फलभद्रा | २५९, ९४। | | ब |
| फलाम्लिका | ३३३, ४। | बंहिष्ठ | २३४, १८३। |
| फलार्पण. | २४३, ८२। | बक | २७८, २७०, ३८७, ७३, ३८८, |
| फलाशन | ३३३, १४०। | | ७९। |
| फलासार | २५७, ५९। | बकनिष्व | २६६, १५७। |

बकारि ३९२, ११५ ।
 बकुल २७६, २४६ ।
 बकेस्का ३३८, १९२ ।
 बड़की १५०, १५७ ।
 बडिश ३५१, ७१, ३५५, १०४ ।
 बडिशा (शी) ३५१, ७१ ।
 बत-बोदे विमये च ।
 बदर २६१, ११३, २६८, १८९ ।
 बद्रवल्ली २६१, ११५ ।
 बदरिका २८५, ३२९ ।
 बदरी २६१, ११२ ।
 बदरीपत्र ६६, ४१८ ।
 बदरीवासा ३२४, १३३ ।
 बद्ध २२३, ८१ ।
 बद्धकर २२४, ९० ।
 बद्धकूर्यफल २५६, ६८ ।
 बधिर ३३, ११८, २८९, ३५९ ।
 बन्दिन्-स्तुतिपाठक ।
 बन्दी २४, ३७ ।
 बन्धक १९३, ५४९, ३४५, १२ ।
 बन्धकी २४, ३५ ।
 बन्धन १००, १०४, १८४, ४६४, २४०,
 ५३ ।
 बन्धनी=पशुरुज्जु ।
 बन्धु ३१, ९८, २७२, २७२ ।
 बन्धुक २७२, २७२ ।
 बन्धुजीव २७२, २७२ ।
 बन्धुता ३१, ९९ ।
 बन्धु (न्धु) र. २२५, १०१, २२८,
 १२६, २७२, २७२ ।
 बन्धुरा २४, ३६ ।
 बन्धुल २८, ७३, २७२, २७२ ।
 बन्धुक २७२, २७२ ।
 बन्धूर २२५, १०१, २२८, १२९ ।
 बन्ध्य २५०, १७ ।
 बन्ध्यकर्काटी १४९, १४८ ।
 बन्धु २८, ७८, ३०१, ४७०, ३३३,
 १४६, ४५१, २, ३७२, २७, ३७७,
 ७, ३८८, ८२, ४३५, १६७ ।

बन्धुवातु १९५, ५६५ ।
 बरहिष्ठ २८१, २९५ ।
 बरा ३०५, ५०५ ।
 बरीवर्द=बलीवर्द ।
 बर्बर=भारी ।
 बर्द्धा=अजगन्ता ।
 बर्द्धण=मक्षिका ।
 बहि २५१, २७, ३२९, १०६ ।
 बर्हभार ३२९, १०६ ।
 बर्हिचूडा ३१०, ५५० ।
 बर्हिजड़ २६६, १६४ ।
 बर्हिण ३२९, १०५ ।
 बर्हिवजा ३२४, १३० ।
 बर्हिन् ३२९, १०५ ।
 बर्हिसुख ३६९ २ ।
 बर्हिसुष्ठि ७२, ९४ ।
 बर्हिहविस् ३७७, ६ ।
 बर्हिषद् ३८५, ५४ ।
 बर्हिष्ठ २८१, २९५ ।
 बर्हिस् ७५, ५९, ३७७, ४ ।
 बल ७७, ७९, १०२, ११९, ११६,
 २४८, ४५५, ३४ ।
 बलतुर्य ८८, १७९ ।
 बलदा ३०४, ४९५ ।
 बलदेव ३८०, ३, ४५४, ३३ ।
 बलदेवस्वसृ ३९५, १३८ ।
 बलनिषूदन ३८२, २३ ।
 बलमद ३२०, २३, ४५५, ३४ ।
 बलमदा ३११, ५५३ ।
 बलवत् ३८, १०८, ४५८ ८ ।
 बलविन्यास ११७, २५४ ।
 बला ३०३, ४८७, ३०५, ५०३ ।
 बलामा=विसकण्ठिका ।
 बलाल्य १३८, ५५ ।
 बलात्कार=हठ ।
 बलानुज ४५३, २३ ।
 बलाराति ३८२, २३ ।
 बलाहक ३६७, १२, ३७१, १९, ३९६,
 १४८, ४५४, २७ ।

| | |
|---|--|
| बलि १००, १०३। | बहुक्षार १७८, ८९३। |
| बलिर्दम् ३७७, ०। | बहुर्क्ष ग १८४, ८६९। |
| बलिव्यमन्=विष्णु। | बहुगन्व ६६, ८९०, १७७, १००। |
| बलिन् १३८, ५८ १८९, ४८९, ३२०, २२। | बहुगन्वदा ६२, ३८०। |
| बलिव्यन् ४११, ४९। | बहुगन्वा १५४, १९२। |
| बलिपुष्ट ३२८, ९६। | बहुच्छिका २९१, ३७७। |
| बलिम=बलिन । | बहुघातक ४१६, ९६। |
| बलिमुज ३२८, ९६। | बहुपत्र १४७, १३०, १९७, ६८५। |
| बलिर=केकर । | बहुपत्रा १५४, १९०, २७२, २७६, ३१०, ५१८। |
| बलिश (शा) ३५१, ६९। | बहुपत्रिका ३१२, ५६६। |
| बलिष्ठ ३२६, ८५। | बहुपत्री ३१४, ५८४। |
| बलिमझन् ३६१, १। | बहुपाद् २५९, ९०३। |
| बलीमुख ३२२, ४६। | बहुपत्रा २९८, १३८। |
| बलीवर्द १८१, ४३७। | बहुपुत्री २९३, १९२, ३००, ४५५। |
| बलोद्धत २३०, १४९। | बहुपुत्र प २७८, २६५, २८३, ३०५। |
| बल्या ३०३, ८८८, ३०७, ५१६, ३१०, ५४४। | बहुपुत्रा १७७, ३७८। |
| बल्य=गोप सूदस्थ । | बहुप्रज २८७, ३४०, ३२०, १६, ३२३, ५५, ३३२, १३१। |
| बल्वज=काशविंशेष । | बहुप्रद २१७, ८। |
| बास्कयर्ण=चिरप्रसूता । | बहुप्रल २७३, २२२। |
| बस्त=आग । | बहुफला १५०, १६०, २६१, ११५, ३००, ५६६, ३०५, ५०४। |
| बस्ति ४२, २००। | बहुफली २९२, ३८६। |
| बहल २२०, ५३, ३७७, ९। | बहुफेना ३०८, ५२९। |
| बहलगन्ध. ६२, ३७५। | बहुभद्रा २६७, १६९। |
| बहल्लगाधा. १७२, ३५७। | बहुभुजा ३१४, १३८। |
| बहिद्वार १७, ७७। | बहुमार्ग १९, ९७। |
| बहिस् ४६०, २२। | बहुमूल १४५, ११८, २८६, ३३९। |
| बहु. २२७, ११०, २३४, १८४। | बहुमूलिका १४६, १२६। |
| बहुकण्ठक २७०, ११६, ३००, ४६२, ३०१, ४६५, ३०९, ५३४। | बहुमूल्यम=महार्हम । |
| बहुकण्ठका. २६१, ११६। | बहुमोदा २७६, २४५। |
| बहुकण्ठा ३०१, ४७२। | बहुरन्विका ३०९, ५८०। |
| बहुकर १८४, ४६५, २१७, २६। | बहुरसा २९५, ४१५। |
| बहुकरा १८, ८६। | बहुस्हा २९१, ३७७। |
| बहुकर्णिका २९४, ४०५। | बहुरूप ६६, ४१६, ३८५, ६६, ४३७, १०, ४५२, ४, ३८९, ८७। |
| बहुकाण्डा १३६, ३७। | बहुल १५३, १८८, २२७, ११८, २८०, २८७, ३७७, ७, ४१६, ९४। |
| बहुक्षम ३६८, २। | |

बहुलच्छद १४६, १२३।
 बहुलवण १५३, १८३।
 बहुला ४००, १८१।
 बहुवल्कल २५६, ६९।
 बहुवली ३०८, ५२५।
 बहुवार=लेघातक ।
 बहुविव २३१, १७८।
 बहुवीर्य, २८१, २८९, ३११, ५५८।
 बहुवीर्या ३१२ ५६६।
 बहुवेतस ५, १३।
 बहुशाख २८५, ३२२।
 बहुश्रुत २१७, १०।
 बहुसत्त्व ३२०, २५।
 बहुसम्पुट १७९, ८१७।
 बहुसार २८३, ३०९।
 बहुमुना=शतावरी ।
 बहुमुम २६८, १७९।
 बहुमू १८४, ४६०।
 बहूवृच ४४२, ३२।
 बाकुची=कालमेषी ।
 बाडम्=भृशम्, तथा ।
 बाण ८४, १४१, ११८ २६७, २८६,
 ३३८।
 बाणवार=ञ्जुक ।
 बाणासन ११८, २६४।
 बादर. ५०, २७३, ५१, २७८।
 बादरायण ८२, १२७।
 बाथ (न). ३६७, ४।
 बाधा=पीडा ।
 बान्धकिनेय २८, ७४।
 बान्धव. ३६, ९८।
 बान्धवी ३२३, १२४।
 बार्हत. २५३, ४५।
 बार्हद्रथि ९५, ५८।
 बार्हस्पत्य ८४, १४५।
 बाल ३०, ९९, १०५, १४९।
 बालक. २८१, २९४।
 बालकप्रिया २१४, ४०७।
 बालकीडनक. ६८, ४३३।

बालगभिणी १८३, ४०७।
 बालग्रह ३९६, १४८।
 बालचर्च ३९५, १८२।
 बालतनय २०३, २०६।
 बालतृष्ण २८९, ३६३।
 बालदध्द ३००, ४६१।
 बालपत्र २८३, ३०७, ३०१, ४६४।
 बालपुष्टिका. २७८, २६२।
 बालभूषण २७५, २३९।
 बालभैषज्य १९७, ५७७।
 बालमोज्य १३८, ५६।
 बालमूषिका ३२४, ५८।
 बालरोग. ५९, ३५६।
 बालवाय १९९, ५९९।
 बालवायज १९९, ६०२।
 बालव्रत ३१२, १२०।
 बालपद्धाभ ४३५, १६५।
 बाला २८०, २८०।
 बालि (न.) ९७, ५९।
 बालिश ३३, १२०।
 बालेय=गर्दभ ।
 बालेष्ठा. २५५, ६२, २६१, ११४।
 बाल्यम्=शैशवम्।
 बाष्प ३७, १५०, ३७९, २६, ४२९,
 ११२।
 बाष्पी १५४, १९६।
 बाहा ३९, १६९।
 बाहु. ३९, १६९।
 बाहुक ९२, २७।
 बाहुजङ्घ ३८८, २८।
 बाहुजनम् ८९, १।
 बाहुदा ३४८, ४०।
 बाहुषिका ११८, २६४
 बाहुभूषण ४९, २६४।
 बाहुमूल ३९, १६८।
 बाहुयुद्ध. १२८, ३५१।
 बाहुल ३६५, ८, ४१२, ६२।
 बाहुल्य=कार्त्तकेय ।
 बाहुवार. २६४, १४०।

| | | | |
|-------------------|--|-------------------------|--|
| बाहुशिखर | ३८, १६७। | बीजपूर | २६१, ११७। |
| बाह्र | ३९, १६९। | बीजफल | २६१, ११८। |
| बाहोदन | १६०, २४४। | बीजवर | १३८, ८। |
| बाह्यौषधी | ३१७, ६०६। | बीजबुक्ष | २९६, ७२। |
| बाहोकम्=हिङ्ग। | | बीजसू | ३, १८। |
| बिडम्=पाक्यलवणम्। | | बीजाङ्गत | ८, ३४। |
| बिडाल | =मार्जार। | बीजोदक | ३१७, १५८। |
| बिडौजम्=इन्द्र। | | बीज्य | ६९, ६। |
| बिन्दु=पृथृत्। | | बीमत्स | ९३, ४३, ४२७, ९०, ४२८, १०४। |
| बिन्दुजालक | १०७, १७०। | बीमत्सु | ९३, ४३, ४२८, १०८। |
| बिन्दुफल | १९९, ५९५। | बुक्=मन्दारविशेष। | |
| बिन्दुरत्न | १९८, ५९३। | बुक्का=अग्रसामम्। | |
| बिन्दुला | ३०८, ५२९। | बुद्ध | ८५, १५०, २३३, १०७, २७२, ३५, ३६८, १, ३८९, ८९। |
| बिन्दुज्ञ | ३२१, ३५। | बुद्धमातृ | ४४२, २७। |
| बिष्व | ३१९, १७८। | बुद्धि | ४३३, १४३, ४३५, १५९। |
| बिष्वी। | १४९, १४९। | बुद्धित | २३३, १७७। |
| बिरौटी | ३१२, ५८०। | बुद्धिदा | ३१०, ५८०। |
| बिल | ३८३, ३३। | बुद्धुद् | ३४६, २३। |
| बिल (ले) वालिन् | ३६४, ३। | बुव | ७३, ४७, ३९९, ९८५, ४०२, २०९। |
| बिल (ले) शय | ३६४, ४। | बुवरत्न | १९९, ५९९। |
| बिलिश | ३५१, ७१। | बुध | २५१, २२। |
| बिलेक्षय. | ३६४, ३। | बुधुक्षा | १६६, ३००। |
| बिलेशय | ३२३, ५१। | बुधुक्षित. | २१७, ३१। |
| बिलव | २६३, १३३। | बुरि (ली) | ४३, २०७। |
| बिलवृक्षगृहा | ४७७, ५५। | बुष (स). | १४१, ८२। |
| बिस | ३६०, १४७। | बुसेह | १४१, ८२। |
| बिसकण्ठिका=बलाका। | | बुस्त | २५७, ६०। |
| बिसतन्तु. | ३६०, १४७। | बृंहित | १२८, २५९, ४५०, १०५। |
| बिसण्डक | ३६०, १५३। | बृषो (सी)=त्रितीयासनम्। | |
| बिसपुष्प | ३५९, १४०। | बृहच्चब्बु | ३०६, ५१०। |
| बिसप्रसून | ३५९, १४०। | बृहच्छद् | २५७, ८०, २७०, ११५। |
| बिसिनी | ३५९, १५४। | बृहच्छदा | २६०, ११०। |
| बीज | ४६, २३३, १५४, १९०, ३९७, १५८, ४१६, ९३। | बृहजीवन्तिका | २९२, २९०। |
| बीजकोश. | ३६१, १५५। | बृहत् | २२७, ११५। |
| बीजगर्भ. | २९१, ३८२, | बृहती | ३, २६, ५२, २८९, ७८, ८९, २९९, ४५३, ३००, ४५५, ४२३, ६१। |
| बीजदर्शक | ४२७, ७४। | | |
| बीजधान्य | १५४, १९०। | | |
| बीजपुष्टी. | १३७, ४७। | | |

वृहत्कन्द १७९, ४१८।
 वृहत्कृष्णि ३२, १०८।
 वृहत्कोशातकी १४८, १४५।
 वृहत्तिका १७७, ३८., २७०, ११७।
 वृहत्त्वच् १७९, ४१५।
 वृहत्पत्रा १८०, ४२६।
 वृहत्परेवत २५७, ८।
 वृहत्पुष्टी ३०२, ४७५।
 वृहत्कला २९३, ४००।
 वृहत्यौ ३, २६।
 वृहद्दला ३१३, ५७२।
 वृहद्दल ३०४, २७६।
 वृहद्दला १४८, १३८।
 वृहद्दला ३७७, ४।
 वृहद्दक्ष १७४, ३७।
 वृहद्दक्षक २८२, ३०२।
 वृहच्छड ९३, ४२।
 वृहस्पति ४४०, १३, ४०२, २०३।
 वृहस्पतिमणि १९९, ६०३।
 वेर ३४, १३१।
 वोङ्गु ७४, ५२।
 वोध २३९, ४३।
 वोधकर १२५, ३३१।
 वोवना १४९, १४८।
 वोधा ४१७, ६।
 वोधि २३९, ४३।
 वोधिदुम २५९, ९८।
 वोल १७३, ३६३।
 वौध ९१, २५।
 व्यस्तार १०७, १७०।
 व्रग्न =सूर्य ।
 व्रह्मकाष्ठ २६३, १३५।
 व्रह्मकोशा १७३, ३६०।
 व्रह्मगन्धा ३०७, ५२२।
 व्रह्मज्ञी ३१०, ५४९।
 व्रह्मचारिन् ७०, १२।
 व्रह्मजटा २८०, २८४।
 व्रह्मजिह्वग ३६५, १६।
 व्रह्मण्य २२४, ९६।

व्रह्मतीर्थ १७६, ३९२।
 व्रह्मत्व ८८, १८०।
 व्रह्मदण्डी ३१४, ५७९।
 व्रह्मदार=तूद ।
 व्रह्मन् ६९, ११, ४३७, १२, ४१६,
 १५, ४३४, १५४, ४३९, ३,
 ४४२, ३२।
 व्रह्मपवित्र २८७, ३१३।
 व्रह्मपिशुन ८२, १२४।
 व्रह्मपुत्र ३४८, ४४, ३६६, २४।
 व्रह्मपुत्री १७९, ४१६, ३३६, १६६।
 व्रह्मबन्धु ८५, १५४।
 व्रह्मविन्दु ७०, २२।
 व्रह्मभूय ८८, १८०।
 व्रह्मयज्ञ ७१, १८।
 व्रह्मरात्रिक ८३, १३१।
 व्रह्मवर्चसम्=वृत्तान्यथनर्दि ।
 व्रह्मवर्वन १९३, ५४३, १९४, ५५०।
 व्रह्मवादिन् ८४, १४२।
 व्रह्मविद्या ४४३, ३६।
 व्रह्मवृक्ष २७५, २३६।
 व्रह्मवेदि ५, ११।
 व्रह्मसायुज्य ८८, १८०।
 व्रह्मसुत ४४१, २१।
 व्रह्मसुता ३४८, ४३।
 व्रह्मसुवर्चला ३१६, ६०९।
 व्रह्मसू ४५६, ४४।
 व्रह्मसूत्र ७०, १५।
 व्रह्माज्ञलि ७१, २१।
 व्रह्माण्ड ८०, १०२।
 व्रह्माण्डसंभूता ३४८, ४०।
 व्रह्मायुस ४४१, १९।
 व्रह्मारण्य ७४, २२।
 व्रह्मावर्त्त ५, ११।
 व्रह्मासन ७२, ३५।
 व्रह्मीभूत ८४, १३९।
 व्रात्य ७२, ३२।
 व्रह्माक्षेत्र ७, १६।
 व्रह्मण ६९, ५, २८७, ३३९, ४०६, ४।

ब्राह्मणयष्टि=भगी ।
 ब्राह्मणहित, २२४, ९६ ।
 ब्राह्मणायन, ६९, ५, ७३, ४१ ।
 ब्राह्मणी, ३२४, ६५ ।
 ब्राह्मणेषु, २६३, १३५ ।
 ब्राह्मण्य, २४४, ८७ ।
 ब्राह्मदिन ४४१, १८ ।
 ब्राह्मी १९४, ५५५, २९५, ४१७, ३०७,
 ५२१, ३११, ५५४, ३५४, ९३,
 ३९१, १०५ ।
 ब्रुषी (सी) ८८, १७८ ।
 भ
 भ ४००, १००, ४०४, २२४ ।
 भकर १८५, ४७० ।
 भक्त, १५९, २३९ ।
 भक्ततूर्य ४२४, ६८ ।
 भक्तक २१७, ३३ ।
 भक्तकार (क) १४३, ९६ ।
 भक्तग १६६, ३०२, २१२, ९३, २३८,
 ३२, २३९, ४२ ।
 भक्तपत्रिका १७०, ३३३ ।
 भक्तमल ३८, १५९ ।
 भक्षित २३४, १८१ ।
 भक्ष्य (क्ष्यं) कार १४३, ९६ ।
 भक्ष्यवीज २५६, ७० ।
 भग ४३, २०४, ३७०, ८, ४३६, २,
 ३७२, २३, ४०२, २०७; ४१५,
 ८१ ।
 भगैवत, ४०१, ११० ।
 • भगन्दर ५७, ३३६ ।
 भगवत ३६८, ५, ४२७, ८९ ।
 भगालि ३९०, ९६ ।
 भगिनी २६, ६० ।
 भगिनी—आतरौ ३२, १०५ ।
 भगीरथ ९५, ६२ ।
 भग्न १२९, ३६५ ।
 भग्नी २६, ६० ।
 भग्न १२९, ३६४, ३४५, १८ ।
 भग्ना २५३, ४६ ।

भजि (जी), २३६, १६, ३४५, १८,
 ४३१, १२५, ४२८, १८ ।
 भज्ञरा, १७५, ३८४ ।
 भज्ञोऽङ्गव ५१, १७७ ।
 भज्ञय ५, ३४ ।
 भज्ञमान १९, ३२ ।
 भट ५७, ३३२, ११३, २२५, २०६, ३६ ।
 भट्टित्र १६७, २९२ ।
 भद्रारक ४२६, ८४ ।
 भट्टिनी=राजयोषित् ।
 भणित २३८, ३०, ४४७, ७६ ।
 भणिति, ४३३, १५० ।
 भण्डाकी=गत्ताकी ।
 भण्डक २६८, १८० ।
 भण्डल (र) २६८, १८० ।
 भण्डी १७४, ३७० ।
 भण्डीर २६८, १८०, ३११, ५५८ ।
 भण्डीरलता १७४, ३७१ ।
 भण्डीरी १७४, ३७१ ।
 भण्डील =शिरीष ।
 भतकी, १५१, १५७ ।
 भदन्त, ८७, १४७, ४२६, ८८ ।
 भद्र, १०५, १०१, १८१, ४३७, २८५,
 ३२२, ४१५, ८९ ।
 भद्रक १६, ६७ ।
 भद्रकण्टक ३००, ४६१ ।
 भद्रकाले ३९४, १२९ ।
 भद्रदास्त=देवदास ।
 भद्रपर्णी २६७, १६७, ३१०, ५४४ ।
 भद्रवला ३०३, ४८८ ।
 भद्रमुत्ता १७५, ३८६ ।
 भद्रयव २६८, १७८ ।
 भद्रेण ३८३, ३६ ।
 भद्रलता २७८, २६७ ।
 भद्रवली २७७, २५६ ।
 भद्रथी, ६१, ३७२ ।
 भद्रा, १५६, ११०, १७२, ३५४, १७५,
 ३८६, १७६, ३९४, १७७, ३९६,
 २६६, १६१, २६७, १६७, २८३,

| | |
|---|---|
| ३९२, २८८, ३५३, ३०२, ४८१, ४५३, २४, ४४१, २६। | भस्तक १६५, २९२। |
| भद्राक ३५०, ९६। | भरूजक १४२, ८६। |
| भद्रादनी ३०४, ४९१। | भर्ग (ग्य) ३९०, ९८। |
| भद्रावती, २६६, १६०। | भर्तु ३४, १२२, २१६, १८ ४२६, ८८। |
| भद्रासन १२०, २८१। | भर्तुदारक ४२६, ८४। |
| भद्रिका ३०३, ४८७। | भर्तुदारिणि ४२६, ८४। |
| भद्रोदनी ३०३, ४८७। | भर्तुहरि ८४, १८०। |
| भम्म ३७८, १७। | भर्त्सनम्-तर्जनम्। |
| भम्मरालि ३३७, १०२। | भर्मन् १९२ ५३५। |
| भम्मसार ९६, ६३। | भल्ह २०६, ४२। |
| भम्मा, ४२४, ६५। | भल्ह (क) ११९, २७१, ३१८, ११। |
| भय ५४, ३०४, १००, १०४, ४२८, १०१। | भल्लातकी २५६, ७३। |
| भयकृत् ४२४, ६८। | भल्लि (ल्लि) ११९, २७१। |
| भयङ्करे ३२७, ९२, ४२८, १०३। | भल्लु (ल्ल) क ३१८, १०, ३५८, १२८। |
| भयङ्करा ३४९, ५२। | भव २५८, ९१, ३८९, ८९, ४१६, ९७, ४१५, ९१। |
| भयङ्क्रत् १२९, ३६६। | भवत् २३१, १५७। |
| भयङ्कुत् २२४, १४। | भवन १२, ३। |
| भयन् ४२८, १०२। | भवभूति ८४, १४१। |
| भयानक ४२७, ९०, ४२८, १०२। | भवानी ३९३, १२५। |
| भयापह ८९, ४। | भवानीगुरु ३४१, ६। |
| भयावह ४२८, १०३। | भवानाष्ट ६६, ४१। |
| भ (भा) र १२७, ३५०, १९०, ५३२, २१०, ७६, २३६, १७, ३८१, १७। | भवान्तकृत ४३१, ६। |
| भरण २११, ८३। | भविक ४१५, ८९। |
| भरणी (णि) ४००, १८८। | भवितृ २२१, ६१। |
| भरणीभू ४०३, २१०। | भविल २१९, ५१। |
| भरण्य (ण्या) २११, ८३। | भविष्णु २२१, ६१। |
| भरत ६२, २९, २०५, २७, ४२५, ७७, ४५३, १८। | भविष्य २५८, ९। |
| भरतपुत्र ४५३, २०। | भव्य २५८, ९१, ३७३, ३५, ४१५, ८९। |
| भरतपुत्रक ४२५, ७७। | भष (क) २०६, ३९। |
| भरद्वाज ६८, १, ३३४, १५१, ४०३, २१२। | भषण ४५०, १०६। |
| भरित २३२, १६२। | भषणी २०७, ४४। |
| भह ३४, १२४, ३९०, १८। | भषी २०७, ४४। |
| भरु. १४२, ८६। | भसल ३३७, १७८। |
| | भसित ७७, ८१, ३७८, २२। |
| | भस्ता (का). २०९, ६७। |
| | भस्त्रिका २०९, ६७। |
| | भस्त्रक ७७, ८१। |

| | | | |
|-----------------|-------------------------|------------|----------------------------|
| भस्मगर्भ | २७६, २०९। | भारद्वाज | ४५, २३०, ९५, ५४। |
| भस्मगर्भा | २७२, २१४। | भारद्वाजी | ३०८, ५२७। |
| भस्मन् | ३७८, २२। | भारयष्टि | २१०, ७७। |
| भस्मराहिणी | २७२, २१। | भारवाह | (ह) २०५, ३०। |
| भस्मवाण | ५४, ३०५। | भारवाही | ३०२, ४८। |
| भस्त्रि | ४३७, १७। | भारवि | ८४, १४१, ४३६, ८। |
| भा | ४३७, १७। | भारशङ्ग | ३२१, ३५। |
| भाकूट | ३४१ २। | भारिक | २०५, ३०। |
| भाग=अशा। | | भार्गव | ४४०, १४, ४०२, २०६, ४०३, |
| भागवेय | १००, १०३। | | २१४। |
| भागवत | ४०२, २०७। | भार्गवी | २८८, ३५३। |
| भागिनेय | २७, ६१। | भार्गी | १७६, ३९। |
| भागीरथी | ३४७, २६। | भार्या | २५, ४४। |
| भाग्यम=दैवम्। | | भार्याजित | २६, -९। |
| भाङ्कारी | ३२९, ०२। | भार्यापती | ३२, १५। |
| भाङ्ग | ८, ३४। | भार्याहृ | २६, ५८। |
| भाङ्गीन | ८, ३४। | भाल | ३६, १४। |
| भाजनम्=पात्रम्। | | भालवश् | ३८९, ८३। |
| भाटक | १३३, ७। | भालवाचछन | ३८९, ८३। |
| भाण | ४२३, ५३। | भालाङ्क | २१५, ११। |
| भाण्टी | १५०, १५६। | भालु (ल) क | ३१८, १। |
| भाण्ड | १८६, ४७७। | भालु | ३१९, १२। |
| भाण्डपुष्ट | ३६५, १६। | भालूक | ३१८, १। |
| भाण्डागार | १४, ५३। | भाव | २१, १८, २३९, ३९, २४६, १०७, |
| भापिंडक | २०४, २१। | | ४३०, १२४। |
| भातु | ४३६, ७। | भावन | ३७०, १। |
| भाद्र (पद) | ४१२, ६१। | भावना | २५८, १। |
| भाद्रपदा | ४०१, १९८। | भाववृत्त | ४३९, ७। |
| भातु | ४३६, ३, ४३७, १५। | भावित | ६४, ३९८ १६४, २८५, २३३, |
| भातुकेसर | ४३७, १०। | | १७१। |
| भातुकोशा | ४३७, १०। | भावुक | ४१५, ८९, ४२६, ८३। |
| भातुफला | २५५, ६१। | भाषा | ४४१, २५। |
| भातुमत | ४३६, ५। | भाषाङ्ग | ४२०, २७। |
| भाम | ४२८, ९९। | भाषित | २३३, १७६, ४४२, ३०। |
| भामा | ४५३, २४। | भाष्य | ४४४, ४८। |
| भामिनी | २१, ८। | भाष्यकार | ८४, १४०। |
| भार | १९०, ५२१, १९१ ५२२, २३६, | भास्(स) | ४३७, १७। |
| | ११। | भास | ३२७, ८९। |
| भारती. | ३४८, ४५, ४२३, ५६। | भासन्त | ४००, १८२। |

| | | | |
|----------------|---------------------------------|----------------|---|
| भासुर | ४२८, १४। | भिषज् | ६०, ३६३, १७७, २९६। |
| भासुरी | ३७, १५७। | भिस्टा. | १५९, २३९। |
| भास्कर | ३७७, ११। | भिस्ता | १५९, २३७। |
| भास्त्री | १६६, २०८। | भी | ४२८, १०९। |
| भास्वत | ४३६, ६। | भीत | १२९ ३६७। |
| भास्वर | ३७०, ५, ३७१, १८। | भीताक्ष | १२२, २९८। |
| भिक्षणा | २३७, २१। | भीति | ४२८, १०९। |
| भिक्षा | २३७, २०। | भीम | ९३, ४०, १५५, २०६, ३७३, ३४, ३७१, १६, ३८९, ५५। |
| भिक्षु | ८५, १४९, ८७, १७३; ३०२, ५३७। | भीमक | ३९२, १७४। |
| भिक्षुक | ७२, १२। | भीमरथी | ३४९, ५२। |
| भिक्षुक | २३, २६। | भीमविक्रम | ३१८, ४। |
| भिक्षुमंघाठी | ५३, २९९, | भीमसेन | ९३, ३९। |
| भिण्ड | ३०६, ५१। | भीमसेनक | ६३, ३८७। |
| भित | ३९९, १७९। | भीमा | ३४८, ३९, ३४९, ५७, ३९४, १२२। |
| भित्ति | १२, ३३। | भीरु (ङ) | २१, ८, १२९, ३६७, ३२५, ७२, ३३५, १५६, ३५२, ७७, ३७२, २६। |
| भित्तिका | ३२५, ६७। | भीरुक | ३१८, ८। |
| भित्तिपातन | ३२५, ५७। | भीरुप्रिया | २७७ २५६। |
| भिदा=स्फुटनम्। | | भीरुसहाय | ४५५, ४२। |
| भिदान | २३५, ८। | भीरुसैन्य. | ४५५, ४२। |
| भिदि (र) | ३४८, ४०। | भीरु=भीरु. (ङ) | । |
| भिदुर | २६०, १०५। | भीरुख | ४५५, ४२। |
| भिदृ | ३४८, ४०। | भील | ३६७, ६। |
| भिद्य. | ३४७, २९। | भील- | (क) भीलका |
| भिन्दिपाल | १२३, ३१३, १२४, ३२३। | भीषणम् | ६६, ४१६, ३३२, १३४, ४२८, १०३। |
| भिन्द. | ३४८, ४०। | भीष्म | ९२, ३१, ९५, ५७, ३८८, ८०, ४२८, १०३। |
| भिच | २२६, १०९, २३२, १६५, २५२, ३५। | भीष्मक | ९५, ५७। |
| भिच्छदा | २९१, ३७८। | भीष्मस | ३४७, ३४। |
| भिष्वक. | ३२३, ५६। | भीष्मारि. | ९४, ५३। |
| भिया | ४२८, १०९। | भुक्त | २३४, १८१। |
| भिल. | ३५०, ६०। | भुक्तशेष. | ७९, ९५, १६७, ३०८। |
| भिल | २०३, १०, २०६, ३६। | भुक्ति | १६६, ३०२। |
| भिलावी | ३२०, २३। | भुक्तिप्रद | १३८, ५२। |
| भिलतर | १७४, ३७६। | भुम | २२८, १२९। |
| भिलभूषणा | २९७, ४३३। | | |
| भिषक्षिप्रया | २९१, ३७६। | | |
| भिषणिजत | ६०, १५९। | | |
| भिषहात्. | ३०१, ४६६। | | |

- भुज (जा) ३९, १६९, १८७, ४२३,
 २७१, २०७।
 भुजग, ३६४, ५।
 भुजगानक ३२७, ८५।
 भुजज्ञ २१३, ९८।
 भुजज्ञभोजिन् ३२९, १०४।
 भुजज्ञम ३६४, ५।
 भुजज्ञहन् ४५४, २९।
 भुजज्ञाकी=राजा।
 भुजशिरस् ३८, १५।
 भुजान्तर ४१, ३३।
 भुजिष्ठ २५४१, २५६, २०।
 भुडि ३४२४, ४५।
 भुवन ४, २६, ३४४, १०, ३७०, ११।
 भुवनावीका ३७२, २३।
 भुवन्यु ३७८, १२, ३९८, १६८।
 भुवस् ३, २१।
 भुवोन्तरा १९, ९९।
 भुग्णणी ११९, २७८।
 भू २, १४, ३, १९, १८७, ४९३, ३७२,
 २७।
 भूकदम्ब १७१, ३४८, २७१, २०२।
 भूकदम्बका ३०९, ५३८।
 भूकर्चू २६४, १४२।
 भूकल ३२४, ५७।
 भूकश्यप ४५४, २६।
 भूकुम्भाण्डी १८०, ४२३।
 भूक्षित ८९, २।
 भूखर्जू २५८, ८७।
 भूच्छाय ३६१, ५।
 भूत १८७, ४९४, २३३, १७१, ३७२,
 २४, ३७४, ४६, ३८६, ५९, ४१६,
 ९९, ४१०, ४१, ४३४, १५५।
 भूतेकेश ३०६, ५१३।
 भूतेकेशी ३०६, ५१२।
 भूतकान्त. ५६, ३२६।
 भूतम् ६६, ४१४, १४६, १२८।
 भूतमी २८०, २८५।
 भूतदुम् २६४, १४१।
- भूतदुह २७३, २०७।
 भूतधात्री ८२, १४।
 भूतनायिनी ३५४, १३०।
 भूतनायिनि १४०, ७३, २६३, १३२,
 २७३, २२०।
 भूतभाषा ४२३, ५५।
 भूतमारी २७३, २२५।
 भूतयज्ञ ७९, ९८।
 भूतलस्थान २०, २।
 भूतविकिया ५६, ३२७।
 भूतवृक्ष २७२, २१२।
 भूनवेश =बैतसुरसा।
 भूनसचार ५६, ३२६।
 भूतहन्ती २६४, ४०३।
 भूतहर ६६, ४११।
 भूताङ्ग २७३, २२०।
 भूतात्मन् ३०३, ८८३, ४३९, ५।
 भूतारि १५५, १९८।
 भूतारी ३१३, ५६९।
 भूतावास २६५, ११२।
 भूति ७७, ८१, २८९, ३५८, ३१०,
 ५४३, ३९१, १०६।
 भूतिस्त ३७३, ३१।
 भूतिमार २६७, १६१।
 भूतिसुत ४४१, २१।
 भूती (ति) क २८८, ३५८।
 भूर् (स्त्र.) ण २८९, ३५८।
 भूतेश ३८८, ८२, ३९५, १४५।
 भूतेष्टा ४१०, ४२।
 भूतौद्दन १६०, २४३।
 भूत्यर्थी ३१०, ५४३।
 भूदार =सूकर।
 भूदारण १३३, ११, १३४, १४।
 भूदेव =ब्राह्मण।
 भूद्वावा १४८, १४९।
 भूधर (ध्र) ३४१, ३, ३६४, ७।
 भूनिकेतन ३७७, ४।
 भूनिम्ब २६६, १५७।
 भूप (ति) ८९, १।

| | | | |
|-----------------------|---------------------|----------------------|---------------------------|
| भूपुरस्दर | ८९, ३। | भूर्ज | २७१, २०७। |
| भूफल | १३८, ५२। | भूर्जवत्कल | ७१, २७७। |
| भूबदरी | २६१, ११५। | भूलमा | २९८, ४८२। |
| भूमृत | ८९, ३। | भूवलभ | २७१, २०२। |
| भूमान्वाहुल्यम्। | | भूशिंज | १५२, १७५। |
| भूमि | २, १७। | भूपण | ४८, १४३। |
| भूमिका | ४२९, ७७। | भूषित | २२१, ६१। |
| भूमिगर्भ | ८४, १६२। | भूमुत | ४८०, १९९। |
| भूमिचरी | २९४, ४०५। | भूमुता | ४५३, १६। |
| भूमिज | ६६, ४१३। | भूत्तुणम्-भूत्तुणम्। | |
| भूमिजम्बुका | २७५, १८। | भूषपृष्ठ | २२, १ ५२। |
| भूमिट्ट्वी | १४८, १४९। | भूकुटी=भूकुटि | ४। |
| भूमिदेव. | ६९, १०। | भूगु | ३४२, १७, ४७। |
| भूमिघर =शैल। | | भूगुपुत्री | ४७७, ५२। |
| भूमिनेतृ | ८९, ३। | भूगूङ्घह | ४५२, १२। |
| भूमिप (ति) | ८९, ३। | भूङ्ग | १७७, २९९, ३३४, १४९, ३३७, |
| भूमिपाल | ८९, ३। | | १७७। |
| भूमिलाभ | १३०, ३७६। | भूङ्गप्रिय | २७१, २०१। |
| भूमिस्पृष्ठ | १३२, १। | भूङ्गप्रिया | २७८, २६७। |
| भूमिस्फोट | १५२, १७६। | भूङ्गमारी | २७९, २७। |
| भूमा | ३, १९। | भूङ्गराज | ३०६, ५०७, ३३४, १४८, |
| भूमीश | ८९, ३। | | ३३७, १८०। |
| भूमीशय | ३३४, १५५। | भूङ्गवलभ | २७७, २५४। |
| भूमीशसञ्चन् | १५, ६२। | भूङ्गानन्दा | २७८, २६३। |
| भूम्यनन्तर | ९९, ९७। | भूङ्गार | ६५, ४०५। |
| भूम्यामली | ३१२, ५६६। | भूङ्गारी | २७८, २७। |
| भूम्याहुली | ३०७, ५९। | भूङ्गाळ | १०३, १८८। |
| भूयस् | २२७, ११९। | भूङ्गाळ | ३०५, ५०६। |
| भूयिष्ठ | २२७, १२०। | भूङ्गन् | ३११, १०७। |
| भूरि | २२७, ११६, २२७, ११९। | भूङ्गिर(री)ठिं(ट) | ३९१, १०७। |
| भूरिगन्वक | २८१, २१। | भूङ्गी-नन्दी। | |
| भूरिदुग्धा | २६८, १७४। | भूङ्गी | २७४, ५७, २५५, ५८, ३१०, |
| भूरिपत्र | २८९, ३६०। | | ५४८। |
| भूरिपुष्पिका | २९९, ४४९। | भूत (ति) क. | ९१, १९, २०५, २९। |
| भूरिप्रेमन् | ३३१, १२०। | भृति | २११, ८२। |
| भूरिफेना-सप्तला। | | भृतिक | २१७, ३०। |
| भूरिमाय | ३१९, १३। | भृतिमुज् | २०५, २९, २१७, ३०। |
| भूरिष्ठ | २२७, ११६। | भृत्य | ९१, १९, २०५, ३३, २१६, १९। |
| भूरुण्डी=श्रीहस्तिनी। | | भृत्या | २११, ८२। |

| | | | |
|---------------------|-------------------------|------------------------|----------------------------|
| सृशक्तामिन् | ११६, २४३। | मौसी | ४५३, २८। |
| भृगम् | ३८१, १८। | मौरिक | १०, १४। |
| भृशाकुल | १२६, ३३६, २२३, ८३। | मौरिकी | १४, ५५। |
| भेक | ३७७, ११९, ३९६, १५०। | ब्रंग =पनम्। | |
| भेकी | ३७७, १२१। | ब्रह्मुम | ४२५, ७३। |
| भेड | ४२७, ७१। | ब्रम | २३८, ३५, २३९, ४२, २३५, १९, |
| भेद | ९८, ८६, ३४७, १९। | | ४३३, ०५१। |
| भेदन | १५४, १९७। | ब्रमकुटी | १५, ५८, २०४, २५। |
| भेदि | ३८४, ६। | ब्रमर | ३३७, १७७। |
| भेदित | २३२, १६५। | ब्रमरक | ३५, १३०। |
| भेदिनो | १५४, १९३। | ब्रनरानन्द | २७६, २८७। |
| भेदिर | ३८४, ४१। | ब्रनरारी | २७९, २७५। |
| भेरि (री) | ४२४, ६। | ब्रमरालक | ३५, १३६। |
| भेल | १२९, ३६६। | ब्रमरी | २७९, २७४, २९९, ४४६, ३३७, |
| भेवन | ६०, ३५९। | | १८०। |
| भैक्षम्=भिक्षासमूह। | | ब्रमरष | २६६, ६४। |
| भैमी | ९२, २३, ४१४, ३३। | ब्रमरेषा | १७६, ३९१। |
| भैख | ३८९, ८५, ३९१, १०८, ४२८, | ब्रमासत्त | २०३, १५। |
| | १०३। | ब्रनि (मु) | २०९, ६६, २३९, ४२। |
| भैरवी | ३९५, १४३। | ब्रमा | २३९, ४२। |
| भैषज्य | ६०, ३५९, | ब्रष्ट | १४२, ८६, २३३, १७०। |
| भोग | ३६५, २०, ३८८, ७९। | ब्राजिण्=रोचिण्। | |
| भोगमृह | १४, ५७। | ब्रातरी | ३२, १०५। |
| भोगवती | ३६७, ३०। | ब्रातृज्=ब्रतृपुत्र। | |
| भोगवली | १२६, ३२३। | ब्रातृजाया | २७, ६३। |
| भोगिन | ३६४, ८। | ब्रातृपुत्र | ३४, १२५। |
| भोगिनी | ३६७, ३०, ४२६, ८७। | ब्रातृव्य. | ३४, १२५। |
| भोगिवल्लभ | ६१, ३६९। | ब्रात्रीय=ब्रातृपुत्र। | |
| भोजन | १६६, ३०९। | ब्रात | २७४, २२९। |
| भोज्य | १५९, २३८। | ब्रान्ति | ४३३, १५१। |
| भोज्या | २४, ३९। | ब्रामक | १९४, ५५६। |
| भोट | ५१, २८। | ब्रामर | २००, ६१। |
| भोरिट | ३३५, १५६। | ब्रामरी | ३९४, १२८। |
| भोलि | १८४, ४६६। | ब्रामिताक्षरा | ४१७, ७। |
| भोवाकी | ३१९, १६। | ब्राष्ट | १४३, १००। |
| भोस् | ७, ३९, ४१८, १०। | भु (शू) कुस | ४२५, ७३। |
| भौतिक | ३८९, ८९। | भूकुटि (टी)=भृकुटि। | |
| भौमक. | ४२४, ७०। | भ्र | ३७, १५१। |
| भौमरत्न | १९९, ५९६। | भूकुंस. | ४२५, ७३। |

| | |
|---------------------------------|---------------------------------|
| श्रूण =गर्भस्थजन्तु । | २५९, ११, २६३, १३०, ३०९, |
| श्रूखवेन्तरा ३६६, १४५ । | ५३५ । |
| भ्रेष =अथ पतनम् । | मङ्गल्या. ६३, ३९१, ६४, ४००, ६५, |
| म. | ४०८, १५६, २०९, २१२, |
| म ३८८, ७९ । | ३८५ । |
| मकर. १३७, ४०, १३८, ५०, ३५६, | मङ्गल्यार्हा ३११, ५५२ । |
| ११७, ३७४, ४४, ४०५, २२६ | मङ्गिनी ३५०, ६१ । |
| मकरध्वज ४५५, ३९ । | मचार्चिका २२६, ११२ । |
| मकरन्द २५२, ३८ । | मच्छ ३५२, ७४ । |
| मकराङ्क. ४५५, ३९ । | मजुसार ६४, ३९५ । |
| मकरानन ३९२, १४ । | मज्जन्. २५१, २४ । |
| मकुल २५२, ३१ । | मज्जन ३९२, ११० । |
| मकुष्ट १३८, ५७ । | मज्जा. ४४, २२१, ४६, २३१, १८०, |
| मक्षिका. १२५, ३२४, ३३७, १०१ । | ४२८, २५१, २३ । |
| मक्षिकात्र ११२, २१५ । | मज्जायोनि ४४, २२१ । |
| मक्षिकामल २०२, ६२२ । | मज्जारस ४६, २३३ । |
| मक्षिकाश्रय २०१, ६२१ । | मञ्च ६७, ४२२ । |
| मख ७७, ५७ । | मञ्चक ६७, ४२१ । |
| मखरिपु ३८९, ९१ । | मञ्चकाश्रय ३२६, ७८ । |
| मगधा =मागधा । | मञ्चक १३८, ५०, २५१, २८ । |
| मगधेश्वर ५५, ८८ । | मञ्चरि (री) २५१, २७ । |
| मघ १९२, ५४४ । | मञ्चरीनम्. २७१, २०४ । |
| मघवन् ३८२, २० । | मञ्चरीपत्रा २८०, २८७ । |
| मधा ४००, १८९ । | मञ्जि (झी) २५१, २७ । |
| मधाभव ४०२, २०६ । | मञ्जिष्ठ ४३५, १६५ । |
| मङ्गु =दर्पण । | मञ्जिष्ठा १७४, ३६९ । |
| मङ्गु ४५८, ३ । | मञ्जोर. ५०, २६८ । |
| मङ्ग. ३५०, ६१ । | मञ्जु २२५, १०० । |
| मङ्गल. १९५, ५६२, २०६, ४२, ४०२, | मञ्जुकश ४५२, ७ । |
| १९९, ४१५, ८९ । | मञ्जुघोष ३९२, ११८ । |
| मङ्गलगन्व ६५, ४०९ । | मञ्जुनाद ३३५, १६४ । |
| मङ्गलच्छाय २६०, १०५ । | मञ्जुपाठक ३३३, १३९ । |
| मङ्गलध्वनि ४३०, ११८ । | मञ्जुल २२५, १०० । |
| मङ्गलस्नान ४३०, ११९ । | मञ्जुलावा ३४९, ५० । |
| मङ्गला १५६, २०९, १७२, ३५३, १७४, | मञ्जुलीयक ३३५ १६४ । |
| ३६९, २८३, ३१३, २८८, ३५१, | मञ्जुपत्र ३९२, ११८ । |
| ३७१, ४९, ४५७, ५४, ४१७, ७। | मञ्जुश्री ३९२, ११८ । |
| मङ्गल्य ६१, ३६८, १३९, ५८, १४०, | मञ्जुषा २१०, ७५ । |
| ७४, १५८, २२८, २५८, ९०, | मञ्जुषिका. २१०, ७१ । |

मठ १४४, ४२ ।
 मठर. १३२, ३०२ ।
 मडु=गायमेड ।
 मग १९६, ५३० ।
 मणि ३९, ९०९, ३३, ३८, १३४,
 १०१, २००, ६०८ ।
 मणिर=नलजर ।
 मणिल्ह ३३४, १३ ।
 मणि नर २०३, ८१ ।
 मणिकी १३८, ३० ।
 मणिग्रीव ३८८, ७३ ।
 मणिन्छद ३०९, ५९९ ।
 मणित ६४७, ५६ ।
 मणिता- ३३१, १२० ।
 मणि_उठ ३८८ ८६ ।
 मणिवन्व ३९, ९७ ।
 मणिवीज २१७, ७६ ।
 मणिभद्र. ३७४, ४२ ।
 मणिमत् ३७४, ४५ ।
 मणिमन्य १५२, १७७ ।
 मणिस्थ १४२, ८० ।
 मण्ड १५९, २३९, १९६, ७२७, २८७
 ३८ ।
 मण्डक १६१, २५९, ४२१, ३६ ।
 मण्डचणक १३९, ५९ ।
 मण्डन २२०, ६० ।
 मण्डप १५, ६१ ।
 मण्डपरोहिन् १४७, १३५ ।
 मण्डपिन् २७९ १०१ ।
 मण्डपी १४८, १८५, १६९, १५० ।
 मण्डल ५७, २३८, १००, ९९, ११९,
 २७६, २०६, ४०, ३७१, ५६
 ३९९, १७९, ४३८, २० ।
 मण्डलाश्र. १२०, २८१ ।
 मण्डलिङ्ग १६२, २६१ ।
 मण्डलिन् १६१, २०९, ३२७, ६६,
 ३६५, १३ ।
 मण्डलेश्वर ८९, ४ ।
 मण्डहार २०४, २३ ।

मणिडत=अलंकृत ।
 मण्डीरी=मञ्चिष्ठ ।
 मण्डक २६७, १६५, ३५७, ११९ ।
 मण्डनी ३११, ५५५ ।
 मण्डकपर्णी १७४, ३०, २६७, १६६,
 ३०७, ५२३ ।
 मञ्जकी ३०७, ५२३ ।
 मण्डर १९६, ५६९ ।
 मनज. १०४, १४२ ।
 मनज्जन ६०५, १४४ ।
 मनज्जिका=प्रशान्त ।
 मनि ४०५, ५२३ ।
 मनिदा ३०७, ५२६ ।
 मनिया २७७, ५१८ ।
 मनिमन ७४, ४९ ।
 मनिविश्वा ५६, ३०६ ।
 मत्कुण, १०६, १५८, ११४, २२९, १२१,
 २९२, २५७, ६६, ३२६, ७८ ।
 मत १०६, १५९, २१८, ३९, २३२,
 १६९, ३३३, १३८ ।
 मनक २७४, २२८ ।
 मत्त मशिनी २१, ८ ।
 मत्तवारण १६, ६८, १६, ७५ ।
 मत्ताष्व १६, ६८ ।
 मत्य १३३, १२ ।
 मत्म ३५१, ७४ ।
 मत्सर=परघुभद्रे प ।
 मत्सरन २२३, ८७ ।
 मत्स्य ३५१, ७४, ४५२, १० ।
 मत्स्यगन्धा. ८३, १२९, ३०४, ४९३ ।
 मत्स्यजीविन् ३५१, ६९ ।
 मत्स्य (त्या) एडी १५६, ११४ ।
 मत्स्यपित्ता १७१, ३८२ ।
 मत्स्यराज् ३५२, ७६ ।
 मत्स्यवेवन ३५१, ७१ ।
 मत्स्याक्षा ३०५, ५०५ ।
 मत्स्य की. २८९, ३५६, ३११, ५५४ ।
 मत्स्यादनी ३०४, ४९३ ।
 मत्स्यावानी. ३५१, ७२ ।

- मत्स्योत्था ८२, १०८ ।
 मयित १४८, २३३ ।
 मयुरा १०, २०, ४७५, ३२ ।
 मद. ५६, ३२२, १०७, १६३, २११,
 ८७, २३६, ११, २३९, ८३, ४५६
 १६, ४१५, ८७ ।
 मदकल १०६, १५९ ।
 मदकोहल. १८१, १३८ ।
 मदगन्धा ६४०, ७० ।
 मदगाल २७०, १९८ ।
 मदन २६६, १०५, २७८, २६९, २८६,
 ३३२, ४५५, ३७ ।
 मदननालिका २४८, ३५ ।
 मदनपाठक ३३२, १२५ ।
 मदनसोदिनी २७८, २६८, २११, ८४ ।
 मदनाङ् १३७, ८० ।
 मदनायुध ३०८, ५२९ ।
 मदनी ६२, ३८२, २७३, २५७ ।
 मदनेच्छाल २५५, ५१ ।
 मदपीछ ३९६, १८९ ।
 मदशाक १५१, १७२ ।
 मदन्यान २१२, ९८ ।
 मदस्कुटि ४४६, ९७ ।
 मदहस्तिनी २६९, १०५ ।
 मदज्ञ. २७०, १९३, २७०, २०० ।
 मदातङ्ग ५६, २२२ ।
 मदत्यय ५६, ३२२ ।
 मदामद ३५३, ८९ ।
 मदावर ३९६, १४९ ।
 मदिरा २११, ८१, ११८, १० ।
 मदिरगृहम्-गडा ।
 मदिष्ठा २११, ८४ ।
 मदोत्सृष्टि १०६, १५९ ।
 मदोकटा १४०, ७० ।
 मदोइक २६६, १५६ ।
 मदोङ्गापिन ३३२, १३७ ।
 मदु ३३०, ११७, ४२४, ६२ ।
 मदुर ३५४, ०४ ।
 मद २११, ८५ ।
- मद्यादुम २७०, १९७ ,
 मद्यायन २१२, ९४ ।
 मद्यपुणा १७९, ३७८ ।
 मद्यवासिनी १७९, ३७८ ।
 मद्यसवान २१२, ९५ ।
 मद्यामाद २७६, २४७ ।
 मद्र ४१७, ८९ ।
 मद्रप ९२, ३८ ।
 मद्रिणी ३४९, ४७ ।
 मदु २००, ६०, २११, ८७, २५२,
 ३८, २७८, ८९, ३४५, ११,
 ४१२, ५८ ।
 मदुक १७६ ३८९, २५८, ८९ ।
 मधुकर=अमर ।
 मधुकर्ण्या २९८, ८६, २६१, ११९ ।
 मधुता. १३६, ८८ ।
 मधुकीट ३३७, १७९ ।
 मधुकृत ३३७, १७६ ।
 मधुकम=मधुवार ।
 मधुखर्जूरी २५८ ८६ ।
 मधुगायन ३३२, १३६ ।
 मधुचुक १५५, २०४ ।
 मधुज २०१, ६२१ ।
 मधुजम्भ. २६२, १२८ ।
 मधुतृण ३१४, ५८४ ।
 मधुला २९१, ३८० ।
 मधुदूत २५३, ४८ ।
 मधुदूनिका २७७, २६१ ।
 मधुदुम=मधुक ।
 मधुधूली १५६, २१५ ।
 मधुनारिकेल २५५, ६८ ।
 मधुप ३३७, ३७७ ।
 मधुपक्ष ७९, ९४ ।
 मधुपर्णिता २११, ३७३ ।
 मधुपर्णी २६७, १६८ ।
 मधुपाल ३३७, १७९ ।
 मधुपालिन. ३३७, १०९ ।
 मधुपालिन् ३३७, १७९ ।
 मधुपर्ण २५७, ८७ ।

| | | | |
|--------------------|--|-------------|--|
| मधुपुष्ट | ४७६, १३। | मधुगिरि | १५६, १२९। |
| मधुपुष्य | २५८, ९०, २७०, २४२, २७६, २४६। | मधुर्गिरि | १६६, २५३। |
| मधुपुष्या | ३१२, ७६४। | मधुशेष | २०२, ८२२। |
| मधुफल | २७६, ६७, २५६ ७५। | मधुशेषी | २३६ ३७८। |
| मधुवीज | २५७, ७६। | मधुटील | २७८, ८९। |
| मधुमधिका | ३३८, १८२। | मधुसम्ब्य | २७७, ८३। |
| मधुमती | ३१, १०२, ८६७, १६९, २९१, ३७८। | मधुमध्या | २७९, ९५। |
| मधुमत्त | २५७, ८०। | मधुमायि | ४७७, ४७। |
| मधुमत्ता | २६६, १८७। | मधुमिमयक | ३६६, २४। |
| मधुयषिका=यशिकामधु। | | मधुमुत | २६८, १५९। |
| मधुर | १३९, ६५, १४६, १२१, १६७, ३१०, ३०९, ५३५, ८२२, ४६। | मधुमदन | ३३७, १५९। |
| मधुरत्वच | २७६, २०६। | मधुस्त्र | २७८, ८२, २२८, ८०। |
| मधुरपटोली | १४८, ११६। | मडुस्त्रा | १७६, ३८९, २१८, ८७, २९१, ३८०। |
| मधुरगिरि | ३२६, ७८। | मधुर | १७६, ३८२, २७८, ०९। |
| मधुरफल्या | १५०, १६३। | मधुर्जिष्ठ | २०१, ६२। |
| मधुरफलिनी | १४८, १८२। | मधुत्सव | ४१०, ४६। |
| मधुरस | २७०, १५३। | मधुपञ्च | १०, २०। |
| मधुरसा | १७६, ३९०। | मधूल | २०२, ६२२। |
| मधुरा | १०, २०, १५६, १७१, १५६, २१६, १६९, ३२, २७८, ८६, २९२, ३८३, २९२, ३९०, २९९, ४५१, ३०९, ५८०, ३१७, ५८८, | मधुलक | १६७, ३१२, २७८, ००। |
| मधुरालापा | ३३३, १३८, ३३३, १८२। | मधुलका | १५०, ७८, २०३, ३१८, २९६, ३७८। |
| मधुरिका=मिसि | | मधुली | १३७, ८०, १७६, ३९०, २०० ६१०, २५२, ३९, २७९, ९४। |
| मधुरिपु | ४५१, ४। | मध्य | ३०, ९०, ३९, १६८, १८८, १९६, ४१७, ८। |
| मधुल | २७८, ८९। | मध्यक | २६४, १४२। |
| मधुलक | २०२, ६२२। | मध्यदश | ५, ८। |
| मधुलिह | ३३७, १७९। | मध्यनिन | २७९, २७३, ४०७, १७। |
| मधुलेहिन् | ३३७, १८०। | मध्य- | ५, ८, ३९, १०८, ४२, ११९, ४१७, १। |
| मधुलोलुप | ३३७, १७८। | मध्यमा | ३९, १७४, ४४२, २९। |
| मधुवली | १७६, ३९९, २५९, ९८, २६१, ११३। | मध्यवर्तीन् | ८९, ५। |
| मधुवार | २१२, ९४। | मध्यमीव | २२९, १४९। |
| मधुवृक्ष | २५८, ८९। | मध्यस्थ | १३३, ७। |
| मधुव्रत | ३३७, १८०। | मध्या. | ३९, १७४। |
| मधुशर्करा | १३९, ६५, १५७, २२०। | मध्याह्न | ४०७, १६, ४०८, २७। |

- मध्यामव २११, ८७, २१४, ५२।
 मन गय, ४५७, १०।
 मन शिला (ल) १९३, ५६०।
 मनन, ८२, १२१।
 मनस् ४३७, १०२, ४३४, १५९।
 मनसा ८३, १३२।
 मनसिज ४५७, ४०।
 मनस्कर ४३३, १४६।
 मनस्का (भिका) र ४३३, १४६।
 मनस्तात ३९७, १४०।
 मनस्विन्, ८१७, १२, ३१७, २।
 मनस्विनी १४९, १४७, ३८७, ६५।
 मनाह् ४५९, १२।
 मनित, २३३, १५७।
 मनीषा ४३२, १६२।
 मनीषिन् ७४, ८८।
 मनु ४४०, १५, २७७, २७७, ४४६
 २०।
 मनुज २०, १, ३७०, ००।
 मनुज्येष्ठ १२०, -८४।
 मनुष २०, ३।
 मनुष्य २०, १।
 मनुष्यवर्षा=कुवे।
 मनुष्यनेतृ ८९, ३।
 मनुष्यप (ति) ८९, ३।
 मनुष्यपाल ८९, ३।
 मनुष्येश ८९, ३।
 मनुस् २०, ३।
 मनोगुप्ता १९५, ५६०।
 मनोप्रह ३७१, २१।
 मनोजवस =पितृसनिम।
 मनोज् २२५, १९, २७८, २६९।
 मनोज्ञा १६९, ११७, १५४, ११४।
 मनोज्ञा १९५, ५६०, २७६, २५२, २९४,
 ४०३, २९८, ४४३।
 मनोभव ४५५, ४०।
 मनोरथ ४३३, १३८।
 मनोरम १३, ४७, २२५, १९।
 मनोरमा ६३, ३८, ४४२, २७।
- मनोवती ३७२, २९।
 मनोव्यया ४३२, १३९।
 मनोहत २२३, ८१।
 मनोहर २२५, १९, २७८, -६८।
 मनोहरा २७८, २६३।
 मनोदासिन २२५, ९९।
 मनु २०, २, १९, १०।
 मन्त्र ९८, ८१, ६९, १०, ३७७, ३।
 मन्त्रदृष्टि ८२, १२१।
 मन्त्रपारिपद १०१, १११।
 मन्त्रिन ८९, ७, १०१, १०९।
 मन्य ७७, ७७, १५४८, ८७, १५४४, ११०,
 १५९, २२६, ४३६, ६।
 मन्यवण्ड १४४, ११०, १५९, २३७।
 मन्यवन ७७ ७७, १५९, २३६।
 मन्यवन =गर्गर।
 मायर ११५, ८४२, १५९, २३५।
 मन्या १५४, ११५।
 मन्यान १५९, २३२, २९०, १६६।
 मन् ३३, ११९, ६०, ३५८, २०५
 ३३, ४०३, ००९।
 मन्दगमना १८१, ४३४।
 मन्दता ५७, ३३९।
 मन्दमन्दन २७६, २८७।
 मन्दर ३४२, १७।
 मन्दरमणि ३९०, ९२।
 मन्दरावासा ३१४, १२४।
 मन्दवाहिनी ३४९, ५३।
 मन्दकिनी ३४९, ४९।
 मन्दाक्ष (क्ष्य) ४३२, १२५।
 मन्दार २७४, २३४, २८३, ३०४, ३८४,
 ४३।
 मन्दिर ९, ४, ४९, २६२, १२, ३४,
 ४४, २१५।
 मन्दुरा १३, ४७।
 मन्दुराभ्यण ३२२, ४७।
 मन्दोदरी ३८७, ६५।
 मन्दोष्ण ४३८, २१।
 मन्द्र १०५, १५१, ३१७, ४।

- मन्मय, ४०९, ३७।
 मन्मथाल्य, २०४, ५२।
 मन्मन ४१७, ७९।
 मन्मा ३८, १६१, ४६, २३०।
 मन्यु ७७, ५८।
 मन्मन्तर ४३०, १५, ४४१, १८।
 मन (य) एक=मनुष्क ।
 मनर, ३२२, ८१।
 मन १८४, ४६६, ३६३, १८।
 मनपुत्री ३८७, ६५।
 मनु ३८८, ७७।
 मनुष्क १३८, ६७।
 मनूख ४३७, १५।
 मनूर ३२९, १०३।
 मनूरक ३०३, ४८।
 मनूरकतु ३९५, १४५।
 मनूरजङ्घ २६६, १६२।
 मनूरत्य १९७, ५८।
 मनूरी १७३, ३२०, ३०२, ४२९।
 मनक १३०, २८३।
 मनकत १९९, ५९७, २८१, २९२।
 मरणम्=निवनम् ।
 मरन्द २५२, ३८
 मरलि ३१५, १०६।
 मराल ३२१, १२३।
 मरि (रि) च ६४, ३९६, १५३, १८६,
 २८१, २८९।
 मरीचि (चि) १९०, ५१६, ४३७, १७,
 ४३८, ११, ४३९, १।
 मरीचिका ४३८, १२।
 मर ८, ३८।
 मरज, २८३, ३०९।
 मरणा २४, ४३।
 मस्त ३७०, ८, ३८०, ५।
 मस्तक ३१८, ८।
 मस्तकत ३८०, २०।
 मस्तकश्य ६६, ४१२।
 मर्वेज, २८२, ३००।
 मस्त्र, १०३, १३०, ११०, १९२।
 मस्त्राह ३७८, १७।
 मस्त्रमा र=स्पृष्टा ।
 मस्त्रिय १८४, १६६।
 मस्त्रक २८१, २८८।
 मस्त्रभवा ३०१, ४७७।
 मस्त्रद्वच ३०१, ४६४।
 मस्त्रद्वा ७१ १००, ३०८, ५२६।
 मस्त्रिल ३५६, ११८।
 मस्त्रे ३२२, ८७।
 मस्त्रट ३२२, ८६।
 मस्त्रटक ३२१, ६८।
 मस्त्रट प पर्ली ३०३, ४८५।
 मस्त्रटमत्र १९३, ५१३।
 मस्त्रटा १४७, १११, २९३, ३९४, ३०३,
 ४८६, ३२५, ६९।
 मस्त्रर २८१, ३६५।
 मर्त (त्व) २०, १।
 मर्तारि ३८६, ६४।
 मर्दन २४२, ६५।
 मर्दल ४२४ ६६।
 मर्मन् ४३, १४।
 मर्ममेदिन् ११८, २६९।
 मर्मर ५३, २९९, ४५०, १०५।
 मर्मवर ४१, १११।
 मर्मपृष्ठ (रु)=अस्त्रुद
 मर्यादा, ९, १, १८, ८९, ११, १४,
 ३४६, २२।
 मल ४७, २४०, ४७, २४७, ८६, १६०,
 ४५२, ८।
 मलब १८०, ४३८।
 मलवा ३१२, ५६३।
 मलवृषित २२५, १०५।
 मलद्रविन् १७७, ३९७।
 मलय ३४२, १२।
 मलयज =चन्दन
 मलयनाद ६४१, ३७३।
 मलयादिनिवासा ३४४, १३६।
 मल्लू, २६०, १११।
 मलयोत्तर ३८०, ९।

- मल्योद्धव ६१, ३७१।
 मलरेवन ५६, ३२९।
 मलविनागिनी २९८, ४८२।
 मलवेग ५४, ३११।
 मलपहा १९६, ५७४, ३४९, ५२।
 मलरि १७८, ११२।
 मलिकाक्ष ३३१, १२२।
 मलिन १९८, २२७, १७८ ८०७, २२५,
 १०४, ३४६, २७।
 मलिना २४, ४०।
 मल्लमुच ८६, १६२, २०७, ८९, ३८०,
 ३।
 मलिष्ठा २४, ४०।
 मलीमस २२५, १०४।
 मलुक ४२, ११६।
 मल १३८, ५०।
 मलतुये ४२४, ६८।
 मलवन २४९, ७।
 मला २८१, २९३।
 मलिक ३३१, १२२।
 मलिरा ६५, ४०८, ८७७, २५६।
 मलिकाक्ष (ख्य), ३३०, ११८, ३३१,
 १२७।
 मलिकापुष्ण २६८, १७७।
 मली २२६, ११२।
 मशारी २६०, ११०।
 मशा २६८, १७५।
 ममर. २२०, ५६, १५९, २४०, २२६,
 १०७।
 मसि (सी) ९६, ७०।
 मसिवानिका ९६, ६९, ९७, ७३।
 मसिपण्य ९६, ६८।
 ममी (घी) ७७, ८३, ९६, ७०।
 मसीजल ९६, ६९।
 मसू(छ)र १३९, ५८, १४६, १२२।
 मसूरा १७७, ३१८।
 मसूराभा ५८, ३४१।
 मसूरिका ६८, ३४१।
 मसृण. १४२, ८८, १६४, २८८, २२०,
 ५६।
- मस्तक १४६, १२३, २८९, ३२७।
 मस्तकिन् ८८, ०७८।
 मस्तक ३६, १३२।
 मस्तार ३४६, २६।
 मस्तिक ३५, १३२।
 मस्तिक्क (छ) ४५, २३०।
 मस्तु ७८, ८७, १५५, २०३, १५८,
 २२८।
 मस्तुलङ्गक ४५, २३०।
 मह १८१, ४३२, ४३२, १४१।
 महत् २२६, १४।
 महती १४९, १५३, २७९, २७६, २९९,
 ४५४, ४२३, ६०।
 महत्तम २२६, ११०।
 महत्तर २०२, १।
 महद्युक्ता ३३९, १९४।
 महरूपर १३६, ३२।
 महर्पती २९३, ३३९।
 महर्षि ८८, १२२।
 महस् (र) ४३७, १८, ४३२, १४१।
 महा १८२ ४५३।
 महाकच्छ ३४४, २।
 महाकन्द १४५, ११५।
 महासप्द ३५८, १२८।
 महापाल ३९२, ११०।
 महाकपोल ३९२, १११।
 महाकरज २६९, १८४।
 महाकाय. १०५, १४६।
 महाकाल २५३, ४७, ३८९, ८९, ३९१,
 १०८।
 महाकाव्य ४४४, ५३।
 महाकुण्ड ३९२, ११४।
 महाकुमुदा २६७, ९७।
 महाकुम्भी २६६, १६०।
 महाकुल ६९, ६।
 महाकुष्ठ ५८, ३४२।
 मंहाकार १७८, ४१३।
 महाक्षीरा १८१, ४३४।
 महाक्षैहिणी. ११७, २५४।

| | | | |
|-------------|---|------------|--|
| महारवग | ३२७, ८७। | महानद | ३८९, ८८। |
| महागढ | ५४, ३०४। | महानड | २८८, ३८९। |
| महागन्व | ६२, ३७५, ६७३, २६१, १८०, ४७०, २६८, १७३। | महान्द | ४३४, १५८। |
| महागन्वा | २७९, २७१, ३०४, १९२, ३१५, १८१। | महान्द | २८८, २०७। |
| महागव | ३२०, २३। | महान्द | २७९, २०६। |
| महागुल्मा | २९६, ४२३। | महान्द | १४, २३। |
| महागुहा | ३००, ४६०। | महान्द | ८८, ११७। |
| महाघस | ३१२, ११०। | महानाद | ३६, १८१, ३१८, ०, ३१०, ९०। |
| महाघोषा | १७६, ३१३। | महानिम्ब | २६५, १५७। |
| महाङ्ग | १७२, ५२, ११४, ६६, ३००, ४६१, २६४, ५७। | महानिम्बू | २६२, १०६। |
| महाझीन | ३१०, १२। | महानिम्ब | ४३०, ४०। |
| महाच्छु. | २०६, ५१०। | मना निशा | ३१०७, १८। |
| महाच्छण्ड | ३८०, ६२, ३११, १०९। | मना नीला | २१४, ७०, २६६, ४११। |
| महान्ताय | २५९, १०२। | महान्द | ३०२, १८१। |
| महान्तिद्रा | ३१०, ५४२। | महापट | ४७, २४०। |
| महाजगत | ३८०, ६। | महापत्रा | ३०४, १९२। |
| महाजम्बू. | २५४, ५९। | महापन | १०, १००। |
| महाजया | ३१४, १३४। | महापञ्च | १८८, ८९९, ३६४, ९, ३७४, ८। |
| महाजव. | ३२१, २५। | महापारंप | २७७, ८३। |
| महाजाती | २७८, २६२। | महापिर्णित | २७२, २१७, २८६, ३३३। |
| महाज्ञाल | ७१, १७। | महापुष | २७४, २२०। |
| महाताङ्गुल | १३५, २५। | महाप्राण | ३२८, ९। |
| महातल | ३६१, ४। | महाफल | २५७, ८। |
| महातारा | ४४२, २८। | महाफः | १२४, ३१५, १४८, १४०, २५४, ५६, २६१, ११९, २६२, १२६, २१४, ४०९, ३०२, ८८, ३०४, ४१२। |
| महातिक्ता | २६६, ५६। | महावल | ११६, १२१, ११४, ५५०, २६०, १०४, २७०, १२०, ३६८, १, ३८०, ३। |
| महातिक्ता | २१५, ११०। | महावला | २१७, १२९, ३०२, ४८१, ३०३, १८८। |
| महातिरथ | ११५, २३६। | महावेधि | ३६८, ३। |
| महातेजस् | ११७, ७८२, ३७१, १८, ३१५, १४३। | महावज | १८८, ४९६। |
| महात्मन् | २१४, ३१९। | महामीर | ३३९, ११८। |
| महादलि | १३३, १०। | महामीम | ९२, ३०। |
| महादान | ८०, १०४। | महाभूतघट | ८०, १०४। |
| महादूषक | १३४, २१। | | |
| महादेव | ३८९, ८७। | | |
| महादेवी | ३१३, १२७। | | |
| महाद्रोण | ३१४, ५८२। | | |

| | | | |
|--------------------------|------------------------------|---------------|---|
| महाभैरव | ३९१, १०८। | महावल्ली. | १४८, १४०, २९८, ४४४। |
| महामति | ४०२, २०३। | महावायु | ३८०, ८। |
| महामत्स्य | ३५२, ७५। | महाविद्या | ३९४, १३२। |
| महामनस् | २१४, ३, ३१७, १। | महावीरी | ४४, २१४। |
| महामात्र. | ८९, ७। | महावर्ष | ७७, ३८, ७९, ९७, २८२, ३०३, ३१८, ७, ३७८, १३। |
| महामाया | ३९४, १३१। | महावर्या | ३०३, ८९। |
| महामीन | ३५३, ८। | महावृक्ष | २५५, ५९, २५७, ८२, २८४, ३२१। |
| महामुख | ३६८, ३। | महाव्याहनि | ११, २४। |
| महामुण्डी | ३०९, ५३७। | महाव्रतन (तन) | ८४, १४६, ८५, १५१, ३१०, ९२। |
| महामुनि. | २६३ १३१, ३६८, ३। | महाशङ्क | ३६, १४१। |
| महामूष | ३२४, ५७। | महाशय | २१४, ३, ३४३, १। |
| महामृग | १०४ १४३, ३१७, १, ३२१, ३०। | महाशर | २८६, ४२८। |
| महामेदा | ३०९, ५०१। | महाशाखा | ३०४, ४९२। |
| महामुक. | ३१०, ९२। | महाशालि | १३४, १८। |
| महायज्ञा =श्रद्धायज्ञादय | । | महाशिन | २७४, २२९। |
| महायशस् | २१४, ३। | महाशीर्ष | ३९२, ११३। |
| महायोगिन् | ३३४, १५३। | महाशील | ३७३, १०४। |
| महारजत | १९२, ५३३। | महाशुक्ति | ३५७, १२३। |
| महारजन =कुसुम्भ | । | मह श्रद्धी | २६, ५४। |
| महारजिन् | ३९३, ११९। | महाशृङ्गिन् | ३१७, २। |
| महारण्य | २४८, ३। | महास्मशान | ११, २१। |
| महारत्न | २००, ६०९। | महाश्य मा | २७२, २१३। |
| महारभ | १५२, १८०। | महाश्रमण | ३६९, ७। |
| महारस | १५५, २०१, १९७, ५८२। | महाश्रावणी | ३०९, ५३८, ३१७, ६०३। |
| महाराज | ४०, १७७। | महाश्री | ४४१, २६। |
| महाराजजटा | २९५, ४१२। | महाश्वेता | २७३, २१९। |
| महाराजपीछा | २७७, ८। | महासत्य | ३८७, ५१। |
| महाराजफल. | २५४, ५३। | महासर्ज | २७२, २१४। |
| महाराजाम्र | २५४, ५४। | महासह | २७८, २६४। |
| महाराजिक | ३७०, ८, ३७१, २०। | महासहं | २७९, २७६, २९२, ३०५। |
| महाराष्ट्री | ३०४, ४९२। | महासिता | ३०२, ४७३। |
| महारूपक | ४४५, ५७। | महासुख | ४३४, १५५। |
| महारौद्रा. | ३९५, १३८। | महासुगन्धा | १७९, ४२०। |
| महारौव | ३६७, १। | महासूच | ३८८, ७४। |
| महार्हक. | ६१, ३७०। | महासेन | ३९५, १८२। |
| महालम्भ | ३९२, १११। | महास्कन्ध | ३१७, १। |
| महालोल. | ३२८, ९५। | | |
| महालोह. | १९४, ५५६ | | |

महारक्तन्धा २५३, ५५ ।
 महासत्यवी ३११, १५३ ।
 महास्त्रायु ४६, २३८ ।
 महास्वन ४२७, ६८ ।
 महि २, १७ ।
 महिमन् ३२१, १०६ ।
 महिश २०, ५ १७३, २६१ ।
 महिष १८०, ८३१, ३२०, २२, ३५३,
 ८३, ४२६, ८३ ।
 महिषमल्लक १३४, १९ ।
 महिषबलरी २९७, ६८ ।
 महिषवाहन ३८५, ६५ ।
 मटिपाक्षक ६६, ४१२ ।
 महिषार्दन ३९५, १६५ ।
 महिषासुरमज्जोत्य ६६, ४१४ ।
 महिषी १८१, ८३४, ४२६, ८६ ।
 महिषीकन्द १७७, ४१४ ।
 महिषीप्रिया २९०, ३१२ ।
 मही १८३, ४५० ।
 महीक्षत्-राजा ।
 महीज १५३, १८६, २५०, १८ ।
 महीव (वर) = पर्वत ।
 महीप्रावरण ३४४, ४ ।
 महीश्व २७०, १४ ।
 महीलता=सिंचुडक ।
 महीषुत ४०२, ११९ ।
 महेच्छ २१४, २ ।
 महेन्द्र ३८२, २५ ।
 महेन्द्रवास्त्री २९४, ४०९ ।
 महेन्द्रदित्यसंभग ९५, ६२ ।
 महेरण=सङ्क्ली ।
 महेला २०, ६ ।
 महेली २०, ७ ।
 महेश ३१०, ९७ ।
 महेश्वर ३८८, ८० ।
 महेश्वरी १९४, ५५८ ।
 महैला १७२, ३५८ ।
 महोक्त १८१ ४३९ ।
 महोटिका १४९, १५२, ३००, ८५५ ।

महोपल ३५०, १३८ ।
 महोपमाट २१४, ३ ।
 महोदय १०, १६ ।
 महोदयम २१४, २ ।
 महोपासक ८३, १४३ ।
 महोर्णा ५१, २८१ ।
 महावर १४६, १०८, १५३, १०४, १७७
 ६०८, ३०७, ५१९ ।
 महापवी १७३, ३८४, २८८, १५१,
 ३००, ४५९, ३२१, ५५४ ।
 मा ४१९, १५, ४७७, ५२ ।
 माम ४४, २२१, ४७, २०८ ।
 मामकारिन् ४५, २०३ ।
 मात्तनोज ४७, २२९ ।
 मासपित्त ४६, २३१ ।
 मानफलिनी १४८, १४३ ।
 मामामा (या) २९२, ३८५ ।
 माम्बूप १६०, २५० ।
 माम्योनि ४४, २२१ ।
 मामास ४७, २२५ ।
 मामल ३२, १०८, १३८, ५५ ।
 मामलना ४५, २२७ ।
 मामलकला १८९, १५२ ।
 मामविक्रियन् २०५, २९ ।
 मामवार ४५, २२५ ।
 मामस्तेह ४५, २२९ ।
 मासिक २०५, २९ ।
 मासी १४९, १४८ ।
 मामेष्टा ३२८, १०० ।
 माकण्ठी २६०, ११० ।
 माकन्द २५३, ४७ ।
 माक-दी १४६, १२६ ।
 माक्षिक २००, ६११ ।
 माक्षीक १९६, ५७२ ।
 माक्षीकपीतक १९६, ५७२ ।
 माक्षीकशर्करा १५७, २२० ।
 मागव १५, ५८, १२७, ३३२
 १११, २०३, ८ ।

- मागवी १७१, ३४२, ४२३, ५५।
 माघ ४११, ५७।
 माघ्यम्=कुन्दम्।
 माङ्गल्यम्=शुभम्।
 माङ्गल्यसा २९२, ३८९।
 मात्रल २०७, ४९।
 माटा ३०१, ५०२।
 माटि २९१ २९।
 माठर ६९, १०, ८२, १२७, ४३७, १३।
 माड २७०, १२७।
 माटि=पत्रधिरा।
 माग्न. ४९, २६३।
 माणपक ३०, २१, ७०, १३।
 माणव्यम्=माणवस्मूह।
 माणिक्य १९८, ५९०।
 माणिक्या ३२३, ६७।
 मातङ्ग १०४, १४३, २०६, ३५।
 मातरपितरौ ३१, १०८।
 मातरिश्वन् ३७९, १।
 मातलि. ३८३, ३२।
 मातापिन्दो ३१, १०४।
 मातामह ३१, ९७, ३१, १०२।
 मातामही ३१, १०३।
 मातुरीय ८३ १३३।
 मा_मर्त्. ३१, १०३।
 मातुल २८, ७१, २७४, २२८।
 मातुलपुत्रक = तूरफलम्।
 मातुला=मातुलाना।
 मालात्मज २८, ७२, २७४, २२९।
 मातुलान ३६५, १५।
 मातुलानी २७, ६३।
 मातुलाहि ३६५, १५।
 मा_ला २७, ६२।
 मा_लुङ्ग २६५, ३३७।
 मा_लेप २८, ७२।
 मातृ ३१, १०२, १८३, ४५२, २९४,
 ४०८, ३०९, ५१, ३४७, ३१,
 ३९१, १०५, ३९३, १२८।
 मातृ॥ ३२२, ४२।
- मातृकेशर २८ ७१।
 मातृमुख ३३, १२०।
 मातृवस्तल ३९५, १४५।
 मातृवाहिनी ३२८, १०९।
 मातृजासित ३३, १२१।
 मातृष्वसे (स्वे) य २८, ७२।
 मातृष्वसीय=मातृष्वसेय।
 मात्रम्=कात्मन्येव वारणे च।
 मात्रा २२७, ११७।
 मात्रिक ७८, ९२।
 माथ १९, ९५।
 भद्र २३६, ११, २३९, ४६।
 मादन २०१, ६२१, २७४, २२३।
 मादिनीवती २११, ८३।
 माद्री ९२, २४।
 माद्रीपुत्र ९४, ४५।
 मावल ९५, ०६, २११, ८७, २५८, ९०,
 ४५१, १, ४१२, ५९।
 मावलदुम २५४, ५०।
 माववप्रिय ६२, ३७५।
 माववी २, १३, १३६, ३९, १५७, २२०,
 २११, ८५, २७८, २६२ २९९,
 ४५०।
 माववोचित ६४, ३९६।
 माववोद्धव २५६, ७३।
 मावुर्य २१, १४।
 माधूक २१२, ८९।
 माध ८५, १४७, २१२, ८९।
 माध्वी २१२, ९०, २१८, ८६।
 मध्वक १३९, ६५, २११, ८७।
 मान २१, १२, १८९, ५११, ४३१,
 १३०
 मानदा ३९९, १७७।
 मानव २०, १।
 मानवणिज्. २०४, २३।
 मानव्य २४४, ८६।
 मानस ४१७, १०२।
 मानसी ३४८, ४५।
 मानसून ४०४, २१९।

मानसौकम् ३३१, १२१।
 मानस्तोका, ३९४, १०५।
 मानिन् ३१८, ६।
 मानिनी १८०, ८७।
 मानुप २०, १, ७२, ३०।
 मानुष्यक २४४, ८८।
 मान्य ५४, ३०८, ५७, ३३।
 मान्यातृ ९१, २४।
 मान्य ४०४, २१९।
 माप ५१, २०३।
 मासक २८, ७१।
 माशा ९८, ८७।
 माशाकार २०५, २६।
 मायावर्षासुत २६९, ८।
 मायाफल १७८, ४१३।
 मायादिन् ३१९, १८, ३६३, १८।
 मायिक २०४, २४।
 मायिका १७८, ४१३।
 मायिन् २०५, २६, २१८, ३६।
 मायिफल १७८, ४१३।
 मायु ३९२, ११२, ४५६, ४३।
 मायुराज ३८८, ७६।
 मायुर ३४०, २०५।
 मार ४१५, ३६।
 मारजातक ३१९, २०।
 मारजित ३६८, १।
 मारण १३०, ३७९, १३१, २७७, ४५६,
 ४६।
 मारद ४५, २२६।
 मारि १३०, ३७३।
 मारित २३१, १५३।
 मारिष (ब्र) ४२६, ८३।
 मारी ३९३, १२५।
 मारीच ४४०, १०, ३८७, ६७, ४०३,
 २१३।
 मार्त ३७८, १।
 मार्ति ९५, ६०
 मार्कण्डीय ३०७, ५१९।
 मार्कव ३०५, ५०६।

मार्ग १८, ९२, ६२, ३८३, ४००, १८६,
 ४११, ५६।
 मार्गिण ११८, २६७, २२४, ०१।
 मार्गिणा २३६, १२, २३७, २१, २४७,
 ११६,
 मार्गभिन् ३६३, १४।
 मार्गशिरम् ४११, ५६।
 मार्गीर्य ४११, ५६।
 मार्गमिति ८१, ११९।
 मार्गित २३३, १७१।
 मार्जन =लोद्र
 मार्जना ६०, ३६८।
 मार्जार १७२, ३५७, ३६९, ११।
 मार्जारकाठ ३२९, १०३।
 मार्जारकर्णिका ३१५, १८१।
 मार्जारगन्धिका २९२, ३८३।
 मार्जारिणी १४९, १४९।
 मार्जारी ६२, ३८२।
 मार्जिता १७८, २३३।
 मार्तण्ड ४२६, ३।
 मार्दङ्गिक २०५, २७।
 माद्राक २१२, ११।
 मार्ष ४२६, ८३।
 मार्षि ६०, ३६५।
 माल ९, ८, २०६, ३६।
 मालती २७७, २५३।
 मालव १७४, ३७७।
 मालविका १७७ ३९७।
 मालवी १७७, ३८१।
 मालशृङ्ख ३२०, २२।
 माल ४८, २५८।
 मालापट ३०३, ४८६।
 मालाकन्द १७९, ४२१।
 मालाशर २०३, १२।
 मालातृण २८९, ३५८।
 मालादूर्वा २८८ ३५४।
 मालिक २०३, १२।
 मालिका ४८, २५३, ५०, २७०।
 मालिन् ३३७, १७५।

| | |
|------------------------------------|-------------------------------|
| मालिनी. ११, २७, ३९४, १२०। | मितदु. ३४४, २। |
| मालीनक १९३, ५४७। | मितम्पत्र २२४, ८९। |
| मालुक ३०५, ५००। | मिताशन ३७१, १५। |
| मालुयान =मातुलाहि | मित्र ९१, २४, ६९, ९५, ३७०, ८, |
| मालुपत्र. २६७, १७०। | ४३६, १, ३७१, १३। |
| मालूक २८१, २९१। | मित्रयु २२४, ९२। |
| मालूर २६३, १२९। | मित्रदेवत्य ४०१ १९३। |
| माल्य ४८, २५२। | मित्रमित्र. ९९, ९८। |
| माल्यपुष्प ३०२, ४७८। | मित्रयुद्ध २३८, ३३। |
| माल्यपुष्पी. ३०२, ४७६। | मित्रवत्सल २२४, ९२। |
| माल्यवत् ३४२, १२। | मित्रविद्वा ५५४, २४। |
| माटुका ४४९, ९३। | मिथ्यू=अन्योन्यं रहश्च। |
| माष ३३, १२१, १३८, ५४, १९०, ५१५। | मिथिल ६, ३३। |
| माषपणी. २९२, ३८५। | मिथिला १०, १८। |
| माषादिमोदक १६४, २८३। | मिथु (न). ३४०, २०६। |
| माषाशन ११, १०१। | मिथुन ४०४, २२५। |
| माषीण (न) ८, ३३। | मिथ्या ४५९, १९। |
| माण्य ८, ३३। | मिथादृष्टि ४३३, १५१। |
| मासू (स) ४११, ५४। | मिथ्याभियाग ४४७, ७९। |
| मास ४५२, ८, ४४१, १९। | मिथ्यामति ४३३, १५१। |
| मासज्ञ ३३५, १६२। | मिथ्यासाक्षिन् १३३, ८। |
| मासपुष्पी २७२, २७५। | मिरि (री) च १५३, १८६। |
| मासमाल ४१३ ७३। | मिलिन २५२, ३७। |
| मासर =भक्तमण्ड। | मिशि (वि)=मिसि |
| मासाद्या ४०६, ४। | मिशी (वी)=मिसी |
| मासिकम्=मासे देयम्। | मिश्र १०५, १५१, १५३, १८३। |
| मासोपवासिनी ७९, ९५। | मिश्रका ३८३, ३४। |
| मास्म ४५९, १५। | मिश्रेकशी ३७३, ३१। |
| माहाकुल =कुलीन। | मिश्रज ३२०, २९। |
| माहिर ३८२, २४। | मिश्रपुष्पा १५४, १९५। |
| माहिष (घ्य) २०२, ६। | मिश्रकला १४२, १५३। |
| माहिष्मती ११, २५। | मिश्रवर्ण ६७, ४०६, ४३५, १६३। |
| माहिष्मतीपति. ९२, २८। | मिश्रितौदन १५९, २४९। |
| माहिष्य २०२, ६। | मिष ४२८, ९८, ४३०, १२१। |
| माहेयी. १८३, ४५४। | मिषित २५२, ३५। |
| माहेश्वरी. २९५, ४११, ३९१, १०५। | मिष्ठ १६७, ११२। |
| मिष्ठूर १६२ २६५। | मिसि (सी) २९९, ४४८। |
| मित. ३७१, १३। | मिहका ६३, ३८७। |
| | मिहिका. ३४१, ७। |

- मिहिर ४३६, ० ।
 मिहिरण ३८९, ८६ ।
 मीठ १८२, १८८, २३२, १५३ ।
 मीन ३७९, ५०, ४०५, २२६ ।
 मीनकंतु ४५५, ३९ ।
 मीनगोदा ३५८, १०१ ।
 मर्णघातिन् ३३०, ११ ।
 मीमासक ४४, १८२ ।
 मीमासा ४४६ ३६ ।
 मीलित २५२, ३६ ।
 मुकन्द १४७, १३२ ।
 मुकुट ४८, २५० ।
 मुकुन्द ४५२, ५, ३७४, ८५ ।
 मुकुरा ६७, ८२६ ।
 मुकुउ २५२, ३१ ।
 मुकुला ३४८, ४५ ।
 मुक्त २२६, १०२ ।
 मुक्तकञ्चु ३६५, १० ।
 मुक्तवन्वका २७७, २५९ ।
 मुक्ता १९८ ७९२ ।
 मुक्तापुष २७८, २६९ ।
 मुक्ताप्ल १९८, ५९३ ।
 मुक्ताभा २७७, २५८ ।
 मुक्तामातृ ३५७, १२३ ।
 मुक्तायष्टि ४९, २५९ ।
 मुक्तायता ४९, २५९ ।
 मुक्तायली ४९, २५९ ।
 मुक्तायफोट ३५७, १२४ ।
 मुक्ताहर ४९, २०९ ।
 मुक्ति ८८, १८०, ४२४, १५५ ।
 मुक्तिगा १९८, ५९२ ।
 मुख ३५, १८० ।
 मुखघण्टा ४४९, ९५ ।
 मुखजन्मन् ६९, ११ ।
 मुखदूषणगन्ध १४७, १३० ।
 मुखपट ११२, २१५ ।
 मुखभज्ज १४६, १२० ।
 मुखभूषण ११३, ५४६ ।
 मुखभेदिन् १६८, ३१६ ।
 मुखमाची ३०२, ८८० ।
 मुखयन्त्रणा ११२, २१४ ।
 मुद्रा २२२, ७२, ३२८, ९५ ।
 मुद्रादाय ४२७, १३ ।
 मुद्रावानन १७०, ३३७, २५३, ४०,
 २८९, ३६० ।
 मुद्रगोवल १७७, ४०० ।
 मुद्रशाप्रिन् २६२, १२८ ।
 मुद्रामोद १४६, १२० ।
 मुद्रामोदा २६३, १३७ ।
 मुद्रालु १४७, १३० ।
 मुद्रामव ४७, २४५ ।
 मुद्राद्व ७८, ३४७ ।
 मुद्य ४६, २१२, २२६, १० ।
 मुच्याश्रमी ७०, १२ ।
 मुचुकुन्द २७८, २६५ ।
 मुचुटि ४० १७८ ।
 मुज्ज २८७, ३३९ ।
 मुज्जनक २८७, ३६० ।
 मुज्जवत २९६, ४२७ ।
 मुण्ड १७३, ३६४, १८२, ४४३, १११,
 ५२६, १९४, ५५६ ।
 मुण्डक २०४, २० ।
 मुण्डन १९४, ५५८ ।
 मुण्डा ३०९, ५३८ ।
 मुण्डन ३३ १२२ ।
 मुण्डन् २०४, २१ ।
 मुद ३१०, ७४३ ।
 मुद(दा) ४१७, ८६ ।
 मुदागम २४१ १८ ।
 मुदिर २१९, ४६, ३९६, १५२ ।
 मुद्र १३८, ५७ ।
 मुद्रपर्णी २९२, ३८७ ।
 मुद्रकणी=शिखिकलविशेष ।
 मुद्रर १२४, ३१८, २७७, २५३ ।
 मुद्रक २९५, १७ ।
 मुद्राद ३२३, ५० ।
 मुद्राशन ११०, १९१ ।
 मुद्रङ ८, १ ।

- मुद्रण ९७, ७२ ।
 मुद्रा ९७, ७२ ।
 मुद्रिणी ४७४ ३७१ ।
 मुद्रित २५२, २६ ।
 मुवा ४७८, ४ ।
 मुि (नी) ८८, १७५, २५४, ५०, २६४,
 १४१, २८०, २८३, ३७१,
 १५, ३६८, ५ ।
 मुनिखर्जुरिका २५८, ८८ ।
 मुनिहुम २६६, १६४, २७५, २४०,
 २८४, ३११ ।
 मुनिपुत्र ३३४, १५० ।
 मुनीन्द्र ३६९, ७ ।
 मुरज ४२४, ६३ ।
 मुरन्दला ३४८, ३८ ।
 मुरमर्दन =विष्णु ।
 मुरला ३४८, ३८ ।
 मुरलि (ली) ४८५, ७३ ।
 मुरा=तालपर्णी ।
 मुसुर ३७८, १५, ४५५, ८२ ।
 मुश्ली ३२५, ६६ ।
 मुश (म) ल्य २८३, ३०६ ।
 मुषित २३०, १४९ ।
 मुष्क ४३, २११ ।
 मुक्कमास ४५, २२८ ।
 मुष्टि ४०, १९८, १२२, २०५, १९०,
 ५१७ ।
 मुष्टिक २०३, १६ ।
 मुष्टित २३०, १४९ ।
 मुष्टिवन्व २४०, ५२ ।
 मुष्टिमुष्टि १२७, ३४३ ।
 मुस (श) ल १२४, ३२३, १४२, ९० ।
 मुसलिन् ४५५, ३५ ।
 मुसली ३२५, ६८ ।
 मुसल्य २२३, ८६ ।
 मुस्तक ३६६, २५ ।
 मुस्ता=मुस्तकम् ।
 मुस्ताच ३२०, २७ ।
 मुस्तु ४०, १७९ ।
- मुहु क्रोधिन् २०६, ४० ।
 मुहुसुहुम् ४७७, २ ।
 मुहुस् ४५७, २ ।
 मुहूर्त ४०८, २२, ४११, ५२ ।
 मूक ३३, ११८, २२२, ७५, ३५१, ७३ ।
 मूडदर ३२३, ५५ ।
 मूढ =मूर्ख ।
 मूढि ५७, ३२० ।
 मूत्र ४७, २४६ ।
 मूत्रकन्छ ५७, ३३२ ।
 मूत्रदोष ५७, ३३३ ।
 मूत्रपुट ४२, २०० ।
 मूत्रवर्त्मरोव ५७, ३३२ ।
 मूत्रला १५०, १६० ।
 मूत्राघात ५७, ३३२ ।
 मूत्राशय ४२, २०० ।
 मूत्रित २३२, १६१ ।
 मूर्ख ३३, ११९ ।
 मूर्छना ४१७, ५ ।
 मूर्छा ५५, ३२०, १२९, ३६९ ।
 मूर्छिल =मूर्छित ।
 मूर्छित =मूढ
 मूर्त २२९, १३५ ।
 मूर्ति ३४, १२९ ।
 मूर्तिमत् ३४, १२८ ।
 मूर्त्ति ५७, ३२० ।
 मूर्खोल १७ ५९, २०४, २५ ।
 मूर्धन् ३५, १३२ ।
 मूर्धाद्रि ३४२, ९४ ।
 मूर्धाभिषिक्त ८९, ३ ।
 मूर्धावसिक्त २०२, ५ ।
 मूर्धा २९१, ३७८ ।
 मूल १४५, ११२, ४०१, ११३, ४२४,
 ६३ ।
 मूलक १४५, ११३, १७६, ३९९ ।
 मूलकारिका ४२६, ८० ।
 मूलग्रन्थि २८८, ३५५ ।
 मूलजिह्विका ३८, १६० ।
 मूलदेव २०७, ५२ ।

| | | | |
|----------------------|---|---------------------|---------------------------------|
| मूलधन. | १८६, ४७८। | मृगायु | २०६, ३७, ४३९, ६। |
| मूलप्रकृति | १००, १०१। | मृगरसा | ३०३, ४८९। |
| मूलभद्र | २०७, ५२। | मृगरेग | ५४, ३०८। |
| मूलयोनी | १७१, १०३। | मृगरामेत्य | ५१, २८८। |
| मूलवस्तु | ४१६, ९३। | मृगलण्ड | २६४, १८०। |
| मूलविभुज | १०३, १२०। | मृगवथ नीव | २०६, ३८। |
| मूलिका | ३६०, १५०। | मृगवद्धम | २७०, २००, २८९, ३७७। |
| मूली | ३३३, १५३। | मृगव्य | २०७, १६। |
| मूल्य | १३३, ६, १८६, ८०८, २३१, ८३। | मृगशिरम | ४००, १८६। |
| मूष (क) | २०२, ६६, ३२३, ५४। | मृगशीर्ष | ४००, १८६। |
| मूषकमारी | ३०५, ५०५। | मृगा | ३०३, ४८९। |
| मूषकराति | ३१९, १०। | मृगाक्षी | २१, -१, १५१, १६५। |
| मूषवाहन | २, ११। | मृगाङ्क =चन्द्र | । |
| मूषा | २०९, ६६। | मृगादन | ३१९, १०। |
| मूषिकपर्णी=मूषकमारी। | | मृगादिनी | १५१, १६५, २९४, ४०६ ३०३, ४९०। |
| मूषिका | ३२३, ५५, २०९, ६६, ३०५, ५०५। | मृगान्तक | ३१८, १०। |
| मूषित | २३०, १५१। | मृगित | २३३, ०७। |
| मूपी | ३२४, ५७। | मृगी | १४९, १८८। |
| मूर्खीकक | ३२३, ५८। | मृगेश्वणा | १५६, १६०। |
| मृक्षण्ड | ४४०, १४। | मृगनद्र | ३१७, ०। |
| मृग | ६२, ३८३, १०४ १४२, १०५, १५१, २३६, १०, ४००, १८५। | मृगवर्ण | १५१, १६५। |
| मृगगामिनी | १७२, ३५३। | मृगा | ६०, ३६५। |
| मृगधर्मज | ६३, ३९२। | मृड | ३८८, ८०। |
| मृगचर्मिका | १५१, १६६। | मृडानी | ३९३, १२६। |
| मृगणा | २३६, १२। | मृणाल | ६४, ४०९, ३६०, १८६। |
| मृगतृणा | ४३८, १९। | मृणालकण्ड | ३३०, ११६। |
| मृगदंशक | २०६, ३८। | मृणालिका | ३६०, १४६। |
| मृगवूत्तेक | ३१९, १३। | मृत | ३, २०। |
| मृगनाभि | ६२, ३८२। | मृत | ७३, ४४, २३१, १५३। |
| मृगवति | ३१८, ४। | मृतजीव | २७७, २३९। |
| मृगपिच (च) | ३९९, १७३। | मृतमजीवनी | ३१४, ७८४। |
| मृगपिण्ण | ३९९, १७३। | मृतम्भात | २१७, ३१। |
| मृगबन्धनी | २०८, ५५। | मृतालक्ष्म=हुवरिका। | |
| मृगभद्र | ६२, ३८३। | मृत्कर | २०३, १२। |
| मृगया | २०७, ४६, २३६, १२। | मृत्करा | ३५७, १०२। |
| मृगयाकुशल | २०६, ४२। | मृत्थार | १४५, ११३। |

मृत्तिका ३, २० ।
 मृत्तिकालान ६१, ३६८ ।
 मृत्यु ३८५, ४९ ।
 मृत्युजय ३८९, ८३ ।
 मृत्युनाशन १९७, ५८४ ।
 मृत्युसेवक ५४, ३०३ ।
 मृत्सा ३, २१ ।
 मृत्सासंघ १९५, ५६६ ।
 मृत्सा ३, २१ ।
 मृदग ४२४, ६३ ।
 मृदगफल १४८, १३८ ।
 मृदगवलिनी २९३, १९३ ।
 मृदा ३, २० ।
 मृदु २२९, १३७ ।
 मृदुगमिनी ३३१, १२६ ।
 मृदुच्छद २७०, ११४ ।
 मृदुच्छदा २८९, १६२ ।
 मृदुताल २७०, ११५ ।
 मृदुत्खच् २७१, २०७ ।
 मृदुपत्र २८८, ३४९, २८९, ३६४ ।
 मृदुपत्रा १५१, १७० ।
 मृदुपर्वत् १४६, १२६ ।
 मृदुफल २५६, ६८ ।
 मृदुल २२९, १३७ ।
 मृदुलता २९०, ३७२ ।
 मृदुम २६८, १७९ ।
 मृद्ग १९३, ५४६ ।
 मृद्वी ११५, ५६६, २५२, ९४, ३१०,
 ५४९, ४१७, ७ ।
 मृद्वी (का) २५९, ९४ ।
 मृध १२७, ३४४ ।
 मृषा ४५९, १९ ।
 मृषाध्यायिन् ३३०, १११ ।
 मृष्ट १५३, १८८, २२६, १०६ ।
 मेक १८५, ४७० ।
 मेकल ३४२, १४ ।
 मेकलरूप्यका ३४८, ३८ ।
 मेकलाद्रिजा ३४८, ३८ ।
 मेखला ५०, २६७, ७०, १६, ३००,
 ४५९, ३४२, १८ ।

मेखलारठ १२३, ३१० ।
 मेखलिन् ७, १३ ।
 मेघ २७०, २०, ३९६, १४८ ।
 मेघकर ३१७, १५९ ।
 मेघकारक ३८०, ६ ।
 मेघर्जीवत् ३३३, १४६ ।
 मेघर्योतिस् ३१७, १६१ ।
 मेघनाद ३८७, ६७ ।
 मेघनादाचुलानिन् ३२९, १०५ ।
 मेघनामन ३०८, ५२१ ।
 मेघनिधोप ३१७, १६१ ।
 मेघपुष्प ४५४, २७ ।
 मेघभव ३१७, १६० ।
 मेघमत्त ३२९, १०४ ।
 मेघमाला ३१७, १६० ।
 मेघवर्ण ३७३, ८ ।
 मेघःहन ३८१, १९ ।
 मेघानन्दा ३३०, ११२ ।
 मेघारि ३८०, ७ ।
 मेघास्थि ३१७, १६० ।
 मेघ हिवपुजिका ३१७, १५९ ।
 मेचक ४१, १३४, ३२९, १०७, ४३५,
 १६३ ।
 मेठ १०२, १८१ ।
 मेड १८५, ४७१ ।
 मेड ४३, २०८ ।
 मेष्ठ १०९, ७८, ।
 मेशा १४४, ११० ।
 मेये (टि) १३४, १७ ।
 मेपिनी १५४, ११४ ।
 मेयी १५४, ११४ ।
 मेदक २८३, ३७० ।
 मेदस् ४४, २२१ ।
 मेदमारा ३०९, ५४० ।
 मेदस्क्तु ४७, २२७ ।
 मेदावती ३०९, ५४० ।
 मेदिनी २, १०, २६०, १६९, ३०९,
 ५४० ।
 मेदुर २२१, ६४ ।

मेदुरा २९२, ३८३ ।
 मेदोज ४७, २३० ।
 मेदोदोप ५७ ३३४ ।
 मेदाह्वा ३०९, ५४० ।
 मेदोयोनि ४४, २२१ ।
 मेव ७४, ६९, ७१ ६० ।
 मेवा ४३३, १४८ ।
 मेवाकृत् ३०१, ५६९ ।
 मेवाजनि ६९, ७ ।
 मेवाजित् ८३, १३५, ३३३, १३९ ।
 मेवारुद्र ८४, १८० ।
 मेवाविन् ७४, ५१, ३३३, १४० ।
 मेवाविनी ८०५, ४३७, ३३३, १४० ।
 मेवहा १७१, ३८६ ।
 मेवि (यि) १३४, १३ ।
 मेघिर २१९, ८८ ।
 मेघ ६६, ४१५, १८१, ८७०, २२५,
 १०५, २८३, ३०७ ।
 मेघा ६३, ३९१, १७२, ३५५, २७६,
 २४९, २८३, ३३२, २९५, ४१४,
 २९८, ४४२, ३११, ५५५ ।
 मेघाच १३७, ४२ ।
 मेनका ३७२, २९ ।
 मेन ७५, ५१ ।
 मेनकापति ३४६, ५ ।
 मेनाद १८१, ४६९ ।
 मेर ३४१, ५ ।
 मेहसा ४०७, २१ ।
 मेहतुष्ठ ३२७, ८७ ।
 मेखूज ३, २५ ।
 मेल २४२, ७३ ।
 मेला ९६, ७० ।
 मेलग्नु ९६, ६९ ।
 मेलिक ८५, १४९ ।
 मेष १५२, १७४, १८१, ४७१, ३१२,
 ११०, ४०४, २२५ ।
 मेषकम्बल =ऊर्णायु ।
 मेषशृङ्ग ३६६, २४ ।

मेषशृङ्गी २६७, १६६ ।
 मेपी १८७, ८७२ ।
 मह ५७, ३३३ ।
 मेहन २६४, १८३ ।
 मैत्रावस्थण ८२, १२५, ८३, १३०, ४०४,
 २२० ।
 मैत्रावस्थण ४०४, २ ९ ।
 मैत्री=मौहार्दम् ।
 मैत्रेयिका २३८, ३३ ।
 मैत्र्यम्=मौहार्दम् ।
 मैयिली ४१३, १६ ।
 मैयुनम्=सुतम्
 मैरथ २१२, ८९ ।
 मात ८८, १८०, ४३४, १५३ ।
 माक्षक २६४, १४२ ।
 मोघ २२९, १४९ ।
 मोघपुष्पा २४, ४२ ।
 माघ १७२, ३५२ ।
 मोचक =शोभाजन ।
 मोचा २५५, ६१, २८२, २९९ ।
 मोची २०९, ६२ ।
 मोटा ३०३, ४८७ ।
 मोद्यायित २१, १३ ।
 मोत २८२, २९९ ।
 मोद २५४, ५२, ४१५, ८७ ।
 मोदक १६३, २७६ ।
 मोदकवल्लभ २, १२ ।
 मोदकी १५६, २१३ ।
 मोदनी १४६, १२७ ।
 मोदिनी १७३, ३६०, २७७, २५७,
 २७८, २६२ ।
 मोरट १५८, २२७, २९६, ४२०, ३१५,
 ५८८ ।
 मोरटा २५१, ३७९ ।
 मोरिका ७, ८० ।
 मेपक २०७, ४८ ।
 मोह १२९, २६१, ४५६, ४७, ४२४
 १५० ।
 मोहकर २७०, १०८ ।

| | | |
|------------------------|--------------------------------|--|
| मोहन | ४३, २१०, २७४, २२८, ४५६, ४६। | य. |
| मोहनिक | ४१२, ५८। | यकृत् ४५, २२८। |
| मोहा. | ३३६, १६६। | यक्ष २०६, ४३, ३७२, २४, ३७३, ३४, ३८७, ७०, ३८८, ७७। |
| मोहावीक्ष | ४२९, १०७। | यलकर्दम ६४, ३९७। |
| मोहि | ५५, ३२०। | यथधूपक ६६, ४१६, २६९, १९९। |
| मोहिनी | १५१, १७२। | यक्षनिश ४११, ८। |
| मौकुलि. | ३२८, ९७। | यक्षरा (ज.) ट-कुवेर। |
| मौक्तिक. | १३४, १९, १९८; ५९३। | यक्षवास. २५९, १०१। |
| मौक्तिकतण्डुल | १३७, ४४। | यक्षिन्न ५१, २११। |
| मौक्तिकतुक्ति | ३५७, १२८। | यक्षेश्वर ३८७, ६२। |
| मौक्तिकाशन. | ३३१, १२१। | यक्षोदुम्बर २५९, १००। |
| मौञ्जी | ७०, १६। | यक्षम (न.) ५५, ३१८। |
| मौञ्जीपत्र. | २८७, ३४६। | यजत ३९९, १७४। |
| मौद्र. | ८, ३४। | यज्ञ ७३, ८०, ३९२, ११०। |
| मौद्रीन. | ८, ३३। | यज्ञमान. ७७, ६०। |
| मौन | ७१, २६। | यजुर्विद् ७७, ६१। |
| मौरजिक | २०५, २७। | यजुम्. ४४२, ३२। |
| मौर्वी | ११८, २६३। | यज्ञ ४४०, १४, ७५, ५७, ४५१, १, ३७७, ११। |
| मौल. | १००, १०१। | यज्ञजा. ९४, ४७। |
| मौलि. | ३५, १३३, ४८, २५१। | यज्ञपात्र ७८, ८४। |
| मौलिमत् | ३७३, ३४। | यज्ञपुस्प ४५१, ६। |
| मौष्ठ-मुष्ठिकीडा। | | यज्ञभूषण २८७, ३८३। |
| मौद्वृत्तिक =दैवज्ञ। | | यज्ञवल्ली २९६, ४२३। |
| मौद्वृत्तिन् | ९६, ६६। | यज्ञवह ३८४, ४६। |
| प्रक्ष | ४२६, ८०। | यज्ञवृक्ष २६०, १०३। |
| प्रक्षण | १५७, २२३। | यज्ञशत्रु ३६२, १२। |
| म्लान | ६०, ३५७, २२५, १०५। | यज्ञशोष ७९, ९५। |
| म्लाना | २४, ४०। | यज्ञश्रेष्ठ २९६, ४२०। |
| म्लिष्टू-अस्फुटम्। | | यज्ञसृत्र ७०, १५। |
| म्लेच्छ | १९५, ५६४, ४४३, ४१। | यज्ञसेन ९४, ५२। |
| म्लेच्छकन्द | १४६, १२८। | यज्ञस्तम्भ ७७, ७६। |
| म्लेच्छदेश =प्रत्यन्त। | | यज्ञहन् ३७३, ३६। |
| म्लेच्छदेशोऽङ्गव | ५१, २८२। | यज्ञाङ्ग =उदुम्बर। |
| म्लेच्छद्विष्ट | ६६, ४११। | यज्ञान्त ७७, ६५। |
| म्लेच्छभाषा | ४४३, ४०। | यज्ञार्हा २९६, ४२२। |
| म्लेच्छवक्त्र | १९३, ५४३। | यज्ञाशन ३६२, ३। |
| म्लेच्छित. | ४४३, ३। | यज्ञिक (य). ८०, १०६। |

| | | | |
|-------------------|---|------------------------|--|
| यज्ञिय | २५९, ९८, २६०, १०६, ४१४, ५०। | यमक | २४६, ६०। |
| यज्ञापवानिन | ७०, ३०। | यमदंगा | ६२४, ३२२। |
| यज्ञ | २०२, १। | यमदमि | ४०२, २१८। |
| यज्ञन | ७१, ६३। | यमदगल | ४००, १८८। |
| यत् | ४१८, ५। | यमदुम | २६६, १०६। |
| यतम् | ४१८, ५। | यमन | ३८३, ५०। |
| यताह | १७८, ८१। | यमनिका=जवनिका। | |
| यति | ८७, १७३। | यमराज | ३८०, ८८। |
| यतिन् | ८८, १७४। | यमल | ३४० २०६। |
| यथा=साम्ये। | | यमवाहन | १८१, ४३२। |
| यथारूप | ९९, ९१। | यमस्तम् | ३४७, ३७, ३९३, १२६। |
| यथाकामिन् | २१६, २८। | यमानि-का=यवानी। | |
| यथाजात | ३३, १२०। | यमी | ३४७, ३७। |
| यथातथम् | ४७९, १९, ४४७, ७०। | यमुना | ३४७, ३७। |
| यथातया | ४१९, १२। | यमुनार्कण | ४७९, ८०। |
| यथादेशन | ९९, ९१। | यमुनाचा (तु) ता=यमराज। | |
| यथान्वाय | ९९, ९१। | ययाति | ९२, १। |
| यथायथम् | ४७९, ९९। | ययु | ११०, १९८। |
| यथारूप | ९९, ९१। | यव | १३७, ८२, १९०, ५१४। |
| यथार्थम्=यथायथम्। | | यवक्य | ७, ३२। |
| यथार्हवर्ण | ९६, ६४। | यवक्षार | =य-गार। |
| यथास्थित | ४४७, ७२। | यवगणितका | ३३३, १५८। |
| यथास्तम् | ४७९, ९९। | यवज | १५५, २०२, १७१, ३४८। |
| यथेपित | १८०, ४२८। | यवतिका | २९५, ११०। |
| यथेष्टम् | १८०, ४२८। | यवद्रवक | २८७, ३४६। |
| ययोचित | ९९, ९०। | यवन | ६, २९, ६३, ४०९। |
| यद् | २३१, १५६। | यवनमर्दन | ४१४, २५। |
| यदा=यहि। | | यवनल | १३७, ४६। |
| यदि | ४७९, १२। | यवनेष्ट | १४५, ११६, १४७, १२९, १५३ १८७, १९३, ५४८, २६५, १५४। |
| यद्वच्छा | २३५, ४। | यवनेष्टा | २१८, ८५। |
| यद्विष्य | २२४, ९। | यवफर | १४६, १२२, २६८, १७७। |
| यद्वद | २२२, ७४। | यवरा | २५८, ८७। |
| यन्तु. | १०४, १३९। | यवश्वक | १७८, ४१। |
| यन्त्र | २०२, ६६। | यवस | २८९, ३६३। |
| यन्त्रसद्ग्रन् | १४, ५०। | यवसंभव | १३७, ४४। |
| यन्त्रित | २८३, ८२। | यवसाय | १७१, ३४८। |
| यम | ८७, १६२, २४१, ६०, ३७३, ३४, ३७१, २०, ३८४, ४४, ३८५, ४७, ४०९, ३३, ४४४, ४५। | यवसार | १७८, ४१। |

यवा २७९, २७४ ।
 यद्यगू १५९, २४२ ।
 यद्यप्रज १७१, ३४८, १७८, ४११ ।
 यद्यानी १७१, ३४९ ।
 यद्यामक ३००, ४६३ ।
 यद्यिष्ठ २९, ८७ ।
 यद्यी (यस्) यान्=कल्नीयान् ।
 यद्यीयस १९३, ५४१ ।
 यद्योदक १५५, २०२ ।
 यद्योद्धूता ३११, ५५१ ।
 यद्य ७, ३२ ।
 यश पटह ४२४, ६५ ।
 यशस् ४४८, ८४ ।
 यशस्करी २९२, ३१० ।
 यशस्या ३१०, ५४३ ।
 यशस्विनी २९५, ४१६ ।
 यशोद १९७, ७४१ ।
 यष्टि (ष्टी). ४९, २५९, ११७, २५९,
 १२३, ३१४, १७६, ३८९ ।
 यष्टिका १७७, ४१६, ३७८, १२३ ।
 यष्टिकामधु १७६, ३८९ ।
 यष्टिमधु (ध्रु) कम्=यष्टिकामधु ।
 यष्टृ ७९, ६२ ।
 यसु ३७७, ९ ।
 यह १०३, १३० ।
 याग ७५, ५७ ।
 यागसंतान ३८३, ३१ ।
 याचक १२६, ३३३, २२४, ९१ ।
 याचनक २२४, ९१ ।
 याचना ८१, १११, २३७, २०, ३६७, ५ ।
 याचित ७३, ४४, १३३, ४ ।
 याचितकम्=याच्चाप्राप्तम् ।
 याच्चा ८१, १११, २३७, २० ।
 याच्चाप्राप्त १३३, ४ ।
 याजक =ऋत्विक् ।
 याजन ७३, ४२ ।
 याज्ञभिचारज १४, ५३ ।
 याजुष ३६६, १६९ ।
 याज्ञवल्क्य ८३, १३१ ।

याज्ञसेनी ९४, ४८ ।
 याज्ञिकपत्रक २८७, ३४४ ।
 यात १०८, १७६ ।
 यतना ३६७, ५ ।
 यातयामम्=जीर्ण परिमुक्तं च ।
 यातु ९७, ७८, ३८६, ५९ ।
 यातुवान ३८६, ५६ ।
 यातृ २७, ६४ ।
 यात्रा १२५, ३२८, ४३०, ११७ ।
 याद पति ३८७, ६८ ।
 यादव ४५४, २९, ४५३, २२ ।
 यादवी ३९३, १२७ ।
 यादवेन्द्र ४५३, २३ ।
 यादस् ३४४, १० ।
 याद्यापति ३४४, ५ ।
 यादोगृह ३४५, १२ ।
 यान ९७, ८०, १०४, १४१, ११३,
 २२८ ।
 यानपात्र ३५१, ६५ ।
 यानमुख १०४, १३७ ।
 यापत २६३, १३५ ।
 याय २२५, १०३ ।
 याम ३१, ९७, ५३, २९६, २४१, ६०,
 ४०९, ३३ ।
 यामनाडी ४०७, २१ ।
 याममाल ४०५, ३ ।
 यामातृ ३४, १२४ ।
 यामि २०, ७ ।
 यामिनी ४०९, ३८ ।
 यामी २०, ७, ३७५, ५७ ।
 यामुन १९६, ५७३ ।
 याम्यसमव २७०, १९५ ।
 याम्या ४०९, ३५ ।
 यायजुक ७५, ६३ ।
 यायावर ८३, १३२, ११०, १९८ ।
 याव =लाक्षा ।
 यावक १६०, २४४ ।
 यावत्=साक्ष्ये ।
 यावन =सिह ।

यावनाल १३७, ४६, २८६, ३३७ ।
 यादनली १५७, २२१ ।
 यावी २९५, ४११ ।
 यावेय ७, ३२ ।
 यार्षक ११५, २६९ ।
 यास ३०१, ४६८ ।
 युक्त ९९, ९९ ।
 युक्तम् ४१९, १८ ।
 युग १०४, १३६, १८७, ४९३, ३४०,
 २०६ ।
 युगकीलन्=शस्या ।
 युगच्छद् २७४, २३० ।
 युगन्वर १०४, १३६, ३४२, ११ ।
 युगपत् ४६०, २७ ।
 युपत्रक २६७, १७० ।
 युगपार्थस्य १८२, ४८८ ।
 युगल ३४८, १२६, ३४०, २०६ ।
 युगाश ४१३, ७३ ।
 युगान्तर १०४, १३८ ।
 युग्म ३४८, १२६, ३४०, २०६ ।
 युग्मफला २६८, १७५, २९६, ८२९ ।
 युग्म्य ११३, १२८, १८२, ४८८ ।
 युग्म्या ११८, २६६ ।
 युत २३६, १४ ।
 युतक ३४०, २०६ ।
 युद्ध १२८, ३५९ ।
 युद् १२७, ३४९ ।
 युधिष्ठिर ९३ ३८ ।
 युर्गति (ती) २१, ८ २२, २१ ।
 युत्ताष्ट्या २७८, २६३ ।
 युवन् ३०, ९८, १०५, १५०, २८५,
 ३२३ ।
 युवनाश्वज ९१, २४ ।
 युवराज १०१, ११० ।
 युष्मद् २३१, १५६ ।
 युक्त ५७, ३१८, ३३९, ११२ ।
 युक्ताण्ड. ३३९, ११४ ।
 यूक्तास २७२, २१२ ।
 युय १०७, १६२ ।

यूयनाथ १०६, १५९ ।
 यूयप १०६, १५९ ।
 यूयिका २७८, २६२ ।
 यूनी २२, ८ ।
 यूप ७७, ७६ ।
 यूपकटक ७७, ७६ ।
 यूपर्ण ७७, ७६ ।
 यूपात्र ७७, ७७ ।
 यूप १६०, ८१० ।
 योक १३४, १३ ।
 योग ८४, १४४, ८७, १७३, ४०६, ७ ।
 योगचर ९६, ६१ ।
 योगभिद् ८७, १६८ ।
 योगर १२३ ३०८ ।
 योग (गा) रह २६२, १२४ ।
 योगिद्वड १४६, १२६ ।
 योगिन् ४४०, १, ८७, १७३, ९३,
 ६३, ३१०, ९५ ।
 योगिनी ३९४, १३२ ।
 योगिनीपुर ११, २१ ।
 यागिमार्ग ३, ३३ ।
 यार्याद् १९३, ५४८ ।
 योगश ८३, १३१ ।
 योगेयम्=सीमकम् ।
 याग्यम्=वृद्धि (योविमेद)
 योग्या १०३, १२१, ३१०, ५४२, ४२८,
 २२ ।
 योजनगन्धा ८२, १२८ ।
 ४५३, १७ ।
 योजनवल्ली १७४, ३६९ ।
 योननी १७४, ३७२ ।
 यात्र १३४, १३ ।
 योद्ध ११३, २२५ ।
 योव ११३, २२५ ।
 योनिलि १३७, ४७ ।
 योनि ४३, २०४ ।
 यानिकन्द ५९, ३७५ ।
 योनिसमुद्धव ५९, ३५४ ।
 यानी ४३, २०४ ।

योगा २०, ५, २२९, ८६।
योगित् (ता) २०, ५।

यौगिक ८४, १४५।

योतकम्-सुदाय ।

यौवत २५, ५०।

यौवन ३०, ८८।

यौवनाढ्या २२, २१।

यौवनी ३०, ८८।

४

रंहम्-ज्व ।

रक्त १९२, ५३६, १९५ ५६२, ४३५,
१६५।

रक्तक २५४, ५०, ३२९, १०८।

रक्तकुमुम् २७१, २०६, २८३, ३०५।

रक्तकुसुम्ब १३८, ८९।

रक्तकेमर २८३, ३०४।

रक्तगर्व १७३, ३६३।

रक्तचब्द ३३३, १४०।

रक्तचन्दन ६२, ३७६।

रक्तचूर्ण १९७, ५८०।

रक्तजिह ३१८, '९।

रक्ततुणा २८९, ३६१।

रक्ततेजोज ४४५, २२७।

रक्तदन्ता ३१४, १३५।

रक्तदला ३१२, ५५९।

रक्तदालिक १३९, ५८।

रक्तवा॒ १९५, ५६५, ३४३, २५।

रक्तनाल १५२, १७४।

रक्तपत्री १७९, ४१९।

रक्तपर्णक ३३५, १६०।

रक्तपठन २७१, २४२।

रक्तपा॒-जड़ैका।

रक्तपादी ३१३, ५७०।

रक्तपायिन् ३२६, ७९।

रक्तपिण्ड १४७, १३७।

रक्तपित्त (पीत) ५५, ३१६।

रक्तपुष्प २५७, ७७, २७७, २३८, २७९,
२९२।

रक्तपुष्पा ३१२, ५६२।

रक्तपुष्पिका ३१४, ७७८।

रक्तपसव २७८, २६६।

रक्तफल २५७, ७७, २५९, १०२।

रक्तफला १४९, १४९, १४९, १५३।

रक्तवीज २५७, ७६, ३६३, १९।

रक्तवीजा १४८, १४३, २८६, ३३५।

रक्तमरिच १४६, १२०।

रक्तमाणिक्य १९८, ५२१।

रक्तमूल २६८, १८१।

रक्तयष्टिका १७४, ३७०।

रक्तैवैतक २५७, ८४।

रक्तला २९१, ३८०, २९७, ४३२।

रक्तवटी ५५, ३१३।

रक्तवर्ण १९३, ५४४, ३७६, २।

रक्तग्रन्थिन् ३३६, १७२।

रक्तवृक्ष ८८, १७४।

रक्तविटप ३०७, ५२०।

रक्तशालि १३४, १८, १३५, २५।

रक्तशूक १३५, २५।

रक्तसंध्यकम्=हलकम्।

रक्तसरोहम्=कोऽन्म्।

रक्तसर्वप १४०, ७१।

रक्तसार ६२, ३७६, १५५, २०६, २८३,
३०५।

रक्ता १७४, ३६९, १७४, ३७२, २९७,
४३३।

रक्ताक्ष १८१, ४३०, ३३३, १४४।

रक्ताङ्गुर १९९, ५९७।

रक्ताङ्ग ३२६, ७९, ४०२, १९९।

रक्तावार ४७, २४०।

रक्तापह १७३, ३६३।

रक्तामिलातरु २७९, २७७।

रक्ताम्बर ८५, १४७।

रक्ताम्र २५४, ५०।

रक्तार्ति ५७, ३३१।

रक्तिका २९७, ४३३।

रक्तेर्वास २९४ ४०७।

रक्तोत्पल २८२, २२९।

रक्तोद्धव ५८, ३४७।

| | |
|---------------------------------------|--|
| रथ मध्यम=रथे गृहम् । | रजन्मिल १८०, ४३१ । |
| रक्षम ३७२, २५, ३७३, ३५, ३८६, ५९ । | रजन्मला २४४, ४० । |
| रक्षा ७७, ८१, २३९, ४०, ३७८, २० । | रजावल ३६६, ५ । |
| रक्षित २३३, १७३ । | रन्. ह ४३०, १२ । |
| रक्षिणी २०९, ६३ । | रञ्जन १८४, ४१०, २०८, ५१, ३५०, ६४ । |
| रक्षितर्ग ९०, १२ । | रञ्जन १९३, ५३१, ३३७, १६६ । |
| रक्षोग्र १५४, १९७, १५५, २१ । | रञ्जन १५३, १६, १९७, १८०, २४७, ३३९ । |
| रक्षोग्र. १७२, ३५४ । | रञ्जनक २६६, १२० । |
| रक्षोजनना ४०९, ३५ । | रञ्जन १५८, १००, ८९८, ८१० । |
| रक्षोदन्त ९२, ३२ । | रण १२७, ३ ।, २३०, ४० । |
| रक्षोदेवत्य ४०१, १९३ । | रणप्र ८०, १०३, ३२७, ९२ । |
| रक्षोहन् ६६, ८१० । | रणसत्त ३२७, ९ । |
| रघुकार ८४, १४० । | रणरण ३३८, ९८०, ४२९, १५ । |
| रघुनन्दन ४५२, १३ । | रणरणक ४१३, ४२ । |
| रघुनायक ४५२, १४ । | रणालद्वाण ३२८, ९३ । |
| रङ्ग ३२२, ३९ । | रण्डा २२, २३, २४, १६ । |
| रङ्ग १७०, ३३७, १९३, ५४५, ४२२, ५० । | रथस्था १०४, १८१ । |
| रङ्गक्षार १७८, ४०७ । | रथकार २०३, १, २०३, ११ । |
| रङ्गण ३२७, ९० । | रथकुटुम्बिक १०४, १८० । |
| रङ्गद १७०, ३३५, १७८, ४०७ । | रथगुप्ति १०४, १३९ । |
| रङ्गवा १९८, ५८६ । | रथदु=अनिहुक । |
| रङ्गड़ा १९८, ५८६ । | रथपाद १०३, १०४ । |
| रङ्गमातृ १७४, ३७२ । | रथस्था ३४८, १८ । |
| रङ्गज्ञा १९८, ५८६ । | रथाङ्ग १०३, १३४, १०४, १३९, २७१, २०८, ३३१, १२० । |
| रङ्गजीव २०३, १४ । | रथाङ्गी ३१०, ५४२ । |
| रङ्गिणी २१७, ४३६ । | रथादय २५७, १८ । |
| रचना ४८, २५८, २३७, २३ । | रथिक १०४, १००, ११६, २४७ । |
| रचित. २३३, १७५ । | रथिन्(र) १०४, १८० । |
| रजक २०४, २२ । | , (न) ११६, २८० । |
| रजत १९३, ५३२, १९३, ५४१, ४३४, १६० । | रथष्ठा ३४८, ४४ । |
| रजतप्रभ २९६, ४०५ । | रथ्य १११, ११२, १८२, ४८९ । |
| रजतादि ३४१, १० । | रथ्या ११, २९, १०४, १४१ । |
| रजनि (नी) ४०९, ३८ । | रथ्यावाद ४४०, ५८ । |
| रजनी ३०२, ४८१ । | रद ३८, १५९, २४०, ४७ । |
| रजस् २४, ४३, १२६, ३३४, ४१६, १६ । | रदन ३७, १५८, २४०, ४७ । |
| | रन्ध ३६१, २ । |

रन्ध्रकण्ठ. २८४, ३१६।
 रन्त्रकारिणी २०९, ६९।
 रभस =हर्षो वेगश्च ।
 रम ३४, १२४, ४५५, ३९।
 रमण ३४, १२४, २६६, १५७।
 रमणी. २१, ८, ४१८, ८।
 रमा ४७७, ५२।
 रमावेष ६४, ४०१।
 रम्म १३१, ३७, १३३, ११, १४६,
 १२३।
 रम्मा. २५५, ६१।
 रम्मादण्ड ७०, १८।
 रम्माभज्ञ ७०, १६।
 रम्यक १४८, १४६।
 रम्यक्षीर २६६, १५६।
 रम्यपुष्प. २८२, २३।
 रम्यफल २७२, २१८।
 रम्या ३१२, ५६।
 र्य ३८१, ५।
 र्यी. १९२, ५३।
 रलालद्वा ३३६, १६७।
 रलक २६६, १६४।
 रलक ५१, २७९।
 रव ४५०, १०३।
 रवण ११४, ५१, २२२, ७।
 रवि ४३६, १, ४०६, ४।
 रविप्रिय. २७३, २२५, ३०७, ५२०।
 रशाना. ३८, १६८, ५०, २६७।
 रशिम ४८४, २०४, ११३, २१८, ३५०,
 ६४, ४३७, १५।
 रशिमक्लाय प४९, २६१।
 रशिमकेतु. ३१०, ५४७।
 रस ४४, २२१, ४५, २२३, ४६, २३३,
 ११७, ५८३, २८२, २१९, ४४४,
 ७, ४२७, ९०, ४३४, १५६।
 रसक १६४ २८६, ११७, ५८१, २११,
 ८६, २१२, ९७।
 रसगन्ध १७३, ३६३।
 रसगर्भ. १९६, ५७६।

रसग्र १७८, ४०७।
 रसज १५६, २१२, १९६, ५७६।
 रसज्ज्वा=जिहा ।
 रसद्रविन २६२, १२८।
 रसवातु १९७, ५८४।
 रसन ३७३, ३६।
 रसना ३८, १५०, ४९, २६६।
 रसनाम १९७, ५७७।
 रसनारद ३२६, ८२।
 रसनालिह २०६, ३८।
 रसन शठ १६८, ३१९।
 रसफल २५५, ६६।
 रसबीज २५६, ७५।
 रसभेत्त १९५, ५६०।
 रसभेद १६८, ३३।
 रसमाळा ३८, १६।
 रसयोनि ४४, २२।
 रसराज् १९७, ५७७।
 रसराज १९७, ५८२।
 रसवती १४, ५६, १४३, १५।
 रससिंह १९७, ५८।
 रसा २, १६, २८, १६०, २५५, ६२,
 २६३, १२७, २६४, १४६।
 रसाज्जन १९६, ५७६, १९७, ५७८।
 रसाद्य २६२, १२३।
 रनातल. ३६१, १, ३६१, ४।
 रसाधिक १७८, ४०७।
 रसाम्ल १५५, ३०६।
 रसाम्ला २९६, ०४८।
 रसायन १९६, ५७६, ३१५, ५८३, ४५६,
 ५०।
 रसायनी २९१, ३७५, ३०५, ५०४
 ३१४, ५८३।
 रसायनिक २०६, ४०।
 रसाल. १३७, ४५, २५३, ४८, २८९,
 ३५७, ३१५, ५८६।
 रसाला. ३८, १६०, १५८, २३३, २५९,
 १४।
 रसिक ३३१, १२४।

| | | | |
|-----------------|--|----------------------------|---------------------------------------|
| रमिका | ३८, १६०, ४९, २२२। | राजनस्यी. | २७९, २७६। |
| गमित | ३९७, १६१। | राजदन्त | ३८, १६०। |
| रसोनम | १३८, ५१, १९७, ५८३। | राजवनूर | २७४, २२९। |
| रसोन | १४६, १२८। | राजवान्व. | १३८, ३६। |
| रसोपल | १९८, ५९३। | राजवामन्. | १५९, ६३। |
| रहस् | ९८, ८९। | राजन् | ८९, ९, ३८८, ७९, ३९८, १६८, ४२६, ८६। |
| रहस्य | ९८, ८९। | राजनामन् | २९१, ३८१। |
| राका | ८८, ९८, १४६, १२९, ४९०, ४३। | र रजनीली. | ३०३, ४८२। |
| राक्ष | ३७३, ३८, ३८९, ५५। | राजन्य | ८९, ९। |
| राक्षसी | ३७५, ५१। | राजन्यक | ८९, ९। |
| राक्षसेश्वर | ३८६, ६०। | राजन्यत | ६, १९। |
| राक्षा=चाक्षा। | | राजपर्णी | ३१०, ५१४ |
| राग | १६५, २९६, १६६, २९७, ४१८, १४, ४२७, ९८, ४३१, १३०। | राजपन्थड | १४७, १३०। |
| रागकुष्टक | १७८, ४०९। | राजपिण्डा | २५८, ८८। |
| रागखाडव. | १६५, २९५। | राजपुत्र | २५४, ५४। |
| रागद | ३०५, ५०२। | राजपुत्री | १७३, ३६१, २५३, ४००, ३२४, ५९। |
| रागरेण | १९५, १६१। | राजपुष्पा | २७६, २५२। |
| रागलना | ४७६, ४३। | राजप्रिय | १४७, १३१। |
| रागाङ्ग | ४२०, २६। | राजफल | १४८, १४६, २५४, ५३, २५६, ७३। |
| रागाङ्गी | १७४, ३७। | राजफला | २५४, १६। |
| रागाड्या | १७४, ३७। | राजवदरी | २६१, ११४। |
| रागिणी | ४१८, १५। | राजवला | ३१०, ५४४। |
| रागिन् | १३६, ३७। | राजवीजिन् (जी)=राजवंश्य। | |
| राघव | ४५३, १६। | राजभोग्य | ५१, २८२। |
| राङ्कव | ५१, २८। | राजमळक | २४१, ५९। |
| राज्. | ८९, ९। | राजमातृ | ३०१, ४७२। |
| राजक | ८९, ६। | राजमार्ग | १९, १००। |
| राजकन्या | २७९, २७९। | राजमाष | १३८, ५५, १३९, ६२। |
| राजकर्कटिका | १५१, १६७। | राजयक्षमन् | ५७, ३१८। |
| राजकरोष | १७६, ३८। | राजराज | ३८७, ७२, ३९९, १७४। |
| राजखर्जुरिका | २५८, ८८। | राजरीति | १९४, ५५४। |
| राजगिरिशाक्खीनी | १५१, १७। | राजर्पि | ८२, १२३, ९४, ५१। |
| राजगृह | ११, २६। | राजलिङ्गम्=ककुदम्। | |
| राजगृहस्वामिन् | ९५, ५९। | राजवंश्य=राजवीजो। | |
| राजघ | २२०, ५७। | राजवत् | ६, १९। |
| राजजम्बू | २५४, ५६। | राजवाह्य | १०६, १६१। |
| राजजूर्णा | १३८, ५०। | | |
| राजतरु | २६७, १७। | | |

- राजद्रुक्ष =आरग्वध ।
 राजद्रुक्षा २९८, ४३९ ।
 राजशाक १५१, १६९ ।
 राजशुक ३३३, १४० ।
 राजशृङ्ख १०३, १२७ ।
 राजसदनम्=मौव ।
 राजसदन् १५, ६३ ।
 राजसभा=राजा सभा.
 राजसर्प ३६५, १३ ।
 राजसर्पण १४०, ७१ ।
 राजसूय ७७, ६० ।
 राजस्वर्ण २७४, २२९ ।
 राजहंस १३५, २६, ३३१, १२२ ।
 राजहर्षण २८०, २८३ ।
 राजाद (त) न २०१, ६१९, २५६, ७४ ।
 राजादनफल. २५६, ७४ ।
 राजाप्र २५४, ५३ ।
 राजाम्ल १५६, २०६ ।
 राजाक्क २७४, २३३ ।
 राजाही. २५४, ५५ ।
 राजावर्त २००, ६०६ ।
 राजि (जी). २४९, ८ ।
 राजिका १४०, ७२, १९०, ५१४, २०१,
 ६१९ ।
 राजिल १०४, १४३, ३६५, १५ ।
 राजिसर्पण १५२, १७४ ।
 राजी १४०, ७१, ३०२, ४७३ ।
 राजीव. ३५३, ८६, ३५४, ९५, ३५९,
 ९३८ ।
 राजेदुम्बर २६०, ११० ।
 राजेद्वेजन २७३, २२० ।
 राजी. १९४, ५५४, ३०२, ४८० ।
 राज्याङ्ग ७७, ७९ ।
 राट २८६, ३३१ ।
 राडि १२७, ३४८ ।
 रात्रि (त्री) ४०९, ३५ ।
 रात्रि (त्रि) चर. २०७, ४९, ३८६, ५७ ।
 रात्रिचारिन् ३१९, १८ ।
 रात्रिजागर. २०६, ३७, ३२९, १०८,
 ३३८, १८९ ।
- रात्रिचर ३८६, ५७ ।
 रात्रिपुष्प. ३६०, १४९ ।
 रात्रिवल ३८६, ५७ ।
 राद्ध ७७, ९५ ।
 राद्धान्त ४३३, १४९ ।
 राव ४१२, ५९ ।
 रावत १३५, २४ ।
 रावा=विशाखा ।
 रावाचक १०२, १२४ ।
 रावावेनिन् ९३, ४१ ।
 रावासुत ९३, ३६ ।
 राम २२५, १००, ३१७, २, ३२१, ३४ ।
 राम ३५४, ९५, ४५२, १३, ४३५,
 १६३, ४५५, ३४ ।
 रामचन्द्र ४६, १५ ।
 रामठ (ड) १५४, १९६ ।
 रामठिका १५५, १९९ ।
 रामण २५७, ७८, २६६, १५६ ।
 रामदूत ९७, ६१ ।
 रामप्रसव २७९, २७८ ।
 रामभद्र. ४५२, १५ ।
 राममातृ ४५३, २१ ।
 रामवर्ण. २८६, ३३७ ।
 रामवल्लभ. १७७, ४०० ।
 रामशीतला २८२, २९७ ।
 रामसेनक २६६, १५८ ।
 रामा ६३, ३११, २८२, २९८, ३००,
 ४५९, ३१०, ५४९, ३११, ५५३,
 ४१७, ७ ।
 रामायण २३८, ३६ ।
 राल ६६, ४१५, २६९, १९० ।
 राव १२८, ३५९, ४५०, १०२ ।
 रावण ४४०, १४, ३८२, २७, ३८६,
 ६३ ।
 रावणि ३८७, ६५ ।
 रावत २६९, १८८ ।
 राविष ३३१, १२० ।
 राशि (शी). १४०, २०३, ४०४, २२५ ।
 राष्ट्र ४, १, ९७, ७९ ।

राष्ट्रि २९९, ४५६।
 राष्ट्रिय ४२६, ८२।
 रास १८०, १२९।
 रासक ४२१, ३८।
 रासम् १८५, ४७४।
 रासभवाहन ३८४, ४५।
 राजा ३००, ४५८।
 राहु ४०३, २०९।
 राहगण ४०३, २१८।
 रिक्तकम्=तुच्छम्।
 रिक्ता ४०५, ३।
 रिक्षम्=वनम्।
 रिहु (ज) ण ४३१, १२६।
 रिञ्छोलि २४९, ७।
 रिटि =नन्दी।
 रिद्ध १४२, ८९।
 रिपु=शत्रु।
 रिरि (री) १९४, ५०३।
 रिस्य (व्य) मुक ३४२, १६।
 रिष्ट ४०४, २२८, ४१५, ९०।
 रिष्टि =खड़ ।
 रीढा ४३१, १३३।
 रीण २३१, १५८।
 रीति १९४, ५५३।
 रीतिक १९६, ५५५।
 रीतिपुष्ट १९६, ५५५।
 रीती=पित्तलम्।
 रक्षप्रतिक्रिया ६०, ३६०।
 रक्षम् १९२, ५३६।
 रक्षमकार =स्वर्णकार।
 रक्षिमणी ३११, ५११, ४५४, ३३।
 रक्षिमहन्ति ४५५, ३४।
 रण ६०, ३५७।
 रत् ४३७, १६, ३७२, २६, ४३२,
 १३८।
 रचक १५, ६६, २६१, ११७।
 रचि (ची) १६६, ३००, ४३७, १६,
 ४३२, १३७।
 रचिक १५२, १७८।

रचिका ३७३, ३१।
 रचिर ६४, ८०५, १४९, ११८, १९३,
 ५४१, २२५, १००।
 रचिरकला १४९, १४९।
 रचिराज्ञन १४९, ११९।
 रचिराजनय ८३, १३७।
 रचिमुत ४४१, २१।
 रचु (चू) क २७४, २३८।
 रच्य १५२, १७९, २२५, १०९, २६४,
 १३९।
 रच्यकन्द १४७, १३३।
 रज (जा) ५४, ३०८।
 रजाना ३४७, ३३।
 रजापद २७१, २०६।
 रण्ड १३१, ११।
 रत ४३०, १०६।
 रदती ३११, ५५३।
 रदित ४३१, १२८, ४१०, १०३।
 रद्धम्=वेष्ठितम्।
 रद्ध १७२, १५२, ३७०, ८, ३७१, २३;
 ३८९, ८९।
 रद्धज १९७, ५८३।
 रद्धजटा २१५, ८१।
 रद्धतनय १२०, २८३।
 रद्धदेवत्य ४००, १८७।
 रद्धलता २१५, ४१२।
 रद्धमुत ४४१, २१।
 रद्ध ४१५, ८१२।
 रद्धाकीड १३१, २८३।
 रद्धाक्ष २६३, १३२।
 रद्धाणी २१५, ४१२, ३१३, १२५।
 रद्धेला १७२, ३५९।
 रधिर ४५, २१४।
 रथ ६६, ६१८।
 रमा ४०७, १८।
 रह २०६, ४०, ३२१, ३०।
 रस्सीपिक ११९, २७२।
 रघु २८५, ३८५।
 रघुक २८५, ३२६।

- रुशती ४४८, ८५।
 रुष. ४२८, ९८।
 रुषा ४२८, ९९।
 रुधाज्ञा ३००, ४१६।
 रुष. २२१, ६२।
 रुदा ३०३, ४८६।
 रुक्ष २९०, १४, २७१, २०६, ४४७,
 ७४।
 रुक्षगन्धा ६६, ४१२।
 रुक्षणा १३९, ६०।
 रुक्षा. १७६, ३९४।
 रूप १९३, ५४१, ४३२, १८०, ४३४,
 १५६।
 रूपक ५४, ३०९, ३२२, ४१।
 रूपग्रह ३६, १४६।
 रूपसौन्दर्यवती २३, ३३।
 रूपाजीवा २४, ३८।
 रूपाद्यधिकृत १०१, ७१०।
 रूपास्त्र. ४५५, ४२।
 रूप्य १९२, ५२९, १९३, ५४।
 रूयर्वण ३५२, ५५।
 रूयाध्यक्ष १०, १४।
 रूबरु. १३६, ३३।
 रूषितम्=गुणितम्।
 रेखा ३९, १७६, २४९, ९।
 रेचक १७७, ३९९, २७५, २३८।
 रेचन १९७, ५८०।
 रेचनी १७६, ३९४, ३०८, ५२५।
 रेचित ११३, २२२।
 रेचिन् २६९, १८७।
 रेण. १२६, ३३४, १७३, ३६२, ३०९,
 ५३३।
 रेणुक=कन्या।
 रेणुका १७३, २६९।
 रेणुरूषित १८५, ४७५।
 रेतस् ४६, २३३।
 रेप (क). २२५, १०३।
 रेभण १८२, ४४६।
 रेभा १८२, ४४६, ३४९, ४७।
- रेरिहाण ३१०, ९६।
 रेव २२५, १०३।
 रेवत २५७, ८२, ३८८, ८२।
 रेवती. ३१४, १२१, ४०१, १९८।
 रेवतीज ३१५, १४५, ४०३, २०९।
 रेवतीरमण=बलदेव।
 रेवतीश ४५५, ३६।
 रेवा ३४८, ३८।
 रेवोऽव ३४२, १४।
 रघुन (पा) ४५०, १०६।
 रै. १९२, ५३७।
 रैनुकेय ४५२, १२।
 रैवत २५७, ८३, ३४२, १५, ४४१,
 २१।
 रोक ३६१, २।
 रोग ५४, ३०३।
 रोगज्ञ ६०, ३६३।
 रोगपुष्ट ५४, ३०५।
 रोगराज् ५५, ३१८।
 रोगहारिन् ६०, ३६३।
 रोचक १६६, ३०१।
 रोचन १४६, १२०, २२१, ६२, २१७,
 ७७, २६२, १२५।
 रोचनक २६२, १२८।
 रोचनफला १५०, १६४।
 रोचना २२, २५, ६३, ३९१।
 रोचनी १९५, ५६०, २६१, ११९।
 रोचमान ३७०, १०।
 रोचयन्ती ३७२, २७।
 रोचिष्णु २२१, ६२।
 रोचिसु ४३८, १९।
 रोटिका १६१, २५८।
 रोदन ३७, १५०, १२८, ३५९, ४५०,
 १०३।
 रोदनी=वन्वयास।
 रोदसी (स्त्री) ३, २६।
 रोध ३४७, २९।
 रोधवका. ३४७, ३३।
 रोवथका ३४७, ३२।

| | |
|---|--|
| रोधम् (स) ३४६, २०। | रोहित ३७८, ५३। |
| रोवयो (मी) ३, २६। | रोहिता २८९, २५८, ३२१, ३०, ३२१, ३७, ३७२, ८, ३५७, १०५, ४३५, १६५। |
| रोधमती ३४७, २९। | रोहि (ही) तक २८२, ३०१। |
| रोप्रपुष्प २५८, ९०। | रोहिना॒श्व =श्रिमि । |
| रोप्रशृङ्ख १३४, १९। | रोहितेय २८२, ३०३। |
| रोप ११८, २७, २२०, १०३। | रोहिदृश्व ३७७, ९। |
| रोपक १५३, १८३। | रोहित् २८२, ३०१। |
| रोपन् ४७, २४। | रोहिप (तृण) २८७, ३४६। |
| रोपन्य =चर्वितचर्वणम् । | रोड ४१३, ६७, ४२७, ९०। |
| रोपभू २६, २३९। | रोटी २९६, ४११, ३९५, १३८। |
| रोपवल्ली २९६, ४००। | रोय ११३, ५०। |
| रोपश १४७, १३६, १८९, ८७१, २७, २०३, ३२०, २५। | रोयाण्यत १०, १४। |
| रोपशपत्रिका २५४, ८०१। | रोम ५० २७२। |
| रोपशा १५०, १६१, २७२, २१। | रोमकम्=शाम्भरलवणम् । |
| रोपसंभर ५०, २७२। | रोंख ७०, १६, ३६७, १। |
| रोमहर्ष ४२९, १०९। | रोहत २८२, ३०३। |
| रोमाच ४२९, १०९। | रौहिण ६१, ३७१, ३४२, १३। |
| रोमाचित २३१, १५२। | रोहित २८२, ३०३। |
| रोमाल २९३, ३९९। | रोहिणेय १९९, ५३७, ४७५, ३६। |
| रोमोद्दम ४२९, १०९। | रोहिप २८७, ३४६। |
| राल १२८, ३५६, ४४९, ९८। | ल. |
| रोलम्ब ३३७, १७०। | लकुच २७३, २२०। |
| रोष ४२८, ९९। | लक्टॅस =क्षेपट । |
| रोषण २२१, ६२। | लक्ष ११८, २६, १८७, ४९५, ४३१, १२५। |
| रोषमूषिका २४, ४।। | लक्षण २१६, २३, ३९९, १७९, ४५३, १८, ४४६, ६७। |
| रोहण ४६, २३३। | लक्षणा (णी) ३३१, १२५। |
| रोहणी १४४, १०३। | लभ्वत् ११८, २६९। |
| रोहन्यवा॑ २८८, ३५८। | लक्षा १८८, ४९७। |
| रोहि ३५२, ८१। | लक्षण ९३, ३७, २१६, २३, २७८, २६६, ३३१, १२४, ३९९, १७९, ४५३, १८, ४४६, ६७। |
| रोहिंग २५९, १०। | लक्षणा १८०, ८२७, ३००, ४५८, ३३१, १२५, ३७३, ३१, ४५३, २४। |
| रोहिणी १७४, ३६९, १७५, ३८२, १८३, ४५३, २६५, १८८, २६७, १६९, ३२९, १०९, ३९३, १२६, ४००, १८५। | लक्षणी ३३१, १२५। |
| रोहिणीपति ३९८, १७०। | |
| रोहिणीपुत्र ४०२, २०१। | |
| रोहिणीवाह १२१ २१। | |

- लक्ष्मन् ३९९, १५९।
 लक्ष्मी १६७, २७०, १५६, २०४, ३१२,
 ५६९, ४५७, ५१।
 लक्ष्मीपृष्ठ १४, ५५, ३५९, १८०।
 लक्ष्मीजनुम् ४५७, ४०।
 लक्ष्मीनाथ ४५२, ८।
 लक्ष्माणुप ६५, ४००।
 लक्ष्मीवत् २१६, २३।
 लक्ष्मीसद्ग ३५९, १८०।
 तक्ष ११८, २६५, ४३१, १२५।
 लगुड १२३, ३१।
 लग्न ४०४, २२।
 लग्नक १८६, ४८८, २१३, १०१।
 लग्नमैथुना ३१९, १६।
 लाघमन् ३९१, १०६।
 लघु २९, ३७, ६०, ३६२, ४५८, ३,
 ३८१, १६।
 लघुक अमरी २६६, १६०।
 लघुकिय २१४, ५।
 लघुगर्गर ३५४, ९०।
 लघुचिर्भट्टी १५१, १६५।
 लघुपर्णी २९१, ३७।
 लघुपुष्प २७१, २०२।
 लघुबद्री २६१, ११५।
 लघुद्राक्षी ३११, ५५।
 लघुलयम्=वीरणमूलम्।
 लघुशोङ्ख २६४, १४२।
 लघुहस्त ११५, २२।
 लघूदुम्बरा २६०, १०९।
 लङ्घ १३९, ६०, ३८७, ६६।
 लङ्घापति ३८६, ६४।
 लङ्घारि ९५, ६।
 लङ्घोपिका=स्पुका।
 लङ्घ ३२७, १०।
 लङ्घुरा ६४, ११९।
 लङ्घन ७२, २०।
 लज ११२, २०३।
 लजरी ३१३, ५७।
 लज्जा (ज्या) ३१३, ५७१, ४३२, १३५।
- लजाल्ल ३१३, ५७।
 लजासील २२०, ६०।
 लजित २३१, १५२।
 लज्जा ९८, ८।
 लज्जिका २४, ३७।
 लज्जर्ण १७७, ४०।
 लद्वा=आमचटक ।
 लड्डु १६३, ७७।
 लण्डल ३१७, २।
 लता ४९, २५९, ४९, २६१, २५०, १९।
 लताझी १७६, ३१।
 लतामणि १९९, ५९७।
 लतारत १०५, १४४।
 लताकै=पलाण्डु ।
 लतावली २९७, ४३।
 लन्धूम ३७८, १९।
 लपन ३५, १४०।
 लपित ४४२, ३०।
 लसिका १६२, २६६।
 लब्ध २३३, १७।
 लब्धप्रशमन १०२, १२३।
 लब्धवर्ण ७४, ४८।
 लब्धानुज्ञ=आदिष्ट ।
 लभ्यम्=न्यायम् ।
 लम्पट २१८, ३६।
 लम्बकर्ण १८५, ४६८, २६९, १८८,
 ३२२, ४३, ३२७, ९२।
 लम्बतन्ता १७१, ३४४।
 लम्बनम्=ललनितिका ।
 लम्बमाना ४९, २५।
 लम्बशक १३५, २६।
 लम्बा ३९५, १३७।
 लम्बिका ३८, १६२, ३९४, १२६।
 लम्बोदर २, १०।
 लम्बोष्ट १८४, ४६६।
 लय=सीनादिकियाकालसाम्यम् ।
 लयालम्भ ४२५, ७५।
 ललन २५६, १९, २६९, १९०।
 ललना २१, ८।

| | | | |
|----------------------|---------------------------------------|------------------------------------|-------------------------------|
| लम्नाप्रिय | २७०, १९९। | लाम्बलाम्य | ३२०, २७। |
| ललनितका | ४९, २५८। | लाङ्गुलिकी=शास्त्री। | |
| ललाट. | ३६, १४२। | लाङ्गुलिन | १५७, ६५। |
| ललाटिका. | ४८, २५१। | लाङ्गुलर्न | ३०७, १०१। |
| ललाम | ४८, २५३, ११२, २१०। | लाङ्गुली | २७६, ६१७, २९३, ३९९, ३०४, ४९३। |
| लग्नमकम्=माल शविरोप। | | लाङ्गुल | ११२, २०९। |
| ललि | ४२३, ७१। | लाङ्गुलिक | ३६६, २५। |
| ललित | २१, १३, २२८, १२८, ४३०, १२३। | ल (ल) लू | ११२, २०९। |
| ललिता | ६२, ३८३। | लाटुलिका | ३००, ८६०। |
| लल्लीर | २८, ७८। | लाजा | १४२, ७७। |
| लव | २२७, ११७, २४२, ६६, ३३६, १७१, ४५३, १३। | लाज्जन | १३६, ३७, ३१९, १७९। |
| लवङ्ग | ६९, ४०४। | लाज्जी | २४, २७। |
| लवङ्गकलिका | ६९, ४०३। | लापिष्ठा | २४, ८५। |
| लवण | १६८, ३१५। | लाप | ४४१, २०। |
| लवणचिशुका | २९५, ८१६। | लावु (वृ)=तुम्ही। | |
| लवणक्षार | १७८, ४११। | लाभ | १८६, ४७८। |
| लवणदण | २१०, ३६७। | लामज्जकम्=पीर मूलम्। | |
| लवणा | २१५, ४१४। | लान्म | २१८, २६, ४३२, १३९। |
| लवणोद=लवणसागर। | | लालमा | २९, ४७। |
| लवन | २४२, ६६। | लाला | ४७, २४। |
| लवली | १७२, ३५६। | लागांगिक=प्रमुभालदशी कार्यालयमध्य। | |
| लवित्र. | १३३, १२। | लालाविष | ३६६, २०। |
| लविन् | ३३६, १७१। | लालिक | १८१, ४४३। |
| लविल. | ३६०, १५३। | लालीव | ५६, ३२७। |
| ल (र) शुन | १४६, १२८। | लाव | ३३६, १७१। |
| लक्ष्मनच्छद | २५६, ४२७। | लावण्यविवर्जिना | २३, ३२। |
| लक्ष्मक | ११८, २६३। | लावाक्ष. | १३३, २३। |
| लहरि (री) | ३४९, १८। | लास | ४२२, ४९। |
| लहुड | २३६, १५। | लामक=नर्तक। | |
| लक्षा | १७४, ३७२। | लामिका | ४४७, ७६। |
| लक्षाप्रसादन | १७४, ३७६। | लाम्फोटन=वेवनिका। | |
| लक्षावृक्ष | २५४, ५०। | लास्य | ४२२, ४९। |
| लाघव | ६०, ३६१। | लाहक | १४३, १००। |
| लाङ्गुल. | ४३, २०८, १३४, १४, १३४, १९। | लिकुच | १५१, १६९, २७३, २२०। |
| लाङ्गुलदण्ड=ईशा। | | लिक्षा. | ३३९, ११४। |
| लाङ्गुलपद्धति=सीता। | | लिखन | ९७, ७६। |

| | | | |
|----------------|----------------------------|------------------|-------------------------|
| लिखित | ९७, ७५। | लेख | ९६, ७१, २७, ७६, ३७०, ४। |
| लिख्य | ९७, ७५। | लेखक | ९६, ६८। |
| लिङ्ग | ४३, २०४, ४३, २०८, २३८, ३३। | लेखकारक | ९६, ६८। |
| लिङ्गज | ४३, २४५। | लेखदल | २७०, १९५। |
| लिङ्गवृत्ति. | ८७, १५१। | लेखन | ९७, ७६। |
| लिङ्गाश्रस्. | ५७, ३३०। | लेखना | ९६, ७०। |
| लिङ्गी | २९३, २९२। | लेखनीय | ९७, ७५। |
| लिङ्गोपदश | ५७, ३३७। | लेखनीकागड | २८७, ३४२। |
| लिपि | ९७, ७४। | लेखर्पम | ३८२, २२। |
| लिपिक (का) र | ९६, ६८। | लेज्जा | २८९, ७। |
| लिपिक्षर | ९६, ६८। | लेज्जाहे | २७०, १९५। |
| लिपी (वी) | ९७, ७५। | लेखित | ९७, ७५। |
| लिस | ११९, २७३, २३४, १८२। | लेख्य | ९७, ७४। |
| लिसक | ११९, २७३। | लेख्यस्थान | १४, ५६। |
| लिसा | ४३२ १३७। | लेप | १६६, ३०१। |
| लिसु | २१८, ३६। | लेपक | २०३, १३। |
| लिबि | ९७, ७४। | लेपन | ४५, १२६, ६५, ४१०। |
| लिविक (ङ्क) | २६, ६८। | लेपनी | २०८, ५७। |
| लिम्प. | ३९२, ११२। | लेलिहान | ३६३, १। |
| लिहू. | ४४१, २५। | लेश | २२७, ११७, २३८, ३१। |
| लौढम=भक्षितम्। | | ल (लो) षु | १३३, १। |
| लीला | २१, १२, ४३०, १२४। | लेह | १६६, ३०३। |
| लुच्छ | २५१, ३१। | लेहन | १६६, ३०४। |
| लुठित. | ११२, २११। | लैज्जी | २९३, ३९३। |
| लुण्ठन | १३०, ३७६। | लाक | ४, २८। |
| लुण्ठा (ण्ठि) | १३०, ३७६। | लाककान्ता | ३१०, ५६२। |
| लुण्ठाक | ३२८, ९६। | लाकजित् | ३६८, १। |
| लुञ्ज | २१८, ३६। | लोकदुष | ४२२, ४७। |
| लुञ्जक. | २०६, ३७। | लोकपति | ३८२, २३। |
| लुञ्जयोगवत् | २०७, ४७। | लोकबन्धु | ४३७, ११। |
| लुञ्जा, | ५०, २८०। | लोकमातृ | ४५७, ५४। |
| लुञ्जिका | १४१, ७९। | लोकगेष | ४१५, ८४। |
| लुलाय=महिष। | | लोकायत=चार्वाकि। | |
| लुषम | १०६, १११। | लोकालोक | ३४२, १७। |
| लूता | ३२५, ६८। | लोकेश | १९७, ५८३। |
| लूत | २३२, १६९। | लोकेश्वरात्मजा | ४४२, २७। |
| लूबाहु. | ३११, १०८। | लोचन | ३६, १४५। |
| लूम. | ११२, २१०। | लोचनहिता | ३११, ५५७। |
| लूषि (वी). | १३०, ३७६। | लोचना | ४४२, २८। |
| | | लोचनी | ३०९, ५३७। |

| | |
|---|--|
| लोचमर्कट =मयूरशिखा । | लोहद्राविन् १७८, ४०६ । |
| लोचमस्तक =मयूरशिखा । | लोहद्रष्टु ३३, ११९, ३२८, ९३ । |
| लोध्र १७४, ३७५ । | लोहवर. १९२, ५३३ । |
| लोपक १६४, २८१ । | लोहवाल १३४, १९ । |
| लोपाक ३३५, १६२ । | लोहसकर १९४, ५५४ । |
| लोपासुद्रा ४०४, २२१ । | लाहसर्प. १२० २८५ । |
| लोपाशा ३१९, १४ । | लोहमार १९४, ५५६ । |
| लोपशी ३१९, १६ । | लोहाभिसारक. १२५, ३२६ । |
| लोञ्च (त्र) २०७, ५२ । | लाहित ४५, २२४, ३४८, ४४, ३५२, ७५, ४३७, ९६५ । |
| लोभ ४५६, ४७ । | लोहितक =पद्मराग । |
| लोभनी ३०२, ५३९ । | लोहितचन्दन ६२, ३८० । |
| लोभ्य १३८, ५२ । | लोहितपुष्पिका २८०, २८१ । |
| लोमकर्णक ३२२, ४३ । | लोहिता ७७, ८३ । |
| लोमकिन् ३२३, ८ । | लाहिताज्ञ. १९७, ५८०, ३६४, ९ । |
| लोमगुच्छ १०३, १२६ । | लोहिताज्ञ ३२९, १०९ । |
| लोमन् ४७, २४१ । | लोहितानन ३२३, ५३ । |
| लोमपादपुरी ११, २७ । | लोहितालु १४७ १३७ । |
| लोमफल २५८, ९२ । | लोहित्य ३४८, ४४ । |
| लोमलतावार ४०, ११६ । | लोकायति ८४, १४५ । |
| लोमविष ३६६, २६ । | लौकिक. ८४, १४६ । |
| लोमवेणु ३९२, १५ । | लौहमू=तैजसम् । |
| लोमश १४७, १३६, १८५, ४७१, २६८, १७९, ३२३, ५२ । | लोहित्य ३४३, १, ४०३, २०८ । |
| लोमशकाण्डा १५०, १६० । | व |
| लोमशा १७२, ३४४, ३०२, ४७० । | व ४१८, ७, ३८७, ६८ । |
| लोल. ४३, २०९, ५४, ३१०, २२८, १३३ । | वंश ६९, ४, १४६, १२२, २०९, ६९, ३१५, ५८५, ४२५, ७२ । |
| लोल ३८, १६१ । | वंशक २६९, ११० । |
| लोलुप (म) २१८, ३६ । | वंशकक २८२, ३०९ । |
| लोष. (षु) १३३, ९ । | वंशधान्य १३७, ४४ । |
| लोषभेदन =गोटिश । | वंशपत्र २८८, ३४९ । |
| लोषिताङ्क ३५३, ८८ । | वंशपत्री १५३, ११९, २९० ३६५ । |
| लोह ४५, २१४, ६३, ४०७, १९३, ५४१, १९४, ५५८ । | वंशपोत ६६, ८१३ । |
| लोहकार २०३, १६ । | वंशपूण. १४६, १२४ । |
| लोहवन. ३८०, ५ । | वंशबीज १३७, ४४ । |
| लोहज १९४, ५५१ । | वंशभोगट १४६, १२४ । |
| लोहताल ११९, २७१ । | वंशयोनि १५९, ५३५ । |
| लोहदण्ड १२४, ३१७ । | वंशरोचना १७३, ३६८ । |
| | वंशशक्करा १७३, ३६८ । |

| | | | |
|---------------------------|----------------------------------|----------------------|---------------------|
| वंशशालाका. | ४२४, ६३। | वङ्ग | ३४५, १९। |
| वशपभवा | १३९, ६१। | वङ्गुण | ३२१, ३२। |
| वशाग्र | १४६, १२५। | वङ्गुर | १०३, १३०। |
| वंशान्तर | २८८, २४८। | वङ्गुण | ४४, २१४। |
| वंशिका | १८९, ५१३। | वङ्ग | १९३ ५४५, १९४, ५५१। |
| वक | २८७, ३२६, ३२९, ११०। | वङ्गुला | ३३३, १४४। |
| वकेरु | ३३०, ११३। | वङ्गारि | १९४, ५५०। |
| वकोट | ३२९, ११०। | वङ्गियाल | १२१, ०९५। |
| वक्तव्यम्=कुत्सितमहीनं च। | | ववन | ४४२, ३०। |
| वक्तृ | २२२, ७१। | वचनीयता | २३७, २७, ४४८, ८१। |
| वक्त्र | ३५, १८०। | वचनेरित | २१९, ४६। |
| वक्त्रधुर | ३७, १५८। | वचस् | ४४२, ३०। |
| वक्त्रताल | ४२५, ७३। | वचा | १७२, ३५४। |
| वक्त्रदल | ३८, १६२। | वज्र | १२४, ३०२, ३८४, ३८। |
| वक्त्रविष्टा | ३२८, १०९। | वज्रक | १७८, ४१३, २८७, ३५३। |
| वक्त्रशोवन | २५८, ९२। | वज्रकङ्कट | ९५, ६१। |
| वक | २२८, १२९, २८०, २८२, ४०२, १९९। | वज्रकङ्कटक | २८४, ३२१, ३०८, ५२७। |
| वक्त्रकीट | ३२५, ७०। | वज्रकपालिन् | ३९३, १२२। |
| वक्त्रायनिवन्वकृत् | ८४, १४१। | वज्रक्षार | १७८, ४१२। |
| वक्त्रीव | १८४, ४६५। | वज्रचमन् | ३२०, २१। |
| वक्त्रजु | ३२९, ९०८। | वज्रजित | ४५६ ४८। |
| वक्त्रदृ. | ३२०, २८। | वज्रटिन् | ३९३ १२२। |
| वक्त्रदश् | ३२, ११२। | वज्रतुण्ड | ३२७ ८६, ३३८, १८८। |
| वक्त्रनेत्र | ३८७, ७३। | वज्रदक्षिण | ३८२, २८। |
| वक्त्रगद | २, १३। | वज्रदन्त | ३२३, ५६। |
| वक्त्रपुच्छ | २०६, ४२। | वज्रदु | २८५, ३२३। |
| वक्त्रपुष्पक | २७९, २३५, २७९, २४०। | वज्रनामन् | १९९, ५९९। |
| वक्त्रमुज | २, १३। | वज्रनिघोष | ३९७, १५७। |
| वक्त्रशल्या | २९७, ४२३, ३१३, ५६०। | वज्रनिघोष=वज्रनिघोष। | |
| वक्त्रस्तुण्ड | २, १२। | वज्रपक्ष | ३७१, ३९। |
| वक्त्रसंचर | ३९३, १२१। | वज्रपाणि | ३८२ २५। |
| वकाङ् | २८३, ३०६। | वज्रपात | १२८, ३५४। |
| वकि | ४६, २३५। | वज्रपिञ्चिला | ३०८, ५२८। |
| वक्षस् | ४१, १३२। | वज्रपुष्प | १४०, ६९, २७९, २७४। |
| वक्षोज | ४१, ११३। | वज्रपुष्पिका | २९९, ४४९। |
| वक्षोरुह् (ह) | ४१, ११३। | वज्रम | १९८, ५८७। |
| वगान | ४४८, ८१। | वज्रमूली | २९२, ३८६। |
| वग्राह् | ३९६, १५३। | वज्रवल्कल | ३२०, २७। |
| | | वज्रशलिकन् | ३२३, १। |

वज्ञा २८७, ३२३।
 वज्ञाम् ३५३, ८६।
 वज्ञाशनि ३८४, ४२।
 वज्ञास्थि ३०८, ५८७।
 वज्ञिन् ३८२, २१।
 वज्री २८५, ३२३।
 वज्रक २२४, ८९, ३१९, १३।
 वज्रना २३७, २५।
 वज्रित २२०, ५२।
 वज्रिल ३५४, ९९।
 वज्रु (झू) क २२४, ८९।
 वज्रुल २२५, १०१, २७९, २०४, २७३,
 २४३।
 वज्रुला ३०६, ५२८।
 वज्रुली १८४, ४६२।
 वट २७९, १०१।
 वटक १५७, २१७, १६२, २६३, २१३,
 १०२।
 वटपत्र २११, २९१।
 वटपत्रा २७७, २५८।
 वटसौगम्यिक १९६, ५७०।
 वटी २०८, ५५, २१३, १०३, २६०,
 १०३।
 वटु ३०, ९३, ७०, १२।
 वट्टरण ७०, १४।
 वड ३२७, ९०।
 वडभि (भी) १५, ६४।
 वडवा १११, ११९।
 वडवानल ३७८, १३।
 वडु २२७, ११५, २३४, १४५।
 वडि (लि) व (शा) ३५१, ७१।
 वणिक्य =विपणि ।
 वणिज् १८६, ४७७।
 वणिज्या १३२, ३, १८६, ४७८।
 वण्टक =भाग ।
 वण् १३३, १२।
 वण्ड १८२, ४४३।
 वत=खेद सतोषे च ।
 वतोका १८३, ४५६।

वत्स ४१, ११२, १८२, ८८९, २६८,
 १७६, ३९३, १२१, ४१३, ७४।
 वत्सक १२६, ०६२, २६८, १७९।
 वत्सकन्द १४७, १३५।
 वत्सकामा १८३, ४६८।
 वत्सकाशीय १९६, ७७२।
 वत्सनर १८२, ४४२।
 वत्सनाम १७७, ८०४, ३६६, ०३।
 वत्सपत्न १०, ११।
 वत्सर ४१३, ७२।
 वत्सल २१६, २३।
 वत्सला १८३, ८५८।
 वत्साठनी २०६, ८७६, २९७, ८२८।
 वद २२२, ७१।
 वदन ३७, १८०।
 वदरी ३०८, १२६।
 वदात ४३५, १६१।
 वदान्य २१५, ८।
 वदान्यश्च ८८, १३२।
 वदावद २२२, ७१।
 वद २२७, ११५।
 वध १३०, ३७३, १३१, ३७।
 वधु १७७, ४०४।
 वधूरी=युवति ।
 वधूशयन १५, ६०।
 वधोद्यत २२३, ८४।
 वध्य २२३, ८६।
 वधी २०९, ६४।
 वन २४८, १, ३४४, १।
 वनकदली २५९, ६०।
 वनकन्द १७९, ४१९।
 वनकाद्रव १३६, ३९।
 वनगृह ३२२, ४६।
 वनगो ३२०, ०३।
 वनचन्द्रिका २७७, २५६।
 वनज २६३, १३१।
 वनजा २१९, ४५०।
 वनतिक्षिका=पाठा ।
 वनदीप २७६, २४५।

- वनदु. २५६, ७०।
 वनन्तप २०६, ४०।
 वनपिष्ठली १७१, ३४५।
 वनपुष्टिका २९९, ४४९।
 वनप्रस्थ २७८, ९०।
 वनप्रिय ३३२, १३६, ३३४, १४८।
 वनप्रिया २५४, ५७।
 वनभूषण ३१९, १८।
 वनभूषणा ३३३, १३८।
 वनमधिका ३३८, १४७।
 वनपत्त ३१९, १४।
 वनमङ्गली २७७, २६१।
 वनमालिन् ४५४, २५।
 वनमालिनी १०, १८।
 वनमुद्र. १३८, ५७।
 वनमूर्धजा. १७६, ३९२।
 वनरम्मा २५५, ६३।
 वनराज ३१८, ६।
 वनरक्षी २५५, ६१।
 वनवर्वरी २८१, २९२।
 वनवल्ली २८९, ३६२।
 वनवहि ३७८, १४।
 वनवासिन् १७२, ४१४, १८०, ४२४,
 २६४, १४३।
 वनवृत्ताकी ३००, ४५५।
 वनशृंजाटक. ३००, ४६३।
 वनसमूह २४९, १०।
 वनसकरी २९३, ३९९।
 वनसप्ति २५०, १५, २५९, १०२।
 वनहरिदा १४६, १२७।
 वनहास २७८, २६९।
 वनाहु १३८, ४५१।
 वनाट ३२, १०९।
 वनान्तरा ९, ९।
 वनाम २५४ ४९।
 वनामु=हरिण ।
 वनामुज. ११०, १९५।
 वनारि २८५, ३२२।
 वनारिष्टा. १४६, १२७।
- वनावुक ६, २१।
 वनिता २०, ५।
 वनीप (य, क २२४, ५१।
 वनेज्यक २५४, ५१।
 वनेन्दु १७३, ३६८।
 वनोद्धवा २६१, ११८।
 वनौकस् ३२२, ४६।
 वन्दक ८५, १८७।
 वन्दनमालिका ६७, ७९।
 वन्दना ८१, ११४।
 वन्दनीया ६३, ३९०, १८३, ४५३।
 वन्दा () ३११, ५५७।
 वन्दार २२०, ५९।
 वन्दिन्. १२५, ३३२, १३१, ३८५।
 वन्दियाठ १२६, ३३३।
 वन्दिशालिका ६४, ५६।
 वन्दीकार २०७, ४९।
 वन्ध्यकोटकी २९४, ४०३।
 वन्ध्या २९४, ४०३।
 वन्य ८५, १४९, १७७, ४००, २९०,
 ३७३।
 वन्यगो ३२०, २४।
 वन्या २४९, १०।
 वन्यार्दिका १४६, १२८।
 वपा ४५, २२९।
 वपु स्व ४५, २२२।
 वपुस् ३४, १२८, ४३७, १८, ३७१, १६।
 वपृ ३१, १००।
 वप्र ८, ३६, ११, ३०, ३१, १००,
 १९३, ५४९, २३८, ३२।
 वप्तु ३२३, ५४।
 वश्रुक ११३, २२१।
 वम (न) ५५, ३१४।
 वमथु ५५, ३१४, १०७, १६३।
 वमन ५५, ३१५।
 वमनी ३३७, १८२।
 वमि (मी) ५५, ३१४।
 वम १९३, ५४८।
 वंगी. ३२५, ७३।

वय सधिमती २२, १९।
 वयस् ३२६, ८३।
 वयव्य ३१, ९६।
 वयस्या २६१, १२०, २९१, ३७६, २०२
 ३८४, २९८, ४४।
 वयव्य ११, ८३, ४२६, ८६।
 वयस्या २२, ८४।
 वयुन ३७०, १, ४०२, १०१।
 वयुनस् ३९९, १७६।
 वर ३४, १२३, ६२, ३७८, १३८, ४९,
 १५२, १७७।
 वरक १३५, २४।
 वरकण्टकी ३०४, ४९८।
 वरकेशान्ति ४३०, ११७।
 वरकोरक ३०९, ५३३।
 वरट ३३१, १२१।
 वरटा ३३१, १२५, ३३८, १८६।
 वरटी ३३१, १२७, ३३८, १९१।
 वरण ११, ३०।
 वरणासी ११, २१।
 वरण्ड =मुखरोगालिन्दश्च।
 वरतिक २६५, १५५।
 वरतिका १७५, ३८१।
 वरत्रा १०८, १७६, २०८, ५५, २०९,
 ६५, ३५०, ६४।
 वरत्री २०९, ६४।
 वरद २१५, ९, ३१०, ९३।
 वरदा ३०७, ५२२, ३३८, १८३, ३९४,
 १३३, ४०४, २२१।
 वरनिमन्त्रणा ४३०, ११७।
 वरपोत ३२२, ४३।
 वरप्रदा ४०४, २२१।
 वरमन्ती ४२६, ८७।
 वरयात्रा ४३०, ११७।
 वरयितृ ३४, १२३।
 वरशचि ८३, १३५।
 वरला ३३१, १२७।
 वरवर्णिनी २१, १०।
 वरवासिन् ३८८, ७७।

वरा १५६, २०७, १७१, ३८९, ३०९,
 ७१०, ३९४, १३१।
 वराङ्ग १०४, १२०।
 वराङ्गक ४३, २०५।
 वराङ्गी १७१, २०८, १७७, ८००।
 वराट (क) १९९, ६००, २०८, ५५,
 २१३, १०२, ३०८, १२८,
 ३६१, १५५, ४३०, १२३।
 वराणम ७, २४।
 वरारक १९९, ६००।
 वराराहा २१, ९।
 वराला ३३१, १२०।
 वरालिका ३२३, १२६।
 वराशि (सि) ५२, २८९।
 वराह २२६, १११, ३२०, २६।
 वराहक २८६, ३३२, ३९६, १५१।
 वराहर्णी १२४, ३१७।
 वराहपत्रिस ३०४, ४९६।
 वराही २९३, ३९९।
 वरिवस् १९२, ५३६।
 वरिवसिन २३२, १६७।
 वरिवस्या ७१, २५, ८१, ११६।
 वरिवस्त्रित २३२, १६७।
 वरिष्ठ (ष) १९३, ५४३, २३४, १८३,
 २६२, १२४।
 वरिष्ठा ४४०, ११।
 वरी १५३, १८३, ३०४, ४९७।
 वरीयस् (यान्) =उरुतरो वरतरश्च।
 वस्त २०६, १६।
 वस्ण २७२, २१५, ३७०, ८, ४३६, ४,
 ३७१, १४, ३८७, ६७।
 वस्णदेवत्य ४०१, १९६।
 वस्णात्मजा =मुरा।
 वस्थ (था) १०४, १३९।
 वस्थिनी ११६, २४८।
 वरेष्य ६२, ३७८, २२६, १०८।
 वरोली ३३८, १९९।
 वर्कट २२२, ७४।

| | | | |
|-------------------|--------------------------|-----------------|--------------------------|
| वर्कर | ३३३, ११५, १८५, ४६८, ४२६, | वर्तीर | ३३६, १७०। |
| | ८२, ४४९, ९४। | वर्तुल | १४५, ११६, १७८, ४०८, २२८, |
| वर्ग | ४४५, ६१। | | १२५, ३९२, ११७। |
| वर्चट | १३८, ८०। | वर्तुली | १७०, ८४४। |
| वर्चस् | ४७, २४८, ४३७, १८। | वर्तमन् | १९, ९५। |
| वर्चस्कम्=ग्रथम्। | | वर्तमनि=वर्तनि। | |
| वर्च्या | ३०८, १२६। | वर्वम्=शीसकम्। | |
| वर्ण. | ६२, ३०, ६९, ४, * ७०, १८, | वर्वकम्=भार्गी। | |
| | १०८, १७७, १९०, ५१९, ४४४, | वर्वकि. | २०४, १९। |
| | ४७। | वर्धन | १०१, १०८, १३०, ३७०, २२०, |
| वर्णक | ६४, ३९। | | ६०, २३९, ३९। |
| वर्णकरा | १३९, ६१। | वर्धना | २३७, २५। |
| वर्णकवि | ३८८, ७८। | वर्धनी | १८, ८७, १४४, १०३। |
| वर्णकूची | ९६, ६७। | वर्धमान | १५, ६६, १७, ७९, १४४, |
| वर्णज्येष्ठ | ६९, ११। | | १०५, २८५, ३२५। |
| वर्णतूली | ९६, ७१। | वर्धमानक | १६६, २९९। |
| वर्णदृत | ९६, ७१। | वर्धमाना | २६१, १११। |
| वर्णधात्री | १५६, २०८। | वर्धापन | ४२६, ८३। |
| वर्णन | ४४४, ५१। | वर्धिष्णु, | २२०, ६०। |
| वर्णना | ४४७, ८०। | वर्वरा=अजगन्धा। | |
| वर्णप्रमादन | ६५, ४०७। | वर्षुर. | २८४, ३१४। |
| वर्णफल | १४८, १५३। | वर्मज. | ४९, २२४। |
| वर्णवती | १५६, २०७। | वर्मन् | ११४, २२८। |
| वर्णशाक | १५२, १७३। | वर्मित. | ११४, २३१। |
| वर्णित | २३४, १८। | वर्य | २२६, १०८। |
| वर्णिन् | ७, १२। | वर्या | २१, १६। |
| वर्णिनी | १५६, २०८। | वर्वद | ३८९, ८३। |
| वर्तक. | ९०, १३, १९४, ५५५, ३३४, | वर्वणा. | ३३७, १८७। |
| | १५५, ३३६, १७। | वर्वर | ६२, ३७६, १३९, ६२, १६४, |
| वर्तका | ३३६, १७। | | २८४, १७३, ३६४, १९५, ५६४, |
| वर्तन | १९, १५; ७३, ४३, २२१, ६९। | | २८१, १९५। |
| वर्तनि (नी) | १९, १४, २१०, ७३। | वर्वरेशिन् | २८, ७७। |
| वर्तरी | ४४८, ८६। | वर्वरलोहित | ६२, ३७७। |
| वर्त्तलोह | १९४, ५५५। | वर्वरी=अजगन्धा। | |
| वर्ति. | ५१, २८४, ६४, ३६७, | वर्ष | ३९६, १५३, ४१३, ७४। |
| | ३३४, १५४, ३३६, १७। | वर्षकोश. | ४११, ५४। |
| वर्तिकाश. | १५५, २१७। | वर्षण | ३९६, १५३। |
| वर्तिष्णु | २२१, ८। | वर्षणि (णी) | २४, ३५। |
| वर्ती. | ३३४, १५५। | वर्षमुष्पा | ३०३, ४९०। |

| | | | |
|--------------------------|--|-------------------|---|
| वर्षप्रिय | ३३३, १४६। | वलक्लोध्र | १७४, ३७७। |
| वर्षवर | २०, १८। | वलक्वत् | ३५८, ७३। |
| वर्षा | ३७७, १६८, ४१३, ७०। | वल्नारा | १७, ८३। |
| वर्षाकालो. | १५४, १९३। | वल्न्या | ११३, २१९। |
| वर्षाद्य | ४११, १६। | वल्नित | ११३, २१९। |
| वर्षानन्द | ३७७, १२०। | वल्नु | २२५, १००। |
| वर्षाभू | १५२, १७८, ३१३, ५७५, ३३७, १७६, ३५७, ११९। | वल्नुनी | ३२८, १०१। |
| वर्षाम्बी | ३७७, १२१। | वल्मि =शेतपिणीलक। | |
| वर्षायस् | ३०, ९५, ३१, ९७। | वल्मि (लमा) क | ८२, १२५। |
| वर्षुक. | ३९६, १५२। | वल्मीकिराका, | ३२५, ७४। |
| वर्षुपल =करका। | | वल्मीकम्यार | ११७, ५७९। |
| वर्ष्मन् | ३४, १२८, ३६३, २०। | वल्मीकिन् | ८२, १२५। |
| वलक्ष | ४३४, १६०। | वल्की | ४२३, ५९। |
| वलम् | ४२, १३९। | वल्लग | २२५, १०२। |
| वलजम्=क्षेत्र नगरदारं च। | | वल्लमुण | १७०, ३३३। |
| वलजा | २२, २५। | वल्लन | १६६, ३०१। |
| वलभि (भी). | १५, ६३, १६, ७४। | वल्लभ | ६५, ४०८। |
| वलय | ४९, २६४। | वल्लभा | २६१, ११४। |
| वलयितम्=वेष्टितम्। | | वल्लर | ६५, ४०६, २५१, २८। |
| वलाक | ३३०, ११६, ३७१, २०। | वल्लरि (री) | १५४, १९५, २५१, २८। |
| वलाक्षा | ३३०, ११२। | वल्लव | ९३, ३९, १४३, ९६, १८०, ४२९। |
| वलाहका | ३३०, ११३। | वल्ली. | २८८, ३५५। |
| वलि | ७९, ९८, ३६३, १६। | वल्ली (लि) | १३९, ६५, १७१, ३५, २५०, १९, २९८, ४४१। |
| वलित | ३०, ८८। | वल्लीकरञ्जक | २८५, ३३०। |
| वलिर | ३२, ११२। | वल्लीज | १५३, १७७। |
| वली | ३०, ८९। | वल्लीदूर्वा. | २८८, ३५४। |
| वलीक | १६, ७३। | वल्लीबदरी | २६१, ११५। |
| वलीमुख | ३२२, ४६। | वल्लीमुद्र | १३८, ५७। |
| वलीर | ३२, ११२। | वल्लीवृक्ष | २६९, १९०। |
| वलूत | ३६५, ९८। | वलु (लू)र. | ४५, २२८, १६५, २९१। |
| वल्क | १७७, ३९९, ३५६, ११५। | वल्वजा | २८७, ३४५। |
| वल्कदुम | २७१, २०७। | वश | ८२, १२५, २१७, २५; २३९, ४०। |
| वल्कपत्र | २७०, ११६। | वशकिया | २३५, ६। |
| वल्कल | १७७, ३९९, २५१, २४, ३५६, ११५। | वशा | २२, २३, ४४०, ११, १०५, १४७, १८३, ४५६। |
| वल्कलज. | ५०, २७५। | वशिक | २२६, १०६। |
| वल्कलसभव | ५०, २७२। | वशिर | १५३, १८१, १७१, ३५०। |
| वल्कलभा | ३१०, ५४७। | | |

वशिष्ठ ४०३, २१३ ।
 वश्य २१९, ४७ ।
 वश्यंकर १५३, १८८ ।
 वश्या २२, २३ ।
 वषट् ४५८, ११ ।
 वषट्कृत ७६, ६८ ।
 वष्ट्यणी १८४, ४५० ।
 वसति (ती) १२, ३६, ४०९, ३४ ।
 वसथ १२, ३८ ।
 वसन ५०, २७१, ५२, २९० ।
 वसन्त ४१३, ६७ ।
 वसन्तक १३९, ५८ ।
 वसन्तदूत ३३२, १२६ ।
 वसन्तदु २५४, ४२ ।
 वसन्तपुष्प २७१, १०२ ।
 वसन्तमुन्दर २७३, २३९ ।
 वसा ४९, २२९ ।
 वसादिना २६९, १८५, ३०१, ४६६ ।
 वसिर १५३, १८१ ।
 वसिष्ठ ६८, १, ८३, १३८, २३४, १८४, ।
 ४०३, २३ ।
 वसु १३८, ५३, १८७, ४९४, १९२,
 ५२२, ३७०, ७, ४३७, १५, ३७६,
 १, ३७७, ९, ३८७, ७३, ४३९,
 ९ ।
 वसुक ६५, ४०८, १५२, १७४, १५३,
 १८३, २७४, २३३, २७८, २७०,
 ३१४, ५७६ ।
 वसुकीट १२६, २०३ ।
 वसुचित्रा ३०९, ५४१ ।
 वसुदेव ४५४, २६ ।
 वसुदेवत ४०१, १९५ ।
 वसुदुम २६०, ५०८ ।
 वसुधा २, १५ ।
 वसुधारा ४४१, २६ ।
 वसुधेरिणी ३, ११ ।
 वसुधरा २, १७ ।
 वसुपाण्ड १५३, १८३ ।
 वसुगमा ३८८, ७५ ।

वसुमत् ३७४, ४६ ।
 वसुमती २, १७ ।
 वसुषेण ९३, ३६ ।
 वसुसारा ३८८, ७५ ।
 वसूक=वसुरु ।
 वस्त १८५, ४६९ ।
 वस्तमेषान्त्रिका २९६, ४२२ ।
 वस्ति ५१, २८४ ।
 वस्तिमल ४७, २४६ ।
 वस्तिरोबन २८६, ३३१ ।
 वस्तु २३९, ३९ ।
 वस्त्य १२, ३६ ।
 वस्त्यम्=वसनम् ।
 वस्त्यग्रन्थि २३८, ३७ ।
 वस्त्यपञ्चर १७९, ४१५ ।
 वस्त्यपाव २०४, २० ।
 वस्त्यभङ्गशब्द १३, २२९ ।
 वस्त्यभूषण १७८, ४०९ ।
 वस्त्यभूषणा १७४, ३७१ ।
 वस्त्ययोनि ५०, २७२ ।
 वस्त्यरज्ञा २९७, ४३६ ।
 वस्त्यवेशमन् ५३, ३०१ ।
 वस्त्यव्यस्य ५२, २८५ ।
 वस्त्यान्त ५१, २८४ ।
 वस्त १३३, ६, १८६, ८७८ ।
 वस्त्यसा=स्त्रायु
 वस्त्योकसारा ३८३, ३४, ३८८, ७६ ।
 वह १९, १५, ३४७, २९, ३७१, १७,
 ३७९, १, ३८१, १८ ।
 वहति (हु) १८१, ४३८ ।
 वहन ३५०, ५९, ३५१, ६५ ।
 वहा ३४७, ३२ ।
 वहिनक ३५१, ६५ ।
 वहिन ३५० ५९ ।
 वहेङ्क २६५, १५३ ।
 वहि ३७६, २ ।
 वहिजन्मन् २४९, १२ ।
 वहिवीपिता १७३, ३६० ।
 वहिदीप २६२, १२५ ।

- वहिन्दवज ३७८, १७ ।
 वहिपुष्टी १७४, ३७७ ।
 वहिलीज २६२, १२५ ।
 वहिरेतस्. ३८९, ८८ ।
 वहिवलभ २०१, ६१६ ।
 वहिशिख =कुसुमभ ।
 वहिशब्दर ६२, ३७८ ।
 वहिसङ्क १७२, १५६ ।
 वहिसंभूत ३०७, ५१७ ।
 वहिसत्य १५४, १९१ ।
 वहि (ही) क ६, २० ।
 वा ४५८, ७, ४५९, १३, ३७९, १ ।
 वाशी १७३, ३६८ ।
 वाक ३३०, १११ ।
 वाकुची ३०२, ४७३ ।
 वाक्यपति २२२, ७१ ।
 वाक्यपिका २९९, ४४९ ।
 वाक्यप्रश ३४८, ४४ ।
 वाक्य ४४२, ३१ ।
 वाक्ययोजना ४४४, ५१ ।
 वाक्यहारिणी २३, २६ ।
 वागशनि ३६८, ४ ।
 वागीश २२२, ७१ ।
 वागीश्वर ३९३, १२० ।
 वागुची (जी) ३०२, ४७४ ।
 वागुद. ३३६, १७२ ।
 वागुरा २०८, ५४ ।
 वागुरिक २०५, २८ ।
 वागुरिन् २०५, २८ ।
 वागुम ३५३, ८९ ।
 वागदल ३७, १५५ ।
 वागदेशिन् ३३२, १२३ ।
 वाग्मिन् २२२, ७१, ३३३, १४०, ४०२,
 २०४ ।
 वाङ्ख ४४६, ६९ ।
 मु ४४४, १५८, ४४१, २४ ।
 वाच् ४३४, १५८, ४४१, २४ ।
 वाच्यम ८८, १७५ ।
 वाचक ४४३, ४१ ।
 वाच्यति =वृहस्पति ।
- वाचाट (ल) २२२, ७२ ।
 वाचाल ३३४, १४८ ।
 वाचिक ४२२, ५२, ४४२, ९० ।
 वाचोयम (न) ७१, २६ ।
 वाचोयुक्तिपटु. २२२, ७१ ।
 वाचे हारक ९६, ७१ ।
 वाज ४६, २३२, ११८, २६८, ११९,
 २७५, १५९, २३८, ३३९, १९९ ।
 वाजगीव ३५३, ८३ ।
 वाजपय ७५, ६० ।
 वाजरि १३८, ५० ।
 वाजिदन्तक. ३०१, ४६७ ।
 वाजिदाता ३०१, ४६६ ।
 वाजिन् ११०, १३०, १८७, ४९४,
 ३२७, ८४ ।
 वाजित ७८, ८७ ।
 वाजिनिन् ७०, १३ ।
 वाजिनी ३०४, ४९५ ।
 वाजिभक्ष्य १३८, ५६ ।
 वाजिवलभा १७९, ४२२ ।
 वाजिशाला १३, ४७ ।
 वाजी ११८, २७०, ३०१, ४६७ ।
 वाजीक १३७, ४५ ।
 वाञ्छा ४४२, १३७ ।
 वाट ८, ३७, ९, ९, १०, ९४, १६०,
 २४५ ।
 वाटिका १६६, ३०० ।
 वाठी=गृहमुद्यानं च ।
 वाव्यालका=बला ।
 वाडव. ६९, १०, १११, २००, ३७८,
 १४ ।
 वाडवहारक ३५६, ११६ ।
 वाडवानल. ३७८, १४ ।
 वाडवेय ३८४, ४४ ।
 वाडव्य. २४४, ८७ ।
 वाढ. २३४, १८५, ३८१, १८ ।
 वाढम् ४५९, १७ ।
 वाण. ३६२, १७, ३८२, २५, ३९१,
 १०८ ।
 वाणपुर. ११, २३ ।

वाणारि ४५६, ४४ ।
 वाणि २०८, ५७, ४४१, २५ ।
 वाणिज १८६, ८७७ ।
 वाणिजक १८६, ४७९ ।
 वाणिज्य १८६, ४७८ ।
 वाणिनी=नर्तकी दूती च ।
 वाणी (णि) ४४२, २८, ४४१, २५ ।
 वात ३७२, २२, ३८०, ८ ।
 वातक =शाणपर्णी ।
 वातकिन् (की)=वातरोगी ।
 वातकेतु १२६, ३३५ ।
 वातगुत्तम. ३८०, ७ ।
 वातग्नि ६६, ४१३ ।
 वातग्नी ३०४, ४९५ ।
 वातज. ५८, ३४१ ।
 वाततूल २८२, ३०० ।
 वातपोथ २७५, २३६ ।
 वातप्रतिच्छद ३९०, ६४ ।
 वातप्रभी ३२१, ३५ ।
 वातमञ्चक १८, ९० ।
 वातमण्डली. ३८०, ९ ।
 वातमहापट ३५०, ६४ ।
 वातमृग ३२१, ३५ ।
 वातरथ ३९६, १५१ ।
 वातरथ ३९७, १५२ ।
 वातरोगिन् (गी)=वातकी ।
 वातर्दि (दी). १७, ७७ ।
 वातशीर्ष ४२, २०१ ।
 वातशोणित. ५८, ३८४ ।
 वातस्कन्दव ११०, १९३ ।
 वाताधार ३५०, ६४ ।
 वातायन १५, ६०, ११०, १९२ ।
 वातायु ३२१, ३२ ।
 वातारि १४७, १३३, १७१, ३४८, १७२,
 ३५३, २५६, ७१, २६६, १६४ ।
 वातारिका २९९, ४४६ ।
 वाताली ३८०, ९ ।
 वाति ३८०, ६ ।
 वातिक (ग) १५०, १५६ ।

वातिङ्गण १५०, १५६ ।
 वातु (तू) ल ३८०, ७, ३८०, १० ।
 वातोद्धव ३८०, १० ।
 वात्या ३८०, ९ ।
 वात्सक १८२, ४४१ ।
 वात्सल्य ४२७, ९० ।
 वात्सीपुत्र. २०४, २० ।
 वात्सायन ८३, १३७ ।
 वादर २१०, ७१, ३०८, ५२६ ।
 वादेला ४४१, २४ ।
 वादल ४४५, ५८ ।
 वादिक ८४, १४४ ।
 वादित्र ४२३, ७ ।
 वादिराज् ३९३, ११९ ।
 वाद्य ४२३, ५७ ।
 वाधुक्य ७३, ३९ ।
 वानूय ७३, ४० ।
 वान्मीणस ३२०, २२, ३३५, १५७ ।
 वान २०८, ५८, २५३, ४२ ।
 वानप्रस्थ ७०, १२, ८७, १६८ ।
 वानर. ३२२, ४६ ।
 वानरास्य. ३७४, ४२ ।
 वानरी. २५३, ३९४ ।
 वानरेश्वर ९५, ६० ।
 वानसप्त्य २५०, १५ ।
 वानायु ६, २१ ।
 वानी २०८, ५८ ।
 वानीर २७१, २०३ ।
 वानीरक २८७, ३४० ।
 वानेयम=कैवर्तीमुस्तकम् ।
 वान्तसमव ६५, ४०४ ।
 वान्ताशिन ८६, १५६, २०६, ३९ ।
 वान्ति. ५५, ३१४ ।
 वान्तिमरा ३३७, १८९ ।
 वान्तिसस्या २६०, ११० ।
 वान्तिशोधिनी १५४, ११३ ।
 वापदण्ड २०८, ५७ ।
 वापि (पी). ३५८, १३३ ।
 वीपीह ३३३, १४६ ।

| | |
|--|--|
| वायम्=कृष्णम् । | वार् ३४४, ७ । |
| वाम ३६, १४८, २२५, १००, ३७१, १६, ३९०, ९८ । | वार १३२, २, २९६, ६९, ३३९, २०० । |
| वामद्व ३८९, ८६ । | वारंवारम ४५७, २ । |
| वामन ३३, ११८, १०९, १८५, २२८, १२७, २३४, १८५, ४५२, १२, ३७५, ५१ । | वारकी २७, ६५ । |
| वामना ३७३, ५३ । | वारकील ४४, २१५ । |
| वामलूर=वल्लीकम् । | वारटी ३३१, १२३ । |
| वामलोचना=वामाक्षी । | वारण १०४, १४२, ३२१, ३० । |
| वामा २१, १ । | वारणवुमा=कदली । |
| वामाक्षी २१, १२ । | वारणी १७, ८३ । |
| वामिक ८४, १४६ । | वारवाण ५३, २९६, ११४, २०८ । |
| वामिन् ८४, १६६ । | वारमुख्या=मुख्या वेश्या । |
| वामी ५५, ३१७, १११, १९९, ३५६, १११ । | वारयोगिन २४, ३७ । |
| वामुकी १५०, १६२ । | वारला ३३१, १२६, ३५३, ८८ । |
| वाय २०३, १४ । | वारवल्लभ २७८, ९१ । |
| वायक ३२५, ६८ । | वारवाणि २४, ३८, ४२५, ७६ । |
| वायदण्ड. २०८, ५९ । | वारस्ती=वेश्या । |
| वायवी ३७५, ५१ । | वाराणस. ७, २४ । |
| वायस ३२८, ९४ । | वाराणसी ११, २१ । |
| वायसादी २९७, ४३२ । | वारहकणी ३०४, ४९४ । |
| वायसादीनी २९५, ४१४ । | वारहकालक २७८, ९२ । |
| वायसाराति=उलूक । | वाराही १७५, ३८६, १७५, ४१६, ३९१, १०५ । |
| वायसी २९५, ४१५, २९७, ४३० । | वारि १०८, १७३, २८१, २९५, ३४५, १२ । |
| वायसूलका २९२, ३८३ । | वारिकन्द. १७९, ४२३ । |
| वायसेक्षु. २८७, ३४१ । | वारिकुञ्ज ३६०, १५३ । |
| वायसो (ली) लि २९२, ३८३ । | वारिक्षमि ३५७, १२२ । |
| वायु ३७२, १ । | वारिचामर. ३६०, १५१ । |
| वायुदारु ३९६, १४९ । | वारिज १५३, १८२, १९६, ५७३ । |
| वायुदैत्य ४०१, ११२ । | वारित्रा. १५, ५८, २०४, २५ । |
| वायुपुत्र ९३, ३९ । | वारिद ३९६, १५० । |
| वायुफल ३९७, १६२ । | वारिद्रोणी. ३०६, ५१२ । |
| वायुमक्ष ३६३, १ । | वारिधि १८७, ४९६ । |
| वायुमार्ग ३, २३ । | वारिपर्णिका ३६०, १५० । |
| वायुवाहन ३७६, २ । | वारिपात्र ३४२, १६ । |
| वायुसख ३७७, ६ । | वारिप्रवाह ३४३, २१ । |
| वायुमुख. ९४, ८६ । | वारिमसि. ३९६, १५२ । |

| | | | |
|--------------------|--|---------------|---|
| वारी | १०८, १७३। | वालिका | ६, १८। |
| वारुण | ३४५, १९, ४०३, २११। | वालिनी | ४००, १८। |
| वाहणि | ४०४, २१। | वाल्लक | ६३, ३८८, ३०५, ५००। |
| वाहणी | २११, ८४, २८८, ३५९, २९४, ४०७, ३७५, ५१। | वाल्लका | ६, १८, ३४९, ५५। |
| वार्कटी. | १७२, ३५९। | वालेय. | १४५, ११५, १८५, ४७१। |
| वार्ष | २४८, २। | वालक | ५०, २७२। |
| वार्गर | २७, ६६। | वालकली | २११, ८५। |
| वार्ता | ६०, ३६१, ६०, ३६३। | वालिमकिन् | ८२, १२६। |
| वार्ता. | ७३, ४३, १५०, १५६, ४४६, ६५। | वाल्मीक. | ८२, १२५। |
| वार्ताक | १५०, १५६। | वाल्मीकि | ८२, १२५। |
| वार्ताकी | १४९, १५१, १५०, १५६, २५९, ४५३। | वाल्मीकिशिष्य | ४५३, २०। |
| वार्ताकु. | १५०, १५७। | वावदूक | २२२, ७। |
| वार्तायनि. | ९६, ६५। | वावृत्त=वृत्त | । |
| वार्तावह | २०५, २०। | वाशक. | ३०१, ४६७। |
| वार्तिक | ९६, ६५, ४३०, १२०, ४४४, ४८। | वाशा | ३०१, ४६७। |
| वार्तिका | २६६, १६६। | वाशा (श) का | ३०१, ४६७। |
| वार्धक (क्य) | ३०, ८८, २४४, ८९। | वाशिका | ३०१, ४६७। |
| वार्धपिका. | ४२६, ८३। | वाशि (सि) त | ४५०, १०६। |
| वार्षुष (धि) | १३३, ५। | वाशिता | २१, १। |
| वार्षुषि (क) | =कुसीदक। | वाशिष्ठ | ४४०, १५। |
| वार्षण | २४४, ८। | वाश्चारिक. | २०४, २। |
| वार्षय | १५३, १८। | वास | १२, ३। |
| वार्षट | ३५०, ५९। | वासक | ३०१, ४६६। |
| वार्षिक (को) | ३११, ५५२। | वासकसरा | १७६, ३८८। |
| वार्षिका | २७७, २५९। | वासगृह | १४, ५७। |
| वार्षिकी | ३११, ५५२। | वासतेयी | ४०९, ३७। |
| वाल | ३५, ३४, ११२, २१०, १४१, ८। | वासदायिन्. | २२१, ६३। |
| वालक | १५३, १८८, ३५४, ९। | वासन्त. | १८४, ४६५, २६७, १६५ ३३२, १३६, ४३६, ६, ३८०, ९। |
| वालकीट | ३३९, १९२। | वासन्ति | २६५, १५२, २७५, २४२, २७७, २६१, ४१०, ४६। |
| वालधि. | ११२, २०८। | वासन्तिक. | ४२५, ७। |
| वालधिप्रिय | ३२०, २४। | वासन्ती | २६५, १५२, २७५, २४२, २७७, २६१, ४१०, ४६। |
| वालपत्र | २८३, ३०७। | वासयोग | ६४, ३९८। |
| वालपाश्या=ललाटिका। | | वासर (स्त्र) | ४०५, १। |
| वालपुत्र. | ४७, २४१। | वासरकन्यका. | ४०५, ३६। |
| वालहस्त. | ११२, २१०। | वासव | ३८२, २। |

- वासा (स) का ३०१, ४६७।
 वासिका ३०१, ४६७।
 वासित ६४, ३९८, १६४, २८५।
 वासिता २१. ९।
 वासिष्ठ ४५, २२७, ४४०, ११।
 वासिष्ठी ३४८, ३९।
 वासी २१०, ७८।
 वासु ४५२, ९।
 वासुकि ३६४, ८।
 वासुदेव ११०, १९२, ४५३, २२।
 वासुदेवप्रिय ३९६, १०६।
 वासुभद्र ४५१, २।
 वासुरा ४०९, ३७।
 वामू=वाला।
 वासारी ३७३, ३३।
 वास्तु=वेदमध्य ।
 वास्तुकी १५१, १७०।
 वास्तुर्गृह १५, ५९।
 वास्तु (स्तू) क १५१, १६८।
 वास्तोष्यति ३८२, २३।
 वास्त्र १०३, १३२।
 वास्त्र १८६, ४७९, ४०५, १।
 वाहू ११०, १९१।
 वाह ११०, १९०, १८२, ४४५, ३८०,
 ५।
 वाहद्विषय १८१, ४३३।
 वाहन ११३, २२४।
 वाहना ११६, २४८।
 वाहस ३६५, १३।
 वाहिय १०७, १६८, ३५१, ६५।
 वाहिनी ११६, २४८, ११६, २५१।
 वाहिनीपति =सेनानी।
 वाहिक ६, २०।
 वाहीक ६२, ३७९, १५५, १२८।
 वि. ३२६, ८१, ४३६, १।
 विशति (ती) १८७, ४८८।
 विकङ्कृत २७३, २२।
 विक्रब २५२, ३५।
 विकचा ३०९, ५३८।
 विकट २२६, ११४।
 विकल्पन ४४८, ८१।
 विकराला ३९५, १३७।
 विकर्ण ३९२, ११२।
 विकर्तन ४३६, ३।
 विकर्ष ११८, २६९।
 विकल २४६, १०७।
 विकला ३९५, १३७।
 विकलज ३३, ११६।
 विकल्प २३७, २८, २३८, ३१।
 विकषा (स) १७४, ३६३।
 विकस १४२, ८४।
 विकसा १७४, ३६३।
 विकसित २५२, ३३।
 विकस्वर २२१, ८८, २५२, ३५।
 विकार ५४, ३०३, २४०, ५३।
 विकारण १३०, ३७२।
 विकालिका ४०८, २२।
 वि (वी) काश ९८, ८८, २५२, ३४।
 विकाशिन् २२१, ६०।
 वि (वी) कास २५२, ८४।
 विकाश=रह प्रकाशथ।
 विकामिन् २२१, ६५।
 विकिर ३२६, ८३।
 विकी (कि) रण २७४, २३२।
 विकुरि ३७२, २६।
 विकुर्ण २१६, १४।
 विकुल २७८, २६८।
 विकुस ३९८, १६८।
 विकूणिका ३७, १५२।
 विकृत ६०, ३५७, २२०, ५३, ४२८,
 १०४।
 विकृति ७८, ९९, २३६, १६, २४०,
 ५४।
 विक्र १०५, १४९।
 विक्रम ४४, २१८, २३७, २५, २४२,
 ६७।
 विक्रमादित्य ९५, ६२।
 विक्रय १८६, ४८४।
 विक्रियिक (न्) १८५, ४७६।

विकान्त ११६, २४६, २००, ६०५।
 विकान्तमेन्द्रसा २९७, ४२९।
 विकान्ता ३०५, ५०३, ३०७, ५२३,
 ३१२, ५६५।
 विकायिक १८५, ४७६।
 विकिया २४०, ५४।
 विकुष्ट ४२२, ४८, ४४७, ७४।
 विकेतु (ता)=विकयिक ।
 विकेय १८६, ४८३।
 विक्ष्व २२३, ८०।
 विक्षिप (द) ३२, १११, ३९९, १७५।
 विक्षाव=विक्षयणम् ।
 विक्षर्व ३३, ११४।
 विखु ३२, १११।
 विखुर ३८६, ५८।
 विख्य (ख) ३२, १११।
 विरतु ३२, १११।
 विगत=निष्ठम् ।
 विगतारोक २३२, १६५।
 विगतार्त्तवा=निष्कला ।
 विगम्या ३०४, ४९६, ३०७, ५२२।
 विगम २४१, ५८।
 विगलिसा ४१७, ७।
 विगान २३७, २७।
 विग्र ३२, १११।
 विग्रह ३४, १२७, १७, ८०, १२७,
 ३४३, २४१, ६४, ४१६, ९९,
 ४४४, ५१।
 विघ्स. ७९, ९५, १६६, ३०२, १६७,
 ३०८, २०१, ६२१।
 विघात १३१, ३७८, २३६, १२।
 विघ २, १०, २६१, ६२, २४६, १०५।
 विघराज २, ११।
 विघेश २, ११।
 विघेशाश्व ३२४, ५७।
 विघ्र ३२, १११।
 विहु ११२, २०८।
 विचक्षण ७४, ४८।
 विचक्षणा ३१२, ५६३।

विचयनम्=मार्गणा ।
 विचर्चिका ५८, ३४०।
 विचार ४३३, १४८।
 विचारणा ४२४, १४७, ४४३, ३६।
 विचारित २३२, १६४।
 विचिकित्सा ४३३, १४९।
 विचित्र ६८, ४३१, २७५, २४३।
 विचित्रला ३१३, ५६७।
 विचेष्ट २३७, २५।
 विच्युत २३२, १६९।
 विच्छन्दक १५, ६४।
 विच्छर्दक १५, ६५।
 विच्छायम्=पक्षिणा छाया ।
 विच्छिति २१, १२।
 विजन ९८, ८८।
 विजनन २५, ४८।
 विजय १३, ४४, ९३, ४३, १२०, २८३,
 १२९, ३६१, ४२४, ६७।
 विजयच्छन्द ४१, २६०।
 विजया १७२, ३५४, १७४, ३७०, २६५,
 १४७, २६६, १६१, २८४, ३१३,
 २८८, ३५२, ३०५, ५०३, ३०५,
 ५०६, ३०६, ५१३, ३१४, १२८,
 ३१५, १४०, ४४२, ३७।
 विजयाकृति ३७१, १९।
 विजिगीषु ९९, ९७।
 विजित १२९, ३६८।
 विजिल १६४, २८४।
 विजिलिल १६४, २८५।
 विजूम्भण ३२७, ८५।
 विजूम्भित २५५, ३३।
 विज्ञ (ल) ११९, २७२।
 विज (ज) ल ११९, २७२, १६४, २०५,
 १७७, ४०९, १८०, ४२४।
 विज्ञ. ७४, ५१, २१४, ४।
 विज्ञा ७४, ५१, २१६, १७।
 विज्ञान ४३२, १४३, ४३३, १४५।
 विज्ञानिक=वैज्ञानिक ।
 विंट. १२, ३४, २१३, १८, २१९, ५१,
 ४२५, ७९।

| | | | |
|------------------------|---------------------------------|-----------------------------|--------------------|
| विटक | ५८, ३४१। | विदन्त | १०५, १४६। |
| विट्क | १७, ७६। | विद (व) र | २३५, ८। |
| विट्य | ४४, २१४, १७८, ४०९। | विदर्भी | ३४९, ४८। |
| विटपिन् | २४२, ११, २५९, १०१। | विदलम्=वशपत्रम्। | |
| विदवलम् | २७७, २०३। | विदश | १७७, ३९८। |
| विटिकः | ५८, ३४१। | विदन् | ७४, ८९। |
| विट्चर=विद्वाह। | | विदार | १२८, ३५७। |
| विड | १५२, १७९। | विदारक | १७८, ४१२, ३४६, २४। |
| विड्ज्ञम्=क्षमित्र। | | विदारिका | १७२, ४२१। |
| विड्ज्ञा | १७२, ३५३। | विदारिगन्धा | २९९, ४५२। |
| विडहन | ३६७, ४। | विदारिणी | २६७, १६८। |
| विडाल | १९५, ५६७, ३१९, १९। | विदारी | २५२, ४७। |
| विडालपद | १९०, ५१९। | विदारीगन्धा | २९९, ४५२। |
| विडाली | १७९, ४२०। | विदित | २३३, १७७। |
| विडाज | ३८२, २५। | विदिश् | ३७५, ५४। |
| विडोजम् | ३८२, २०। | विदिशा | ३७५, ५५। |
| विद्वाह | ३२०, २८। | विदु | ७४, ५३, १०७, १६६। |
| वित, | ३६९, ७। | विदुर | ७४, ५०, २२१, ६४। |
| वितंस | २०८ ५४। | विदुल=जलवेतस। | |
| वितण्डा=वादभेद। | | विदूरज | १९९, ६०२। |
| वितत | ३४४, ५। | विदूलिका | २९८, ४८०। |
| विनय | ४४७, ७३। | विदूषक | २१९, ५०, ४२५, ७९। |
| वितरण | ७९, १००। | विदेश | ४४९, ९९। |
| वितर्क | २३७, २८, ४३३, १४७। | विदह | ६, २३। |
| वितर्दि (द्व) | १७, ७६। | विदेहा | १०, ९८। |
| वितल | ३६१, ३। | विद्ध | २३२, १६४। |
| वितस्ता | ३४८, ४६। | विद्धकर्णी | १७५, ३८। |
| वितस्ति | १९, १०९, ४०, १८२। | विद्धप्रजन | २८, ७४। |
| वितान | ५३, ३०१, ७५, ५९। | विद्याधर (ध) | ३७२, २४। |
| वितानक | २७०, १९८। | विद्युत | ३९६, १५४। |
| वितुण्ड | ३७४, ४४। | विद्युत | ३७१, १९। |
| वितुञ्चम्=खुनिष्पणकम्। | | विद्युतिप्रिय | १९४, ५०२। |
| वित्तक | १५३, १८९। | विद्युत्सर्पा | ३७३, ३१। |
| वित्ता | ३१३, ५६७। | विद्युदुध | ३७३, ३६। |
| वित्त. | १९२, ५३२, २१६, १७, २३२, १६४। | विद्विधि (धी) | ७७, ३३५। |
| विद | ७४, ४९। | विद्रपिन | २१४, ६। |
| विदघ | ७४, ५२, २१४, ५, २१८, ४४। | विद्र (द्व) व | १२९, ३६३। |
| विदत् | ७४, ५३। | विद्रुत | २२४, ९५। |
| विद्य | ७४, ५०। | विद्रुम | १९९, ५९६। |
| | | विद्रुमलता=अज्ञनके (को) शी। | |

विद्वानादिम् ७४, ५४।
 विद्वस् ६०, ३६४, ७३, ८७, ४२६
 ८३।
 विद्विष् (ष) ९१, २२।
 विद्वेष=वैरम्।
 विद्वेषिन् ९१, २२।
 विद्यवा २२, २२।
 विद्या १०९, १८०, २११, ८२, २३४,
 १, २३९, ४४।
 विद्यातृ ४३९, २, ४५३, ३८।
 विद्यातुभू ८२, १२३।
 विद्यान् १०९, १८०, २३४, १।
 विद्यारण ३७१, १४।
 विद्यि ६०, ३६४, ७२, ३५, २३४, १,
 ४३९, १।
 विधिदर्शिन् ७६, ७१।
 विविसंप्रेष २४३, ८०।
 विधु ४५६, ६, ३९८, १६८, ३९८,
 १७१।
 विधुत २३०, १४७, २३३, १७४।
 विधुन्तुद ४०३, २१०।
 विधुर २४१, ६३, २४६, १०७।
 विधुवन २३१, ७, २४०, ४७।
 विधूनन २३५, ७, २४०, ४७।
 विधूवन २४०, ४७।
 विधृत ३७१, १४।
 विधेय २१९, ४७।
 विनता ४४०, १२।
 विनतातनय ४५६, ४७।
 विनम्र २८०, २८२।
 विनयग्राहिन् २१९, ४७।
 विनस ३२, १११।
 विना=ऋते।
 विनाकृत २२६, १०९।
 विनायक २, १०, २१८, ४०, ३६८, ६।
 विनाश २४२, ६५।
 विनाशोमुख २३१, १५२।
 विनिम (मे) य १८६, ४८१।
 विनियोग २४३, ८२।

विनीत ११०, १९३, २१९, ४७, २८०
 २८४।
 विनीतक ११३, २२४।
 विन्दु २३, २९, २२१, ६४, ३५०, ५६।
 विन्ध्य ३४२, १३।
 विन्ध्यकूटक ४०४, २२०।
 विन्ध्यनिवासिन ८३, १३५।
 विन्ध्यनिवासिनी ३९४, १३२।
 विच २३२, १६४, २३३, १७१।
 विन्यस्त =व्यूढ ।
 विन्यास=रचना।
 विपक्ष ९१, २०।
 विपञ्ची ४२३, ५९।
 विपण १८६, ४८५।
 विपणि (णी) १०, ११।
 विपत्ति ११७, २५७।
 विपय १९, ९६।
 विपद् (दा) ११७, २५७।
 विपरीतकर ३७४, ४७।
 विपर्ण ३३, १२०।
 विपर्यय २४३, ७६।
 विपर्यास २४३, ७६।
 विपर्यत् ७३, ४७, २१९, ५
 विपाक २३९, ४१।
 विपाट ३४८, ४१।
 विपाट ११८, २६८।
 विपादिका ५७, ३३८।
 विपाशा ३४८, ४२।
 विपिन २४८, १।
 विपुल १३, ४४, २०८, ५३, २२७,
 ११५, ३७४, ४४।
 विपुला ३१०, ५४९।
 विपुषा ३०४, ४९६।
 विप्र ७४, ४९, २५९, ९९।
 विप्रकारे २४०, ५३।
 विप्रकृत=निकृत ।
 विप्रकृष्टकम्=दूरम्।
 विप्रतियार ४३२, १३६।
 विप्रतीसार ४३२, १३६।

| | | | |
|---------------------------|------------------------|------------------------|-------------------------|
| विप्रयोग | २४२, ७१, ४२७, ९२। | विमानक | १०३, १३०। |
| विप्र-ब्ध | २२०, ५२। | विमार्ग | १८, ८७। |
| विप्रलभ्. | २४७, ११४। | विमुक्त. | ३७१, १६। |
| विप्रलम्भ | २४२, ७१, ४३१, १२७। | विष्वन् | ३, २२। |
| विप्रलाप | ४४८, ८९। | विष्वद्वाजा=मन्दाकिनी। | |
| विप्रशिक्षा=दैवज्ञा। | | विष्वद्वूनि | ३६१, ६। |
| विप्रिय | ९९, ९४। | विष्वम | २४१, ६१। |
| विप्रुप् | ३१०, ५६। | विष्वात | २१९, ४९। |
| विष्वव | १२९, ३६४, २४०, ५२। | विष्वाम | ४१, १८७, २४१, ५८, २४१, |
| विलाच. | ३९२, ११५। | | ६१। |
| विष्वूप् | ३५०, ५६। | वियुत | ३८२, २८। |
| विफला | २७६, २४९। | वियाग | २३८, २९। |
| विखुव | ७४, ५३। | विरजा | २०९, ६३। |
| विभव | १९२, १३७। | विरच्छ | ४३९, ३। |
| विभा | ४३७, ६। | विरच्छन | ४५१, २, ४३९, ६। |
| विभाकर | ४३६, ८। | विरच्छ | ४७१, ३। |
| विभागा | ३४९, ८७। | विरच्छय | ४३९, ६। |
| विभाण्डा | २९८, ४४३। | विरति | २४३, ८०। |
| विभात. | ४०७, १६। | विरल | १५८, २२८, २२७, ११९। |
| विभावरी | ४०९, ३७। | विरन्जातु | ३३, ११७। |
| विभावसु | ३७७, ५, ३९८, १६९। | विरलद्वा | १५९, २४२। |
| विभीतक. | २६५, १५२। | विरहित | २२६, १०९। |
| विभीषण | २७०, १९६, २८८, ३४८। | विरगाह | २२४, ९६। |
| विभीषणाग्रज | ३८६, ६१। | विराज् | ७८, ९९, ८९, १, ३७१, १५। |
| विभूति | ७७, ८१, ३७८, २२, ३९१, | विराज | ८९, १। |
| | १०६। | विराव. | ४५०, १०२। |
| विभूषगम्=अलङ्कार। | | विराविणी | ३०५, ५०४। |
| विभ्रम | २१, १३, ४३०, १८३। | विरच्छ (चि) | ४३९, १। |
| विभ्राज् (द्)=राविष्णु। | | विरिणम्=खृत्यमूषरं च। | |
| विमनस | २१५, १४। | विश्व (धा) | २५०, २०। |
| विमय=परिवर्तनम्। | | विरुद्धक. | १४५, ११३, १५२, १०५। |
| विमद् | १२७, ३४७। | विरुप | ५५, ३१५। |
| विमद्दन | २३९, ४६। | विरुपा | १७७ ३८४, ३०३, ४७०। |
| विमल | १५२, १७७, २२५, १०५। | विरुपाक्ष=शिव। | |
| विमला | ३०८, ५२९। | विरुपिन् | ३२५, ६६। |
| विमलोदका | ३४८, ४६। | विरुष | १७१, ३८७। |
| विमतृज | २८, ७३। | विरेचन | २८२, ३०२। |
| विमान | १५, ६४, १०४, १४२, ३८४, | विरेचनकल | २५७, ८०। |
| | ४२। | विरोह | ३६१, २, ४३७, १६। |

| | | | |
|--------------------|--|----------------------------|---|
| विरोचन | १४७, १३०, २६६, १६४, २६३, १६, ४३६, ३, ३७७, ४, ३९८, १६६। | विवह | ३७१, १७, ३८१, १४। |
| विरोध =वैरम् । | | विवाद =व्यवहार । | |
| विरोध (न) | २४६, १०९। | विवाप | १३०, ३७३। |
| विरोक्ति | ४४८, ८९। | विवाह | ७२, ३८। |
| विल | ३४२, ९९। | विविक्त | ९८, ८८। |
| विलक्षण | ३२३, ५५। | विविध | २३१, १५८। |
| विलक्षण | २१६, २२। | विविषणक | १०५, १४५। |
| विलक्षण | २३५, ४। | विवृताक्ष | ३३२, १२०। |
| विलक्षित | २१९, ४४। | विवेक =पृथगात्मता । | |
| विलम्ब | ३९, १६८। | विव्वोरु | ४३०, १२३। |
| विलम्बित | ३२०, २१। | विश | ६९, ५, १३२, १। |
| विलम्बू. | २४७, ११५। | विशङ्कट | २२६, ११४। |
| विलम्ब | २४२, ५२। | विशद | २३४, १८०, ४३४, १६०। |
| विलाप =परिदेवनम् । | | विशदमूलिका | १४६, १२७। |
| विलापन | ३९२, ११०। | विश (स) र. | १३०, ३७३। |
| विलास | ४३०, १२३ | विशरण | १३१, ३७३। |
| विलासि री | १५६, २०९। | विशरणा | १७६, ३९५, २९१, ३७५, ३०५, ५०२। |
| विलिश | ३५१, ७१। | विशसन | १२०, २८२, १३०, ३६९। |
| विलीन | २२४, ९९। | विश ख | ११९, २७६, ३१३, ५७४, ३९६, १४७। |
| विलेघन | ६४, १९७, २४२, ७१। | विशाखा | ४०१, १९२। |
| विलेपी | १६०, २४९। | विशाग्रज | १२०, २८४। |
| विलेश्य | ३२२, ५३, ३२३, ५६, ३६३ २। | विशाय | २४३, ७५, २४७, ११८। |
| विलोम | ३८७, ६९। | विशारण | १३०, ३७३। |
| विलोमगति | ३३९, १९५। | विशारद | ७४, ५०, २७६, २४६। |
| विलोमज | २०२, ३। | विशारदा | ३०१, ४७१। |
| विलोमरसन | १०५, १४५। | विशाल | २२७, ११५। |
| विल्की | १५४, १९६। | विशान्त्रा=परिणाह । | |
| वि (वी) वत्र | २१०, ७६। | विशालत्वच् (कू)=यसपर्ण । | |
| विनायिक (वैवेक) | २०५, ३०। | विशालयत्र | १४७, १३७, २७०, १९५। |
| विनव | ५६, ३२९। | विशाला | १४९, १५१, १५१, १७३, १७३, ३६९, २२६, ११४, २९४ ४०९, ३४८, ४२। |
| विवर | २३५, ८। | विशालक्ष | ३९०, ९२। |
| विरसालिका | ४२५, ७२। | विशालक्षी | ३१२, ५६३, ३९४, १३१। |
| विर्गण | २०५, ३०। | विशालव | ११८, २६६, २८६, ३३८। |
| विविक्ति | ३१२, ५५। | विशिखा | ११, २९। |
| विवश | ८, १, २१८, ८। | विशी | २५३, ४। |
| विवस्त्र | ३७०, १, ४३६, ६। | | |

- विशेष ४१६, ९९ ।
 विशेषक ६१, ३०९ ।
 विशेषित २२६, १०९ ।
 विशेषक ३३४, १५२ ।
 विशोधनी १७६, ३९४ ।
 विशोधिनी ३१२, ५६३ ।
 विश्राव्य १४७, १३१ ।
 विश्रणन ७९, १०१ ।
 विश्रय २१८, ४२ ।
 विश्रम २३९, ४१ ।
 विश्रम्भ ९९, १०, २३९, ८० ।
 विश्रवस् ४४०, १४ ।
 विश्राणन ७९, १०० ।
 विश्राम १२, ३८, २३९, ४१, ४४५,
 ६२ ।
 विश्राव २४२, ७२ ।
 विश्रुत ८४, १४१, २१६, १७ ।
 विश्व १५३, १८५, १७३, ३६४, २२७,
 १२१, २३१, १५५, ३७०, ७ ।
 विश्वकदु २०६, ४२ ।
 विश्वकर्मन् ४३६, ७, ३८४, ४६ ।
 विश्वकृत् ३८४, ४६ ।
 विश्वगन्ध १७३, ३६४ ।
 विश्वचक ८०, १०३ ।
 विश्वदेवा ३०४, ८९१ ।
 विश्वद्यूत् २२१, ६९ ।
 विश्वपर्णी ३१३, ५६७ ।
 विश्वस. ३७७, ८ ।
 विश्वसा. ४३६, ४, ३८०, २, ३८५,
 ५०, ३९८, १६८ ।
 विश्वबोध. ३६८, ३ ।
 विश्वभेषज १५३, १८४ ।
 विश्वम्भर. ४५१, ६ ।
 विश्वम्भरा. २, १६ ।
 विश्वस्त्रि ७८, ८४ ।
 विश्वरूप ४५२, ७ ।
 विश्वरूपक ६५, ४०६ ।
 विश्वरेतस् ४३९, ५ ।
 विश्ववसु. ३७३, ३९ ।
- विश्वसूज् ४३९, ३ ।
 विश्वस्ता २२, २२ ।
 विश्वा ३, १३, ७८, ८८, १७०, ३८८,
 ३९९, ११७ ।
 विश्वाची ३०२, ३० ।
 विश्वामित्र ६८, १, ८२, १३१, ४०३,
 ७१५ ।
 विश्वामित्रप्रिय. ३९६, १४६ ।
 विश्वावसु ३७३, ३९ ।
 विश्वास ९९, १०, २३९, ८०, २४३,
 ८२ ।
 विश्वौकमारा ३८३, ३८ ।
 विष् ४७, २४७ ।
 विष १७३, ६३, १७७, ८०४, ३४४,
 ८, ३६६, २१ ।
 विषकटक २८४, ३१८, ३०१, ४६४ ।
 विषकटकिनी २९४, ४०४ ।
 विषफणिका ३३०, ११२ ।
 विषकन्द १७३, ४९५ ।
 विषम २६५, १५२, २६८, १८०, २७१,
 २०३, २८१, २९२, ३०१ ४६४ ।
 विषमी १५५, २०९, २८८, १७८, २६९,
 १८०, २९४, ४०२, ३१२, ५६६ ।
 विषद् २४६, १०३ ।
 विषदुम २७२ २१७ ।
 विषवर ३६४, ५ ।
 विषनान २६९, १८४, २७४, २२७ ।
 विषपालिका २७३, २१९ ।
 विषपुच्छ ३५४, ९६ ।
 विषम ७८, ९२, २२०, ५३ ।
 विषमच्छद =मपर्णी ।
 विषमर्दिनी १७३, ४२० ।
 विषमशील ९६, ६३ ।
 विषमुष्टि ३०७, ५२४ ।
 विषमोत्त. २२८, १२६ ।
 विषय ४, १, २३९, ४८, ४३४, १५६ ।
 विषयस्त्रोतम् ४३४, १५७ ।
 विषयाज्ञान ५६, ३२१ ।
 विषयिन् ४५१, ६, ४५५, ३८ ।

विषरूपा १७५, ३८५ ।
 विषलता २९४, ४०७ ।
 विषवल्लभा २१६, २४१ ।
 विषवल्ली २९४, ४०८ ।
 विषविन्दु २७२, २१७ ।
 विषवैद्य ६०, ३६४, ३६६, २९ ।
 विषसूचक ३३३, १४४ ।
 विषसृक्किका ३२९, १०२ ।
 विषस्वेदा ३२५, ७० ।
 विषहन्त्री १७७, ४०३, २९५, ४३८ ।
 विषा ३१४, ५८० ।
 विषाक्त =वाणविशेष ।
 विषाण १०७, १६४, १८२, ४४७ ।
 विषाणिका २९८, ४४३, ३०८, ५२८ ।
 विषाणिनी २५५, ६१, २६८, १७४ ।
 विषाणी २९२, ३८४ ।
 विषाद ३७४, ४२ ।
 विषादिनी १७७, ४०३, २९५, ४४७ ।
 विषान्तक ३९०, ९७ ।
 विषान्तिका २७२, २१८ ।
 विषापह २६४, १४२ ।
 विषापहा १८०, ४२७ ।
 विषायुध ३६३, १ ।
 विषारि ३०६, ५०९ ।
 विषास्ति. ३६५, २० ।
 विषुण (व) ४१४, ७६ ।
 विषुवत् ४१४, ७६ ।
 विषूचि. ५५, ३१२ ।
 विष्विकर ३२६, ८३, ३३३, १२९ ।
 विष्टप ४, २८ ।
 विष्टम् ५६, ३२९ ।
 विष्टर ६७, ४२५, ७९, ९४, २४९, १२,
 २५०, १५, २७४, २३२ ।
 विष्टरश्रवस् ४५१, १ ।
 विष्टि. ३६७, ५ ।
 विष्टा ४७, ३४७ ।
 विष्टाहा. २७६, २५१ ।
 विष्टाङ्ग ३२०, २८ ।
 विष्टु ७५, ५८, ३७०, ९, ४३६, ३,
 ४५१, ३, ४५२, ११ ।

विष्णुकन्द. १७९, ४१७ ।
 विष्णुकेतु ४५६, ५१ ।
 विष्णुक्रान्ता ३१२, ७६४ ।
 विष्णुगुप्त ८४, १३८, १४५, ११५ १७९,
 ४१७ ।
 विष्णुदेवत्य ४०१, १९५ ।
 विष्णुपद ३ २३ ।
 विष्णुपदी ३४७, २४, ४१४, ७७ ।
 विष्णुपुर ११, २८ ।
 विष्णुरथ ४५६, ५१ ।
 विष्णुलिङ्ग ३६६, २५ ।
 विष्णुलिङ्गी ३३६, १६६ ।
 विष्णुवल्लभा २८०, २८६ ।
 विष्णुविमान ४५६, ५१ ।
 विष्णुशश्या. ३६४, ७ ।
 विष्णुसञ्चन् २५९, ९९ ।
 विष्य २२३, ८६ ।
 विष्व (श्व) कृ ३६२, ८, ४५९, १७,
 ४१४, ७६ ।
 विष्व (श्व) कमेन ४५१, ३ ।
 विष्व (श्व) क्सेनप्रिया १७९, ४१७ ।
 विष्वक्सेनाः प्रयुक्तु ।
 विष्वव्यञ्ज (द)=समन्ताज्ञमी ।
 विष्वप्ता ३७६, २ ।
 विसंवरा ३२५, ६७ ।
 विसवाद ४३१, १२७ ।
 विसंकट २२७, ११५ ।
 विसकटा २२६, ११४ ।
 विसर. १३०, ३७३, ३२७, ८९, ३३९,
 २०० ।
 विसर्जन ७५, ९९ ।
 विसर्व ५८, ३४४ ।
 विसर्पण २४२, ६५ ।
 विसल २५१, २८ ।
 विसार. १३०, ३७२, ३५२, ७४ ।
 विसरिणी २९२, ३८६ ।
 विसासि. २२८, ६६ ।
 विसूरण. २३७, २४ ।
 विसृत २३०, १४६ ।

| | |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| विसृत्व (म) र २२१, ६५। | वीज ३३७, ९९५। |
| विसृष्ट २२०, ५४। | वाणि १७०, ३३८। |
| विस्त (स्ता) र २४१, ६४, २५१, ३०। | वीणा ३४९, ००, ४२३, ५९। |
| विस्तृत २३०, १४६। | वीणाडण्डम् ४२४, ६२। |
| विस्ता (स्फा) र १२९, ३६०। | वंगावादिन् २०५, २८। |
| विस्फुलिङ्गिनी, ३७८, ८०। | वीत १०८, ३५। |
| विस्फुर्जथु, ३९७, १५७। | वांतम् २०८, ५०। |
| विस्फोट (टा) ५८, ३४२। | वीतन ३८, ७६। |
| विस्मय ४२८, १०६। | वीतराग ३६८, ३। |
| विस्मयाचित्=विलक्ष । | वीनि ११०, ११३, २३८, ३२। |
| विस्मृत २३०, १४६। | वंतिन् ११०, १८९। |
| विस्मृति २३८, ८५। | वंतिहात्र ४३७, ११, ३७६, ९। |
| विस्यन्दन १६६, २९१। | वं.वी २४९, ७, ४२३, १३। |
| विस्त ४५, २०४, २५३, ४१। | वीथ्यर्थी १०, २। |
| विस (श्र) म्भ ९९, १०। | वं ध्र २२५, १२५। |
| विससा=वृद्धत्वम् । | वीनाह ३५८, १३३। |
| विसा ३०४, ४९६। | वीनाही ३१८, ११०। |
| विसाव =भक्तमण्ड । | वंस २३७, २८। |
| विहग (ङ) ३२६, ८०। | वीर ६३, ४०२, ११६, २४६, १५३, |
| विहङ्गम ३२६, ८१। | १८७, १७६, ३९२, २५८, ९०, |
| विहङ्गमा २१०, ७७। | ४२७ ९०। |
| विहङ्गिका. २१०, ७७। | वं रजयन्तिका ४२२, ५०। |
| विहनन २०९, ७०। | वीरण ६५, ४०२। |
| विहसित ४२७, ९६। | वंरतर. ६५, ४०२। |
| विहस्त २२३, ८२। | वंरतरु २७१, २९। |
| विहापित ७९, ९९। | वीरदु २७१, २०९। |
| विहाय् ३२७, ८४। | वीरपत्नी २३, २९। |
| विहायस ३, २२। | वीरपर्ण २६९, ११०। |
| विहार १६, ६८, २४०, ५५। | वीरपाण (न) १२७, ३४५। |
| विहुण्डन ३९२, ११६। | वीरपुत्रा ३०५, ५०६। |
| विहृ २४७, ९७। | वी.पुष्प २७६, २४६। |
| विहृत. २१, १३। | वंरपुष्पा २७६, २५०। |
| विहृल २२३, ८०, ४००, १८१। | वीरभद्र ३७२, २३, ३९१, १०९। |
| वीक्षण ३६, १४८। | वीरभर्या=वीरपत्नी । |
| वीक्षणपञ्च २१६, २२, २१९, ४४, ४२६, | वीरभुजा १३९, ६९। |
| ८०। | वीरभू १३१, ३८२। |
| वीच ३४५, १८। | वीरमातृ २३, २९। |
| वीचि (ची) ३४५, १७। | वंरसेद २८३, ३०। |
| | वीररजस् १९५, ५६१। |

वीरेणु १३, ३९ ।
 वीरविलावक ८७, १६५ ।
 वीरवृक्ष २५६, ७२, २८७, ३३४ ।
 वीरवतम् १५९, २०६ ।
 वीरशङ्कु ११८, २६९ ।
 वीरसू=वीरमाता
 वीरसेन २५८, ९३, ३१०, ५४९ ।
 वीरहन् ८५, १५५ ।
 वीरा २९२, ३८३, २११, ८५, ३११,
 ५५५, ३१०, ५४९, ३१३, ५६७
 वीराशंसन १३४, ३७८ ।
 वीरिणम्=शूद्रप्रमूर्षण च ।
 वास्व (वा) २५०, १९ ।
 वरेष २५७, ८० ।
 वरोज्ज्ञ ८६, १६४ ।
 वीर पञ्जीयक. ८६, १६४ ।
 वर्च्च ४६, २३२, ४२८, १०१, ४२९,
 ११४ ।
 वर्यशुलक १०२, १२५ ।
 वीरी ४२९, ११४ ।
 वीर्यज्ञन १९६, ५७६ ।
 वीवध १८, ९३ ।
 वुक ४७, २२८ ।
 वुकन् ४५०, १०६ ।
 वुक्ष १८५, ४६९ ।
 वुक ३१९, १७, ३७०, ११ ।
 वुकधूप=कृत्रिमधूप ।
 वुकी १७९, ३७९ ।
 वुकोदर ९३, ३९ ।
 वुक्का ३१२, ५६२ ।
 वुक्षण २३२, १६९ ।
 वुक्त २३२, १६९ ।
 वुक्ष २४९, ११ ।
 वुक्षबीज २७५, २१५ ।
 वुक्षमेदो=वुक्षादनी ।
 वुक्षमृग ३२२, ४५ ।
 वुक्षरहा. २९८, ४४५ ।
 वुक्षवत् ३४१, ३ ।
 वुक्षवारिका २४९, ५ ।

वुक्षसद्ग्न् ३२६, ८१ ।
 वुक्षादनी ३११, ५५६ ।
 वुक्षाम्नम्=तितिड कम् ।
 वुक्षोन्दर ३२४, ६० ।
 वुजिन २२८, १२८ ।
 वृत २२८, १२८, २३१, १५३ ।
 वृति २३१, ४ ।
 वृतिस्य ३२४, ६३ ।
 वृत्त ७८, ९२, २३१, १५३, २३९, ४३ ।
 वृत्तकन्द. १४७, १३२ ।
 वृत्तकर्कटी १५०, १५८ ।
 वृत्तकोशका २९४, ४०२ ।
 वृत्तगुण्ड २१०, ३६९ ।
 वृत्तपत्रा २९९, ४४६ ।
 वृत्तपर्णी १७५, ३८१, ३०२, ४७७ ।
 वृत्तपुष्प २७०, १९९, २७७, २५४, २७८,
 २६४ ।
 वृत्तपुष्पा २७७, २५८ ।
 वृत्तफल १५३, १८७, २५७, ८७, २६२,
 १२९ ।
 वृत्तफलिनी १४८, १४२ ।
 वृत्तबोज १३९, ६४, ३०६, ५१४ ।
 वृत्तबीजका ३१४, ५७८ ।
 वृत्तबीजा १३९, ६१ ।
 वृत्तमल्लिक २७४, २३३ ।
 वृत्तमल्लिका २७७, २५८ ।
 वृत्तवज्र ३५२, ७६ ।
 वृत्तवल्ली. २९६, ४२२ ।
 वृत्तसत्या २६१, १२० ।
 वृत्तसुम २६८, १७९ ।
 वृत्ता. १७३, ३६२, ३०८, ५३२ ।
 वृत्तान्त. ४४६, ६६ ।
 वृत्ति. ७३, ४३, ४२३, ५६, ४४४, ४९ ।
 वृत्तिक ३२४, ५९ ।
 वृत्तु. २२१, ६१ ।
 वृत्र. ३६१, ६, ३८२, २१ ।
 वृत्रनिषुदन ३८२, २३ ।
 वृत्रहन् ३८२, २३ ।
 वृथा. ४५८, ४ ।

| | | | |
|------------------------|---|--------------|--------------------------------------|
| वृथात्तिवा | २४, ४२। | वृषकागटक | ३२३, ५६। |
| वृद्ध | ३०, ९५, ३१, ९६, ७४, ४९, १०३, ११०, १४२, ८०, ३९०, ९५। | वृपकेतु | ३८९, ९१। |
| वृद्धत्व | ३०, ८८। | वृपगन्धा. | २९६, ४२२। |
| वृद्धदारक | =आवेगी। | वृपण, | ४३, २१। |
| वृद्धनगर | ११, २४। | वृपणश्च | ३८३, ३२। |
| वृद्धनाभि | =तुन्दी। | वृपणसु | ३८३, ३५। |
| वृद्धवादिन | ३६८, २। | वृषकरि. | २४, ४२। |
| वृद्धश्रवस्. | ३८१, ११। | वृषदंशक | ३१९, ११। |
| वृद्धसंघ | ३०, ८८। | वृषध्वज | ३८९, ९। |
| वृद्धसूत्रक | २८२, ३०। | वृषत् | ३८१, ८३। |
| वृद्धा | २२, २३। | वृषपर्वत् | ३६३, ३७, ३७४, ८०। |
| वृद्धार्हा | ३१०, ५४२। | वृषम् | १८१, ४३६, २२६, ११। |
| वृद्धि | ९८, ८१, १०१, १०८, २३९, ४२। | वृषभा. | ३८३, ३। |
| वृद्धिजीविका | १३२, ३। | वृषल | २०२, १। |
| वृद्धिपर | १३३, ६। | वृषलाली | २९४, ४०। |
| वृद्धिप्रद | ३०९, ५३६। | वृषवाहन | ३८९, ९। |
| वृद्धिमत्-उच्चतम्। | | वृषस्थनी | २२, २२। |
| वृद्धोक्त | १८१ ८४०। | वृषा | २९४, ४५५। |
| वृद्ध्याजीव | १३३, ५। | वृषास्पायी | ३९४, १२९, ४५७, ५४। |
| वृन्तम्-प्रसपवन्वन्म्। | | वृषास्पयि | ४५१, ३, ३७२, २३, ३७८, १०, ३८९, ८। |
| वृन्ततण्डुल | १३७, ६६। | वृषाकर | १३८, ५५। |
| वृन्तपुष्पा | २५५, ६४। | वृषाणक | ३९१, १०८। |
| वृन्ता. | ६४, ३९। | वृषि (ष) | ८८, १७८। |
| वृन्ताक | १५०, १५६। | वृषोपगा | १८३, ०५६। |
| वृन्ताकी | १४९, १५१। | वृष्टि | ३९६, १५३। |
| वृन्द | ३४०, २०२। | वृष्णि | १८५, ४७। |
| वृन्दमेद | =समुदायविशेष। | वृष्य | ३१९, ८८५। |
| वृदारक | २३४, १५५, ३६९, १। | वृष्यगन्धा | १७९, ४२२। |
| वृन्दिष्ट | =सु०यतम्। | वृष्यगन्धिनी | ३०३, ४९०। |
| वृश्चिक | ३२५ ७०, ४०५, २२६। | वृष्यवली | १७९, ४२२। |
| वृश्चिका | ५०, २७०, ३१४, ५७७। | वृश्या | २६२, १२१, ३०४, ४९८, ३१२, ५६६। |
| वृश्चिकाली | २६८, १७४। | वेक | २२८, १२९। |
| वृश्चिकी. | ५०, २७०। | वेग | =प्रवाहो जवश। |
| वृष | १८१, ४३६, २२६, १११, ३०१, ४६६, ३८२, २०, ३९१, १०८, ४०४, २२५, ४१५, ८६। | वेगवती | ३७२, २६। |
| | | वेगिन् | ११५, २४३, ३२७, ८०। |
| | | वेगिहरिण | ३२१, ३६। |
| | | वेङ्कटादि | ३४२, १३। |

- वेट ६१, २७३ ।
 वेठिका १६३, २७१ ।
 वेणि (गी) ३५, १३७, १८५, ४७२,
 ३५६, ११४ ।
 वेणीरहा २५४, ८०१ ।
 वेणु १४६, १२१, ४२५, ७२ ।
 वेणुक १०८, १७८ ।
 वेणुध्य २०५, २८ ।
 वेणुमती ३४९, ४८ ।
 वेणुगासिन ३३७, १८० ।
 वेणुनार ६३, ३८६ ।
 वेण्ट ६१, ३७२ ।
 वेतण्ड. १०५, १४६ ।
 वेतन २११, ८२ ।
 वेतस २७१, २०८ ।
 वेतस्त् ५, १३ ।
 वेताल=भूताविष्टितशब ।
 वेत्रक १४६, १२६ ।
 वेत्रवारक ८९, ९ ।
 वेत्रवती. ३४९, ५२ ।
 वेत्रासन ६७, ४२४ ।
 वेद. १८७, ४९३, ४४२, ३१ ।
 वेदगम्भ ६२, १०, ४३९, ४ ।
 वेदना २३६, १३ ।
 वेदपाठ. ७९, ९७ ।
 वेदमातृ ७१, २४ ।
 वेदवाणा. ४२३, ५४ ।
 वेदविद्विष ३६२, १२ ।
 वेदव्यास ८२, १२६ ।
 वेदहीन ८५, १५५ ।
 वेदाग्रजा ३४८, ४३ ।
 वेदाज्ञ. ४४२, ३४ ।
 वेदान्त. ४४३, ३६ ।
 वेदान्तिन् ८४, १४२ ।
 वेदि. ७७, ७५ ।
 वेदिका १७, ७६ ।
 वेदिजन्मन् ९४, ४४ ।
 वेदितृ २२१, ६४ ।
 वेदिपुर. १०, ११ ।
- वेदी ७७, ७५ ।
 वेदीश. ४३९, ६ ।
 वेदोदय ४३६, ३ ।
 वेव २३९, ४१ ।
 वेवर ६१, ३७१, १५४, १९० ।
 वेवनिका २०९, ६८ ।
 वेवनी २०९, ६९ ।
 वेघसुख्य १७३, ३६५ ।
 वेघसुख्या ६२, २८२ ।
 वेवस ४५१, ५, ४३९, ३ ।
 वेधा १२३, ३१० ।
 वेधिन २३२, १६४ ।
 वेधिनी १५४, ११४ ।
 वेध ११८, २६५ ।
 वेद्या १५५, २०५ ।
 वेष्यु ४२९, १.१, ४३२ १४३ ।
 वे(न् व.) २०८, ५७ ।
 वेर ३५, १४०, ६१, ३७२ ।
 वेला ३४६, २२ ।
 वेलाकूल ११, २८ ।
 वेली २५०, २० ।
 वेलम्=विडज्ञम् ।
 वेलजम्=मरिचम् ।
 वेलि (क्ली) २५०, २० ।
 वेलिन ११२, २११, २२८, १२९, २३०
 ५४७ ।
 वेलिताग्र ३५, १३४ ।
 वेश. ९, १०, ४८, २४९, १२, ३७, १४,
 ५४ ।
 वेशन्त ३५८, १३४ ।
 वेशा २९९, ४४६ ।
 वेशमन् १२, ३४, १६, ७१ ।
 वेशमू=वास्तु ।
 वेश्य १४, ५५ ।
 वेश्या ९, १०, २४, ३७, ४४१, २६ ।
 वेश्यागृह १४, ५४ ।
 वेश्याचर्य. ४२५, ७४ ।
 वेश्यापति २१३, ९८ ।
 वेष ४८, २४९ ।

वेष्ट. ६४, ४००।
 वेष्टन ४८, २५१, २४६, १०६।
 वेष्टसार ६४, ४०१।
 वेष्टित २३०, १४८।
 वेसर ३२०, २९, ३२७, १०।
 वेस (श) वार १४२, ८५, १६४, २८६।
 वेहत् १८८, ४५५।
 वै ४५८, ६।
 वैकक्ष (खिक) ४८, २५४, ५२, २८९।
 वैकङ्गत् २७३, २२२।
 वैकृत २७३, २२२।
 वैकारिक ४१६, ९८।
 वैकालिक १६७, ३१०।
 वैकुण्ठ २८१, २९१, ४११, १, ३८२,
 २०।
 वैकृत (त्य) ११९, २७६, ४२८, १०४।
 वैकान्त २००, ६०५।
 वैखरी ४४२, २९।
 वैखानस ८७, १६७।
 वैचित्र ३८५, ५२।
 वैचित्रवर्य ९२, ३३।
 वैजनन =सूतिमास।
 वैजयन्त ३८४, ३८।
 वैजयन्ति ११९, २४०।
 वैजयन्तिका=वैजयन्ती।
 वैजयन्ती १२६, ३३७, २६६, १६२,
 ४५४, ३०।
 वैज्ञानिक ७४, ५१, २१४, ६।
 वैष्टिल १६९, ३३२।
 • वैडालब्रतिक ८७, १६५।
 वैण. ७०, १८।
 वैणव. ७०, १८, १९२, ५३७, २५३, ४९,
 ४०७, १९।
 वैणविक २०५, २८।
 वैणिक २०५, २८।
 वैणुक १०८, १७४।
 वैरासिक २०५, २९।
 वैतनिक. २०५, २९, २१७, ३०।
 वैतरणी ३४९, ५१।

वैतालिक. १२५, ३३१।
 वैदम्बी ४२८, ९८।
 वैदम्भे ११, २९, ४४२, ९४।
 वैदम्भी ९२, २७, ४०४, २२१, ४७४,
 ३३।
 वैदूर्य १९९, ६०२।
 वैदशिक ९७, ७७, १८९, ४७६।
 वैदह (ह) क २०२, ७।
 वैदेही १७०, ३४१, ४५३, १६।
 वैद्य ६०, ३६३।
 वैद्यमान् (ता) =अट्टरूष।
 वैद्युत ३८५, ५२
 वैद्योता ४४२, ९३।
 वैध ७, २६।
 वैद्यात्र =मनत्कुमार।
 वैधेय =वालिश।
 वैध्यत ३८५, ७०।
 वैनतेय ४३७, १४।
 वैनायिक १०३, १३१।
 वैनीतक ११३, २२४।
 वैन्य ९१, २४।
 वैप्रभवत् ३६३, ११।
 वैमंत्रेय २८, ७३।
 वैमेय =परिवर्तनम्।
 वैया (व्या) ग्र १०३, १३३।
 वैयासिक ८४, १४२।
 वैरम्=द्वेष।
 वैराङ्गिक २२४, ९६।
 वैरनिर्यातन १२९, ३६३।
 वैरशुद्धि १२९, ३६२।
 वैरशोधन १२९, ३६२।
 वैगटि ३३७, १७६।
 वैरिन् ९१, १९।
 वैराचन (ति) ३६३, १६।
 वैल्व ७०, १७।
 वैवधिक २०५, ३०।
 वैवर्ण्य ४२९, १११।
 वैवस्त ४४१, २१।
 वैशाख. १५९, २३६, ४१३, ५९।

वैशाखी ३१४, ५७६ ।
 वैशेयक्षेत्र. ७, २६ ।
 वैशेषिक ८४, १४३ ।
 वैद्य १३२, १ ।
 वैश्वरण ३८४, ६३, ३८७, ७१ ।
 वैश्वदेव ४०१, १९४ ।
 वैश्वानर ३७७, ३ ।
 वैश्वामित्र ८३, १३१ ।
 वैश्वामित्री ७१, २४ ।
 वैष्णव ७७, ८१ ।
 वैष्णव ५९, १४७ ।
 वैष्णवी ३९१, १०५ ।
 वैसारिण ३५२, ७४ ।
 वैहासिक ४२५, ७९ ।
 वोढा २६, ५७ ।
 वोखान १११, २०५ ।
 वोल्लार १११, २०४ ।
 वौषट् ४५८, ९१ ।
 व्यश ३४०, १ ।
 व्यंसक २१८, २७ ।
 व्यक्त ४२१, ४३ ।
 व्यक्तगन्धा २७८, २६४, २९६, ४२० ।
 व्यक्ति ४१६, १०० ।
 व्यग्र २२३, ८३ ।
 व्यङ्ग. ३५७, १२१ ।
 व्यङ्गरोध २८९, ३५९ ।
 व्यङ्ग=हीनाङ्गी ।
 व्यजन ४३३, २०१, ६८, ४३० ।
 व्यजनिन् ३२०, २४ ।
 व्यञ्जक ४२२, ५१ ।
 व्यञ्जन ३७, १५७, १४५, ११३ ।
 व्यञ्जम्बक (न) २८५, ३०८ ।
 व्यत्यय २४३, ७६ ।
 व्यत्यास २४३, ७६ ।
 व्यथा ३६७, ४ ।
 व्यथा (घ) २३९, ४१ ।
 व्यध. १९, ९६ ।
 व्यय २४१, ५६ ।
 व्यलीक. २१९, ५० ।

व्यवच्छिन्न. २२६, १०९ ।
 व्यपच्छेद ११९, २७४ ।
 व्यवधा ३९८, १६५ ।
 व्यवधान ३९८, १६६ ।
 व्यवधि ३९८, १६५ ।
 व्यवहार. १२०, २८३ ।
 व्यवहारिका १८, ८६ ।
 व्यवाय=मैथुनम् ।
 व्यष्टि ४१६, १०० ।
 व्यसू २४६, १०८ ।
 व्यसनम्=विपदोऽविशेषश्च ।
 व्यसनार्त २२३, ८४ ।
 व्यसनिन् २१३, ९९, २१८ ३९ ।
 व्यसुत ३७०, १२ ।
 व्यस्त. २२८, १३० ।
 व्यस्ता २७७, २५९ ।
 व्याकरण. ४४२, ३४ ।
 व्याकुन् २२३, ८२ ।
 व्याकोश (ष) २५२, ३५ ।
 व्याख्यान. ४४४, ५१ ।
 व्याघ्र १७२, ३५१, २२६, ११०, २८५,
 ३२६, ३१८, ९ ।
 व्याघ्रनख ६६, ११९, २८५, ३२२ ।
 व्याघ्रनमक ३१९, १५ ।
 व्याघ्रपाद २७३, २२१ ।
 व्याघ्रपुच्छ २८५, ३२५ ।
 व्याग्राट ३३४, १५१ ।
 व्याग्री ४४९, १४८, ३००, ४५७ ।
 व्याज ४३०, १२१, ४३१, १२५ ।
 व्याड ३१८, ९, ३६४, ४ ।
 व्याग्रायुध ६६, ४१५ ।
 व्याडि ८३, १३५ ।
 व्यादितास्य ३१८, ६ ।
 व्याध २०६, ३७ ।
 व्याधन ३३६, १७२ ।
 व्याधि ५४, ३०३ ।
 व्याधिघात २६७, १७२ ।
 व्याधित ६०, ३५७ ।
 व्याधिर्जित ३६९, १ ।

व्याधिस्थान ३४, १२९।
 व्यान ३८१, १२।
 व्यापाद ४३३, १५३।
 व्यापादन १३०, ३२९।
 व्यापार १८५, ४७६।
 व्याप्ति २४०, ४।
 व्याप्त्य २३६, १४, २३८, ३३, २८, ७०
 व्याम ४१, १८६।
 व्यायत २२४, ९३, २३४, ०८५।
 व्यायाम २४१, ६१।
 व्याल १०६, १६०, १७२, ३११, ३६४,
 ४, ३७३, २६।
 व्यालग्राहिन् ३६६, २९।
 व्यालजिह्वा ३९२, ११३।
 व्यालजिह्वा ३०३, ४८८।
 व्यालनख ६६, ४१९।
 व्यालपुत्री १५०, १६१।
 व्यालयुध ६६, ४१९।
 व्याली १४२, १४८, ३१४, ५७७।
 व्यावर्तक ३०८, ५३२।
 व्यावर्तन १४५, १११।
 व्यावृत्त २२१, १५३।
 व्यास ८२, १२७; २४१, ६४।
 व्याहार ४४२, २०।
 व्याहृति ७१, २४।
 व्याहृ ३६३, २।
 व्युक्तम् २४२, ६९।
 व्युत्थानम्—विरोचाचरणं प्रतिरोधश्च।
 व्युत्पन्न २१५, १३, २१८, ४२।
 व्युस्केश ३४, १२३।
 व्युषिता २४, ४१।
 व्युष्ट ४०७, १६।
 व्युष्टाश ४०५, ३।
 व्युष्टि २३९, ३९।
 व्यूढ़—विन्यस्त्।
 व्यूढ़कङ्गट ११४, २३।
 व्यूति २०८, ५७।
 व्यूह ११७, २५४, ३३९, २००।
 व्यूहपार्णि ११७, २५५।

व्योक्तर २०३, १६।
 व्योमकण ३८८, ८०।
 व्योमरूप ३९६, १४९।
 व्योमन् ३, २०।
 व्योमझरी १२६, ३३७।
 व्योमयान ३८४, ४२।
 व्योमवाहन ३८४, ४२।
 व्योमभ ३६८, ०।
 व्योमह १९७, ८८७।
 व्योष्म=त्रिकदु।
 व्रज ३३९, २००।
 व्रज्या ८१, ११७, १२३, ३२८।
 व्रण =ईमम्।
 व्रण अर्थम्=अस्त्रकर।
 व्रणापह २७१, २०२।
 व्रणारि १७३ ३६४, २७३, २८०
 व्रणोरुक २०६, ३८।
 व्रत ७१, २८।
 व्रतति (ती) २५०, १९।
 व्रतदम्म २२४, ९६।
 व्रतसंयम ७५, ६१।
 व्रतादान ८७, ०६।
 व्रतादेशन ६९, ८।
 व्रतिन् ७२, ३८।
 व्रध ११०, १९३, ४३६, १।
 व्रश्चन ३२५, ७१।
 व्रात ३३९, २००।
 व्रात्य ८५, १५२।
 व्रीड (न) ४३२, १३४।
 व्रीडा (ड) ४३२, १३४।
 व्रीहि १३५, २३, २५३, ४६।
 व्रैहिक ७, ३२।
 व्रैहेय ७, ३२।

श

शयु २२४, ९२, ४०३, २१२।
 शम्ब २२४, ९२।
 शम्बर =मृगविशेष
 शक ६६, ४१७।
 शक्ट १०३, १३२।

शक्ति (टी) १०३, १३२ ।
 शकल ३५६, ११५, ३९९, १७९ ।
 शकलिन् ३५१, ७३ ।
 शकुन ३२६, ८१ ।
 शकुनि ९२, २५, ३२६, ८१ ।
 शकुन्त ३२६, ८२ ।
 शकुन्ति ३२७, ८४ ।
 शकुल =मत्स्यविषय ।
 शकुलगाण्ड ३५४, ९३ ।
 शकुलाक्षका=शोलामी ।
 शकुलादनी १७५, ३८२ ।
 शकुलार्भक =गणदत्र ।
 शक्त ४७, २४७ ।
 शक्तकरि १८२, ४४१ ।
 शकोत्तर ९६, ६३ ।
 शक्त २२१, ६२, २२२, ७३ ।
 शक्ति (की) ४४०, १५, ९८, ८१,
 १२४, ३१५, ३७१, १५, ३९६,
 १४७ ।
 शक्तिधर =कातिकेय ।
 शक्तिभृत ३९५ १४३ ।
 शक्तिहेतिक ११५, २३८ ।
 शक्त (क) २२२, ७३ ।
 शक्त २२२, ७२, ३७०, ८, ३८२, २१ ।
 शक्तगोप ३४७, १७६ ।
 शक्तचापोद्घवा १४८, १४१ ।
 शक्तज ३२८, ९६ ।
 शक्तघनुस् ३१७, १६२ ।
 शक्तपादप २६८, १७६ ।
 शक्तपुष्पिका=अग्निशिखा ।
 शक्तमातृ १७६, ३१ ।
 शक्तोत्सव ४१०, ४५ ।
 शक्त (क) २२२, ७३ ।
 शक्तरी ७८, १० ।
 शक्तर २२१, ६२, ३८८, ७९ ।
 शङ्करशैक्षक ४५२ १३ ।
 शङ्कराचार्य ८४, १३९ ।
 शङ्करावास ६३, ३८८ ।
 शङ्कराश्रय ३८६, ६३ ।

शङ्किताक्षर २०७, ४९ ।
 शङ्क १२४, ३१९, १८८, ४९०, २५०,
 १८, ३८६, ५८, ३९०, ९८, ४२५,
 ७१ ।
 शङ्ककर्ण १८५, ८७४ ।
 शङ्कलिमा २८३, ३१२ ।
 शङ्क ३६, १४१, ६६, ४१७, १०८,
 १७१, १३४, १९, १८८, ४९६,
 ३५७, १२५, ३७४, ४४ ।
 शङ्कनक (ख) ३५७, १२७ ।
 शङ्कपुष्पी २९८, ४४२ ।
 शङ्कभेदिन् १५६, २०७ ।
 शङ्कमूल १४५, ११४ ।
 शङ्कयोनि १९९, ५९५ ।
 शङ्कशक १३५, २७ ।
 शङ्कहा २९८, ४४२ ।
 शङ्किनी २९५, ४१०, ४४२, २८ ।
 शङ्किनीफल २६८, १०१ ।
 शङ्क ३८३, ३० ।
 शङ्ची ३८३, २९, ३१३, १२७ ।
 शर्चं पति ३८२, २४ ।
 शटी=कर्चर ।
 शठ ६२, ३७८, १९४, ५५७, २२३,
 ८७, २७३, २२६, ४५५, ३७ ।
 शणधण्ठिका ३०२, ४७५ ।
 शणपत्रिका ३११, ५५३ ।
 शणपर्णी=अपराजिता ।
 शणपुष्पी ३०२, ४७५ ।
 शणपुष्पिका=घण्टारवा ।
 शणमूलिका ३१४, ५८० ।
 शणसूत्र ३५१, ७० ।
 शणिका ३०२, ४७५ ।
 शण (ण) १८१, ४३९, ३६०, १५३ ।
 शत १८७, १९५ ।
 शतकुम्भज ११२, ५३५ ।
 शतकोष्ठि ३८४, ३८ ।
 शतक्तु ३८२, २७ ।

शतग्रन्थि २८८, ३५१।
 शतज्ञी ११९, २७७।
 शतजिह्वा ३७१, १९।
 शततारा ४०१, १९६।
 शतदु (दू) ३४८, ४।
 शतवर्षस् ९१, २६।
 शतधनवन् ९१, २६।
 शतधार ३८४, १०।
 शतवृति ६३९, ३,
 शतपत्र ३३३ १४०, ३५९, १४१।
 शतपत्र = द वीचाठ ।
 शतपत्री २७७, २५५, २९९, ४४९।
 शतपदी ३०४, ४९७, ३२५, ७२।
 शतपस्तु ३१५, ५८८।
 शतपर्णिका=दूर्वा ।
 शतपर्वन् १४६, १२२।
 शतपर्वा १७९, ३८२।
 शतपर्विका=दूर्वा ।
 शतपर्वता ४०३, २०८।
 शतपाद् ३२५, ७२।
 शतपादी ३२५, ७२।
 शतपुष्प २९०, ३७३।
 शतपुष्पा=शतपुष्पिका ।
 शतपुष्पिका २९०, ४४९।
 शतग्रास = कटवीर ।
 शतभिषज् ४०१, १९६।
 शतभिषा ४०१, १९६।
 शतभीर = मलिका ।
 शतमन्तु = इन्द्र ।
 शतमान १९१, ५२३।
 शतमुखी ३९५, १३८।
 शतमूला २८८, ३५।
 शतमूली=शतावरी ।
 शतयष्टिका ४९, २६०।
 शतरूपा ४४०, १६।
 शतद्वीर्य १४४, १०८।
 शतवेधिन् १५५, १९९, १५५, २०६।
 शतहृदा ३९६, १५४।

शनाक्षी ४०९, ३०।
 शताग्रज १२, ३५।
 शताङ्ग १०३, १२२।
 शतानक १३१, ३८२।
 शतानन्द ८३, १२३।
 शतानीक २७, ६०।
 शतार ३८५, ४०।
 शतारक ७८ ८४२।
 शतावरी ३०४, ४९७, ३८३, २९।
 शतावर्त ४७६, ५।
 शताह्ना २९९, ४१८, ३०४, ४९८।
 शत्रु ९१, २१, ९९, ९८।
 शत्रुकण्ठक २८५, ३२२।
 शत्रुघ्न ४७३, १९।
 शत्रुघ्नज ४५३ २१।
 शत्रुघ्नज २८६, ३४०।
 शत्रुघ्नम् ८४, १४९।
 शत्रुघ्नस् ३४७, ३७, ४०३, २०९।
 शत्रैश्वर ४०३, २०८।
 शत्रैस्म ४६०, २२, ४०३, २०९।
 शन्तनु ९२, ३०।
 शन्तनुजामातृ ९५, ५४।
 शन्तनुप्रिया ८३, १२०।
 शप ४४६, ७०।
 शपथ ४४६, ७०।
 शपन २३८, ३२, ४४६, ७०।
 शपित ३९९, १७५।
 शफ ११२, २०८, १८२, ४४६।
 शफरी ३५३, ९०।
 शबर २०६, ३६, ३९०, ९२।
 शबराधिप ३५३, ९०।
 शबरालय = पक्षण ।
 शबरावास ९, १०।
 शबल ४३५, १६८।
 शबली (ला) १८३, ४५४, ३२७, ८५।
 शब्द ४३४, १५६, ४१०, १००।
 शब्दद्रव्य ३६, १४२।
 शब्दन २२२, ७५।
 शब्दाधिष्ठान ३६, १४३।

| | |
|---|--|
| शम् २४७, १४। | शय ३२, १७२। |
| शम २३५, ५, २३८, ३२, ४२९, १०७। | शयन ५५, ३२०, ६७, ८२१, २४३, ७०, ४३१, १२७। |
| शमथ २३५, ५, ४२९, १०७। | शयनासन ६७, ४२५। |
| शमन १३९, ६०, २३८, ३२, ३८५, ६०। | शयनस्पद १४ ५७। |
| शमनस्वसृ (सा)=यमुना। | शयनोय ६७, ४२१। |
| शमनीषः ३८६, ५६। | शयानक ३२४, ६३। |
| शमल ४७, २१८। | शयालु २०६, ३९, २२१, ६६। |
| शमस्थली ५, १०। | शयित २२१, ६६। |
| शमिका १६३, २७३। | शयु ३६५, १३। |
| शमित २३२, १६२। | शया ६७, ४२१। |
| शमी २८३, ३१। | शर ७८, ८७, ११८, २६९, २७२, २१६, २८६, ३२८, ३४५, १८। |
| शमीगर्भ ६९, ११, ३७७, ८। | शरजन्मन् ३९५, १४२। |
| शमीधान्यम्=माषादि। | शरड ३२६, ८३। |
| शमीपत्रा ३१३, ५७०। | शरण १२, ३५, २१९, ४४। |
| शमीर २८४, ३१३। | शरणार्थिन् २२१, ६४। |
| शम्पा ३९६, १५४। | शरणि (णी) १९, ९५, २४९, ८। |
| शम्पाक २६७, १७३। | शरत्किन् ३२९, १०८। |
| शम्ब (स) ३८४, ३९, ३८४, ८१। | शरत्पर्वत् ४१०, ४५। |
| शम्बर १७२, ३५१, २७१, २०९, ३२१, ३५, ३४४, १०, ३११, ७३, ३६३, १७, ३९६, १५१। | शरत्पुष्प ३०७, ५१८। |
| शम्बरवैरिन् ४५५, ३८। | शरद् (दा) ४१३, ६९। |
| शम्बरी २९४, ४०४, ३०५, ५०६, ३१४, ५८०। | शरधि ११९, २७९। |
| शम्बलम्=वर्णभेद। | शरपत्र २८७, ३४४। |
| शम्बोहृत ८, ३५। | शरपुङ्गि का ३०२, ४७७। |
| शम्बु (म्बू) क ८४, १४३, ३५७, १२५। | शरम ३७१, १५। |
| शम्बली=कुट्टी। | शरभी ३३३, १४३। |
| शम्बु ३८८, ७९। | शरसुषि ११९, २७४। |
| शम्बुमित्र ३८७, ७९। | शरयन्त्रक ७७, ७६। |
| शम्बुनाभिज ४३९, ५। | शरयु ३८०, ६। |
| शम्बुर ४५१, ३। | शरवणोऽव ३९६, १४६। |
| शम्बुवार्तानि १०, ९५। | शरव्य ११८, २६५। |
| शम्बुविरोमणि ३९९, १७३। | शराढि (डि) ३३०, ११२। |
| शम्बू ३९०, ९८। | शराति ३३०, ११२। |
| शम्बा १०४, १३८। | शराभ्यास ११८, २६५। |
| शम्बाका (कं) २६७, १७३। | शरारि (री) ३३०, ११२। |
| शम्बारु २८३, ३१३। | शरारिका २०९, ६९। |

- | | | | |
|------------------|--|----------------------|---------------------|
| शरालि (ली) | ३३०, ११३। | गलव. | २६३, १३३। |
| शराव | १४४, १०५। | शब | १३१, ३८८, ३४५, १४। |
| शरावती=नदीविशेष। | | शवपाणुन्क | ३२१, १०३। |
| शरासन. | ११७, २६०। | शववेशम् | १३१, ३८३। |
| शरीर | ३४, १३०। | शश | २०८, ५३। |
| शरोरास्थि=कड़ाल। | | शशक | ३२२, ८३। |
| शरोरिन् | ४१६, १००। | शशधर | ३९८, १७१। |
| शरु | ११८, २६३, ३८४, ३९। | शशविन्दु | ४५२, ९। |
| शर्करा | १५६, २१५, १५७, २२०। | शशलोम (न.)=शशोर्णम्। | |
| शर्करालिङ्ग | १५७, २१७। | शशादन | ३२७, ८७। |
| शर्करावत् | ६, १७। | शशिनी | ३९९, १७७। |
| श (शा) करिल | ६, १६। | शशिग्रिय | १९९, ५९५। |
| शर्मन् | ४१९, ८८। | शशिविभिका | २६२, ३८८। |
| शर्व | ३८८, ८१। | शशेंगखर | ३२३, १२१। |
| शर्वरी | ४०२, ३६। | शशोर्णम्=शशलाम। | |
| शर्वणी | ३९३, १२५। | शश्वत् | ४५७, २, ४५९, १५। |
| शल | ३९, १७२, १२४, ३१८, १८४, ४६६, ३२३, ५२, ३२१, १०७। | शष्ठि | १८१, ४३७। |
| शलदन्तिका | ३१२, ५६४। | शष्कुल | २१७, ३१। |
| शलम् | ३३७, १७५। | शष्कुली | १६१, २५६। |
| शलली (ल) | ३२३, ५२। | शष्प | २८८, ३६३। |
| शला. | ४३२, १३४। | शसन | ७६, ९६। |
| शलाडु | २५३, ४१, २६३, १३३। | शस्त | २३४, १८०, ४१५, १०। |
| शलिन् | ३२३, ५२। | शस्त्र | ११७, २५८, १२०, २०२। |
| शलो. | २९०, ३७८। | शस्त्रकम्=लोहम्। | |
| शलक | २५१, २५, ३५६, ११५, ३९९, १७९। | शशमार्ज (र्ग) | २०३, १५। |
| शलकक | ३५२, ७७। | शशाजीव, | ८६, १६२, ११९, २३५। |
| शलकज. | ३५४, ९६। | शशाघस | १९४, ५५७। |
| • शलिकन् | ३५२, ७४। | शश्वी | १२३, ३१८। |
| शल्य | १२, ३४, १२४, ३१९। | शश्य | २५३, ४१। |
| शल्यक | ३२३, ५१। | शश्यमारिन् | ३२४, ५७। |
| शल्यकैडर्य | २८६, ३३३। | शश्यशम्बर (ण) | २७०, १९२। |
| शल्यदा | ३०९, ५४०। | शाक | १४५, ११२। |
| शल्यपर्णी | ३०९, ५३९। | शाकचुक्रा | २६२, १२१। |
| शल्यभगिनी. | ९२, ३४। | शाकट | १८२, ४४८। |
| शल्यमृग | ३२३, ५१। | शाकटोतिका | १५१, १७३। |
| शल्यारि | ९३, ३८। | शाकपत्र | १४५, ११८। |
| शल्को | २६३, १३६। | शाकम्भरी | ३९५, १३७। |

शाकशाकट ७ ३२।
 शाकशाकटिन ८, ३३।
 शाकश्रेष्ठा १४९, १५२, २९२, ३०९,
 ३०७, ५२४।
 शास्त्र १५३, १८७।
 शाकुन ९४, ४५।
 शाकुनिक २०५, २८।
 शाकुनेय ३३६, १७३।
 शाकुन्तलेय ९२, ३०।
 शा (सा) केत १०, १५।
 शाकर १८१, ४३६, २७७, ४२८।
 शाक्तीक ११५, २३९।
 शाक्यमिक्षु ८५, १४७।
 शाक्यमुनि ३६८, ६।
 शाक्यसिंह=शाक्यमुनि ।
 शाख ३९६, १४७।
 शाखपत्र २७२, २१२।
 शाखा ४४२, ३५।
 शाखानगर ९, ५।
 शाखापत्र २८४, २२१।
 शाखामृग ३२२, ४५।
 शाखामू ३१३, ५७०।
 शाखारण्ड ८६, १५७।
 शाखाल २७१, २०३।
 शाखाशिका=व्राह
 शाखाहण्ड ८६, ५७।
 शाखिक १३८, ५३।
 शाखिन् २५०, १३, ३२१, ३७।
 शाखिनी २९५, ११।
 शाखोट २७२, ११।
 शाङ्कर १८१, ४३८।
 शाङ्कुक २०४, १०।
 शाटक=पठभेद ।
 शाटी ५२, ११।
 शाठ्य ४३० १२।
 शाङ्कु ५, १४।
 शाण ५०, २७५, २०९, ७०, ३०२,
 ४७।
 शाणक १९०, ५१५।

शाणजीव २०३, १५।
 शाणपुष्पी ३०२, ४७६।
 शाणी ५१, २७६।
 शाणिडल्य २६३, १३३।
 शात २२, १०७, २३७, २७, ४१५, ८९।
 शातकुम्भ १९१, ५३।
 शातकौम्भ १९२, ५३५।
 शातकर्त्तर ७, २९।
 शाततेजित २३०, १५०।
 शातला=सप्तला ।
 शात्रव ९१, २०।
 शाद ३४६, २४।
 शादहरित ५, २४।
 शाद्वल ५, १४।
 शान्त ८८, १७६, २१९, ४६, २३२,
 १६२, ३६९, १, ४२७, १०।
 शान्तनव ९२, ३।
 शान्तनु ९२, ३०।
 शान्ता १७३, ३६२, २६२, १२१, २८३,
 ३११, २८४, ३१३।
 शान्तानुज ४५३, १६।
 शान्ति १०१, १०९, २३५, ५, ४२९,
 १०७।
 शान्तिक ४३०, ११९।
 शान्तिगृह १४, ५२।
 शाप ४४८, ८३।
 शापाख ८२, १२२।
 शाम्ब (ब) र १७४ ३७५।
 शाम्बरिन् २०५, २६।
 शाम्बरी=माया ।
 शाम्बूक ३५७, १२५।
 शाम्भव ६३, ३८६, २७८ २६९।
 शाम्भवी २८८, ३५०।
 शार २१३, १०४।
 शारङ्ग ३३३, १४६।
 शारद १३८, ५३, ३१६, २२, २१९,
 ४९, २८७, ३४९, ३५९, १४१।
 शारदी १५०, १६२, २७६, २४७, ३०४,
 ४९२, ४१०, ४४।

शारामुख. १३४, २०।
शारि (री) २१३, १०४।
शारिफल. २१३, १०५।
शारिवा ३०८, ५२९।
शार्कर. ६, १३, २१२, १०।
शार्करिल ६, १६।
शार्दू ४५४, ३१।
शार्जिन् ४५१, ४।
शार्दृष्टा २६९, १८५।
शार्दूल २२६, १११, ३१८, १।
शार्वरम्=अन्वतमसं घातुकश्च।
शार्वरी ४०९, ३६।
शाल २५०, १३, २६९, १९०, ३५४,
१३, २७, ६०, ६६, ४१५।
शालङ्कायनि ३९२, ११७।
शालङ्क ८३, १३४।
शालज १३५, २४।
शालनिर्यास. ६६, ४१५।
शालभजिका १८, ११, २०८, ६१।
शाला २२, ३६, १३, ४४, २५१, २२।
शालाककटुक १४७, ११५।
शालाजिर. १४४, १०५।
शालातुरीय ८३, १३४।
शालावृक २०६, ३८, ३१९, १५।
शालि १३४, १८, ४३२, १३४।
शालिनी २९९, ४५१।
शालिपणी २९२, ३८६, २९९, ४५१।
शालियाज ३२७, ८९।
शालियोग्य १५४, ११०।
शालिवाहन ९६, ६३।
शालिहोत्र. ११०, ११२।
शालि २७, ६६, १५४, ११२।
शालीन २१६, २३, २१९, ४९।
शालीनीकरण २३९, ३८।
शाल्क. ६४, ३१५; ३४६, २७, ३६०,
१४७।
शाल्कर ३५७, १२०।
शालेय=शीतशिवम्।
शाल्मल=शाल्मलि।

शाल्मलि (ली) २८२, २९८।
शाल्मलिनी. २८२, २९८।
शाल्मलीकन्द १८०, ४२४।
शाल्मलीवेष्ट. २८२, ३००।
शाल्मलीम्य ३२७, ८६।
शाल्मुनम २२०, ५६।
शाल्मृढ २७, ६७, ३०, १०।
शाल्मृढा. २७, ६७।
शाव (क) ३०, १०।
शावर ६६, ४११।
शाश्वत् ४५७, २।
शाश्वत २२८, १३१, ४३९, ७।
शाष्कल (क)=मत्स्यमास्यभक्षक ।
शाष्कुलिक २४४, ८६।
शासक २२२, ७८।
शासन ९९, १३, ४४९, ११।
शास्ति (स्ती) ९९, १३।
शास्त्र २१७, ३१, २२२, ७८, ३६८, ६।
शास्त्र २३८, ३६।
शास्त्रकृत् २३८, ३९।
शास्त्रगण्ड २१९, ११।
शास्त्रदुष्ट. ४२२, ४७।
शास्त्रविद्. ७४, ४९, २१५, १२।
शिशापा. २७२, २१२।
शिक्ष्य २१०, ७७।
शिक्षियत २३१, १५२।
शिक्षा ४४२, ३४।
शिक्षित. ७४, ५१, २१४, ४।
शिक्षिताक्षर. ७४, ४९।
शिखण्ड. ३२९, १०६।
शिखण्डक ३५, १३८।
शिखण्डिक ३५, १३९।
शिखण्डिन् १४, ५३, ३२९, १०४,
३३२, १३१।
शिखण्डी २७८, २६३, २९७, ४३३,
३२९, १०६।
शिखर ३४२, १७, ४२९, ११०।
शिवरवासिनी. ३१३, ११४।
शिखरिन् ६६, ४१७, १३७, ४६; २५०,
१३, ३४१, २।

- शिखरिणी १५८, २३३ ।
 शिखरी. ३११, ५५६ ।
 शिखा ३५, १३८, ३२९, १०७, ३७२,
 २३ ।
 शिखाकन्द १४७, ११६ ।
 शिखाण्डक. ३५, १३९ ।
 शिखादश्य. ३२४, १५० ।
 शिखापित्त ५६, ३२५ ।
 शिखमह. ६८, ४२९ ।
 शिखालु ३१०, ५५० ।
 शिखावत् ३७७, ४ ।
 शिखावल. ३२९, १०३ ।
 शिखिक ११३, २२१ ।
 शिखिग्रीवम्=तुत्यम् ।
 शिखिन् ३०१, ४६९, ३२९, १०४,
 ३३०, १११, ३९३, १२०,
 ४०३, २११ ।
 शिखिनी ३१०, ५५० ।
 शिखिपटोली १४८, १४ ।
 शिखिप्रिया २६१, ११६ ।
 शिखिमोदा १७३, ३६० ।
 शिखिरूप ३२१, ३६ ।
 शिखिवाटिका ३१३, ५७४ ।
 शिखिवाहन ३९५, १४२ ।
 शियु १४५, ११७, २०१, ६९८ ।
 शियुजम्=वेत्तमरिचम् ।
 शियुडी ३०७, ५१७ ।
 शिजित ४५०, १०५ ।
 शिजिनी ११८, २६३ ।
 शित ३२, १०७, ३४, १२८, २३७, २७ ।
 शितदु (दू) ३४८, ४१ ।
 शितपर्णी ३०३, ४६६ ।
 शितश्क १३७, ४२ ।
 शिना २८८, २५२ ।
 शितावर ३०१, ४६ ।
 शितावरी ३०२, ४७३ ।
 शिति ४३४, १६०, ४३५, १६३ ।
 शितिकण्ठ ३८९, ८५ ।
 शितिशिम्बी १३९, ६५ ।
 शितिसारक.=तिन्दु ।
- शिथिल २२१, ६७, २२७, १२० ।
 शिथिली ३२६, ७७ ।
 शिपविष्ट २८, ७८ ।
 शिपि. ६६, ४१८ ।
 शिपिविष्ट २८, ७८, ३८९, ८६, ३९०,
 ९७ ।
 शिप्रा ३४८, ४६ ।
 शिफा ३१, १०२, १५६, २०८, २५६,
 १२, ३४७, ३१, ३६०, १४८,
 ३६०, १५४ ।
 शिफाकन्द ३६०, १५४ ।
 शिफारह् २५९, १०२ ।
 शिफालिका ३०६, ५१२ ।
 शिवि १४१, ८० ।
 शिविका=याप्ययानम् ।
 शिविर. १२, ३६, १०३, १२८ ।
 शिवि १४१, ८० ।
 शिम्बा १४१, ८० ।
 शिम्बधात् १३४, १७ ।
 शिम्बी १४१, ८०, २९२, ३८७, २९३,
 ३९१ ।
 शिम्बीफल ३०७, ५१८ ।
 शिर कल २५५, ६६ ।
 शिर क्लेह ४७, २३० ।
 शिरस्. ३५, १३३, २५१, २३ ।
 शिरस्त्र ११४, २२९ ।
 शिरस्त्राण ११४, २२९ ।
 शिरस्य ३५, १३७ ।
 शिरा. ४६, २३७ ।
 शिरामूल ४२, १९७, १४५, ११६ ।
 शिरालपत्र २७०, १९५ ।
 शिरावृत्त १९४, ५५० ।
 शिरिशिरा. २८७, ३४३ ।
 शिरीष २६८, १७९ ।
 शिरीषपत्रा २७३, २१९ ।
 शिरोगृह १४, ५३ ।
 शिरोग्रम्=शिवरम् ।
 शिरोधि ३८, १६३ ।
 शिरोरत्न ४८, २५३ ।
 शिरोसह (ह.) ३५, १३३

- शिरोरोग. ५९, ३५० ।
 शिराद्विधि ४६, २३४ ।
 शिल ७३, ८६ ।
 शिला १६, ७१, ६३, ३८०, १२५,
 ५६१, ३४३, २३ ।
 शिलकदली २५५, ६२ ।
 शिंगचक्र ३१० ५४६ ।
 शिलाजतु १९६, ५६८ ।
 शिलाजा ३१०, ५४९ ।
 शिलातमन १५२, १७७ ।
 शिलात्मक ३१०, ५४६ ।
 शिलारोग १९५, ५६९ ।
 शिलावास ४५६, ४९ ।
 शिलि (ली) १६, ७१, ३५७, १२९ ।
 शिलीन्द्र १५२, १७६, २५९, ४४, ३५४,
 ९५ ।
 शिलीसुख ११८, २६७, ३३७, १०७ ।
 शिलोचय ३४१, २ ।
 शिलोचछ ७३, ४४ ।
 शिल्प २१०, ७८ ।
 शिल्पशाला. १३, ४८ ।
 शिल्पा १४, ५० ।
 शिल्पिक ६५, ४१० ।
 शिल्पिना २८९, ३६२ ।
 शिल्पिन्. २०३, १० ।
 शिल्पिनी २८९, ३६२ ।
 शिल्पशाला. १३, ४८ ।
 शिल्पिसार ६५, ४०९ ।
 शिव. ६६, ४१२, १५२, १७७ ।
 शिव १५३, १८१, १७८, ४०८, १८४,
 ४६४, ३४५, १४, ३७६, १, ३८८,
 ७१, ४१५, ८९, ४३४, १५४ ।
 शिवक=कीलक ।
 शिवकीर्तन ४५२, ७ ।
 शिवङ्कर १२०, २८४, २१४, २, ३९२,
 ११५ ।
 शिवजा २९३, ३९२ ।
 शिवतम ३१४, ५७६ ।
 शिवताति २१४, २ ।
 शिवदूती. ३९३, १२६ ।
 शिवद्रुम. २६३, १३४ ।
 शिवाद्वया. २७६, २४९ ।
 शिवपुत्र २, १३ ।
 शिवपुर् १०, २० ।
 शिवपुष्पक. २७४, २३ ।
 शिवप्रिय २६३, १३२, २७१, २०९ ।
 शिवबीज १९७, ५८३ ।
 शिवभक्त ८३, १३० ।
 शिवमळिका २९३, ३९२ ।
 शिवमळी ३१४, ५७६ ।
 शिवलिङ्ग ११, २२ ।
 शिववङ्गमा २७७, २५५ ।
 शिवगळी २८६, ३३५, २९३, ३९२ ।
 शिववास ३४२, ११ ।
 शिववीर्यज. ४०२, १९९ ।
 शिववेवर २७४, २२७, ३१४, ५७६ ।
 शिववेशरा ३४७, ३४ ।
 शिवसिंघध. २७४, २२७ ।
 शिवा २६१, ११९, २८३, ३१९, ३१९,
 १५, ३४८, ४६, ३९३, १२५,
 ४४२, २७ ।
 शिवापीड २७८, २७० ।
 शिवाप्रिय १८५, ४६९ ।
 शिवारि २०६, ४० ।
 शिवाछ ३१९, १५ ।
 शिवावसर ४१०, ४० ।
 शिवाह १९७, ५८३ ।
 शिवविष्ट २८, ७८ ।
 शिवेष्टक. २६३, १३३ ।
 शिवेष्टा २८८, ३५२ ।
 शिविर ६५, ४०३, ३४१, ८, ३८८, ८३;
 ४१३, ६७ ।
 शिविरा. १७५, ३८३, १७६, ३८८ ।
 शिष्य ३०, १०, ३९५, १४४ ।
 शिष्टुक ३५६, ११३ ।
 शिशुत्मैशवम् ।
 शिशुपाल. १५, ५७ ।
 शिशुप्रिय १५६, २१२ ।
 शिशुमार ३५६, ११३ ।

शिंश्र. ४३, २१०।
 शिश्वदान. ८५, १५४, २२३, ८७।
 शिष्टि ९९, ९३, ४४९, ९९।
 शिष्य ७४, ५३।
 शीकर ३९८, १६४।
 शीघ्र २८१, १६, ३९५, १४४।
 शीघ्रपुष्प २७५, २४०।
 शीघ्रम् ४५८, ३।
 शीघ्रवेधिन् ११५, २३७।
 शीत (क) ३३, १२१, २०५, ३३, २६५,
 १५५, ३०९, ५३४, ३४१, ८।
 शीतकर ६३, ३८८, ३९८, १७२।
 शीतगन्ध ६१, ३७०।
 शीतपाकी २०७, ४३४।
 शीतपुष्पा ३०४, ४३१।
 शीतग्रिय ३०९, ५३४।
 शीतफल २६४, १४१।
 शीतभीरु. १३४, २०।
 शीतमूलक. ६५, ४०२।
 शीतल ६१, ३६९, ६३, ३८९, ६६,
 ४१६, २८१, २९०, ३४१, ८,
 ३८०, ७।
 शीतलक. २८१, २८८।
 शीतलजल ३६०, १४९।
 शीतलव ५६, ३२७।
 शीतला. २८६, ३३५, ३१२, ५६०।
 शीतलाघ २५४, ५०।
 शीतवर ३०१, ४६९।
 शीतवलक २६०, १०७।
 शीतवृक्ष २६०, १०८।
 शीतशिव. १५२, १७६।
 शीतशिवा २९९, ४५१।
 शीतशुक्रा १७९, ४२२।
 शीतसहस्राशु २५७, ८।
 शीता १५७, २२०, २७७, २५६, २८८,
 ३५१, २८९, ३६२, ३०२, ४७३,
 ३०३, ४९०, ४५३, १७।
 शीत्य १३३, १२।
 शीधु. २११, ८६।

शीभर. ३९८, १६४।
 शीर २१२, १४।
 शीरामुख १३४, २०।
 शीर्णवल्क १७४, ३७७।
 शीर्ष. ३५, १३२।
 शीर्षिक ४८, २५३, ११४, २२९।
 शीर्षच्छेद २२३, ८६।
 शीर्षण्य ३५, १३७, ११४, २२९।
 शीर्षदेह ४०३, २१०।
 शील ७२, ३५, ४३२, १३६।
 शीलन ७४, ५४।
 शील्यरिन् ३६२, १३।
 शीलित २४३, ५८।
 शीबल ३६०, १५७।
 शीसक. १९३, ५४७।
 शुक ३३३, १३९।
 शुकनास २६६, १६३।
 शुकनासिक ३०८, ५३०।
 शुकपिण्डी (ण्डा) २९३, ३९६।
 शुकप्रिया. २५४, ५६।
 शुकफल. २७४, २३२।
 शुकवर्हम=अन्धिपर्णम।
 शुकवल्लभ २५७, ७७।
 शुकवृक्ष २७१, २०५।
 शुकशाक २८४, ३१५।
 शुकशिम्बी २९३, ३९५।
 शुकेष्ट. २५६, ७५, २६८, १८०।
 शुकोदर १७३, ३६७।
 शुक्त =अम्ल पर्षथ।
 शुक्ति ६६, ४१८।
 शुक्तिक ७, २४।
 शुक्तिका ३५७, १२३।
 शुक्तिमणि. १९८, ५९३।
 शुक्तिमती ३४९, ५०।
 शुक्तियोनि. १९९, ५९५।
 शुक ४४ २२१, ४६, २३२, १५५,
 २०४, १९२, ५३३, ३७७, ७,
 ४०२, २०६, ४१२, ६०, ४३४,
 १६०।

- शुक्रदेव ५९, ३५२ ।
 शुक्रयोनि ४४, २२१ ।
 शुक्र=वृषण ।
 शुक्रदिनी ४६, २३२ ।
 शुक्रशिष्य=दैत्य ।
 शुकसार २६६, १५७ ।
 शुक्रवामिनिका ५९, ३५५ ।
 शुक्र ४०२, २०६, ४३४, १६० ।
 शुक्रनंदक. १७९, ४१४ ।
 शुक्रका २९२, ३८३ ।
 शुक्रथात् ३४३, २४ ।
 शुक्रपक्ष ४११, ५३ ।
 शुक्रवायस ३२९, ११० ।
 शुक्रा २६२, १२२ ।
 शुक्राज्ञी ३०६, ५१३ ।
 शुक्रापाङ्ग ३२९, १०४ ।
 शुक्रिका. २६२, १२२ ।
 शुक्रा २५१, २९ ।
 शुच् ४२८, ९८ ।
 शुचि १०२, १२१, ३७३, ३९, ३७७,
 ८, ३८०, ५, ३९५, १४, ४१२,
 ६१, ४२७, ९१, ४३८, ९९ ।
 शुचिदु. २५९, ९८ ।
 शुचिपति ३७७, ५ ।
 शुण्ठ ४७, २४२ ।
 शुण्ठि (ण्ठी) १५३, १०४ ।
 शुण्डा १०७, १६३, २११, ८५ ।
 शुण्डापान २१२, १४ ।
 शुण्डार १०५, १५०, २०४, २२ ।
 • शुण्डारिन् १०५, १४५ ।
 शुण्डाल १०५, १४७ ।
 शुण्डन् २०४, २२ ।
 शुण्डनी ३०९, ५३७, ३२४, ५८ ।
 शुण्डमूषिका ३२४, ५८ ।
 शुण्डी ३११, ५५९ ।
 शुतुद्रि ३४८, ४१ ।
 शुद्ध १५२, १७७ ।
 शुद्धजड्. १८७, ४७४ ।
 शुद्धान्त १६, ६७ ।
- शुन. २०६, ३९ ।
 शुनक. २०६, ३७ ।
 शुनकचञ्चुका ३०६, ५१० ।
 शुनि (नी) २०६, ३८, २०७, ४४, ३१४,
 ५८ ।
 शुनीर २०६, ४३ ।
 शुन्य २०६, ४३, २०२, १, २२६,
 १०६ ।
 शुन्या २०६, ४३ ।
 शुभ ४१५, ८९ ।
 शुभयु २२४, ९२ ।
 शुभङ्करी २८३, ३११ ।
 शुभदन्ती=शुभदन्ती ।
 शुभग्रद २५९, ९९ ।
 शुभवासन १७०, ३३८ ।
 शुभा ६४, ४००, २८४, ३१३, ४१८,
 १० ।
 शुभान्वित=शुभयु ।
 शुभार्थिन् २२४, ९९ ।
 शुभालु १७९, ४१४ ।
 शुभ्र. ६५, ४०३, ४३४, १६० ।
 शुभ्रम् ४३५, १६९ ।
 शुभ्रदन्ती ३७५, ५३ ।
 शुभ्रा. १७३, ३६८ ।
 शुभ्राश्च ३९९, १७३ ।
 शुभ्रांठी १३६, ३८ ।
 शुभ्रा ५१, २८० ।
 शुभ्रमथनी ३९४, १३० ।
 शुल्क १००, १०४ ।
 शुल्कायक्ष. १०, १६ ।
 शुल्व १९३, ५४३, २०८, ५५ ।
 शुल्वगन्धि ३०५, ५०९ ।
 शुल्वज १९४, ५५१ ।
 शुल्वा (त्वी) २०८, ५५ ।
 शुश्रूषण ८१, ११६ ।
 शुश्रूषा ७१, २५, ८१, ११६, ४३३
 १४५ ।
 शुषि=सुषि ।
 शुषिरम्=सुषिरम् ।
 शुष्कमासम्=वल्लरम् ।

| | | | |
|------------------|---|----------------------------------|--|
| शुभम् (न) | १२७, ३४५, ३७६, १, ३७७, ४। | शृगालविज्ञा | ३००, ४६०। |
| शुके | २९०, ३६७, ४२७, ९४। | शृगालिका | ३००, ४६० |
| शुक्रकीट | ३२५, ७१। | शृगाली | १२९, ३६३, १७९, ४२२। |
| शृगतृण | २९०, ३६७। | शृङ्खल | ५०, २६७, १०८, १७२। |
| शृकवान्य | १३४, १७। | शृङ्खलक | १८४, ४६७। |
| शृकभाग | १२३, ३०८। | शृङ्खला | १७, ८३, ५०, २६७, ३०८, । ५२७। |
| शृकमुण्ड | १३७, ४३। | शृङ्खली | ३०८, ५२७। |
| शृकर | १३५, २३, ३२०, २४। | शृङ्खल | १८२, ४४७, १९७, ५८५, २८२, २९९, ३२१, ३७, ३४२, १७। |
| शृकरार्क | २७४, २३३। | शृङ्खलवत् | ३४१, ३। |
| शृकशिष्मा | २९३, ३९४। | शृङ्खलेर | १५३, १८५। |
| शृकशिष्मि (झी) | २९३, ३९४। | शृङ्खलसार | ३५४, ९९। |
| शृद | ६९, ५, २०२, १। | शृङ्खला | ३९३, १३७। |
| शृद्धप्रिय | १४७, १३०। | शृङ्खलारव्य | ३०९, ५३५। |
| शृद्धसुत | ८४, १४३। | शृङ्खलाट | १९, ९८, १५२, १७५, ३६०, १५३। |
| शद्रा (द्री) | २६, ५३। | शृङ्खलाट (क) | १९, ९७। |
| शृन्य | २२६, १०६। | शृङ्खलाटी | २९२, ३८९। |
| शृन्यमध्य | २८८, ३४४। | शृङ्खलार | ६५, ४०६, १९५, ५६३, ४२७, ९०। |
| शृन्यवादिन | ८४, १५४। | शृङ्खलारजनुम् | ४५५, ४०। |
| शृन्या | २४, ४२। | शृङ्खलिन् | १९८, ५९। |
| शृर | ११६, २४६, १७१, ३५९, २६९, १९९, ३२०, २२, ४३६, ४। | शृङ्खलि | १८३, ४५८, १९२, ५३९। |
| शृरकन्द | १४७, १३३। | शृङ्खलिण | १८१, ४३८। |
| शृण | १४७, १३३। | शृङ्खलिणी | १८३, ४५३, २६०, १०३। |
| शृसेनी | ४२३, ५५। | शृङ्खलिन | १८१, ४३८, १८५, ४७१, २५९, १०९, २६०, १०४। |
| शूर्व | १४२, ९९। | शृङ्खली | १७७, ३८५, १७६, ३९२, १८३ ४५४, १९२, ५३९, ३५४, ९४। |
| शूर्पकर्ण | १०५, १४४। | शृङ्खोफनकम्त्त-अलङ्कारसुवर्णीम्। | |
| शूर्पणखा (खा) | ३८७, ८६। | शृङ्खोफल | २६२, १२३। |
| शूर्पणी | २९२, ३८७। | शृणि (णी) | १०८, १७५। |
| शूल | ५६, ३२८, ३९१, १०२। | शृत | २३१, १६०। |
| शूलपत्री | २९०, ३७२। | शेकाली | २७६, २४८। |
| शूलभृत | ३९४, १२८। | शेखर | ४८, २५०, ६५, ४०३ |
| शूलहन् | १७१, ३४४। | शैप (स) | ४३, २०८। |
| शूलो | २४, ३७। | शैपाल | ३६०, १५१। |
| शूलकृत | १६५, २९२। | शैफ (स) | ४३, २०९। |
| शूलारि | २८४, ३१८। | | |
| शूलिक | ३२२, ४३। | | |
| शूलिन् | ३८८, ७९। | | |
| शूल्य | १६५, २९२। | | |
| शृगाल | ३१९, १३। | | |

| | | | |
|-------------------|-------------------------|-----------------|-------------------------|
| शेफलिका | ३०६, ५१३। | शोण | ४७, २२९, १११, २०६, ३२२, |
| शेमुषी | ४३२, १४२। | | ०६, ३४८, ८२, ३७७, ११, |
| शेष्ठे | २६४, १४१। | | ४३७, १६५। |
| शेव | ४३, २०८। | शोणक | २६७, १६५, ३४८, ४३। |
| शेवधि | ३८८, ७८ | शोणरत्न | १९८, ५९०। |
| शेवल | ३६०, १५० | शोणाक | २६६, १६३। |
| शेवलाद. | ३२९, १०८। | शोणाङ्ग | १९९, ५९७। |
| शेवाल | ३६० १५०। | शोणित | ४७, २२३। |
| शेष | ३६४, ७। | शोणितपुर | ११, २४। |
| शैक्ष | ७४, ५३। | शोणितान्य | ५७, २२१। |
| शैखरिक | ३०३, ४८४। | शोथ | ७७, ३३८। |
| शैनेय | ९५, ५६। | शोथमी-पुनर्नवा। | |
| शैल | ७३, ४६, ३४०, १। | शोबन | १९६, ५३१, २६२, १२५। |
| शैलगन्ध | ६१, ३७। | शोबनी | १६, ८६, ३०२, ४८८। |
| शैलगृह | ३४४, ३। | शोबित | १४२, ९०, १६४, २८५, २२६, |
| शैलकुता | २९५, ४१६। | | १०६। |
| शैला | ३९५, १३७। | शोनक | २६७, १६५। |
| शैलाट | ३१८, ४। | शोफ | ५७, ३३४। |
| शैलावारा | ३, १९। | शोफहारिन् | २८१, २९२। |
| शैलालि (न) | २०५, २६, ४२५, ७८। | शोभन | २२९, १०१। |
| शैली | ४४६, ६३। | शोभना | १५५, २०८। |
| शैलघ्र | २०५ २६, २६३, १३३, ४२५, | शोभनस्य | ३२७, ८६। |
| | ७७। | शोभनयन्ती | ३७२, २। |
| शैलेय | १५२, १५७। | शोभा | २१, १८, १५६, २०३। |
| शैव | ८४, १४६, २७४, २२८, ३१४, | शोभाजन | १४५, ११९, १९२, ५३७। |
| | ५७६, ३६३, १७। | शोभिता | ४१८, ८। |
| शैवपत्र | २६३, १३३। | शोष | ५५, ३१८। |
| शैवल | ३६०, १५०। | शोषक | ७७, ८२। |
| शैवलिनी=नदी। | | शोषण | १५१, ३४६। |
| शैवाल | ३६०, १५०। | शाषापहा | १७६, ३९०। |
| शैव्य | ४५४, २७। | शोक | ३४०, २०५। |
| शैशवम्=शिशुत्वम्। | | शोकिका | १३६, ३८। |
| शैशिर | ३३५, १५६। | शौकिक | १९९, ५२५। |
| शोक | ४२८, ९८। | शौकिकेय | १९८, ५१४। |
| शोकनाशन | २६९, १८९। | शौकिकेय | ३६६, २२। |
| शोचन | ४२८, ९८। | शौक्ख्य | ३०, ८९। |
| शोचिकश | ३७७, ८। | शौच | ८७, १६९। |
| शोचिस् | ४३८, १९। | शौण्ड | २१८, ३९। |
| | | शौषिङ्क | २०४, २२। |

शौण्डी १७१, ३४३, २७२, २१८ ।
 शौद्धोदनि ३६८, ६ ।
 शौद्धक्षेत्र ७, २६ ।
 शौन ७३, ४४, २०७, ४५ ।
 शौरि (न.) ४०३, २०९, ४५२, २२ ।
 शौर्यम्=बलम् ।
 शौतिक ९०, १६, २०४, १७ ।
 शौवन २०७, ४५ ।
 शौकु (छ) २१७, ३१ ।
 श्रच्योत २४४, ९० ।
 श्रमशान १३१, ३८२ ।
 श्रमशानसद्ग ३९०, ९७ ।
 श्रमशु ३७, १५७, ४७, २४२ ।
 श्रयान २३३, १७६ ।
 श्रयाम २७४, २२८, ४२७, ९९ ।
 श्रयामक. २८८, ३४७ ।
 श्रयामकन्दा १७७, ३८५ ।
 श्रयामकाण्डा २८९, ३५६ ।
 श्रयामगात्र ४०२, २०९ ।
 श्रयामचट्ट ३३५, १५६ ।
 श्रयामबीजिनी १४८, १४२ ।
 श्रयामल २५५, ९९, २६८, १८१, ४२५,
 १६२ ।
 श्रयामलग्रन्थि २८९, ३५६ ।
 श्रयामला ६२, ३८३, २५४, ५६, ३०४,
 ४९५ ।
 श्रयामा. ३, १८, २२, १९, ६२, ३८१,
 ६३, २९१, ६४, ३९८, १७७,
 ३९८, २८०, २८७, २८८, ३५१,
 २९१, ३७५, ३०३, ४८२, ३६१,
 ५५६, ३३६, १६६, ४०९, ३५
 ४१८, १० ।
 श्रयामाक १३६, ३५ ।
 श्रयामास्ती ३०७, १२१ ।
 श्रयाल =पत्नीआता ।
 श्रयाव ४३५, १६६ ।
 श्रयेत ४३५, १६१ ।
 श्रयेन ११०, ११३, ३२७, ८७, ४३५,
 १६१ ।

श्रयेनजित् ३७१, १३ ।
 श्रयेनी ३४९, ५० ।
 श्रैयनंपाता=सृगया ।
 श्रयोनघण्टा १७९, ३९४ ।
 श्रयोनाक २६६, १६३ ।
 श्रद्धा २५, ४६, २२०, ५९ ।
 श्रथन ४८, २५४ ।
 श्रम ११८, २६५ ।
 श्रमद्वी १४८, १४० ।
 श्रमण ८५, १४८ ।
 श्रमणा २३, २६, ३०९, ५३७ ।
 श्रमालम्बा. २८९, ३५८ ।
 श्रयण २३९, ४५ ।
 श्रग २८२, २९९ ।
 श्रवण ३६, १४२, ४०१, १९५, ४३३,
 १४५ ।
 श्रवणशीर्षक ३०९, ५३७ ।
 श्रद्धन्ती ३०५, ५०५ ।
 श्रवस् ३६, १४० ।
 श्रवम् ३६, १४३ ।
 श्रवा ३१०, ५४९ ।
 श्रविष्ठा. ४०१, १९५ ।
 श्राण ३२, ११२ ।
 श्राणा=यवागू ।
 श्राद्ध ८०, १०८ ।
 श्राद्धदेव ३८७, ४७ ।
 श्राम ४११, ५४ ।
 श्रामणेर ८५, १४९ ।
 श्राय. २३९, ४५ ।
 श्रावक ८५, १५०, ३२८, ९७ ।
 श्रावण ४१२, ६१ ।
 श्रावणानुज ४१२, ६० ।
 श्रावणिक ४१२, ६१ ।
 श्रावणी ३०९, ५३७, ३१६, ६०२ ।
 श्री. ११७, २५७, ३१४, १३४, ३९९,
 १७७, ४५७, ५४, ४३२, १४२,
 ४४१, २४, ४४२, २८ ।
 श्रीकण्ठ ३८९, ८५ ।
 श्रीकन्दा २९४, ४०४ ।
 श्रीकर ३५९, १३८, ४५२, ९ ।

- श्रीकर्ण. ३३६, १६८।
 श्रीक्षेत्र १०६, १५४।
 श्रीखण्ड ६१, ३७१।
 श्रीघन ३६८, २।
 श्रीताल २७०, १९४।
 श्रीद ३८७, ७०।
 श्रीदत्त ४७१, ४।
 श्रीनिवास ४७२, ९।
 श्रीपति =विष्णु ।
 श्रीपथ १९, १००।
 श्रीपर्ण (ज.) २६६, १६०।
 श्रीपण्डि २६६, १६०, २६७, १६७।
 श्रीगिर्जम्=श्रीवास ।
 श्रीतुव्र ११०, १११।
 श्रीफल. २५६, ७३, २६३, १३३।
 श्रीकृष्ण २८१, १२०, ३०२, ४८।
 श्रीफली १७१, १६७, ३०३, ४८३।
 श्रीमत् १९२, ५३४, २१६, २३, ३३३,
 १४०।
 श्रीरस. ६४, ४००।
 श्रीरामण ३६७, ३११।
 श्रील =श्रीमान् ।
 श्रीलता २९५, ४१७।
 श्रीवत्स २०७, ५१, ४५४, ३२।
 श्रावत्सलाङ्गन ४५१, ५।
 श्रीवल्ली. २७७, २५८, २८६, ३३५।
 श्रीवाटी १७०, ३३४।
 श्रीवारक. ३०१, ४०।
 श्रीवास ६४, ८००, ४५१, ६।
 श्रोदृक्ष २५९, ९८।
 श्रीदृक्षकिन् १११, २००।
 श्रीवेष्ट ६४, ४०।
 श्रीसंज्ञम्=लवद्वज्म् ।
 श्रीहट (ट) ५, २६।
 श्रीहस्तिनो=मृग्यडी ।
 श्रुतम्=शास्त्रमवृत्त च ।
 श्रुतगति ३२२, ४३।
 श्रुतत्रेणी ३०७, १०५।
 श्रुति. ३६, १४२, ४१८, १२, ४४२,
 ३१।
- श्रुतिकिरोवि ४२२, ४७।
 श्रेणि. १७, ८०, १३४, १६, २०३, ११,
 २४९, ८।
 श्रेणिक ३८, १६०, १६, ६३।
 श्रेणिका २८९, ३६२।
 श्रेणी. २४९, ७।
 श्रेयस् ८८, १८३, २२६, ११०, ४३५,
 ८६, ४१५, ९०, ४३४, १५४।
 श्रेयसी ६४, ४००, १७०, ३४४, १७५,
 ३८०, २६४, १४५।
 श्रेष्ठ. २२०, ५६, २२६, ११०, ४७७,
 ११।
 श्रेष्ठाष्ट २७२, २१२।
 श्रेष्ठशाव ३२२, ४१।
 श्रोण =पहुँ ।
 श्रोणि ४२, १०२।
 श्रोणिकलक. ४२, २०२।
 श्रोतम् ३६, १४३।
 श्राव. ३६, १४२, ७३, ४१, ४३४,
 १५७।
 श्रोत्रिय ७३, ८।
 श्रम ३६९, ८।
 श्रौतथवेय. १५, ५८।
 श्रौषट् ४५८, १।
 श्रुद्ध २२२, ७३, २२७, ११७, ४२२,
 ४५।
 श्रुद्धगत्वच २६७, १००।
 श्रुय २२१, ६७, २२७, १२०।
 श्रुल ६६, ४१८।
 श्लाघा ४४७, ८०।
 श्लिकुल. २१५, १३, २२२, ७६।
 श्लिकुलम् ३४, १२६, २१७, २७, २१८,
 ४०।
 श्लिष्ठा. २३६, १७।
 श्लीपद. ५७, ३३५।
 श्लृल =श्रीमत् ।
 श्लेष २३९, ४४।
 श्लेषण (ल) =कफी ।
 श्लेषमत् (ध) =कफ ।
 श्लेषमातक. २६४, १४०।

श्लोक. ४४८, ८४ ।
 श्वर्णश्रेयस ४१५, ८८ ।
 श्वर्णगन्व. ३००, ४६३ ।
 श्वर्णचल्ली १५१, १७० ।
 श्वर्णदंष्ट्र (श्र.) ३००, ४६२, ३२२, ३९ ।
 श्वर्णदयित. ४६, २३१ ।
 श्वर्ण. २०६, ४२ ।
 श्वर्णनिश (शा) ४१०, ४१ ।
 श्वर्णपू (च) २०५, ३४ ।
 श्वर्णपक (च) २०५, ३४ ।
 श्वर्णुञ्जा ३०० ४६१ ।
 श्वर्णमक्षका २५८, ८७ ।
 श्वर्णभ्र २४१, ५८, ३६१, २ ।
 श्वर्णततु ३२८, ९४ ।
 श्वर्णयथु ५७, ३३४ ।
 श्वर्णवृत्त=सेवा ।
 श्वर्णुर २७, ६८ ।
 श्वर्णुरो. २७, ६४, ३२, १०६ ।
 श्वर्णुर्य=देवर यालश्च ।
 श्वर्णुर् २७, ६४, ३२, १०६ ।
 श्वर्ण् ४६०, २७ ।
 श्वर्णसन ३८०, ६ ।
 श्वर्णसित २५२, ३५, ३८०, ६ ।
 श्वर्णत्र १९२, ५३६ ।
 श्वर्णान. २०६, ३८ ।
 श्वर्णानी २०७, ४४ ।
 श्वर्णापद. ३१८, ७, ३१९, १७ ।
 श्वर्णविघू ३२३, ५२ ।
 श्वर्णास ४३१, १३० ।
 श्वर्णासहेति ४४९, ९६ ।
 श्वर्णत्र ५७, ३३७ ।
 श्वर्णेत. १५९, २२५, ३७१, १९, ४३४,
 १६० ।
 श्वर्णेतक. २१३, १०२ ।
 श्वर्णेतस्तदा. १७५, ३८४ ।
 श्वर्णेतकर्ण ३१२, १११ ।
 श्वर्णेतकाण्डा. २८८, ३५४ ।
 श्वर्णेतकापातिका ३१५, ५९९ ।
 श्वर्णेतकिनी. २६५, १५० ।

श्वर्णेतकेनु ३६८, २ ।
 श्वर्णेनकोल ३५३, ९० ।
 श्वर्णेतगज ३८३, ३७ ।
 श्वर्णेतगर्हत ३२१, १२१ ।
 श्वर्णेनगुजा २९७, ४३४ ।
 श्वर्णेतच्छद ३३१, १२१ ।
 श्वर्णेतदङ्गण १७८, ४०८ ।
 श्वर्णेतद्वारा २८८, २५२ ।
 श्वर्णेनद्युति ३९९, १७३ ।
 श्वर्णेनपक्ष ३३१, १२१ ।
 श्वर्णेतपत्रा २७२, २१३ ।
 श्वर्णेनपाद ३९२, १११ ।
 श्वर्णेनपिङ्ग ३१८, ७ ।
 श्वर्णेनगिंडीतक २७२, २१७ ।
 श्वर्णेतपुष्प २७३, २२४, ३०६, ५११ ।
 श्वर्णेतपुष्पा १५१, १६९, ३१२, ५६४ ।
 श्वर्णेतपुष्पिका ३०२, ४७६ ।
 श्वर्णेतपुष्पी २९९, ४८६ ।
 श्वर्णेतफला १४९, १५३ ।
 श्वर्णेतवृहती ३००, ४५५ ।
 श्वर्णेतभिष्ठ ८५, १४८ ।
 श्वर्णेतमरिच १४६, १२० ।
 श्वर्णेतयुका. ३३९, ११३ ।
 श्वर्णेतरक्त ४३५, १६६ ।
 श्वर्णेतवचा. १७९, ३८५ ।
 श्वर्णेतवर्वर. ६२, ३७६ ।
 श्वर्णेतवृक्ष २७२, २१५ ।
 श्वर्णेतवृन्ता १३९, ६२ ।
 श्वर्णेतशिष्य १४६, १२० ।
 श्वर्णेतसार २८३, ३०७ ।
 श्वर्णेतमुरसा=भूतवेशी ।
 श्वर्णेतस्कन्व २७५, २३७ ।
 श्वर्णेना १८३, ४४४, १९८, ५८६, २६७,
 १६३, २९६, ४१९, २१३, १०३ ।
 श्वर्णेताक्ष २९६, ४२७ ।
 श्वर्णेताद्रि ३४१, ७ ।
 श्वर्णेताम्बर ८५, १४८ ।
 श्वर्णेताम्लिका ३०७, ५२१ ।
 श्वर्णेनाथ. ९३, ४१, ३९८, १६९ ।

श्रेत्रेशु ३१५, ६८५।
श्रेत्रेण २८५, ३२५।
श्रेत्रोत्पल १३५, ३०।
ष.

षड् ८९, १५०।
षट्कर्मकृत् ६९, ११।
षट्कोण १९९, ६००।
षट्पद ३३७, १७।
षट्प्रश्नियि. २७३, ८७।
षट्प्रदानन्दा २७७, २५९।
षट्प्रज्ञ २१९, ५।
षट्सप्ता १८७, ४९३।
षड्ज ३४, १२८, ३००, ४६२।
षड्भिज्ञ ३६८, ५।
षड्शीतिमुख ४१४, ७७।
षडानन ३९५, १४२।
षडालक १२२, ३०।
षडन्थ २६९, १८।
षडन्या १७२, ३७५, १७७, ४०४।
षड्नियका=कर्चूर ।
षड् ४१७, १।
षड्हा (झधा) २४१, ६०।
षड्हसा. ४५, २२२।
षड्हर्ग १०२, ११७।
षड्हिन्दु ३३७, १७६, ४४२, ८।
षण्ड. ५९, ३५३, २४८, १, ३६०, १५३,
२०, ४, १८१, ४२९।
षण्ड. १०, १८, १८१, ४२९।
षण्मतुजात. २७, ६९।
षण्मुखाग्रज. २, १२।
षष्ठि. ४४४, २०४, १८७, ४८९।
षष्ठिका (क) १३४, २९, ३०२, ४७६।
षष्ठिक्यम्=षष्ठिकभवनम्।
षष्ठि. २९, ८।
षष्ठात्मकालक ७२, ३०।
षष्ठी. ३९४, १२९।
षष्ठीप्रिय ३९५, १४५।
षाण्ड. २०, ४।

षाष्मान्॒र. २७, ६९।
षाष्टिक ७, ८२।
ष. डत् १८३, ४५२।
षोडशमत्क्या ८९, ११९।
षोडशीर्चिस् ४०३, २०८।
षोडशी १९०, ५९९।
षोढा २४१, ६०।

स.

सयत् १२७, ३४८, १२८, ३५९।
संयत २२३, ८९।
संयद्वर २१४, १०।
सथम २४१, ६०।
संयमनी १३, ४५, ३८९, ५१।
संयमिनी ४१७, ७।
संयाम २४१, ६०।
संयाव १६१, २५६।
संयुक्त २७, ६५।
संयुग १२७, ३४७।
संयुतजञ्जुक ३३, ११७।
सयाग ४२७, ९२।
संयोजित २३१, १५३।
संसम २३८, ३७, २४३, ८२।
संसरा॒. ४१०, १०२।
संलय. ४३१, १२७।
सलाप ४४८, ८८।
संवृत् ४५९, २०, ४१३, ७५।
संवत्सर ४४०, १७, ४१३, ७३।
संवत्सरपथ. ४३७, १२।
सवद (न) न २३५, ६।
संवर १५२, १८०, ३४५, १४।
सर्वति ४१४, ८३।
सवत्तंक २६५, १५२, ३७८, १४, ४५५,
३६।
सवर्तकिन् ४५३, ३५।
संवर्तपूर्वज ४०२, २०३।
संवर्ति (क). ३६१, १५५।
संवर्ती. ३६१, १५५।
संवसथ. ९, ५।
संवह ३७१, १७, ३८१, १४।

- संतहन. २४२, ६५।
 संवाण. ३२७, ९०।
 संवास. १२, २८।
 संवाहन २४२, ६५।
 संविद् ४३३, १४३, ४३४, १५३, ४४९,
 ९२।
 संविदित २३४, १७९।
 संवीक्षणम्=गवेषणा।
 संवेक्षा २४७, ११६।
 संवीतम्=रुद्रम्।
 संवृत ३८७, ६९।
 संवेग =संश्रम।
 संवेद २३६, १३।
 संवेश. ७६, ३२१, ४३१, १२७।
 संवेशन. २३९, ३८।
 संव्यान ५२, २८।
 संशस्त्र १२६, ३२४।
 सशय ४३३, १४८।
 सशयाल्ल २२०, ५८।
 संशयावह २१५, १३।
 संशयितृ २२०, ५८।
 संशित. २१९, ४३।
 संशितब्रत ८१, १२१।
 संश्रव ४३४, १०२, ४४९, ९२।
 संश्रुत. २३४, १७९।
 संश्लेष २३६, १०।
 संसक्त २२७, १२४।
 संसद. ७६, ७०।
 संसस्की ४९, २६६।
 संसरण. १९, १००, २४०, ४९।
 संसर्ग. १५३, १८२।
 संसार २४०, ४९।
 संसारगुरु ४५५, ४९।
 संसारपद. ४३, २०६।
 संसिद्धि =स्वभाव।
 संसृति २४०, ४९।
 संस्कार ६९, ९, १२७, ३४७।
 संस्कारकर्तृ ७३, ४९।
 संस्कारवर्जित ८५, १५२।
 संस्कृ. २४५, ९५।
 संस्कृत २१८, ४२, ४२३, ५४।
 संस्क्रिता १३१, ३०३।
 संस्तर. ७७, ५८।
 संस्तव. २४२, ६५।
 संस्ताव. २४३, ७७, २४८, १२०।
 संस्थाय. १२, ३८।
 संस्था ७९, ६०, १०९, १४।
 संस्थान १८, ८९, १९, १७।
 संस्थित १३१, ३८०, २३१, १५३।
 संस्पर्श=चक्रवर्त्ती।
 संस्कोट १२८, ३५७।
 सस्त्रवोपल २००, ६०५।
 संहत २२९, १३४।
 संहतजातुक ३३, ११७।
 संहति. ३४०, २०२।
 संहनन ३४, १२८।
 संहर्ष ३८०, ३।
 संहार ३८७, ३, ३९२, ११४, ४३।
 संहूति ४४६, ६९।
 सह २४५, १७।
 सहाद ३६२, १५।
 सकल २२७, १२२।
 सकला ४१८, १०।
 सहृत=सह एकवारे च।
 सहृत्यर्ण २७७, २५४।
 सहृत्यज ३१८ ६, ३२८, ९६।
 सहृत्यफला २५१, ६०।
 सकु १४१, ८३, १४२, ८७।
 सकुफला २८४, ३१३।
 सकुफली. २८३, ३१२।
 सक्षिथ ४४ ११४।
 सखि २७, ६७, ९१, ०३।
 सखी २२, २४।
 सख्य ९१, २४।
 सगन्ध ३१, ९८।
 सगर. १५, ६२।
 सगर्भ २९, ८६।
 सगोत्र. ३१, ९८।

संगिवः—सहयोजनम् ।
 संकट. २३०, १४६; २४३, ५६ ।
 संकथा. ४४८, ८८ ।
 संकर. १८, ८९ ।
 संकरणः—वलदेवः ।
 संकरित. २३१, १५४ ।
 संकल्प. ४३३, १४७ ।
 संकलुक. २१८, ४९ ।
 संकाश. २११, ८३ ।
 संकीर्ण. २३०, १५६ ।
 संकुचक. ३५९, ९९ ।
 संकुचित. २५२, ३७ ।
 संकुल. १९, ९६; २३०, १४५; २७८,
 २६५; ४१०, १०४; ४४७, ७३ ।
 संकुसुक. २१८, ४९ ।
 संकृति. ७८, ९३ ।
 संकेत. ४४६, ६३ ।
 संकोच. ६२, ३८० ।
 संकोचनी. ३१३, ५७१ ।
 संकोचिका. ३५४, १९६ ।
 संकम्बन. ३८२, २४ ।
 संकम. २४२, ६७ ।
 संक्षेप. २४०, ४८
 संक्षेपण. २४१, ६३ ।
 संख्य. १२७, ३४६ ।
 संख्या. १८६, ४४५; ४३३, १४५ ।
 संख्यात. २२७, १२१ ।
 संख्यावत्. ७४, ४८ ।
 संख्येय. १८६, ४४५ ।
 सङ्ग. ४२३, १३० ।
 संगत. २३६, १४; ४४७, ७४; ४४७,
 ७९ ।
 संगम. २४२, ७३ ।
 संगमित. २३१, १५३ ।
 संगर. १२७, ३४९ ।
 संगव. ४०८, २७ ।
 संगीत. ४२१, ४१ ।
 संगीर्ण. २३४, १७९ ।
 संगुस. ३३८, ६ ।
 संगूढ. २३१, १५४ ।

संग्रह. २४५, ९२ ।
 संग्रह. २३८, २९; २४०, ४८; ४४५,
 ५९; ४४४, ४९ ।
 संघरणी. ५४, ३११ ।
 संग्राम. १२८, ३५७ ।
 संग्राह. ४०, १७९; २४०, ४८; २४, ५२;
 १२३, ३११ ।
 संग्राहिन्. २६८, १७७ ।
 संघर्षा. ६७४, ३७५ ।
 संघात. १२७, ३४९; १३१, ३७५; ३३९,
 २००; ३६७, २ ।
 संघातचारिन्. ३२२, ४२; ३८७, ८७ ।
 संघातपत्री. २९९, ४४९ ।
 सञ्चक्षुसु. २६०, ३०८ ।
 सचिव. ८९, ७; २७४, २२७ ।
 सचिवामय. ५३, ३१५ ।
 सची—इंद्राणी ।
 सजगिव. १६७, ३०८ ।
 सजग्बाल. ५, १४ ।
 सज्ज. ११४, २३१ ।
 सज्जन. १०३, १२८; २४६, १६ ।
 सज्जना=कल्पना ।
 सज्जित. १०६, १६० ।
 संचय. ३३९, २०० ।
 संचर. ३४, १३० ।
 संचारिका=दूरी ।
 संचारिणी. ३१३, ५७३ ।
 संचारिमाव. ४२७, ९२ ।
 संचित. २४७, ११६ ।
 सज्ज. ३८८, ७९; ४३९, ३ ।
 संजवन. १३, ४५ ।
 सज्जा. १८५, ४६८ ।
 संजातोक्ष. १८१, ४४० ।
 संजीविनी. ३११, ५५४ ।
 संज्वर. ५४, ३०५; ५६, ३२३; ३७५,
 २५ ।
 सज्ज. ३३, ११७ ।
 संज्ञपन. १३०, ३६९ ।
 संज्ञसि. १३०, ३७१ ।
 सज्जा. ४३२, १४२; ४४६, ६३ ।

संज्ञा ३३, ११७ ।
 सदा ३५, १३९ ।
 सद्गुरु १६६, २९९ ।
 सदी १७८, ४०५ ।
 सण्ड २२५, १ ३ ।
 सण्डाक ३२४, ६४ ।
 सडीन ३३९, १९९ ।
 सत् ७३, ४७ ।
 सततम ३८१, १७ ।
 सतति=पतित्रा ।
 सत नक १३९, ५९ ।
 सतीर्थ (र्थ) ७४, ५६ ।
 सतील १३९, ५३ ।
 सतिकथा १३९, ३८२ ।
 सतम २२६, ११० ।
 सत्पथा २१, १६ ।
 सत्पुत्र २५९, ६४ ।
 सत्य २७९, ९९, ४४७, ७२ ।
 सत्यङ्कार १८६, ४८४ ।
 सत्यजल २६४, १४२ ।
 सत्यनित् ३७१, १३ ।
 सत्यफल २६३, १३५ ।
 सत्यभासा ४५४, २३ ।
 सत्यभासापितृ ९५, ५६ ।
 सत्यवुग ४१४, ७९ ।
 सत्यव-स् ८२, १२२ ।
 सत्यवती ८२, १०८ ।
 सत्यवाच् ३२८, ९५, ३३४, १४८ ।
 सत्यसंगर ३८७, ७२ ।
 सत्या ४५४, ३८; ४५३, २४ ।
 सत्याकृति १८६, ४८३ ।
 सत्य मि ४०४, २१९ ।
 सत्यानृत १३२, २ ।
 सत्यापना (न) १८६, ४८३ ,
 सत्र ७५, ५९, २४८, १ ।
 सत्रा ४५८, ४ ।
 सत्राजित् (त) ९५, ५६ ।
 सत्रिन् ९६, ६७ ।
 सत्री १३, ४८ ।
 सत्व २३९, ३९, ४१६, ९६ ।

सत्वभारत ८२, १२६ ;
 सत्वर ३८१, १६ ।
 सदन १२, ३४ ।
 सदस् ७६, ७० ।
 सदसी ७६, ७१ ।
 सदस्य ७६, ७१ ।
 सदा ४६०, २७ ।
 सदागति ४३६, ७, ३८०, ४ ।
 सदाचारा २२, २४ ।
 सदातन २२८, १३१ ।
 सदानन्द ४३९, ५ ।
 सदानीरा ३४८, ४० ।
 सदापुष्प २७४, २३२, २७८, २६९ ।
 सदाप्रसून २८२, ३०२ ।
 सदाफल २५९, ६६, २६०, १०६, २६३,
 १३५, ३७९, २७३ ।
 सदामद २, १३, ३८३, ३५ ।
 सदक्ष २११, ८० ।
 सदश (श) २११, ८० ।
 सदेश २२७, १२३ ।
 सद्गुत ४४७, ७३ ।
 सद्व (न)=गृहम् ।
 सद्यस् ४५९, १४ ।
 सद्यव्रण ५७, ३३६ ।
 सर्विणी=पत्नी ।
 सध्यम् २२१, ६९ ।
 सधीची २२, २४ ।
 सनकाय ४४०, १० ।
 सनत् ४३९, ५ ।
 सनकुमार =वैधात्र ।
 सनपणी=अपराजिता ।
 सना ४६०, २२ ।
 सनात् ४३९, ४ ।
 सनातन २२८, १३१ ।
 सनाभि ३१, ९९ ।
 सनालक १५२, १७४ ।
 सनाली २४, ३९ ।
 सनि =अथेषणा ।
 सनिद् २५२, ३७ ।

| | | | |
|-----------------|--|-------------------------------|--------------------|
| सनीड. | २२७, १२३। | मंविबन्धन | ४६, ०३७। |
| सन्तत | २३२, १६६, ३८१, १७। | संयिला | १९, ९९। |
| सतति | २९, ७९, ६९, ८। | संधिवेला | २०७, ५१। |
| संतप्त | २३२, १६८। | संधिशुल | ५६, ३२८। |
| संतमस | २६२, ८। | संधिवली | २७१, २७२। |
| संतान | ६९, ४, ३८४, ४३। | संव्या | ४०७, १८। |
| संतानिका | १५८, २३६। | संव्यासाटिन् | ३१०, ९। |
| संताप | ५६, ३२३, ३७९, २५। | संव्यापुष्पा | २७६, २५२। |
| संतापन. | १३०, ३६९, ३९२, ११०, ४५६, ४६। | संव्यानल | ३८६, ५६। |
| संतापित | २३२, १६८। | संव्यारागिन् | १५६, ५६२। |
| संता (त) र | ३५१, ६८। | संव्याह | १९५, ७६६। |
| संतोष | ८७, १६९, ४३१, १२६। | सञ्चकदु =धनु पट | । |
| संदेश | २०९, ६६। | सञ्चाद | ११४, २३१, २२३, ८४। |
| संदेशवदन | ३२८, ९३। | सञ्चय =पृष्ठम्य बल समग्रायश्च | । |
| संदभ | २३७, २३, ४४४, ४३। | सञ्चाह | ११२, २१३। |
| संदान | १०९, १८०, १८४, ४६४, ४४५, ६०। | संनि.र्षण | २४२, ७०। |
| संदानिका | २८३, ११०। | संनिका | १५०, ९५९। |
| संदानित | २२३, ८२। | संनिकृष्ट | २२७, १०३। |
| संदानिनी | १३, ४८। | संनिधानु | १०१, ११०। |
| संदाव =पलायनम्। | | संनिधि | २४२, ७०। |
| संदित =बद्ध। | | संनिपात =राग वर्णेष | । |
| संदेशगिर् | ४४९, ९०। | संनिपातारि | २६६, १५९। |
| संदेशहर. | ७७, ७७। | संनिवेशा | १८, ९०। |
| संदेशहरा. | २३, २६। | संन्यसू. | २४६, १०९। |
| संदेह | ४३३, १४९। | संन्यास | ८७ १-८। |
| संदाह. | ३३९, २००। | सपत्न | ९१, २०। |
| सदा (द) व. | १२९, ३६३। | सपत्नी | २५, ५०। |
| संधा. | ४०७, १०, ४४९, ९२। | सादि | ४५८, ३, ४५९, १८। |
| संधावन. | १७०, ३४०। | सपर्या | ८१; ११५। |
| संधानी | १४, ५५। | सपिण्ड | ३१ ९०। |
| संधि. | ३८, १६७, ४३, २०६, ९७, ८०, २०७, ५१, २३९, ४८, ४०७, १०। | सपिण्डीकरण | ८०, १०८। |
| संधिकुसुम | २७१, २७३। | सपीति | १६७, ३०९। |
| संधिज्ञावक | २१७, २७। | सप्तकी | ४९, २६६। |
| संधिवाल | ६६, ४१९। | सप्ततनु | ७१, ५७। |
| संधिनी. | १८३, ४५५। | सप्तति | १८७, ४८९। |
| | | सप्तदोधिति | ३७७, ३। |
| | | सप्तनासिका | ३१०, ५४६। |
| | | सप्तपर्णि =विषमच्छद् | । |
| | | सप्तपर्णी | ३१२, ५७२। |

सप्तपुत्रप्रसू. २३, २८।
 सप्तर्षि (षष्ठी)=मरीच्यादय
 सप्तला ३०८, ५२८।
 सप्तवक्त्र ३८३, ३३।
 सप्त (सा) विश्वाति १८७, ४९।
 सप्तशिरा १७०, ३३४।
 सप्तसागरक ८०, १०३।
 सप्तार्चिस् ३७६, २, ४०३, २०८।
 सप्ताश्व. ४३६, ८।
 सप्ति. ११०, १९३।
 सप्र ३९९, १७४।
 सब्रह्मचारिन् ७४, ५५।
 सभर्तृका २८, ३३।
 सभा. १२, ३६, ७६, ७७।
 सभाजन. २३७, २२।
 सभासद् ७६, ७१।
 सभास्तार ७६, ७१।
 सभिक. २१३, १००।
 सभ्य. ६९, ६, ७६, ७२, ७७, ८०,
 २१६, १६।
 सम ७८, ९२, ४२२, ४४, २११, ८०
 ३६९, ७, २२७, १२१।
 समक्ष २३१, १५५।
 समग्रन्विक ६५, ४०२।
 समग्र २२७, १२२।
 समज्ञा. ३०३, ४०७, ३१३, ५७१।
 समज ३४०, २०८।
 समज्ञा २४१, ५८, ४४८, ८४।
 समज्या. ७६, ७०।
 समज. २४८, २।
 समज्ञस ९९, ९१, २२०, ५५।
 समदृ. २७, ६९।
 समविक २२९, १२४।
 समन्तनस् ४१९, १७।
 समन्तन्दुर्घा. २८५, ३२३।
 समन्तभद्र ३६८, ५।
 समन्तभुत् ३७७, ८।
 सनन्वितल्य ४२४, ६३।
 समम् ४५८, ८।
 समय ४०५, १, ४३३, १५०।
 समयभ्रश ४३०, १२०।
 समया. ४५८, ९।
 समर १२७, ३४८, ३२१, ३०।
 समर्थ =शक्त सबद्धथ्र।
 समर्थन ९९, ९२।
 समर्वक २१५, ९।
 समर्थ १२७, ३५०।
 समर्याद २२७, १२३।
 समवकारक ४२३, ५३।
 समवर्तिन् ३८५, ४८।
 समवाय ३४०, २०७।
 समवृत्ति. ४४३, ४३।
 समष्टि ४१६, १०१।
 समष्टील (ला) २९९, ४५३।
 सम् २४६, १०८।
 समसन २४६, ६३।
 समसुसि. ४१५, ८।
 समस्त २२७, १२।।
 समस्या ४४४, ५९।
 समहन्. ३९०, ९२।
 समा ४१३, ७४।
 समासमीना १८४, ४६३।
 समार्कषिन् (षष्ठी)=नर्हारी।
 समाख्या ४४८, ८५।
 समाधात. १२७, ३४७।
 समाज ३४०, २०४।
 समाज्ञा ४४८, ८४।
 समा (म) ज्या ७६, ७०, ४४८, ८४।
 समाधान ४४९, ५१।
 समावानी ४१७, ६।
 समाधि ८७, १७२, ४३४, १५३।
 समन २११, ८१, ३८१, १२।
 समानोदयि २९, ४६।
 समालम्भ २४२, ०१, २४७, ११४।
 समावय २२०, ५२।
 समावर्त्तन. ६९, ९।
 समावीज्या २४८, ११९।
 समावृत्त. ७२, ३७।

- समासाद्य २३६, १५४।
 समामार्था ४४७, ५९।
 समाहर्तु १०१, ११०।
 समाहर २४०, ४८, २४०, ५४, ४४७,
 ५९।
 समाहित २३४, १७९।
 समाह २४७, १६।
 समाहति ४४४, ४९।
 समहय. १२७, ३४९, २१३, १०५,
 ४४६, ६७।
 समित् ७६, ७०, १२७, ३४८।
 समिता १४२, ८४, १६०, २४४।
 समिति ७६, ७३, १२७, ३४८, १२८,
 ३५८।
 समीरीथ ३७७, ५।
 समित्र. २५१, २५।
 समिन्धन २५१, २६।
 समीक. १२७, २४६।
 समीची ८१, ११४।
 समीचीन २२०, ५५, ४४८, ७२।
 समीप २२७, १२३।
 समीर ३७९, १।
 समंरण २८१, २८८, ३८०, ४।
 समुच्चय २४०, ५४।
 समुच्छय =वैसुगतिश्च।
 समुज्ज्ञत. २३३, १७४।
 समुत्तिज्ज १२६, १३६, २२३, ८३।
 समुद्रकम्=उद्धृतम्।
 समुदन २४२, ७३।
 समुदय १२८, ३५८, ३४०, २०१।
 समुदाचार. ४४६, ६४।
 समुदाय १२७, ३४९, ३४०, २०१।
 समुद्रक २१०, ७४।
 समुद्रिणम्=घण्टापयोवान्तां च।
 समुद्रत २१८, ३७।
 समुद्र ३४३, १।
 समुद्रृह १६, ६८, २३६, १०।
 समुद्रनवीत ३९९, १०६।
 समुद्रला १७७, ३७९।
- समुद्रफेन १७८, ४०६।
 समुद्रभाष्टिका ३५३, ८८।
 समुद्रवाहन ३९०, ९५।
 समुद्रस्त्री ३४७, ३२।
 समुद्रान्त ३०१, ४२४।
 समुद्रान्ता. ३०८, ५२६।
 समुद्रिया ३५१, ६६।
 समुन्द (द) न २४२, ७३।
 समुञ्ज २३३, १७३।
 समुच्चद =पण्डितमन्योगर्वितश्च।
 समुपजोषम् (उपजोषकम्) ४५९, १८।
 समुपासन ७१, २५।
 समूढ २२६, १-६, २४७, १००।
 समूरु=हरिणविशेष ,
 समूर्त्त ३८५, ५५।
 समूह ३३९, २००।
 समूहगत्य ६४, ३८३।
 समूहिनी १८, ८६।
 समूद्य. ७७, ७८।
 समृद्ध १४२, ८९, २१६, १९।
 समृद्धि २३९, ४४।
 सम्पति. ११७, २५७।
 सम्पद (द). ११७, २५७, ३१०, ५४३,
 ४१३, ७५।
 सम्पत्ति १४२, ९०।
 सम्पराय (व) १२८, २५८।
 सम्परायिक १२७, ३४६।
 सम्पाक २६७, १७३।
 सम्पान १२८, ३५७।
 सम्पुट २१० ७४।
 सम्पूर्ण २२७, १२२।
 सम्प्रति ४६०, २८।
 सम्प्रदाय २३९, ४०।
 सम्प्रधारणा ९९, ९०।
 सप्रहारक. १२७, ३४६, १२७, ३५०।
 संप्राप्ति २४०, ४८।
 संफुल =फुल।
 संफेट १२८, ३५७।
 सम्ब. ३८४, ३९।

सम्ब्र ३६३, १८ ।
 सबाध २३०, १४५, २४१, ५६ ।
 संबुद्ध ३६८, १ ।
 संबोधन ४४६, ६८ ।
 सम्भली २४, ३८ ।
 संभव ४१६, ९७ ।
 समार १२६, २२६ ।
 संभाष ४४८, ८७ ।
 संभेद ३४९, ५५ ।
 संभ्रम २४२, ६८ ।
 संमद ४१७, ८७ ।
 संमर्द १२७, ३४७ ।
 संमाइनी १७९, ४२० ।
 समाजनी १८, ८७ ।
 समित ३७१, १३ ।
 संमुख २२१, ६८ ।
 संमुखीन २२१, ६८ ।
 समूच्छन २३६, १३, २४३, ८१ ।
 समृष्ट १६४, २८५ ।
 संमोद ४१५, ८७ ।
 सम्यञ्च २२१, ६९ ।
 सम्राज् ८९, ६ ।
 सर ११८, २६९, १५८, २२८, १७८,
 ४११, ३४८, ८, ३४५, १५ ।
 सरक =अनुरपणम् ।
 सरधा ३३७, १८२ ।
 सरज १५७, २२२ ।
 सरट ३३७, १८२ ।
 सरट ३२४, ६३ ।
 सरणि (णी) १८, ९३, २४९, ८ ।
 सरण्ड ३२६, ८३ ।
 सरग्यु (ग्यू) ४३८, २२ ।
 सरत्नि =रत्नि ।
 सरभ ३१७, १ ।
 सरमा २०७, ४४ ।
 सरयु (यू) ३४८, ४४ ।
 सरल २१५, १५, २२०, ५५, २२८,
 १३० ।
 सरला=त्रिपुष्टा ।

सरसु (स) ३५८, १३५ ।
 सरसिज (न्मन्) ३५९, १३९ ।
 सरसी ३५८, १३६ ।
 सरसीरह ३५९, १३९ ।
 सरस्वत् ३४७, २९ ।
 सरस्वती २२, २५, २९५, ४१३, ३४७,
 ३१, ३४८, ४२, ३७३, ३३,
 ४१०, ४३, ४४१, २३ ।
 सर ८१, ११७, ३१०, ५४४ ।
 सरागिन् १३७, ४१ ।
 सराव =शराव ।
 सरावत् ३३१, १२८ ।
 सरित् ३४७, ३३ ।
 सरित्पति ३४४, ४ ।
 सरिन् ४१२, ६२ ।
 सरिल ३४५, ९१ ।
 सरीसूप ३६४, ४ ।
 सरोज (न्मन्) ३५९, १३९ ।
 सरोरह ३५९, १२९ ।
 सर्ग ४४५, ६१ ।
 सर्वबन्ध ४४४, ५३ ।
 सर्ज (क) २६९, १८९ ।
 मर्जरस ६६, ४१५, २६९, १८९ ।
 सर्जिकाक्षार =क्षारविशेष ।
 सर्प ३६३, १ ।
 सर्वगन्धी १७९, ४१९ ।
 सर्वदृष्ट २६७, १६६ ।
 सर्वदृष्टिं १७१, २४४, ३१३, ५६८ ।
 सर्वदमनी २९४, ४०४ ।
 सर्वदेवत्य ४००, १८९ ।
 सर्वघुणा ३१८, ५६४ ।
 सर्वाज ३६४, ८ ।
 सर्वाक्ष ३६३, १३२, १७९, ४२० ।
 सर्वारम्भ १७२, ४१४ ।
 सर्वाङ्गी १७१, ३४५ ।
 सर्वादिन् ३२३, ५३ ।
 सर्वारि ३२४, ६५ ।
 सर्वावास ६१, ३७१ ।
 सर्विणी २९५, ४१०, ३६५, १९ ।

सर्पिस् १५७, २२३।
 सप्त ३६९, १९।
 सर्व २२७, १२१, २२१, १५६ ३९०,
 ९८।
 सर्वयहा २, १६।
 सर्वक्षार १७८ ४१३।
 सर्वग १३०, ३७३, ३९०, ९७।
 सर्वगन्ध १७१, ३४७।
 सर्वज्ञ ३६८, ८, ३७४, ४५, ३९०, ९७।
 सर्वतस् ४५९, १७।
 सर्वतिक्ता ३०७, ५०४।
 सर्वतोभद्र १५, ६५, २६५, १५४।
 सर्वतोभद्रा २६७, १६७।
 सर्वतामुख ३४४, ३, ३८९, -९, ४३९,
 ३।
 सर्वदम् (न) ९२, २९।
 सर्वदर्शिन् ३६८, १, ३७४, ४७।
 सर्वदा ४६०, २७।
 सर्वधुगवह १८३, ४५०।
 सर्वधुरीण १८३, ४५०।
 सर्वनाशन ४१५, ४४।
 सर्वमक्षा १८५, ४६८।
 सर्वमङ्गला ३९३, १२५।
 सर्वरस. १६७, ३१४।
 सर्वल. १२४, ३२०।
 सर्वलिङ्गित् ८५, १५१।
 सर्वली १२४, ३२०।
 सर्वविद्या ४४४, ५२।
 सर्ववेदस् ७५, ६४।
 सर्ववेदिन् ४२५, ७५।
 सर्वसंनाह १२५, ३२६।
 सर्वहित १५३, १८८।
 सर्वानुभूति ३७४, ४५।
 सर्वाचमोजिन् २१८, ३८।
 सर्वाचीन २१८, ३४।
 सर्वाभिसंधिन् ८७, १६५।
 सर्वाभिसार १२५, ३२६।
 सर्वार्थसिद्ध ३६८, ६।
 सर्वार्थ=सर्वाभिसार ।

मर्मौषधिमान ६१, ३६८।
 सर्प १४०, ७३, १९०, ७७४, २०१,
 ६९७।
 सर्पिया ३३६, १६५।
 सल ३४५, १२।
 सलिल ३४४, ७।
 सलिलन्द्र ३७३, ३५।
 सलकी २६३, १३६।
 सली २६३, १३६।
 सव ७५, ५७।
 सवन ७५, ६०।
 सवयम् ९१, २३।
 सवर्णा ४३८, ५२।
 सवर्णाभर्तु ४३७, १२।
 सवितृ ३१, १०, ३७०, ९, ४३६, १।
 सवितृदैवत्य ४०१, ११।
 सविध २२७, १२३।
 सविस्मय ४२६ ८०।
 सवेशा २२७, १२३।
 सवेशन २३९, ३८।
 सव्य ७०, २१।
 सव्यसाचिन् ९३, ४१।
 सव्येष्ट १०४, १३९।
 सव्यमशु २६, ५६।
 ससगिव १६७, ३०८।
 ससन ७६, ६६।
 ससुत् ३४७, ३१।
 सस्यम्=शस्यम्।
 सस्यक २२९, १४२।
 सस्यमङ्गरी १४१, ७५।
 सस्यशीर्ष १४१, ७५।
 सस्यशूक् १३८, ५१, १४१, ७६।
 सस्यसंवरण २७०, १९२।
 सस्याजीव ३५३, ८७।
 सह १२७, ३४५, ४५८, ४, ३७१, १६,
 ४११, ५६।
 सहकार २५३, ४८।
 सहकारित् २३८, ३३।
 सहचरी २८०, २८०।

| | | | |
|------------------|--------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|
| सहचारिणी. | २२, २४। | सह्याचल | ३४२, १४। |
| सहज. | २६, ८६ १००, १०२। | सायान्त्रिक | ३५१, ६५। |
| सहजन्या | ३७२, २९। | सायुगीन | ११६, २४७। |
| सहदेव | १४, ४५। | सावत्सर | ९६, ६६। |
| सहदेवी | ३०३, ४८। | साशयिक | २१७, ७। |
| सहधर्मिणी | २७, ४४। | साक्षम | ४५८, ४। |
| सहन | २२२, ७०। | साक्षल्य | ७१, २२, २३५, २। |
| सहभाविन् | २४१, ५९। | साकेत | १०, १५। |
| सहभोजनम्=सवित्र। | | साक्षात्=प्रत्यक्षे तुल्ये च। | |
| सहस् | १२७, ३४५, २२१, ६१, ४१६, ५६। | साक्षिन् | १३३, ७, १८६, ४८४। |
| सहसा | ४५८, १०। | सागर | ३४३, १। |
| सहस्य | ४११, ५७। | सागरगा. | ३४७, ३०। |
| सहस्र | १८७, ४९५। | साम्रि | ७९, ९६। |
| सहस्रकर. | ४३६, ७। | साख्य | ८४, १४५, ४४३, ३९। |
| सहस्रकाण्डा | २८८, ३५४। | साचि | ४५८, १०। |
| सहस्रदष्ट | ३५२, ७५। | सात | ४१५, ८९। |
| सहस्रनयन | ३८२, २७। | सातला=सप्तला। | |
| सहस्रपत्र | ३५९, १४१। | साति | २४४, ८। |
| सहस्रपाद. | ४३६, ७। | सातिसार=अतिसारकी। | |
| सहस्रपार | ४५२, ८। | सात्यकि | ९५, ५६। |
| सहस्रफण | ३६४, ७। | सात्यवत | ८२, १२७। |
| सहस्रबाहु | ९२, २९। | सात्वत | ९५, ५६, ४५५, ३६। |
| सहस्रमूलिका | ३१४, ५८। | सात्वती | ९२, ३३। |
| सहस्रवीर्या | २८८, ३५४, ३०५, ४९९। | सात्त्विक | ४२२, ५०। |
| सहस्रवेदि | १५४, ११७। | सात्त्विक्युण | ४२९, १०८। |
| सहस्रवेदिन्. | ६२, ३८। | सात्त्विक्यमाव | ४२७, ९२। |
| सहस्राश्य | ४३६, ७। | सात्त्विकी | ४२३, ५६। |
| सहस्राक्ष | ३८२, २७। | साद | २३८, २९। |
| सदसिन् | ११४, २२७। | सादन | १२, ३४। |
| सहा. | ३, १८, २७९, २७५। | सादनी. | १७५, ३८२। |
| सहाध्यायिन् | ७४, ५६। | सादि | १०९, १८१। |
| सहाय. | ११६, २४०, २४१, ५९, ३८५ १२०। | सादिन् | १०९, १८१, ११३, २२५। |
| सहायता. | २४४, ८६। | सादश्य. | २४१, ५६। |
| सहिण्णु | २२२, ७०। | साधक | २३६, १४। |
| सहव्य. | २१४, ६, २२०, ५५। | साधन. | १४०, ७३, २३६, १४, २३८, ३३। |
| सहोदर. | २९, ५६। | साधारण | ५, ६, २११, ८०, २२६, १८१। |
| सहोदरा. | २६, ५९। | साधित | २२३, ७९। |
| | | स्नाधिष्ठ | २३४, १०३। |

| | |
|--|--|
| साधीयस् (यान्)=साधुतरो चाढतरश्च । | सामुद्र १५३, १८१, ३४५, १५, ३५१, ६७ । |
| साधु २१६, १६ । | सामुद्रिक ३५१, ६७ । |
| साधुवाहिन् ११०, १९८ । | साम्पर्णात्मिक १२७, ३४६, १२८, ३५८ । |
| साधुवृक्ष २७२, २१६ । | साम्प्रतम् १९, १९, ४१८, ४, ४६०, २८ । |
| साध्य ३७०, ८, ३७२, २२ । | साम्य १०१, १८ । |
| साध्यस् ४२८, १०२ । | सायक ११८, २६७, १२०, २८०, २८८, ३३८, ४०७, १८ । |
| साध्यी २१, १५, ३०९, १४० । | सायम् ४६०, २४, ४०७, १७ । |
| सातु ३४२, १८ । | सायाह ४०८, २९ । |
| सातुज् २६३, १३१ । | सार ६३, ३८८, १९४, ५५७, २५१, २३, ३४४, ८, ३५४, ११ । |
| सातुमत् ३४०, १ । | सारक १७७, ३९६ । |
| सान्तपनम्=कृच्छ्रविशेष । | सारग्वदिर २८३, ३०१ । |
| सान्त्व. १८, ८३, २३२, १६३, ४४७, ७४ । | सारथ २०१, ६१३ । |
| सान्त्वन २३७, २४ । | सारङ्ग ३२१, ३१, ३२१, ३७, ३३३, १४६, ३३५, १५९ । |
| सान्त्वना २३६, ११ । | सारङ्गगद्धा २१, ११ । |
| सान्दृष्टिक ४१५, ९२ । | सारण १५९, २३५, १९५, ५५९ । |
| सान्द्र २२१, ६४, २२७, १३०, २३३, १७२ । | सारणी=सारिणी । |
| सान्द्रस्तिमय २२१, ६४ । | सारथि १०४, १३९ । |
| सान्द्राङ्ग १२१, २९४ । | सारदु २८३, ३६ । |
| सान्नाय ७६, ६७ । | सारमूषिका २९४, ४०२ । |
| सान्नाया १०६, १६१ । | सारमेय २०६, २७ । |
| सान्न्यासिक ८७, १७२ । | सारव ३५०, ०७ । |
| सापल्ल २८, ७३, ९१, २२ । | सारवृक्ष २६४, १४२ । |
| साप्तपदीन १६, २४ । | सारस ३३१, १२४ । |
| साबर=लोधि । | सारसदृश १०९, १८२ । |
| सामग ७५, ६१ । | सारसन ४२, २६६, ११४, २२८ । |
| सामज १०४, १४३ । | सास्त्वत ११, २५ । |
| सामन् १८, ८३, ४४२, ३२ । | सारामुख १३५, २३ । |
| सामन्त ८९, ४ । | सारिका ३३३, १४२ । |
| सामय ६०, ३५८ । | सारिणि ३४९, ५४ । |
| सामयिन ८९, १४७ । | सारिणी ३०८, ५२५, ३१०, ५४४ । |
| सामयोनि ४३९, ५ । | सारिपक्ष १७६, ३३२ । |
| सामवती ३७२, ३० । | सारिफल २१३, १०५ । |
| सामाजिक ७६, ७२ । | सारिव १३४, २० । |
| सामान्य २२९, १४१ । | सारिवा ३०८, ५२९ । |
| सामान्यशृङ्गार ४२७, १० । | |
| सामि=अर्थे जुगुसिते च । | |
| सामिधेनी ७८, ८१ । | |

| | | | |
|--------------------|--|------------------------|--|
| सपरिश्युद्धला | २१३, १०६। | सिहलक | १९३, ५४७। |
| सारोच्छ्रीक. | ३६६, २३। | सिहली. | १७४, ३७२। |
| सार्थ=संघ : | | सिहवाहना. | ३९३, १२३। |
| सार्थवाह | १८५, ४७६। | सिहविकम. | ११०, ११०। |
| सार्वद | २३३, १७२। | सिहशत्रु | ३१७, १। |
| सार्व | ४५८, ४। | सिहसंहनन. | २१६, २१। |
| सार्विक | १६५, २९४। | सिहाण | ४७, २४, १९५, ५५९। |
| सार्वदिक्क | ३७६, ५८। | सिहसनम्=हैमासनम्। | |
| सार्वभौम | ८९, ५, १०९, १८७, ३७५, ५२। | सिहास्य | ३०१, ४६६। |
| सार्वप | २०१, ६००। | सिहिका | ४४०, ११, २९९, ०५८। |
| साल | ११, ३०, २७३, २२०, ३५२, ८१। | सिहिकासुत | ४०३, ०९। |
| सालनियास | २६९, १११। | सिही | ३०१, ४६८। |
| सालपर्णी=शालपर्णी। | | सिकता | ६, १७, १५७, २१८, ३४९, ५५ |
| साल्ड | ३५७, १२०। | सिकतामय. | ३४६, २२। |
| सालूर | ३५७, १२०। | सिन्तावत् | ६, १८। |
| सावन | ४०६, ७, ४१४, ७८, ४११, ५४। | सिकतिल | ६, १७। |
| सावर्णि | ४४१, २१। | सिन्ध्य | २०१, ६२१। |
| सावित्रि | ६९, १०। | सिद्धाणम्=सिहाणम्। | |
| सावित्री | ३९, १७४, ७१, २४, ३९४, १३४, ४४१, २३। | सिद्धिनी | ३७, १५२, ३२६, ७५। |
| सावित्रत्र | ४३, २१२। | सिन्ध्य | ५०, २७। |
| साक्षा | १८२, ४४५। | सिन्धनिका | २६२, १३६। |
| साक्षाणिज | २५७, ४। | सिङ्गा | ११८, २६४। |
| साहस | ९८, ८३। | सिङ्गिनी | ५०, २७०, ११८, २६३। |
| साहसाङ्क | ९३, ६३। | सित | १४५, ११४, २२३, ८१, २३२, १६४, २३३, १७६, ४०२, २०७, ४३५, १६१। |
| साहस | ११४, २२७, १८८, ४९७, २४४, ८९। | सितकण्टारिका | ३००, ४५८। |
| साहार | २५३, ४८। | सितच्छत्री=शतपुष्पिका। | |
| सिंह | २२६, १११, ३१८, ३, ३४२, १३। | सितच्छदा | २८८, ३५३। |
| सिंहकेलि | ३९३, १२१। | सितवातु | १९८, ५८७। |
| सिंहतल | ४०, १८०। | सितपत्र | २७०, १९७। |
| सिंहतुण्डक. | ३५४, १००। | सितपुष्प | २८८, ३०३, २८७, ३४२। |
| सिंहद्वार. | १५, ६६। | सितपुष्पी | २९५, ४१८। |
| सिंहनाद | १२८, ३५५। | सितपुष्टि | १४९, १४७। |
| सिंहपुच्छी | ३००, ४६०। | सितरज्जन | ४३५, १६४। |
| सिंहल | १७७, ४००। | सितरूप | ४३५, १६४। |

| | | | |
|-------------------------|--|--------------|---------------------------|
| सितर्सिन्धुज. | १५२, १७६। | सिन्धु | ३४३, १, ३४७, ३१, ३४८, ४२। |
| सिता. | २८८, ३५२, ३४९, ५१। | सिन्धुक | ३०६, ५१। |
| सिताङ्ग. | ३५०, ९२। | सिन्धुज | १५२, १७६। |
| सिताभ (अ)=पूर्व | | सिन्धुर | १०४, १४२। |
| सिताम्भोजम्=पुण्डरीकम्। | | सिन्धुरेखा. | ३४९, ४९। |
| सितार्जक | २८१, २९०। | सिन्धुवार. | ३०६, ५१। |
| सितार्षमन् | २००, ६०६। | सिन्धुसंगम | ३४९, ५०। |
| सितोदरे | ३१७, ७०। | सिन्धूत्थ | ३९९, १०५। |
| सितासित | ४५९, ३४। | सिभरिजा | ४१८, ०। |
| सितोपल. | १९९, ६०३। | सिम | २३१, १५५। |
| सितोपला. | १५७, २१८। | सिंग | ४६, २३५। |
| सिद्ध | ७९, ९५, १४०, ७२, २३२, १६५, ३०६, ५११, ३६८, ६, ४७२, २४, ३७४, ४५। | सिल्की | २६३, १३६। |
| सिद्धनदी | ३४७, ३५। | सिहुण्ड | २८०, ३२०। |
| सिद्धपुर | ११, २४। | सिह=दावन | |
| सिद्धप्रयोग्यन | १४०, ७२। | सीकर | ३९८, १६४। |
| सिद्धमोदक | १५७, २१८। | सीत | ८, २४। |
| सिद्धसलिल | १५५, २०२। | सीता | १३४, १५, ४५३, १६। |
| सिद्धा | ३१०, ५४२। | सीतापति | ४५२, १४। |
| सिद्धान्त | ४३३, १४९। | सीत्यार | ३२१, ३६। |
| सिद्धार्थ | १४०, ७३, २५९, १०३। | सीत्युत | ४५०, १०३। |
| सिद्धि | ४३४, १५४। | सीत्य | १३३, १२। |
| सिद्धिद | २६९, १११, २७२, २१६। | सीधु | २११, ८६। |
| सिध्यम्=किळासम्। | | सीधुगन्व | २७६, २८६। |
| सिध्यल=किळासी। | | सीधुरणी | २६७, १६७। |
| सिध्यल=शुक्लमीन | किळासिनी च। | सीधुपुष्प | २७०, ११९। |
| सिद्ध्य=पुष्प। | | सीधुस | २१४, ८२। |
| सिद्ध्रका=वृक्षभेद; | | सीभर | ३९८, १६४। |
| सिनीवाली | ३४२, ५०, ३९३, १२२, ४११, ४९। | सीमन् | ९, ७, ९९, ९४। |
| सिन्दुक | ३०६, ५१। | सीमन्त | ३५, १३८। |
| सिन्दुकच्छपिका | ३०६, ५१२। | सीमनिनी | २०, ६। |
| सिन्दुदोणी | ३०६, ५१२। | सीमन्तोन्नयन | ६९, ७। |
| सिन्दुवार | ३०६, ५१। | सीमा | ९, ७। |
| सिन्दूक | ३०६, ५१। | सीमाक | २४९, १। |
| सिन्दूर | ११५, ५६६। | सीमिका | ३२५, ७३। |
| सिन्दूरपुष्पा | २७६, २५२। | सीर | १३४, १४। |
| सिन्दूरवल्लभ. | २, १२। | सीरदण्ड | १३४, १५। |

सीवन २०८, ६२, २३५, ८।
 सीवनो ४३, २१।
 सीसफ १५३, ५४।
 सीहुण्ड =सेहुण्ड
 सु ४५८, ५।
 सुकाण्टक २७७, २३।
 सुरन्दक ६६, ४१७, १४७, १३५, १७९,
 ४१।
 सुकम्पन ३२४, ६४।
 सुकरा १८३, ५५।
 सुकर्णी २१४, ८०५।
 सुकल २१५, ९५।
 सुकाण्ड २१६, ४३।
 सुकामा ३११, ५५।
 सुक लिन् ३८५, ५५।
 सुकालुका ३०७, ५२।
 सुकाष्ठा २५५, ६२, २९८ ४४।
 सुकुमार ३०, ९४, १३६, ३६, १३९,
 ६४, १७७, ४०२, २२९, १३७,
 ४२२, ४४।
 सुकुमारक २७३, २४।
 सुकुमारा १४७, १३४, २५५, ६०,
 २७७, २५।
 सुकुलजा २३, ३४।
 सुकल २१, १६।
 सुक्त ४१५, ८६।
 सुकृतिन् २१४, २।
 सुकृष्णपिंडा ३१३, १२।
 सुकेशिन् ३७३, ३५।
 सुकेशी ३७२, २१।
 सुकेसर २६१, ११६।
 सुकडि ६१, ३७।
 सुक्षिक ७, २४।
 सुक्षर ३७८, १६।
 सुख ३१०, ५४३, ३४४, १०, ४१५,
 ८८।
 सुखकृत ४१७, ७।
 सुखदूष ४६, २३।
 सुखवर्चक =सर्जिकाक्षार

सुखसंदोह्या १८४, ४६।
 सुखसुसिका ४३१, १२८।
 सुखायन ३७०, ६०।
 सुखाश ३८७, ६९।
 सुखोत्सव ३४, १२४।
 सुखोषिता २९१, ३७९।
 सुगत ३६८, ४।
 सुगन्ध ६१, ३७०, १३८, ५६, १४६,
 १२१, ११६, ५६९, २६२, १२५।
 सुगन्धक ६५, ४०९, ३०५, ५०९।
 सुगन्धतैल ६४, ३९३।
 सुगन्धपत्रा २९५, ४९३।
 सुगन्धमूला १७८, ४०५, ३१२, ५६।
 सुगन्धा १५४, ११२, १७९, ४१९,
 २९९, ४५०, २७८, २६३, २७७,
 २५३, २६३, १३६।
 सुगन्धि १५४, ११०, १७५, ३८५,
 २५२, ३९, २८१, २९२, २८९,
 ३१९, ३७३, ३१, ३७१, २०।
 सुगन्धिक ६५, ४०३, १३४, २०, १५२,
 १७४, १७१, ३४७, ३१८,
 ७।
 सुगन्धिमूषिका ३२४, ५९।
 सुगन्धी ७९, ३५२।
 सुगर ११५, ५६४।
 सुगृह ३३६, १६५।
 सुग्रीव ९५, ६०, ४५४, २७।
 सुचम्बा ३०६, ५१०।
 सुचरित्रा=नतिवता।
 सुचमन् २७१, २०७।
 सुचित्रा १५०, १६२।
 सुचूडशीष ३३४, १४८।
 सुचेलकम्=पट।
 सुजाता ११५, ५६६।
 सुजीवन्ती २९२, ३१।
 सुण्डाकी २९९, ४५४।
 सुत २९, ८०।
 सुतर्दन ३३२, १३७।
 सुंतल ३६१, ३।

| | | | |
|--------------------------|----------------------------|-----------------------|--------------------------|
| सुतवर्सकरा | २३, २८। | सुधासिंहु | ३९९, १७३। |
| सुतश्रेणी | ३०५, ५०५। | सुधासू | ३९८, १६९। |
| सुतात्मजा=नप्त्री। | | सुधास्वा | ३८, १६२। |
| सुतिक्ष्ण | ३०९, ५३४। | सुधाहारक | ४५६, ४९। |
| सुतिक्ष्णघटयाली। | २९३, ३९४। | सुधी | ७३, ४७। |
| सुतीक्ष्णक। | २६४, १४३। | सुधूपक | ६४, ४००। |
| सुतीक्ष्णा। | १४०, ७०। | सुधूम | ६५, ४०५। |
| सुतृण | २८९, ३५७, २८९, ३६४। | सुधोद्धव | ८४, १३८। |
| सुतेजा | ३०७, ५२३। | सुनन्दा | ३९७, १३७। |
| सुतेला | २९५, ४१६। | सुनाम | ४५४, ३१। |
| सुत्रामन् | ३८२, २६। | सुनालक | २८८, ३५०। |
| सुत्या। | ७५, ६५। | सुनामिका | २९७, ४३। |
| सुत्वन् (ला)=कृतामिष्वव। | | सुनामीर | ३८२, २१। |
| सुदर्थिका | २७२, २१। | सुनिश्चित | २१९, ४३। |
| सुदण्ड | १४६, १२६। | सुनिष्पणक | ३०१, ४६। |
| सुदण्डी। | ३१३, ५६८। | सुनोतिनय | ४०३, २१६। |
| सुदन्त | ८५, १५०। | सुनील | २५७, ७७। |
| सुदयात्मजा | ३७२, २८। | सुनीला | २८९, ३६४, २९०, ३७०। |
| सुदर्भा | २८९, ३६। | सुन्दर | २२५, १००। |
| सुदर्शन | ४५४, ३०। | सुन्दराङ्ग | २१६, २१। |
| सुदर्शना | ३८३, ३४। | सुन्दरी | २०, ७, ३०५, ५०३। |
| सुदन | २७८, २६५। | सुपक्षक | १३, ४१। |
| सुदला | २७९, २७५, २९९, ४५। | सुपत्र | १४५, ११८, २९०, ३६६, ३०७, |
| सुदा न्. | ३८३, ३७। | | ५२०। |
| सुदाय=यौतुरम्। | | सुपत्रा | ३०५, ४१९। |
| सुदारा | ३७३, ३२। | सुपत्रिका | १५१, ७०। |
| सुदार | ३४२, १५। | सुपथिन् (न्या)=सत्पथ। | |
| सुदूर | २२८, १२५। | सुपर्णि | ११०, ११३, २८२, २९६। |
| सुदूरमूल | ३०१, ४६५। | सुपर्णक=आरग्वंव। | |
| सुदूरवासिनी | ४४१, २६। | सुपर्णिका | २९९, ४५। |
| सुधर्मा=वेवसभा। | | सुपर्णी | २९२, ३९१, २९४, ४०७, २९९, |
| सुधा | ३, १९, १७०, ३३५, २८४, ३२१। | | ४४७। |
| सुधाशु | ३९९, १७४। | सुपर्वन् | ३६९, १ |
| सुधाकण्ठ | ३३२, १३६। | सुधास्य | १५२, १८। |
| सुधाजीविन् | २०३, १३। | सुपार्वक | २६०, १०४। |
| सुधाफल | २७७, ८२। | सुपिङ्गल | २९५, ४७३। |
| सुधामोदक | १५७, २१६। | सुपुङ्गला | २९२, ३८९। |
| सुधारसा | २५९, ९५। | सुपुट | १७९, ४१६। |
| सुधाशन | ३६९, ३। | सुपुष्टा | ३१२, ५६२। |

सुपुष्ट. २६३, १३६, २७२, २१०, २७९,
 २७६।
 सुपुष्पक. २७८, २६५, ३०७, ५१८।
 सुपुष्पा ३१४, ५८२, २१८, ४४२, २९९,
 ४५०।
 सुपुष्पिका २९७, ४३५, २९८, ४३९।
 सुपूरक. २६१, ११८।
 सुस २२१, ६७, ४३१, १२८।
 सुप्रतीक १०९, १८६, ३७३, ५२।
 सुप्रभा ३०२, ४७३, ३४८, ४५, ३७२,
 ३०।
 सुप्रलाप ४४९ ९०।
 सुप्रसञ्च. ३८८, ७४।
 सुप्रसाद ३८९, ८९।
 सुफल २७७, ७६, २६७, १७१।
 सुफला १४८, १३८, २५५, ६१, २६१,
 ११४, २६७, १६९, २९४, ४०८,
 सुबल ३६९, २।
 सुबाहु ४५३, २१, ३७३, ३२।
 सुवीज ३०७, ५१६।
 सुबोधा ३७३, ३२।
 सुभग. १७८, ४०७, ३९०, ९३, २२५,
 ९७, २७५ २४३, २७९, २७८।
 सुभगा ६२, ३८२, ६४, ३९९, १५६,
 २०९, २५५, ६३, २९७, ४३६।
 सुभद्रा २८३, ३१२, २९५, ४१३,
 ३४९, ५३।
 सुभेश ९३, ४२।
 सुभाषित ३६८, ५।
 सुभिक्षा. १७७, ३७८।
 सुम २५२ ३३।
 सुमति ७४, ५२, २९९ ४५२।
 सुमन २५२, ३२।
 सुमन फल ६४, ३९५।
 सुमनस् २५२, ३२, २७७, २५५; ३७०,
 ६, ३७४, ४६।
 सुमनस् २५४, ५२।
 सुमना ६४, ३९४, २७६ २९२।
 सुमनोपूप. १३७, ४४।

सुमनोरज=पराग ।
 सुमल १४४, ११७।
 सुमहास्पि ३९२, ११५।
 सुमुख १३, ४२, २२२, ७३, २८१,
 २९०।
 सुमुखसू. ४५६, ५०।
 सुमुखा ३७३, ३३।
 सुमुष्ठि. ३०७, ५२४।
 सुमूल १४६, १२०।
 सुमेह ३४१, ४।
 सुयासुन ४५२, ८।
 सुयोधन ९२, ३४।
 सुर ३६९, १, ४३६, ७।
 सुरकृता २९१, ३७६।
 सुरक्षा ४२२, ४५, १९५, ५६५।
 सुरगन्ध १७७, ४०।।
 सुरज्ज १९५, ५६३, २६२, १२४।
 सुरज्जका २८१, २९३।
 सुरज्जा १९, ९९, २०७, ५०, २१७,
 ४३६।
 सुरज्जाह. २०७, ५०।
 सुरज्जी २९७, ४३१।
 सुरज्येष्ठ=ब्रह्मा।
 सुरत (सूरत) २१६, २३।
 सुरेत्पुज्ज २७५, २३५।
 सुरदीर्घिका=मन्दाकिनी।
 सुरदुन्दुभि २८०, २८७।
 सुरदुम २८८, ३५०।
 सुरद्विष्. ३६२, ३।
 सुरनिन्नगा=मन्दाकिनी।
 सुरपति ३८२, २३।
 सुरपणिका २७५, २३५।
 सुरपुत्राग. २७५, २३५।
 सुरपुष्पा २६८, १७५।
 सुरप्रिय २७५, २४०।
 सुरप्रिया. २५५, ६३, २७६, २५२।
 सुरफला २९५, ४३६।
 सुरभि ४४०, ११, ६६, ४१३; १७०,
 ३३७, १८३, ४५२, २५२, ३९,

| | | | |
|---------------------|--------------------------|-------------------|--------------------------|
| सुरभिका | २५५, ६३। | सुरेष | २६२, १९१, २७३, २३५, ३१४, |
| सुरभिग्रन्थ | २८२, ३६०। | ५७६। | |
| सुरभिल्लदा | २५४, ५६। | सुरेषा. | ३११, ५५४। |
| सुरभिल्लच् | १७२, ३५८। | सुलभप्रिया | २७७, २५८। |
| सुरभिस्तवा | २६३, १२६। | सुलभा | २९२, ३८७, ३१०, ५४५। |
| सुरभी | १८३, ४५३, २६३, १३७। | सुलोमका. | २९७, ४३६। |
| सुरभीरसा | २६३, १२७। | सुवचन | ४४२, ९०। |
| सुरस्तिका. | १९५, ५६६। | सुवपुस् | ३७३, ३२। |
| सुरमेदा | ३१०, ५४२। | सुवर्चला | ३०७, ५२२, ३११, ५५४। |
| सुरविं=देवविं। | | सुवर्चस् | १७८, ४१०। |
| सुरलोक | ३, २४। | सुवर्चिक | १७८, ४१। |
| सुरवर्त्मन् | ३, २४। | सुवर्ण | १९०, ५१७, १९१, ५३०। |
| सुरवर्द्धकि. | ३८४, ४६। | सुवर्णक=आरम्बध. | । |
| सुरवल्लभा | २८८, ३५२। | सुवर्णकणगुगुलु | ६६, ४१३। |
| सुरश्रेष्ठा | ३११, ५५६। | सुवर्णकेतकी | २७८, २९१, |
| सुरस | ४५, २२७, १७३, ३६३, १७७, | सुवर्णदा | २६८, १७५। |
| | ४००, २८९, ३६०, ३०६, ५११। | सुवर्णधातु | १९५, ५६५। |
| सुरसम्भवा | ३०७, ५२३। | सुवर्णनकुली | २९५, ४१५। |
| सुरसा | २८०, २८७, ३०४, ४९८, ३११, | सुवर्णपुष्पक. | २७९, २७७। |
| | ५५४, ३४९, ४८, ३७३, ३२। | सुवर्णवर्ण | ३७०, १२। |
| सुरा | २१२, ८९। | सुवर्णाशु | २६७, ०७३। |
| सुरागृह | १४, ५४। | सुवर्णाक्ष | १९०, ५२०। |
| सुराचार्य | ४०२, २०५। | सुवर्णारि | १९३, ५४९। |
| सुरामण्ड=कारोत्तर. | । | सुवर्णाहा | २७८, २६३। |
| सुरामुख | १३६, ३१। | सुवल्लरी | २९९, ४४६। |
| सुराई | ६२, १७७, २८२, २९६। | सुवल्लिका | ३०२, ८०३। |
| सुरालय | =सुमेरु। | सुवल्ली | २९८, ४४०, २९८, ४४५; ३०२, |
| सुरावल्लभ | ४५५, ३६। | | ४७३। |
| सुराष्ट्रज=तुवरिमा। | | सुवहा. | १७९, ४२०, ३०६, ५१३। |
| सुरासुरगुरु | ४३९, १। | सुवालक. | १२१, २९६। |
| सुराह | २८१, २८९। | सुवासिनी=चिरण्टी। | |
| सुराहय | २७२, २१०। | सुवीर | ३७१, २०। |
| सुरल. | ३५३, ८७। | सुवीरक | २८२, ३०३। |
| सुरुपा | १७६, ३५१, २७७, २५९, ३७३, | सुवीरा. | २६१, १३४। |
| | २९, ३७८, २०। | सुवीर्या | १५५, १९९, ३०५, ४९९। |
| सुरुहक | १११, २०५। | सुवृत्ता | २५९, ९६, २७७, २५५। |
| सुरेज्या | २८०, २८७। | सुवेल. | ३४२, १५। |

सुन्दरता. १८४, ४६०, ३७३, ३२ ।
 सुशाक ३११, ५५५ ।
 सुशाख. ३०६, ५०९, ३०६, ५१४ ।
 सुशिखा ३१०, ५५० ।
 सुशिक्षी. १४९, १४६ ।
 सुशिरस् ३७८, १२ ।
 सुशीता. २७७, २५५ ।
 सुशीला २१, १५१ ।
 सुशोण २७१, २०५ ।
 सुश्री ३७८, २० ।
 सुश्रीका २६३, १३७ ।
 सुषणी. १७७, ३९८ ।
 सुषम २२५, १०२ ।
 सुषमा ३९९, १८० ।
 सुषवी १५१, १६८ ।
 सुषि (षी) ३६१, ३ ।
 सुषिम ३४१, ८ ।
 सुषिर ४२३, ५८ ।
 सुषिरा—अज्ञनकेशी ।
 सुषीम ३४१, ८ ।
 सुषुप्ता ४६, २३८ ।
 सुषेण २६४, १४४, ४५१, ६, ३७१, १४
 सुषेणिका—कालमेषी ।
 सुचु ४५८, ५, ४६०, २४ ।
 सुध १२७, ३४५ ।
 सुधाप ४३१, १२८ ।
 सुसंस्कृत ७७, ७८, १४२, १० ।
 सुसस्था २५९, ९५ । ~
 सुसार २८३, ३०८ ।
 सुसिद्ध ३७४, ४६ ।
 सुसिंहास्या. २१, १२ ।
 सुहरण १८, ८८ ।
 सुहरिणी १८, ८७ ।
 सुहवा २९५, ४१ ।
 सुहित १६७, ३०७ ।
 सुहद्. ९१, २४, १७, ७९ ।
 सुहदय—सहदय ।
 सुरूर. ३२०, २५ ।
 सुक्रेष्ठ. २९०, ३७० ।

सुकल. १११, २०० ।
 सुक्ष (क्ष) ४३१, १३३ ।
 सुक्षम २२७, ११७ ।
 सुक्षमतण्डुल ३०७ ५१६ ।
 सुक्षमदशिन् २१९, ४८ ।
 सुक्षमदल २६८, १८२ ।
 सुक्षमदला ३०१, ४७१ ।
 सुक्षमपत्र २८१, २९२, २८७, ३४५,
 ३०१, ४६४, ३१५, ५८८ ।
 सुक्षमपत्रक १५४, १९० ।
 सुक्षमपत्रा २९७, ४३५, ३०४, ४९८,
 ३०७, ५२४, ३११, ५५५ ।
 सुक्षमपत्री २९९, ४४९ ।
 सुक्षमपर्ण २८२, २९७ ।
 सुक्षमपर्णी ३०२, ४७६ ।
 सुक्षमपिष्टली १७१, ३४५ ।
 सुक्षमपुष्टी ३०२, ४७६ ।
 सुक्षमबदरी २६१, ११५ ।
 सुक्षमबीज ३०७, ५१६ ।
 सुक्षमक्षिक ३३८, १०८ ।
 सुक्षममूला ३०५, ८०३ ।
 सुक्षमवली १४९, १४७, २९८, ४३७ ।
 सुक्षमसत्यका २५५, ५८ ।
 सुक्षमस्कोट ५८, ३४० ।
 सुचक २०६, ४०, २२२ ७३, २२४,
 ८८, ४२५, ७४ ।
 सुचन २३९, ३८ ।
 सुचि. २०८, ५८ ।
 सुचिका १७, ८२, १६२, २६१ ।
 सुचिकाधर १०५, १४६ ।
 सुचिपत्र ३०१, ४६८ ।
 सुचिवदन. २२३, ५४ ।
 सुची ३०१, ४६८ ।
 सुचीचच्छु ३३६, १६५ ।
 सुचीपत्रा २८९, ३५६ ।
 सुचीमुख १९९, ६०० ।
 सुचीरोमन्. ३२०, २६, ३२५, ६६ ।
 सुच्यग २८७, ३४४ ।
 सुच्यास्य. ३३८, १८८, ३७४, ४२ ।

- सूत १०४, १२९, २०२, ७।
 सूतकागृह १४, ५४।
 सूतज ९३, ३६।
 सूर्तिकागृह १४, ५४।
 सूर्तिमास =वैजनन ।
 सूर्थन २०५, ३८।
 सूत्र ४९, २९९, २०८, ५७, ४४४, ४७, ।
 सूत्रकष्ट ६९, ९०।
 सूत्रकोणक ४२४, ६७।
 सूत्रधार ४२५, ७४।
 सूत्रपर्ण २१०, ७३।
 सत्रवेष्ट २०८, २०।
 सूत्रशाख ३४, १२८।
 सात्रन् ३२८, ९७।
 सूद १४३, ९६।
 सूदशाला १४३, ९५।
 सून २५२, ३८।
 सूता=गलरुणिठका वधस्थानं च ।
 सूत्र २९, ७९।
 सूतृत ४४७, ७२।
 सूतृता ३७३, ३३।
 सून्माद=उन्मदिष्णु ।
 सूप १५९, २४।।
 सूपधार १४३, ९६।
 सूपदेहन १५४, ११७।
 सूपमुख्य १३८, ५१।
 सूपाङ्ग १५४, ११७।
 सूर १३९, ५८, ४३६, १।
 सूरण १४७, १३२, ३६०, १४८।
 • सूरणवल्ली २९८, ४४।।
 सूरत २१६, २३।
 सूरसूत ४३७, १३।
 सूरि ७४, ४८।
 सूरिक ३२०, २६।
 सूरिन ७४, ७०।
 सूर्णक १६२, २६५।
 सूर्प=सूर्प ।
 सूर्पवैरेन् ४५५, ३८।
 सूर्मि (मी) २१०, ७९।
- सूर्य ६२, ३८०, ४३६, १, ३७३, ३६।
 सूर्यकान्त २००, ६०४।
 सूर्यमन्ता ३०७, ५२२।
 सूर्यगच्छ १९३, ५४३।
 सूर्यतनया=यमुना ।
 सूर्यपुत्र १०, ६०।
 सूर्यप्रिया २७९, २७४।
 सूर्यवर्चस् ३७३, ३९।
 सूर्यमहचर ४०२, २०२।
 सूर्यसोदर ३८३, ३६।
 सूर्या २१४, ४०७।
 सूर्यारि ४०३, २१०।
 सूर्याश्व ४३८, २४।
 सूर्यास्ता ३७३, ५०।
 सूर्येन्दुसगम ४१०, ४८।
 सूर्यदया ३७३, ४९।
 सृकणा ३७ १५५।
 सृङ् (न) ३७, १५५।
 सृक्षि ३७, १५५।
 सृग १२३, ३१३।
 सृगान ३१९, १३।
 सृणि २३१, १६०।
 सृणि (णी) का ४७, २४४।
 सृति १८, ९३।
 सृदकु ३८०, २।
 सृपाट ११०, ५१७।
 सृपाटिक ३३९, ११८।
 सृप्र ३१८, १६७।
 सृमर ३२१, ४१, ३८०, ७।
 सृष्ट (षिं) =निश्चितं बहुलं च ।
 सं ४५६, ४३।
 सेक्षपात्र ३५०, ६३।
 सेचन ३५०, ६३।
 सेतु २६४, १४१।
 सेना ११६, २४८।
 सेनाङ्ग १०२, १२०, १०३, १२९।
 सेनानी १०, १७, १०१, १०९, ३९५,
 १४२।
 सेनान्त ११४, २२६।

सेनापति ९४, ७३ ।
 सेनामुख ११६, २५१ ।
 सेनारक्ष ११३, २२७ ।
 सेर १९१, ५३० ।
 सेराह. १११, २०२ ।
 सेवक ९१, १९ ।
 सेव (न) २०८, ६०, २३५, ८ ।
 सेवनी २०८, ५८ ।
 सेवा ७३, ४४, ४५६, ४३ ।
 सेवाहीन २१७, २७ ।
 सेविका १६२, २६१, २०२, ६७ ।
 सेव्य २५९, ९९, ३४६, २७ ।
 सेहुण्ड २८४, ३२१ ।
 सैहली १७१, ३४४ ।
 सैहिकेय =राहु
 सैक्रत ६, १८, ३४६, २२ ।
 सैक्रतेष्ट १५३, १०६ ।
 सैतवाहि (ह) नी ३४८, ४० ।
 सैनिक. ११४, २२६ ।
 सैन्धव. ११०, ११०, १५२, १७६ ।
 सैन्य ११४, २२६, ११६, २४८ ।
 सैन्यपृष्ठ. ११७, २५५ ।
 सैरन्द्री २२, २५, १४, ४० ।
 सैरिक १८३, ४४९ ।
 सैरिम. १८३, ४३२ ।
 सैरिमी. १८१, ४३४ ।
 सैरी (रे) यक =झिण्टी
 सोडम्=ज्ञानतम् ।
 सोत्रास ४४७, ७६ ।
 सोदर २९, ८६ ।
 सोदरा २६, ६० ।
 सोदर्य २९, ८६ ।
 सोग्नाद =उन्मदिष्णु
 सोणधा ९८, ८७ ।
 सोपङ्ग ४०४, २२३ ।
 सोपान १८, ८५ ।
 सोभाजन =शोभाजन ।
 सोम ४४०, १३, २९६, ४२३, ३७०,
 ११, ३७३, ३७, ३८७, ७३, ३९८,
 १६७ ।

सोमक्षीरा २९६, ४२३ ।
 सोमगर्भ ४५२, ७ ।
 सोमज १६६, २९९ ।
 सोमप (पा)=सोमयाजी ।
 सोमपीति (थि) न्=सोमयाजी ।
 सोमराजी ३०२, ४७३ ।
 सोमरोग ५७, ३३३ ।
 सोमवल्क २६६, १६०, २८३, ३०८ ।
 सोमवल्लरि (री)=सोमवल्ली ।
 सोमवल्ली २९१, ३७६, २९६, ४२३,
 ३०२, ४७४ ।
 सोमसार २८३, ३०७ ।
 सोमाल. २३६, १५ ।
 सोमोङ्गवा ३४८, ३८ ।
 सोम्य २२४ ९३ ।
 सोलुण्ठन ४४७, ७६ ।
 सौखरि ९६, ६४ ।
 सौखसुसि. १२५, ३३१ ।
 सौख्य ४१५, ८८ ।
 सौगत ८४, १४४ ।
 सौगन्धिक १९८, ५९९ ।
 सौचिक. २०३, १४ ।
 सौदाम (मि) नी. ३९६, १५४ ।
 सौदामी. ३९६, १५४ ।
 सौध १५, ६३, १९८, ५८७ ।
 सौनन्द ४५५, ३७ ।
 सौपर्णि १५३, १०५ ।
 सौपर्णेर्य ४५६, ४८ ।
 सौविक १६५, २९४ ।
 सौसिक. १३०, ३७६ ।
 सौबल ९२, ३५ ।
 सौबलीतनयारि ९३, ४० ।
 सौभद्रेय ९४, ५० ।
 सौभागिनेय २६, ५८ ।
 सौभाग्य. १९५, ५६३ ।
 सौभाजन =शोभाजन ।
 सौमिकी ७५, ६४ ।
 सौमित्रि. ४५३, १९ ।
 सौमित्रिभरताश्रज. ४५२, १४ ।

| | | | |
|------------------------|--|-------------------|--|
| सौमित्रेय. | ४५३, ११। | सौहद (य). | २४०, ५७। |
| सौभ्य. | ३६, १४८, १०३, १२०, १५८, २२५, २२४, ९३, २६०, १०७। | स्कन्द | १८१, ४३, १९७, ५८८, ३९५, १४६। |
| सौम्या. | १९८, ५९२, २७७, २५६, २९४, ४०९, २९५, ४१२, २९७, ४२८, २९७, ४३३, २९९, ४५२, ३११, ५५४। | स्कन्दन | ३७४, ४४। |
| सौयोधनि | ९३, ३७। | स्कन्दमातृ | ३१४, १३८। |
| सौर | ३६, १४८, २६३, १३१; ४०३, २०९, ४०६, ७, ४१४, ७८। | स्कन्दवर्धन. | १४७, १३१। |
| सौरक | १६५, २९०। | स्कन्दाह्लज. | १९७, ५८। |
| सौरज | २६३, १३१। | स्कन्द. | ३४, १३०, ३८, १६५, ४१, १११, ४४, २१९, १०७, १६४, २५०, २१, १८१, ४३३। |
| सौरभ | ६२, ३८०, २५२, ३९। | स्कन्दवत्स | २५६, ६७। |
| सौरमेय. | १८१, ४२७। | स्कन्दवस्तु | २५९, १०२। |
| सौरमेयी | १८३, ४५३। | स्कन्दवाहिनी | १८३, ४०१। |
| सौरम्य | २५२, ३९। | स्कन्दवासा | २५१, २२। |
| सौरम्यद | ६६, ४१५। | स्कन्दवास्त्रि | ३७८, १८। |
| सौरम्याख्या | २७७, २५५। | स्कन्दवातक | २०२, १। |
| सौरल. | १७३, ३६३। | स्कन्दविन् | २४९, ११। |
| सौराव | १६५, २९०। | स्कन्द | २३३ १७०। |
| सौराष्ट्र. | ६६, ४१७। | स्कान्दिक. | १८३, ४३। |
| सौराष्ट्रक | १९४, ५५०। | स्खलन | ४३१, १२७। |
| सौराष्ट्रिक | ३६६, २३। | स्खलिनम्=छच्चम्। | |
| सौराष्ट्री | १९५, ५६६। | स्तन | ४१, १९३। |
| सौरि | ४०३, २०९। | स्तनज | ५०, ३५६। |
| सौरिन् | २७२, २१४। | स्तनन्वय | ३०, ९९। |
| सौरित्त्व | १९९, ६०१। | स्तनन्वयो=डिम्मा। | |
| सौरी | ३०७, ५२३। | स्तनपा=डिम्मा। | |
| सौली | १४६, १२७। | स्तनबीजिका | २६१, ११४। |
| सोवर्चल. | १५२, १७८। | स्तनभर | २३६, १८। |
| सौविद. | ९१, १९। | स्तनमुख. | ४३, १९४। |
| सौविदल | ९०, १८। | स्तनयित्तु=मेघ। | |
| सौवीर. | १५३, २०३, १२६, ५७४। | स्तनवृत्तन | ४१, १९४। |
| सौवीरसार | १९७, ५७९। | स्तनशिखा | ४१, १९४। |
| सौवीरा | २६१, ११४। | स्तनाभोग | २३६, १४। |
| सौवीर्य (र) म्=बद्रम्। | | स्तनित | ३९७, १६१। |
| सौष्ठव. | ११८, २६६। | स्तन्य | १५८, २२९। |
| सौहार्द. | २४०, ५१। | स्नबक. | २५२, ३१। |
| सौहित्य | १६७, ३०७। | स्नब्बरोमन् | ३२०, २६। |

| | | | |
|--------------------|---------------------------------|-------------------------|--------------------------------|
| स्तम्ब | २५०, १९। | स्त्रीपुंस | ३४०, २०६। |
| स्तम्बकरि | १४१, ८७। | स्त्रीप्रकृति | ४३, २०६। |
| स्तम्बघन. | २४३, ७८। | स्त्रीप्रिय | २५३, ४८। |
| स्तम्बग्र | २४३, ७८। | स्त्रीबीज | १३६, ३६। |
| स्तम्बपुर | ११, २८। | स्त्रीमण्डी | २०, ७। |
| स्तम्बरम | १०५, १४४। | स्त्रीरूपक | ९४, ५३। |
| स्तम्ब. | ४२९, १०९। | स्त्रीवश | २६, ५९। |
| स्तरी | ३७८, १७। | स्त्रैण | २५, ५०। |
| स्तव | २३९, ४३, ४४७, ८०। | स्त्रयगारम्=अन्त पुरम्। | |
| स्तवी. | ३७९, २१। | स्थग | २२०, ५८। |
| स्तिमित | २३३, १७२। | स्थगित | २३३, १७०। |
| स्तुत | २३४, १८। | स्थणिडल | ७७, ७५। |
| स्तुति | २३९, ४३, ४४७, ८०। | स्थणिडलशायिन् | ८८, १७६। |
| स्तुतिपाठक | १२५, ३३२। | स्थणिडलेशायिन् | ८८, १७६। |
| स्तुतिभू | २४८, १२०। | स्थगिति. | २०४, १९। |
| स्तुतिव्रत | १२५, ३३१। | स्थपुट | ४६, १३५, २२०, ५३, २२८, १२६। |
| स्तुत्या | १९५ ५६६। | स्थल | ६, १९। |
| स्तुभ | १८५, ४६९। | स्थपद्धिनी | ३१२, ५६०। |
| स्तूणिक | ६४, ३९४। | स्थलशिष्टिका | १४९, १४६। |
| स्तूणिक | ६४, ३९३। | स्थली | ६, १९। |
| स्तूणिका न्त | ६४, ३९३। | स्थलरहा | ३१२, ५६१। |
| स्तूप = वटकादि। | | स्थलरहा | २७२, २९९, ३१०, ५४८। |
| स्तेन. | २०७, ४८। | स्थविर | ३१, ९६, ४३९, ७। |
| स्तेम = समुन्दनम्। | | स्थविरा | ३०९, ५३९। |
| स्तेय. | २०७, ५२। | स्थविष्ठ | २३४, १८३। |
| स्तेन्य. | २०७, ५१। | स्थग | १८५, ४७०। |
| स्तोक | १३७, ४३, २२७, ११६, ३३३, १४६। | स्थाघ | ३४६, २६। |
| स्तेक्य | १३७, ४३। | स्थाणु | २५०, १८, ३५२, २३, ३८९.. ८९। |
| स्तोत्र | ४४८, ८१। | स्थाण्डिल्य | ८८, १७६। |
| स्तोम | ७५, ५८, ३३९, २००। | स्थान. | ४, २, ९८, ८१, ४४५, ६२। |
| स्त्री | २०, ६। | स्थानक | ३४, १३१। |
| स्त्रीचोर | २०७, ५०। | स्थानाध्यक्ष. | १०, १६। |
| स्त्रीजन | २०, ७। | स्थानिक | १०, १६। |
| स्त्रीजित | २६, ५९। | स्थानीय | ८, १। |
| स्त्रीदेहज | ५९, ३५३। | स्थाने | ४५९, १४। |
| स्त्रीदेहार्द्द | ३९०, १४। | स्थापत्य | ९१, १९। |
| स्त्रीधर्म | २४, ४३। | | |
| स्त्रीधर्मिणी | २४, ४१। | | |

| | | | |
|-------------------------------|---------------------------------------|-------------------------------|--|
| स्थापनी | १७५, ३८० | स्थूलतात् | २७०, १९६। |
| स्थाम (न.)=बलम् । | | स्थूलदण्ड | ११८, २६८, २८९, ३२९। |
| स्थायिभाव. | ४२७, ९२। | स्थूलत | २८८, ३५०। |
| स्थायुष | ९०, ९३। | स्थूलनामिक | ३२०, २७। |
| स्थाल | १४४, १०६। | स्थूलनीड | ३२७, ९२। |
| स्थाल' | १४३, १०९। | स्थूलपत्र | १७९, ४९५, २८०, २८७। |
| स्थावर | २२८, १३०; ३४०, १। | स्थूलपत्री | २८०, २८७। |
| स्थाविर | ३०, ८। | स्थूलपिण्डिका | ३३८, १८४। |
| स्थासक | ६१, ३६७, ३४६, २३। | स्थूलफला | १५०, १६२, ३०२, ४७५। |
| स्थास्तु | २२८, १-१। | स्थूलमरिच | ६४, ३९६। |
| स्थिति | ४, ९, १९, १४, २४१, ६८। | स्थूलमूल | १४०, ११८। |
| स्थिर | २१८, ४२, २२३, ८२, २४२, १२, ३४१, २। | स्थूललक्ष (व्य) | २१३, ८। |
| स्थिरगन्धा | २७३, २११, २७६, २५०। | स्थूलशर | २८७, ३३९। |
| स्थिरचक | ३२३, ११९। | स्थूलशाट | ५२, २७९। |
| स्थिरतर | २२८, १३१। | स्थूलशम्बी | १४०, ६६। |
| स्थिरपत्र | २७०, १०७। | स्थूलस्कन्ध | २७३, २२१। |
| स्थिरपुष्प | २७९, २३९, २७६, २४४। | स्थूला | १६०, २४४। |
| स्थिरज्ञा | ३०३, ४८२। | स्थूलम | २०४, ५४। |
| स्थिररागा | १५६, २१०। | स्थूली | १४२, ८। |
| स्थिरसाधन | ३०६, ५११। | स्थूलाच्य=अ॒॥क्ल्य गन्मनिश्च। | |
| स्थिरसार | २७२, २१२। | स्थेय | ८९, ९, १३३, ७। |
| स्थिरसोहृद | २१८, ४२। | स्थेयस् | २२८, १३१। |
| स्थिरा | २, १८। | स्थौण्यम=यन्त्रपर्ण। | |
| स्थिरायु=शाल्मलि। | | स्थौरिन् | १८३, ४५१। |
| स्थुल | ५३, २०१। | स्थौर्य | ११०, १९४। |
| स्थूल | ३९२, ११२। | स्थाल+म्=स्थूलत्वम्। | |
| स्थूलपुस्त्रवधारक | ९४, ५३। | स्नपन | २३६, १६। |
| स्थूणा=गृहस्तमो लोहप्रतिमा च। | | स्नव | १५५, २४०। |
| स्थूणास्तम्भ | १६, ७०। | स्नात | ७२, ३७। |
| स्थूरिन् | १११, १९९। | स्नातक=कृतसमावर्तन। | |
| स्थूल | २२७, ११६। | स्नातन् | ७२, ३७। |
| स्थूलकणा | १५४, १९८। | स्नान | ६१, ३६६। |
| स्थूलकण्ठ | २८४, ३१५। | स्नापन | २३६, १६। |
| स्थूलकट्टा | २९९, ४५६। | स्नायु | ४६, २३८। |
| स्थूलनंद | १४७, १-९, १४७, १३५, १७७, ४१५। | स्नायूगैथिय | ३०, ९०। |
| स्थूलकर्ण | ३१२, ११३। | स्निग्ध | ६३, ३९२, ९१, २३, १६४, २४४, २०२, ६२३, २१६, २३, २२१, ६४, २८९, ३२७। |
| स्थूलजरक | १५४, १९३। | स्निग्धपत्र | २६९, १८६। |

| | | | |
|---------------------|---------------------|------------------------|-----------------------------|
| स्वरपत्तन. | ४४२, ३३। | स्वर्णवर्णा | १५६, २७। |
| स्वरमङ्ग. | ४२९, ११। | स्वर्णविस्त | १९०, ५१। |
| स्वरसा | १७९, ४१। | स्वर्णशालि | १३३, ३३। |
| स्वराज् | ३८२, २४। | स्वर्णान्यक्ष | ९०, १४। |
| स्वरित | ४४३, ४२। | स्वर्णा भवान | २७४, २२। |
| स्वर (स्) | ३८४, ३९। | स्वर्णा श्व | ८०, १०। |
| स्वरूप | ४३२, १४०। | स्वर्णली | ३०६, ५१। |
| स्वरोचिस् | ४५६, ४०। | स्वर्भानव | १९९, ६१। |
| स्वर्ग | ३, २४। | स्वभानु | ४०३, २१। |
| स्वर्गवापी | ३४७, ३०। | स्वर्वेद्यश्या | ३७२, २७। |
| स्वर्गाहा | ३११, ५५२। | स्वर्वैद्य | ३८४, ४४। |
| स्वर्णिगिरि. | ३४१, ५। | स्वत्प | २२७, ११८, २३६, १५। |
| स्वर्णिन् | ३७०, ४। | स्वल्पपत्रा | ३०३, ४८। |
| स्वर्णिर | ३४१, ४। | स्वल्पफला | ३०४, ४९। |
| स्वर्णिकक्षार | १७८, ४१०। | स्वल्पविटपा | १४७, १३४। |
| स्वजिक | १७८, ४१०। | स्वल्पसंचर | ३३४, ९५५। |
| स्वर्ण. | १५२, १७०, १९१, ५३०। | स्वविद् | ३६८, ८। |
| स्वर्णकामयेत्तु | ८०, १०२। | स्वसपद् | २३६, १६। |
| स्वर्णक्राय | ४५६, ४८। | स्वसृ | २६, ६। |
| स्वर्णक्षार | २०३, १६। | स्वस्ति=आशिषि कुशले च। | |
| स्वर्णक्षीरी. | ३११, ५५। | स्वस्तिक | १५, ६९, ३०१, ४६९, ३३४, ९५२। |
| स्वर्णिगिरि | ३४१, ४। | स्वस्तिमुख | ९६, ७१। |
| स्वर्णचूड | ३३४, १५२। | स्वस्त्रयन. | ४३०, ११८। |
| स्वर्णजीवा | २९२, ३९। | स्वस्त्रीय | २७, ६। |
| स्वर्णद | २६७, १७२। | स्वाति (ती) | ४०१, ११। |
| स्वर्णदी=मन्दाकिनी। | | स्वादन | १६६, ३०। |
| स्वर्णदीधिति | ३७७, ३। | स्वादाग्राण | १६७, २०७। |
| स्वर्णवातु | १९५, ५६५। | स्वादु | ६५, ४०५। |
| स्वर्णपक्ष | ४५६, ५०। | स्वादुकण्टक | २७३, २२१, ३००, ४६३। |
| स्वर्णपर्णी | २९२, ३९। | स्वादुकन्द | १४४, ११७, १४७, १३५। |
| स्वर्णपरेवत | २५७, ८३। | स्वादुकन्दा | १७९, ४२२। |
| स्वर्णपुष्प | २७६, २४४। | स्वादुक्रा | ३१२, ५६४। |
| स्वर्णपुष्पक | २६७, १७२। | स्वादुज्येष्ठ | १६७, २१२। |
| स्वर्णपुष्पी | ३०८, ५२। | स्वादुपटोलो | १४८, १४६। |
| स्वर्णमातृ | २५४, ५६। | स्वादुपामा | ३०५, ५०८। |
| स्वर्णमीन | ३५५, १०५। | स्वादुपिण्डा | २५८, ८८। |
| स्वर्णमेदिनी, | ८०, १०३। | स्वादुफल | २७१, २०६। |
| स्वर्णलता | २९५, ४१३। | स्वादुफला | १४८, १४४, १४९, १४७। |
| स्वर्णवर्ण | ६६, ४१३। | | |

स्वादुमासी २९२, ३८८।
 स्वादुरसा ३०९, ४९९।
 स्वादुलता १८०, ४२३।
 स्वादी=द्राक्षा।
 स्वाध्याय ७१, २३, ७४, ५८, ८७,
 १५९।
 स्वान ४५०, १०१।
 स्वान्त ४१७, १०२।
 स्वाप ५६, ३२१, ४३१, १२८।
 स्वापतेय १९२, ५३४।
 स्वापनी १७३, ३८०।
 स्वाभाविक २१, १३।
 स्वामिन् ८४, १३८, ९७, ८०, २१६,
 १८।
 स्वायम्मुख ४४०, १५, ४४१, २०।
 स्वाराज् ३८२, २४।
 स्वारोचिष ४४१, २०।
 स्वास्थ्य ४३१, १२६।
 स्वाहा ८०, १०१, ४५८, ११, ३७९,
 २१, ४४२, २७।
 स्वाहापति ३७७, ४।
 स्वाहाशन ३६९, ३।
 स्वाहेय ३९५, १४५।
 स्वित=प्रश्ने वितके च।
 स्विच्छ ३९२, ११४।
 स्वेद ४७, २४६, ४२९, १०९।
 स्वेदज २२५, ९८।
 स्वेदनी=कन्दु।
 स्वेदमातृ ४५, २२२।
 स्वेदसभवा ३३९, १९८।
 स्वैर =स्वच्छन्द
 स्वैरिणी २४, ३६, ३२९, १०२।
 स्वैरिता २३५, ४।
 स्वैरिन् २१७, २५।

ह

ह ४५८, ६, ३८८, ८।
 हंस ११०, १९१, १३७, ४५, ३३१,
 १२१, ४३६, ३, ४५१, ६, ३७३,
 ३९, ३७१, २।

हंसक ५०, २६९।
 हंसका ३३७, १०९।
 हंसकाली १८१, ४३५।
 हंसपद ११०, ५१९।
 हंसपादा ३७३, ३३।
 हंसपदिता ३१३, ५७३।
 हंसभाषा (या) २९२, ३८५।
 हंसरथ ४३९, ४।
 हंसलोमश १९६, ५७१।
 हंसवाहन ४३९, ६।
 हंसी ३३१, १०६।
 हंडा ४२६, ८।
 हंडिका=अङ्ग रवलगा।
 हंडे ४२६, ८।
 हट १०, १२।
 हंडी ३३३, १४४।
 हंडिल्यासिनी=पर्णविलापिना।
 हठ=प्रसम्मू।
 हठपत्री २८७, ३४६।
 हठमोपक २०७, ५०।
 हठान् ४५५, १३।
 हण्डा ४२६, ८।
 हण्डिका १२३, ३०७।
 हण्डे ४२६, ८।
 हत २२३, ८१, २२७, १२०।
 हत्ता॒र्चिस् ४०२, ३६।
 हेत २३२, १६१।
 हनु ३७, १५७।
 हनु (नू) मख ९५, ६०।
 हनू॒ ३७, १५७।
 हनूमद्वज ९३, ४२।
 हनूष ३८६, ५६।
 हनूस्तम्भ ५८, ३४५।
 हन्त=हर्षे विषादे च।
 हन्त २३२, १६१।
 हपुषा ३०४, ४९६।
 हम्मि (म्मी) ४२९, ११३।
 हय ११०, ११०, ३२०, २९, ३७२,
 २।

हयकातरा ३१३, ५७४।
 हयङ्क ३८३, ३२।
 हयन् १०३, १३१।
 हयपुच्छी २९२ ३८५।
 हयप्रिया २५८, ८५, ३०४, ८९४।
 हयमारु २७३, २०३।
 हयङ्कम् १३७, ४१।
 हयवरिन् २७३, २२३।
 हयाभ्यङ् ९०, १७।
 हयानन्द १३८, ५२।
 हर. १८५, ४७१, ३७७, १, ३८९, ८६।
 हरण ९८, ८६।
 हरतेजस् १९७, ५८४।
 हरप्रिय २७३, २२३।
 हराहर १३१, ३७०।
 हरि ८४, १८, ११०, १९२, ३१८, ४
 ३२२, ४६, ४३६, २, ४५१, ६,
 ३७२, १, ३८२, २४, ३८९, ४०,
 ३९०, १, ३९८, १६०, ४३५,
 १६६।
 हरिकेलि ७, २६।
 हरिमन्थ. ६२, ३३७।
 हरिचन्दन ३८४, ४३।
 हरिच्छाक १४५, ९९८।
 हरिण १८८, ४४, ३२१, ३१, ४३५,
 १६२।
 हरिणहृदय १२२, ३६६।
 हरिणी १७४, ३६९।
 हरित. ३७४, ४८, ४३५, १६४।
 हरित. १११, ००७, १३८, ५३, २९०,
 ३६६, ४३५, १६४।
 हरितकम्=शाकम्।
 हरितच्छद २४५, ११।
 हरितपत्रिका. २८१, २९३।
 हरिता १५५, २०८, २१०, ७९, २७८,
 २६४, २८८, ३५०, ३०५, ५०३,
 ३७४, ४४।
 हरिताल (क.) १९५, ५८७।
 हरिताश्मक. २००, ६०६।

हरित्यर्ण १४५, ११४।
 हरिदश्व=सूर्य ।
 हरिवर्भ २८७ ३४४।
 हरिश्च १५६, २०७।
 हरिद्राक्ष २६०, ९०८।
 हरिद्राम=पीत ।
 हरिद्राराग २१९, ४३।
 हरिद्रासद्वा, ४३५, १६४।
 हरिद्वु २७२, २१०।
 हरिद्वष. २५०, १३।
 हरित् ३१८, ३।
 हरिनेत्र ३५७, १२३।
 हरिन्मणि १९९, ५९७।
 हरिप्रिय ६४, ४०१, १७२, ४१७।
 हरिप्रिया ४५७, ५०।
 हरिम १११, २०२।
 हरिमत् ३८२, २८।
 हरिमन्य १३८, ५३, १३८, ५६।
 हरिमन्यज=चणक ।
 हरिवलभ २७८, २६५।
 हरिवल्लु ३०९, ५००।
 हरिवाहन ३८२, २१।
 हरिश्चन्द्र ९१, २५।
 हरिस्पृष्ट. ३९७, १५५।
 हरिहय=हन्द्र ।
 हरीतक ३३३, १४६।
 हरीतकी २५३, ४४, २६४, १४५।
 हरेणु १३९, ५९।
 हरेणु॥ १७३, ३६२।
 हर्ष्य १३, ४७, १५, ६२।
 हर्यक्ष ३१८, ४।
 हर्ष=अनन्द ।
 हर्षण २२४ ९४; २८०, २८२, ३८५
 ४७।
 हर्षमणि २१५, १४।
 हर्षित् ४१६, ९८।
 हर्षुक २२४, ९४।
 हल् ४४३, ४३।
 हल १२४, ३२२, १२८, ३५६, १३४,
 १४, २७६, २४८।

हल्मूति ८४, १३९ ।
 हलराष्य ३०७, ५१८ ।
 हला २११, ८४, ४२६, ८८ ।
 हलायुव ४७४, ३३ ।
 हलाह १११, २०७ ।
 हलाहल ३२४, ६२, ३२७, ७०, ३६६,
 २२ ।
 हलि १३४, १३ ।
 हलिन् १३३, ९, ४५५, ३५ ।
 हलिनी ३०५, ५०१ ।
 हलिप्रिय =कदम्ब ।
 हलित्रिया=सुरा ।
 हली ३०५, ५०२ ।
 हलीमक ५५, ३१६ ।
 हलीष=लाङ्गलदण्ड ।
 हल्य ८, ३४ ।
 हल्या २४४, ८७ ।
 हल्लम=रक्तसंयम ।
 हल्लीसक ४२२, ४९ ।
 हल्लेल १२८, ३५६ ।
 हव ७५, ५८, २३९, ४१ ।
 हवनी ७७, ८२ ।
 हविनी ७७, ९४ ।
 हविर्णवा २८३, ३११ ।
 हविषा ३०४, ६९७ ।
 हविष्ठ ३७१, १० ।
 हविष्य ७६, ६७, १३७, ४२ ।
 हविस् ७६, ६७ ।
 हव्य ७७, ९३, १४०, ६७, ३७७, ९ ।
 हव्यपाक ७८, ८८ ।
 हव्यवहा ३७८, २० ।
 हव्यवाह् ३७६, १ ।
 हव्यवाहन ३७७, ७ ।
 हव्याश ३७७, ८ ।
 हस ४२७, ९४ ।
 हसन ४२७, ९७ ।
 हसनी (न्ती) १४३, ९८ ।
 हसि ४२७, ९४ ।
 हसित २५२, ३५ ।

हस्त १९, १०३, ३९, १७२, १०७,
 १६१, ४०१, ११० ।
 हस्तचटकाराम ४४९, ९० ।
 हस्तचाप ४१, १०७ ।
 हस्तव रणम्=हस्तवारणम् ।
 हस्तयाद ४३४, १५८ ।
 हस्तबन्ध ४३०, १०९ ।
 हस्तलेप ४३०, ११९ ।
 हस्तवारण २३५, ८ ।
 हस्तवाप ११९, २७३ ।
 हस्तिकम्ब १७७, १७५ ।
 हस्तिरण २७३, २३६, ३२२, ११३ ।
 हस्तिकण्ठ २८७, ३२६ ।
 हस्तिक रवी १७२, ३५९ ।
 हस्तिर शानकी १४८, १४० ।
 हस्तिनन्त १४७, ११४ ।
 हस्तिन् १०४, १४३ २६२, १०८ ।
 हस्तिन १०, १२ ।
 हस्तिनख १७, ५० ।
 हस्तिनापुर १०, ११ ।
 हस्तिपक =निषादी ।
 हस्तिपत्र १७९, ८१५ ।
 हस्तिरणी १५०, १६० ।
 हस्तिपुर, १०, १८ ।
 हस्तिपला १५० १६२ ।
 हस्तिल ३८३, ३६ ।
 हस्तिरोहण २६९, १८८ ।
 हस्तिलोध्र १७४, ३७५ ।
 हस्तिशानु ३१८, ६ ।
 हस्तिशाळा १३, ८७ ।
 हस्तिशुणिडका ३१२, ५५९ ।
 हस्तिश्वयाम १३६, ३७ ।
 हस्त्यारोह =निषादी ।
 हहा ३७३, ३७ ।
 हहोलिका ३३३, १४३ ।
 हा=चिपादे पीडाया च ।
 हाटक १९१, ५३० ।
 हाटकरम्भा २५५, ६३ ।
 हन २३८, २९ ।

हायन १३४, २१, ४१३, ७२, ४४१,
११।
हायिक ९०, १७।
हार ४६, २६०।
हारतेजोत्या ४५, २२२।
हारमयग ४८, २५।
हारद्वार २१३, ८६।
हारद्वारा २५९, ९६।
हारि (री) ९७, ६८, १२९, ३६४।
हारिणी २२, २५।
हारित =हारीत ।
हारिद्र ५४, ३०७।
हारीत ३३४, १४७।
हार्दि ४३२ १३७।
हार्यकल २६५, १५३।
हाल ९६, ६३, १३४, १४, १३५, २४।
हालक १११, २०७।
हाला २११, ८४।
हालहल २११, ८६, २६६, २२।
हालिक १८२, ४४।
हालनी ३२४, ६५।
हालिष्ठा ३३६, १६५।
हालु ३७, १५८।
हाव २१, ४०।
हास ४२७, ९४।
हासा ३९४, १३५।
हास्तिकम्=गजयूथम्।
हास्तिनपुर १०, १४।
हास्य ४२७, ९०, ४२७, ९५।
हाह १८१, ४३३।
हाहा ३७३, २८।
हि ४५८, ६।
हिसक. २०५, २९।
हिसन १३०, ३७५।
हिसा १३०, ३७२, १३१, १७७।
हिसाकर्मन ८०, १०६, २४१, ६१।
हिस. २२१, ६२।
हिक्का=स्वरभेद ।
हिङ्ग १५५, ११८।

हिङ्गनाडिका १५५ ११८।
हिङ्गनिर्यास २६५, १५५।
हिङ्गपत्री १५४, ११६।
हिङ्गुल ११५, ५६३, २४८, २, २९१,
३७४।
हिङ्गुली १५०, १५६।
हिंजल २९१, ३७४।
हिङ्गीर १०८, १७२।
हिंडिम्बसूदन ९३, ४०।
हिंडक १२५, ३२२।
हिंडी ३१३, १२३।
हिंडीर =समुद्रफेन ।
हित ३०, ९९, ६०, ३६१।
हिनु ३७, १५७।
हिन्ताल २७०, १५५।
हिम ६२, ३७६, ३४१, ७।
हिमजा १७८, ४०५।
हिमदुर्दिन ३४१, ९।
हिमयुति ३९९, १७३।
हिमपद्मा ३६०, १४९।
हिमप्रस्थ ३४१, ५।
हिमयुक्त ६३, ३०९।
हिमवत ३४१, ५।
हिमवद्धम ३४२, १।
हिमवालुक (का) ६३, ३८५।
हिमवर्करा १५७, २२१।
हिमसंहति ३४१, ७।
हिमस्व १९३, ५४५।
हिमा १७२, ३५६, १७३, २६२, १७५,
३८७, २९०, ३७०, ३९४, १३४,
४०९, ३७।
हिमशु =चाद्र ।
हिमगम ४१३, ६७।
हिमाङ्क ६३, ३८६।
हिमाद्रिजा ३११ ५५१, ३९३, १२४।
हिमानी १५७, २२१, ३४१, ७।
हिमालय ३४१, ५।
हिमालया ३१३, ५६७।
हिमावती ३११, ५५१।

हिमारली १७८, ४०९ ।
 हिमाश्रया २९२, ३३१ ।
 हिमोत्तरा २९९, ९४ ।
 हिरण्य (ण) १९२, ५३५, २१३, १०२ ।
 हिरण्यकश्चिपु ३६२, १४ ।
 हिरण्यगर्भ ८०, १०२ ।
 हिरण्यबाहु ३४८, ८२ ।
 हिरण्यरेतसु ३७७, ५, ३८९, ८८ ।
 हिरण्यनर्णा ३४९, ३३ ।
 हिरण्यग्रह ३४८, ४२ ।
 हिरण्याक्ष ३६२, १३, २७१, १९ ।
 हिरिवेक २८१, २१४ ।
 हित्क् ४५८, ९ ।
 हितमेविका=शाकविशेष ।
 ही=विस्मये ।
 हीन २३३, १७४ ।
 हीनयादिन् २२२, ७४ ।
 हीनाज्ञी ३२६, ७५ ।
 हीर ५०, २७४, ३६४, ६, ३८९, ८३ ।
 हीरक १९९, ५९९ ।
 हीरा २६७, १६७ ।
 हीराज ३११, १०९ ।
 हुड ३१९, १७ ।
 हुडरोमन् ३०९, ५३३ ।
 हुड १८५, ४७१ ।
 हुण्ड २८५, ३२२ ।
 हुण्ड ३१५, ५८३ ।
 हुत ७६, ६८ ।
 हुतभुविप्रया=स्वाहा ।
 हुतभुज् ३७७, ९० ।
 हुताशन ३७७, ९० ।
 हुम् ४६०, २३ ।
 हुल १२४, ३१६ ।
 हुलहुली ४४९, ९५ ।
 हुलि १२५, ३२४ ।
 हुङ्गे ३७३, ३७ ।
 हूति २३९, ४१, ४४६, ६८ ।
 हूत्कार ४४९, ९५ ।
 हूहू ३७३, ३८ ।
 हृ २४३, ९६ ।
 हृणि (ण.) ना २४८, ११९ ।
 हृद ४१, १११, ४५, २२७, ४१६,
 १०१ ।
 हृदय ४१, २०७, ३९२, ११७, ४१६,
 १०१ ।
 हृदयकाढ ४१, १११ ।
 हृदयज्ञम् ४४७, ७४, ४४७, ७९ ।
 हृद्यालु २२०, ५१ ।
 हृदयेग ३४, १२४ ।
 हृदयिय ५७, ३३५ ।
 हृद्यात्री १७८, ४०१ ।
 हृद्य २२५, १०२ ।
 हृद्यागन्व १५२, १०८, २६३, १३३ ।
 हृद्रोग ५७, ३३० ।
 हृदण ५७, ३३५ ।
 हृन्मेदस् ४५, २२९ ।
 हृषेव २४१, ५९ ।
 हृलखा ४२९, ११५ ।
 हृषीक ४३४, १५७ ।
 हृषीकेश ४५१, १ ।
 हृष्ट २३२, १६९ ।
 हृष्टमानस्, २१५, १४ ।
 हृष्टरोमन् २३१, १५२ ।
 हे ४९८, १० ।
 हेनि ११७, २५८, ३७८, २३, ४३१,
 १३१ ।
 हेतु २३८, ३३, ४१६, ९३ ।
 हेतुपुष्प १७४, ३७५ ।
 हेत्य ३७३, ३५ ।
 हेमकूट =पर्वतविशेष ।
 हेमजम्बूक. ३१२, ११६ ।
 हेमजीवन्ती २२२, ३११ ।
 हेमदुवाव २६०, १०७ ।
 हेमदुवा ३११ ५५१ ।
 हेमधान्य १९०, ५९५ ।
 हेम (न्) १९१, ५३१ ।
 हेमन (न्त) ४१३, ६७ ।
 हेमपुष्प (क) २७५, २४३ ।

- हेमपुष्पिका ३०६, ५१९।
 हेमपुष्पी २९४, ४०६।
 हेमफला २७५, ६३।
 हेमहस्तिरथ ८०, १०३।
 हेमा २९२, ३९१, ३७३, ३३।
 हेमाद्रि=सुमेह ।
 हेमाह (य) १९६, ५७३, २७६, २४४।
 हेरम्ब. २, १०, १८१, ४२३, ३९३,
 १२१।
 हेलक ३९१, १०९।
 हेला २१, १४, ४३०, १२४, ४३१,
 १३१।
 हेलि ४३६, २, ४३०, ११८।
 हेवाक ४२९, ११४।
 हेषः ११२, २१२, ४५०, १०५।
 हेविन् ११०, ११३।
 है ४५८, १०।
 हैम २६६, १५८।
 हैमदण्ड १०३, १२७।
 हैमवती १४०, ७०, १७२, ३५५, १७३,
 ३६२, २५९, ९५, ३११, ५५१,
 ३१७, ६०५।
 हैमी २७६, २५१, ३११, ५५१।
 हैयज्ञवीन १५७, २२२।
 हैरिक १०, १४।
 हैहय १२, २८।
 हैहयपुर. ११, २५।
 होतु ७५, ६१।
 होत्रक ७६, ६७।
 होम ७९, ९७।
 होमकुण्ड ७९, ९४।
 होमकुण्डक ७७, ८३।
 होमधान्य १४०, ६७।
 होमधूम ७७, ८३।
 होमस्तम्भ ७७, ८१।
- होमोत्तम १५७, २२४।
 होरा=राज्यवस्
 होलाका ४१०, ४५।
 होलिका ४१०, ४५।
 होली ४१०, ४५।
 होस १७०, ३३३।
 होसणी १७०, ३३५।
 होहा ३७३, ३८।
 हौमि ३७७, ११।
 हौस्य १७७, २२४।
 ह्यस् ४६०, २७।
 हद. ३४६, २८।
 हदग्रह ३५६, ११८।
 हदा ३४८, ४५।
 हदिनी ३४७, ३०।
 हसिष्ठ २३४, १८४।
 हस्त ३३, ११४, २२८, १२७, ४४३,
 ४१।
 हस्तगवेषुका=नागबला ।
 हस्तफल २५६, ६८।
 हस्तमूला ३१५, ५८८।
 हस्ताङ्कुरा २६३, १३८।
 हस्ताङ्ग ३०९, ५३६।
 हस्तरण्ड २८५, ३२९।
 हाद ३६२, १५, ४५०, १०९।
 हादा २६३, १३७।
 हादिनी २६३, १३७, ३४७, ३२, ३८४,
 ३३, ३९६, १५४।
 ही. ४३२, १३५।
 हीकु ३१९, १९।
 हीण (त) २३१, १५२।
 हीवेर २८१, २९४।
 हेषा. ११२, २१२, ४५०, १०५।
 हाद ३६३, १६।
 हादिनी २६३, १३७।

कल्पद्रोः प्रकरणानुक्रमणिका ।

| पृ | | |
|--------------------------|-----|--|
| उपक्रम | | |
| १ भूमिस्कन्ध | १ | |
| १ अङ्गुरोद्धम | २ | |
| १ देशप्रकाण्ड | ४ | |
| २ पूर्वप्रकाण्ड | ८ | |
| ३ नरप्रकाण्ड | २० | |
| ४ ब्रह्मप्रकाण्ड | ६८ | |
| ५ क्षत्रियप्रकाण्ड | ८९ | |
| ६ वैश्यप्रकाण्ड. | १३२ | |
| ७ शूद्रादिप्रकाण्ड | २०२ | |
| ८ विशेषानिम्नप्रकाण्ड | २१४ | |
| ९ सकीणप्रकाण्ड | २३४ | |
| १० वनौषधिप्रकाण्ड | २४८ | |
| ११ सरभादिप्रकाण्ड | ३१७ | |
| १२ पर्वतादिप्रकाण्ड | ३४० | |
| १३ समुद्रादिप्रकाण्ड | ३४३ | |
| | | |
| १४ पातालप्रकाण्ड | ३६१ | |
| १५ सर्पादिप्रकाण्ड | ३६३ | |
| १६ नारकाद्यप्रकाण्ड | ३६७ | |
| १७ जिनप्रकाण्ड | ३६८ | |
| २ भुवस्कन्ध | ३६९ | |
| ३ साथारणप्रकाण्ड | ३६९ | |
| २ भूस्थदेवप्रकाण्ड | ३७६ | |
| ३ नमस्थदेवप्रकाण्ड | ३७६ | |
| ४ कालप्रकाण्ड | ४०५ | |
| ५ नाथप्रकाण्ड | ४१७ | |
| ३ स्वर्गस्कन्ध | ४३६ | |
| १ सूर्यादिप्रकाण्ड | ४३६ | |
| २ ब्रह्मप्रकाण्ड | ४३९ | |
| ३ यज्ञादिप्रकाण्ड | ४५१ | |
| ४ अव्ययप्रकाण्ड | ४५७ | |
| ५ स्त्रीलिङ्गादिप्रकाण्ड | ४६१ | |

1932

GAEKWAD'S ORIENTAL SERIES

Critical editions of unprinted and original works of Oriental Literature, edited by competent scholars, and published by the Oriental Institute, Baroda

I BOOKS PUBLISHED

| | Rs |
|--|---------------------|
| 1 Kāvyaṁīmāṁsā a work on poetics, by Rājasekhara (880-920 A D) edited by C D Dalal and R Anantakrishna Sastry, 1916 Reissued, 1924 | 2-4 |
| <i>This book has been set as a text-book by several Universities including Benares, Bombay, and Patna</i> | |
| 2 Naranārāyanānanda a poem on the Pauranic story of Arjuna and Krsna's rambles on Mount Girnar, by Vasutupāla, Minister of King Viradhwala of Dholka composed between Samvat 1277 and 1287, i.e., A D 1221 and 1231 edited by C D Dalal and R Anantakrishna Sastry, 1916 | <i>Out of print</i> |
| 3 Tarkasangraha a work on Philosophy (refutation of Vaïsesika theory of atomic creation) by Ānandajñāna or Ānandagiri, the famous commentators on Sankarācārya's Bhāsyas, who flourished in the latter half of the 13th century edited by T M Tripathi, 1917 | <i>Out of print</i> |
| 4 Pārthaparākrama a drama describing Arjuna's recovery of the cows of King Virata, by Prahlādanadeva, the founder of Pālanpur and the younger brother of the Paramāra King of Chandrāvati (a state in Mārwār), and a feudatory of the kings of Guzerat, who was a Yuvarāja in Samvat 1220 or A D 1164 edited by C D Dalal, 1917 | 0-6 |
| 5 Rāstraudhavamsa an historical poem (Mahākāvya) describing the history of the Bāgulas of Mayūragiri, from Rāstraudha, king of Kanauj and the originator of the dynasty, to Nārāyana Shāh of Mayūragiri by Rudra Kavi, composed in Śaka 1518 or A D 1596 edited by Pandit Embar Krishnamacharya with Introduction by C D Dalal, 1917 | 1-12 |
| 6 Lingānusāsana on Grammar, by Vāmana, who lived between the last quarter of the 8th century and the first quarter of the 9th century edited by C D Dalal, 1918 | 0-8 |
| 7 Vasantavilāsa an historical poem (Mahākāvya) describing the life of Vastupāla and the history of | .. |

Rs. A

| | | |
|----|--|------|
| | Guzerat, by Bālachandrasūri (from Modheraka or Modhera in Kadi Prant, Baroda State), contemporary of Vastupāla, composed after his death for his son in Samvat 1296 (A D 1240) edited by C D Dalal, 1917 | 1-8 |
| 8 | Rūpakasatkam six dramas by Vatsarāja, minister of Paramardideva of Kalinjara, who lived between the 2nd half of the 12th and the 1st quarter of 13th century edited by C D Dalal, 1918 | 2-4 |
| 9 | Mohaparājaya an allegorical drama describing the overcoming of King Moha (Temptation), or the conversion of Kumārapāla, the Chalukya King of Guzerat, to Jainism, by Yaśahpāla, an officer of King Ajayadeva, son of Kumārapāla, who reigned from A D 1229 to 1232 edited by Muni Chaturvijayaji with Introduction and Appendices by C D Dalal, 1918 | 2-0 |
| 10 | Hammīramadamardana a drama glorifying the two brothers, Vastupāla and Tejahpāla, and their King Viradhabala of Dholka, by Jayasimhasūri, pupil of Virasūri, and an Ācārya of the temple of Munisuvrata at Broach, composed between Samvat 1276 and 1286 or A D 1220 and 1239 edited by C D Dalal, 1920 | 2-0 |
| 11 | Udayasundarīkathā a romance (Campū, in prose and poetry) by Soddhala, a contemporary of and patronised by the three brothers, Chchittarāja, Nāgārjuna, and Mummunirāja, successive rulers of Konkan, composed between A D 1026 and 1050 edited by C D Dalal and Pandit Embar Krishnamacharya, 1920 | 2-4 |
| 12 | Mahāvīdyāvīdambana a work on Nyāya Philosophy, by Bhatta Vādīndra who lived about A D 1210 to 1274 edited by M R Telang, 1920 | 2-8 |
| 13 | Prācīnagurjarakāvysangraha a collection of old Guzerati poems dating from 12th to 15th centuries A D edited by C D Dalal, 1920 | 2-4 |
| 14 | Kumārapālapratibodha a biographical work in Prākrta, by Somaprabhāchārya, composed in Samvat 1241 or A D 1195 edited by Muni Jinavijayaji, 1920 | 7-8 |
| 15 | Ganakārīkā a work on Philosophy (Pāśupata School) by Bhāsarvajña who lived in the 2nd half of the 10th century edited by C D Dalal, 1921 | 1-4 |
| 16 | Sangītamakaranda a work on Music by Nārada edited by M R Telang, 1920 | 2-0 |
| 17 | Kavīndrācārya List list of Sanskrit works in the collection of Kavīndrācārya, a Benares Pandit (1656 A D) edited by R Anantakrishna Shastri, with a foreword by Dr Ganganatha Jha, 1921 | 0-12 |
| 18 | Vārāhagrhyasūtra Vedic ritual (domestic) of the Yajurveda edited by Dr R Shamasastri, 1920 | 0-10 |
| 19 | Lekhapaddhati a collection of models of state and private documents, dating from 8th to 15th centuries A D | |

| | Rs A |
|--------|--|
| | 1925 |
| 20 | Bhavisayattakahā or Pañcamikahā a romance in Apabhramsa language by Dhanapāda (<i>circa</i> 12th century) edited by C D Dalal and Dr P D Gune 1923 |
| 21 | A Descriptive Catalogue of the Palm-leaf and Important Paper MSS in the Bhandars at Jessal-mere, compiled by C D Dalal and edited by Pandit L B Gandhi, 1923 |
| 22 | Parasurāmakalpasūtra a work on Tantra, with commentary by Rāmēvara edited by A Mahadeva Sastry, B A , 1923 <i>Out of print</i> |
| 23 | Nityotsava a supplement to the Parasurāmakalpasūtra by Umānandanātha edited by A Mahadeva Sastry, B A , 1923 Second revised edition by Swami Tīrvīkrama Tīrtha, 1930 |
| 24 | Tantrarahasya a work on the Pṛabhīkara School of Pūrvamimāṃsā by Rāmānujācārya edited by Dr R Shamasastri, 1923 |
| 25, 32 | Samarāngana a work on architecture, town-planning, and engineering, by king Bhoja of Dhara (11th century) edited by Mahamahopadhyaya T Ganapati Shastri, Ph D Illustrated 2 vols , 1924 1925 |
| 26, 41 | Sādhanamālā a Buddhist Tantric text of rituals, dated 1165 A D , consisting of 312 small works, composed by distinguished writers edited by Benoytosh Bhattacharyya, M A , Ph D Illustrated 2 vols , 1925- 1928 |
| 27 | A Descriptive Catalogue of MSS in the Central Library, Baroda Vol 1 (Veda, Vedalaksana, and Upanisads), compiled by G K Shrigondekar, M A , and K S Ramaswāmi Shastri, with a Preface by B Bhattacharyya, Ph D , 1925 |
| 28 | Mānasollāsa or Abhilasitārthacintāmanī . an encyclopædic work treating of one hundred different topics connected with the Royal household and the Royal court by Somesvaradeva, a Chalukya king of the 12th century edited by G K Shrigondekar, M A , 3 vols , vol I, 1925 |
| 29 | Nalavilāsa a drama by Rāmachandrasūri, pupil of Hemachandrasūri, describing the Paurāṇika story of Nala and Damayanti edited by G K Shrigondekar, M A , and L B Gandhi, 1926 |
| 30, 31 | Tattvasangraha a Buddhist philosophical work of the 8th century by Śāntarakṣita, a Professor at Nālandā with Pañjikā (commentary) by his disciple Kamalaśīla, also a Professor at Nālandā edited by Pandit Embar Krishnamāchārya with a Foreword in English by B Bhattacharyya, M A , Ph D , 2 vols , 1926 |

| | Rs A |
|--|------|
| 33, 34 Mīrat-i-Ahmādī By Ali Muhammad Khan, the last Moghul Dewan of Gujarat edited in the original Persian by Syed Nawabali, M A , Professor of Persian, Baioda College, 2 vols , illustrated, 1926–1928 | 19-8 |
| 35 Mānavagrhyasūtra a work on Vedic ritual (domestic) of the Yajurveda with the Bhāṣya of Astāvakra edited with an introduction in Sanskrit by Pandit Rāmakrishna Harshaji Sīstrī, with a Preface by Prof B C Lele, 1926 | 5-0 |
| 36 Nātyasāstra of Bharata with the commentary of Abhinavagupta of Kashmir edited by M Ramakrishna Kavi, M A , 4 vols , vol I, illustrated, 1926 | 6-0 |
| 37 Apabhramsa kāvyatrayī consisting of three works, the Carcaī, Upadesarasāyana, and Kālasvarūpakulaka, by Jinadatta Sūri (12th century) with commentaries edited with an elaborate introduction in Sanskrit by L B Gandhi, 1927 | 4-0 |
| 38 Nyāyapravesa , Part I (Sanskrit Text) on Buddhist Logic of Dinnāga, with commentaries of Haribhadra Sūri and Pārvadeva edited by Principal A B Dhruva, M A , LL B , Pro-Vice Chancellor, Hindu University, Benares, 1930 | 4-0 |
| 39 Nyāyapravesa , Part II (Tibetan Text) edited with introduction, notes, appendices, etc , by Pandit Vidhushekha Bhattacharyya, Principal, Vidyabhavana, Visvabharati, 1927 | 1-8 |
| 40 Advayavajrasaṅgraha consisting of twenty short works on Buddhist philosophy by Advayavajra, a Buddhist savant belonging to the 11th century A D , edited by Mahāmahopādhyāya Dr Haraprasad Sastri, M A , C I E , Hon D Litt , 1927 | 2-0 |
| 42, 60 Kalpadrukośa : standard work on Sanskrit Lexicography by Kesava edited with an elaborate introduction by the late Pandit Ramavatara Sharma, Sahityacharya, M A , of Patna and index by Pandit Shrikant Sharma, 2 vols , vol I, 1928 vol II <i>Shortly</i> | 10-0 |
| 43 Mīrat-i-Ahmādī Supplement · by Ali Muhammad Khan Translated into English from the original Persian by Mr C N Seddon, I C S (<i>retired</i>), and Prof Syed Nawab Ali, M A Illustrated Corrected reissue, 1928 | 6-8 |
| 44 Two Vajrayāna Works · comprising Prajñopāyaviniścayaśiddhi of Anangavajra and Jñānasiddhi of Indrabhūti—two important works belonging to the little known Tantra school of Buddhism (8th century A D) edited by B Bhattacharyya, Ph D , 1929 | 3-0 |
| 45 Bhāvaprakāṣana of Sāradātanaya, a comprehensive work on Dramaturgy and Rasa, belonging to A D 1175–1250 , edited by His Holiness Yadugiri Yatiraja Swami, Melkot, and K S Ramaswami Sastri, Oriental Institute, Baroda, 1929 | 7-0 |

| | Rs A |
|--|------|
| 46 Rāmacarīta of Abhinanda, Court poet of Hāravarsa probably the same as Devapāla of the Pala Dynasty of Bengal (cir 9th century A D) edited by K S Ramaswami Sastri, 1929 | 7-8 |
| 47 Nañjarājayasobhūsana , by Nṛsimhakāvī alias Abhinava Kalidāsa, a work on Sanskrit Poetics and relates to the glorification of Nañjarāja, son of Virabhūpa of Mysore edited by Pandit E Krishnamacharya, 1930 | 5-0 |
| 48 Nātyadarpana on dramaturgy by Rāmacandra Sūri with his own commentary edited by Pandit L B Gandhi and G K Shrigondevkar, M A 2 vols , vol I, 1929 | 4-8 |
| 49 Pre-Dinnāga Buddhist Texts on Logic from Chinese Sources containing the English translation of <i>Satasīstra</i> of Āryadeva, Tibetan text and English translation of <i>Vigraha vyāvartanī</i> of Nāgārjuna and the re-translation into Sanskrit from Chinese of <i>Upāyahrdaya</i> and <i>Tarkasāstra</i> edited by Prof Giuseppe Tucci, 1930 | 9-0 |
| 50 Mirat-i-Ahmadī Supplement Persian text giving an account of Guzerat by Ali Muhammad Khan edited by Syed Nawab Ali, M A , Principal, Bahaudin College, Junagadh, 1930 | 6-0 |
| 51 Trīśaṭīsalākāpurusacarītra of Hemacandra, translated into English with copious notes by Dr Helen M Johnson of Osceola, Missouri, U S A 4 vols , vol I (Ādīśvaracarītra), illustrated, 1931 | 15-0 |
| 52 Dandaviveka a comprehensive Penal Code of the ancient Hindus by Vardhamāna of the 15th century A D edited by Mahamahopadhyaya Kamala Krsna Smṛtitirtha, 1931 | 8-8 |
| 53 Tathāgataguhyaka or Guhyasamāja · the earliest and the most authoritative work of the Tantra School of the Buddhists (3rd century A D) edited by B Bhattacharyya, Ph D , 1931 | 4-4 |
| 54 Jayākhyasamhitā an authoritative Pāñcarātra work of the 5th century A D highly respected by the South Indian Vaishnavas edited by Pandit E Krishnamacharyya of Vadtal, with one illustration in nine colours and a Foreword in English by B Bhattacharyya, Ph D , 1931 | 12-0 |
| 55 Kāvyaṅkārasārasamgraha of Udbhata with the commentary, probably the same as Udbhataviveka of Rājānaka Tilaka (11th century A D) edited by K S Ramaswami Sastri, 1931 . | 2-0 |
| 56 Pārānanda Sūtra an ancient Tāntric work of the Hindus in Sūtra form giving details of many practices and rites of a new School of Tantra edited by Swami Trivikrama Tirtha with a Foreword by B Bhattacharyya, Ph D , 1931 | 3-8 |

Rs A

- 57 **Ahsan-ut-Tawarikh** history of the Safvi Period of Persian History, 15th and 16th centuries, by Hasan-i Rumlu edited by C N Seddon, ICS (*retired*), Reader in Persian and Maithi, University of Oxford 2 vols Vol I (Text) 11-0
- 58 **Padmānanda Mahākāvya** giving the life history of Rsabhadeva, the first Tūthankara of the Jainas, by Amarachandra Kavi of the 13th century edited by H R Kapadia, M A , 1932 14-0
- 59 **Sabdaratnasamanvaya** an interesting lexicon of the Nānartha class in Sanskrit compiled by the Maratha King Sahaj of Tanjoie edited by Pandit Vitthalā Sāstī, Sanskrit Pathasāla, Baroda, with a foreword by B Bhattacharyya, Ph D *Shortly*
- 61 **Śaktisangama Tantra** a voluminous compendium of the Hindu Tantra comprising four books on Kālī, Tārā, Sundari and Chhinnamastā edited by B Bhattacharyya, M A , Ph D , 4 vols , vol I, Kālikhanda *Shortly*

II BOOKS IN THE PRESS

- 1 **Nātyasāstra** Vol II, edited by M Ramakrishna Kavi
- 2 **Mānasollāsa** or Abhilasitārthacintāmanī, vol II, edited by G K Shrigondevkar, M A
- 3 A Descriptive Catalogue of MSS in the Oriental Institute, Baroda, vol II (Srauta, Dharma, and Grhya Sūtras) compiled by the Library staff
- 4 A Descriptive Catalogue of MSS in the Jain Bhandars at Pattan edited from the notes of the late Mr C D Dalal, M A , by L B Gandhi, 2 vols
- 5 **Siddhāntabindu** on Vedānta philosophy by Madhusūdana Sarasvati with commentary of Purusottama edited by P C Divanji, M A , LL M
- 6 **Portuguese Vocables in Asiatic Languages** translated into English from Portuguese by Prof A X Soares, M A , Baroda College, Baroda
- 7 **Abhisamayālankārāloka** a lucid commentary on the Prañjāpāfamitā, a Buddhist philosophical work, by Śimhabhadra edited by Prof Giuseppe Tucci
- 8 **Śaktisangama Tantra** comprising four books on Tārā, Kālī, Sundari, and Chhinnamastā edited by B Bhattacharyya, Ph D , 4 vols , vol II
- 9 **Nātyadarpana**, Vol II introduction in Sanskrit giving an account of the antiquity and usefulness of the Indian drama, the different theories of Rasa, and an examination of the problems raised by the text by L B Gandhi
- 10 **Istasiddhi** on Vedānta philosophy by Vimuktātmā, disciple of Avyayātmā, with the author's own commentary edited by M Hirivanna, M A , Retired Professor of Sanskrit, Maharaja's College, Mysore

- 11 **Alamkāramahodadhi** a famous work on Sanskrit Poetics composed by Narendrapālātha Sūti at the request of Minister Vastupālā in 1226 A.D. edited by Lalchandra B. Gandhi of the Oriental Institute Baroda
- 12 **Sanskrit Texts from Bali** comprising a large number of Hindu and Buddhist ritual texts, religious and other texts recovered from the islands of Java and Léh with comparisons edited by Professor Sylvain Levi
- 13 **Sūktimuktāvalī** a well known Sanskrit work on Anthology, of Jálhana, a contemporary of King Kr-na of the Hoysala Yādava Dynasty (A.D. 1247) edited by Pandit E Krishnamoorthy Sanskrit Pāthashālā, Vadtal
- 14 **Tarikh-i-Mubarakkhshahi** an authentic and contemporary account of the kings of the Slave Dynasty of Delhi translated into English from original Persian by Kamala Krishnamurthy, Professor, T.N.J. College, Bangalore
- 15 **Kāvya-mīmāṃsā** A Sanskrit work on Poetics of Kāvya by khara third revised edition by K. S. RamaSwami Shastri of the Oriental Institute, Baroda
- 16 **Sabara-Bhāṣva** on the Mīmāṃsā Sūtras of Jaimini Translated into English by Mahīmahopidhvāyī Dr Ganganath Jha, M.A., D.Litt., etc., Vice-Chancellor, University of Allahabad
- 17 **Gandavyūha**: a Buddhist work describing the history of Sudhana in search of perfect knowledge and the exploits of Mañju-ri (3rd century A.D.) edited by B Bhattacharyya, Ph.D
- 18 **Ganitatilakavṛtti** of Śrīpati with the commentary of Simhatilaka, a non Jain work on Arithmetic and Algebra with a Jain commentary edited by H R Kapadia, M.A
- 19 **Nārāyaṇa Śatka** a devotional poem of high literary merit by Vidyākara with the commentary of Pitāmbara edited by Pandit Shrikant Sharma
- 20 **Dvādaśāraṇayacakra** an ancient polemical treatise giving a resume of the different philosophical systems with a refutation of the same from the Jain stand point by Mallavadi Suri with a commentary by Simhasuri Gani edited by Muni Caturvijayaji
- 21 **Gurjararāśāvalī** a collection of several old Gujarati Rasas edited by Messrs B K Thakore, M D Desai, and M C Modi
- 22 **Nāyakaratna** a commentary on the Nyāyaratnamāla of Pārthasārathi Misra by Rāmānuja of the Prābhākara School edited by K S RamaSwami Shastri of the Oriental Institute, Baroda
- 23 **Mādhavānala Kāmakandalā** a romance in old western Rajasthani by Ganapati, a Kāyastha from Amod edited by M R Majumdar, M.A., LLB

- 24 **Rājadharma-Kaustubha** an elaborate Smṛti work on Rājadharma, Rājanīti and the requirements of kings by Anantadeva edited by Mahamahopadhyaya Kamala Krishna Smṛtitirtha
- 25 **Parasurāma-Kalpasūtra** an important work on Tantra with the commentary of Rāmēsvara second revised edition by Swami Trivikrama Tutha
- 26 **Tarkabhāṣā** a work on Buddhist Logic by Mokṣākara Gupta of the Jagaddala monastery edited with a Sanskrit commentary by Pandit Embar Krishnamacharya of Vadtal
- 27 **Trisastisalākāpurusacaritra** of Hemacandra translated into English by Dr Helen M Johnson, 4 vols , vol II
- 28 **Ahsan-ut-Tawarikh** history of the Safvi period of Persian History edited by C N Seddon, I C S (retired), University of Oxford, Vol II (English translation)
-

THE GAEKWAD'S STUDIES IN RELIGION AND
PHILOSOPHY

- | | Rs A |
|---|------|
| 1 The Comparative Study of Religions [Contents I, the sources and nature of religious truth II, supernatural beings, good and bad III, the soul, its nature, origin, and destiny IV, sin and suffering, salvation and redemption V, religious practices VI, the emotional attitude and religious ideals] by Alban A Widgery, M A , 1922 | 15-0 |
| 2 The Philosophy and Theology of Averroes [Contents I, a decisive discourse on the delineation of the relation between religion and philosophy Ia, on the problem of eternal knowledge which Averroes has mentioned in his decisive discourse II, an exposition of the methods of arguments concerning the doctrines of the faith] by Mohammad Jamil-ur-Rahman, M A , 1921 (Cloth Rs 5/-) | 3-0 |
| 3 Religious and Moral Teachings of Al Ghazzali [Contents I, the nature of man II, human freedom and responsibility III, pride and vanity IV, friendship and sincerity V, the nature of love and man's highest happiness VI, the unity of God VII, the love of God and its signs VIII, <i>riza</i> or joyous submission to His will] translated by Syed Nawab Ali, M A , 1921 | 2-0 |
| 4 Goods and Bads being the substance of a series of talks and discussions with H H the Maharaja Gaekwad of Baroda [Contents introduction, I, physical values II, intellectual values III, aesthetic values IV, moral value V, religious value VI, the good life, its unity and attainment] by Alban G Widgery, M A , 1920 (Library edition Rs 5/-) | 3-0 |
| 5 Immortality and other Essays [Contents I, philosophy and life II, immortality III, morality and religion IV, Jesus and modern culture V, the psychology of Christian motive VI, free Catholicism and non-Christian Religions VII, Nietzsche and Tolstoi on Morality and Religion VIII, Sir Oliver Lodge on science and religion IX, the value of confessions of faith X, the idea of resurrection XI, religion and beauty XII, religion and history XIII, principles of reform in religion] by Alban G Widgery, M A , 1919 (Cloth Rs 3/-) | 2-0 |
| 6 Confutation of Atheism a translation of the <i>Hadis-r-Hahla</i> or the tradition of the Myrobalan Fruit translated by Vah Mohammad Chhangambhai Momin, 1918 | 0-14 |
| Conduct of Royal Servants · being a collection of verses from the <i>Viramitrodaya</i> with their translations in English, Gujarati, and Marathi by B Bhattacharyya, M A , Ph D | 0-6 |

Agent in Germany

OTTO HARRASSOWITZ,

BUCHHANDLUNG UND ANTIQUARIAT,

QUERSTRASSE 14,

LEIPZIG

For further particulars please communicate
with—

THE DIRECTOR,
Oriental Institute, Baroda